Bharatiya Bhasha Jyothi Series

भारतीय भाषा ज्योति

मलयाळाम

HINDI - MALAYALAM

भारतीय भाषा संस्थान

Central Institute of Indian Languages

(Ministry of Human Resource Development, Department of Higher Education, Government of India)
Hunsur Road, Manasagangotri
Mysuru – 570 006
website: www.ciil.org

भारतीय भाषा ज्योति

मलयाळम

मैसूर के भारतीय भाषा संस्थान (भारत सरकार) तथा भाषा विभाग (उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ) के सहयोग से संचालित एक कार्यशाला में विरचित इस पुस्तक को **श्रीमती बी.श्यामला कुमारी** ने ब्रह्मवर्चस शोध संस्थान (शान्तिकुञ्ज) हरिद्वार के लिए परिष्कृत कर अंतिम रूप दिया।

भारतीय भाषा ज्योति

मलयाळम

रचयिता

बी. श्यामला कुमारी

के.जे. जोसफ़

एस. शिवप्रसाद

हिन्दी विशेषज्ञ

राम आधार सिंह

के.पी. पाल

रूपांकन तथा संपादन

बी. श्यामला कुमारी

भारतीय भाषा संस्थान

(मानव संसाधन विकास मंत्रालय, माध्यमिक और उच्चतर शिक्षा विभाग, भारत सरकार)

मानसगंगोत्री, मैसूर-570006

एवं

ब्रह्मवर्चस शोध संस्थान

शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार-24944

Bharatiya Bhasha Jyothi: Malayalam by
B. Syamala Kumari
K.J. Joseph
S. Sivaprasad

First Published: *September 2001*
Bhadra 1923

Prof. Udaya Narayana Singh
Director
Central Institute of Indian Languages
Manasagangotri, Mysore-570006
INDIA

Phone : 0091-821-515820(Direct)
091-821-515558/Extn. 241
e-mail : bhasha@sancharnet.in
udaya@ciil.soft.net

Grams : BHARATI
Telex : 0846-268 CIIL IN
Fax : 0091/0821-515032
Website : http://www.ciil.org

Published by Prof. Udaya Narayana Singh, Director
Central Institute of Indian Languages, Mysore
&
Dr. Pranav Pandey, Director
Brahmavarchas Shodh Sansthan, Haridwar.
Printed for CIIL and BSS.
Production : K. Srinivasacharya, CIIL, Mysore
Cover Design : H. Manohar, CIIL, Mysore

प्राक्कथन

सदियों से भारत में बहुभाषिकता का प्रचलन रहा है- यह बात अब सर्वजनविदित है। वाणिज्य और अर्थ-व्यवस्था की दृष्टि से बहुत आगे बढ़ गये हैं - ऐसे देश के निवासियों के लिए भारत की बहुभाषिकता अभी भी पहेली जैसी ही है। उनके देशों में अनेक नस्ल के लोग अपने गीत-संगीत, खाना-खजाना, वेश-आभूषण तथा रहन-सहन को लेकर आते रहे हैं, पर कुछ ही समय में उनका अपनत्व विलीन हो जाता है। अतः उनके लिए भारत में एक साथ अनेक भाषाओं का इस क़दर सदियों से कथित, पठित, प्रस्फुटित रह पाना एक अजीबो-ग़रीब मिसाल जैसा है जिसकी व्याख्या दे पाना मुश्किल काम है। पर किसी भारतीय की रोज़मर्रे की ज़िन्दगी की ओर अगर हम ग़ौर करें तो यह देखेंगे कि वह एक ही साथ प्रतिदिन अलग अलग काम में पृथक् पृथक् परिस्थितियों में भिन्न भिन्न भाषा का प्रयोग करता है। अगर हम देखते हैं कि कोई चाय के बगीचे में मज़दूरों के साथ बिहारी बोलियों में, उनके संचालकों के साथ असमिया में, दफ्तर में अंग्रेज़ी में और मनोरंजन के लिए फिल्म तथा टी.वी. में हिन्दी का व्यवहार करता है और घर में अपने लोगों के साथ बंगला में बात करता है तो हमें ऐसी स्थिति में कोई अस्वाभाविकता नज़र नहीं आती है! यहाँ न केवल व्यक्ति बहुभाषी है, भाषिक स्थितियों में भी बहुभाषिकता ग्रथित है। वह तभी संभव हो सकता है जब किसी मुल्क में भाषाएँ जोड़ने का काम करती हैं, तोड़ने का नहीं। लोग अक्सर यह भूल जाते हैं कि भारत में आये, बसे और जन्मे हज़ारों क्षेत्र के लोगों के लिए उनकी भाषाएँ ही वह साधन रही हैं जो एक दूसरे को आपस में जोड़ती रही हैं।

भारतीय भाषा संस्थान इसी भाषिक संयोग को, आदान-प्रदान को बर्क़रार रखने में और इसमें और इज़ाफा करने के काम में अपने को समर्पित करता आया है। आधुनिक भारतीय भाषाओं के शिक्षण- प्रशिक्षण का क्षेत्र इस संस्थान के लिए सब से महत्वपूर्ण क्षेत्र रहा है। यहाँ से प्रकाशित पौने चार सौ के क़रीब किताबों में से आधी से ज़्यादा भाषा-शिक्षण के क्षेत्र में ही हो रही हैं।

जैसा कि भारतीय भाषा के अध्ययन-अध्यापन से जुड़े लोगों को पता ही है, 1969 में स्थापित होने के बाद से भारतीय भाषा संस्थान का मुख्य उद्देश्य रहा है, सभी भारतीय भाषाओं का विकास करना एवं उनमें आवश्यकतानुसार पाठ्य-सामग्री तैयार करना। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए मुख्य भारतीय भाषाओं के अलावा बहुत सी जन जातीय भाषाओं पर शोध हो रहा है और उनमें पाठ्य-सामग्री तैयार की जा रही हैं। इसके अतिरिक्त त्रिभाषा सूत्र के अंतर्गत भारतीय भाषा संस्थान के मैसूर, पूणे, भुवनेश्वर, पाटियाला, सोलन, लखनऊ एवं गुवाहाटी में स्थित क्षेत्रीय भाषा केन्द्रों के माध्यम से प्रति वर्ष जुलाई से अप्रैल तक भारत के विभिन्न राज्यों के अध्यापकों को उनकी इच्छानुसार अथवा संबंधित राज्य की भाषा प्रणाली के अन्तर्गत वांछित भाषाओं में दस मास का गहन प्रशिक्षण दिया जाता है। इस प्रशिक्षण के उपरांत ये अध्यापक सीखी गई भाषा को सम्बन्धित राज्यों के विद्यालयों में पाठ्यक्रम के अन्तर्गत अथवा ऐच्छिक विषय के रूप में पढ़ाते हैं।

पर अब तक द्वितीय भाषा शिक्षण की जितनी अच्छी किताबें आती रही हैं - खास तौर पर भारतीय भाषाओं के सीखने सिखाने की किताबें - वे सभी अंग्रेजी के माध्यम से ही रची-बनी छपी-छपायी गयी हैं। उनके रचयिता और प्रकाशक शायद सोचते हैं कि अंग्रेजी के माध्यम को अपनाने से द्वितीय भाषा शिक्षण (Second language learning) और विदेशी भाषा शिक्षण (Foreign language learning) दोनों के लिए उनकी किताबें प्रयोग में आ सकती हैं। सोचा होगा कि इस तरह से ऐसी किताबें बाज़ार में खरी उतरेंगी। लेकिन दक्षिण एशियाई देशों में बसे और यहाँ के किसी न किसी भाषा को मातृभाषा के रूप में बोलने वालों के लिए

किसी भारतीय ज़ुबान को सीखना और इसके दायरे के बाहर के लोगों के लिए हमारी भाषाओं पर अधिकार प्राप्त करना दो बिलकुल अलग शिक्षण-प्रक्रियायें है। अतः इन दोनों लक्ष्य-गोष्ठियों के लिए दो अलग तरह की सामग्री की आवश्यकता है। एक और कदम आगे जा कर इस अपने लंबे तजुर्बे से मैं यह भी कह सकता हूँ कि अगर किसी भारतीय को एक अन्य भारतीय भाषा सीखनी-सिखानी है तो वह काम अगर एक भारतीय भाषा के ज़रिये ही की जा सकती है। उस लिहाज़ से माध्यम भाषा के रूप में हिन्दी का नाम आना स्वाभाविक है कारण इसको मातृ-भाषा तथा अन्य-भाषा के रूप में बोलने-जाननेवाले भारतीय लोगों की संख्या इतनी बड़ी है कि भारतीय संदर्भ में हिन्दी के माध्यम से अन्य अनुसूचित भाषाओं को सिखाने की वैज्ञानिक ढंग से प्रस्तुत सामग्री अब तक क्यों नहीं आयी थी, यही एक आश्चर्य-जनक बात है। इस कमी की आपूर्ति के लिए और इन ज़रूरतों को देखते हुये भारतीय भाषा संस्थान ने **'भारतीय भाषा ज्योति'** की एक पुस्तक-श्रृंखला की संकल्पना की है।

त्रिभाषा सूत्र के अन्तर्गत हिन्दी भाषी राज्यों में अन्य भारतीय भाषाओं का तीसरी भाषा के रूप में प्रचलन तो अवश्य हुआ है परन्तु भाषा अध्यापकों एवं पुस्तकों की कमी के कारण वांछित सफलता नहीं मिल पाई। अन्य भारतीय भाषाओं एवं विशेष रूप से दक्षिण भारतीय भाषाओं के अध्ययन एवं अध्यापन हेतु उत्तर प्रदेश की राज्य सरकार एवं कुछ स्वायत्त संस्थाओं ने एक अभियान कुछ वर्ष पहले प्रारंभ किया था। चयनित भाषाओं की वांछित पुस्तक एवं भाषा अध्यापकों के विशिष्ट प्रशिक्षण एवं नियुक्ति हेतु राज्य सरकार ने भारतीय भाषा संस्थान का सहयोग आवश्यक समझा। इसी सहयोग की कड़ी में उत्तर प्रदेश की राज्य सरकार के अनुरोध पर भारतीय भाषा संस्थान ने राज्य के भाषा विभाग के साथ मिलकर असमी, बंगला, उड़िया, मराठी, गुजराती, सिंधी, कश्मीरी, पंजाबी, कन्नड़, मलयाळम, तमिल एवं तेलुगु भाषाओं की पाठ्यसामग्री के निर्माण हेतु कार्यशालाएँ आयोजित कीं। इन कार्यशालाओं के माध्यम से इन सभी भाषाओं की पाठ्य पुस्तकें तैयार की गई थीं। ये पुस्तकें **'भारतीय भाषा ज्योति'** पुस्तक-श्रृंखला के अंतर्गत आ रही हैं।

इस श्रृंखला के साथ एक और महत्वपूर्ण संस्था जुड़ी हुयी है और वह है हरिद्वार-स्थित शांतिकुञ्ज की स्वायत्त-संस्था, "ब्रह्म-वर्चस शोध संस्थान"। इस संस्था के सहयोग से हमारी सामग्री का परीक्षण-निरीक्षण संभव हो रहा है और इस सामग्री को उत्साही जनता तक पहुँचाने में भी, यानी इसके प्रकाशन और मुद्रण में इनका योगदान सराहनीय रहा है। तमिल तथा तेलुगु की दो दो पुस्तकें इतिमध्य छप चुकी हैं।

दोनों संस्थाओं की ओर से मैं आशा करता हूँ कि भारतीय भाषा ज्योति श्रृंखला की यह मलयाळम पुस्तक समस्त हिन्दी भाषा-भाषियों के लिए उपयोगी होगी। इसके माध्यम से वे न केवल सम्बन्धित भाषा के अध्ययन में रुचि का परिचय देंगे, अपितु उसके प्रचार एवं प्रसार में भी अपना अमूल्य योगदान देंगे।

मैसूर
1.08.2001

(उदय नारायण सिंह)
निदेशक, भारतीय भाषा संस्थान

प्रस्तावना

भारतीय संस्कृति एवं अध्यात्म का विराट् वाङ्मय अपने वैविध्य पूर्ण विस्तार के साथ भारत की सभी भाषाओं में बिखरा हुआ है। इसकी आधारभूत पृष्ठभूमि बनाने वाले हमारे ऋषिगणों ने संस्कृति को जीवनशैली के रूप में विकसित करके उसे अनगढ़ को सुगढ़ बनाने का विज्ञान बनाया था। उसके हर पक्ष चिन्तन कर जन-जन के मार्गदर्शन हेतु ऋषिसत्ताओं ने जीवन जीने की कला को विभिन्न कोणों से स्पर्शकर अपने विचार व्यक्त किये हैं। उत्तर, दक्षिण, पूर्व एवं पश्चिम चारों ही क्षेत्रों में भिन्न-भिन्न मनीषियोंचिन्तकों ने दर्शन, अध्यात्म, संस्कृति के हर पहलू पर अपने विचार व्यक्त किये हैं। निश्चित ही यह कार्य तत्कालीन परिस्थितियों, वहाँ के परिवेश-वातावरण से भी प्रभावित रहा है। साथ ही यह वहाँ बोली जाने वाली भाषाओं में भी लिखा गया है। अपनी-अपनी मातृ भाषाओं में लिखे इस सांस्कृतिक वैभव के विस्तार को देखकर न केवल गौरव की अनुभूति होती है, तत्कालीन मनीषा की गहराई देखकर अपनी इस विरासत पर प्रसन्नता की अनुभूति भी होती है।

दक्षिण भारत की चारों भाषाओं - तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयाळम के माध्यम से हमें अपने राष्ट्र के इस वैभव पूर्ण विस्तार के सांस्कृतिक वाङ्मय का बोध होता है। इसे जब तक उस भाषा में न पढ़ा जाये, उसका वह आनन्द नहीं आता, जो हमें हिन्दी में लिखी हिन्दी की किसी कृति में आता है। आज हिन्दी व अंग्रेजी के अनुवाद विभिन्न भाषाओं में लिखे ग्रंथों में उपलब्ध हैं, परन्तु भाषा के लालित्य का सही रसास्वादन उसके मूल रूप में ही किया जा सकता है। यह एक सत्य है एवं इसे पूरी गंभीरता के साथ स्वीकार किया जाना चाहिए।

अखिल विश्व गायत्री परिवार का तेजी से विस्तार विगत बीस-पच्चीस वर्षों में सारे भारत व विश्व में हुआ है। मूलतः देव संस्कृति के विस्तार को संकल्पित युग निर्माण मिशन नाम से भी जाने वाले इस संस्थान का जन्म उत्तर भारत में हुआ व विस्तार भी उत्तर व मध्य क्षेत्र में अधिक हुआ। परम पूज्य गुरुदेव पं० श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा लिखी गयी छोटी-बड़ी प्रायः ३२०० पुस्तकों में से कई का उड़िया व गुजराती में तथा कुछ का बंगाली, पंजाबी (गुरुमुखी) में अनुवाद होने पर उन प्रान्तों में भी युग चेतना का विस्तार हुआ है। आज सभी रचनात्मक कार्यक्रमों में उनकी भी जमकर भागीदारी हो रही है। अब यही आवश्यकता दक्षिण भारत में महाप्रज्ञा के विस्तार को देखते हुए आ पड़ी है। तेलुगु भाषा में 'युग शक्ति गायत्री' पत्रिका के मासिक प्रकाशन के बाद से तो उसी भाषा में पढ़ने-लिखने वाले तथा बोलने वालों की अधिकाधिक आवश्यकता अनुभव की जा रही है। राष्ट्र जागरण तीर्थ यात्राओं के अन्तर्गत चारों प्रान्तों (आन्ध्रप्रदेश, तमिलनाडु, केरल एवं कर्नाटक) में प्रज्ञा आलोक का तेजी से विस्तार हुआ है। इसी दृष्टि से गायत्री परिवार के मुख्यालय से अब यह योजना हाथ में ली गयी है।

बैंगलोर संस्कार महोत्सव के दौरान मैसूर के 'भारतीय भाषा संस्थान' के निदेशकगणों से विस्तृत चर्चा हुई। मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अन्तर्गत कार्य कर रहे 'मानस गंगोत्री' में स्थित इस संस्थान द्वारा भारत वर्ष की विभिन्न भाषाओं के प्रशिक्षण का अनूठा भगीरथी कार्य सम्पन्न किया जा रहा है। प्रस्तुत पुस्तिका 'भारतीय भाषा ज्योति' उसी मंथन का निष्कर्ष है। अब इस व्यवहारिक पुस्तक, के माध्यम से शान्तिकुञ्ज के देव संस्कृति विश्वविद्यालय के भाषा प्रखण्ड (शिक्षा प्रकोष्ट) द्वारा कन्नड़ एवं मलयाळम भाषाओं में कार्यकर्त्ताओं को प्रशिक्षित किया जा रहा है। तीन माह तक चलने वाले इस प्रशिक्षण का संचालन भारतीय भाषा संस्थान के विशेषज्ञों द्वारा सम्पन्न हो रहा है। प्रतिदिन छह घंटे के प्रशिक्षण पर आधारित तीन माह के पाठ्यक्रम है यह पुस्तक। १ सितम्बर २००१ से आरम्भ हो रहे प्रशिक्षण में कन्नड़ और मलयाळम में तीन माह

के अन्दर निष्णात बना जा सकेगा। यही क्रम ३-३ माह के खण्डों में पर्याप्त कार्यकर्त्ताओं के प्रशिक्षण तक चलता रहेगा।

उत्तर व दक्षिण के समन्वय के इस भगीरथी कार्य में भारतीय भाषा संस्थान के निदेशक श्री उदय नारायण सिंह के अतिरिक्त श्रीमती बी. श्यामला कुमारी (रीडर, रिसर्च अधिकारी), श्रीयुत के.जे. जोसफ़ और एस. शिवप्रसाद का भावभरा सहयोग रहा है। कोर्स के निर्माण तथा प्रशिक्षण का दायित्व मैसूर के संस्थान ने लिया है, तो प्रकाशन व मुद्रण का दायित्व ब्रह्मवर्चस शोध संस्थान ने लिया है। निश्चय ही इस समन्वय की परिणति देव संस्कृति के भारत व्यापी विस्तार में होगी। दक्षिण भारतीय भाषाओं में लिखे गये वाङ्मय को वहीं की मूल भावना के साथ पढ़ने के बाद इस संस्थान व युग निर्माण मिशन के कार्यकर्त्ताओं का ज्ञान बढ़ेगा, साथ ही एक विराट् उद्देश्य को लेकर चल रहा गायत्री परिवार अपने केन्द्रीय व क्षेत्रीय कार्यकर्त्ताओं के माध्यम से पूरे दक्षिण भारत में अपनी आराध्य सत्ता के चिन्तन को पहुँचाने में समर्थ होगा।

युग आलोक के विस्तार को संकल्पित इस पावन प्रयोजन हेतु जिन-जिन का योगदान रहा है, उन सबके प्रति कृतज्ञता ज्ञापन के साथ इक्कीसवीं शताब्दी के आगमन की शुभ बेला में आरम्भ हो रहे इस पावन अभियान की सफलता हेतु मेरी भावभरी मंगलकामनाएँ।

शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार
९.८.२००१

डॉ. प्रणव पण्ड्या
निदेशक
ब्रह्मवर्चस शोध संस्थान

विषय सूची

भूमिका

हिन्दी भाषा-भाषियों को ध्यान में रखते हुए, हिन्दी माध्यम से अन्य भारतीय भाषाओं का अध्ययन और अध्यापन के लिए तैयार की गई पाठ्य सामग्रियों की शृंखला है **भारतीय भाषा ज्योति**। इस शृंखला की पुस्तकों की रचना भारत सरकार के भारतीय भाषा संस्थान (मैसूर) तथा उत्तर प्रदेश सरकार के भाषा विभाग के सहयोग से संचालित कार्यशालाओं में हुई थी। प्रस्तुत पुस्तक इस शृंखला की एक कड़ी है। उत्तर प्रदेश के भाषा केंद्रों में प्रयोग करने के लिए तैयार की गई पुस्तकें अब हरिद्वार के शान्तिकुञ्ज के ब्रह्मवर्चस शोध संस्थान की भाषा कक्षाओं की अवश्यकता के अनुसारं परिष्कृत की गई हैं। ब्रह्मवर्चस शोध संस्थान द्वारा संचालित तीन महीने की प्रशिक्षण प्रणाली में इस पुस्तक का प्रयोग किया जाएगा।

इन पाठ्य सामग्रियों में प्रशिक्षण प्राप्त करने के पश्चात् छात्रों से निम्नलिखित भाषिक अपेक्षाएँ की जाती हैं :

1. मलयाळम भाषी द्वारा भाषा प्रयोग की विभिन्न स्थितियों में किए जानेवाले दिन-प्रतिदिन के वार्तालापों को सुन कर समझना,

2. रेडियो व टी.वी. पर प्रसारित होनेवाली उद्‌घोषणाओं, समाचारों, विज्ञापन और अन्य कार्यक्रमों का सार ग्रहण करना,

3. कक्षा में सहपाठियों के साथ अपनी दिनचर्या के विषय में सरल वाक्यों में बातचीत करना एवं मलयाळम भाषियों से इन विषयों पर औपचारिक तथा अनौपचारिक सन्दर्भों में चर्चा करना,

4. भाषा में पुस्तकों, समाचार पत्रों, पत्रिकाओं, सूचनापट्टों, इश्तहारों, व्यक्तिगत तथा अन्य प्रकार के पत्रों आदि से संबंधित छोटे छोटे अनुच्छेदों को पढ़ना और साथ ही शब्दकोष और संदर्भ ग्रंथों का उपयोग कर पाना,

5. ऐसे विषयों पर छोटे छोटे गद्यांश लिखना, व्यक्तिगत तथा अन्य प्रकार के पत्र लिखना, परिचित तथा सरल विषयों पर निर्देशित व स्वतंत्र लेख लिखना, जिस में अपनी रुचि हो,

6. शब्दकोष की सहायता लेते हुए मलयाळम से हिन्दी में और हिन्दी से मलयाळम में किसी भी गद्य सामग्री का अनुवाद करना तथा

7. केरल के साहित्यिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विषयों में जानकारी प्राप्त करना

उपर्युक्त उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए इन पाठ्य पुस्तकों की रचना की गई है। भाषा के चारों कौशलों - श्रवण, भाषण, वाचन तथा लेखन पर यहाँ समान रूप से बल दिया गया है।

24 पुनर्भ्यास पाठ हैं। शिक्षणार्थ पाठों को व्याकरणिक संरचनाओं और शब्दों की संख्या व प्रकार के आधार पर स्तरीकृत किया गया है। स्तरीकरण के आधार कुछ इस प्रकार हैं ।

1. परिचित से अपरिचित की ओर
2. सरल से कठिन की ओर
3. विशिष्ट से सामान्य की ओर

भाषाई संरचनाओं पर आधारित वार्तालापों का स्तरीकरण करते समय इस बात का विशेष ध्यान रखा गया है कि पाठ्य-सामग्री की स्वाभाविकता बनी रहे। अतः बाद के पाठों में सिखाए जानेवाले शिक्षण बिन्दुओं से संबद्ध कुछ संरचनाएँ आरम्भ के पाठों में आ गई हैं। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि उस पाठ विशेष की विषय-वस्तु के संदर्भ में उनका उल्लेख आवश्यक था। ऐसी संरचनाओं को उस पाठ की शब्द सूची के हिस्से के रूप में सिखाया गया है।

शिक्षण-पाठों में आई हुई संरचनाएँ

प्रत्येक पाठ में दो अथवा दो से अधिक शिक्षण बिन्दुओं का प्रयोग किया गया है। अधिकांशतः यह वाक्य सांचे के रूप में है। वाक्य सांचों को निम्न प्रकार सूची-बद्ध किया जा सकता है ।

1. सर्वनाम, संज्ञा + संज्ञा वाक्य, सर्वनाम - संज्ञा सरल वाक्य और आज्ञार्थक वाक्य
2. क्रिया-रूपवाले वाक्य, 'ಅಲಿ' (अलि), 'ಓಣ' (ओण), 'ಬಹುದು' (बहुदु) प्रत्यय जोडकर बननेवाले रूप और निषेधात्मक रूप का प्रयोग
3. कुछ क्रियाएँ, सम्प्रदान कारक के रूप तथा प्रश्नवाचक वाक्य
4. 'ಇರು' (इरु) क्रिया के रूप, 'ಅಲ್ಲಿ' (अल्लि) अधिकरण कारक प्रत्यय
5. बाध्यता सूचक और आज्ञार्थक, निषेधात्मक क्रियाँयें और 'ಎ' (ए) बलसूचक या निश्चयार्थक चिह्न
6. पुनरभ्यास पाठ
7. वर्तमान काल की अन्य क्रियाएँ, करण और अपादान कारक की 'ಇಂದ' (इन्द) प्रत्यय, विशेषण तथा तीव्रता बोधक शब्द
8. भूतकाल की क्रियायें तथा कर्मकारक प्रत्यय
9. भूतकाल की अन्य क्रियायें और भूतकाल के निषेधात्मक रूप
10. भविष्यत् काल और आभ्यासिक भविष्यत् काल की क्रियायें, भविष्यत्काल के निषेधात्मक रूप तथा 'ಇಸು' (इसु) प्रत्यय
11. अपूर्ण काल (वर्तमान, भूत और आभ्यसिक भविषत्) के रूप, इनके निषेधात्मक रूप, पूर्व कालिक कृदन्त और निषेधात्मक रूप
12. पुनर्भ्यास पाठ
13. पूर्णकाल (वर्तमान, भविष्यत और भूत) और इनके निषेधात्मक रूप
14. हेतुमद्वाले वाक्य, निषेधात्मक हेतुमद् के वाक्य
15. क्रियाजन्य विशेषण या सम्बन्धवाचक कृदन्त के रूप और इनके निषेधात्मक रूप
16. कृदन्त परक संज्ञा, भूतकालेतर रूप, भूतकाल रूप, अपूर्णकाल रूप और इनके निषेधात्मक रूप

श्रवण और भाषण कौशलों के विकास केलिए प्रत्येक पाठ में वार्तालाप हैं और उस के बाद मौखिक अभ्यास केलिए पर्याप्त सामाग्रियाँ हैं। इसी प्रकार वाचन और लेखन कौशलों के विकास केलिए प्रत्येक पाठ में एक वाचन अनुच्छेद है और साथ ही अभ्यास भी। यह पुस्तक कक्षा में अध्यापक की सहायता से भाषा सीखने के लिए बनाई गई है। इसलिए लिपि सीखने/सिखाने के लिए इस पुस्तक में अलग से कोई प्रावधान नहीं किया गया है। लेकिन इस भूमिका के बाद लिपि सीखने सिखाने केलिए उपयोगी संकेत और निर्देश विस्तार पूर्वक दिए गए हैं। उस के अनुसार अध्यापकों को कक्षाओं में लिपि सिखानी होगी।

प्रस्तुत पुस्तक में भूमिका के अतिरिक्त 24 पाठ हैं। पुस्तक के पाठों में भाषा संरचनाओं पर आधारित वार्तालाप तथा अभ्यास, वाचन-लेखन, अनुवाद अभ्यास तथा सरल व्याकरणिक व सांस्कृतिक बिन्दुओं के विषय में पर्याप्त जानकारी है।

पाठों का ढाँचा इस प्रकार है-

1. वार्तालाप
2. पाठ में आये नये शब्दों के अर्थ
3. अभ्यास
4. वाचन अनुच्छेद
5. अनुच्छेद में प्रयुक्त नये शब्दों के अर्थ
6. अनुच्छेद सम्बन्धी अभ्यास
7. अनुवाद तथा लेखन अभ्यास
8. व्याकरणिक तथा सांस्कृतिक टिप्पणियाँ

पाठ में दिये गये वार्तालाप तथा वाचन अनुच्छेद में एक सी ही संरचनाओं का प्रयोग किया गया है। यही संरचनाएँ पाठ के शिक्षण-बिन्दु हैं। अनुवाद तथा लेखन अभ्यास भी इन्हीं शिक्षण-बिन्दुओं पर आधारित है।

पुस्तक के वार्तालापों का चयन भाषा-प्रयोग की उन सामान्य स्थितियों को लेकर किया गया है जिनका सामना हमें अपने दिन-प्रतिदिन के जीवन में करना पडता है। उदाहरण के लिए किसी परिचित के घर जाना, किसी उत्सव में सम्मिलित होना, बढ़ती-महंगाई पर चर्चा करना, किराये का मकान खोजने या मकान बनवाने के कष्टों की चर्चा करना, इलाज केलिए डाक्टर के पास जाना, किसी दर्शनीय स्थल पर घूमने जाना आदि वार्तालाप के इन विभिन्न विषयों को अलग ढंग से प्रस्तुत करने का प्रयत्न किया गया है जिससे विद्यार्थी यह जान सके कि मलयाळम भाषा में निवेदन कैसे करते हैं, आदेश कैसे देते हैं, मना कैसे करते हैं, नम्रता कैसे अभिव्यक्त की जाती है, हास-परिहास कैसे किया जाता है, साँत्वना कैसे दी जाती है आदि। पाठ के वार्तालाप और वाचन अनुच्छेद की विषय वस्तु में भी साम्य रखने का प्रयास किया गया है। वाचन अनुच्छेदों के लिए लेखन की विभिन्न शैलियों का प्रयोग किया गया है। जैसे कोई

पाठ-4 പോകണം (पोकणम्) (जाना चाहिए) , പറയണ്ട (पऱयण्ड) (बोलना नहीं चाहिए) आदि क्रिया रूप के वाक्य जो अनिवार्यता तथा बाध्यता को दिखाते हैं

पाठ-5 ആയിരുന്നു (आयिरुन्नु)(था /थे /थी/ थीं), അല്ലായിരുന്നു (अल्लायिरुन्नु) (नहीं था/ थे /थी /थीं) വേണമായിരുന്നു (वेणमायिरुन्नु) (चाहिए था/ थे / थी/ थीं) आदि के वाक्य जो पाठ 1 से 4 तक पाठों में आई हुई क्रियाओं के भूतकाल रूप दिखाते हैं

पाठ-6 पुनरभ्यास पाठ

पाठ-7 വരുന്നു (वरुन्नु)(आता है / -ती है /-ते हैं /-ती हैं /-ता हूँ /-ती हूँ /-ते हो / -ती हो) വരുന്നുണ്ട് (वरुन्नुण्डॅ) വരുന്നതാണ് (वरुन्नताणॅ) जैसे वर्तमानकाल के क्रियारूपों के वाक्य

पाठ-8 പോയി (पोयि)गया /गई /गये /गयीं / വന്നു (वन्नु)(आया /आई /आये /आयीं) കണ്ടു (कण्डु) (देखा / देखी / देखे / देखीं) जैसे भूतकाल के क्रियारूपों के वाक्य

पाठ-9 വെന്തു (वेन्तु) (पक गया) തോറ്റു (तोऱ्‌रु)(फेल् हो गया /गया /गई /गये / गयीं) जैसे भूतकाल के क्रियारूपों के वाक्य

पाठ-10 വരും (वरुम्)(आएगा /आएगी /आएँगे /आएँगीं / आऊँगा /आऊँगी /आओगे / आओगी) വന്നേക്കും (वन्नेक्कुम्)(आनेकी संभावना है) जैसे भविष्यत् तथा संभाव्य भविष्यत काल के क्रियारूपों के वाक्य

पाठ-11 വന്നാൽ (वन्नाल्) (आने पर) വന്നാലും (वन्नालुम्) (आने पर भी)जैसे हेतु हेतुमद् क्रियाओं के वाक्य जो संभाव्यता का सूचक है

पाठ-12 पुनरभ्यास पाठ

पाठ-13 വന്ന (वन्न) (जो आया) പോയ (पोय) (जो गया) जैसे क्रिया रूपों से बने विशेषण के (संबध दिखानेवाले कृदंत) वाक्य

पाठ-14 വന്നവൻ (वन्नवन्) (जो आया वह) പോയവൻ (पोयवन्) (जो गया वह) संबधवाचक कृदंत से बनी संज्ञाओं के वाक्य

पाठ-15 വന്നിരിക്കുന്നു (वन्निरिक्कुन्नु) (आया है), വന്നിരുന്നു (वन्निरुन्नु) (आया था), വന്നിരിക്കും (वन्निरिक्कुम्) (आया होग) जैसे पूर्ण काल की क्रियाओं के वाक्य

पाठ-16 നടന്നുകൊണ്ടിരിക്കുന്നു (नड़न्नुकॉण्डिरिक्कुन्नु) (चल रहा है /रही है / रहे हैं/ रही हैं /रहे हो /रही हो /रहा हूँ /रही हूँ/) ഓടിക്കൊണ്ടിരിക്കുന്നു (अड़िक्कॉण्डिरिक्कुन्नु) (दौड रहा है / रहे है / रही है /रहा हूँ /रही हूँ /रहे हो

/रही हो / जैसे अपूर्ण काल की क्रियाओं के वाक्य

पाठ-17 വരുമ്പോൾ (वरुम्पोळ्) (जब आये तब) വരുമ്പോഴേക്കും (वरुम्पोषेक्कुम् (आते वक्त) जैसे समय को सूचित करनेवाले क्रियाविशेषण उपवाक्यों के वाक्य

पाठ-18 पुनरभ्यास पाठ

पाठ-19 പറഞ്ഞു പോയി (परञ्ञु पोयि) (कह गया) നോക്കി വച്ചു (नोक्कि वच्चु) (देख लिया /देख रखा) जैसे सहायक क्रियाओं के वाक्य

पाठ-20 വരാറുണ്ട് (वरारुण्डॅ) (आया करता है) വരാറുണ്ടായിരുന്നു (वरारुण्डायिरुन्नु) (आया करता था) വരാറുണ്ടായിരിക്കും (वरारुण्टायिरिक्कुम्) (आया करता होगा) जैसे आभ्यसिक काल के क्रिया रूपों के वाक्य

पाठ-21 കളിച്ചിരുന്നെങ്കിൽ............................ജയിക്കുമായിരുന്നു / ജയിച്ചേനെ (कळिच्चिरुन्नॅङ्किल् -----------जयिक्कुमायिरुन्नु / जयिच्चेनॅ) (अगर खेले तो ------- जीतता) जैसे अवास्तविक भूतकाल (हेतु हेतुमद् काल की तरह) को दिखानेवाले वाक्य

पाठ-22 വരുകയും പോകുകയും ചെയ്യും (वरुकयुम् पोकुकयुम् चॅय्युम्) (आएँगे और जाएँगे) जैसे संयुक्त क्रियाओं के वाक्य

पाठ-23 പറയപ്പെടുന്നു (परयप्पॅडुन्नु) (कहा जाता है) പറയപ്പെട്ടു (परयप्पॅट्टु) (कहा गया) പറയപ്പെടും (परयप्पॅडुम्) जैसे कर्म वाच्य के वाक्य

पाठ-24 पुनरभ्यास पाठ

पहले ही कहा जा चुका है कि हर पाठ के वार्तालाप के बाद उस वार्तालाप में आए नये शब्दों को दिया गया है। ऐसे बहुत से शब्द हैं जो मलयाळम भाषा में संस्कृत तथा अन्य भाषाओं से आए हैं। इनमें से बहुत से शब्दों का प्रयोग हिन्दी में भी होता है। इस संदर्भ में उन शब्दों पर भी विशेष ध्यान दिया गया है जो रूप की दृष्टि से तो दोनों भाषाओं में समान हैं पर उनके अर्थ मलयाळम और हिन्दी में बहुत भिन्न हैं। शब्दों के वे अर्थ पहले दिये गये हैं जो उस पाठ के सन्दर्भ के उपयुक्त हो। इसके पश्चात् यदि आवश्यक हुआ तो वे अर्थ भी दिये गये हैं जो सर्वाधिक प्रचलित हैं।

पाठों के अभ्यास उन में सिखाये गए पाठ्य-बिन्दुओं को ध्यान में रख कर तैयार किए गए हैं। इन अभ्यासों का उपयोग सीखे हुए बिन्दुओं को दोहराने तथा परीक्षा के लिए भी किया जाएगा। नियम के अनुसार छात्र की परीक्षा उन्हीं बिन्दुओं के विषय में ली जायेगी जो सिखाए जा चुके हैं। लेकिन प्रत्येक पाठ में नए वाक्य अवश्य देखने को मिल जाएँगे। सीखी हुई संरचनाओं और शब्दों की सहायता से विद्यार्थी स्वयं ऐसे वाक्य गढ़ सकता है जिनका प्रयोग

सीखे गए पाठों में नहीं आया है। प्रत्येक अभ्यास में परीक्षा के लिए एक समय पर एक ही बिन्दु को रखा गया है।

अभ्यास में दिये गये प्रश्न भाषा संरचना और शब्दों से सम्बन्धित हैं। कुछ प्रमुख अभ्यास इस प्रकार हैं- शब्दों का क्रम ठीक करके लिखना, वाक्य विस्तार करना, वाक्य रूपों में परिवर्तन करना, एक ही वाक्य को विभिन्न ढंगों में कहना, वाक्यांशों को जोडकर वाक्य बनाना, उचित शब्दों का चयन करना, वाक्य पूरा करना, कर्ता या कर्म के लिंग और वचन के अनुसार क्रिया में उचित प्रत्यय लगाना, प्रश्नों के उत्तर देना आदि। प्रत्येक पाठ में अभ्यास प्रश्नों की संख्या औसतन 7 से 10 के बीच में है।

वाचन अनुच्छेद का उद्देश्य छात्र के बोधन और शब्द भण्डार को विकसित करना है। इन अनुच्छेदों के विषय में दो प्रकार के प्रश्न पूछे गये हैं - वस्तुनिष्ठ एवं विस्तारनिष्ठ। इन प्रश्नों से छात्र के बोधन तथा अभिव्यक्ति दोनों की ही परीक्षा हो जाएगी।

प्रथम पाँच पाठों की सम्पूर्ण पाठ्य-सामग्री मलयाळम लिपि में और परिवर्धित देवनागरी में भी है। ऐसा इसलिए किया गया है जिससे विद्यार्थी आरम्भ में भाषा सीखने पर अधिक ध्यान केन्द्रित कर सके। जब वह भाषा से थोडा बहुत परिचित हो जायेगा तो लिपि सीखने में भी उसे सहायता मिलेगी। वैसे अपेक्षा यही की जाती है कि भाषा और लिपि दोनों का शिक्षण साथ-साथ ही आरम्भ किया जाए। मलयाळम लिपि सीखने के लिए 20 घंटे की निर्देश सामग्री पर्याप्त है। इसके पश्चात विद्यार्थी बिना किसी कठिनाई के मलयाळम लिपि में पाठ्य सामग्री को पढ़ सकेगा। पहले पाँच पाठों में भाषा का भी कुछ ज्ञान विद्यार्थी को हो जाएगा। छठा पाठ पुनरभ्यास के लिए है। इसमें पहली पाठ्य इकाई के शिक्षण बिन्दुओं पर विद्यार्थी के अभी तक सीखे गए भाषाई बिन्दुओं की परीक्षा हो जाएगी। छठे पाठ से चौबीसवें तक के पाठों को परिवर्द्धित देवनागरी में भी देना छोड दिया गया है क्योंकि अब तक छात्र मलयाळम लिपि से परिचित हो गए होंगे। व्याकरणिक तथा सांस्कृतिक टिप्पणियों में अवश्य व्याख्या के लिए सरल और साधारण भाषा का प्रयोग किया गया है। प्रयास यही रहा है कि क्लिष्ट तकनीकी शब्दावली का कम से कम प्रयोग किया जाए। छात्र को चाहिए कि वह व्याकरणिक संरचनाओं का अच्छी तरह अभ्यास कर उन्हें पूरी तरह हृदयंगम कर ले। इससे व्याकरण के नियमों को समझना सरल हो जाएगा।

इस पुस्तक को कक्षा में पढ़ानेवाले अध्याकों से दो तीन बातें कहना चाहती हूँ । किसी भी भाषा को पढ़ाने केलिए कोई भी एक तरीका ऐसा नहीं है जो पूरी तरह समर्थ हो या अपने आप में पूर्ण हो, विशेष रूप से द्वितीय भाषा पढाने के संदर्भ में यह बात शतशः सत्य है। द्वितीय भाषा सीखने केलिए विद्यार्थी को कक्षा के भीतर और बाहर एक-जैसा ही प्रयास करना होगा। विद्यार्थी सीखी गई संरचनाओं और शब्दों को जितना अधिक दोहराएगा, उनका जितना अधिक प्रयोग करेगा - उतना ही उसके उच्चारण और बोधन में सुधार होगा। शिक्षकों से अपेक्षा की जाती है कि वह सिखाई गई संरचनाओं तथा मलयाळम शब्दों के अभ्यास के लिए

कक्षा में उचित वातावरण पैदा करें। कहने का तात्पर्य यह है कि भाषा को उसके परिवेश में रखकर ही सीखना और सिखाना चाहिए। इससे सीखने-सिखाने की प्रक्रिया सरल भी होगी और स्वाभाविक भी।

सिखाई गई संरचनाओं और शब्दों का पर्याप्त अभ्यास करवा लेने के बाद शिक्षक को चाहिए कि वह पूरे पाठ को ऊँचे स्वर में पढें। शिक्षक का उच्चारण स्पष्ट होना चाहिए। अभिव्यक्ति के अनुसार उसके स्वर में उचित उतार-चढाव होना चाहिए। पाठ का पहला वाचन धीमी गति से किया जाये जिससे विद्यार्थी प्रत्येक ध्वनि, शब्द और वाक्य को स्पष्ट रूप से सुन सके। इसके पश्चात् पाठ को भाषा की स्वाभाविक गति के अनुसार पढ़ना चाहिए। फिर अपने साथ विद्यार्थियों को भी सामूहिक रूप में पाठ को दोहराने के लिए कहना चाहिए। तत्पश्चात् बोधन संबंधी प्रश्न पूछे जाएँ। यदि विद्यार्थियों को प्रश्नों के उत्तर देने में कठिनाई हो तो शिक्षक उनकी मदद करें। इतने अभ्यास के बाद विद्यार्थी स्वतः उस पाठ का वाचन कर पायेगा और समझ सकेगा। यदि छात्र के उच्चारण में कोई त्रुटि हो तो शिक्षक उस त्रुटि को दोहराए बिना सही रूप का परिचय दे। इस अभ्यास के पश्चात् भी विद्यार्थियों के मन में यदि कोई सन्देह या प्रश्न रह जाए तो शिक्षक उसका निवारण करें। हमारे विद्यार्थी वयस्क हैं अतः बार बार दोहराने में उन्हें हिचक भी हो सकती है और वे इस अभ्यास को अरुचिकर भी पा सकते हैं। ऐसी अवस्था में शिक्षक अपनी सुविधानुसार व्यक्तिगत रूप से उनकी सहायता करें। सांस्कृतिक और व्याकरणिक टिप्पणियों को कक्षा में न पढ़वा कर, घर में पढ़ने केलिए कहें। उस के बाद विद्यार्थियों के संशय निवारण कक्षा में करें।

छात्रों से वाचन अनुच्छेदों को मौन रूप से पढ़ने के लिए भी कहें। अनुच्छेद के विषय में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर विद्यार्थी स्वतः देने का प्रयास करें। अवश्यकता पडने पर शिक्षक की मदद लें। शिक्षक छात्र को इतना समय अवश्य दें कि वह पूरे अनुच्छेद को मौन रूप से 2-3 बार पढ़ सके। इसके पश्चात् यदि समय रहे तो प्रत्येक छात्र से बारी बारी से उस अनुच्छेद को ऊँचे स्वर में पढ़ने के लिए कहें। ध्यान रहे कि कक्षा समाप्त होने से पहले अन्तिम वाचन शिक्षक द्वारा ही हो जिससे छात्र के कानों में सही उच्चारण अंकित रहे।

अनुवाद और लेखन का अभ्यास छात्र को गृहकार्य के रूप में दिया जाए। शिक्षक इसकी सावधानी पूर्वक जाँच करें और छात्र के सन्देह और समस्याओं की विस्तारपूर्वक चर्चा तथा उनका निदान करें।

कुछ पाठों में मलयाळम भाषा के प्रचलित मुहावरों वा कहावतों का प्रयोग हुआ है। यदि हिन्दी में भी उसी तरह के मुहावरे हों तो शिक्षक उनका सहारा लेते हुए अर्थ स्पष्ट करें। यदि हिन्दी में ऐसे मुहावरे न हो तो शिक्षक विभिन्न वाक्यों में उनका प्रयोग करके उन के अर्थ को स्पष्ट करें।

प्रत्येक पाठ के वार्तालाप में सभी वाक्यों का हिन्दी अनुवाद दिया गया है। अनुवाद करते समय इस बात का ध्यान रखा गया है कि हिन्दी भाषा की स्वाभाविकता बनी रहे। पर

कहीं कहीं हिन्दी में कुछ वाक्य बनावटी या अस्वाभाविक लग सकते हैं। मलयाळम भाषा की कुछ विशेष संरचनाओं का परिचय देने के लिए ऐसा किया गया है। अनुवाद केवल इसलिए दिये गये हैं जिससे छात्र अर्थ समझ सकें। अनुवाद का प्रयोग मलयाळम भाषा सीखने केलिए न किया जाए। भाषा केवल संरचनाओं व शब्दों के अभ्यास द्वारा ही सीखी जा सकती है। हिन्दी अनुच्छेद का, भाषा में अनुवाद करते समय छात्र प्रयास यही करे कि उसका अनुवाद मलयाळम की भाषा की संरचना में हो हिन्दी की संरचना में नहीं। वाचन अनुच्छेदों के हिन्दी अनुवाद नहीं दिये गए हैं - ऐसा इसलिए किया गया है जिससे छात्र मलयाळम भाषा को उसी भाषा के माध्यम से ही समझने का प्रयास करें और स्वयं उसका हिन्दी में अनुवाद करने का प्रयास करें।

भाषा शिक्षण को अधिक प्रभावशाली तथा रोचक बनाने के लिंए मलयाळम भाषा के परिवेश का अनुभव तथा मलयाळम भाषा भाषियों से सम्पर्क महत्वपूर्ण है। ऐसा प्रयास किया जाए कि छात्रों को मलयाळम भाषा-भाषियों के सम्पर्क में आने तथा संबंधित भाषा के गीत, कविताएँ, वार्तालाप, भाषण आदि सुनने का अवसर मिल सके। साथ ही छात्रों को मलयाळम भाषा के महान् साहित्यकारों, नेताओं तथा अन्य विभूतियों के चित्र भी दिखाए जाएँ। यदि उपलब्ध हो सकें तो केरल राज्य के हस्तशिल्प के नमूनों से कक्षा को सजाया जाए। हो सके तो कक्षा में केरल राज्य के प्राकृतिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व के चित्र लगाए जाएँ तथा वहाँ की विभिन्न ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक परम्पराओं का ऑडियो-वीडियो माध्यम से भी परिचय कराया जाए।

इस पाठ्यक्रम के पश्चात् छात्रों से जो अपेक्षाएँ की गयी हैं उनका विवरण इस भूमिका में पहले ही दिया जा चुका है। वास्तव में शिक्षार्थियोंने इन पुस्तकों से कितना सीखा, वह इन पुस्तकों की कसौटी भी है और मूल्यांकन भी। यह प्रयास प्रायोगिक है। इसमें शिक्षकों एवं छात्रों की व्यावहारिक समस्याओं के आधार पर सुधार की बहुत सी संभावनाएँ हैं। इस दिशा में टिप्पणियों एवं सुझावों का स्वागत है।

यह भूमिका अधूरी रह जाएगी यदि मैं भारतीय भाषा संस्थान के पूर्व निदेशक डॉ. ई. अण्णामलै तथा उत्तर प्रदेश सरकार के भाषा विभाग के पूर्व भाषा-परामर्शी डॉ. गोविन्द शर्मा रजनीश के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट न करूँ क्योंकि **भारतीय भाषा ज्योति** शृंखला की पुस्तकों का रूपांकन करने तथा कार्यशालाओं के संचालन का चुनौती पूर्ण उत्तरदायित्व इन्हीं महानुभावों द्वारा मुझे सौंपा गया था। भारतीय भाषा ज्योति शृंखला की पुस्तकों का निर्माण काफ़ी समयपूर्व हो गया था पर वह बहुमूल्य सामग्री बरसों तक अंधकार के गर्त में छिपी रही। संस्थान के पूर्व निदेशक डॉ. ओंकार नाथ कौल तथा हरिद्वार के ब्रह्मवर्चस शोध संस्थान के निदेशक डॉ. प्रणव पण्ड्या एवं उपनिदेशक डॉ. कर्मयोगी के प्रयासों से ही इन पुस्तकों को प्रकाश किरण दिखाने में सच्ची सफलता हुई है। उन का मैं बहुत आभारी हूँ।

हमारे वर्तमान निदेशक प्रो. उदय नारायण सिंह के प्रति भी मैं अपनी कृतज्ञता प्रकट करना चाहती हूँ। उन्होंने हिन्दी के माध्यम से तैयार की गई ये भारतीय भाषा ज्योति की शृंखला की सभी पुस्तकों के प्रकाशन में बहुत दिलचस्पी दिखाई है। इस शृंखला को उत्तरोत्तर आगे बढ़ाने का श्रेय भी उन्हीं को जाता है।

पुस्तक के रचयिता श्रीयुत के. जे. जोसफ और एस.शिवप्रसाद जो मेरे साथ इस पुस्तक के निर्माण केलिए कार्यशाला में भागीदार थे उन के प्रति मैं अपनी कृतज्ञता प्रकट करती हूँ। हिन्दी विशेषज्ञ दिवंगत डॉ.राम आधार सिंह तथा श्री के. पी. पाल का भी मैं ऋणी हूँ । इन सब के प्रति धन्यवाद ज्ञापन केवल एक औपचारिकता ही होगी । डॉ. आर. आर. तम्पुरान, प्रो.एच.पद्मनाभन और श्री एस. बालसुब्रह्मण्यम का भी मैं बहुत आभारी हूँ जिन्हों ने इस पुस्तक को आरंभ से अंत तक ध्यान से पढ़कर इस के सुधार के लिए कई रचनात्मक सुझाव दिए हैं। इस भूमिका का अंग्रेज़ी से हिन्दी में अनुवाद करने में कुमारी रेखा शर्मा की सहायता भी मैं भूल नहीं सकती ।

मेरा धन्यवाद श्रीमती धनलक्ष्मी बालकृष्णन् को भी है जिन्हों ने अतीव ध्यान तथा श्रद्धा से इस पुस्तक के डी.टी.पी. का काम किया है। हमारे संस्थान के प्रकाशन विभाग के डॉ. के. श्रीनिवासाचार्य तथा कलाकार श्री ह. मनोहर का भी मैं यहाँ कृतज्ञता पूर्वक स्मरण करती हूँ।

उन सभी छात्रों एवं शिक्षकों के प्रति मैं अग्रिम रूप से अपना आदर अभिव्यक्त करना चाहती हूँ जो इस सामग्री का उपयोग करेंगे एवं इस के विषय में अपने विचार तथा प्रतिक्रियाएँ हम तक पहुँचाएंगे।

बी. श्यामला कुमारी

बी. श्यामला कुमारी
रीडर एवं अनुसंधान अधिकारी

मैसूर
९/८/२००१

मलयाळम लिपि

मलयाळम लिपि पढ़ाने के लिए नीचे दिये गये दो तरीकों में से अध्यापक किसी एक को अपना सकते हैं । वे सभी अक्षरों को वर्णमाला क्रम के अनुसार पढ़ा सकते हैं या रूप सादृश्य के आधार पर अक्षरों के वर्ग या समूह बनाकर ।

जैसा कि परिशिष्ट (1) में दिया गया है, मलयाळम वर्णमाला में 13 स्वराक्षर, 36 व्यंजनाक्षर, स्वतंत्र व्यंजनों के लिए 5 हलंत अक्षर हैं। ये पाँच अक्षर इसलिए दिये हैं कि ये मलयाळम लिपि की विशेषता है । बाकी व्यंजनों के हलंत के लिए एक ही चिन्ह (്) का प्रयोग होता है । मलयाळम में एक विशेष अक्षर റ (ऱऱ) है जिस का प्रयोग ത (त) और ട (ट) के बीच की वत्स्र्य ध्वनि के लिए होता है । അ (अ) को छोड़कर सभी स्वराक्षरों के लिए उपचिन्ह भी (मात्राएँ) हैं । इनका विवरण परिशिष्ट (३) में दिया गया है ।

ध्यान दें कि ഋ (ऋ) अन्य स्वराक्षरों की तरह स्वर नहीं है । व्यंजनों के साथ जुडने पर उसका उच्चारण റി (री) की तरह होता है जैसे കൃഷി (कृषी) । मलयाळम में दो अतिरिक्त स्वर ध्वनियाँ हैं जिन के लिए എ (ऍ) और ഒ (ऑ) के प्रयोग किये जाते हैं। ये ध्वनियाँ हिन्दी में नही हैं । सामान्यतः उच्चारण में मलयाळम के ह्रस्व और दीर्घ स्वर हिन्दी के ह्रस्व और दीर्घ स्वरों से किंचित दीर्घ होते हैं ।

हिन्दी (अ) के उच्चारण के लिए मुँह को जितना खोलते हैं मलयाळम അ(अ) के उच्चारण के लिए उस से थोडा अधिक मुँह खोलना पडता है । जब शब्द का आरंभ ഇ (इ) ഈ (ई) എ (ऍ) तथा ഏ (ए) स्वरों से होता है तब उन स्वरों के उच्चारण में യ (य) की छाया (श्रुति) आ जाती है । उसी तरह जब शब्द का आरंभ ഉ (उ) ഊ (ऊ) ഒ (ऑ) ഓ (ओ) से होता है तब उनके उच्चारण में വ (व) की छाया (श्रुती) आ जाती है । मलयाळम सीखनेवाले हिन्दी भाषी इन स्वरों का उच्चारण चाहे യ (य) और വ (व) की छाया के बिना भी क्यों न करें मलयाळम भाषी इन को आसानी से समझ लेते हैं और उस प्रकार के उच्चारण से अर्थ में कोई अंतर नहीं पडता । परंतु എ (ऍ) और ഏ (ए) और ഒ (ऑ) और ഓ (ओ) का अंतर करना आवश्यक है और उस के लिए गहन अभ्यास की अवश्यकता होती है क्यों कि इन में एक के स्थान पर दूसरे का उच्चारण करने (എ (ऍ) की जगह ഏ (ए) का और ഒ (ऑ) की जगह ഓ (ओ) का) से अर्थ ही बदल जाता है ।

उदाहरण :	എട് (ऍड़्)	'ले'	ഒടി (ऑड़ि)	'तोड़ना'
	ഏട് (एड़्)	'पन्ना'	ഓടി (ओड़ी)	'दौड़ा'

ഉ (उ) और ഊ (ऊ) के अतिरिक्त मलयाळम में एक और स्वर है जिस के लिए मूल चिन्ह नहीं है । यह व्यंजनों के साथ ही आता है और उस के लिए व्यंजनाक्षर के ऊपर ് चिन्ह लगाते हैं जैसा ക് । देवनागरी में इस के लिए (क्) का प्रयोग इस पुस्तक में किया है । यह ध्वनि अधिकांशतः शब्दों के अंत में आती है जैसे नीचे दिये गये उदाहरणों में दिखाया गया है ।

ഇത്	इत्	'यह'	വീട്	वीड्	'घर'
അത്	अत्	'वह'	പേര്	पेर्	'नाम'

് चिन्ह का प्रयोग मलयाळम में हलंत व्यंजन के लिए भी किया जाता है ।

ശരത്	शरत्
പ്രദീപ്	प्रदीप्

इसलिए कोई व्यंजन बिना स्वर चिन्ह के लिखा जाता है तो उसका उच्चारण अन्तर्निहित അ (अ) के साथ करना अवश्यक होता है और उनके उच्चारण पर विशेष ध्यान देने की अवश्यकता है और उनकेलिए गहन अभ्यास भी ज़रूरी है । अनुस्वार युक्त शब्दों के उच्चारण में भी मलयाळम और हिन्दी में अंतर होता है । सिंह और हंस जैसे शब्दों का उच्चारण मलयाळम में 'म्' के साथ है जैसे സിംഹം (सिम्हम्) ഹംസം (हम्सम्).

मलयाळम में अकेले या पृथक् आनेवाले अधिकांश व्यंजनों के लिखित और उच्चरित रूप में अधिकतर समानता होती है । अर्थात् एक चिन्ह का एक उच्चारण एक ही ध्वनि से होता है और एक ध्वनि के लिए एक ही चिन्ह है । लेकिन जब शब्दों में आते हैं या उन से संयुक्ताक्षर बनते हैं तो उन के आदि या मध्य में या अंत में आनेवाले अक्षर (उच्चारण) के आधार पर उन के उच्चारण में परिवर्तन आ जाता है । उदाहरण के लिए ക (क) ച (च) ത (त) പ (प) का उच्चारण अपने ठीक ध्वनि मूल्य के साथ निम्न स्थितियों में ही होता है ।

1) जब वे शब्द के आदि में आते हैं जैसे

കമല	ചായ	തല	പല
कमल	चाय	तल	पल

2) जब उनका द्वित्व होता है जैसे

ചക്ക	പച്ച	തത്ത	കപ്പ
चक्क	पच्च	तत्त	कप्प

3) कुछ संयुक्त व्यंजनों में जैसे

രക്തം	വാച്യം	രാത്രി	കൊപ്ര
रक्तम्	वाच्यम्	रात्री	कॉप्र

स्वरों के बीच ക (क) ച (च) ത (त) പ (प) का उच्चारण ക (क) ച (च) ത (त) പ (प) और ഗ (ग) ജ (ज) ദ (द) ബ (ब) के बीच का किंचित घोष ध्वनी जैसा होता है जैसे പകൽ (पकल) പാചകം (पाचकम्) പതി पति) അപായം (अपायम्) आदि शब्दों में हैं । लेकिन ട (ट) का ठीक उच्चारण आदि, द्वित्व तथा ണ (ण) को छोडकर और व्यंजनों के संयुक्ताक्षर बनाने में होता है । और सब कहीं ട (ट) का उच्चारण ഡ (ड़) जैसा होता है । उदाहरण ട്രെയിൻ (ट्रेयिन,) കുട്ടി (कुट्टि) പടം (पडम्) കണ്ട (कण्ड) आदी में । जब ഗ (ग) ജ (ज) ഡ (ड) ദ (द) ബ (ब) യ (य) ര (र) ല (ल) अक्षर शब्द के आरंभ में आते हैं तो उन का उच्चारण എ (ऍ) के साथ होता है जैसे ഗെഗനം (गॅगनम्,) ജെനനം (जॅननम्,) ഡെപ്പി (डॅप्पि,) ദെയ (दॅय,) ബെലം (बॅलम्) യെമുന (यॅमुन,) രെമ (रॅम) । ലെത (लत)। लेकिन उन्हें ഗഗനം (गगनम्) ജനനം (जननम्) ഡപ്പി (ड़प्पि) ദയ (दय,) ബലം (बसम्) യമുന (यमुन) രമ (रम) ലത (लत) ही लिखते हैं ।

मलयाळम में 6 अनुनासिक ध्वनियाँ हैं। उन केलिए पाँच अक्षर हैं जैसे ങ (ङ) ഞ (ञ) ണ (ण) ന (न) और മ (म)। अक्षर ന (न) दो ध्वनियों का प्रतिनिधित्व करता है । पहली है जीभ और दाँत के स्पर्श से होनेवाली (दंत्य) और दूसरी जीभ और दंतमूल के स्पर्श से उत्पन्न वत्सर्य ध्वनी । यह ध्वनि निम्न स्थितियों में आती है ।

1) स्वरों के भीच में बीच में	പന	(पन)	'ताल वृक्ष'
2) द्वित्व रूप में	പന്ന	(पन्न)	'बुरा'
3) संयोग में	സ്വപ്നം	(स्वनम्)	'स्वप्न'
4) शब्द के अंत में	മകൻ	(मकन्)	'बेटा'

मलयाळम के 6 अनुनासिक ध्वनियों के उच्चारण और श्रवण प्रशिक्षण के लिए गहन अभ्यास की अवश्यकता होती है । क्योंकि हिंदी में केवल ण, न, म ही अकेले या पृथक आते हैं। बाकी ങ (ङ) तथा ഞ (ञ) अपने वर्ग के व्यंजन ക (क) ച (च) आदि के साथ ही आते हैं । हिन्दी में ये अनुनासिकों का उच्चारण अलग अलग नहीं है । इसलिए इनके अंतर करना और इनके उच्चारण का अभ्यास कराना आवश्यक है । जीभ और दंत मूल के स्पर्श से उच्चारित की जानेवाली ध्वनी जिसको ന (न) चिन्ह से लिखा जाता है उस ध्वनि का विशेष

अभ्यास करना भी जरूरी होता है । उसी प्रकार मलयाळम की विशेष ध्वनियाँ ള (ळ) ഴ (ष) तथा റ (ऱ) का अभ्यास ज़रूरी है ।

ऊपर दी गई मलयाळम की विशेष ध्वनियों कें चिन्ह और शुद्ध उच्चारण के लिए यह आवश्यक है कि उनका अभ्यास सिर्फ ध्वनियों की तरह ही नहीं करना चाहिए । बल्कि शब्दों और वाक्यों में भी करना चाहिए । इसके अतिरिक्त केवल प्रारंभ की कक्षाओं में ही उनका अभ्यास पर्याप्त नहीं होता । इसे प्रशिक्षण की पूरी अवधि तक करना चाहिए ।

टंकण और मुद्रण की सुविधा के लिए मलयाळम लिपि को सरल किया गया है और उसमें कुछ परिवर्तन किये गये हैं । पुरानी और परिवर्तित लिपि के बीच का अंतर परिशिष्ट 4 में दिया गया है । मलयाळम परिवर्तित लिपि ज़्यादातर मुद्रण की सुविधा के लिए ही प्रयोग में होता है । इस के अलावा मलयाळम लिपिविन्यास पर भी मानकीकरण के प्रयत्न होते रहते हैं । फिर भी कुछ शब्द दो या तीन प्रकार लिखना मलयाळम में देख सकते हैं ।

रूप सादृश्य के आधार पर मलयाळम के अकेले (पृथक्) अक्षरों को 12 वर्गों में सजातीय और विजातीय संयुक्ताक्षरों को 8 वर्गों में वर्गीकृत किया जा सकता है । इनको परिशिष्ट 6 में दिया गया है । अगर सभी अक्षरों को रूप सादृश्य के आधार पर वर्गीकृत और प्रस्तुत किया जाये तो सीखनेवालों को कम समय लेना पडेगा क्योंकि वे आसानी से समझ सकते हैं कि अक्षर किस प्रकार बनाये जाते हैं ।

लिपि के प्रारंभिक पाठों में रूप सादृश्य वाले अक्षरों से बननेवाले शब्दों का मिलना कठिन है । परन्तु पाठ तीन के आगे ऐसे शब्दों,पद बंधों और वाक्यों का अधिक संख्या में परिचय दिया जा सकता है। अध्यापक समय की सुविधा के अनुसार परिशिष्ट में दी गई सूची को बढ़ा सकते है ।

लिपि पाठों के लिए कुछ उदाहरण अभ्यास दिये गये हैं । अध्यापक इनका प्रयोग कर सकते हैं ।

1) दिये गये अक्षरों में റ को पहचानिए ।

   റ ര ത ന റ ത റ ന റ ത ന

2) जिन अक्षर जोड़ियों में एक अक्षर दुहराया गया है उन्हें पहचानिए ।

   വവ റര തത തന ററ തന നന ററ രര നറ റര തത പപ

3) दिये गये शब्दों में क को पहचानिए ।

   പകൽ മകൻ തകരം കടം വരുക കറ കര

4) ठीक प्रकार मिलाकर पढिए ।

   വാ ലം

   മാ തം

ന‌ാ   ര‌ം
കാ   കം
പാ   നം
          മം

5) उपयुक्त अक्षर चुनिए और शब्द पूरे कीजिए ।

വ - ക (രു, റു, ത)

നാ - കം (ര, ക, ന)

6) सही अक्षर का प्रयोग कर शब्द पूरे कीजिए ।

പാ -

കാ -

7) देवनागरी में दिये गये शब्दों को मलयाळम में लिखिए ।

पलक   अयाळ्   ञान्   मष

8) दिये गये अक्षरों का प्रयोग कर उनसे जितने हो सके उतने शब्द बनाइए ।

മ, പ, ത, രം, ടം, യ, ക, നു, വ

9) दिये गये शब्द के अक्षरों से ही दो या तीन शब्द बनाइए ।

പലഹാരം

10) दिये गये अक्षरों को आदि, मध्य । अंतिम अक्षरों के स्थान पर प्रयोग करके 3 शब्द बनाइए।

ക   വ   ന

11) हिन्दी शब्दों के मलयाळम में समानार्थ शब्द लिखिए ।

घर   दिन   उपकार

12) अक्षरों को ठीक ढंग से व्यवस्थित कर शब्द बनाइए ।

ല   മ   ളം   യാ

ऊपर के अभ्यासों के अतिरिक्त यह आवश्यक है कि श्रुतिलेख के नियमित अभ्यास दिये जाएँ । श्रुतिलेख के लिए शब्दों तथा वाक्यों का चयन करते समय यह ध्यान देना चाहिए कि उनमें वे ध्वनियाँ हो जिनके लिए एक चिन्ह एक से अधिक ध्वनियों का प्रतिनिधित्व करता है और वे भी ध्वनियाँ हो जिनके वितरण और उच्चारण में हिन्दी और मलयाळम में अंतर हो ।

परिशिष्ट 1- **मलयाळम वर्णमाला परिवर्धित देवनागरी के साथ**

स्वराक्षर

അ	ആ	ഇ	ഈ	ഉ	ഊ	ഋ
अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ
	എ	ഏ	ഐ	ഒ	ഓ	ഔ
	ऍ	ए	ऐ	ऑ	ओ	औ
		(അം		അഃ)		
		अं		अः		

व्यंजनाक्षर

ക	ഖ	ഗ	ഘ	ങ
क	ख	ग	घ	ङ
ച	ഛ	ജ	ഝ	ഞ
च	छ	ज	झ	ञ
ട	ഠ	ഡ	ഢ	ണ
ट	ठ	ड़	ढ	ण
ത	ഥ	ദ	ധ	ന
त	थ	द	ध	न
പ	ഫ	ബ	ഭ	മ
प	फ	ब	भ	म

യ	ര	ല	വ
य	र	ल	व

ശ	ഷ	സ	ഹ	ള	ഴ	റ
श	ष	स	ह	ळ	ष	ऱ

स्वतंत्र व्यंजनाक्षर

ൻ	ൺ	ൽ	ൾ	ർ
न्	ण्	ल्	ळ्	र्

बाकी सब व्यंजनाक्षर के हलंत रूप अक्षर के ऊपर ◌് चिह्न लगाकर बनाते हैं ।

उदाहरण

ക്	ച്	ട്	ത്	പ്
क्	च्	ट्	त्	प्

परिशिष्ट 2 - मलयाळम अक्षर लिखने के लिए हाथ चलाने की रीति



अ आ इ ई



उ ऊ ऋ



ऍ ए ऐ



ऑ ओ औ



अं अः

ക	ഖ	ഗ	ഘ	ങ
क	ख	ग	घ	ङ
ച	ഛ	ജ	ഝ	ഞ
च	छ	ज	झ	ञ
ട	ഠ	ഡ	ഢ	ണ
ट	ठ	ड़	ढ	ण
ത	ഥ	ദ	ധ	ന
त	थ	द	ध	न
പ	ഫ	ബ	ഭ	മ
प	फ	ब	भ	म



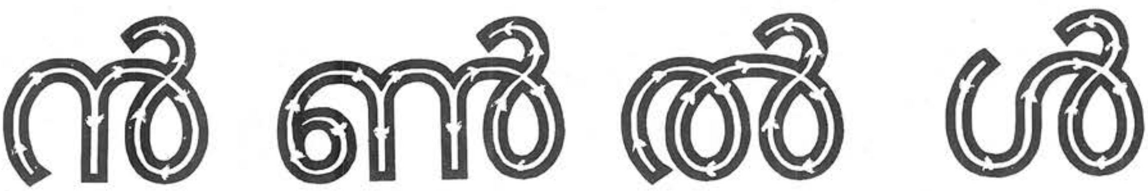
य र ल व



श ष स ह



ळ ष़ ऱ



न् ण् ल् ळ्



ऱ्

परिशिष्ट 3 - **मलयाळम स्वराक्षरों की मात्रायें**

1.	ആ	◌ാ	–	കാ	താ	പാ
	आ	◌ा	–	का	ता	पा
2.	ഇ	◌ി	–	കി	തി	പി
	इ	◌ा	–	कि	ति	पि
3.	ഈ	◌ീ	–	കീ	തീ	പീ
	ई	◌ा	–	की	ती	पी
4.	ഉ	◌ു	–	കു	തു	പു
	उ	◌ु	–	कु	तु	पु
5.	ഊ	◌ൂ	–	കൂ	തൂ	പൂ
	ऊ	◌ू	–	कू	तू	पू
6.	ഋ	◌ൃ	–	കൃ	തൃ	പൃ
	ऋ	◌ृ	–	कृ	तृ	पृ
7	എ	െ◌–	–	കെ	തെ	പെ
	ऍ	◌ॅ	–	कॅ	तॅ	पॅ
8	ഏ	േ◌	–	കേ	തേ	പേ
	ए	◌े	–	के	ते	पे
9.	ഐ	ൈ◌–	–	കൈ	തൈ	പൈ
	ऐ	◌ै	–	कै	तै	पै
10.	ഒ	െ◌ാ	–	കൊ	തൊ	പൊ
	ऑ	◌ॉ	–	कॉ	तॉ	पॉ
11.	ഓ	േ◌ാ	–	കോ	തോ	പോ
	ओ	◌ो	–	को	तो	पो
12.	ഔ	◌ൗ	–	കൗ	തൗ	പൗ
	औ	◌ौ	–	कौ	तौ	पौ

ध्यान दें कि ഉ (उ) और ഊ (ऊ) केलिए मलयाळम में पुरानी लिपि में पाँच पाँच प्रकार की मात्राएँ हैं जो व्यत्यस्त व्यंजनों के साथ लगाते हैं और ज्यादातर लोग अभी भी उन्हीं मात्राओं का प्रयोग करते हैं ।

उदा :	കു (കു)	കൂ (കൂ / കൂ)	ഗു (ഗു)	ഗൂ (ഗൂ)	നു (നു)
	कु	कू	गु	गू	नु
	നൂ (നൂ)	രൂ (രൂ)	രൂ (രൂ)	മു (മു)	മൂ (മൂ)
	नु	रू	रू	मु	मू

परिशिष्ट 4 - **मलयाळम व्यंजनाक्षर स्वराक्षरों की मात्राओं के साथ** (मलयाळम बारह खड़ी)

ക	കാ	കി	കീ	കു	കൂ	കൃ	കെ	കേ	കൈ	കൊ	കോ	കൗ	കം	കഃ
क	का	कि	की	कु	कू	कृ	कॅ	के	कै	कॉ	को	कौ	कं	कः
ഖ	ഖാ	ഖി	ഖീ	ഖു	ഖൂ	ഖൃ	ഖെ	ഖേ	ഖൈ	ഖൊ	ഖോ	ഖൗ	ഖം	ഖഃ
ख	खा	खि	खी	खु	खू	खृ	खॅ	खे	खै	खॉ	खो	खौ	खं	खः
ഗ	ഗാ	ഗി	ഗീ	ഗു	ഗൂ	ഗൃ	ഗെ	ഗേ	ഗൈ	ഗൊ	ഗോ	ഗൗ	ഗം	ഗഃ
ग	गा	गि	गी	गु	गू	गृ	गॅ	गे	गै	गॉ	गो	गौ	गं	गः
ഘ	ഘാ	ഘി	ഘീ	ഘു	ഘൂ	ഘൃ	ഘെ	ഘേ	ഘൈ	ഘൊ	ഘോ	ഘൗ	ഘം	ഘഃ
घ	घा	घि	घी	घु	घू	घृ	घॅ	घे	घै	घॉ	घो	घौ	घं	घः
ങ	ങാ	ങി	ങീ	ങു	ങൂ	ങൃ	ങെ	ങേ	ങൈ	ങൊ	ങോ	ങൗ	ങം	ങഃ
ङ	ङा	ङि	ङी	ङु	ङू	ङृ	ङॅ	ङे	ङै	ङॉ	ङो	ङौ	ङं	ङः
ച	ഛ	ചി	ചീ	ചു	ചൂ	ചൃ	ചെ	ചേ	ചൈ	ചൊ	ചോ	ചൗ	ചം	ചഃ
च	चा	चि	ची	चु	चू	चृ	चॅ	चे	चै	चॉ	चो	चौ	चं	चः
ഛ	ഛാ	ഛി	ഛീ	ഛു	ഛൂ	ഛൃ	ഛെ	ഛേ	ഛൈ	ഛൊ	ഛോ	ഛൗ	ഛം	ഛഃ
छ	छा	छि	छी	छु	छू	छृ	छॅ	छे	छै	छॉ	छो	छौ	छं	छः
ജ	ജാ	ജി	ജീ	ജു	ജൂ	ജൃ	ജെ	ജേ	ജൈ	ജൊ	ജോ	ജൗ	ജം	ജഃ
ज	जा	जि	जी	जु	जू	जृ	जॅ	जे	जै	जॉ	जो	जौ	जं	जः
ഝ	ഝാ	ഝി	ഝീ	ഝു	ഝൂ	ഝൃ	ഝെ	ഝേ	ഝൈ	ഝൊ	ഝോ	ഝൗ	ഝം	ഝഃ
झ	झा	झि	झी	झु	झू	झृ	झॅ	झे	झै	झॉ	झो	झौ	झं	झः
ഞ	ഞാ	ഞി	ഞീ	ഞു	ഞൂ	ഞൃ	ഞെ	ഞേ	ഞൈ	ഞൊ	ഞോ	ഞൗ	ഞം	ഞഃ
ञ	ञा	ञि	ञी	ञु	ञू	ञृ	ञॅ	ञे	ञै	ञॉ	ञो	ञौ	ञं	ञः
ട	ടാ	ടി	ടീ	ടു	ടൂ	ടൃ	ടെ	ടേ	ടൈ	ടൊ	ടോ	ടൗ	ടം	ടഃ
ट	टा	टि	टी	टु	टू	टृ	टॅ	टे	टै	टॉ	टो	टौ	टं	टः
ഠ	ഠാ	ഠി	ഠീ	ഠു	ഠൂ	ഠൃ	ഠെ	ഠേ	ഠൈ	ഠൊ	ഠോ	ഠൗ	ഠം	ഠഃ
ठ	ठा	ठि	ठी	ठु	ठू	ठृ	ठॅ	ठे	ठै	ठॉ	ठो	ठौ	ठं	टः
ഡ	ഡാ	ഡി	ഡീ	ഡു	ഡൂ	ഡൃ	ഡെ	ഡേ	ഡൈ	ഡൊ	ഡോ	ഡൗ	ഡം	ഡഃ
ड	डा	डि	डी	डु	डू	डृ	डॅ	डे	डै	डॉ	डो	डौ	डं	डः
ഢ	ഢാ	ഢി	ഢീ	ഢു	ഢൂ	ഢൃ	ഢെ	ഢേ	ഢൈ	ഢൊ	ഢോ	ഢൗ	ഢം	ഢഃ
ढ	ढा	ढि	ढी	ढु	ढू	ढृ	ढॅ	ढे	ढै	ढॉ	ढो	ढौ	ढं	ढः
ണ	ണാ	ണി	ണീ	ണു	ണൂ	ണൃ	ണെ	ണേ	ണൈ	ണൊ	ണോ	ണൗ	ണം	ണഃ
ण	णा	णि	णी	णु	णू	णृ	णॅ	णे	णै	णॉ	णो	णौ	णं	णः
ത	താ	തി	തീ	തു	തൂ	തൃ	തെ	തേ	തൈ	തൊ	തോ	തൗ	തം	തഃ
त	ता	ति	ती	तु	तू	तृ	तॅ	ते	तै	तॉ	तो	तौ	तं	तः
ഥ	ഥാ	ഥി	ഥീ	ഥു	ഥൂ	ഥൃ	ഥെ	ഥേ	ഥൈ	ഥൊ	ഥോ	ഥൗ	ഥം	ഥഃ
थ	था	थि	थी	थु	थू	थृ	थॅ	थे	थै	थॉ	थो	थौ	थं	थः
ദ	ദാ	ദി	ദീ	ദു	ദൂ	ദൃ	ദെ	ദേ	ദൈ	ദൊ	ദോ	ദൗ	ദം	ദഃ
द	दा	दि	दी	दु	दू	दृ	दॅ	दे	दै	दॉ	दो	दौ	दं	दः

ധ	ധാ	ധി	ധീ	ധു	ധൂ	ധൃ	ധെ	ധേ	ധൈ	ധൊ	ധോ	ധൗ	ധം	ധഃ
ध	धा	धि	धी	धु	धू	धृ	धॅ	धे	धै	धॉ	धो	धौ	धं	धः
ന	നാ	നി	നീ	നു	നൂ	നൃ	നെ	നേ	നൈ	നൊ	നോ	നൗ	നം	നഃ
न	ना	नि	नी	नु	नू	नृ	नॅ	ने	नै	नॉ	नो	नौ	नं	नः
പ	പാ	പി	പീ	പു	പൂ	പൃ	പെ	പേ	പൈ	പൊ	പോ	പൗ	പം	പഃ
प	पा	पि	पी	पु	पू	पृ	पॅ	पे	पै	पॉ	पो	पौ	पं	पः
ഫ	ഫാ	ഫി	ഫീ	ഫു	ഫൂ	ഫൃ	ഫെ	ഫേ	ഫൈ	ഫൊ	ഫോ	ഫൗ	ഫം	ഫഃ
फ	फा	फि	फी	फु	फू	फृ	फॅ	फे	फै	फॉ	फो	फौ	फं	फः
ബ	ബാ	ബി	ബീ	ബു	ബൂ	ബൃ	ബെ	ബേ	ബൈ	ബൊ	ബോ	ബൗ	ബ	ബഃ
ब	बा	बि	बी	बु	बू	बृ	बॅ	बे	बै	बॉ	बो	बौ	बं	बः
ഭ	ഭാ	ഭി	ഭീ	ഭു	ഭൂ	ഭൃ	ഭെ	ഭേ	ഭൈ	ഭൊ	ഭോ	ഭൗ	ഭം	ഭഃ
भ	भा	भि	भी	भु	भू	भृ	भॅ	भे	भै	भॉ	भो	भौ	भं	भः
മ	മാ	മി	മീ	മു	മൂ	മൃ	മെ	മേ	മൈ	മൊ	മോ	മൗ	മം	മഃ
म	मा	मि	मी	मु	मू	मृ	मॅ	मे	मै	मॉ	मो	मौ	मं	मः
യ	യാ	യി	യീ	യു	യൂ	യൃ	യെ	യേ	യൈ	യൊ	യോ	യൗ	യം	യഃ
य	या	यि	यी	यु	यु	यृ	यॅ	ये	यै	यॉ	यो	यौ	यं	यः
ര	രാ	രി	രീ	രു	രൂ	രൃ	രെ	രേ	രൈ	രൊ	രോ	രൗ	രം	രഃ
र	रा	रि	री	रु	रू	रृ	रे	रॅ	रै	रॉ	रो	रौ	रं	रः
ല	ലാ	ലി	ലീ	ലു	ലൂ	ലൃ	ലെ	ലേ	ലൈ	ലൊ	ലോ	ലൗ	ലം	ലഃ
ल	ला	लि	ली	लु	लू	लृ	लॅ	ले	लै	लॉ	लो	लौ	लं	लः
വ	വാ	വി	വീ	വു	വൂ	വൃ	വെ	വേ	വൈ	വൊ	വോ	വൗ	വം	വഃ
व	वा	वि	वी	वु	वू	वृ	वॅ	वे	वै	वॉ	वो	वै	वं	वः
ശ	ശാ	ശി	ശീ	ശു	ശൂ	ശൃ	ശെ	ശേ	ശൈ	ശൊ	ശോ	ശൗ	ശം	ശഃ
श	शा	शि	शी	शु	शू	शृ	शॅ	शे	शै	शॉ	शो	शौ	शं	शः
ഷ	ഷാ	ഷി	ഷീ	ഷു	ഷൂ	ഷൃ	ഷെ	ഷേ	ഷൈ	ഷൊ	ഷോ	ഷൗ	ഷം	ഷഃ
ष	षा	षि	षी	षु	षू	षृ	षॅ	षे	षै	षॉ	षो	षौ	षं	षः
സ	സാ	സി	സീ	സു	സൂ	സൃ	സെ	സേ	സൈ	സൊ	സോ	സൗ	സം	സഃ
स	सा	सि	सी	सु	सू	सृ	सॅ	से	सै	सॉ	सो	सौ	सं	सः
ഹ	ഹാ	ഹി	ഹീ	ഹു	ഹൂ	ഹൃ	ഹെ	ഹേ	ഹൈ	ഹൊ	ഹോ	ഹൗ	ഹം	ഹഃ
ह	हा	हि	ही	हु	हू	हृ	हॅ	है	है	हॉ	हो	हौ	हं	हः
ള	ളാ	ളി	ളീ	ളു	ളൂ	ളൃ	ളെ	ളേ	ളൈ	ളൊ	ളോ	ളൗ	ളം	ളഃ
ळ	ळा	ळि	ळी	ळु	ळू	ळृ	ळॅ	ळे	ळै	ळॉ	ळो	ळौ	ळं	ळः
ഴ	ഴാ	ഴി	ഴീ	ഴു	ഴൂ	ഴൃ	ഴെ	ഴേ	ഴൈ	ഴൊ	ഴോ	ഴൗ	ഴം	ഴഃ
ष़	ष़ा	ष़ि	ष़ी	ष़ु	ष़ू	ष़ृ	ष़ॅ	ष़े	ष़ै	ष़ॉ	ष़ो	ष़ौ	ष़ं	ष़ः
റ	റാ	റി	റീ	റു	റൂ	റൃ	റെ	റേ	റൈ	റൊ	റോ	റൗ	റം	റഃ
ऱ	ऱा	ऱि	ऱी	ऱु	ऱू	ऱृ	ऱॅ	ऱे	ऱै	ऱॉ	ऱो	ऱौ	ऱं	ऱः

परिशिष्ट 5 - **पुरानी और नयी लिपि के बीच का अंतर**

पुरानी लिपि				नयी लिपि			
കു कु	ഖു खु	ഗു गु		കു कु	ഖു खु		ഗു गु
നു नु	രു रु		आदि	നു नु	രു रु		आदि
കൂ / കൂ कू / कू	ഖൂ खू	ഗൂ गू		കൂ कू	ഖൂ खू	ഗൂ गू	आदि
നൂ नू	രൂ रू			നൂ नू	രൂ रू		
കു് क्	തു് त्	നു് न्		ക് क्	ത് त्	ന് न्	आदि
കൃ कृ	തൃ तृ	നൃ नृ		കൃ कृ	തൃ तृ	നൃ नृ	आदि
ക്ര क्र	ത്ര त्र	പ്ര प्र		ക്ര क्र	ത്ര त्र	പ്ര प्र	आदि
ന്ധ്ര न्ध्र	ഗ്ദ്ധ്യ ग्द्ध्य			ന്‌ധ്ര न्ध्र	ഗ്‌ദ്‌ധ്യ ग्द्ध्य		आदि
അർക്കൻ /	അൎക്കൻ			അർക്കൻ			

परिशिष्ट 6 - **मलयाळम के संयुक्ताक्षर रचना के आधार पर संयुक्ताक्षरों का वर्गीकरण**

I. सजातीय संयुक्ताक्षर

						പദങ്ങൾ
1.	ഗ്	+	ഗ	–	ഗ്ഗ	മഗ്ഗ്, വിഗ്ഗ്
	ണ്(ൺ)	+	ണ	–	ണ്ണ	വെണ്ണ, മണ്ണ്
	പ	+	പ	–	പ്പ	കപ്പം, അപ്പം
	ശ്	+	ശ	–	ശ്ശ	നിശ്ശേഷം
	സ	+	സ	–	സ്സ	മനസ്സ്, തേജസ്സ്
	റ	+	റ	–	റ്റ	പാറ്റ, മാറ്റം
	ട്	+	ട	–	ട്ട	കുട്ട, തൊട്ടിൽ
	ദ്	+	ദ	–	ദ്ദ	അദ്ദേഹം, മദ്ദളം
2.	ള്(ൾ)	+	ള	–	ള്ള	വെള്ളം, കള്ളം
	ഞ്	+	ഞ	–	ഞ്ഞ	മഞ്ഞ, കുഞ്ഞ്
	മ്	+	മ	–	മ്മ	അമ്മ, കുമ്മായം
	ന്(ൻ)	+	ന	–	ന്ന	വന്നു, അന്നമ്മ
	ത്	+	ത	–	ത്ത	തത്ത, മത്തൻ
3.	ച	+	ച	–	ച്ച	പച്ച, ഉച്ച
	യ്	+	യ	–	യ്യ	വയ്യ, തയ്യൽ
	വ്	+	വ	–	വ്വ	ചൊവ്വ, വവ്വാൽ
	ല്(ൽ)	+	ല	–	ല്ല	ഇല്ല, അല്ല
4.	ക്	+	ക	–	ക്ക	ചക്ക, മക്കൾ
	ങ	+	ങ	–	ങ്ങ	മാങ്ങ, തേങ്ങ

II. विजातीय संयुक्ताक्षर

1.	ക്	+	ട	–	/ ക്ട	/ഡോക്ടർ
	ക്	+	സ	–	/ ക്സ	/സോക്സ്
	ണ്	+	ഠ	–	/ ണ്ഠ	/വൈകുണ്ഠം
	മ്	+	ന	–	/ മ്ന	/നിമ്നം

ശ്	+	മ	–	/ ശ്മ		/ശ്മശാനം
ഷ്	+	ട	–	/ ഷ്ട		/ഇഷ്ടം
ഷ്	+	ഠ	–	/ ഷ്ഠ		/കുഷ്ഠം
സ്	+	ക	–	/ സ്ക		/തസ്കരൻ
സ്	+	ത	–	/ സ്ത		/വിസ്താരം
സ്	+	ന	–	/ സ്ന		/സ്നാനം
സ്	+	മ	–	/ സ്മ		/വിസ്മയം

2.

ക്	+	ത	–	ക്ത / ക് ത	ശക്തി	/ശക് തി
ഗ്	+	ന	–	ഗ്ന / ഗ് ന	നഗ്നം	/നഗ് നം
ഗ്	+	മ	–	ഗ്മ / ഗ് മ	യുഗ്മം/യുഗ് മം	
ജ്	+	ഞ	–	ജ്ഞ/ ജ് ഞ	ജ്ഞാനം	/ജ് ഞാനം
ഞ	+	ച	–	ഞ്ച / ഞ് ച	സഞ്ചി	
ണ	+	ട	–	ണ്ട / ണ് ട	വേണ്ട	
ക്	+	ത	–	ക്ത / ക് ത	ശക്തി	/ശക് തി
ത	+	ഥ	–	ത്ഥ / ത് ഥ	ഇത്ഥം	/ഇത് ഥം
ത്	+	ന	–	ത്ന / ത് ന	രത്നം	/രത് നം
ത്	+	സ	–	ത്സ / ത് സ	വത്സല	/വത് സല
ദ	+	ധ	–	ദ്ധ / ദ് ധ	ബുദ്ധൻ	/ബുദ് ധൻ
ന	+	ക	–	ങ്ക /	തങ്കം	
ന്	+	ത	–	ന്ത /	ചന്തം	
ന്	+	ദ	–	ന്ദ /	ചന്ദനം	
ന്	+	പ	–	മ്പ /	അമ്പലം	
ന്	+	മ	–	ന്മ /	ന്മ	
ശ്	+	ച	–	ശ്ച /	നിശ്ചയം	/നിശ് ച യം
ഹ്	+	ന	–	ഹ്ന /	ചിഹ്നം/ചിഹ് നം	

III. विशेष चिह्नों से निर्मित संयुक्ताक्षर

ക്	+	വ	–	ക്വ /	പക്വം	
ത്	+	വ	–	ത്വ /	തത്വം	
ക്	+	യ	–	ക്യ /	വാക്യം	
ഗ്	+	യ	–	ഗ്യ /	ഭാഗ്യം	
ക്	+	ഠ	–	ക്ര /	ക്രമം	
ത്	+	ഠ	–	ത്ര /	രാത്രി	
ഗ്	+	ര	–	ഗ്ര /	ഗ്രാമം	
പ്	+	ല	–	പ്ല /	പ്ലാവ്	/പ് ലാവ്
മ്	+	ള	–	മ്ല /	മ്ലാവ്	/ മ്ളാവ്

4. ഗ് + ധ് + യ – ഗ് ധ്യ വൈദഗ്ധ്യം

സ് + ത + ഠ – / സ്ത്ര വസ്ത്രം /വസ്ത്രം

परिशिष्ट 7 - रूप सादृश्य तथा हाथ चलाने की रीति के आधार पर मलयाळम अक्षरों का वर्गीकरण

1.	ഠ	ര	ർ	ന	ൻ	ത	ൽ
2.	വ	പ	ഫ	ഘ	ഷ	ഹ	
3.	എ	ഏ	ഐ				
4.	സ	ഡ	ഢ	ഝ			
5.	ഭ	ദ	അ	ആ			
6.	മ	ക	യ				
7.	ഉ	ഊ	ഇ	ഈ	ജ		
8.	ഒ	ഓ	ഔ	ള			
9.	ഖ	ഞ	ങ	ണ	ൺ	ബ	
10.	ഗ	ശ	ൾ				
11.	ധ	ഴ	ള്ള				
12.	ഥ	ല	ട	ഠ			

ഉദാഹരണ പദങ്ങൾ

1. തറ, നര, നരൻ

2. വര, വരൻ, പരൻ, പറ, തറ, ഹരൻ, ചരൻ,
3. എര, പേന, ചേര
4. സരസ, സേന
5. അവൻ, ആന, അപര, താര, വാര, പാര, പാറ, താൻ, ആയ
6. മകരം, ആദായം, ആമ, അപാരം, വാരം, താരം, ചാരം, നാരായം, ദയ, ഭാരം, കായം, പാതി, കരം, കാരം, സാരം, ദാരം, ആകാരം, നാകം, വാതം, ആഭ, അരം, അറ, ഘനം, ഭാഷ, കഷായം, ഢാൽഢ, ഝാൻസി.
7. ഉമ, ഊറി, ഇര, ഇവൻ, ജയം, വിജയൻ, പരാജയം, ഈയം, ഇര, ദിനം, രീതി, ദീനം, ജീവിതം, പുര, പൂരി, തുണി, തൂൺ, മീൻ, ഊരി, കൂര, കുതിര, കരി, തീരം.
8. ഒരു, ഒരുമ, ഓഹരി, ഓളം, പൊതി, പോര, കൗതുകം, ഔവയാർ, പൗരൻ, കൗമാരം, കോമളം, തോരൻ, സംഭാവന.
9. നഖം, ഖനി, ഞായർ, മരണം, ബാബു, ആഭരണം, ബാണം, പങ്‌തി, വരണം, ദുഃഖം, ചാൺ, ഞാൺ.
10. ഗഗനം, ഗീതം, വേഗം, ഗാനം, ശാരദ, ശാപം, ശേഷം, ശാസന, പശ, വാശി, സംഗീതം, വാൾ, തേൾ, ആൾ.
11. ധനം, ധീരൻ, ധീരജ, ധൈര്യം, മഴ, തുഴ, വാഴ, ഋതു, ഋഷി
12. കഥ, രഥം, മിഥുനം, കല, കാലം, തല, പലഹാരം, കാൽ, പട, പാഠം, തടാകം, വാടക

परिशिष्ट 8 - **लिपि पाठ - एक नमूना**

അക്ഷരങ്ങൾ 'अक्षर'

മ	**ക**	**യ**
म	**क**	**य**

പദങ്ങൾ 'शब्द'

മാൻ	കര	യാചന	മീൻ	കീരി	ചായ	മായ
മൈന	രമ	മഷി	പക	ഛായ	കായൽ	വായന

◌ം

◌ं

മാനം മയം കായം വേഷം കഷായം പാവം ഹംസം

വായിക്കുക 'पढिए'

മീര വേഷം മാറി.
സരസേ, വാ, സാരി തരാം.

അഭ്യാസം 'अभ्यास'

1. दिए गये अक्षरों में ക को पहचानिए ।
മ ന ക യ റ ര ക പ വ ക
2. दुहराए हुए अक्षरों को पहचानिए ।
കക മന തത യയ പപ തന നത പവ
3. दिए हुए शब्दों में യ को पहचानिए ।
ആയാസം, പായസം, യമൻ, കയം
4. सही प्रकार मिलाकर पढिए ।
പക ഷി
ആദാ രം
പായ നം
ഘ സം
മ യം
5. उपयुक्त अक्षर चुन कर शब्द पूरा कीजिए ।
പറ .... ണം (യ, ക, മ)
6. सही अक्षर का प्रयोग कर शब्द पूरा कीजीए ।
ആദാ ....
7. देवनागरी लिपि में दिये गये शब्दों को मलयाळम में लिखिए ।
मकम् कयर् मकरम्
8. മ, ക, യ के दो दो शब्द लिखिए ।
9. മ के स्थान पर और एक अक्षर लिख कर एक नया शब्द बनाइए ।
മരം
10. देवनागरी लिपि में दिए हुए वाक्य मलयाळम में लिखिए ।
सरसे वेषम् मारि वरू ।

പാഠം 1
पाठम

പുതിയ കൂട്ടുകാരൻ / नया दोस्त

രവി रवि	: വരൂ, വരൂ, അകത്തു വരൂ, : वरू, वरू, अकत्तु वरू ।	आइए, आइए, अन्दर आइए ।
തോമസ് तोमस्	: രവീ, ഇയാൾ എന്റെ : रवी, इयाळ् ऍन्डॅ പുതിയ കൂട്ടുകാരൻ ആണ്. पुतिय कूट्टुकारन् आणं । ഇയാളുടെ പേര് അമർനാഥ് इयाळुडॅ पेरं अमरनाथ ത്രിവേദി എന്നാണ്. त्रिवेदि ऍन्नाणं ।	रवी, ये मेरे नये दोस्त हैं । इनका नाम अमरनाथ त्रिवेदी है।
രവി रवि	: നമസ്തേ ത്രിവേദി. ഇരിക്കൂ. : नमस्ते त्रिवेदी । इरिक्कू । തോമസ്, നീയും ഇരിക്ക്. तोमस्, नीयुम् इरिक्कं । അവിടെ അങ്ങനെ നിൽക്കണ്ട. अविडॅ अङडनॅनिल्क्कण्ड ।	नमस्ते त्रिवेदीजी। बैठिए। थोमस, तू भी बैठ । वहाँ उस प्रकार मत खड़े रहो ।
തോമസ് तोमस	: അതെന്താ, ഞാൻ ഇവിടെ : अतेन्ता, ञान इविडॅ പുതിയ ആളാണോ? पुतिय आळाणो ?	वह क्या है ? मैं यहाँ पर नया आदमी हूँ क्या ?
രവി रवि	: അല്ല. പുതിയ ആളല്ല.നീ എന്റെ : अल्ल । पुतिय आळल्ल । नी ऍन्डॅ പഴയ കൂട്ടുകാരൻ തന്നെ. പക്ഷേ पष़य कूट्टुकारन तन्नॅ । पक्षे ഇപ്പോൾ നീ ഒരു കാര്യം ചെയ്യ്. इप्पोळ् नी ऑरु कार्यम चेय्यं ।	तू नया आदमी नहीं है। तू तो मेरा पुराना दोस्त हो ही । अब तू एक काम कर। त्रिवेदीजी के साथ वहाँ पर ज़रा बैठ।

	ത്രിവേദിയുടെ കൂടെ അവിടെ	
	त्रिवेदियुडॅ कूडॅ अविडॅ	
	ഒന്നിരിക്ക്	
	ऑन्निरिक्कं ।	
ത്രിവേദി	: രവീ, നിങ്ങളുടെ മുഴുവൻ	रवि, आप का पूरा नाम क्या है ?
त्रिवेदि	: रवी, निङ्ङ्ळुडॅ मुष़वन्	
	പേരെന്താണ്	
	पेरन्ताणं ?	
രവി	: കെ.രവീന്ദ്രൻനായർ	के - रविन्द्रन् नायर् ।
रवि	: कॅ. रवीन्द्रन् नायर् ।	
ത്രിവേദി	: നിങ്ങൾ ഈ ഗ്രാമക്കാരൻ	क्या आप इस गाँव वाले हैं ?
	ആണോ?	
त्रिवेदि	: निङ्ङ्ळु ई ग्रामक्कारन् आणो?	
രവി	: അതേ. ഇതുതന്നെയാണ്.	जी हाँ। यही है। हमारा गाँव ।
रवि	: अते । इतुतन्नेयाणं ।	आपका जन्मस्थान कोन - सा है ?
	ഞങ്ങളുടെ ഗ്രാമം	
	ञङ्ङ्ळुडॅ ग्रामम्।	
	നിങ്ങളുടെ നാട് ഏതാണ്?	
	निङ्ङ्ळुडॅ नाड् एताणं ?	
ത്രിവേദി	: എന്റെ നാട് ഉത്തർപ്രദേശ് ആണ്.	मेरा जन्मस्थान उत्तरप्रदेश है ।
	ऍन्डॅ नाड् उत्तरप्रदेश् आणं ।	
രവി	: നിങ്ങൾ ലക്നൗവിൽ നിന്നാണോ?	आप लखनऊ के हैं क्या ?
रवि	: निङ्ङळ् लकनौविल निन्नाणो?	
ത്രിവേദി	: അല്ല	नहीं ।
त्रिवेदि	: अल्ल ।	
തോമസ്	: അയാളുടെ സ്വന്തസ്ഥലം	उनका जन्मस्थान इलाहाबाद है ।
तोमस्	: अयाळुडॅ स्वन्तस्थलम	
	അലഹബാദ് ആണ്	
	अलहबाद आणं ।	
ത്രിവേദി	: എന്റെ അച്ഛന്റെ കുടുംബ വീട്	मेरे पिताजी का पारिवारिक घर
त्रिवेदी	: ऍन्डॅ अच्छन्डॅ कुडुम्बवीड्	(मूल घर) वहाँ है ।
	അവിടെയാണ്.	
	अविडॅयाणं ।	

രവി	: അലഹബാദ് ഒരു പുണ്യസ്ഥലം	इलाहाबाद एक पवित्रस्थान है न ?
रवि	: अलहबाद ऑरु पुण्यस्थलम्	
	അല്ലേ ?	
	अल्ले ?	
ത്രിവേദി	: അതേ. അതൊരു പ്രസിദ്ധ	जी हाँ। वह एक प्रसिद्ध तीर्थाटन
त्रिवेदि	: अते । अतॉरु प्रसिद्ध	केन्द्र है ।
	തീർഥാടന കേന്ദ്രം ആണ്.	
	अते । अतॉरु तीर्थाडन	
	കേന്ദ്രം ആണ്.	
	केन्द्रम् आण् ।	
അമ്മ	: മോനേ, രവീ, ആരാണ്	रवी बेटे, वहाँ तीर्थयात्री कौन है ?
अम्म	मोने रवी, आराण्	
	അവിടെ ഒരു തീർഥാടനക്കാരൻ?	
	अविडॅ ऑरु तीर्थाडनक्कारन्?	
രവി	: അമ്മ ഒന്നു പുറത്തേക്ക് വരൂ.	माँ ज़रा बाहर आइए । देखिए कि
रवि	: अम्म ऑन्नु पुऱत्तेक्क् वरू ।	नया आदमी कौन है ?
	പുതിയ ആൾ ആരാണ് എന്നു	
	पुतिय आळ् आराण् ऍन्नु	
	നോക്കൂ.	
	नोक्कू ।	
അമ്മ	: അത് നമ്മുടെ വർഗീസിന്റെ	वह हमारे वर्गीस् का बेटा
अम्म	: अत् नम्मुडॅ वर्गीसिन्डॅ	थोमस् कुट्टि है न ?
	മകൻ തോമസ് കുട്ടി അല്ലേ?	
	मकन् तोमस् कुट्टि अल्ले ?	
തോമസ്	: അതേ അമ്മാ, ഈ	हाँ माताजी, यह त्रिवेदी है हमारा
तोमस्	: अते अम्म, ई	नया दोस्त। यही है तीर्थयात्री ।
	ത്രിവേദിയാണ് ഞങ്ങളുടെ	
	त्रिवेदियाण् ञङ्ङळुडे	
	പുതിയ കൂട്ടുകാരൻ.	
	पुतिय कूट्टुकारन् ।	
	ഇയാളാണ് തീർഥാടനക്കാരൻ.	
	इयाळाण् तीर्थाडनक्कारन् ।	

ത്രിവേദി त्रिवेदि	: നമസ്തേ അമ്മാ : नमस्ते अम्मा ।	नमस्ते माताजी
അമ്മ अम्मा	: നമസ്തേ. മക്കളേ, നിങ്ങൾ : नमस्ते मक्कळे, निङ्ङळ् ഈ വരാന്തയിൽ ഇങ്ങനെ ई वरान्तयिल् इङ्ङनॅ ഇരിക്കണ്ട. അകത്തേക്കു इरिक्कण्ड । अकत्तेक्कु വരിൻ. മോളേ ജയശ്രീ, वरिन्। मोळे जयश्री, നീ ചൂടു ചായയും വടയും नी चूडु चाययुम् वडयुम् കൊണ്ടു വാ. രവീ, നീയും कोण्डु वा. रवी, नीयुम् കൂട്ടുകാരും ചൂടോടെ ആ कूट्टुकारुम् चूडोडॅ आ ചായ കുടിക്കിൻ. അതിന്റെ चाय कुडिक्किन्. अतिन्डॅ കൂടെവടയും കഴിക്കുവിൻ. कूडॅ वडयुम् कऴिक्कुविन् ।	नमस्ते । बच्चे, आप लोग इस बराम्दे में इस तरह मत बैठिए । अन्दर आइए । जयश्री बेटी, तुम गरम चाय और वडा लाओ।रवी, तुम और दोस्त गरम चाय पीजिए । उसके साथ वडा भी खाइए ।

शब्दार्थ

പുതിയ पुतिय	नया	എന്റെ ऍन्डॅ	मेरा	എന്നാണ് ऍन्नाणं	ऐसा है, कि
കൂട്ടുകാരൻ कूट्टुकारन्	दोस्त	ആണ് आण्	हूँ, हो, है, हैं	എന്ന് ऍन्न्	ऐसा, कि
വരൂ वरू	आओ, आइए	കാര്യം कार्यम्	कार्य	ഇരിക്കൂ इरिक्कू	बैठो, बैठिए
വരുക वरुक	आना	അവിടെ अविडॅ	वहाँ	ഇരിക്കുക इरिक्कुक	बैठना

അകത്ത് अकत्तं	अन्दर	ഇയാളുടെ इयाळुडॅ	इसका इन का	നീയും नीयुम्	तुम भी
ഇയാൾ इयाळ्	यह आदमी	പേര് पेरं	नाम	നീ नी	तू
അവിടെ अविडॅ	वहाँ	കൂടെ कूडे	केसाथ	സ്വന്തസ്ഥലം स्वन्त स्थलम्	अपना स्थान जन्मस्थान,
അങ്ങനെ अङ्ङनॅ	उस प्रकार	ഒന്നിരിക്ക് ऑन्निरिक्कं	ज़रा बैठ	സ്വന്തം स्वन्तम्	अपना
നിൽക്കണ്ട निल्क्कण्ड्	खड़े रहना मत	ഒന്ന് ऑन्न्ं	एक	അച്ഛൻ अच्छन्	पिताजी
നിൽക്കുക निल्क्कुक	खडे रहना	നിങ്ങൾ निङ्ङळ्	तुम,आप	കുടുംബവീട് कुटुम्ब वीडं	पारिवारिक धर
അതെന്താ अतेन्ता	वह क्या	മുഴുവൻ मुषुवन्	पूरा	കുടുംബം कुटुम्बम्	कुटुंब, परिवार
അത് अतं	वह	ഈ ई	यह, ये, (विशेषण)	പുണ്യസ്നാനം पुण्यस्थानम्	पवित्रस्थान
എന്താ ऍन्ता	क्या	ഗ്രാമക്കാരൻ ग्रामक्कारन्	गाँव वाले	പുണ്യം पुण्यम्	पुण्य
ഞാൻ ञान्	मैं	ഗ്രാമം ग्रामम्	गाँव	അല്ലേ अल्ले	है न?
ഇവിടെ इविडॅ	यहाँ	ആണോ आणो	हैं क्या?	പ്രസിദ്ധം प्रसिद्धम्	प्रसिद्ध
ആൾ आळ्	आदमी	അതേ अते	जी हाँ	തീർഥാടനകേന്ദ്രം पुण्यतीर्थाडन केन्द्रम्	तीर्थाटन केन्द्र
അല്ല अल्ल	नहीं	ഇത് इतं	यह	തീർഥാടനം तीर्थाडनम्	तीर्थाटन
പഴയ पष़य	पुराना	ഞങ്ങൾ ञङ्ङळ्	हम	മോനേ मोने	बेटे (संबोधनात्मक)
തന്നെ तन्ने	ही हैं	നാട് नाडं	जन्मस्थान	മോൻ मोन्	बेटा
പക്ഷേ पक्षे	लेकिन	ഏത് एतं	कौन सा	ആര് आरं	कौन

ഇപ്പോൾ इप्पोळ्	अब	ലക്നൗവിൽ നിന്ന് लकनौविल निन्न्	लखनऊ से	തീർഥാടനക്കാരൻ तीर्थाडनक्कारन्	तीर्थयात्री
ചെയ്യ് चेय्य्	कर	അമ്മ अम्म	माँ		
ചെയ്യുക चेय्युक	करना	അയാൾ अयाळ्	वह आदमी		
പുറത്തേക്ക് पुऱत्तेक्क्	बाहर से	പുറത്ത് पुऱत्त्	बाहर	നോക്കൂ नोक्कू	देखो
നോക്കുക नोक्कुक	देखना	നമ്മുടെ नम्मुडॅ	हमारा	മകൻ मकन्	बेटा
മക്കൾ मक्कळ्	बच्चे	വരാന്തയിൽ वरान्तयिल्	बराम्दे में	വരാന്ത वरान्त	बराम्दे
ഇങ്ങനെ इङ्ङनॅ	इस तरह	മോൾ मोळ्	बेटी	ചൂടുചായ चूडुचाय	गरम चाय
ചൂട് चूड्	गर्मि	വട वड	वडा	കൊണ്ടുവാ कॉण्डुवा	लाओ
കൊണ്ടുവരുക कॉण्डुवरुक	लाना	കൂട്ടുകാർ कूट्टुकार	दोस्त (बहुवचन)	ചൂടോടെ चूडोडॅ	गरमी के साथ
ആ आ	वह, वे (विशेषण)	കുടിക്കിൻ कुडिक्किन्	पीजिए	കുടിക്കുക कुडिक्कुक	पीना
കൂടെ कूडॅ	साथ	കഴിക്കിൻ कषिक्किन्	खाओ	കഴിക്കുക (कषिक्कुक)	खाना

अभ्यास

1. उदाहरणों के अनुसार दिए हुए शब्दों का प्रयोग करके वाक्य बनाइऐ ।

(1) **उदा :** കൂട്ടുകാരൻ ആണ്.
कूट्टुकारन् आणं ।
എന്റെ കൂട്ടുകാരൻ ആണ്
ऍन्डॅ कूट्टुकारन् आणं ।
ഇയാൾ എന്റെ കൂട്ടുകാരൻ ആണ്.
इयाळ् ऍन्डॅ कूट्टुकारन् आणं

1. ഗ്രാമക്കാരൻ (ग्रामक्कारन्)
2. നാട്ടുകാരൻ (नाट्टुकारन्)

(2) उदा :	ത്രിവേദി എന്നല്ല.	1. ഇയാളുടെ (इयाळुडॅ)
	त्रिवेदि ऍन्नल्ल ।	2. നിങ്ങളുടെ (निङ्ङळुडॅ)
	പേര് ത്രിവേദി എന്നല്ല.	
	पेरं त्रिवेदि ऍन्नल्ल	
	എന്റെ മുഴുവൻ പേര് ത്രിവേദി എന്നല്ല.	
	एन्डॅ मुषुवन् पेरं त्रिवेदि ऍन्नल्ल ।	
(3) उदा :	ഗ്രാമക്കാരൻ ആണോ?	1. നാട്ടുകാരൻ (नाट्टुकारन्)
	ग्रामक्कारन् आणो ?	2. വീട്ടുകാരൻ (वीट्टुकारन्)
	ഈ ഗ്രാമക്കാരൻ ആണോ ?	
	ई ग्रामक्कारन् आणो?	
	നിങ്ങൾ ഈ ഗ്രാമക്കാരൻ ആണോ?	
	निङ्ङळ् ई ग्रामक्कारन् आणो? ।	
(4) उदा :	പുണ്യസ്ഥലം അല്ലേ?	1. തീർത്ഥാടന കേന്ദ്രം (तीर्थाडनकेन्द्रम)
	पुण्यस्थलम् अल्ले?	2. ഗ്രാമം (ग्रामम्)
	ഒരു പുണ്യസ്ഥലം അല്ലേ?	
	ऑरु पुण्यस्थलम् अल्ले?	
	അലഹബാദ് ഒരു പുണ്യസ്ഥലം അല്ലേ?	
	अलहबाद् ऑरु पुण्यस्थलम् अल्ले ?	
(5) उदा :	വരൂ.	1. നിൽക്കൂ (निल्क्कू)
	वरू ।	2. ഇരിക്കൂ (इरिक्कू)
	അകത്തു വരൂ.	
	अकत्तु वरू ।	
	നിങ്ങൾ അകത്തു വരൂ.	
	निङ्ङळ् अकत्तु वरू।	
(6) उदा :	കുടിക്കിൻ.	1. കൊണ്ടുവരിൻ (कोण्डुवरिन्)
	कुडिक्किन् ।	
	ചായ കുടിക്കിൻ.	
	चाय कुडिक्किन् ।	
	ചൂടു ചായ കുടിക്കിൻ.	
	चूडु चाय कुडिक्किन् ।	
	നിങ്ങൾ ചൂടുചായ കുടിക്കിൻ.	
	निङ्ङळ् चूडुचाय कुडिक्किन् ।	

II.उदाहरण के अनुसार दिए हुए शब्दों का उचित स्थान पर प्रयोग करके वाक्य का विस्तार कीजिए ।

उदा : നിങ്ങൾ ഇരിക്കണ്ട. (ഇവിടെ, ഇങ്ങനെ). നിങ്ങൾ ഇവിടെ ഇങ്ങനെ ഇരിക്കണ്ട.
निङ्ङळ् इरिक्कण्ड । (इविडॅ, इङ्ङनॅ) निङ्ङळ् इविडॅ इङ्ङनॅ इरिक्कण्ड ।

2. നിങ്ങൾ കൊണ്ടു വരണ്ട. (ഇവിടെ, ചായ)
निङ्ङळ् कोण्डु वरण्ड । (इविडॅ, चाय)

3. നീ നിൽക്കണ്ട. (വരാന്തയിൽ, അങ്ങനെ)
नी निल्कण्ड । (वरान्तयिल्, अङ्ङनॅ)

4. നീ കഴിക്കണ്ട.(ചൂടു ചായയുംവടയും)
नी कषिक्कण्ड. (चूडु चाययुम् वडयुम्)

III. उदाहरण के अनुसार वाक्यों में रेखाँकित शब्दों के स्थान पर दिए हुए शब्दों का प्रयोग करके वाक्य बनाइए ।

उदा : ഇയാൾ എന്റെ നാട്ടുകാരൻ ആണ്.
इयाळ् एन्डॅ नाट्टुकारन् आणं ।

क. കൂട്ടുകാരൻ ख. ഗ്രാമക്കാരൻ

(क) ഇയാൾ എന്റെ കൂട്ടുകാരൻ ആണ്. (ख.)ഇയാൾ എന്റെ ഗ്രാമക്കാരൻ ആണ്.
इयाळ् ऍन्डॅ कूट्टुकारन् आणं । ' इयाळ् ऍन्डॅ ग्रामक्कारन् आणं।

1. അലഹബാദ് ഒരു പുണ്യസ്ഥലം ആണ്.
अलहबाद् ऑरु पुण्यस्थलम् आणं ।

(क) തീർഥാടനകേന്ദ്രം तीर्थाडन केन्द्रम्
(ख) പ്രസിദ്ധസ്ഥലം प्रसीद्धस्थलम्

2. അലഹബാദിലാണ് ത്രിവേദിയുടെ കുടുംബവീട്.
अलहबादिलाणं त्रिवेदियुडॅ कुडुम्बवीड् ।

(क)എന്റെ(ख)നിങ്ങളുടെ (ग)അയാളുടെ
ऍन्डॅ निङ्ङळुडॅ अयाळुडॅ

3. വർഗീസിന്റെ മകൻ ആണ് തോമസ്.
वर्गीसिन्डॅ मकन् आणं तोमस् ।

(क.) കൂട്ടുകാരൻ (ख) നാട്ടുകാരൻ
कूट्टुकारन् नाट्टुकारन्

4. ആരാണ് പുതിയ കൂട്ടുകാരൻ ?
आराणं पुतिय कूट्टुकारन् ।

(क)നാട്ടുകാരൻ (ख)തീർഥാടനക്കാരൻ
नाट्टुकारन् तीर्थाडनक्कारन्

5. നിങ്ങൾ വരാന്തയിൽ ഇരിക്കണ്ട.
निङ्ङळ् वरान्तयिल् इरिक्कण्ड ।

(क)നിൽക്കണ്ട. (ख) വരണ്ട
निल्क्कण्ड वरण्ड

6. നിങ്ങൾ പുറത്തേക്കു വരൂ.
निङ्ङळ् पुऱत्तेक्कु वरू ।

(क)അകത്തേക്ക് (ख)ഇവിടെ (ग.)അങ്ങനെ
अकत्तेय्क्कॅ इविडॅ अङ्ङनॅ

IV. उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए ।

(1)**उदा :** ഞാൻ രവിയാണ്
ञान् रवियाणं ।

എന്റെ പേരു രവി എന്നാണ്.
ऍन्डॅ पेरु रवि ऍन्नाणं

1. ഞാൻ ത്രിവേദിയാണ്.
ञान् त्रिवेदि आणं ।

2. അയാൾ തോമസ് ആണ്.
अयाळ् तोमसॅ आणं ।

3. നിങ്ങൾ ജയശ്രീ ആണ്
निङ्ङळ् जयश्री आणं ।

4. ഇയാൾ രാമൻ ആണ്.
इयाळ् रामन् आणं ।

(2)**उदा :** തോമസ് വർഗീസിന്റെ മകനാണ്.
तोमस् वर्गीसिन्डॅ मकनाणं ।

തോമസാണ് വർഗീസിന്റെ മകൻ.
तोमसाणं वर्गीसिन्डॅ मकन् ।

1. രവി തോമസിന്റെ കൂട്ടുകാരൻ ആണ്.
रवि तोमसिन्डॅ कूट्टुकारन् आणं ।

2. നിങ്ങൾ എന്റെ നാട്ടുകാൻ ആണ്.
निङ्ङळ् ऍन्डॅ नाट्टुकारन् आणं ।

3. ഞാൻ ത്രിവേദിയാണ്.
ञान् त्रिवेदियाणं ।

4. അത് എന്റെ ഗ്രാമം ആണ്.
अतॅ एन्डॅ ग्रामम् आणं ।

(3) **उदा :** ഞാൻ ത്രിവേദിയാണ്.
ञान् त्रिवेदियाणं ।

ഞാൻ ത്രിവേദി അല്ല.
ञान् त्रिवेदि अल्ल ।

1. ഇയാൾ എന്റെ ഗ്രാമക്കാരൻ ആണ്
इयाळ् ऍन्डॅ ग्रामक्कारन् आणं ।

2. എന്റെ നാട് ഉത്തർപ്രദേശ് ആണ്.
ऍन्डॅ नाड् उत्तरप्रदेश आणं ।

3. ഇതു ഗ്രാമം ആണ്.
इतु ग्रामम् आणं ।

4. അതു വീടാണ്.
अतु वीडाणं ।

(4) **उदा :** നീ വാ
नी वा

നിങ്ങൾ വരൂ
निङ्ङळ् वरू ।

1. നീ നിൽക്ക്.
नी निल्क्कं

2. നീ ഇരിക്ക്.
नी इरिक्कं ।

3. നീ കൊണ്ടുവാ.
नी कॉण्डुवा ।

4. നീ ചെയ്യ്.
नी चेय्यं ।

(5) നീ വാ.
नी वा ।

നീ വരണ്ട.
नी वरण्ड ।

1. നീ നിൽക്ക്
नी निल्क्कं ।

2. നീ ഇരിക്ക്
नी इरिक्कं

3. നീ കൊണ്ടുവാ.
नी कॉण्डुवा ।

4. നീ ചെയ്യ്
नी चेय्यं

(6) **उदा** :നിങ്ങൾ വരൂ. നിങ്ങൾ വരണ്ട.

निङ्ङळ् वरू । निङ्ङळ् वरण्ड ।

1. നിങ്ങൾ നിൽക്കൂ.
   निङ्ङळ् निल्क्कू।
2. നിങ്ങൾ ഇരിക്കൂ.
   निङ्ङळ् इरिक्कू ।
3. നിങ്ങൾ കൊണ്ടു വരൂ..
   निङ्ङळ् कॉण्डुवरू ।
4. നിങ്ങൾ ചെയ്യൂ.
   निङ्ङळ् चेय्यू ।

(7) **उदा** : നിങ്ങൾ വരൂ. നിങ്ങൾ വരിൻ

निङ्ङळ् वरू । निङ्ङळ् वरिन् ।

1. നിങ്ങൾ ഇരിക്കൂ.
   निङ्ङळ् इरिक्कू ।
2. നിങ്ങൾ കൊണ്ടു വരൂ.
   निङ्ङळ् कॉण्डु वरू ।

V. उत्तर दीजिए ।

1. നിങ്ങളുടെ പേരെന്താണ്?
   निङ्ङ्ळुडॅ. पेरॅन्ताणं ?
2. അയാളുടെ പേരെന്താണ്?
   अयाळुडॅ पेरॅन्ताणं ?
3. ഇയാൾ ആരാണ് ?
   इयाळ् आराणं ?
4. നിങ്ങളുടെ നാടേതാണ്?
   निङ्ङळुडॅ नाडेताणं ?

VI. उदाहरण के अनुसार प्रत्येक प्रश्न के दो-दो उत्तर दीजिए ।

ഇത് നിങ്ങളുടെ ഗ്രാമം ആണോ? അതേ ഇത് എന്റെ ഗ്രാമം ആണ്.

इतं निङ्ङळुडॅ ग्रामम् आणो ? अते इतं ऍन्डॅ ग्रामम् आणं ।

അല്ല. ഇത് എന്റെ ഗ്രാമം അല്ല, ഇത് ത്രിവേദിയുടെ ഗ്രാമം ആണ്.

अल्ल । इतं ऍन्डॅ ग्रामम् अल्ल । इतं त्रिवेदियुडॅ ग्रामम् आणं ।

1. ഇയാൾ നിങ്ങളുടെ കൂട്ടുകാരൻ ആണോ?
   इयाळ् निङ्ङळुडॅ कूट्टुकारन् आणो ?
2. അലഹബാദ് നിങ്ങളുടെ സ്വന്തസ്ഥലം ആണോ?
   अलहबाद निङ्ङळुडॅ स्वन्तस्थलम् आणो ?
3. ഇത് അയാളുടെ വീടാണോ?
   इतं अयाळुडॅ वीडाणो ?
4. ജയശ്രീ ഇയാളുടെ മകളാണോ?
   जयश्री इयाळुडॅ मकळाणो?

VII. प्रत्येक वाक्य के एक एक प्रश्न दीजिए ।

1. എന്റെ പേര് സുധ എന്നാണ്.
   ऍन्डॅ पेरं सुध ऍन्नाणं ।
2. അയാളുടെ നാട് ബീഹാർ ആണ്.
   अयाळुडॅ नाड् बीहार आणं ।
3. ഞാൻ തോമസ് ആണ് .
   ञान् तोमस् आणं ।
4. അല്ല. എന്റെ വീട് അലഹബാദിൽ അല്ല.
   अल्ल । एन्डॅ वीड् अलहबादिल् अल्ल ।

VIII. पढिए और अभ्यास कीजिए ।

1.	ഞാൻ	–	എന്റെ	ഞങ്ങൾ	–	ഞങ്ങളുടെ
	ञान्	-	ऍन्डॅ	ञङ्ङळ्	-	ञङ्ङळुडॅ
	നീ	–	നിന്റെ	നിങ്ങൾ	–	നിങ്ങളുടെ
	नी	-	निन्डॅ	निङ्ङळ्	-	निङ्ङळुडॅ
2.	നാം	–	നമ്മുടെ			
	नाम	-	नम्मुडॅ			
3.	പഴയ	x	പുതിയ	അകത്ത്	x	പുറത്ത്
	पषय	x	पुतिय	अकत्तं	x	पुरत्तं
4.	ഈ	x	ആ	ഇത്	x	അത്
	ई	x	आ	इतं	x	अतं
	ഇവിടെ	x	അവിടെ	ഇങ്ങനെ	x	അങ്ങനെ
	इविडॅ	x	अविडॅ	इङ्ङनॅ	x	अङ्ङनॅ
	ഇയാൾ	x	അയാൾ			
	इयाळ्	x	अयाळ्			
5.	നാട്	–	നാട്ടുകാരൻ	വീട്	–	വീട്ടുകാരൻ
	नाड्	-	नाट्टुकारन्	वीड्	-	वीट्टुकारन्
	കൂട്ട്	–	കൂട്ടുകാരൻ	ഗ്രാമം	–	ഗ്രാമക്കാരൻ
	कूट्टं	-	कूट्टुकारन्	ग्रामम्	-	ग्रामक्कारन्
	തീർഥാടനം	–	തീർഥാടനക്കാരൻ			
	तीर्थाडनम्	-	तीर्थाडनक्कारन्			
6.	കൂട്ടുകാരൻ	–	കൂട്ടുകാർ	നാട്ടുകാരൻ	–	നാട്ടുകാർ
	कूट्टुकारन्	-	कूट्टुकार्	नाट्टुकारन्	-	नाट्टुकार
	വീട്ടുകാരൻ	–	വീട്ടുകാർ	തീർഥാടനക്കാരൻ	–	തീർഥാടനക്കാർ
	वीट्टुकारन्	-	वीट्टुकार्	तीर्थाडनक्कारन्	-	तीर्थाडनक्कार्
	ഗ്രാമക്കാരൻ	–	ഗ്രാമക്കാർ			
	ग्रामक्कारन्	-	ग्रामक्कार्			

IX. पढिए और अभ्यास कीजिए ।

उदा :1

ആൾ + ആണ്	-	ആളാണ്	ഞാൻ + അല്ല	-	ഞാനല്ല
आळ् + आणं	-	आळाणं	ञान् + अल्ल	-	ञानल्ल
നിങ്ങൾ + ആണോ	-	നിങ്ങളാണോ	നിങ്ങൾ + അല്ലേ	-	നിങ്ങളല്ലേ
निङ्ङळ् + आणो	-	निङ्ङळाणो	निङ्ङळ् + अल्ले	-	निङ्ङळल्ले
നാട് + ഏത്	-	നാടേത്	വീട് + ഇത്	-	വീടിത്
नाड् + एतं	-	नाडॅतं	वीड् + इतं	-	वीडितं

उदा :2

ഇങ്ങനെ + ആണ് - ഇങ്ങനെയാണ്. അങ്ങനെ+ ആണ് - അങ്ങനെയാണ്
इङ्ङनॅ + आण् - इङ्ङनेयाण् अङ्ङनॅ + आण् - अङ्ङनेयाण्
അവിടെ + ആണ് - അവിടെയാണ്. ഇവിടെ + ആണ് - ഇവിടെയാണ്
अविडॅ + आण् - अविडेयाण् इविडॅ + आण् - इविडेयाण्

उदा :3

തോമസ് + ഉം - തോമസും രവി + ഉം - രവിയും
तोमस् + उम् - तोमसुम् रवि + उम् - रवियुम्
നീ + ഉം - നീയും ത്രിവേദി + ഉം - ത്രിവേദിയും
नी + उम् - नीयुम् त्रिवेदि + उम् - त्रिवेदियुम्

उदा :4

കുടുംബം + വീട് - കുടുംബവീട് തീർഥാടനം + കേന്ദ്രം-തീർഥാടനകേന്ദ്രം
कुडुम्बम् + वीड् - कुडुम्बवीड् तीरथाडनम् + केन्द्रम् - तीर्थाडन केन्द्रम्
പുണ്യം + സ്ഥലം -പുണ്യസ്ഥലം. സ്വന്തം + സ്ഥലം - സ്വന്തസ്ഥലം
पुण्यम् + स्थलम् - पुण्यस्थलम् स्वन्तम् + स्थलम् - स्वन्तस्थलम्

X. कोष्टक में दिए हुए शब्दों के उचित रूपों से वाक्य पूरे कीजिए ।

1. ത്രിവേദി എന്നാണ് ------- പേര്. (ഇയാൾ) त्रिवेदि ऍन्नाणण् ------- पेरं ।
2. തോമസ് -------- മകനാണ് . (ഞാൻ) तोमस् ---------- मकनाण् । (ञान्)
3. രവി ------------ കൂട്ടുകാരനാണ്. (ഞാൻ) रवि -------- कूट्टुकारनाण् ।क(ञान्)
4. അത് -------- ഗ്രാമം ആണ്. (ഞങ്ങൾ) अत् -------- ग्रामम् आण् । (ञङ्ङळ)

XI. सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए ।

1. നിങ്ങളുടെ പേര് -------------- ? (എന്താണ്, എന്നാണ്)
   निङ्ङळुडे पेरं ---------------- ? (ऍन्ताण् , ऍन्नाण्)
2. അയാൾ -------------- ? (ആരാണ്, എന്താണ്)
   अयाळ् ---------------- ? (आराण् ऍन्ताण्)
3. ഇയാളുടെ ഗ്രാമം ----------- ? (ഏതാണ്, എന്നാണ്)
   इयाळुडॅ ग्रामम् ---------------- ? (एताण्, ऍन्नाण्)
4. അയാൾ എന്റെ ഒരു --------- കൂട്ടുകാരൻ ആണ്. (പഴയ, അവിടെ)
   अयाळ् ऍन्डॅ ऑरु ---------------- कूट्टुकारन् आण् (पषय, अविडॅ।
5. നീ ------------- നില്ക്കണ്ട. (പുതിയ, അങ്ങനെ)
   नी -------------- निल्कण्ड । (पुतिय, अङ्ङनॅ)

6. എന്റെ കുടുംബ വീട് -------- ആണ്. (അവിടെ, അയാൾ)
ऍन्डॅ कुडुम्बवीड् ---------------- आणं । (अविडॅ, अयाळ्)
7. ത്രിവേദി എന്റെ --------------- ആണ്. (കൂട്ടുകാരൻ, ഞാൻ)
त्रिवेदि ऍन्डॅ ------------------------ आणं! (कूट्टुकारन् , ञान्)
8. നിങ്ങൾ അകത്തേക്ക് -------------- (വാ, വരൂ).
निङ्ङळ् अकत्तेय्क्क् --------------------- (वा, वरू)।

पढिए और समझिए

നാമെല്ലാം ഒന്നാണ്
नामेल्लाम् ऑन्नाणं

എന്റെ മാതൃഭാഷ മലയാളമാണ്. ത്രിവേദിയുടെ ഭാഷ ഹിന്ദി. ചാറ്റർജിയുടെ
ऍन्डॅ मातृभाष मलयाळमाणं । त्रिवेदियुडॅ भाष हिन्दी । चाररर्जियुडॅ
മാതൃഭാഷ ബംഗാളിയാണ്. സർദാർജിയുടെ ഭാഷ പഞ്ചാബി. ഞാൻ മലയാളിയാണ്.
मातृभाष बंगळियाणं। सरदारजियुडॅ भाष पंजाबि । ञान् मलयाळियाणं।
രംഗനാഥൻ തമിഴ്നാട്ടുകാരനാണ്.കുൽക്കർണി മഹാരാഷ്ട്രക്കാരനും ജവഹർലാൽ
रंगनाथन् तमिष् नाट्टुकारनाणं । कुल्करणि महाराष्ट्रक्कारनुम् जवहरलाल
കാശ്മീരിയും ആണ്. ഞങ്ങളുടെ ഭാഷ വേറെ, വേഷം വേറെ. ഞാനും നിങ്ങളും
काश्मीरियुम् आणं। ञङ्ङळुडॅ भाष वेरॅ । वेषम् वेरॅ । ञानुम् निङ्ङळुम्
ഇയാളും അയാളും എല്ലാം വേറെ വേറെ, എങ്കിലും നമ്മളെല്ലാം ഒന്നാണ്. നമ്മ
इयाळुम् अयाळुम् ऍल्लाम् वेरॅ वेरॅ , ऍङ्किलुम् नम्मळॅल्लाम् ऑन्नाणं। नम्म
ളെല്ലാവരും ഭാരതീയരാണ്. നമ്മുടെ മാതൃഭൂമി ഭാരതമാണ്. നമ്മുടെ പാരമ്പര്യം
ळॅल्लावरुम् भारतीयराणं । नम्मुडॅ मातृभूमि भारतमाणं । नम्मुडॅ पारम्पर्यम्
ഒന്നാണ്. നമ്മുടെ ചരിത്രം ഒന്നാണ്. നമ്മൾ സഹോദരർ ആണ്.
ऑन्नाणं । नम्मुडॅ चरित्रम् ऑन्नाणं । नम्मळ् सहोदरर् आणं ।

എന്റെ കഥ
ऍन्डॅ कथ

എന്റെ പേര് സരള എന്നാണ്. ഞാൻ ഉത്തർപ്രദേശിലെ ഈ നാട്ടിൻപുറത്തെ
ऍन्डॅ पेरं सरळ ऍन्नाणं । ञान् उत्तरप्रदेशिले ई नाट्टिनपुरत्ते
മിഷനറിസ്കൂളിൽ മലയാളം അധ്യാപികയാണ്. എന്റെ ഭർത്താവും ഇതേ സ്കൂളിൽ
मिषनरि स्कूळिल् मलयाळम् अद्यापिकयाणं । ऍन्डॅ भरत्तावुम् इते स्कूळिल्
അധ്യാപകനാണ്. ചരിത്രാധ്യാപകൻ. പേര് കിഷൻലാൽ. ഞാൻ കിഷന്റെ ഭാര്യയും
अद्यापकनाणं। चरित्राध्यापकन् । पेरं किषनलाल । ञान् किषन्डॅ भार्यमुम्

കൂട്ടുകാരിയും ഉപദേശകയും ആണ്. എന്റെ സ്വന്തം ഗ്രാമം കേരളത്തിലെ
कूट्टुकारियुम् उपदेशकयुम् आणं । ऍन्डॅ स्वन्तम् ग्रामम् केरळत्तिलॅ
ഏറ്റുമാനൂരിലാണ്. എന്റെ ഭർത്താവിന്റെ കുടുംബവീട് ഹരിദ്വാറിലെ ഒരു ഗ്രാമത്തി
एऱ्रुमानूरिलाणं । एन्डॅ भरत्ताविन्डॅ कुडुम्बवीड् हरिद्वाऱिले ऑरु ग्रामत्ति
ലാണ്. ഈ നാട്ടിൽപുറത്തെ ഞങ്ങളുടെ ജീവിതം സന്തോഷകരമാണ്. അർഥ
लाणं । ई नाट्टिनंपुऱत्तॅ ञङ्ङळुडॅ जीवितम् सन्तोषकरमाणं। अर्थ
പൂർണമാണ്. ധന്യമാണ്.
पूर्णमाणं। धन्यमाणं ।

शब्दार्थ

നാം नाम्	हम	കഥ कथ	कथा ,कहानी
മാതൃഭാഷ मातृभाष	मातृभाषा	നാട്ടിൻപുറം नाट्टिन् पुऱम्	गाँव, दहात
വേറെ वेऱॅ	अलग	അധ്യാപിക अध्यापिकं	अध्यापिका
വേഷം वेषम्	वेष, पोशाक	ഭർത്താവ് भर्त्ताव्	पति
എല്ലാം ऍल्लाम्	सब	ഇതേ इते	यही
നമ്മൾ नम्मळ्	हम (वक्ता तथा श्रोता)	ഭാര്യ भार्य	पत्नि
ഭാരതീയർ भारतीयर्	भारतीय	കൂട്ടുകാരി कूट्टुकारि	दोस्त (स्त्री लिंग)
മാതൃഭൂമി मातृभूमि	मातृभूमि	ഉപദേശക उपदेशक	उपदोशक (स्त्री लिंग)
പാരമ്പര്യം पारम्पर्यम्	पारम्पर्य	ജീവിതം जीवितम्	ज़िन्दगी
ചരിത്രം चरित्रम्	इतिहास	സന്തോഷകരം संतोषकरम्	खुशीदायक
സഹോദരർ सहोदरर्	सहोदर, सोदर	അർഥപൂർണം अर्थपूर्णम्	अर्थ पूर्ण
ധന്യം धन्यम्	धन्य		

अभ्यास

I. पठित पाठ भाग के आधार पर सही कथन चुन लीजिए ।

1. സർദാർജിയുടെ ഭാഷ പഞ്ചാബിയാണ്. सर्दारजियुडॅ भाष पंचाबियाणं ।
2. ഞാൻ കാശ്മീരിയാണ്. ञान् काश्मीरियाणं ।
3. കുൽക്കർണിയുടെ ഭാഷ മറാഠിയാണ് . कुल्क्करणियुडॅ भाष मराठियाणं ।
4. നമ്മളുടെ പാരമ്പര്യം വേറെ വേറെയാണ്. नम्मळुडॅ पारम्पर्यम् वेऱॅ वेऱॅयाणं ।
5. സരള ഉത്തർപ്രദേശുകാരിയാണ്. सरळ उत्तरप्रदेशुकारियाणं ।
6. കിഷൻലാൽ സരളയുടെ മകനാണ്. किषन्लाल् सरळयुडॅ मकनाणं ।
7. സരളയുടെ ഭർത്താവും ഒരു അധ്യാപകനാണ്. सरळयुडॅ भरत्तावुम् ऑरु अध्यापकनाणं ।
8. കിഷൻലാൽ ചരിത്രാധ്യാപകനാണ്. किषन् लाल् चरित्राध्यापकनाणं ।

II. पाठ में आए हुए शब्दों को चुन लीजिए ।

പുണ്യസ്ഥലം	ധന്യം	അപൂർവഭംഗി	ലളിതം	പാരമ്പര്യം
पुण्यस्थलम्	धन्यम्	अपूर्व भंगि	लळितम्	पारम्पर्यम्
മരുമകൻ	ഉപദേശക	അധ്യാപിക	സേവനം	സഹോദരൻ
मरुमकन्	उपदेशक	अध्यापिक	सेवनम्	सहोदरन्
കൂട്ടുകാരൻ	വേറെ	ഭാരതീയർ	ഭൂമിശാസ്ത്രം	ചരിത്രം
कूट्टुकारन्	वेऱॅ	भारतीयर्	भूमिशास्त्रम्	चरित्रम्
ഭീകരർ	കൂട്ടുകാർ			
भीकरर्	कूट्टुकार्			

III. मलयाळम् में अनुवाद कीजिए ।

मैं यहाँ इलाहबाद में एक डॉक्टर हूँ । मेरा नाम वेदप्रकाश है । मेरी पत्नी शालीना है । शालीना हिन्दी की अध्यापिका है । हमारा अपना घर सहारनपूर में है । यहाँ हमारा अस्पताल है । हम किराये के घर में (रहते) हैं । (हमारा घर किराये का घर है ।)

अस्पताल - ആശുപത്രി आशुपत्रि किराया - വാടക वाडक

टिप्पणियाँ

1. इस पाठ में मलयालम् के ആണ് (आणं) 'है' क्रिया वाले तथा क्रिया के आज्ञार्थक. जैसे വാ (वा) ' आ' വരൂ (वरू) ' आओ, आइए' आदि रूपों के वाक्यों का परिचय दिया गया है ।

उदा : (1) ഇയാൾ എന്റെ പുതിയ കൂട്ടുകാരൻ ആണ്. ये मेरे नए दोस्त हैं ।
इयाळ् ऍन्डॅ पुतिय कूट्टुकारन् आणं ।

(2) വരൂ, വരൂ, അകത്തു വരൂ आइए, आइए, अन्दर आइए ।
वरू, वरू, अकत्तु वरू ।

2. मलयाळम् में ആണ് (आणं) क्रिया का परिवर्तन हिन्दी के, है, हैं, हूँ, हो जैसे नहीं होता । कर्ता कोई भी हो क्रिया हमेशा एक जैसा रहता है जैसे नीचे दिखाया गया है ।

(1) ത്രിവേദി എന്റെ കൂട്ടുകാരൻ ആണ് त्रिवेदी मेरे दोस्त हैं ।
त्रिवेदी ऍन्डॅ कूट्टुकारन् आणं।

(2) ഞാൻ ത്രിവേദിയുടെ കൂട്ടുകാരൻ ആണ്. मैं त्रिवेदी का दोस्त हूँ ।
ञान् त्रिवेदियुडॅ कूट्टुकारन् आणं ।

(3) നിങ്ങൾ എന്റെ കൂട്ടുകാരൻ ആണ്. 'तुम मेरे दोस्त हो । (आप मेरे दोस्त हैं)'
निङ्ङळ् ऍन्डॅ कूट्टुकारन् आणं ।

3. ആണ് आणं क्रिया का निषेधात्मक रूप അല്ല (अल्ल) है । അല്ല (अल्ल) 'नहीं हैं' का प्रयोग ആണ് (आणं) 'है' क्रिया के स्थान पर होता है ।

(1) നീ പുതിയ ആൾ അല്ല. तू नया आदमी नहीं है ।
नी पुतिय आळ् अल्ल ।

(2) നിങ്ങൾ പുതിയ ആൾ അല്ല. तुम नये आदमी नहीं हो । /आप नये आदमी नहीं हैं ।)
निङ्ङळ् पुतिय आळ् अल्ल ।

4. ആണ് आणं वाले वाक्यों में यह ज़रूरी नहीं कि ആണ് (आणं) वाक्य के अंत में आये । जिस शब्द पर बल दिया जाता है उसके साथ ആണ് (आणं) जोड़ देते हैं ।

उदा :

(1) ഇത് ഞങ്ങളുടെ ഗ്രാമം ആണ് यह हमारा गाँव है ।
इतं ञङ्ङळुडॅ ग्रामम् आणं ।

(2) ഇത് ആണ് ഞങ്ങളുടെ ഗ്രാമം 'यह है हमारा गाँव'
इतं आणं ञङ्ङळुड़े ग्रामम् ।

5. ആണ് (आणं) के साथ ഓ (ओ) प्रत्यय और അല്ല (अल्ल) के साथ ഏ (ए) लगाकर प्रश्न वाचक वाक्य बनाए जाते हैं ।

(1) ഞാൻ ഇവിടെ പുതിയ ആൾ ആണോ? क्या मैं यहाँ नया आदमी हूँ?
ञान् इविडॅ पुतिय आळ् आणो?

(2) നിങ്ങൾ ഈ ഗ്രാമക്കാരൻ ആണോ? क्या, तुम इस गाँववाले हो?
निङ्ङळ् ई ग्रामक्कारन् आणो? (क्या, आप इस गाँववाले हैं ?)

(3) അലഹബാദ് ഒരു പുണ്യസ്ഥലം അല്ലേ? क्या, इलाहाबाद एक पुण्यस्थान् नहीं है?
इलाहाबाद ऑरु पुण्यस्थलम् अल्ले ?

(4) നീ എന്റെ പഴയ കൂട്ടുകാരൻ അല്ലേ? क्या तू मेरा पुराना दोस्त नहीं है?
नी ऍन्डॅ पषय कूट्टुकारन् अल्ले?

6. जब ആണോ (आणो) और അല്ലേ (अल्ले) प्रश्न पूछे जाते हैं सकारात्मक उत्तर അതേ (अते) शब्द के साथ शुरु होता है और नकारान्तक उत्तर അല്ല (अल्ल) के साथ ।

उदा :1

(1) അയാൾ തോമസ് ആണോ? क्या वे थोमस् हैं ?
अयाळ् तोमस् अणो?

(2) അതേ. അയാൾ തോമസ് ആണ്. जीहाँ । वे थोमस् हैं ।
अते । अयाळ् तोमस् आणं ।

(3) അല്ല. അയാൾ തോമസ് അല്ല. नहीं वे थोमस नहीं
अल्ल । अयाळ् तोमस् अल्ल ।

(4) അയാൾ പീറ്റർ ആണ് 'वे पीटर हैं ।
अयाळ् पीट्टर् आणं ।

उदा : 2

നിന്റെ സ്വന്ത സ്ഥലം അലഹബാദ് അല്ലേ?
निन्डॅ स्वन्त स्थलम् अलाहाबाद अल्ले?
क्या तुम्हारा जन्म स्थानं अलहबाद नहीं है?
അതേ. എന്റെ സ്വന്തസ്ഥലം അലഹബാദ് ആണ്.
अते । ऍन्डॅ स्वन्त स्थलम् अलाहाबाद आणं ।
जीहाँ । मेरा जन्म स्थानं अलाहाबाद है ।
അല്ല, എന്റെ സ്വന്തസ്ഥലം അലഹബാദ് അല്ല.
अल्ल । ऍन्डॅ स्वन्त स्थलम् अलाहाबाद अल्ल ।
जी नहीं । मेरा जन्म स्थान् अलाहाबाद नहीं है ।
എന്റെ സ്വന്ത സ്ഥലം ഹരിദ്വാർ ആണ്.
ऍन्डॅ स्वन्त स्थलम् हरिद्वार आणं ।

ध्यान दें कि सकारात्मक प्रश्नों केलिए ഓ (ओ) और नकारात्मक प्रश्नों केलिए ഏ (ए) लगानेवाले नियम मलयालमं के सभी प्रकार के वाक्यों पर लागू होते हैं ।

7. क्रिया के आज्ञार्थक का प्रयोग मद्यमपुरुष से प्रार्थना या आदेश केलिए किया जाता है ।

उदा : (1). നീ ഒരു കാര്യം ചെയ്യ്. तू एक काम कर ।

नी ऑरु कार्यम् चेय्यं ।

2) നിങ്ങൾ ഒരു കാര്യം ചെയ്യൂ.

निङ्ङळ् ऑरु कार्यम् चेय्यू ।

നിങ്ങൾ ഒരു കാര്യം ചെയ്യിൻ.

निङ्ङळ् ऑरु कार्यम् चेय्यिन् ।

നിങ്ങൾ ഒരു കാര്യം ചെയ്യുവിൻ. तुमं एक काम करो। / (आप एक काम कीजिए)।

निङ्ङळ् ऑरु कार्यम् चेय्युविन् ।

जैसा ऊपर के उदाहरणोंमें दिया गया है क्रिया के मूलरूप ही मद्यमपुरुष एकवचन നീ नी 'तू' के साथ आज्ञार्थक की तरह प्रयुक्त होता हैं ।

നീ വാ तू आ

नी वा

जब मद्यम पुरुष आदर सूचक या बहुवचन जैसे നിങ്ങൾ (निङ्ङळ्) हो तो क्रिया के विधि रूप, क्रिया में - ഊ-(ऊ) ഇൻ- (इन्) या- ഉവിൻ- (उविन्) लगाकर बनाए जाते हैं ।

നിങ്ങൾ വരൂ.

निङ्ङल् वरू ।

നിങ്ങൾ വരിൻ. तुम आओ । / आप आइये

निङ्ङळ् वरिन

നിങ്ങൾ വരുവിൻ .

निङ्ङळ् वरुविन् ।

8. ध्यान् दें कि मलयाळम में मद्यमपुरुष सर्वनाम നീ (नी) 'तू' का प्रयोग आयु में कम, स्तर में नीचे और अधिक सामीप्यवालों के लिए होता है । मध्यमपुरुष നിങ്ങൾ (निङ्ङळ्) ' तुम आप' आदर सूचक एकवचन तथा बहुवचन के लिए प्रयुक्त होनेवाला सर्वनाम है । लेकिन कुछ क्षेत्रों में अत्यधिक आदर दिखाने के लिए सर्वनाम का प्रयोग नहीं होता । उस के स्थान पर कोई नात के शब्द, नाम या अन्य आदर सूचक संबोधन के शब्दों का प्रयोग होता है ।

उदा :

(1) അമ്മ ഒന്നു പുറത്തേക്കു വരൂ. माँ ज़रा बाहर आइए ।

अम्म ऑन्नु पुरत्तेक्कु वरू ।

(2) ത്രിവേദി ഇരിക്കൂ. त्रिवेदी बैठिए । / त्रिवेदी, आप बैठिये

त्रिवेदी इरिक्कू ।

(3) സാർ ഇരിക്കൂ. सार् बैठिए । / सर, आप बैठिए

सार् इरिक्कू ।

9. इस पाठ में आए हुए सर्वनामों का परिचय लीजिए ।

ഞാൻ ञान् 'मैं'
ഞങ്ങൾ ञङ्ङळ् ' हम' (सिर्फ़ बोलनेवाले)
നീ नी ' तू'
നിങ്ങൾ निङ्ङळ् 'तुम'/ 'आप'
നമ്മൾ नम्मळ् 'हम' (बोलने तथा सुननेवाले)
ഇത് इतुं 'यह'
അത് अतुं 'वह'

ध्यान दें कि ഇത് (इतुं) 'यह' और അത് (अतुं) 'वह' केवल नपुंसक संज्ञाओं के लिए होता है । मनुष्य वाचक संज्ञाओं के लिए नहीं ।

ഇത് ഗ്രാമം ആണ് — यह गाँव है ।
इतुं ग्रामम् आणुं ।
അത് ചായ ആണ് — वह चाय है ।
अतुं चाय आणुं ।

अन्यपुरुष एक वचन के आदरसूचक शब्द ഇയാൾ (इयाळ्) 'यह आदमी' അയാൾ (अयाळ्) 'वह आदमी' का प्रयोग सर्वनामों की तरह होता है ।

उदा :

ഇയാളാണ് ഞങ്ങളുടെ പുതിയ കൂട്ടുകാരൻ — ये हैं हमारे नये दोस्त ।
इयाळाणुं ञङ्ङळुडॆ पुतिय कूट्टुकारन् । — यह है हमारा नया होस्त ।

कभी कभी जब किसी का परिचय देने के प्रसंग आ जाए तो अन्यपुरुष एक वचन या एकवचन आदर सूचक के लिए അത് (अतुं) ഇത് (इतुं) का प्रयोग भी होता है ।

उदा :

(1) അത് വർഗീസിന്റെ മകൻ തോമസ്കുട്ടി അല്ലേ? — वह, क्या वर्गीस का बेटा तोमस् कुट्टि है न?

अतुं वर्गीसिन्डॆ मकन् तोमस् कुट्टि अल्ले?
वह, क्या वर्गीस का बेटा तोमस् कुट्टि है न?

(2) ഇത് എന്റെ കൂട്ടുകാരൻ ആണ് — 'यह मेरा दोस्त है ।
इतुं ऍन्डॆ कूट्टुकारन् आणुं ।

10. ध्यान दें कि मलयाळम् में ഇത് (इतुं) 'यह' तथा അത് (अतुं) 'वह' का प्रयोग केवल अन्यपुरुष नपुंसक वचन केलिए ही होता है । समीप और दूर बोधक विशेषण केलिए नहीं।

यह गाँव है । (सर्वनाम यह)
यह गाँव मेरा है । (विशेषण यह)

मलयाळम में समीप और दूर बोधक विशेषण केलिए ഈ (ई) तथा ആ (आ) का प्रयोग यथाप्रकार होता है ।

उदा : (1) ഇത് വരാന്ത ആണ് यह बराम्दा है ।.
इतं वरांत आणं ।

(2) നിങ്ങൾ ഈ വരാന്തയിൽ ഇരിക്കിൻ 'आप इस बराम्दे में बैठिये ।'
निङ्ङळ् ई वरांतयिल् इरिक्किन् ।

11. निषेधात्मक आज्ञा के रूप में क्रिया के साथ - അണ്ട (-अण्ड़) लगाते है' चाहे सर्वनाम നീ नी हो या നിങ്ങൾ (निङ्ङळ्) ।

उदा : (1) നീ അങ്ങനെ നിൽക്കണ്ട.
नी आङ्ङनॅ निल्क्कण्ड़ ।
'तू ऐसे मत खडा होना ।'

(2) निङ्ङळ् अङ्ङनॅ निल्क्कण्ड
तुम ऐसे मत खडे हो जाओ ।

12. എന്റെ (ऍन्डॅ) मेरा', ഞങ്ങളുടെ (ञङ्ङळुडॅ) 'हमारा' നിന്റെ (निन्डॅ) 'तेरा' നിങ്ങളുടെ (निङ्हळुडॅ) 'तुम्हारा' आदि सर्वनाम के संबधवाचक रूप हैं ।- െറ(- ऱॅ) और - ഉടെ (-उडॅ) प्रत्ययों से हिंन्दी के 'का के की' की तरह संज्ञा या सर्वनाम के संबधवाचक रूप बनाए जाते हैं । - െറ (-ऱॅ) -ൻ (-न्) कारांत संज्ञाओं के साथ और - ഉടെ (-उडॅ) अन्य संज्ञाओं के साथ लगाए जाते हैं ।

उदा :

(1) ഇത് മോഹനന്റെ ഗ്രാമം ആണ്.
इतं मोहनन्डॅ ग्रामम् आणं ।
'यह मोहनन का गाँव है ।'

(2) അത് തോമസിന്റെ ചായ ആണ്.
अतं थोमसिन्डॅ चाय आणं ।
'वह थोमस की चाय है ।'

ध्यान दें -െറ (-ऱॅ) के पहले के - ൻ (-न्) संज्ञा या सर्वनाम में रहते ही हैं या संधि के द्वारा लाये जाते हैं जैसा नीचे दिखाया गया है ।

उदा :

(1)	ഞാൻ	–	എന്റെ	നീ	–	നിന്റെ
	ञान्	-	ऍन्डॅ	नी	-	निन्डॅ
	മോഹനൻ	–	മോഹനന്റെ	രാമൻ	–	രാമന്റെ
	मोहनन्	-	मोहनन्डॅ	रामन्	-	रामन्डॅ
	തോമസ്	–	തോമസിന്റെ	റഹീം	–	റഹീമിന്റെ
	तोमस्	-	तोमसिन्डॅ	रहीम्	-	रहीमिन्डॅ

ध्यान दें कि जब -െറ (-ऱॅ) जैसे प्रत्यय ഞാൻ (ञान्), നീ (नी) के साथ जोड़े जाते हैं तब वे क्रमशः എൻ- (ऍन्-) നിൻ- (निन्-) हो जाते हैं ।

13. जब शब्दों के अंत में -അ (-अ) -ആ (-आ) -ഇ (-इ) -ഈ (-ई) ,आते हैं और उन के साथ किसी स्वर में शुरु होने वाले प्रत्यय या शब्द लगाएँ तो उन के बीच में -യ- (-य-) आ जाता है ।

उदा :

അമ്മ	+ ഉടെ	- അമ്മയുടെ	കമല	+	ആണ്	-	കമലയാണ്
अम्म	+ उडॅ	- अम्मयुडॅ	कमल	+	आणं	-	कमलयाणं
ത്രിവേദി	+ ഉടെ	- ത്രിവേദിയുടെ	ജയശ്രീ	+	അല്ല	-	ജയശ്രീയല്ല
त्रिवेदि	+ उडॅ	- त्रिवेदियुडॅ	जयश्री	+	अल्ल	-	जयश्रीयल्ल

14. संज्ञाओं के साथ -ഉം (-उम्) 'भी, और' लगाने से संदर्भानुसार बल या समुच्चय का बोध होता है ।

उदा :

(1) രവീ, നീയും കൂട്ടുകാരും ചൂടോടെ ആ ചായ കുടിക്കിൻ.
रवी, नीयुम् कूट्टुकारुम चूड़ोडॅ आ चाय कुड़िक्किन् ।
'रवि, तुम और (तुम्हारे) दोस्त (वह) गरम चाय पीओ ।'

(2) അതിന്റെ കൂടെ വടയും കഴിക്കിൻ
अतिन्डॅ कूडॅ वड़युम् कषिक्किन् ।
'उस के साथ वड़ा भी खाइए ।'

उदाहरण (1) में - ഉം (-उम्) का प्रयोग समुच्चय का बोध कराता है और
(2) में - ഉം (-उम्) बल देने केलिए लगाया जाता है ।

ध्यान दें कि जब -ഉം(-उम्) को समुच्चय के लिए लगाते हैं तो उसे सभी शब्दों में लगाना है।

उदा :

നീയും ത്രിവേദിയും തോമസും — 'तू, त्रिवेदि और थोमस '
नीयुम् त्रिवेदियुम् तोमसुम्

15. दिए हुए उदाहरणों पर ध्यान दीजिए ।

(1) ഈ വരാന്തയിൽ ഇങ്ങനെ ഇരിക്കണ്ട. — इस बराम्दे में इस तरह मत बैठिए।
ई वरान्तयिल् इङ्ङनॅ इरिक्कण्डं ।

(2) നിങ്ങൾ ലക്നൗവിൽ നിന്നാണോ? — क्या आप लखनऊ से आते हैं ?
निङ्ङळ् लक्नौविल निन्नाणो? — क्या आप लखनाऊ के हैं ?

प्रत्यय - ഇൽ (-इल्) വരാന്ത (वरान्त) संज्ञा में लगाने पर क्रिया के स्थान का बोध होता है। यह हिन्दी के 'में व पर' के प्रयोग जैसे हैं ।

उदा : (1) വരാന്തയിൽ (वरान्तयिल्) — बराम्दे में

प्रत्यय - ഇൽ + शब्द നിന്ന് निन्नं का प्रयोग कार्य के उदगम् स्थान केलिए किया जाता है ।

उदा : (2) വരാന്തയിൽ നിന്ന് (वराम्तयिल् निन्नं) — 'बराम्दे से'

16. जब - ഇൽ (-इल्) प्रत्यय विविध संज्ञाओं में लगाते हैं तो नीचे लिखे परिवर्तन होते हैं ।

അലഹബാദ് +	ഇൽ -	അലഹബാദിൽ	
अलहबाद +	इल् -	अलाहबादिल्	' इलाहाबाद में'

വീട്	+	ഇൽ	-	വീട്ടിൽ	
वीड्	+	इल्	-	वीट्टिल्	'धर में '
വരാന്ത	+	ഇൽ	-	വരാന്തയിൽ	
वरान्त	+	इल्	-	वरान्तयिल्	' बराम्दे में '
കുരു	+	ഇൽ	-	കുരുവിൽ	'बीज में '
कुरु	+	इल्	-	कुरुविल्	

ध्यान दें कि

(1) व्यंजनांत शब्दों के साथ प्रत्यय - ഇൽ (-इल्) सीधे लगाया जाता है ।

(2) शब्द के उन्त में ട് (-ट्) है तो -ഇൽ (-इल्) के साथ वह -ട്ടിൽ (-ट्टिल) हो जाता है ।

(3) അ (अ) ആ (आ) ഇ (इ) ഈ (ई) कारांत शब्दों के साथ -ഇൽ (-इल्) लगाने पर उन के बीच में -യ- (-य-) आ जाता है और

(4) जब ഒ (ऑ) ഓ (ओ) कारांत शब्दों के साथ - ഇൽ -इल् लगता है तो बीच में -വ- (-व-) आ जाता है ।

17. ध्यान दें कि संधि में जो परिवर्तन होते हैं वे सब लिपि में भी दिखाए जाते हैं जैसे निम्न उदाहरणों में दिखाया गया है ।

ത്രിവേദി	+	ആണ്	-	ത്രിവേദിയാണ്
त्रिवेदि	+	आण्	-	त्रिवेदियाण्
നിങ്ങൾ	+	ആണ്	-	നിങ്ങളാണ്
निङ्ङळ्	+	आण्	-	निङ्ङळाण्
വീട്	+	ആണ്	-	വീടാണ്
वीड्	+	आण्	-	वीड़ाण्

18. किसी भी अन्य संज्ञा में - കാരൻ (-कारन्) लगाकर मनुष्यवाचक संज्ञा बनाई जाती है जैसे

കൂട്ട് + -കാരൻ = കൂട്ടുകാരൻ

कूट्ट् + -कारन् = कूट्टुकारन्

कूट्ट् 'मैत्रि' + - कारन्- 'वाला' -कूट्टुकारन् 'मित्र'

ഗ്രാമം + -കാരൻ = ഗ്രാമക്കാരൻ

ग्रमम् + -कारन् = ग्रामक्कारन्

ग्रामम् 'गाँव' ग्रामक्कारन् 'गाँववाला'

വീട് + -കാരൻ = വീട്ടുകാരൻ

वीड् + -कारन् = वीट्टुकारन्

वीड् 'धर' वीट्टुकारन् 'धरवाला '

ध्यान् दें कि उपयुक्त उदाहरणों में जब - അം (–अम्) अं से अंत होनेवाली संज्ञा में -കാരൻ(–कारन्) लगना है तो -അം (–अम्) का -അ (–अ) हो जाता है और -കാരൻ(–कारन्) के ക (क) का द्वित्व होता है । जब -ട് (–ड्) कारांत संज्ञा में -കാരൻ (-कारन्) लगता है तो ട (ड) का ട്ട (ट्ट) हो जाता है ।

19. नीचे दिये हुए उदाहरण देखिए ।

പുണ്യം	+	സ്ഥലം	–	പുണ്യസ്ഥലം
पुण्यम्	+	स्थलम्	-	पुण्यस्थलम्
സ്വന്തം	+	സ്ഥലം	–	സ്വന്തസ്ഥലം
स्वंतम्	+	स्थलम्	-	स्वंतस्थलम्
കുടുംബം	+	വീട്	–	കുടുംബവീട്
कुडुंबम्	+	वीड्	-	कुडुंबवीड्

- അം (–अम्) से अंत होनोवाले संज्ञा शब्दों के साथ समास बनाने केलिए दूसरे संज्ञा शब्द जोड़ने पर –അം (–अम्) का മ് (म्) लोप होता है ।

20. मलयाळम् में विशेषण शब्दों के रूप हिन्दी की तरह वचन और लिंग के अनुसार नहीं बदलते।
उदा :

പുതിയ കൂട്ടുകാരൻ	–	പുതിയ കൂട്ടുകാർ
पुतिय कूट्टुकारन्	-	पुतिय कूट्टुकार्
नया दोस्त	-	नये दोस्त

21. मलयाळम् में संबोधन कारक के रूप नीचे दिए गए तरीके से बनाए जाते हैं ।

(1) स्वरांत संज्ञा में अंतिम स्वर दीर्घ हो जाता है ।

രവി	–	രവീ	അമ്മ	–	അമ്മാ	മധു	–	മധൂ
रवि	-	रवी	अम्म	-	अम्मा	मधु	-	मधू

(2) അ (अ) अकारांत शब्दों में -ആ (–आ) के बदल -ഏ(–ए) भी लगाते हैं ।

കമല –		കമലേ	ലതിക –	ലതികേ
कमलं -		कमले	लतिक -	लतिके

(3) -അൻ(–अन्) में अन्त होनेवाले शब्दों में अंतिम ൻ (न्) का लोप होता है और അ (अ) दीर्घ होता है ।

രാമൻ	–	രാമാ	രാജൻ –	രാജാ
रामन्	-	रामा	राजन् -	राजा

(4) ध्यान् दें कि संबोधन् के लिए -ഏ (–ए) प्रत्यय व्यंजनांत शब्दों के साथ किस प्रकार लगाते हैं

തോമസ് –	തോമസേ	ഷെരീഫ് –	ഷെരീഫേ
थोमस् -	थोमसे	षॅरीफ़ -	षरीफे

22. मनुष्यवाचक संज्ञाओं में अंतिम -ൻ (-न्) पुल्लिंग एक वचन को दिखाता है और अंतिम -ർ (-र्) सामान्य बहुवचन का बोध कराता है ।

കൂട്ടുകാരൻ - കൂട്ടുകാർ
कूट्टुकारन् - कूट्टुकार्
दोस्त - दोस्त

23. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों की ओर ध्यान दीजिए ।

उदा :

(1) നീ ഒരു കാര്യം ചെയ്യ്.
नी ऑरु कार्यम् चेय्य् ।
'तू एक काम कर ।

(2) ത്രിവേദിയുടെ കൂടെ അവിടെ ഒന്നിരിക്ക്.
त्रिवेदियुडॅ कूडॅ अविडॅ ऑन्निरिक्क् ।
त्रिवेदी के साथ (तू) वहाँ ज़रा बैठ ।

(3) പഴയ കൂട്ടുകാരൻ തന്നെ
पष़य कूट्टुकारन् तन्नॅ ।
पुराना दोस्त ही है ।

(4) ചൂടോടെ ആ ചായ കുടിക്കിൻ.
चूड़ोडॅ आ चाय कुडिक्किन् ।
गरम चाय पीजिये ।

वाक्य (1) का शब्द ഒരു (ऑरु) 'एक' संरव्यावाचक विशेषण है । 'एक' केलिए मलयाळम में ഒന്ന് ऑन्नॅ शब्द का प्रयोग करते हैं। इस का विशेषण रूप है ഒരു ऑरु।

वाक्य (2) का - ഉടെ കൂടെ (-उडॅ कूडॅ) का प्रयोग संग का बोध कराने के लिए करते हैं। -ൻ (-न्) कारांत शब्दों के साथ यह - ന്റെ (-न्डॅ) കൂടെ (कूडॅ) हो जाता है । वाक्य (2) का ഒന്നിരിക്ക് (ऑन्निरिक्क्) ഒന്ന് (ऑन्नॅ) + ഇരിക്ക് (इरिक्क्) शब्दों को मिलाकर लिखा गया है । ഒന്ന് (ऑन्नॅ) माने 'एक' का ऐसे वाक्यों में नम्रता दिखाने केलिए प्रयोग करते है। यह हिन्दी के थोड़ा, ज़रा जैसे शब्दों के प्रयोग जैसा होता है ।

वाक्य (3) का शब्द തന്നെ (तन्नॅ) का प्रयोग बल देने केलिए होता है । देखिए कि इस वाक्य में आण् क्रिया रूप के स्थान पर इस का प्रयोग किया गया है । ആണ്. (आण्) क्रिया के पहले भी इस का प्रयोग कर सकते हैं ।

ഞാൻ തന്നെയാണ്. मैं ही हूँ ।
ञान् तन्नॅयाण्।

वाक्य (4) का शब्द ചൂടോടെ चूड़ोडॅ का शाब्दिक अर्थ 'गर्मि के साथ' है । गरम चाय पीजिये के लिए 'गर्मि के साथ चाय पीजिये' । का प्रयोग किया है । गरम चाय पीजिए केलिए ചൂടുചായ കുടിക്കിൻ (चूड् चाय कुड़िक्किन्) का प्रयोग मलयाळम में ठीक होता है या ചൂടോടെ ചായ കുടിക്കിൻ (चूड़ोडॅ चाय कुड़िक्किनं) का भी । ചൂടോടെ (चूड़ोडॅ) रूप ചൂട് + -ഓടെ (चूड् + -ओडॅ) से बनाया गया है ।-ഓടെ (-ओडॅ) वस्तुवाचक संज्ञाओं से लगाते है। -ഓട് (-ओड्)संग का बोध कराता है और मनुष्य वाचक संज्ञाओं से लगाता है। അവരോട് പറ. (अवरोड् पऱ) उन से बोल।

24. दिये गए वाक्य पढिए ।

ഇയാളുടെ പേര് ത്രിവേദി എന്ന് ആണ്.

इयाळुडॅ पेरॅ त्रिवेदी एन्नॅ आणॅ । इन का नाम है (कि) त्रिवेदी ।

എന്റെ പേര് ജയശ്രീ എന്ന് ആണ്.

एन्डॅ पेरॅ, जयश्री एन्नॅ आणॅ । मेरा नाम है (कि)जयश्री ।

दोनों वाक्यों में എന്ന് (एन्नॅ) शब्द का प्रयोग किया गया है । किसी का नाम बताने केलिए എന്ന് (एन्नॅ) शब्द का प्रयोग उदाहरण में दिखाए हुए ढंग से होता है ।

25. इस पाठ में नीचे दिये गए प्रश्नवाचक सर्वनामों का भी प्रयोग हुआ है । ആര് (आरॅ), 'कौन' എന്ത് (एन्तॅ) ' क्या ' ഏത് (एतॅ) ' कौन, कौनसी

26. नीचे दिए गए शब्द युग्मों की ओर भी ध्यान दीजिये ।

ഇത്	(इतॅ)	'यह'	അത്	(अतॅ)	'वह'
ഇവിടെ	(इविडॅ)	'यहाँ' / 'इधर्'	അവിടെ	(अविडॅ)	'वहाँ' / 'उधर्'
ഇങ്ങനെ	(इङ्ङनॅ)	'इस प्रकार'	അങ്ങനെ	(अङ्ङनॅ)	'उस प्रकार'
ഇയാൾ	(इयाळ्)	यह आदमी'	അയാൾ	(अयाळ्)	'वह आदमी'

27. ध्यान दें कि मलयाळम में तीन या चार शब्दों को भी एक साथ मिलाकर बोलना और लिखना स्वाभाविक है जैसे

പേരെന്താണെന്ന് (പേര് + എന്ത് + ആണ് + എന്ന്).

पेरेन्ताणॅन्नॅ (पेरॅ + एन्तॅ + आणॅ + ऍन्नॅ)

പാഠം 2
पाठ 2

ജയശ്രീയെ പരിചയപ്പെടാം
जयश्री का परिचय पाएँ

ത്രിവേദി त्रिवेदि	: അമ്മാ, ചായയും വടയും വളരെ : अम्मा, चाययुम् वडयुम् वळरॅ നന്നായിരുന്നു. नन्नायिरुन्नु ।	माताजी, चाय और वडा बहुत बढिया थे ।
അമ്മ अम्म	: അത് എന്റെ കൊച്ചുമോൾ : अत् ऍन्डॅ कॉच्चुमोळ् ജയശ്രീയുടെ കൈവിരുതാണ്. जयश्रियुडॅ कैविरुताण् ।	वह मेरी पौत्री जयश्री के हाथ का कमाल है ।
തോമസ് तोमस्	: ത്രിവേ ി, രവിയുടെ മോളാണ്. : त्रिवेदी, रवियुडॅ मोळाण् ജയശ്രീ. മിടുക്കിയാണ് അവൾ. जयश्रि । मिडुक्कियाण् अवळ् । വലിയ സത്കാരപ്രിയ ആണ്. वलिय सत्कारप्रिय आण् । അമ്മാ, അവളെ ഒന്ന് വിളിക്കൂ. अम्मा अवळे ऑन्न् विळिक्कू । ഞാൻ ഒന്നു കാണട്ടെ. ञान ऑन्नु काणट्टॅ।	त्रिवेदी, रवी की बेटी है जयश्री । वह बडी होशियार है। सेवा सत्कार उसे बहुत पसन्द है। माँ, ज़रा उसे बुलाइए। मैं ज़रा देख लूँ ।
ത്രിവേദി :	ശരിയാണമ്മാ. शरियाणम्मा । അവളെവിടെ? ഞാനും अवळेविडॅ ? ञानुम् അവളെ ഒന്നു പരിചയപ്പെടട്ടെ. अवळॅ ऑन्न् परिचयप्पेडट्टॅ ?	ठीक है। माँ जी, वह कहाँ है ? मैं भी उससे परिचय कर लूँ ?

അമ്മ अम्म	: അവളൊരു നാണം കുണുങ്ങി : अवळॉरु नाणम् कुणुङ्ङि ആണ് മോനേ. അവളുടെ आण् मोने । अवळुडॅ അച്ഛൻ തന്നെ വിളിക്കട്ടെ. अच्छन् तन्ऩॅ विळिक्कट्टॅ ।	बेटे वह बडी शर्मिली है । उसके पिताजी ही उसे बुलायें ।
രവി रवी	: മോളേ, ജയശ്രീ, നീ ഇങ്ങു വാ : मोळे, जयश्री, नी इङ्ङु वा	जयश्री बेटी, तुम इधर आओ
ജയശ്രീ जयश्री	: എന്താ അച്ഛാ? : ऍन्ता अच्छा ?	क्या है पिताजी?
രവി रवी	: നോക്ക്. ഇതാണ് ത്രിവേദി : नोक्क् । इताण् त्रिवेदि അമ്മാവൻ अम्मावन् ।	देखो । यह है त्रिवेदी मामा।
ജയശ്രീ जयश्री	: നമസ്തേ : नमस्ते ।	नमस्ते
ത്രിവേദി त्रिवेदी	: നമസ്തേ.മോൾ ഒരു മിടുക്കി : नमस्ते । मोळ् ऑरु मिडुक्कि ആണല്ലോ. മോളുടെ പാചകം आणल्लो । मोळुडॅ पाचकम् വളരെ നന്നായിരുന്നു. वळरॅ नन्नायिरुन्नु ।	नमस्ते।बेटी, तू होशियार है।तुम्हारी पकाई हुई चीज़ें बडी अच्छी थीं ।
രവി रवी	: ത്രിവേദീ, എന്റെ ഭാര്യ : त्रिवेदी, ऍन्डॅ भार्य സരോജിനിക്ക് കുറച്ചു ദൂരെ सरोजिनिक्क् कुऱच्चु दूरॅ ഒരു ഗ്രാമത്തിലാണ് ജോലി. ऑरु ग्रामत्तिलाण् जोलि। അവിടെ അവളുടെ ഒരു अविडॅ अवळुडॅ ऑरु ചെറിയച്ഛന്റെ വീട്ടിലാണ് चेरियच्छन्डॅ वीट्टिलाण् താമസം. ഞായറാഴ്ച മാത്രം. तामसम्। ञायराष़्च मात्रम्	त्रिवेदी, मेरी पत्नी सरोजिनी की नौकरी कुछ दूर के एक गाँव में है । वह वहाँ अपने चाचा के धर में रहती है । केवल रविवार को वह घर में होगी। इसलिए जयश्री ही मेरी माताजी की रसोई घर में एक मात्र सहायता करनेवाली है ।

അവൾ ഇവിടെ കാണും. അതു
अवळ् इविडॅ काणुम् । अतु
കാരണം ജയശ്രീ ആണ് എന്റെ
कारणम् जयश्री आणं एॅन्डॅ
അമ്മയ്ക്ക് അടുക്കളയിൽ ഒരു
अम्मय्क्कं अडुक्कळयिल् ऑरु
സഹായി
सहायि ।

തോമസ് : ത്രിവേദീ, ഇവൾ പഠിത്തത്തിന്റെ
तोमस् : त्रिवेदीजी, इवळ् पठित्तत्तिन्डॅ
കാര്യത്തിലും വീട്ടു ജോലിയുടെ
कार्यत्तिलुम् वीट्टु जोलियुडॅ
കാര്യത്തിലും മിടുമിടുക്കിയാണ്.
कार्यत्तिलुम् मिडुमिडुक्कियाणं ।
മോളേ, ജയശ്രീ, നിനക്ക് ഹിന്ദി അറിയാം,
मोळे जयश्री, निनक्कं हिन्दी अऱियाम्,
അല്ലേ? നീ ത്രിവേദി അമ്മാവനോട്
अल्ले? नी त्रिवेदि अम्मावनोड्
ഹിന്ദിയിൽ സംസാരിക്ക്.
हिन्दीयिल् संसारिक्कं

त्रिवेदी,यह पढाई के कार्यों में और गृहसंबन्धी कार्यों में बहुत कुशल है। बेटी जयश्री, तुम हिन्दी जानती हो न? तुम त्रिवेदी अंकल से हिन्दी में बावचीत करो ।

ജയശ്രീ : എനിക്ക് അത്രയൊന്നും ഹിന്ദി
जयश्री : ऍनिक्कं अत्रयोन्नुम् हिन्दी
അറിയില്ല
अऱियिल्ल ।

मैं उतना हिन्दी नहीं जानती हूँ ।

ത്രിവേദി : അത് സാരമില്ല. എനിക്ക് മലയാളം
त्रिवेदी : अतं सारमिल्ल। ऍनिक्कं मलयाळम्
കുറച്ചൊക്കെ അറിയാം. നമുക്കു
कुऱच्चोक्कॅ अऱियाम्। नमुक्कु
മലയാളത്തിൽ സംസാരിക്കാം.
मलयाळत्तिल् संसारिक्काम्।

कोई बात नहीं। मैं थोडा मलयाळम् जानता हूँ । हम मलयाळम् में बावचीत करें ।

അമ്മ : അത് നന്നായി. എനിക്ക് ഹിന്ദി ഒന്നും
अम्म : अतं नन्नायि। ऍनिक्कं हिन्दी ऑन्नुम्
അറിയില്ല
अऱियिल्ल ।

ठीक हुआ ।मैं हिन्दी थोडा भी नहीं जानती । हम सब मलयाळम् में ही बावचीत करें ।

നമുക്ക് എല്ലാവർക്കും മലയാളത്തിൽ
नमुक्क् एल्लावर्क्कुम् मलयाळत्तिल्
തന്നെ സംസാരിക്കാം.
तन्ने संसारिक्काम् ।

ത്രിവേദി : ജയശ്രീ, മോളിപ്പോൾ എത്രാം
जयश्री, मोळिप्पोळ् ऍत्राम्
ക്ലാസിലാണ്?
क्लासिलाणं ?

जयश्री बेटी, तुम अब किस कक्षे में हो ?

ജയശ്രീ : ഒമ്പതാം ക്ലാസിൽ. അടുത്ത മാസം
जयश्री : ऑम्बताम् क्लासिल् । अडुत्त मासम्
ഒന്നാം തീയതി ആണ് എന്റെ പരീക്ഷ,
ऑन्नाम् तीयति आणं ? ऍन्डॅ परीक्ष ।

नवीं कक्षा में । मेरी परीक्षा अगले महीने की पहली तारीख को है ।

ത്രിവേദി : തോമസ്, മണി എത്ര ആയി?
त्रिवेदि : तोमस्, मणि ऍत्र आयि?

थोमस्, क्या समय है ?

തോമസ് : എട്ടു കഴിഞ്ഞു.
थोमस् : ऍट्टु कषिञ्ञु ।

आठ बज गये ।

ത്രിവേദി : സമയം ഏറെ ആയി ജയശ്രീ
त्रिवेदी : समयम् एऱे आयि । जयश्री
പഠിക്കട്ടെ. നമുക്കു പോകാം.
पठिक्कट्टे । नमुक्कु पोकाम् ।
ഇനി ഒരിക്കൽ വരാം.
इनि ऑरिक्कल वराम् ।

बहुत समय हो गया। जयश्री को पढने दीजिए । हम लोग चलें। हम फ़िर एक बार आयें ।

രവി : എന്തിനാ ഇത്ര ധൃതി? കുറച്ചു നേരം
ऍन्तिना इत्र धृति ? कुरच्चु नेरम्
കൂടി ഇരിക്കൂ. അവൾ പഠിക്കട്ടെ.
कूडि इरिक्कू । अवळ् पठीक्कट्टे ।
നമുക്കു വർത്തമാനം പറയാം.
नमुक्कु वर्तमानम् पऱयाम् ।

इतनी जल्दबाजी क्यों?कुछ देर और बैठो । उसे पढने दीजिए। हम कुछ बात करें ।

തോമസ് : അതല്ല രവീ കാര്യം. ഞങ്ങളും
थोमस् : अतल्ल रवी कार्यम् । ञङ्ङ्ळुम्
അൽപ്പം ധൃതിയിൽ ആണ്.
अल्पम् धृतियिल् आणं ।

रवी वह बात नहीं । हम लोग भी कुछ जल्दबाजी में हैं ।अभी हम जा रहे हैं । रविवार को फिर आयेंगे। है न त्रिवेदी?

തൽക്കാലം ഇറങ്ങട്ടെ. ഞായറാഴ്ച
तल्क्कालम् इऱङ्ङट्टे । ञायराष़्च
വീണ്ടും വരാം. അല്ലേ ത്രിവേദി?
वीण्डुम् वराम् । अल्ले त्रिवेदी ?

രവി रवी	: അതുകൊള്ളാം. ഞായറാഴ്ച अतु कोळ्ळाम् । ञायराष़्च സരോജിനിയും ഇവിടെ കാണും. सरोजिनियुम् इविडॅ काणुम् । അന്നു നമുക്ക് ഒരു സദ്യ നടത്താം. अन्नु नमुक्क् ऑरु सद्य नडत्ताम् । ത്രിവേദിക്ക് വേണ്ടിയാണ് ആ സദ്യ. त्रिवेदिक्कं वेण्डियाणं आ सद्य ।	अच्छा है। रविवार को सरोजिनी भी यहाँ रहेगी । उस दिन हम तुम्हें एक दावत देंगे।वह दावत त्रिवेदी केलिए है ।
ത്രിവേദി त्रिवेदि	: നമസ്തേ, പോയിവരട്ടെ . : नमस्ते, पोयिवरट्टे ।	नमस्ते, चलते हैं । (जाकर आए)
അമ്മ अम्म	: നമസ്തേ, മക്കളേ. : नमस्ते, मक्कळे, രണ്ടുപേരും പോയി വരുവിൻ. रण्डुपेरुम् पोयि वरुविन् ।	बच्चों नमस्ते,आप दोनों लोग जाइए (और फिर आइए भी)

शब्दार्थ

പരിചയപ്പെടട്ടെ परिचयप्पेडट्टॅ	परिचय कर लूँ	പരിചയപ്പെടുക परिचयप्पेडुक	(परिचय करना)
വളരെ वळरॅ	बहुत	കൊച്ചുമോൾ कॉच्चुमोळ्	पौत्री
കൈവിരുത് कैविरुतं	हाथ का कमाल	മിടുക്കി मिडुक्कि	होशियार
വലിയ वलिय	बडा	സത്ക്കാരപ്രിയ सत्कारप्रिय	स्वागत सत्कार करने में उत्सुक
അവളെ अवळॅ	उस को (श्त्रीलिंग)	അവൾ अवळ्	वह (स्त्री)

വിളിക്കുക	बुलाना	ശരി	ठीक
विळिक्कुक		शरि	
എവിടെ	कहाँ	നാണം കുണുങ്ങി	शर्मीली
ऍविडॅ		नाणम् कुणुङ्ङि	
ഇങ്ങ്	इधर	അമ്മാവൻ	मामा
इङ्ङ्		अम्मावन्	
പാചകം	पकाई	സരോജിനിക്ക്	सरोजिनी को
पाचकम्		सरोजिनिक्क्	
കുറച്ച്	कुछ	ദൂരെ	दूर में / दूऱ् का
कुऱच्च्		दूरॅ	
ജോലി	काम	ചെറിയച്ഛൻ	चाचा
जोलि		चेरियच्छन्	
താമസം	रहना, देर	ഞായറാഴ്ച	रविवार
तामसम्		ञायराष़्च	
മാത്രം	केवल, मात्र	കാണും	होगा
मात्रम्		काणुम्	
കാരണം	कारण	സഹായി	सहायक
कारणम्		सहायि	
അതുകാരണം	इसलिए	അടുക്കള	रसोई
अतुकारणम्		अडुक्कळ	
പഠിത്തത്തിന്റെ	पढाई का	പഠിത്തം	पढाई
पठित्तत्तिन्डॅ		पठित्तम्	
കാര്യം	कार्य	വീട്ടുജോലി	गृहसंबन्धी काम
कार्यम्		वीट्टु जोलि	
മിടുമിടുക്കി	बहुत कुशल	നിനക്ക്	तुझे
मिडुमिडुक्कि		निनक्क्	
അറിയാം	जानता है	(അറിയുക)	जानना
अऱियाम्		अऱियुक	
അമ്മാവനോട്	मामा से	സംസാരിക്കുക	बातचीत करना
अम्मावनोड्		संसारिक्कुक	
അത്രയൊന്നും	उतना तो	സാരമില്ല	परवाह नहीं
अत्रयोन्नुम्		सारमिल्ल	

കുറച്ചൊക്കെ कुऱच्चोक्कॅ	थोडा थोडा	എല്ലാവർക്കും एल्लावर्क्कुम्	सब को
എത്രാം एत्राम्	किस	ക്ലാസ് क्लास्	कक्षा
ഒമ്പതാം ऑम्पताम्	नवीं	അടുത്ത अडुत्तं	अगले
മാസം मासम्	महीने	ഒന്നാം ऑन्नाम्	पहली
തീയതി तीयति	तारीख	പരീക്ഷ परीक्ष	परीक्षा
മണി मणि	समय	ആയി आयि	होगया
എട്ടു കഴിഞ്ഞു एट्टु कषिञ्ञु, आट्	हो गया	സമയം समयम्	समय
പോകാം पोकाम्	जायें	പോകുക पोकुक	जाना
ഇനി इनि	बाद में, अब	ഒരിക്കൽ ऑरिक्कल्	एक बार
എന്തിനാ एन्तिना	क्यों	ഇത്ര इत्र	इतनी
ധൃതി धृति	जल्दबाज़ी	നേരം नेरम्	देर, समय
കൂടി कूडि	और	വർത്തമാനം वर्त्तमानम्	बातचीत
പറയാം पऱयाम्	कहूँ	പറയുക पऱयुक	बोलना
അൽപ്പം अल्प्पम्	कुछ	തത്ക്കാലം तत्काऌम्	अभी के लिए, अस्थिर
ഇറങ്ങട്ടെ (ഇറങ്ങുക) इरङ्ङट्टॅ	जा रहा हूँ	വീണ്ടും वीण्डुम्	फिर
അന്ന് अन्नं	उस दिन	സദ്യ सद्य	दावत

നടത്തുക नडत्तुक	चलाना	വേണ്ടി वेण्डि	केलिए
പോയിവരട്ടെ पोयिवरट्टॅ	चलना	രണ്ടുപേരും रण्डु पेरुम्	दोनों
കൊള്ളാം कोळ्ळाम्	अच्छा		

अभ्यास

I. उदाहरण के अनुसार दिए हुए शब्दों का प्रयोग करके तीन तीन वाक्य बनाइए ।

(1)**उदा :** നന്നായിരുന്നു : नन्नायिरुन्नु । 1. ചായയും വടയും. चाययपम् वडयुम्

2. അമ്മയുടെ പാചകം अम्मयुडॅ पाचकम्

3. ജയശ്രീയുടെ പരീക്ഷ जयश्रीयुडॅ परीक्ष

സദ്യ നന്നായിരുന്നു
सद्य नन्नायिरुन्नु
പിറന്നാൾ സദ്യ നന്നായിരുന്നു.
पिरन्नाळ् सद्य नन्नायिरुन्नु

(2)**उदा :** വിളിക്കൂ विळिक्कू 1. ത്രിവേദിയെ त्रिवेदियॅ

2. തോമസിനെ थोमसिनॅ

3. അച്ഛനെ अच्छनॅ

ജയശ്രീയെ വിളിക്കൂ.
जयश्रीये विळिक्कू ।
ഒന്നു ജയശ്രീയെ വിളിക്കൂ.
ऑन्नु जयश्रीये विळिक्कू।
അമ്മാ, ഒന്ന് ജയശ്രീയെ വിളിക്കൂ.
अम्मा ऑ न्नं जयश्रीयॅ विळिक्कू ।

II. उदाहरण के अनुसार वाक्यों में रेखाँकित शब्दों के बदले दिए हुए शब्दों का प्रयोग करके वाक्य बनाइए ।

उदा : നിങ്ങൾക്കു ഹിന്ദി അറിയാമോ? (ജയശ്രീക്ക് , കുമാറിന്)
निङ्ङळक्कु हिन्दी अरियामो (जयश्रीक्क्, कुमारिन्)
ജയശ്രീക്ക് ഹിന്ദി അറിയാമോ?
जयश्रीक्कं हिन्दी अरियामो ?
കുമാറിന് ഹിന്ദി അറിയാമോ?
कुमारिनं हिन्दी अरियामो ?

1. നീ അമ്മാവനോട് മലയാളത്തിൽ സംസാരിക്ക്. (ഹിന്ദിയിൽ, മറാഠിയിൽ)
   नी अम्मावनोड् मलयाळत्तिल् संसारिक्क् । (हिन्दीयिल्, मराठियिल्)
2. ജയശ്രീ ഒരു നാണം കുണുങ്ങിയാണ്. (മിടുമിടുക്കി, സത്കാരപ്രിയ)
   जयश्री ऑरु नाणम् कुणुङ्ङियाण् । (मिडुमिडुक्कि, सत्कारप्रिय)
3. രാധിക അയാളുടെ ഭാര്യ ആണ്. (കൂട്ടുകാരി, നാട്ടുകാരി,)
   राधिक अयाळुडॅ भार्य आण् । कूट्टुकारि, नाट्टुकारि,
   മകൾ, അമ്മ, സഹോദരി
   मकळ्, अम्म, सहोदरि ।)
4. ഞാൻ അവളെ പരിചയപ്പെടട്ടെ. (വിളിക്കട്ടെ, കൊണ്ടുവരട്ടെ)
   ञान् अवळ् परिचयप्पेडट्टॅ । (विळिक्कट्टॅ, कोण्डुवरट्टॅ)
5. നമുക്ക് ഇപ്പോൾ പോകാം. (നിൽക്കാം, കൊണ്ടുവരാം
   नमुक्क् इप्पोळ् पोकाम् । निल्क्काम्, कोण्डुवराम्,
   വിളിക്കാം, പരിചയപ്പെടാം
   विळिक्काम्, परिचयप्पेडाम्)
6. നീ അവളോട് മലയാളത്തിൽ സംസാരിക്ക്.
   नी अवळोड् मलयाळत्तिल् संसारिक्क् ।
   (അമ്മാവനോട്, രവിയോട്, അമ്മയോട്, എന്നോട്, തോമസിനോട്,
   अम्मावनोड् रवियोड् अम्मयोड् ऍन्नोड् तोमसिनोड्
   സരോജിനിയോട്, രാജത്തിനോട്
   सरोजिनियोड् राजत्तिनोड्
7. നിങ്ങൾ അവളെ ഒന്നിവിടെ കൊണ്ടുവരൂ.
   निङ्ङळ् अवळ् ऑन्निविडॅ कॉण्डुवरू।
   അയാളെ തോമസിനെ അമ്മയെ അച്ഛനെ സരോജിനിയെ
   अयाळॅ तोमसिनॅ अम्मयॅ अच्छनॅ सरोजिनियॅ
8. സരോജിനിക്ക് ഗ്രാമത്തിലാണ് ജോലി.
   सरोजिनिक्क् ग्रामत्तिलाणॅ जोलि।
   എനിക്ക് നിനക്ക് നിങ്ങൾക്ക് അയാൾക്ക് ത്രിവേദിക്ക്
   ऍनिक्क् निनक्क् निङ्ङळक्क् अयाळक्क् त्रिवेदिक्क्
9. അവൾ പഠിത്തത്തിന്റെ കാര്യത്തിൽ മിടുക്കിയാണ്.
   अवळ् पठित्तत्तिन्डॅ कार्यत्तिल् मिडुक्कियाण् ।
   വീട്ടുജോലിയുടെ, പാചകത്തിന്റെ
   वीट्टुजोलियुडॅ, पाचकत्तिन्डॅ

10. ഗ്രാമത്തിൽ ചെറിയച്ഛന്റെ വീട്ടിലാണ് അയാളുടെ താമസം.
ग्रामत्तिल् चेरियच्छन्डॅ वीट्टिलाणं अयाळुडॅ तामसम् ।
അച്ഛന്റെ അമ്മയുടെ കൂട്ടുകാരന്റെ, രവിയുടെ, തോമസിന്റെ
अच्छन्डॅ अम्मयुडॅ कूट्टुकारन्डॅ रवियुडॅ तोमसिन्डॅ

11. എന്റെ നാട്ടിലാണ് അയാളുടെ ജോലി.
ऍन्डॅ नाट्टिलाणं अयाळुडॅ जोलि ।
ഗ്രാമത്തിലാണ്, സ്ക്കൂളിലാണ്.
ग्रामत्तिलाणं स्कूळिलाणं

12. ചായ നന്നായിരുന്നു.
चाय नन्नायिरुन्नु ।
വട പാചകം കൈവിരുത്
वड पाचकम् कैविरुतं

III. उदाहरण के अनुसार दिए हुए वाक्यों को जोड़िए ।

उदा :1 ചായ നന്നായിരുന്നു. വട നന്നായിരുന്നു.
चाय नन्नायिरुन्नु । वड नन्नायिरुन्नु ।
ചായയും വടയും നന്നായിരുന്നു.
चाययुम् वडयुम् नन्नायिरुन्नु ।

1. വീട് നന്നായിരുന്നു . वीडं नन्नायिरुन्नु ।
   നാട് നന്നായിരുന്നു . नाडं नन्नायिरुन्नु ।
2. സ്കൂൾ നന്നായിരുന്നു. स्कूळ् नन्नायिरुन्नु ।
   അധ്യാപിക നന്നായിരുന്നു अध्यापिक नन्नायिरुन्नु ।
3. അമ്മ നന്നായിരുന്നു. अम्म नन्नायिरुन्नु।
   അച്ഛൻ നന്നായിരുന്നു . अच्छन् नन्नायिरुन्नु ।

उदा : 2 നിനക്ക് പോകാം. എനിക്ക് പോകാം.
निनक्कं पोकाम् । ऍनिक्कं पोकाम् ।
നിനക്കും എനിക്കും പോകാം.
निनक्कुम् ऍनिक्कुम् पोकाम् ।

1. അയാൾക്ക് വരാം. अयाळक्कं वराम् ।
   അവൾക്ക് വരാം. अवळक्कं वराम् ।
2. അമ്മയ്ക്ക് വിളിക്കാം. अम्मयक्कं विळिक्काम् ।
   എനിക്ക് വിളിക്കാം. ऍनिक्कं विळिक्काम् ।

3. ജയശ്രീക്ക് പരിചയപ്പെടാം. जयश्रीक्क् परिचयप्पेडाम् ।
അയാൾക്ക് പരിചയപ്പെടാം अयाळक्क् परिचयप्पेडाम् ।

उदा :3 ഞായറാഴ്ച ഞാൻ ഇവിടെ കാണും.
ञायराष्च ञान् इविडॅ काणुम् ।
ഞായറാഴ്ച സരോജിനി ഇവിടെ കാണും.
ञायराष्च सरोजिनि इविडॅ काणुम् ।
ഞായറാഴ്ച ഞാനും സരോജിനിയും ഇവിടെ കാണും.
ञायराष्च ञानुम् सरोजिनियुम् इविडॅ काणुम् ।

1. ഇപ്പോൾ അയാൾ അവിടെ കാണും. इप्पोळ् अयाळ् अविडॅ काणुम् ।
ഇപ്പോൾ ത്രിവേദി അവിടെ കാണും. इप्पोळ् त्रिवेदि अविडॅ काणुम् ।
2. അപ്പോൾ ഞാൻ ഇവിടെ കാണും अप्पोळ् ञान् इविडॅ काणुम् ।
അപ്പോൾ നീ ഇവിടെ കാണും अप्पोळ् नी इविडॅ काणुम् ।

IV. उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए ।

उदा : 1. ജയശ്രീ ഒരു നാണം കുണുങ്ങിയാണ്.
जयश्री ऑरु नाणम् कुणुङ्ङियाणं ।
ജയശ്രീ ഒരു നാണം കുണുങ്ങിയാ.
जयश्री ऑरु नाणम् कुणुङ्ङिया ।

1. ഇതെന്റെ ഗ്രാമമാണ് . इतन्डॅ ग्राममाणं ।
2. തോമസ് എന്റെ കൂട്ടുകാരനാണ് . तोमसॅ ऍन्डॅ कूट्टुकारनाणं ।
3. സീതാപൂർ എന്റെ ജന്മസ്ഥലമാണ്. सीतापुर ऍन्डॅ जन्मस्थलमाणं ।
4. അലഹബാദ് ഒരു തീർഥാടന കേന്ദ്രമാണ്. अलहबाद् ऑरुतीरथाडन केन्द्रमाणं।
5. സരോജിനി മിടുക്കിയാണ്. सरोजिनि मिडुक्कियाणं ।

उदा : 2 എനിക്ക് മലയാളം അറിയാം.
ऍनिक्कॅ मलयाळम् अरियाम् ।
എനിക്ക് മലയാളം അറിയില്ല.
ऍनिक्क् मलयाळम् अरियिल्ल ।

1. രവിക്ക് ത്രിവേദിയെ അറിയാം. रविक्क् त्रिवेदिये अरियाम् ।
2. തോമസിനും ഹിന്ദി അറിയാം . तोमसिनुम् हिन्दि अरियाम् ।
3. ജയശ്രീക്ക് അമ്മാവനെ അറിയാം. जयश्रीक्क् अम्मावनॅ अरियाम् ।
4. നിങ്ങൾക്ക് എന്നെ അറിയാം. निङ्ङळक्क् एन्नॅ अरियाम् ।
5. അമ്മയ്ക്ക് മകന്റെ കൂട്ടുകാരനെ അറിയാം. अम्मय्क्क् मकन्डॅ कूट्टुकारनॅ अरियाम्।

V. दिए हुए शब्दों का प्रयोग करके प्रत्येक प्रश्न के तीन तीन उत्तर दीजिए ।

1. മണി എത്ര ആയി? (എട്ട്, രണ്ട്, ഒന്ന്)
   मणि ऍत्र आयि ? (एट्टं, रण्ड् , ऑन्नं)
2. നീ എത്രാം ക്ലാസിലാണ് ? (പത്താം, ഒന്നാം , ആറാം)
   नी एत्राम् क्लासिलाणं ? (पत्ताम्, ऑन्नाम्, आराम्)
3. നിങ്ങളുടെ വീട് എവിടെ ആണ്? (അലഹബാദിൽ, കേരളത്തിൽ, മഹാരാഷ്ട്രയിൽ)
   निङ्ङळुडॅ वीडॅ ऍविडॅ आणं ? (अलहबादिल्, केरळत्तिल्, महाराष्ट्रयिल्)
4. അയാളുടെ ഭാഷ ഏതാണ് ? (മലയാളം, ഹിന്ദി, തമിഴ്)
   अयाळुडॅ भाष एताणं ? (मलयाळम्, हिन्दी, तमिष़्)

VI. उदाहरण के अनुसार -ഓ (–ओ) जोड़कर प्रत्येक वाक्य के दो दो प्रश्न बनाइए ।

उदा : അവൾക്ക് ഉദയപൂരിലാണ് ജോലി
अवळ्क्कॅ उदयपूरिलाणं जोलि ।
അവൾക്ക് ഉദയപൂരിലാണോ ജോലി?
अवळक्कं उदयपूरिलाणो जोली?
അവൾക്കാണോ ഉദയപൂരിൽ ജോലി?
अवळ्क्काणो उदयपूरिल् जोलि?

1. ഭാരതം നമ്മുടെ രാഷ്ട്രം ആണ്.
   भारतम् नम्मुडॅ राष्ट्रम् आणं ।
2. ത്രിവേദി ഞങ്ങളുടെ അമ്മാവനാണ്.
   त्रिवेदि ञङ्ङळुडॅ अम्मावनाणं ।
3. സാകേതം എന്റെ വീടാണ്.
   साकेतम् ऍन्डॅ वीडाणं ।
4. അമരാവതി നമ്മുടെ ഗ്രാമം ആണ്.
   अमरावति नम्मुडॅ ग्रामम् आणं ।
5. ഹരിദ്വാർ ഒരു തീർത്ഥാടന കേന്ദ്രമാണ്.
   हरिद्वार ऑरु तीर्थाडन केन्द्रमाणं ।

VII. अभ्यास कीजिए ।

1.

ഗ്രാമം	- ഗ്രാമത്തിൽ	ജന്മസ്ഥലം	- ജന്മസ്ഥലത്തിൽ
ग्रामम्	- ग्रामत्तिल्	जन्मस्थलम्	- जन्मस्थलत्तिल्
പുണ്യസ്ഥലം	- പുണ്യസ്ഥലത്തിൽ	തീർത്ഥാടനകേന്ദ്രം	-തീർത്ഥാടനകേന്ദ്രത്തിൽ
पुण्यस्थलम्	- पुण्यस्थलत्तिल्	तीरथाडनकेन्द्रम्	- तीरथाडनकेन्द्रत्तिल्

2.

ഞാൻ	- എന്നെ	ഞങ്ങൾ	- ഞങ്ങളെ
ञान्	- ऍन्नॅ	ञङ्ङळ्	- ञङ्ङळॅ
നീ	- നിന്നെ	നിങ്ങൾ	- നിങ്ങളെ
नी	- निन्नॅ	निङ्ङळ्	- निङ्ङळॅ

നാം	- നമ്മെ	നമ്മൾ	- നമ്മളെ
नाम्	- नम्मॆ	नम्मळ्	- नम्मळॆ
അവൾ	- അവളെ	ഇവൾ	- ഇവളെ
अवळ्	- अवळॆ	इवळ्	- इवळॆ
ത്രിവേദി	- ത്രിവേദിയെ	തോമസ്	- തോമസിനെ
त्रिवेदि	- त्रिवेदियॆ	थोमस्	- थोमसिनॆ

3.

ഞാൻ	- എനിക്ക്	ഞങ്ങൾ	- ഞങ്ങൾക്ക്
ञान्	- एनिक्कं	ञङ्ङळ्	- ञङ्ङळक्कं
നീ	- നിനക്ക്	നിങ്ങൾ	- നിങ്ങൾക്ക്
नी	- निनक्कं	निङ्ङळ्	- निङ्ङळक्कं
നാം	- നമുക്ക്	നമ്മൾ	- നമ്മൾക്ക്
नाम्	- नमुक्कं	नम्मळ्	- नम्मळक्कं
രവി	- രവിക്ക്	അമ്മ	- അമ്മയ്ക്ക്
रवि	- रविक्कं	अम्म	- अम्मय्क्कं
		തോമസ്	- തോമസിന്
		थोमस्	- थोमसिनं

VIII. **उदाहरण वाक्यों का अभ्यास कीजिए और अतं में दिए गए शब्दों का प्रयोग करके विभिन्न प्रकार के पाँच-पाँच वाक्य बनाइए।**

उदा :1. ത്രിവേദി ഞങ്ങളുടെ സ്കൂളിലെ അധ്യാപകനാണ്.
त्रिवेदि ञङ्ङळुडॆ स्कूळिलॆ अध्यापकनाणं ।
ഇത് ത്രിവേദിയുടെ ഗ്രാമം ആണ്.
इतं त्रिवेदियुडॆ ग्रामम् आणं ।
നിങ്ങൾ ത്രിവേദിയെ വിളിക്കൂ.
निङ्ङळ् त्रिवेदियॆ विळिक्कू ।
ത്രിവേദിക്ക് ചായ കൊടുക്കട്ടെ.
त्रिवेदिक्कं चाय कोडुक्कट्टॆ ।
നമുക്ക് ത്രിവേദിയോട് ഹിന്ദിയിൽ സംസാരിക്കാം.
नमुक्कं त्रिवेदियोडं हिन्दीयिल् संसारिक्काम् ।

उदा :2. ജയശ്രീ രവിയുടെ മകളാണ്.
जयश्री रवियुडॆ मकळाणं ।
ഞാൻ ജയശ്രീയുടെ അമ്മയാണ്.
ञान् जयश्रीयुडॆ अम्मयाणं ।

നിങ്ങൾ ജയശ്രീയെ എന്റെ ഗ്രാമത്തിൽ കൊണ്ടുവരൂ.
निङ्ङळ् जयश्रीयॅ एन्डॅ ग्रामत्तिल् कॉण्डुवरू ।
ജയശ്രീക്ക് ഹിന്ദിയും ഇംഗ്ലീഷും അറിയാം.
जयश्रीक्कं हिन्दीयुम् इग्लीषुम् अऱियाम् ।
നമുക്ക് ജയശ്രീയോട് ഹിന്ദിയിൽ സംസാരിക്കാം.
नमुक्कं जयश्रीयोडं हिन्दियिल् संसारिक्काम् ।

उदा :3 ഞാൻ ഈ നാട്ടുകാരിയാണ്.
ञान् ई नाट्टुकारियाणं ।
ഇത് എന്റെ നാടാണ്.
इतं एन्डॅ नाडाणं ।
ഈ നാട്ടുകാർക്ക് എന്നെ നന്നായി അറിയാം.
ई नाट्टुकार्क्कं एन्नॅ नन्नायि अऱियाम् ।
എനിക്ക് ഈ നാട്ടുകാരെയും അറിയാം.
एनिक्कं ई नाट्टुकारॅयुम् अऱियाम्।
എന്നോട് അവർ മലയാളത്തിൽ സംസാരിക്കട്ടെ.
एन्नोडं अवर् मलयाळत्तिल् संसारिक्कट्टॅ ।

1.	നിങ്ങൾ	നിങ്ങളുടെ	നിങ്ങളെ	നിങ്ങൾക്ക്	നിങ്ങളോട്
	निङ्ङळ्	निङ्ङळुडॅ	निङ्ङळॅ	निङ्ङळक्कं	निङ्ङळोडं
2.	നാം	നമ്മുടെ	നമ്മെ	നമുക്ക്	നമ്മോട്
	नाम्	नम्मुडॅ	नम्मे	नमुक्कं	नम्मोडं

IX. कोष्टक में दिए हुए हिन्दी शब्दों के मलयाळम् समानार्थक शब्दों का प्रयोग करके वाक्य पूरे कीजिए ।

1. ഞാൻ --------------- സംസാരിക്കട്ടെ (त्रिवेदी से)
ञान् ---------------- संसारिक्कट्टॅ ।
2. അച്ഛാ --------------- ഒന്നു വിളിക്കൂ (मामाजी को)
अच्छा ---------------- ऑन्नं विळिक्कू
3. നീ ---------------- നന്നായി സംസാരിക്ക്. (हिन्दी में)
नी ---------------- नन्नायि संसारिक्कं ।
4. വർഗീസ് -------------- കൂട്ടുകാരൻ ആണ്. (थोमस् का)
वर्गीस् ---------------- कूट्टुकारन् आणं ।
5. നിങ്ങളുടെ മകൻ --------- ആണ് ? (किस कक्षे में)
निङ्ङळुडॅ मकन् ------------ आणं ?

6. എനിക്ക് നിങ്ങളുടെ ഭാഷ അറിയാം (अच्छी तरह)
ऍनिक्कॅ निङ्ङळुडॅ भाष -------------- अऱियाम् ।

7. നിങ്ങൾക്കു രമയെ -------------? (क्या मालूम है)
निङ्ङळक्कु रमये -------------- ?

8. നിന്റെ ------------ എവിടെ ആണ് ജോലി? (सहेली को)
निन्डॅ ---------------- ऍविडेयाण् जोलि ?

9. അടുത്ത ഒന്നാം തീയതി ആണ് ജയശ്രീയുടെ പരീക്ഷ. (महीना)
अडुत्त -------------- ऑन्नाम् तीयति आण् जयश्रीयुडॅ परीक्ष ।

10. എന്റെ ------------ ഇരിക്കിൻ (बच्चो)
एन्डॅ -------------- इरिक्किन् ।

11. നിങ്ങൾ എല്ലാവരും അകത്തു-------------. (आइए)
निङ्ङळ् ऍल्लावरुम् अकत्तु -------------- ।

12. ഞാൻ വരാന്തയിൽ ------------- (खडे हो जाए)
ञान् वरान्तयिल् -------------- ।

13. നമുക്ക് ---------- പോകാം (अब)
नमुक्क् -------------- पोकाम् ।

14. ഞങ്ങൾ --------- വരട്ടെ (जाकर)
ञङ्ङळ् -------------- वरट्टॅ।

15. ജയശ്രീ ആണ് എന്റെ അമ്മയ്ക്ക് ------ ഒരു സഹായി. (रसोई में)
जयश्री आण् ऍन्डॅ अम्मय्क्क् -------------- ऑरु सहायि ।

X. उदाहरण के अनुसार प्रत्येक क्रिया के पाँच पाँच रूप दीजिए ।

उदा : വാ – വരൂ വരിൻ വരട്ടെ വരണ്ട വരാം.
वा - वरू वरिन् वरट्टॅ वरण्ड वराम् ।
കൊണ്ടുവാ പോക് സംസാരിക്ക് നിൽക്ക് ഇറങ്ങ്.
कोण्डुवा, पोक् संसारिक्क् , निल्क्क्, इऱङ्ङ्

पढिए ओर समझिए ।

പുതിയ അമ്പലം
पुतिय अम्पलम्

വരുവിൻ, കാണുവിൻ, ആനന്ദിക്കുവിൻ. ഇത് എന്റെ ഗ്രാമത്തിലെ പുതിയ
वरुविन् , काणुविन्, आनन्दिक्कुविन् । इत् ऍन्डॅ ग्रामत्तिले पुतिय
ഒരു തരം അമ്പലം ആണ്. സരസ്വതീ ദേവിയാണ് ഈ അമ്പലത്തിലെ പ്രതിഷ്ഠ.
ऑरु तरम् अम्पलम् आणं । सरस्वती देवियाणं ई अम्पलत्तिलॅ प्रतिष्ठ ।
ദേവിയുടെ പ്രതിഷ്ഠ. ഭക്തരുടെ മനസ്സിലും ഹൃദയത്തിലും ആണ്. അമ്പലത്തിന്
देवियुडॅ प्रतिष्ठ भक्तरुडॅ मनस्सिलुम् हृदयत्तिलुम् आणं । अम्पलत्तिनं
അകത്തേക്ക്നോക്കൂ.മനോഹരമായ ഈ കാഴ്ചകാണുവിൻ.എല്ലായിടത്തുംപുസ്തക
अकत्तेक्कं नोक्कू । मनोहरमाय ई काष़च काणुविन् । एल्लायिडत्तुम् पुस्तक
ഷെൽഫുകൾ. മേശകൾ നിറയെ പത്രങ്ങളും മാസികകളും. കവിതകൾ, കഥകൾ,
षेल्फुकळ् । मेशकळ्, निऱयॅ पत्रङ्ङळुम् मासिककळुम् । कवितकळ्, कथकळ्,
നിരൂപണങ്ങൾ,ആരോഗ്യപാഠങ്ങൾ, കൃഷിപാഠങ്ങൾ,വ്യവസായപാഠങ്ങൾ,കുടുംബാ
निरूपणङ्ङळ्, आरोग्यपाठङ्ङळ्, कृषिपाठङ्ङळ्, व्यवसायपाठङ्ङळ्, कुडुम्बा
സൂത്രണ കഥകൾ. അങ്ങനെ നൂറുനൂറു പുസ്തകങ്ങൾ എല്ലാ പുസ്തകങ്ങളുടെയും
सूत्रण कथकळ् । अङ्ङनॅ नूऱु नूऱु पुस्तकङ्ङळ् । ऍल्ला पुस्तकङ्ङळुडॅयुम्
ഭാഷ ലളിതം. അവയിൽ വലിയ വലിയ അക്ഷരങ്ങൾ, കൊച്ചു കൊച്ച് വാക്യങ്ങൾ.
भाष लळितम् । अवयिल् वलिय वलिय अक्षरङ्ङळ् । कॉच्चु कॉच्चु वाक्यङ्ङळ् ।
നല്ല നല്ല ചിത്രങ്ങൾ. പുസ്തകങ്ങൾ എല്ലാം ഞങ്ങളുടെ നവസാക്ഷരർക്കു വേണ്ടി
नल्ल नल्ल चित्रङ्ङळ् पुस्तकङ्ङळ् ऍल्लाम् ञङ्ङळुडॅ नवसाक्षरक्कु वेण्डि
യാണ്.
याणं ।

കൃഷിക്കാർ, തൊഴിലാളികൾ, വീട്ടമ്മമാർ, കൊത്തൻമാർ,കല്ലുപണിക്കാർ ചുമട്ടു
कृषि क्कार्, तॉषि़लाळिकळ्, वीट्टम्ममार्, कॉत्तन्मार्, कल्लु पणिक्कार् चुमट्टु
തൊഴിലാളികൾ തുടങ്ങി എല്ലാവരും ഇവിടത്തെ ഭക്തന്മാരാണ്. അതായത് ഇവിട
तॉषि़लाळिकळ् तुटङ्ङि ऍल्लावरुम् इविडत्तॅ भक्तन्माराणं । अतायतं इविड
ത്തെ വിദ്യാർഥികളാണ്. കോളേജ് വിദ്യാർഥികളാണ് ഈ നവ സാക്ഷര വിദ്യാലയ
त्तॅ विद्यारथिकळाणं । कोळेज् विद्यार्थिकळाणं ई नव साक्षर विद्यालय
ത്തിലെ പൂജാരികൾ. വരൂ അകത്തു വരൂ. ഞാൻ നിങ്ങളെ ഇവർക്ക് പരിചയ
त्तिले पूजारिकळ् । वरू अकत्तु वरू । ञान् निङ्ङळॅ इवक्कं परिचय
പ്പെടുത്തട്ടെ. ഈ വായനശാല നമുക്കൊന്ന് കാണാം. വരൂ, അകത്തേക്ക് കടക്കാം.
प्पेडुत्तट्टे । ई वायनशाल नमुक्कोन्नं काणाम् । वरू अकत्तेक्कं कटक्काम् ।

ഇവിടത്തെ പൂജാമന്ത്രം നോക്കൂ ആ ചുവരിൽ. "വായിക്കുവിൻ, എഴുതുവിൻ,
इविडत्तॆ पूजामन्त्रम् नोक्कू आ चुवरिल् । वायिक्कुविन् , ऍषुतुविन्,
വളരുവിൻ"
वळरुविन् ।

शब्दार्थ

ആനന്ദിക്കുക	आनन्दिक्कुक	आनन्द करना
തരം	तरम्	प्रकार
അമ്പലം	अंपलम्	मन्दिर
പ്രതിഷ്ഠ	प्रतिष्ठ	प्रतिष्ठा
ഭക്തർ	भक्तर	भक्त
മനസ്സ്	मनस्स्	मन
ഹൃദയം	हृदयम्	हृदय
മനോഹരമായ	मनोहरमाय	मनोहर्
കാഴ്ച	काष्ंच	दृश्य
എല്ലായിടത്തും	ऍल्लयिडत्तुम्	सब कहीं
പുസ്തകം	पुस्तकम्	पुस्तक
കവിതകൾ	कवितकळ्	कवितायें
നിരൂപണങ്ങൾ	निरूपणङ्ङळ्	आलोचना
ആരോഗ്യപാഠങ്ങൾ	आरोग्यपाठङ्ङळ्	आरोग्य पाठ
കൃഷിപാഠങ്ങൾ	कृषिपाठङ्ङळ्	कृषिपाठ
വ്യവസായപാഠങ്ങൾ	व्यवसायपाठङ्ङळ्	व्यापार पाठ
കുടുംബാസൂത്രണകഥകൾ	कुडुंबासूत्रणकथकळ्	परिवारनियोजन कहानियाँ
നൂറ്	नूरं	सौ
ലളിതം	लळितम्	ललित
അവ	अव	वे (नपुंसक लिंग)
വലിയ	वलिय	बडा
അക്ഷരം	अक्षरम्	अक्षर
കൊച്ച്	कोच्चॅ	छोटा
വാക്യങ്ങൾ	वाक्यङ्ङळ्	वाक्य
നല്ല	नल्ल	अच्छा
ചിത്രങ്ങൾ	चित्रङ्ङळ्	चित्र

നവസാക്ഷരർ	नवसाक्षरर्	नवसाक्षर
വേണ്ടി	वेण्ड़ि	केलिये
കൃഷിക്കാർ	कृषिक्कार	किसान्
തൊഴിലാളി	तोषिलाळि	मज़दूर
കൊത്തൻമാർ	कोत्तन्मार्	राजगीर
കല്ലുപണിക്കാർ	कल्लु पणिक्कार	पत्थर काटने वाले
ചുമട്ടുതൊഴിലാളികൾ	चुमट्टु तोषिलाळिकळ्	कूली
വീട്ടമ്മമാർ	वीट्टम्ममार	घरवाली औरतें
തുടങ്ങി	तुड़ङ्ङि	आदि
എല്ലാവരും	ऍल्लावरुम्	सब लोग
അതായത്	अतायत्	माने
ഇവിടത്തെ	इविडत्तॅ	इधर का
വിദ്യാർഥികൾ	विध्यार्थीकळ्	विध्यार्थी
വിദ്യാലയം	विध्यालयम्	विध्यालय
പൂജാരികൾ	पूजारिकळ्	पूजारीयाँ
വായനശാല	वायनशाल	वाचनालय
കടക്കുക	कड़क्कुक	पार करना
പൂജാമന്ത്രം	पूजामन्त्रम्	पूजा मन्त्र
ചുവർ	चुवर	दीवार
വായിക്കുക	वायिक्कुक	पढना
എഴുതുക	एषुतुक	लिखना
വളരുക	वळरुक	बढना

अभ्यास

I. पाठ भाग के आधार पर उत्तर दीजिए ।

1. ഗ്രാമത്തിലെ പുതിയ അമ്പലം വാസ്തവത്തിൽ എന്താണ്?
   ग्रामत्तिलॅ पुतिय अम्पलम वास्तवत्तिल् ऍन्ताणं ?
2. അമ്പലത്തിലെ പ്രതിഷ്ഠ എവിടെയാണ്?
   अम्बलत्तिलॅ प्रतिष्ठ ऍविडेयाणं ?
3. ഷെൽഫുകളിലെ പുസ്തകങ്ങൾ ഏതൊക്കെയാണ്?
   षेल्फुकळिलॅ पुस्तकङ्ङळ् एतोक्केयाणं ?
4. പത്രങ്ങളും മാസികകളും എവിടെയാണ്?
   पत्रङ्ङळुम् मासिककळुम् ऍविडेयाणं ?

5. ആരൊക്കെയാണ് ഈ അമ്പലത്തിലെ ഭക്തന്മാർ?
आरोक्केयाणॅ ई अम्पलत्तिले भक्तन्मार ?

6. ആരാണ് ഈ അമ്പലത്തിലെ പൂജാരികൾ ?
आराणं ई अम्पलत्तिलॅ पूजारिकळ् ?

II. उन शब्दों को चुन लीजिए जो इस पाठ में आए हैं ।

സംസാരിക്കാം	എഴുന്നേല്ക്കാം	നാണം	കുണുങ്ങി	സഹായി
संसारिक्काम्	ऍषुन्नेल्क्काम्	नाणम्	कुणुङ्ङि	सहायि
ഞായറാഴ്ച	തീർഥാടനം	പാചകം	മാസം	ചരിത്രം
ञायराष्च	तीरथाडनम्	पाचकम्	मासम्	चरित्रम्
പ്രസിദ്ധം	ആകാശം	ചെയ്യു,	വയൽ	മിടുമിടുക്കി
प्रसिद्यम्	आकाशम्	चेय्यू	वयल्	मिडुमिडुक्कि
ഇറങ്ങട്ടെ	അക്രമം	തോന്നൽ	സഹോദരി.	
इरङ्ङट्टॅ	अक्रमम्	तोन्नल्	सहोदरि ।	

III. मलयाळम् में अनुवाद कीजिए ।

प्रेरणा, देखो, ये मेरे नये मित्र हैं । ये केरल के हैं । इनका नाम है पीटर। ये यहाँ परिवार नियोजन अधिकारी हैं । ये इनकी पत्नी नीनाजी हैं। नीनाजी यहाँ अध्यापिका हैं। नमस्ते पीटरजी, नमस्ते नीनाजी, बैठिए । नीनाजी, मैं भी एक अध्यापिका हूँ । पीटरजी को और इन को यहाँ रहने दीजिए । आप मेरे साथ अन्दर रसोई धर आइए । सब केलिए चाय लाएँ । यह ठीक नहीं है, प्रेरणाजी । हम सब एक साथ काम करेंगे । क्या यह ठीक नहीं है? ठीक है, आइए हम सब जाएँ।

काम	ജോലി,	ठीक	ശരി
जोलि		शरि	

टिप्पणियाँ

1. - ആം(–आम्) और -അട്ടെ (–अट्टे) क्रिया रूप वाले वाक्यों का इस पाठ में परिचय दिया गया है ।

उदा :

1. നമുക്കു ജയശ്രീയെ പരിചയപ്പെടാം — हम जयश्री से परिचय करें ।
   नमुक्कु जयश्रीयॅ परिचयप्पेड़ाम् ।
2. ഞാനും അവളെ ഒന്നു പരിചയപ്പെടട്ടെ — मैं भी उस से परिचय करूँ ।
   ञानुम् अवळॅ ऑन्नु परिचयप्पेडट्टॅ ।

2. ध्यान दें कि - അട്ടെ (-अट्टे) क्रियारूप का प्रयोग अपनी या अन्य पुरुष संबंधी इच्छा, प्रार्थना या आदेश देने या लेने के लिए किया जाता है ।

उदा :

i. അവൻ ത്രിവേദിയെ വിളിക്കട്ടെ. उसे त्रिवेदीजी को बुलाने दो ।
अवन् त्रिवेदियॅ विळिक्कट्टॅ ।

ii. ഞാൻ പാഠം പഠിക്കട്ടെ. मैं पाठ पढ़ूँ ।
ञान् पाठम् पठिक्कट्टॅ ।

iii. എല്ലാവരും വരട്ടെ . सब को आने दो ।
ऍल्लावरुम् नरट्टॅ

3. -ആം (-आम) वाक्यों में यह आवश्यक है कि कारक विभक्ति -ക്കു (-क्कु) या -ഉ (-उ) को कर्ता में लगाया जाए ।यह -ക്കു (-क्कु) / -ഉ (-उ) क्रिया के फल पानवाले को दिखाता है।

4. जब कार्य करनेवाला നമ്മൾ (नम्मळ्)हम (बोलने या सुननेवाले) होता है तब वाक्य वक्ता और श्रोता दोनों के साथ- साथ काम करने की इच्छा का बोध कराते हैं।

5. जब कार्य करनेवाला और कोई होता है तब ആം (आम्) अनुभव का बोध कराता है ।

6. इस पाठ में प्रस्तुत की गई अन्य प्रमुख कारक विभक्ति प्रत्यय -എ (-ऍ) और -ഓട് (-ओड्) को देखिए।

उदा :

1. ഞാനും അവളെ പരിചയപ്പെടട്ടെ ? मै भी उस का परिचय लूँ ।
ञानुम अवळॅ परिचयप्पेड़ट्टॅ ?

2. ത്രിവേദി അവളോട് മലയാളത്തിൽ സംസാരിക്കൂ .
त्रिवेदी अवळोड् मलयाळत्तिल् संसारिक्कू ।
त्रिवेदी (आप) उस से मलयाळम् में बोलिए ।

उदाहरण **(1)** में അവളെ अवळॅ का -എ (-ए) प्रत्यय वाक्य के कर्म का बोध कराता है और यह हिन्दी 'को' की तरह है जैसे 'जयश्री को' देखिए। प्रत्यय -ഓട് (-ओड्) उस व्यक्ति का बोध कराता है जिस के साथ क्रिया का कार्य जुडा होता है । उसका प्रयोग हिन्दी 'से' की तरह होता है जैसे 'उन से कहना'।

7. അറിയാം (अऱियाम्) 'मालूम ' है क्रिया के विशेष प्रयोग पर ध्यान दें। इसके लिए भी कर्ता के साथ प्रत्यय -ക്കു (-क्कु) अथवा -ഉ (-उ) लगाया जाता है। जैसे हिन्दी में 'उस को मालूम है।'

उदा :

1. എനിക്ക് അത്ര ഹിന്ദി അറിയാം. मुझ को उतनी हिन्दी मालूम है ।
ऍनिक्क् अत्र हिन्दी अऱियाम् ।

2. മോഹനന് മലയാളം അറിയാം. मोहन् को मलयाळम् मालूम है ।
   मोहनन्ं मलयाळम् अऱियाम् ।

അറിയാം (अऱियाम्) ' मालूम' का निषेधात्मक रूप അറിയില്ല (अऱियिल्ल) ' नहीं मालूम' है।

8. प्रश्नवाचक शब्द എത്ര (ऎत्र) 'कितना' तथा ഏത് (एतं) कौनसी पर ध्यान दें ।

उदा :

1. നീ എത്രാം ക്ലാസിലാണ് ? तू कौनसी क्लास में (पढता) है ?
   नी ऎत्राम् क्लासिलाणं ?
2. അത് ഏതു പുസ്തകമാണ് ? वह कौनसी पुस्तक है ?
   अतं एतु पुस्तकमाणं ?

ജയശ്രീ എട്ടാം ക്ലാസിലാണ്. (जयश्री ऎट्टाम् क्लासिलाणं)। ' जयश्री आठवाँ क्लास में (पढती) है जैसे वाक्य में എട്ടാം (एट्टाम्)'आठवाँ' शब्द का प्रत्यय ആം- 'आम्' हिन्दी 'वाँ' की तरह संख्यावाचक शब्दों में क्रमवाचक विशेषण के लिए लगाया जाता है ।

मलयाळम के मूल संख्यावाचक शब्द नीचे दिये गये है ।

ഒന്ന്	ऑन्नं	'एक'	രണ്ട്	रण्डं	'दो'
മൂന്ന്	मून्नं	'तीन'	നാല്	नाल्	'चार'
അഞ്ച്	अंचं	'पाँच'	ആറ്	आऱं	' छे'
ഏഴ്	एष़	'सात'	എട്ട്	ऍट्टं	'आठ'
ഒൻപത്	ऑन्पतं	' नौ'	പത്ത്	पत्तं	'दस'

9. നന്നായിരുന്നു (नन्नायिरुन्नु) 'अच्छा था' शब्द നന്ന് (नन्नं) 'अच्छा' के साथ ആയിരുന്നു. (आयिरुन्नु) 'था' लगाकर बनती है।

10. ആയി (आयि)'हो गया' शब्द संख्यावाचक शब्दों के साथ समय का बोध कराने केलिए होता है।

11. പോയിവരട്ടെ (पोयि वरट्टे) और പോയി വരിൻ (पोयि वरिन्) में पोयि (പോയി) प्रयोग पर ध्यान दें। मलयाळम भाषा संदर्भ में कहीं से जाते समय जानेवाला പോയിവരട്ടെ (पोयिवरट्टॅ) 'जाकर आऊँ' कहकर आज्ञा लेता है और പോയിവരിൻ (पोयि वरीन्) 'जाकर आइये' कहकर आज्ञा दी जांती है ।

12. ഞായറാഴ്ച സരോജിനിയും ഇവിടെ കാണും.
   ञायराष़्च सरोजिवियुम् इविडॅ काणुम् ।

'रविवार को सरोजिनी भी यहाँ होगी' जैसे वाक्य का क्रिया കാണും (काणुम्) 'होगा' केलिए प्रयोग किया है । കാണും (काणुम्) का शाब्दिक अर्थ 'देखेंगे'. है । लेकिन उदाहरण के वाक्य में इस का प्रयोग उपस्थिति तथा मिलने की संभावना केलिए होता है ।

13. ഞങ്ങൾ ഞായറാഴ്ച വീണ്ടും വരാം   हम रविवार को फिर लौटें

ञङ्ङळ् ञायराष़्च वीण्डुम् वराम् ।

इस वाक्य का വരാം (वराम्) -ആം (–आम्) क्रियारूप कार्य करने केलिए तैयार होने का भाव का बोध कराता है । अन्य प्रसंगो में यह रूप संभाव्य भविष्यद् का बोधक भी होता है ।

14. അല്ല (अल्ल) और അല്ലോ (अल्लो) शब्दों के अंतर पर ध्यान दें ।

उदा :

1. ജയശ്രീ മിടുക്കിയാണല്ലോ   जयश्री होशियार है न।

   जयश्री मिडुक्कियाणल्लो ।

2. ജയശ്രീ മിടുക്കിയല്ല.   जयश्री होशियार नहीं है ।

   जयश्री मिडुक्कियल्ल

അല്ലോ (अल्लो) वक्ता और क्षोता की परस्पर सहमति को दिखाता है । **അല്ല** (अल्ल) निषेध का बोधक है ।

15. വളരെ (वळरॅ) बहुत शब्द का प्रयोग बल या जोर दिखाने के लिए क्रिया जाता है ।

ചായയും വടയും വളരെ നന്നായിരുന്നു.   चाय तथा वडा बहुत अच्छे थे ।

चाययुम् वडयुम् वळरॅ नन्नायिरुन्नु ।

16. इस पाठ में അവൾ (अवळ्) वह (अन्य पुरुष एक वचन स्त्रीलिंग) का परिचय दिया गया है।

17. കൊള്ളാം (कोळ्ळाम्) 'अच्छा, ठीक ' शब्द का प्रयोग हिन्दि के 'अच्छा' शब्द के बराबर होता है। बातचीतो में इसका प्रयोग अधीक ही होता है ।

18. जब -അം (–अम्) से अंत होनेवाले संज्ञा शब्दों में -ൻ്റെ (-ॅर्) -ഇൽ (-इल्) लगाया जाता है तो उन के रूप बदलते है । अंत का -മ് (–म्) का लोप होता है और -ത്ത (-त्त) का आगम् होता है -ൻ്റെ (-ॅर्) के पहले और -ത്ത (-त्त) के बाद -ഇൻ (–इन) का भी आगम् होता है ।

ഗ്രാമം	+	ൻ്റെ	=	ഗ്രാമത്തിന്റെ.
ग्रामम्	+	ॅर्	=	ग्रामत्तिन्डॅ
ഗ്രാമം	+	ഇൽ	=	ഗ്രാമത്തിൽ.
ग्रामम्	+	इल्	=	ग्रामत्तिल्

പാഠം 3
पाठ 3

പിറന്നാൾ സദ്യ
पिऱन्नाळ् सद्य

जन्मदिन की दावत

ജയശ്രീ जयश्रि	: ആര്? ത്രിവേദി അമ്മാവനോ? : आरं ? त्रिवेदि अम्मावनो? നമസ്തേ. വരൂ, വരൂ. തോമസ് नमस्ते, वरू वरू । तोमस्। അമ്മാവൻ അകത്തുണ്ട്. अम्मावन् अकत्तुण्ड् । അമ്മൂമ്മയുടെ മുറിയിൽ ആണ്. अम्मूम्मयुडॅ मुऱियिल् आण् । രണ്ടുപേരും കൂടി രാവിലെ रण्डुपेरुम् कूडि राविले മുതലേ കഥ പറച്ചിലാണ്. मुतले कथ पऱच्चिलाण् ।	कौन, त्रिवेदी मामा है न ? नमस्ते, आइए आइए । थोमस मामा अन्दर हैं । नानी के कमरे में हैं । दोनों सबेरे से कहानी में व्यस्त हैं ।
ത്രിവേദി त्रिवेदी	: രവിയും ഉണ്ടോ കൂടെ? : रवियुम् उण्डो कूडॅ ?	क्या रवी भी साथ हैं ?
ജയശ്രീ	: അച്ഛൻ വീട്ടിലുണ്ട്. പക്ഷേ अच्छन् वीट्टिलुण्ड् । पक्षे അടുക്കളയിലാണ്.അമ്മയുടെ अडुक्कळयिलाण्। अम्मयुडॅ കൂടെ സദ്യവട്ടത്തിന്റെ തിരക്കി कूडॅ सद्यवट्टत्तिन्डॅ तिरक्कि ലാണ്. അമ്മാവൻ ഇരിക്കൂ लाण् । अम्मावन् इरिक्कू ।	पिताजी धर में हैं । लेकिन रसोई घर में हैं। माताजी के साथ दावत् हेतु व्यस्त है। बैठिए मामा।
രവി रवि	: ഹലോ ത്രിവേദീ, വരൂ, വരൂ.മോളേ, : हलो त्रिवेदी, वरू, वरू । मोळे,	हलो, त्रिवेदीजी, आइए, आइए । बेटी, थोमस् चाचा और नानी सबको

	തോമസ് മാമനേം അമ്മൂമ്മേം ഒക്കെ थोमस् मामनें अम्मूम्में ऑक्कॅ **വിളിക്ക്. സദ്യ റെഡി. എല്ലാവരും** विळिक्कं । सद्य रॅडि । ऍल्लावरुम् **ഊണു മുറിയിലോട്ടു വരിൻ.** ऊणु मुरियिलोट्टु वरिन् ।	बुलाओ। दावत् तैयार है । आप सब खाने के कमरे में आइए ।
അമ്മ	: **ഞങ്ങൾ റെഡി. പക്ഷേ നിങ്ങൾ** ञङ्ङळ् रॅडि। पक्षे निङ्ङळ् **കുട്ടികൾ ആദ്യംഇരിക്കിൻ.സരോജിനി,** कुट्टिकळ् आद्यम् इरिक्किन्। सरोजिनी **നമുക്ക് രണ്ടുപേർക്കും വിളമ്പാം.** नमुक्कं रण्डु पेर्क्कुम् विळम्बाम् ।	हम तैयार हैं। लेकिन् बच्चों, तुम लोग पहले बैठ जाओ। सरोजिनी, हम दोनों परोसें ।
സരോജിനി सरोजिनी	: **അമ്മയും ഇന്ന് ഇവരുടെ കൂടെ** : अम्मयुम् इन्नं इवरुडॅ कूडॅ **ഇരിക്കൂ. ഞാൻ വിളമ്പാം.** इरिक्कू । ञान् विळम्पाम्।	माताजी, आप भी आज इनके साथ बैठिए । मैं परोसूँ ?
അമ്മ अम्म	: **വേണ്ട. നമുക്കു രണ്ടുപേർക്കും** : वेण्ड, नमुक्कु रण्डुपेर्क्कुम् **ഒരുമിച്ച് ഉണ്ണാം. അതു മതി.** ऑरुमिच्च् उण्णाम् । अतु मति ।	नहीं, हम दोनों एक साथ खायें । वही अच्छ है ।
രവി रवि	: **വരൂ. ത്രിവേദീ, കൈ കഴുകൂ.** : वरू। त्रिवेदी। कै कषुकू **അതാ വാഷ്ബേസിൻ അവിടെ ആണ്.** अता वाषॅबेसिन् अविडे आणं ।	त्रिवेदी जी हाथ धो लीजिए। वाष् बेसिन वहाँ है ।
തോമസ് थोमस्	: **ജയശ്രീ നീ ത്രിവേദി അമ്മാവന്റെ** : जयश्री नी त्रिवेदि अम्मावन्डॅ **അടുത്ത് ഇരിക്ക്. നീ പിറന്നാൾക്കാരി .** अडुत्तं इरिक्कं । नी पिऱन्नाळ्क्कारी । **അമ്മാവൻ നമ്മുടെ വിശിഷ്ടാതിഥി** अम्मावन् नम्मुडॅ विशिष्टातिथि ।	जयश्री, तुम त्रिवेदी मामा के साथ बैठो । तुम जनमदिनवाली है, मामा मामा हमारे विशिष्टातिथी ।

രവി : ത്രിവേദീ, നോക്കൂ വാഴയിലയിലാണു
रवी : त्रिवेदी, नोक्कू वाष़यिलयिलाण्
ഞങ്ങളുടെ ഊണ്. ഇത്
ञङ्ङळुडॅ ऊण् । इत्।
ഞങ്ങളുടെ പ്രത്യേകതയാണ്.
ञङ्ङळुडॅ प्रत्येकतयाण् ।
ഈ രീതി കേരളത്തിന്റേതാണ്.
ई रीति केरळत्तिन्डॅताण् ।

त्रिवेदीजी, हमारा भोजन केले के पत्ते पर है । यह हमारी रीति है। यह रीति केरल की ही है।

ത്രിവേദി : എനിക്കറിയാം. എനിക്ക് ഈ രീതി
त्रिवेदी : ऍनिक्करिय़ाम् । ऍनिक्क् ई रीति
ഇഷ്ടമാണ്.
इष्टमाण्।

मैं जानता हूँ । मुझे यह रीति पसन्द है ।

തോമസ് : സരോജിനിചേച്ചീ, ത്രിവേദിക്കു
थोमस् : सरोजिनि चेच्ची, त्रिवेदिक्कु
പരിപ്പും പപ്പടവും വളരെ
परिप्पुम् पप्पडवुम् वळरॅ
ഇഷ്ടമാണ്. സാമ്പാറും അവിയലും
इष्टमाण् । साम्बारुम् अवियलुम्
പരിപ്പിന്റെ അത്ര ഇഷ്ടമല്ല.
परिप्पिन्डॅ अत्र इष्टमल्ल ।

सरोजिनी दीदी, त्रिवेदी को दाल और पापड बहुत पसन्द हैं।साँम्पार और अवियल् उतना पसन्द नहीं जितना दाल के प्रति है ।

ത്രിവേദി : അങ്ങനെ ഒന്നും അല്ല. എനിക്ക്
त्रिवेदी : अङ्ङने ऑन्नुम् अल्ल । ऍनिक्क्
എല്ലാ കറികളും ഇഷ്ടമാണ്.
ऍल्ला करिकलुम् इष्टमाण् ।
പക്ഷേ കൂടുതൽ ഉപ്പും, എരിവും,
पक्षे कूडुतल् उप्पुम्, ऍरिवुम्,
പുളിയുമൊന്നും ഇഷ്ടമല്ല. അത്ര
पुळियुमोन्नुम् इष्टमल्ल । अत्र
മാത്രം. മധുരവും കയ്പും വളരെ
मात्रम् । मधुरवुम् कय्पुम् वळरॅ
ഇഷ്ടമാണ്.
इष्टमाण् ।

वैसा कुछ नहीं है।मुझे सब सब्जियाँ पसन्द है । परन्तु अधिक नमक, मिर्चका कडुवापन और खट्टा पसन्द नहीं है। केवल इतनी ही बात है । मीठापन् और कडुवापन पसन्द हैं ।

സരോജിനി त्रिवेदी	: ഇവിടത്തെ കറികൾക്കൊന്നിനും : इविडत्तॆ करिकळ्क्कोन्निनुम् വലിയ എരിവും പുളിയും ഇല്ല. वलिय ऍरिवुम् पुळियुम् इल्ल । ജയശ്രീയുടെ അച്ഛന് എരിവും जयश्रीयुडॅ अच्छन् ऍरिवुम् പുളിയും ഒന്നും അത്ര ഇഷ്ടമല്ല. पुळियुम् ऑन्नुम् अत्र इष्टमल्ल । എരിവിനേക്കാൾ മധുരമാണ്. ऍरिविनेक्काळ् मधुरमाण् । അദ്ദേഹത്തിനും ഇഷ്ടം. अद्देहत्तिनुम् इष्टम् ।	यहाँ की किसी भी सब्जी में न ही अधिक मिर्च का कडुवापन् है न खट्टापन। जयश्री के पिताजीको मिर्च और खट्टापन की अधिकता पसन्द नहीं है। मिर्च की अधिकता से मिठास ही उन्हें भी पसन्द है ।
രവി रवी	: സരോജിനീ, ത്രിവേദിക്കു വെള്ളം : सरोजिनी त्रिवेदिक्कु वॅळ्ळम् കൊടുക്കൂ. कॉडुक्कू ।	सरोजिनी, त्रिवेदी को पानी दो ।
സരോജിനി सरोजिनी	: ത്രിവേദിക്ക് : त्रिवेदिक्क् പച്ചവെള്ളം വേണോ? पच्चवेळ्ळम् वेणो ? ചൂടു ജീരകവെള്ളം വേണോ? चूडु जीरकवेळ्ळम् वेणो?	त्रिवेदीजी, आप को ताज़ा पानी चाहिए या गरम जीरा पानी?
ത്രിവേദി त्रिवेदी	: പച്ചവെള്ളം മതി. ചൂടുവെള്ളം : पच्चवेळ्ळम् मति । चूडुवेळ्ळम् വേണ്ട. वेण्ड ।	ताज़ापानी चाहिए। गरमपानी नहीं।
സരോജിനി	: ചോറ് ഇത്രമതിയോ ത്രിവേദീ? चोर् इत्र मतियो त्रिवेदी? കുറച്ചു കൂടി തൈര് ഒഴിക്കട്ടോ? कुऱच्चु कूडि तैर् ऑळिक्कट्टो	त्रिवेदीजी, क्या चावल इतना काफी है? और थोड़ा दही डालूँ ?
ത്രിവേദി त्रिवेदी	: വേണ്ട. : वेण्ड।	नहीं चाहिए ।

തോമസ് थोमस्	: പോര, പോര കുറച്ച് തയിര് കൂടി :पोर, पोर कुऱच्च् तयिऱ् कूडि ഒഴിക്കൂ. ചേച്ചീ, ത്രിവേദിക്കു തൈര് ऑषिक्कू । चेच्ची, त्रिवेदिक्कु तैऱ् വളരെ ഇഷ്ടമാണ് . वळरॅ इष्टमाण् ।	नहीं, नहीं। दीदी कुछ दही और डालिए । त्रिवेदी को दही बहुत पसन्द है ।
ത്രിവേദി त्रिवेदी	: തൈര് ഇഷ്ടം തന്നെ. പക്ഷേ : तैऱ् इष्टम् तन्नॅ । पक्षे ഇപ്പോൾ ഇത്ര മതി. ഇതു തന്നെ इप्पोळ् इत्र मति । इतु तन्नॅ ധാരാളം. ഇനി എനിക്ക് തൈര് धाराळम् । इनि ऍनिक्कॅ तैऱ् വേണ്ട . തോമസിനു കൊടുക്കൂ. वेण्ड । थोमसिनु कॉडुक्कू ।	दही पसन्द है ही ।परन्तु अब इतना काफी है । अभी मुझे दही नहीं चाहिए। थोमस को दे दो।
തോമസ് थोमस्	: വേണ്ട വേണ്ട. എനിക്ക് ചോറും : वेण्ड वेण्ड ऍनिक्क् चोरुम् തൈരും ഒക്കെ ഇത്ര മതി. तैरुम् ऑक्के इत्रमति ।	मुझे चावल और दही सब इतना ही पर्याप्त है ।
സരോജിനി सरोजिनी	: പായസവും വേണ്ടേ? : पायसवुम् वेण्डे?	क्या पायसम् भी नहीं चाहिए ?
തോമസ്	: പിന്നെ? വേണം. ഒരു ഗ്ലാസ് पिन्नॅ ? वेणम् ऑरु ग्लास् ഒന്നും പോര. മൂന്ന് നാല് ഗ്ലാസ് ऑन्नुम् पोर । मून्नं नाल् ग्लास् അടപ്രഥമൻ എങ്കിലും വേണം अड प्रथमन् ऍङ्किलुम् वेणम् ।	और क्या ? जी चाहिए। केवल एक गिलास काफि नहीं। कमसे कम तीन-चार गिलास अडप्रथमन् खीर चाहिए।
അമ്മ अम्म	: സരോജിനീ, ത്രിവേദിക്കും, തോമ : सरोजिनी, त्रिवेदीक्कुम् थोमसि സിനും പായസവും ഉപ്പേരിയും नुम् पायसवुम् उप्पेरियुम् വിളമ്പൂ. विळम्बू ।	सरोजिनी, त्रिवेदी और थोमस को पायसम् और 'चिप्स' परोसो ।

രവി : വിളമ്പ്, വിളമ്പ്. രണ്ടുപേർക്കും വിളമ്പ്.
विळम्पं विळम्पं - रण्डु पेर्क्कुम् विळम्पं
അഞ്ചാറ് ഗ്ലാസ് പായസം എങ്കിലും .
अञ्चारु ग्लास् पायसम् ऍङ्किलुम्
കൊടുക്കൂ, തോമസ്. ഇഷ്ടം പോലെ
कोटुक्कू थोमस् । इष्टम् पोलॅ
കുടിക്കട്ടെ. പായസപ്രിയൻ എന്നല്ലേ
कुटिक्कट्टॅ । पासयप्रियन् ऍन्नल्ले
അവന്റെ ഇരട്ടപ്പേര്? വേണമെങ്കിൽ
अवन्डॅ इरट्टप्पेरं वेणमेङ्किल्
കുറച്ചു രസം കുടി കൊടുക്ക്.
कुऱच्चु रसम् कूडि कॉडुक्कं ।
കുടിക്കട്ടെ.
कुडिक्कट्टॅ ।

परोसो, परोसो, दोनों को परोसो। कम से कम पाँच छः गिलास हो। थोमस को जितना चाहिए उतना दो । उसका दूसरा नाम ही ' पायसप्रियन ' है न ? चाहिए तो थोडा रसम पीने दो ।

തോമസ് : എടാ രവീ, നീ എന്നെ കളിയാക്കണ്ട.
थोमस् : ऍडा रवी, नी ऍन्नॆ कळियाक्कण्ड
ഊണ് കഴിക്ക് . നിന്റെ ഇരട്ടപ്പേരും
ऊणं कषिक्कं। निन्डॅ इरट्टप्पेरुम्
എനിക്ക് അറിയാം. ഞാൻ
एनिक्कं अऱियाम् । ञान्
ത്രിവേദിയോട് പറയട്ടെ.
त्रिवेदीयोडु पऱयट्टॅ ।

अरे रवी, तुम मेरी हँसी मत उडाओ। खाना खाओ । तुम्हारा "दूसरा नाम " भी मैं जानता हूँ । क्या मैं त्रिवेदी से कहूँ ?

രവി : ഓഹോ ! പറ, പറ.
रवी : ओहो पऱ पऱ ।
ഞാനും ഒന്ന് കേൾക്കട്ടെ.
ञानुम् ऑन्नु केळ्ळकट्टॅ ।
എനിക്കും എന്റേതായ രസം
ऍनिक्कुम् ऍन्डेताय रसम्
വേണ്ടേ?
वेण्डे ?

अरे, कहो कहो । मैं भी सुन लूँ। मुझे भी अपनी मजा चाहिए न?

അമ്മ : എനിക്കു വയ്യ. എന്റെ മക്കളേ, ഊണു
अम्म : ऍनिक्कु वय्य ऍन्डॅ मक्कळे। ऊणु

बेटे, मुझसे नहीं होता । वच्चों, खाते समय अधिक मत बोलो। तुम

സമയത്ത് അധികം വർത്തമാനം समयत्तं अधिकम् वर् त्तमानम् പറയണ്ട. എല്ലാവരും നന്നായി परयण्ड। ऍल्लावरुम् नन्नायि ഊണ് കഴിക്കിൻ. അത് കഴിഞ്ഞ് ऊणु कषिक्किन् । अतं कषिञ्ञं നമുക്ക് ഇഷ്ടം പോലെ വർത്തമാനം नमुक्कं इष्टम् पोलॅ वर् त्तमानम् പറയാമല്ലോ. परयामल्लो ।	अच्छी तरह खाना खाओ। उसके बाद जी भर हम बात करें।

शब्दार्थ

പിറന്നാൾ पिरन्नाळ्	जन्म दिन	സദ്യ सद्य	दावत
ആര് आरं	कौन	രാവിലെ राविलॅ	सुबह
കഥ कथ	कहानी, कथ	പറച്ചിൽ परच्चिल्	कहना
ഉണ്ട് उण्ड्	हैं	അടുക്കള अडुक्कळ	रसाई घर
സദ്യവട്ടം सद्यवट्टम्	दावत की तैयारी	തിരക്ക് तिरक्कं	व्यस्त
മാമൻ मामन्	मामाजी	റെഡി रॅडि	तैयार
മുറിയിലോട്ട് मुरियिलोट्टं	कमरे की ओर	മുറി मुरि	कमर
കുട്ടി कुट्टि	बच्चा	ആദ്യം आद्यम्	पहला
വിളമ്പുക विळम्पुक	परोसना	വേണ്ട वेण्ड	नहीं चाहिए

ഒരുമിച്ച് ऑरुमिच्च्	एक साथ	ഉണ്ണുക उण्णुक	खाना
മതി मति	बस	കൈ कै	हाथ
കഴുകുക कषुकुक	धोना	വിശിഷ്ടാതിഥി विशिष्टातिथि	विशिष्टातिथि
വാഴയില वाष़यिल	केले का पत्ता	ഊണ് ऊण्	खाना
പ്രത്യേകത प्रत्येकता	विशेषता	രീതി रीति	प्रकार, रीति
കേരളത്തിന്റേത് केरळत्तिन्डॅत्	केरल का ही	ഇഷ്ടം इष्टम्	चाह
പരിപ്പ് परिप्प्	दाल	പപ്പടം पप्पटम्	पापड
വളരെ वळरॅ	बहुत	സാമ്പാർ साम्पार्	साम्पार
അവിയൽ अवियल्	भिन्न तऱकारियों से बनी हुई सब्जी		
അത്ര अत्र	उतना	എല്ലാ ऍल्ला	सब
കറി करि़	सब्जी, सालन	ഉപ്പ് उप्प्	नमक
എരിവ് ऍरिव्	तेज़ी (मिर्च का)	പുളി पुळि	खट्टापन
മധുരം मधुरम्	मधुर	കയ്പ് कय्प्	कडुवापन
ഇവിടത്തെ इविडत्तॅ	इधर का	അദ്ദേഹം अद्देहम्	वे(आदरसूचक पुल्लिंग एक वचन)
വെള്ളം वॅळ्ळम्	पानी	കൊടുക്കുക कॉडुक्कुक	देना
പച്ചവെള്ളം पच्चवॅळ्ळम्	ठंडा पानी	ജീരകം जीरकम्	जीरा

മതി मति	बस	വേണ്ട वेण्ड	नहीं चाहिए
ചോറ് चोरं	चावल	ഇത്ര इत्र	इतना
കൂടി कूडि	भी	തൈര് तैरं	दही
ഒഴിക്കുക ऑषिक्कुक	डालना	പോര पोर	काफि नहीं
ചേച്ചി चेच्चि	दीदी	ധാരാളം धाराळम्	बहुत
ഒക്കെ ऑक्कॅ	सब	പായസം पायसम्	खीर
പിന്നെ पिन्नॅ	आखिर,फ़िर	അടപ്രഥമൻ अडप्रथमन्	एक प्रकार का खीर
എങ്കിൽ ऍङ्किल्	लेकिन	ഉപ്പേരി उप्पेरि	चिप्स
പോലെ पो:लॅ	समान, की तरह	അവൻ अवन्	वह (पुरुष)
രസം रसम्	मजा, रसम	കളിയാക്കുക कळियाक्कुक	चिढाना
വയ്യ वय्य	नहीं हो सकता	അധികം अधिकम्	अधिक

अभ्यास

I. उदाहरण के अनुसार उचित स्थान पर दिए हुए शब्दों का प्रयोग करके वाक्य बढाइए ।

उदा : സദ്യവട്ടത്തിന്റെ തിരക്കിലാണ് അവർ. (ഇപ്പോൾ)

सद्यवट्टत्तिन्डॅ तिरक्किलाणं अवरं । (इप्पोळ्)

ഇപ്പോൾ അവർ സദ്യവട്ടത്തിന്റെ തിരക്കിലാണ്.

इप्पोळ् अवरं सद्यवट्टत्तिन्डॅ तिरक्किलाणं ।

1. എല്ലാവരും വരിൻ. (ഊണു മുറിയിലേക്ക്)

ऍल्लावरुम् वरिन् (ऊणु मुरियिलेक्कॅ)

2. സരോജിനി നമുക്കു ഉണ്ണാം. (പിന്നെ, ഒരുമിച്ച്)

सरोजिनी नमुक्कं उण्णाम् (पिन्नॅ, ऑरुमिच्चं)

3. ജയശ്രീയുടെ അച്ഛന് എരിവും അത്ര ഇഷ്ടമല്ല. (പുളിയും ഒന്നും)
जयश्रीयुडॆ अच्छन्न् ऍरिवुम् अत्र इष्टमल्ल । (पुळियुम् ऑन्नुम्)
4. നിങ്ങൾക്കു പായസവും വേണോ? (പപ്പടവും)
निङ्ङळ्क्कु पायसवुम् वेणो ? (पप्पडवुम्)
5. ത്രിവേദിക്ക് ഉപ്പേരി വിളമ്പൂ. (കുറച്ച് കൂടുതൽ)
त्रिवेदीक्क् उप्पेरि विळम्बू । (कुऱच्च् कूडुतल्)

II. वाक्यों में रेखाँकित शब्दों के स्थान पर दिए हुए शब्दों का प्रयोग करके वाक्य बनाइए ।

1. ഇതു കേരളത്തിന്റെ പ്രത്യേകത ആണ്. (എന്റെ)
इतु केरळत्तिन्डॅ प्रत्येकत आणं् (ऍन्डॅ)
2. വാഴയിലയിൽ ആണ് ഞങ്ങളുടെ ഊണ്. (വീട്ടിലാണ്)
वाळयिलयिल् आणं् ञङ्ङळुडॅ ऊणं्। (वीट्टिलाणॅ)
3. അയാൾക്ക് കയ്പും മധുരവും ഇഷ്ടമല്ല. (പുളിയും)
अयाळ्क्कं कय्पुम् मधुरवुम् इष्टमल्ल (पुळियुम्)
4. നിങ്ങൾക്ക് ജീരകവെള്ളം വേണോ ? (വേണ്ടേ)
निङ्ङळ्क्कु जीरकवेळ्ळम् वेणो ? (वेण्डे)
5. തൈരു കുറച്ചു കൂടി ഒഴിക്കട്ടോ ? (കൊണ്ടുവരട്ടോ)
तैरु, कुऱट्टु कूडि ऑषिक्कट्टो ? (कोण्डुवरट्टो)
6. ജയശ്രീക്ക് പപ്പടം വേണോ? (പായസം)
जयश्रीक्क् पप्पडम् वेणो ? (पायसम्)
7. പായസപ്രിയൻ എന്നാണു തോമസിന്റെ ഇരട്ടപ്പേര്. (മിടുമിടുക്കൻ)
पायसप्रियन् ऍन्नाणु तोमसिन्डॅ इरट्टप्पेरं् (मिडुमिडुक्कन्)
8. അധികം വർത്തമാനം പറയണ്ട . (കേൾക്കണ്ട)
अधिकम् वर् त्तमानम् परयण्ड । (केळ्ककण्ड)
9. ഊണു കഴിഞ്ഞു വർത്തമാനം കേൾക്കാമല്ലോ? (പറയാമല്ലോ)
ऊणु कषिञ्ञु वरत्तमानम् केळ्क्कामल्लो ? (परयामल्लो)
10. അവരെല്ലാം അടുക്കളയിൽ ജോലിയുടെ തിരക്കിലാണ്. (സദ്യവട്ടത്തിന്റെ)
अवरेल्लाम् अडुक्कळयिल् जोलियुडॅ तिरक्किलाणं् । (सद्यवट्टत्तिन्डॅ)

III. रेखाँकित शब्द के स्थान पर कोष्ठक में दिए हुए शब्दों के उचित रूपों का प्रयोग करके वाक्य बनाइए ।

1. എല്ലാവരും ജീരകവെള്ളം കൊണ്ടുവരിൻ. (കുടിക്ക്)
ऍल्लावरुम् जीरकवॅळ्ळम् कॉण्डुवरिन् (कुडिक्कं)

2. നീ കുറച്ചുകൂടി തൈര് ഒഴിക്ക് . (കൊണ്ടു വരൂ)
नी कुऱच्चु कूडि तैर् ऑषिक्क् । (कोण्डॅवरू)
3. മിടുമിടുക്കി എന്നാണോ നിന്റെ ഇരട്ടപ്പേര് ? (എന്നല്ലേ)
मिडुमिडुक्कि ऍन्नाणो निन्डॅ इरट्टप्पेर्? (एन्नल्ले)
4. എനിക്കും അവൾക്കും ഇതു മതി. (നീ)
ऍनिक्कुम् अवळ्क्कुम् इतु मति। (नी)
5. ജയശ്രീക്കു പായസം ഇത്രമതി. (തോമസ്)
जयश्रीक्कु पायसम् इत्र मति । (थोमस्)

IV. उदाहरणों के अनुसार प्रत्येक शब्द समूह पूरा कीजिए ।

उदा :

വാ വരൂ വരിൻ വരുവിൻ
वा वरू वरिन् वरुविन्

1. കൊടുക്ക്, കൊടുക്കൂ, ---- ----- 2. പോ, പോകൂ, ---- -----
कोडुक्कं, कोडुक्कू, ------ ------ पो, पोकू, ------ ------
3. ഒഴിക്ക്, ഒഴിക്കൂ, ---- ----- 4. കേൾക്ക്, കേൾക്കൂ---- -----
ऑषिक्क्, ऑषिक्कू, ------ ------ केळ्क्कं, केळ्क्कू ------ -------
5. കളിയാക്ക്,കളിയാക്കൂ ---- ----- 6. കൊണ്ടുവാ, കൊണ്ടുവരൂ --- --
कळियाक्क्, कळियाक्कू, ------ ------ कोण्डुवा, कोण्डुवरू, ----- ------

V. उदाहरण के अनुसार वाक्यों का पुननिर्माण कीजिए ।

उदा :

ഇത് കേരളത്തിന്റെ രീതിയാണ്. ഈ രീതി കേരളത്തിന്റേത് ആണ്.
इतं केरळत्तिन्डॅ रीतियाणं । ई रीति केरळत्तिन्ड़ेतं आणं ।

1. ഇത് എന്റെ വീട് ആണ്.
इतं ऍन्डॅ वीडं आणं ।
2. അത് ഞങ്ങളുടെ ഗ്രാമം ആണ്.
अतं ञङ्ङळुडॅ ग्रामम् आणं ।
3. ഇത് പുതിയ ഗ്ലാസ് ആണ്.
इतं पुतिय ग्लास् आणं ।
4. ഇത് നമ്മുടെ നാട് ആണ്.
इतं नम्मुडॅ नाडं आणं ।
5. ഇത് വീട്ടിലേക്കുള്ള വഴി ആണ്.
इतं वीट्टिलेय्क्कुळ्ळ वषि आणं ।

VI. വേണം (वेणम्) केस्थान पर വേണ്ട(वेण्ड) लिखकर वाक्य बदलिए ।

उदा :

എനിക്കു ജീരകവെള്ളം വേണം. ഏനിക്കു ജീരകവെള്ളം വേണ്ട.
ऍनिक्कु जीरकवॅळ्ळम् वेणम् । ऍनिक्कु जीरकवॅळ्ळम् वेण्ड ।

1. എനിക്കു പുതിയ വീടു വേണം.
   ऍनिक्कु पुतिय वीडु वेणम् ।
2. അമ്മയ്ക്കു ചോറിനു തൈരു വേണം.
   अम्मय्क्कु चोरिनु तैरु वेणम् ।
3. തോമസിന് പായസം ഇനിയും വേണം.
   तोमसिन् पायसम् इनियुम् वेणम् ।
4. അയാൾക്കും ചൂടുവെള്ളം വേണം.
   अयाळ्क्कुम् चूडुवॅळ्ळम् वेणम् ।
5. ജയശ്രീക്കു ചായയും വടയും വേണം.
   जयश्रीक्कु चाययुम् वडयुम् वेणम् ।

VII. മതി (मती) के स्थान पर പോര (पोर) लिखकर वाक्य बदलिए ।

1. ത്രിവേദിക്ക് ഇത്ര തൈരു മതി.
   त्रिवेदीक्कं इत्र तैरु, मति ।
2. തോമസിനു രണ്ടു ഗ്ലാസ്പായസം മതി.
   थोमसिनु रण्डु ग्लास् पायसम् मति ।
3. അമ്മയ്ക്ക് പച്ചവെള്ളം മതി.
   अम्मय्क्कं पच्चवॅळ्ळम् मति ।
4. അയാൾക്കു ജോലി ഈഗ്രാമത്തിൽ മതി..
   अयाळ्क्कु जोलि ई ग्रामत्तिल् मति ।
5. അച്ഛനും കറിയിൽ ഇത്ര ഉപ്പു മതി
   अच्छनुम् करियिल् इत्र उप्पु मति ।

VIII. दिए हुए कथनात्मक वाक्यों को उचित स्थान पर ഓ(ओ) या ഏ(ए)जोडकर प्रश्नात्मक वाक्य बनाइए ।

1. മോൾക്കു ഒരു ഗ്ലാസ് പായസം മതി.
   मोळ्क्कु ऑरु ग्लास् पायसम् मति ।
2. അവരുടെ അധ്യാപകനു ചൂടു ചായ വേണം.
   अवरुडॅ अध्यापकनु चूडु चाय वेणम् ।
3. കവിതയ്ക്കു ജീരകവെള്ളം വേണ്ട.
   कवितय्क्कु जीरकवॅळ्ळम् वेण्ड ।
4. രവിക്കു അത്ര തൈരു പോര.
   रविक्कु अत्र तैरु पोर ।
5. അമ്മയ്ക്ക് ഈ ജോലി മതി.
   अम्मय्क्कं ई जोलि मति ।
6. തോമസിന്റെ അച്ഛന്റെ സഹോദരിക്ക് ആ വീടു വേണം
   थोमसीन्डॅ अच्छन्डॅ सहोदरिक्कं आ वीडु वेणम् ।

IX. उदाहरण के अनुसार दिए हुए शब्दों में प्रत्येक केलिए पाँच पाँच वाक्य बनाइए ।

1. ഞാൻ ഒരു അധ്യാപകനാണ്.
   ञान् ऑरु अद्यापकनाणं ।
2. എന്നെ നിങ്ങൾക്ക് അറിയാമോ?
   ऍन्नॅ निङ्ङळ्क्कं अरियामो ? ।
3. എന്റെ വീട് അരവിന്ദപുരത്ത് ആണ് .
   ऍन्डॅ वीड् अरविन्तपुरत्तं आणं ।
4. എനിക്ക് മലയാളസിനിമ വളരെ ഇഷ്ടമാണ്.
   ऍनिक्कं मलयाळसिनिम वळरॅ इष्टमाणं ।
5. എന്നോട് നിങ്ങൾ മലയാളത്തിൽ സംസാരിക്കൂ.
   ऍन्नोडु निङ्ङळ् मलयाळत्तिल् संसारिक्कू ।

1. അയാൾ 2. രമണി 3. രാജു
अयाळ् रमणि राजु

X. प्रत्येक समूह में ओर एक उचित शब्द जोडिए ।

1. അമ്മ अम्म	അച്ഛൻ अच्छन्	മകൻ मकन्	---------
2. വീട്ടുകാരൻ वीट्टुकारन्	നാട്ടുകാരൻ नाट्टुकारन्	ഗ്രാമക്കാരൻ ग्रामक्कारन्	----------
3. പറയണം परयणम्	വരണം वरणम्	പോകണം पोकणम्	----------
4. ഇവിടെ इविडॅ	അവിടെ अविडॅ	അങ്ങനെ अङ्ङनॅ	----------
5. ഞാൻ ञान्	നീ नी	ഞങ്ങൾ ञङ्ङळ्	----------
6. അവിയൽ अवियल्	സാമ്പാർ सांम्पार	തോരൻ तोरन्	----------
7. എഴുതൂ ऍषुतू	വായിക്കൂ वायिक्कू	പഠിക്കൂ पठिक्कू	----------
8. കാണട്ടെ काणट्टॅ	നോക്കട്ടെ नोक्कट्टॅ	സംസാരിക്കട്ടെ संसारिक्कट्टॅ	----------

पढिए और समझिए

സുഹൃത്തിനൊരു കത്ത്
सुहृत्तिनॉरु कत्त्

പ്രിയപ്പെട്ട ജയപാലിന്,
प्रियप्पॅट्ट जयपालिन्न्,

എന്തൊക്കെയാണു വിശേഷങ്ങൾ ? സുഖം തന്നെയല്ലേ ? എനിക്ക് ഇവിടെ
ऍन्दोक्केयाणु विशेषङ्ङळ् ? सुखम् तन्नॅयल्ले ? ऍनिक्क् इविडॅ
സുഖം തന്നെ.നീ ഒന്നു വേഗം മലയാളം പഠിക്ക്. എന്നിട്ട് എനിക്കു മലയാളത്തിൽ
सुखम् तन्नॅ। नी ऑन्नु वेगम् मलयाळम् पठिक्क् । ऍन्निट्ट् ऍनिक्कु मलयाळत्तिल्
തന്നെ മറുപടി എഴുത്. ഈ എഴുത്തിൽ കേരളീയരുടെ ആഹാരരീതിയെപ്പറ്റി ഞാൻ
तन्नॅ मरुपडि ऍषुत् । ई ऍषुत्तिल् केरळीयरुडॅ आहार रीचियॅप्परिऱ् ञान्
എഴുതാം. നിനക്ക് ഇഷ്ടപ്പെട്ട ഒരു വിഷയമാണല്ലോ അത്. മലയാളികളും നമ്മളെ
ऍषुताम् । निनक्क् इष्टप्पॅट्ट ऑरु विषयमाणल्लो अत् । मलयाळिकळुम् नम्मळॅ
പ്പോലെ തന്നെ വലിയ ഭക്ഷണപ്രിയർ ആണ്. പക്ഷേ ചപ്പാത്തിക്കും മധുരപലഹാര
प्पोले तन्नॅ वलिय भक्षणप्रियर् आण् । पक्षे चप्पात्तिक्कुम् मधुरपलहार
ങ്ങൾക്കും ഇവരുടെ ആഹാരത്തിൽ വലിയ സ്ഥാനം ഇല്ല. ചോറുംകറികളും ആണ്
ङ्ङळक्कुम् इवरुडॅ आहारत्तिल् वलिय स्थानम् इल्ल । चोरुम् करिकळुम् आण् ।
ഇവർക്കു പ്രധാനം. പലതരം പച്ചക്കറിക്കൂട്ടാനുകളുംമീൻകറികളും മലയാളികൾക്ക്
इवरक्कु प्रधानम् । पलतरम् पच्चक्करिक्कूट्टानुकळुम् मीन् करिकळुम् मलयाळिकळक्क्
ഉണ്ട്. ഒരു മലയാളി സദ്യ ശരിക്കും ഒരു അനുഭവം തന്നെ. പത്തുപന്ത്രണ്ടിലധികം
उण्ड् । ऑरु मलयाळि सद्य शरिक्कुम् ऑरु अनुभवम् तन्नॅ । पत्तु पन्त्रण्डिलधिकम्
പച്ചക്കറികൂട്ടാനുകൾ, മൂന്നോ നാലോ തരം പായസം, കൂട്ടത്തിൽ ഏതെങ്കിലും ഒരു
पच्चक्करि कूट्टानुकळ्, मून्नो नालो तरम् पायसम्, कूट्टत्तिल् एतेङ्किलुम् ऑरु
മധുര പലഹാരവുംവേണം.പിന്നെ പപ്പടം ഉപ്പേരി,പഴം എന്നിങ്ങനെ എന്തെല്ലാം.കറി
मथुर पलहारवुम् वेणम्। पिन्नॅ पप्पडम् उप्पेरि, पषम् ऍन्निङ्ङनॅ एन्तेल्लाम्? करि
കളുടെ കൂടെ ഉപ്പിലിടുകൾ തന്നെ മൂന്നാലുതരത്തിൽ ഉണ്ട്.കേരളീയരുടെ കൂട്ടാനു
कळुडे कूडॅ उप्पिलिड्डुकळ् तन्नॅ मून्नालु तरत्तिल् उण्ड् । केरळीयरुडॅ कूट्टानु
കളിൽ പ്രധാനം അവിയൽ, സാമ്പാർ, തോരൻ, തീയൽ, പച്ചത്തീയൽ, കാളൻ,
कळिल् प्रधानम् अवियल् साम्पार्, तोरन्, तीयल्, पच्चत्तीयल्, काळन्,
പുളിശ്ശേരി,മെഴുക്കുപുരട്ടി, ഓലൻ, കൂട്ടുകറി എന്നിവയാണ്.വെണ്ടയ്ക്ക, കത്തിരിക്ക,
पुळिश्शेरी, मेषुक्कुपुरट्टि. ओलन्, कूट्टुकरि ऍन्निवयाण् । वेण्डय्क्क. कत्तिरिक्क,
വെള്ളരിക്ക, പടവലങ്ങ, മത്തങ്ങ, മുരിങ്ങയ്ക്ക, തക്കാളി മുതലായ പച്ചക്കറികൾ
वॆळ्ळरिक्क, पडवलङ्ङ, मत्तङ्ङ, मुरिङ्ङय्क्क , तक्काळि मुतलाय पच्चक्करिकळ्

കൊണ്ടാണ് കൂട്ടാനുകൾ. കൂടാതെ ചേന, ചേമ്പ്, മരച്ചീനി, തുടങ്ങി പലതരം
कॉण्डाण् कूट्टानुकळ् । कूडातॆ चेन, चेम्पं, मरच्चीनि तुडङ्ङि पलतरम्
കിഴങ്ങുവർഗങ്ങളും കേരളത്തിൽ ഉണ്ട്. മരച്ചീനി പുഴുങ്ങിയതും മീൻകറിയും
किषङ्ङु वर्गङ्ङळुम् केरळत्तिल् उण्ड् । मरच्चीनि पुषुङ्ङियतुम् मीन् करियुम्
ചോറും മലയാളികൾക്കു വളരെ പഥ്യം ആണ്. എനിക്കും അതു വളരെ ഇഷ്ട
चोरुम् मलयाळिकळ्क्कु वळरॆ पथ्यम् आण् । ऍनिक्कुम् अतं वळरॆ इष्ट
മായി. മാങ്ങ, നാരങ്ങ, വെളുത്തുള്ളി, നെല്ലിക്ക മുതലായവകൊണ്ടാണ് ഇവരുടെ .
मायी । माङ्ङ. नारङ्ङ, वॆळुत्तुळ्ळि, नॅल्लिक्क, मुतलायवकॉण्डाण् इवरुडॆ
ഉപ്പിലിടുകൾ. അടപ്രഥമൻ, പഴപ്രഥമൻ, പാൽപ്പായസം എന്നിങ്ങനെ നാൽപ്പതുതരം
उप्पिलिडुकळ् । अडप्रथमन्, पषप्रथमन्, पालपायसम् ऍन्निङ्ङनॅ नाल्प्पतुतरम्
പായസം. കേരളീയർക്ക് ഉണ്ട്. മലയാളികളുടെ നാടൻ പലഹാരങ്ങളിൽ പ്രധാനം.
पायसम् केरळीयर्क्के उण्ड् । मलयाळिकळुडॆ नाडन् पलहारङ्ङळिल् प्रधानम्
ഉണ്ണിയപ്പം. നെയ്യപ്പം, ബോളി, മുന്തിരിക്കൊത്ത്, അച്ചപ്പം, ചുരുളപ്പം മുതലായവ
उण्णियप्पम्, नेय्यप्पम् बोळि, मुन्तिरिक्कोत्त्, अच्चप्पम्, चुरुळप्पम् मुतलायव
ആണ്. കറികളുടെയും പലഹാരങ്ങളുടെയും ലിസ്റ്റ്. വളരെ വലുതായി. അതു
आण् । करिकळुडॆयुम् पलहारङ्ङळुडॆयुम् लिस्टॅ । वळरॆ वलुतायि । अतु
കൊണ്ട് എഴുത്തും വലുതായി. അല്ലേ? വേറെ വിശേഷം ഒന്നും ഇല്ല. മലയാളി
कोण्ड् । ऍषुत्तुम् वलुतायि अल्ले ? वेरॆ विशेषम् ऑन्नुम् इल्ल । मलयाळि
സദ്യയുടെ രീതിയെപ്പറ്റി അടുത്ത കത്തിൽ പറയാം.
सद्ययुडॆ रीतियॆप्पऱ्रि अडुत्त कत्तिल् परयाम् ।

നീ വേഗം മറുപടി എഴുത്
नी वेगम् मरुपडि एषुतं ।

എന്ന്
एन्नं

സ്നേഹത്തോടെ
स्नेहत्तोडॆ
വരുൺ.
वरुण ।

शब्दार्थ

സുഹൃത്ത് सुहृत्तं	दोस्त	കത്ത് कत्तं	पत्र, खत
പ്രിയപ്പെട്ട प्रियप्पॅट्ट	प्रिय	വിശേഷം विशेषम्	विशेष, समाचार

സുഖം सुखम्	सुख	വേഗം वेगम्	जल्दी
എന്നിട്ട് ऍन्निट्टं	आखिर	മറുപടി मरुपडि	उत्तर
എഴുത്ത് ऍषुत्तॅ	पत्र	ആഹാരം आहारम्	खाना
രീതി रीति	रीति, प्रकार	പറ്റി पर्ऱि	के बारे में
ഇഷ്ടപ്പെട്ട इष्टप्पॅट्ट	प्रिय	വിഷയം विषयम्	विषय
ഭക്ഷണപ്രിയൻ भक्षणप्रियन्	भोजन प्रिय	മധുരപലഹാരം मधुरपलहारम्	मिठाई
ഇവർ इवर्	ये	സ്ഥാനം स्थानम्	स्थान
പ്രധാനം प्रधानम्	मुख्य, प्रधान	പച്ചക്കറിക്കൂട്ടാൻ पच्चक्कऱिक्कूट्टान्	सब्जी, सालन
മീൻകറി मीन् कऱि	मछली का सालन	അനുഭവം अनुभवम्	अनुभव
പന്ത്രണ്ട് पन्त्रण्डं	बारह	കൂട്ടാൻ कूट्टान्	सब्जी, सालन
പഴം पष़ म्	फल, केला	എന്നിങ്ങനെ एन्निङ्ङने	वगैरह
ഉപ്പിലിട് उप्पिलिड़ं	अचार		

തോരൻ तोरन्	तरकारी छोटे छोटे काटकर,नारियल डालकर बनाइ हुई सब्जी जिस में पानी नहीं हो ।
തീയൽ तीयल्	नारियल प्याज़ आदि बुनकर पीस कर बनाई हुइ सब्जी जिस में दाल नहीं, पर सब्जियाँ हैं ।
പച്ചത്തീയൽ पच्चत्तियल्	'तीयल' की तरह नारीयल पाके सालनजिस में मसाला बुना हुआ नहीं ।
കിച്ചടി किच्चडि	दही में क्कडी डालकर बनाए हुए सालन, जिस में नारियल पीसा डाला है।

കാളൻ
काळन्
दही में पकाए हुए एक गाढा सालन ।

പുളിശ്ശേരി
पुळिश्शेरि
दही में पकाए हुए सालन जो कड़ी जैसी है ।

മെഴുക്കുപുരട്ടി
मेषुक्कुपुरट्टि
नेल में पकाए हुए सब्जि ।

ഓലൻ
ओलन्
नारियल का दूध और कद्दू से बनाए हुए सालन ।

കൂട്ടുകറി
कूट्टुकरि
गरम मसाला डाल कर बनाए दुए सालन

എന്നിവ एन्निव	आदि	വെണ്ടയ്ക്ക वेण्डय्क्क	भिंडी
കത്തിരിക്ക कत्तिरिक्क	बैंगन	വെള്ളരിക്ക वेळ्ळरिक्क	ककडी
പടവലങ്ങ पडवलङ्ङ	चिचींडा	മത്തങ്ങ मत्तङ्ङ	कद्दू
മുരിങ്ങക്ക मुरिङ्ङक्क	ड्रमस्टिक	തക്കാളി तक्काळि	टमाटर
മുതലായ मुतलाय	वगैरह, आदि	കൂടാതെ कूडातॅ	अलावा
ചേന चेन	जमींकद,	ചേമ്പ് चेंपॅ	अखी कंद
മരച്ചീനി मरच्चीनि	टपीयोक्का	തുടങ്ങി तुडङ्ङि	आदि
കിഴങ്ങുവർഗം किषङ्ङुवर्गम्	कंद मूल	പുഴുങ്ങിയത് पुळुङ्ङियतं	पका हुआ(उबाला हुआ)
പഥ്യം पथ्यम्	पथ्य	മാങ്ങ माङ्ङ	आम
നാരങ്ങ नारङ्ङ	नींबू	ഉള്ളി उळ्ळि	प्याज
നെല്ലിക്ക नेल्लिकक्क	आँवला	പഴപ്രഥമൻ पषप्रथमन्	एक प्रकार की खीर पक्के, चावल, आदि (केले से बनी)

പാൽപ്പായസം पाल्पायसम	दूध और चावल से बनी एक प्रकार की खीर		
നാൽപ്പത് नाल्पत्	चालीस	നാടൻ नाडन्	देशी
ഉണ്ണിയപ്പം उण्णियप्पम्	एक प्रकार की मिठाई (केले, चावल, गुड़ आदि से बनी) ।		
നെയ്യപ്പം नेय्यप्पम्	एक प्रकार की मिठाई (चावल तथा गुड़ से बनी) ।		
ബോളി बोळि	चने तथा शक्कर से बनी मिठाई ।		
മുന്തിരിക്കൊത്ത് मुन्तिरिक्कोत्त्	मूँग तथा गुड़ से बनी मिठाई		
അച്ചപ്പം अच्चप्पम्	चावल की आटा तथा अंडे शक्कर से बनी मिठाई ।		
ചുരുളപ്പം पुरुळप्पम्	अंडे, शकर, आदी से बनी मिठाई ।		
വലുത് वलुतं	बडा		

अभ्यास

I. पठित पाठ भाग के आधार पर सही कथन चुन लीजिए ।

1. ജയപാലിനു കേരളീയരുടെ ആഹാര രീതി ഇഷ്ടം അല്ല.
   जयपालिनु केरळीयरुडॅ आहाररीति इष्टम् अल्ल ।
2. മീനും മരച്ചീനിയും മലയാളികൾക്ക് വളരെ പഥ്യം ആണ്.
   मीनुम् मरच्चीनियुम् मलयाळिकळ्क्कं वळरॅ पथ्यम् आणं।
3. ചപ്പാത്തിക്ക് കേരളീയരുടെ ആഹാരത്തിൽ വലിയ ഒരു സ്ഥാനം ഇല്ല.
   चप्पात्तिक्कं केरळीयरुडॅ आहारत्तिल् वलिय ऑरु स्थानम् इल्ल।
4. മധുരപലഹാരങ്ങൾ പലതും ഒരു മലയാളി സദ്യയ്ക്ക് വേണം.
   मधुर पलहारङ्ङळ् पलतुम् ऑरु मलयाळि सद्यक्कं वेणम् ।
5. പപ്പടവും ഉപ്പേരിയും നമ്മുടെ ഉത്തരേന്ത്യക്കാരുടെ മാത്രം ആഹാരം അണ്.
   पप्पडवुम् उप्पेरियुम् नम्मुडे उत्तरेन्त्यक्कारुडे मात्रम् आहारम् आणं ।
6. അവിയൽ സാമ്പാർ, തോരൻ മുതലായവ കൂട്ടാനുകളുടെ പേരുകളാണ്.
   अवियल्, साम्पार, तोरन् मुतलायव कूट्टानुकळुडॅ पेरुकळाणं ।

7. വെള്ളരിക്ക,കത്തരിക്ക, ചേമ്പ്,മുതലായവ മധുരപലഹാരങ്ങളുടെ പേരുകളാണ്.
वेळ्ळरिक्क, कत्तरिक्क चेम्प् मुतलायव मधुर पलहारङ्ङ्ळुडॆ पेरुकळाणं ।
8. പായസം കേരളീയർക്കു വലിയ പഥ്യം അല്ല .
पायसम् केरळीयर् क्कु वलिय पथ्यम् अल्ल ।

II. प्रत्येक समूह में न मिलने वाल शब्द निकालिए ।

1. നാട്ടുകാരൻ, കൂട്ടുകാരൻ, അധ്യാപകൻ, ഭാഷ, വീട്ടുകാരൻ
नाट्टुकारन्, कूट्टुकारन्, अद्यापकन्, भाष, वीट्टुकारन्
2. ഞാൻ, നീ, നിങ്ങൾ, അവർ, അവളെ, അയാൾ
ञान्, नी, निङ्ङळ्, अवर्, अवळे, अयाळ्
3. തീയൽ, അവിയൽ, സാമ്പാർ, പായസം, കിച്ചടി, തോരൻ
तीयल्, अवियल्, सांम्पार्, पायसम् किच्चडि, तोरन्
4. ഉണ്ണിയപ്പം, നെയ്യപ്പം, മുന്തിരിക്കൊത്ത്, മകൾ, അച്ചപ്പം
उण्णियप्पम्, नॅय्यप्पम्, मुन्तिरिकोत्तं, मकळ्, अच्चप्पम्
5. ഒന്ന്, രണ്ട്, പത്ത്, അഞ്ച്, എട്ടാം, ആറ്
ऑन्त्रं रण्ड्ं पत्तं अंचं, ऍट्टाम्, आरं

III .मलयाळम् में अनुवाद कीजिए ।

शमनकुट्टी के घर में जन्मदिन की दावत थी ।वहाँ उसके दस मित्र थे । मैं भी वहाँ था। शमनकुट्टी के घर की दावत मेरेलिए एक नया अनुभव था। मुझे यह दावत बहुत अच्छी लगी।अब मैं आपको बताऊँगा कि मलयाळी दावत कैसी है ?

दावत केलिए मलयाळियों को ढेर सारी तरकारियाँ और अचार चाहिए । उन्हें दो तीन तरह की खीर भी चाहिए । खाना केले के पत्ते पर परोसा जाता है । शमनकुट्टी के घर पर आठ दस तरह की तरकारी और खीर थीं। मलयाळियों के भोजन कासाम्पार् भी एक अलग तरीका है। पहले चावल, दाल, पापड और घी चाहिए । फिर चावल और सांम्पार् । सभी तरकारियाँ पहले से ही केले के पत्तों पर परोस दी गयी होती है । सांम्पार् के बाद खीर और केला चाहिए । एक प्रकार की खीर पर्याप्त नहीं होती, दो या तीन चाहिए । पायसम् के बाद एक मिठाई (बोळी या मुन्दरिक्कोत्तं) होना चाहिए । इसके बाद उन्हें भात और पुळिश्शेरी चाहिए । पुळिश्शेरी के बाद इन्हें रसम चाहिए । अंत में एक विशेष प्रकार का मट्टर है जिसे "संभारम" कहते हैं । उसमें हरी मिर्च, धनिया पत्ति,अद्रक, करी पत्ति, नींबू की पत्ति आदि डाली जाती है ।

IV .उत्तर प्रदेश के खाने के बारे में मलयाळम में पाँच वाक्य लिखिए ।

टिप्पणियाँ

1. ഉണ്ട് (उण्ड्) ഇല്ല (इल्ल) വേണം (वेणम्) വേണ്ട (वेण्ड) മതി (मति) പോര (पोर) क्रिया रूप वाले वाक्यों का प्रयोग इस पाठ में हुआ है ।

उदा :

1. തോമസ് അമ്മാവൻ അകത്തുണ്ട്. थोमस मामा अन्दर है ।
   थोमस् अम्मावन् अकत्तुण्ड् ।
2. ഇവിടത്തെ കറികൾക്കൊന്നിനും വലിയ എരിവും പുളിയും ഇല്ല.
   इविडत्ते करिकळ्क्कॉन्निनुम् वलिय ऍरिवुम् पुळियुम् इल्ल ।
   'यहाँ की किसी भी सब्जी में तेज़ी और खट्टापन नहीं है ।'
3. എനിക്കു പായസം വേണം. मुझे खीर चाहिए
   ऍनिक्कु पायसम् वेणम् ।
4. ത്രിവേദിക്കു ചൂടു വെള്ളം വേണ്ട. त्रिवेदी को गरम पानी नहीं चाहिए ।
   त्रिवेदीक्कु चूडु वॅळ्ळम् वेण्ड ।
5. തോമസിനു തൈര് ഇത്ര മതി . थोमस को इतना दही काफ़ी है ।
   तोमसिनु तैरं इत्र मति ।
6. എനിക്ക് ഒരു ഗ്ലാസ് പായസം പോര. मुझे एक गिलास पायसम् काफ़ी नहीं है ।
   ऍनिक्कं ऑरु ग्लास् पायसम् पोर ।
7. എനിക്കു വയ്യ. मुझ से नहीं होता ।
   एनिक्कु वय्य ।

2. ഉണ്ട് (उण्ड्) उपस्थिति और मिलने की संभावना का बोध कराता है ഉണ്ട് (उण्ड्) वाक्यों में कर्ता के साथ -ക്കു (–क्कु) या -ഉ (–उ) संदर्भ के अनुसार जोडे जाते हैं । नहीं तो वाक्य 'में' -ഇൽ (–इल) विभक्तिवाला संज्ञा होना चाहिए । രവി വീട്ടിൽ ഉണ്ടോ? (जैसे रवि वीट्टिल् उण्डो?) 'क्या रवी घर पर है ।' ഉണ്ട് (उण्ड्) क्रिया का निषेधात्मक रूप (ഇല്ല इल्ल) है । ആണ് (आणं) और ഉണ്ട് (उण्ड)वाक्यों में अंतर है । हिन्दी में ऊपर के दोनों रूपों केलिए 'है' का प्रयोग होता है । मलयाळम में ആണ് (आणं) संज्ञाओं को ज़ोडने केलिए होता है और ഉണ്ട് (उण्ड्) का प्रयोग उपस्थिति और मिलने की संभावना के लिए किया जाता है । लेकिन कुछ वाक्य ऐसे हैं जिन में दोनों क्रिया रूपों का प्रयोग होता है ।

उदा :

എനിക്ക് ഇഷ്ടം ആണ്. मुझे पसन्द है ।
ऍनिक्कं इष्टम् आणं
എനിക്ക് ഇഷ്ടം ഉണ്ട്
ऍनिक्कं इष्टम् उण्ड्

4. വേണം (वेणम्) 'चाहिए' क्रिया आवश्यकता का बोध कराता है ।

5. മതി (मति) 'काफी' पर्याप्तता का बोध कराता है ।

6. വേണ്ട (वेण्ड) और പോര (पोर) क्रमश വേണം (वेणम्) तथा മതി (मति) के निषेधात्मक रूप हैं ।

7. വയ്യ (वय्य) अशक्तता या विसम्मति का बोध कराता है ।

8. ध्यान दें कि വേണം (वेणम), വേണ്ട (वेण्ड), മതി (मति) പോര (पोरा) वाक्यें में कर्ता के साथ -ക്ക് (-क्कं) या -ഉ (-उ) संदर्भानुसार जुडता है जैसे हिन्दी के 'चाहिए' वाक्यों में 'को' जुडता है ।

9. ऊपर के सभी वाक्यें में ഓ (ओ) या ഏ (ए) लगाकर उन्हें प्रश्नवाचक बनाया जा सकता है।

उदा :

1. രവി വീട്ടിൽ ഉണ്ടോ ? — क्या रवी घर पर है ?
   रवी वीट्टिल् उण्डो ?
2. രവി വീട്ടിൽ ഇല്ലേ ? — क्या रवी घर पर नहीं है ?
   रवि वीट्टिल् इल्ले ?
3. ത്രിവേദിക്കു പച്ചവെള്ളം വേണോ ? — क्या त्रिवेदी को ठंडा पानी चाहिए ?
   त्रिवेदीक्कु पच्चवॅळ्ळम् वेणो?
4. ത്രിവേദിക്കു പച്ചവെള്ളം വേണ്ടേ ? — क्या त्रिवेदी को ठंठा पानी नहीं चाहिए ?
   त्रिवेदीक्कं पच्चवॅळ्ळम् वेण्डे ?
5. നിനക്ക് ഒരു ഗ്ലാസ് പായസം മതിയോ ? — क्या तुम्हें एक ग्लास खीर काफ़ी है ?
   निनक्कॅ ऑरु ग्लास पायसम् मतियो ?
6. നിനക്ക് ഒരു ഗ്ലാസ് പായസം പോരേ ? — क्या तुम्हें एक ग्लास खीर काफी नहीं हैं ?
   निनक्कं ऑरु ग्लास पायसम् पोरे ?
7. നിങ്ങൾക്കു വയ്യേ ? — क्या तुम से नहीं होता ?
   निङ्ङळक्कु वय्ये ?

10. ഏ (ए) प्रत्यय बल का बोध भी कराता है जैसे

രാവിലെ മുതലേ കഥ പറച്ചിൽ ആണ്.

राविले मुतले कथ पऱच्चिल् आणं । सुबह से ही बातें कर रहे हैं ।

ऊपर के वाक्य में रेखांकित शब्द (മുതൽ) मुतल में -ഏ (-ए) प्रत्यय लगाया गया है। മുതൽ (मुतल) शब्द का प्रयोग यहाँ हिन्दी के 'से' प्रत्यय जैसे 'सुबह से' की तरह किया गया है। द्यान दें कि ऊपर दिए गए वाक्य का हिन्दी अनुवाद 'कर रहे हैं' क्रिया से किया गया है। लेकिन मलयाळम में केवल आणॅ क्रिया ही होती है। इस मलयाळम वाक्य का शब्दिक अर्थ सुबह से ही कहानी कहना है ।

11. മക്കൾ (मक्कळ्) बहुवचन रूप जो 'अपने बच्चों' का अर्थ केलिए प्रयोग करते हैं । കൾ (कळ्) प्रत्यय बहुवचन को बताना है ।

12. എടാ (एडा)तथा എടോ (एडो) शब्द स्वतंत्र शब्द हैं जिन का प्रयोग बहुत आत्मीय मित्रों कम आयुवालों और निम्न स्तर के लोगों को संबोधित करने केलिए किए जाते हैं ।

എടാ, രവീ, നീ എന്നെ കളിയാക്കണ്ട. रे, रवी तू मेरी हँसी मत उड़ा ।
ऍड़ा रवी, नी ऍन्ने कळियाक्कण्ड.

13. निम्न दो वाक्यों के अंतर पहचानिए ।

ഇത് കേരളത്തിന്റെ രീതിയാണ്. यह केरल की रीति है ।
इतॅ केरळत्तिन्डॅ रीतियाणं ।

ഈ രീതി കേരളത്തിന്റെതാണ്. यह रीति केरळ की ही है ।
ई रीति केरळत्तिन्डॅताणं ।

वाक्यों में बल देने केलिए जब सर्वनाम ഇത് (इत्) तथा അത് (अत्) के स्थान पर विषेषण ഈ (ई) तथा ആ (आ) का प्रयोग होता है तब संबधवाचक संज्ञा के साथ ഇത് (इत्) അത് अत् का ത് (त्) लगाया जाता है ।

പാഠം
पाठ 4

ചന്തയിലേക്ക്
चन्तयिलेक्क्

जन्मदिन की दावत

വർഗീസ് वर्गीस्	: രാമൻ കുട്ടീ, നിൽക്കെടോ അവിടെ. : रामन् कुट्टी निल्क्कॅडो अविडॅ । എവിടേക്കാ ഇത്ര ധൃതിയിൽ ऍविडेक्का इत्र धृतियिल् ഒരു പോക്ക് ओरु पोक्क् ?	रामनकुट्टी रुक जाओ वहाँ । इतनी तेज़ी से कहाँ जा रहे हो?
രാമൻകുട്ടി रामन् कुट्टि	: ചന്തയിലേക്ക്. ഒന്നുരണ്ട് : चन्तयिलेक्क्। ऑन्नुरण्ड् നേന്ത്രക്കുലവാങ്ങണം. രാവിലെ नेन्त्रक्कुल वाङ्ङणम्। राविलॅ അത്ര തിരക്ക് കാണില്ല. अत्र तिरक्क् काणिल्ल । പോരെങ്കിൽ വലിയ വെയിലും पोरेङ्किल् वलिय वेयिलुम् കാണില്ല. വേണമെങ്കിൽ താനും വാ. काणिल्ल । वेणमेङ्किल् तानुम् वा ।	बाज़ार की ओर। एक दो केले की धारी खरीदना है । सुबह होने के कारण अधिक भीड भी नहीं होगी। और अधिक गर्मी भी नहीं होगी । चाहिए तो तुम भी आओ ।
വർഗീസ് वर्गीसॅ	: ഒന്നു നിൽക്കണേ രാമൻകുട്ടീ. : ऑन्नु निल्क्कणे रामन् कुट्टी। എനിക്കും ചന്തയിൽ പോകണം. ऍनिक्कुम् चन्तयिल् पोकणम् । കുറേ സാധനങ്ങൾ വാങ്ങണം. कुऱे साधनङ्ङळ् वाङ्ङणम्। പിന്നെ ഇക്കൊല്ലം ഇവിടെ ചക്ക पिन्ने इक्कोल्लम् इविडे चक्क	रामनकुट्टी कृपया रुकिए । मुझे भी बाज़ार जाना हैं । कुछ चीज़ें खरीदनी हैं। इस साल तो कटहल कुछ अधिक हुआ है । कम से कम दस-बीस बेचना है। सब टोकरी में तैयार है । पाप्पच्चन् को टोकरी लेकर बाद में आने दो। हम आगे चलें । आओ ।

	കുറച്ചു കൂടുതലുണ്ട്. പത്തിരുപതെങ്കിലും	
	कुऱच्चॅ कूडुतलुण्ड् । पत्तिरुपतॅङ्किलुम्	
	വിൽക്കണം. ഒക്കെ കുട്ടയിൽ	
	विल्क्कणम्। ऑक्कॅ कुट्टयिल्	
	റെഡി ആണ്. പാപ്പച്ചൻ പിന്നെ	
	ऱॅडि आणं। पाप्पच्चन् पिन्नॅ	
	കുട്ടയും കൊണ്ട് പുറകേ വരട്ടെ.	
	कुट्टयुम् कोण्ड् पुऱके वरट्टॅ ।	
	നമുക്കു മുമ്പേ നടക്കാം. വരിൻ	
	नमुक्कु मुम्पे नडक्काम् । वरिन्।	
ജോണി	: അപ്പച്ചാ, ഞാനും കൂടെ വരട്ടോ ?	पिताजी क्या मैं भी साथ आऊँ?
जोणि	: अप्पच्चा ञानुम् कूडॅ वरट्टो ?	
വർഗീസ്	: വേണ്ട. നീ വരണ്ട. അടുത്തമാസം	तुम मत आना। अगले महीने में
वर्गिस्	: नी वरण्ड। अडुत्तमासम्	परीक्षा है न ?
	അല്ലേ പരീക്ഷ?	
	अल्ले परीक्ष?	
ജോണി	: പരീക്ഷയ്ക്ക് ഇനിയും ഒരു മാസം	पिताजी, परीक्षा केलिए अभी भी
जोणि	: परीक्षय्क्कं इनियुम् ऑरु मासम्	एक महीना शेष है ?
	ഉണ്ടല്ലോ അപ്പച്ചാ.	
	उण्डल्लो अप्पच्चा ।	
വർഗീസ്	: തർക്കുത്തരം പറയരുത്. നീ	तर्क-वितर्क मत करो। तुम मेरी बात
वर्गीस्	: तर्क्कुत्तरम् पऱयरुतॅ। नी	सुनो। रोज़ कम से कम पाँच घण्टे
	എന്റെ വാക്കു കേൾക്കണം.	पढना चाहिए। केवल खाना और
	ऍन्डॅ वाक्कु केळ्क्कणम्।	सोना पर्याप्त नहीं ।
	ദിവസവും അഞ്ചുമണിക്കൂറെങ്കിലും	
	दिवसवुम् अञ्चु मणिक्कूरॆङ्किलुम्	
	പഠിക്കണം. ഊണും	
	पठिक्कणम् । ऊणुम्	
	ഉറക്കവും മാത്രം പോര.	
	उऱक्कवुम् मात्रम् पोर ।	
രാമൻകുട്ടി	: അവനും കൂടെ വരട്ടെ വർഗീസ്.	वर्गीस, उसे भी साथ चलने दो।
रामन् कुट्टि	: अवनुम् कूडॅ वरट्टॅ वर्गीस्	बच्चों केलिए पढाई मात्र ही

	കുട്ടികൾക്കു പഠിത്തം മാത്രം कुट्टिकळ्क्कु पठित्तम् मात्रम् പോര. അവർ പല കാര്യങ്ങളും पोर । अवर् पल कार्यङ्ङळुम् കാണണം, കേൾക്കണം. काणणम्, केळ्क्कणम् । ലോകകാര്യങ്ങളെല്ലാം മനസ്സി लोककार्यङ्ङळेल्लाम् मनस्सि ലാക്കണം. അതാണ് ശരിയായ लाक्कणम्। अताण् शरियाय വിദ്യാഭ്യാസം. विद्याभ्यासम् ।	पर्याप्त नहीं है । अनेक कार्यों को देखना और सुनना चाहिए।संसार के सभी कार्यों को समझना चाहिए। यही सच्ची शिक्षा है ।
വർഗീസ് वर्गीस्	: പിന്നെ തനിക്ക് വേദാന്തമൊക്കെ : पिन्ने तनिक्क् वेदान्तमोक्कॅ പറയാം. എന്റെ പാട് എനിക്കല്ലേ परयाम् । ऍन्डॅ पाड् ऍनिक्कल्ले അറിയാവൂ ? എന്റെ മൂത്ത രണ്ട് अरियावू । ऍन्डॅ मूत्त रण्ड् മക്കളുടെ കാര്യം തനിക്കറിയില്ലേ. मक्कळुडॅ कार्यम् तनिक्करियिल्ले? ഇവൻ ഒരുത്തനെങ്കിലും പഠിക്കണം. इवन् ऑरुत्तनॅङ्किलुम् पठिक्कणम्। അതാണ് എന്റെ ആഗ്രഹം अताण् ऍन्डॅ आग्रहम् ।	आप सब कुछ कह सकते हैं। मेरी मुसीबत मैं ही जान सकता हूँ । मेरे दोनों बडे पुत्रों की बात क्या आप नहीं जानते। कम से कम इसे पढाना चाहिए। यही मेरी इच्छा है।
റോസമ്മ रोसम्म	: ഒന്നിങ്ങോട്ടു വരണേ. : ओन्निङ्ङोट्टु वरणे ।	ज़रा इधर आइए ।
വർഗീസ് वर्गीस्	: എന്തു വേണം റോസമ്മേ? : एन्तु वेणम् रोसम्मे ?। രാമുവിനു നേരമായി. വേഗം പറ रामुविवि नेरमायि । वेगम पर।	रोसम्मा, क्या चाहिए? रामू को देर हुई। जाने वाला है जल्दी बोलो ।
റോസമ്മ रोसम्म	: ചന്തയിൽ നിന്നു പച്ചക്കറി മാത്രം : चन्तयिल् निन्नु पच्चक्करि मात्रम् പോര. പരീതിന്റെ പലവ്യഞ്ജന पोर। परीतिन्डॅ पलव्यंजन	बाज़ार से सिर्फ हरी सब्जी नहीं चाहिए। परीत के जेनरल स्टोर्स से चावल और कुछ सामान लाना है ।

	ക്കടയിൽ നിന്ന് അരിയും കുറേ क्कडयिल निन्न् अरियुम् कुऱे സാധനങ്ങളുംകൂടി കൊണ്ടുവരണം. साधनङ्ङळुम् कूडि कॉण्डु वरणम् ।	
വർഗീസ് वर्गीस्	: എന്തൊക്കെ വേണം? പറയൂ. : ऍन्तॉक्कॅ वेणम्? पऱयू ।	बताओ क्या क्या चाहिए?
റോസമ്മ ऱोसम्म	: രണ്ടുകിലോ പരിപ്പ്, മുക്കാൽ : रण्ड् किलो परिप्प् , मुक्काल കിലോ കൊത്തമല്ലി, അരക്കിലോ किलो कोत्तमल्लि, अर क्किलो മുളക്, കാൽ കിലോ മഞ്ഞൾ मुळक् , काल किलो मञ्ञळ्, പിന്നെ നൂറുഗ്രാം വീതം കടുകും पिन्नॅ नूऱु ग्राम् वीतम् कडुकुम् ഉലുവയും. പണം ഉണ്ടെങ്കിൽ ഒരു उलुवयुम् । पणम् उण्डॅङ्किल् ऑरु കിലോ പഞ്ചസാരയും ഒരു കുപ്പി किलो पञ्चसारयुम् ऑरु कुप्पि നല്ലെണ്ണയും വാങ്ങണം. ഇത്രയേ नल्लेण्णयुम् वाङ्ङणम्। इत्रये വാങ്ങേണ്ടൂ. वाङ्ङेण्डू ।	दो किलो दाल,पौने किलो धनिया, आधा किलो मिर्च, एक पाँव हल्दी और सौ सौ ग्राम राई और मेथी। रुपया बचे तो एक किलो शक्कर और एक बोतल तिल का तेल भी खरीदना है। इतना मात्र चाहिए।
വർഗീസ് वर्गीस्	: ഹോ! ഇതു തന്നെ ഒരു നീണ്ട : हो ! इतु तन्ने ऑरु नीण्ड പട്ടികയാണല്ലോ. സാധനങ്ങൾക്ക് पट्टिकयाणल्लो । साधनङ्ङळ्क्क् തീ വിലയാണ്. എന്റെ ദൈവം ती विलयाण्। एन्डे दैवम् തമ്പുരാനേ, എന്നെ രക്ഷിക്കണേ, तम्बुराने ऍन्न् रक्षिक्कणे ।	अरे !यही एक लंबी सूची है।सामान बहूत महंगी हैं । हेईश्वर, मेरी रक्षा करो ।
റോസമ്മ ऱोसम्म	: ദേ, എന്റെ ലിസ്റ്റിലെ സാധനങ്ങൾ : दे, ऍन्डॅ लिस्टिले साधनङ्ङळ्	देखिए- मेरी सूची के किसी भी सामान को न भूलना। सभी अति

	ഒന്നും മറക്കരുത്. എല്ലാം	आवश्यक है ।
	ऑन्नुम् मऱक्करुक्कंत् । ऍल्लाम्	
	അത്യാവശ്യത്തിനാണ്	
	अत्यावश्यत्तिनाणं ।	
വർഗീസ്	: ശരി, ശരി. ഒരിക്കൽ കൂടി ആലോ	ठीक है, ठीक है। एक बार और
वर्गीस्	: शरि, शरि। ऑरिक्कल् कूडि आलो	सोच लो कि तुम्हें और कुछ
	ചിക്ക്. വേറെ എന്തെങ്കിലും	खरीदना है? खरीदना है तो कहो।
	चिक्कं, वेऱे एन्त्ॅकिलुम्	
	വാങ്ങിക്കാനുണ്ടോ ? വാങ്ങി	
	वाङ्ङिक्कानुण्डो ? वाङ्ङि	
	ക്കണമെങ്കിൽ പറ.	
	क्कणमेङ्किल् पऱ ।	
റോസമ്മ	: വേണ്ട. വേണ്ട.അത്രയേ വാങ്ങേണ്ടൂ..	नहीं, नहीं। उतना ही खरीदना है।
रोसम्म	: वेण्ड, वेण्ड। अत्रये वाङ्ङेण्डू ।	
രാമൻകുട്ടി	: ഞങ്ങളിറങ്ങട്ടെ റോസമ്മചേച്ചി .	रोसम्म दीदी हम लोग चलते हैं ।
रामन्कुट्टि	: ञङ्ङळिऱङ्ङट्टॅ रोसम्मच्चेच्ची।	फिर मिलेंगे ।
	പിന്നെ കാണാം.	
	पिन्नॅ काणाम् ।	

शब्दार्थ

ചന്ത चन्त	बाज़ार	ഉറക്കം उऱक्कम्	सोना, नींद
ധൃതി धृति	जल्दबाज़ी, तेज़ी	ലോകകാര്യം लोककार्यम्	संसार के कार्य
പോക്ക് पोक्कं	जाना	മനസ്സിലാക്കുക मनसिलाक्कुक	जानना
നേന്ത്രക്കുല नेन्त्रक्कुल	केले की धारी	വിദ്യാഭ്യാസം विद्याभ्यासम्	शिक्षा
വാങ്ങണം वाङ्ङणम्	खरीदना	ദിവസം दिवसम्	दिन

വാങ്ങുക वाङ्ङुक	खरीदना	വേദാന്തം वेदान्तम्	वेदान्त
രാവിലെ राविलॅ	सुबह	പാട് पाड्	कठिनाई
തിരക്ക് तिरक्कं	भीड़	മൂത്ത(മക്കൾ) मूत्त	बडे (बेटे)
വെയിൽ वेयिल्	धूप	ഇവൻ इवन्	यह (पुरुष)
താൻ तान्	तुम	ഒരുത്തൻ ऑरुत्तन्	एक आदमी
സാധനം साधनम्	चीज़, माल	ആഗ്രഹം आग्रहम्	इच्छा
ഇക്കൊല്ലം इक्कोल्लम्	इस साल	ഇങ്ങോട്ട് इङ्ङोट्टं	इधर की ओर
ചക്ക चक्क	कटहल	പച്ചക്കറി पच्चक्करि	सब्जी
കൂടുതൽ कूडुतल्	अधिक	പലവ്യഞ്ജനക്കട पलव्यञ्जनक्कड	चावल, मसाले आदि की दूकान
വിൽക്കുക विल्क्कुक	बेचना	അരി अरि	चावल
ഒക്കെ ऑक्कॅ	सब	മുക്കാൽ मुक्काल	पौना
പുറകേ पुऱके	पीछे	കൊത്തമല്ലി कोत्तमल्लि	धनिया
മുമ്പേ मुम्पे	आगे	അര अर	आधा
നടക്കുക नडक्कुक	चलना	മുളക് मुळक्	मिर्च
അപ്പച്ചൻ अप्पच्चन्	पिताजी	കാൽ काल्	चौथाई, पाँव

ഇനി इनि	अभी
തർക്കുത്തരം तर्कुत्तरम्	तर्क-वितर्क
വാക്ക് वाक्कं	बात
കേൾക്കുക केळ्क्कुक	सुनना
മണിക്കൂർ मणिक्कूर्	धंटा
പഞ്ചസാര पंञ्चसार	शक्कर
കുപ്പി कुप्पि	बोतल
നല്ലെണ്ണ नल्लॅण्ण	तिल का तेल
നീണ്ട नीण्ड	लंबी, लंबा. लंबे
പട്ടിക पट्टिक	सूची
തീവില तीविल	महंगे,अधिक दाग
ദൈവംതമ്പുരാൻ दैवम् तंपुरान्	ईश्र्वरर, भगवान
മഞ്ഞൾ मञ्ञळ्	हलदी
നൂറ് नूरं	सौ
കടുക് कडुकं	राई
ഉലുവ उलुव	मेथी
പണം पणम्	धन, पैसा
രക്ഷിക്കുക रक्षिक्कुक	रक्षा करना
മറക്കുക मऱक्कुक	भूलना
അത്യാവശ്യം अत्यावश्यम्	अवश्यकता
ഒരിക്കൽക്കൂടി ऑरिक्कलक्कूडि	एक बार भी
ആലോചിക്കുക आलोचिक्कुक	सोचना
എന്തെങ്കിലും एन्तॅङ्किलुम्	और

अभ्यास

I. कोष्ठक में दिए हुए शब्दों से वाक्यों का विस्तार कीजिए।

1. രവീ, നിൽക്ക്.
   रवी निल्क्कं ।
   (ഒന്ന്, അവിടെ)
   (ऑन्नं , अविडॅ)
2. നീ കേൾക്കണം.
   नी केळ्क्कणम् ।
   (എന്റെ വാക്ക്, ഇപ്പോൾ)
   (ऍन्डॅ वाक्कं, इप्पोळ्)

3. വാസു കൊണ്ടുവരട്ടെ. (കുട്ട, പുറകേ)
वासु कॉण्डुवरट्टॅ । (कुट्ट, पुऱके)
4. നിനക്ക് ഊണും ഉറക്കവും പോര. (മാത്രം, എന്നും)
निनक्कं ऊणुम् उऱक्कवुम् पोर । (मात्रम्, ऍन्नुम्)
5. കൊത്തമല്ലിയും മഞ്ഞളും വാങ്ങണം (ജീരകവും, ഉലുവയും)
कोत्तमल्लियुम् मञ्ञळुम् वाङ्ङणम् । (जीरकवुम्, उलुवयुम्)

II. वाक्यों में रेखांकित किए गए शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए हुए शब्दों का प्रयोग कर के वाक्य फिर से बनाइए ।

1. എനിക്കു ചന്തയിലേക്കു പോകണം. (വീട്ടിലേയ്ക്ക്)
ऍनिक्कु चन्तयिलेक्कु पोकणम् । (वीट्टिलेय्क्कॅ)
2. നമുക്കു ഗ്രാമത്തിൽ താമസിക്കാം. (അവർക്ക്)
नमुक्कु ग्रामत्तिल् तामसिक्काम् । (अवर् क्कॅ)
3. നീ അങ്ങനെ പറയരുത് . (ചെയ്യരുത്)
नी अङ्ङनॅ पऱयरुतॅ । (चॅय्यरुतं)
4. പരീക്ഷയ്ക്ക് ഇനിയും ഒരു മാസം ഉണ്ടല്ലോ? (ഇല്ലല്ലോ)
परीक्षय्क्कं इनियुम् ऑरु मासम् उण्डल्लो । (इल्लल्लो)
5. രമണിക്ക് ജയശ്രീയുടെ വർത്തമാനം കേൾക്കണം. (കേൾക്കണ്ട)
रमणिक्कं जयश्रीयुडॅ वर्त्तमानम् केळ्क्कणम् । (केळ्क्कण्ड)
6. വർഗീസിനു നേന്ത്രകുല വാങ്ങണം . (വിൽക്കണം)
वर्गीसीनु नेन्त्रक्कुल वाङ्ङणम् । (विल्क्कणम्)

III. प्रत्यय -ഓ (-ओ), या -ഏ (-ए) यथाप्रकार जोडकर निम्न कथनात्मक वाक्यों को प्रश्नात्मक वाक्य बनाइए ।

1. മല്ലികയ്ക്ക് ഒരു കഥാപുസ്തകം വാങ്ങണം. मल्लिकय्क्कं ऑरु कथापुस्तकम् वाङ्ङणम्।
2. അയാൾക്കു വീടു വിൽക്കണം. अयाळ्क्कं वीडं विल्क्कणम् ।
3. നമുക്കു ചന്തയിൽ പോകണ്ട . नमुक्कु चन्तयिल् पोकण्ड ।
4. അര മണിക്കൂറെങ്കിലും പഠിക്കണം. अर मणिक्कूरॅङ्किलुम् पठिक्कणम् ।
5. രാധയ്ക്കു വീട്ടിൽ പോകണ്ട. राधय्क्कु वीट्टिल् पोकण्ड ।

IV. അല്ല (अल्ल), ഇല്ല (इल्ल), വേണ്ട (वेण्ड), പോര (पोर) शब्दों का यथाप्रकार प्रयोग कर के निम्न कथनात्मक वाक्यों को निषेधात्मक बनाइए ।

1. എനിക്കു സ്വന്തം വീട് ഉണ്ട് . ऍनिक्कु स्वन्तम् वीड् उण्ड् ।
2. ഇപ്പോൾ സാധനങ്ങൾക്കു തീ വിലയാണ്. इप्पोळ् साधनङ्ङळ्क्कु ती विलयाणं ।

3. അദ്ദേഹത്തിന് ഒരു നേന്ത്രക്കുല മതി .	अद्देहत्तिन् ऑरु नेन्त्रक्कुल मति ।
4. ഈ കൊല്ലം ചക്ക കൂടുതൽ ഉണ്ട് .	ई कोल्लम् चक्क कूटुतल् उण्ड्।
5. നിങ്ങൾ അവരുടെ വാക്ക് കേൾക്കണം.	निङ्ङळ् अवरुडॅ वाक्क् केळ्क्कणम्।
6. അവൾ ഒരു മിടുമിടുക്കി ആണ്.	अवळ् ऑरु मिडुमिडुक्कि आण् ।
7. അവരെ നമ്മൾ രക്ഷിക്കണം .	अवरॅ नम्मळ् रक्षिक्कणम् ।
8. റോസമ്മയ്ക്ക് അരിയും പലവ്യഞ്ജനവും മാത്രം മതി .	ऱोसम्मय्क्क् अरियुम् पलव्यंजनवुम् मात्रम् मति ।
9. നമ്മൾ ലോകകാര്യങ്ങൾ മനസ്സിലാക്കണം.	नम्मळ् लोककार्यङ्ङळ् मनस्सिलाक्कणम्।
10. അവർക്കു വിദ്യാഭ്യാസം വേണം.	अवर्क्कु विद्याभ्यासम् वेणम् ।

V. निम्न वाक्यों में क्रियाओं के साथ അല്ലോ जोड़कर वाक्य बदलिए ।

1. റഹ് മാൻ എന്റെ കൂട്ടുകാരൻ ആണ്.	ऱह्मान् एन्डॅ कूट्टुकारन् आण् ।
2. ഇവിടെ ഇപ്പോൾ ആരും ഇല്ല.	इविडॅ इप्पोळ् आरुम् इल्ल ।
3. അച്ഛൻ വീട്ടിൽ ഉണ്ട് .	अच्छन् वीट्टिल् उण्ड् ।
4. നമുക്ക് ഒരുമിച്ച് ഉണ്ണാം.	नमुक्क् ऑरुमिच्च् उण्णाम् ।
5. ഇദ്ദേഹം എന്റെ അധ്യാപകൻ അല്ല .	इद्देहम् ऍन्डॅ अध्यापकन् अल्ल ।

VI. उदाहरण के अनुसार എങ്കിൽ(ऍङ्किल्) जोड़कर दिए हुए वाक्यों को मिलाइए ।

उदा :	പണം ഉണ്ട്. വാങ്ങണം .	पणम् उण्ड् । वाङ्ङणम् ।
	പണം ഉണ്ടെങ്കിൽ വാങ്ങണം.	पणम् उण्डेङ्किल् वाङ्ङणम् ।
	1. ഉപ്പ് കൂടുതൽ ഉണ്ട്. കഴിക്കണ്ട .	उप्प् कूडुतल् उण्ड् । कषिक्कण्ड।
	2. പുസ്തകം വേണം. പറ.	पुस्तकम् वेणम् । पऱ।
	3. വീട് വിൽക്കണം. വിൽക്ക്.	वीड् विल्क्कणम् । विल्क्क्।
	4. ചൂട് ഉണ്ട്. കുടിക്കണ്ട .	चूड् उण्ड्। कुडिक्कण्ड ।
	5. പണം ഇല്ല. വരണ്ട	पणम् इल्ल । वरण्ड ।

VII. दिए हुए क्रिया रूपों का अभ्यास कीजिए ।

പറയൂ	പറയണ്ട	പറയണം	പറയരുത്	പറയാം
पऱयू	पऱयण्ड	पऱयणम्	पऱयरुत्	पऱयाम्
ചെയ്യുക	ചെയ്യണ്ട	ചെയ്യണം	ചെയ്യരുത്	ചെയ്യാം
चेय्युक	चेय्यण्ड	चेय्यणम्	चेय्यरुत्	चेय्याम्
എഴുതൂ	എഴുതണ്ട	എഴുതണം	എഴുതരുത്	എഴുതാം.
ऍषुतू	ऍषुतण्ड	ऍषुतणम्	ऍषुतरुत्	ऍषुताम्

നടക്കൂ	നടക്കണ്ട	നടക്കണം	നടക്കരുത്	നടക്കാം
नडक्कू	नडक्कण्ड	नडक्कणम्	नडक्करुतं	नडक्काम्
ആലോചിക്കൂ	ആലോചിക്കണ്ട	ആലോചിക്കണം	ആലോചിക്കരുത്	
आलोचिक्कू	आलोचिक्कण्ड	आलोचिक्कणम्	आलोचिक्करुतं	
ആലോചിക്കാം				
आलोचिक्काम्				

VIII. कोष्ठक में दिए हुए हिन्दी शब्दों के मलयाळम् समानार्थक शब्दों का प्रयोग करके वाक्य पूरे कीजिए ।

1. ഇത് എന്റെ കൂട്ടുകാരുടെ നീണ്ട ഒരു ---------- ആണ് (सूची)
   इतॅ ऍन्डे कूट्टुकारुडे नीण्ड ओरु ------------ आणॅ ।
2. സാധനങ്ങൾ ഒന്നും ---------------. (नहीं है)
   साधनङ्ङळ् ओन्नुम् ----------------- ।
3. എന്റെ ---------- മകന്റെ കാര്യം നിനക്ക് അറിയാം (बडे)
   ऍन्डे ------- मकन्डे कार्यम् निनक्कॅ अऱियाम् ।
4. ചന്തയിൽ നിന്ന് -------------- മാത്രം പോര. (सब्जी)
   चन्तयिल् निन्नॅ ------ मात्रम् पोर ।
5. എന്തു വേണം ? --------------- പറ . (जल्दी)
   ऍन्तु वेणम् ? --------- पऱ ।
6. അതാണ് ശരിയായ -------------- . (शिक्षा)
   अताणॅ शरियाय ---------- ।
7. എനിക്ക് എല്ലാവരെയും ------------ . (देखना चाहिए)
   ऍनिक्कं ऍल्लावरॅयुम् ---- ---------- ।
8. നിനക്കു വേദാന്തം ഒക്കെ --------- (कह सकते हो)
   निनक्कु वेदान्तम् ऑक्कॅ ---------- ।
9. നിങ്ങൾ ഞങ്ങളുടെ ------------- വരിൻ. (पीछे से)
   निङ्ङळ् ञङ्ङळुडॅ ---------- वरिन् ।
10. നിങ്ങൾ -------- പരിപ്പും കൊണ്ടുവരണം. (घनिया तथा)
    निङ्ङळ् ---------- परिप्पुम् कॉण्डु वरणम् ।
11. ഇപ്പോൾ അത്ര വലിയ ---------ഇല്ല . (धूप)
    इप्पोळ् अत्र वलिय ---------- इल्ल ।
12. ഇതും നിങ്ങൾക്കു ---------? (बेचना है क्या?)
    इतुम् निङ्ङळक्कु ---------- ।

IX. अभ्यास कीजिए ।

उदा :-1	എവിടെ	+ ഓ	– എവിടെയോ	പോര	+	ഏ	–	പോരേ
	ऍविडॅ	+ ओ	- ऍविडॅयो	पोर	+	ए	-	पोरे
	രവി	+ ഉം	– രവിയും	മതി	+	ഓ	–	മതിയോ
	रवि	+ उम्	- रवियुम्	मति	+	ओ	-	मतियो
	അയാൾ	+ ഓ	– അയാളോ	വേണം	+	ഓ	–	വേണമോ, വേണോ
	अयाळ्	+ ओ	- अयाळो	वेणम्	+	ओ	-	वेणमो, वेणो

उदा :-2 തമ്പുരാൻ > തമ്പുരാനേ तम्पुरान् > तम्पुराने
വർഗീസ് > വർഗീസേ वर्गीस् > वर्गीसे
അമ്മ > അമ്മേ अम्म > अम्मे

उदा :-3 ആഗ്രഹം + ആണ് --> ആഗ്രഹമാണ് आग्रहम् + आणं --> आग्रहमाणं
നേരം + ആയി --> നേരമായി नेरम् + आयि --> नेरमायि
വേദാന്തം + ഒക്കെ --> വേദാന്തമൊക്കെ वेदान्तम् + ऑक्के -->वेदान्तमोक्कॅ
ഒരുത്തൻ + എങ്കിലും --> ഒരുത്തനെങ്കിലും ऑरुत्तन्+ऍङ्किलुम् --> ऑरुत्तनॅङ्किलुम्
എന്ത് + അല്ല --> എന്തല്ല ऍन्तं + अल्ल --> ऍन्तल्ल
അവിടെ + അല്ലേ --> അവിടെയല്ലേ अविडॅ + अल्ले --> अविडॅयल्ले

X. वार्तालाप के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. ചന്തയിൽ നിന്ന് രാമൻകുട്ടിക്ക് എന്തു വേണം ?
   चन्तयिल निन्नं रामनकुट्टिक्कं ऍन्तॅ वेणम् ?
2. ജോണി ആരുടെ മകൻ ആണ്?
   जोणि आरुडॅ मकन् आणं ?
3. ജോണിയുടെ പരീക്ഷയ്ക്ക് ഇനി എത്ര മാസം ഉണ്ട്?
   जोणियुडॅ परीक्षय्क्कं इनि ऍत्र मासम उण्डं ?
4. റോസമ്മയ്ക്കു പലവ്യഞ്ജനക്കടയിൽ നിന്ന് എന്തൊക്കെ വാങ്ങണം ?
   रोसम्मयक्कु पलव्यंजनक्कडयिल् निन्नं ऍन्तॉक्कॅ वाङ्ङणम् ?
5. ആരുടെ വീട്ടിൽ ചക്ക വിൽക്കാനുണ്ട് ?
   आरुडॅ वीट्टिल् चक्क विल् क्कानुडं ?

XI. उन शब्दों को चुन लीजिए जो बहुसंख्यक शब्दों के समूह के नहीं हैं ।

1. കൊത്തമല്ലി അരി ജീരകം മുളക് പുസ്തകം പരിപ്പ്
   कोत्तमल्लि अरि जीरकम् मुळक् पुस्तकम् परिप्प्
   ഉലുവ എങ്കിൽ പഞ്ചസാര മഞ്ഞൾ.
   उलुव ऍङ्किल् पञ्चसार मञ्ञळ् ।
2. പറയണം വരണം പോകണം എഴുതണം കേൾക്കണ്ട
   पऱयणम् वरणम् पोकणम् ऍषुतणम् केळ्क्कण्ड
   ഇരിക്കണം നിൽക്കണം വായിക്കണ്ട.
   इरिक्कणम् निल्क्कणम् वायिक्कण्ड ।
3. അറിയാം പറയാം നടക്കാം വായിക്കാം എഴുതട്ടെ
   अऱियाम् पऱयाम् नडक्काम् वायिक्काम् एषुतट्टे
   ഇരിക്കട്ടെ നിൽക്കാം സംസാരിക്കാം.
   इरिक्कट्टे निल्काम् संसारिक्काम् ।

पढिए और समझिए

ഒരു കൊച്ചു ദുഃഖം
ऑरु कॉच्चु दुःखम्

ഈ പൂക്കടയിൽ ഞാൻ ഇനി എത്രനേരം ഇങ്ങനെ കഴിയണം? എനിക്കു വയ്യ.
ई पूक्कडयिल् ञान् इनि ऍत्रनेरम् इङ्ङने कषियणम् ? ऍनिक्कु वय्य ।
ഇത് എന്തൊരു ക്രൂരത ആണ്. എനിക്ക് പൂന്തോട്ടത്തിലെ എന്റെ കൂട്ടുകാരെ എല്ലാം
इत् ऍन्तोरु क्रूरत आण् । ऍनिक्कॅ पून्तोट्टत्तिलॅ ऍन्ड॑ कूट्टुकारॅ ऍल्लाम्
കാണണം. അവരുടെ കൂടെ ചേരണം. അവിടെ എനിക്ക് എത്ര കൂട്ടുകാർ ഉണ്ടെ
काणणम् । अवरुडॅ कूडॅ चेरणम् । अविडॅ ऍनिक्क् ऍत्र कूट्टुकाऱ् उण्डे
ന്നോ? പനിനീർപ്പൂ, മുല്ല, ജമന്തി, തുളസി, ചെമ്പരത്തി അങ്ങനെ എത്രയോ പേർ.
न्नो ? पनिनीर् प्पू , मुल्ल, जमन्ति, तुळसि, चेम्बरत्ति अङ्ङनॅ ऍत्रयो पेर् ।
അവിടെ എന്റെ അമ്മയോടൊപ്പം എനിക്ക് ഒരുനാൾകൂടി കഴിയണം.പൂന്തോട്ടത്തിൽ
अविडे ऍन्डॅ अम्मयोडोप्पम् ऍनिक्क् ऑरुनाळ् कूडि कषियणम् । पून्तोट्टत्तिल्
എന്റെ അടുത്തു വരുന്നവരോടെല്ലാം എനിക്കു പുഞ്ചിരിക്കണം. അവരോടെല്ലാം
ऍन्डॅ अडुत्तु वरुन्नवरोडॅल्लाम् ऍनिक्कु पुञ्चिरिक्कणम् । अवरोडेल्लाम्
എനിക്കു കുശലം പറയണം. അവിടെ നിന്ന് ആരും എന്നെ പറിക്കരുത്. പക്ഷെ
ऍनिक्कु कुशलम् पऱयणम् । अविडॅ निन्न् आरुम् ऍन्नॅ परिक्करुत् । पक्षे
ഇനി അതെല്ലാം എനിക്ക് സ്വപ്നങ്ങൾ മാത്രം ആണ്.
इनि अतॅल्लाम् ऍनिक्क् स्वप्नङ्ङळ् मात्रम् आण् ।

ഞാൻ എന്തു ചെയ്യട്ടെ ! നോക്കൂ, ഈ വൃത്തി ഹീനമായ ചന്തയിൽ എന്തെല്ലാം
ञान् ऍन्तु चॅय्यट्टॅ । नोक्कू, ई वृत्ति हीनमाय चन्तयिल् ऍन्तेल्लाम्
സഹിക്കണം? ഇവിടെ സകല വൃത്തികേടുകളും ഉണ്ട്. അസഹ്യമായ ദുർഗന്ധം,
सहिक्कणम् ? इविडॅ सकल वृत्तिकेडुकळुम् उण्ड् । असह्यमाय दुर्गन्धम्,
ശബ്ദകോലാഹലങ്ങൾ, വിലപേശലുകൾ, ലാഭനഷ്ട ചർച്ചകൾ, പൂഴ്ത്തിവയ്പുകൾ
शब्द कोलाहलङ्ङळ्, विलपेशलुकळ्, लाभनष्ट चर्च्चकळ्, पूष़्तिवय्पुकळ्
അങ്ങനെ എല്ലാ മാലിന്യങ്ങളും ! ഇവിടെ എല്ലാ സാധനങ്ങളും വിൽക്കാനുണ്ട്. പഴ
अङ्ङनॅ ऍल्ला मालिन्यङ्ङळुम् ! इविडॅ ऍल्ला साधनङ्ङळुम् विल्क्कानुण्ड् । पष़
ങ്ങൾ,പച്ചക്കറികൾ,മത്സ്യങ്ങൾ,പലവ്യഞ്ജനങ്ങൾ അങ്ങനെ എന്തെല്ലാം. അവയുടെ
ङ्ङळ्, पच्चक्करिकळ्, मत्स्यङ्ङळ्, पलव्यंजनङ्ङळ् अङ्ङनॅ ऍन्तॅल्लाम् । अवयुडॅ
എല്ലാം കൂടെ ഈ ഞങ്ങളും. ഇവിടെ ആളുകൾക്ക് എല്ലാം കുറഞ്ഞ വിലയിൽ
एल्लाम् कूडॅ ई ञङ्ङळुम् । इविडॅ आळुकळ्क्क् एल्लाम् कुरञ्ञ विलयिल्
വാങ്ങണം. കച്ചവടക്കാർക്ക് കൂടിയ വിലയിൽ വിൽക്കണം. ഇവിടെ ആർക്കും
वाङ्ङणम् । कच्चवटक्कार्क्क् कूडिय विलयिल् विल्क्कणम् । इविडॅ आर् क्कुम्
ആരോടും സ്നേഹമോ കടപ്പാടോ ഒന്നും ഇല്ല.എല്ലാവരുംസ്വാർത്ഥമതികൾ. ഞങ്ങൾ
आरोडुम् स्नेहमो कडप्पाडो ऑन्नुम् इल्ल । ऍल्लावरुम् स्वार्थमतिकळ् । ञङ्ङळ्
ആരുടെയും സ്വന്തമല്ല. ഞങ്ങൾക്കും ഒന്നും സ്വന്തമായി ഇല്ല. ഏത് വണ്ടിനും ഏത്
आरुडॅयुम् स्वन्तमल्ल । ञङ्ङळ्क्कुम् ऑन्नुम् स्वन्तमायि इल्ल । एतॅ वण्डिनुम् एतॅ
ശലഭത്തിനും പൂന്തോട്ടത്തിൽ വരാം. എനിക്ക് അവിടെ പോകണം. എനിക്ക് അവ
शलभत्तिनुम् पून्तोट्टत्तिल् वराम् । एनिक्कॅ अविडॅ पोकणम् । ऍनिक्क् अव
രോടൊപ്പം സ്നേഹത്തിൽ ജീവിക്കണം. സന്തോഷമായി ജീവിക്കണം.
रोडोप्पम् स्नेहत्तिल् जीविक्कणम् । सन्तोषमायि जीविक्कणम् ।

शब्दार्थ

പൂക്കട पूक्कड	फूलों की दूकान	വൃത്തിഹീനം वृत्तिहीनम्	गंदा
ക്രൂരത क्रूरत	क्रूरता	സഹിക്കുക सहिक्कुक	सहन करना
പൂന്തോട്ടം पून्तोट्टम्	बगीचा, वाटिका	സകല सकल	सब
ചേരുക चेरुक	पहुँचना, शामिल होना	വൃത്തികേട് वृत्तिकेड्	गंदगी

പനിനീർ पनिनीर्	गुलाब
മുല്ല मुल्ल	चमेली
ജമന്തി जमन्ति	गुलदाऊदी
തുളസി तुळसि	तुलसी
ചെമ്പരത്തി चेंपरत्ति	जवाकुसुम फूल
പേർ पेर्	नाम
നാൾ नाळ्	दिन
വരുന്നവർ वरुन्नवर्	आने वाले
പുഞ്ചിരിക്കുക पुञ्चिरिक्कुक	मन्दहास करना
കുശലം कुशलम्	कुशल्
പറിക്കുക परिक्कुक	तोडना
സ്വപ്നം स्वप्नम्	स्वप्न
വണ്ട് वण्ड्	भ्रमर
ശലഭം शलभम्	तितली
ഒപ്പം ऑप्पम्	साथ
അസഹ്യം असह्यम्	असहनीय
ദുർഗന്ധം दुर् गन्धम्	दुर्गन्ध
ശബ്ദകോലാഹലം शब्द कोलाहलम्	शब्द कोलाहल
വിലപേശൽ विलपेशल	मोलभाव
പൂഴ്ത്തിവയ്പ്പ് पूष्तिवय्प्पं	छिपाकर रखना
മാലിന്യം मालिन्यम्	मालिन्य
വിൽപ്പന विल्प्पन	खरीदना
പഴം पषम्	केला, फल
കച്ചവടക്കാർ कच्चवडक्कार	व्यापारि
സ്നേഹം स्नेहम्	स्नेह प्रेम
കടപ്പാട് कड़प्पाड्	रहण का बोध
സ്വാർത്ഥമതി स्वार्थमति	स्वार्थि
സന്തോഷം संतोषम्	संतोष
ജീവിക്കുക जीविक्कुक	जीना

अभ्यास

I. सही कथनों को चुन लीजिए ।

1. ഒരു പൂവിന്റെ മനസ്സിലെ വിചാരങ്ങളാണ് ഇവ.
   ऑरु पूविन्डॅ मनस्सिलॅ विचारङ्ङळाण् इव ।
2. ഒരു കുട്ടിയുടെ സ്വപ്നമാണ് ഇത്.
   ऑरु कुट्टियुडॅ स्वप्नमाण् इत् ।
3. പൂക്കൾക്കു സ്വാർഥത ഉണ്ട്.
   पूक्कळ्क्क् स्वारथत उण्ड् ।
4. പൂവിന്റെ കൂട്ടുകാർ പൂന്തോട്ടത്തിലെ മറ്റു പൂക്കൾ ആണ്.
   पूविन्डॅ कूट्टुकार पून्तोट्टत्तिलॅ मऱ्ऱु पूक्कळ् आण् ।
5. പൂവ് ഇപ്പോൾ ഒരു നല്ല പൂന്തോട്ടത്തിൽ ആണ്.
   पूव् इप्पोळ् ओरु नल्ल पून्तोट्टत्तिल् आण् ।
6. ചന്തയിൽ ദുർഗന്ധവും ശബ്ദകോലാഹലവും ഇല്ല .
   चन्तयिल् दुऱ्गन्धवुम् शब्द कोलाहलवुम् इल्ल ।
7. പൂക്കൾക്ക് ഒന്നും സ്വന്തമായി ഇല്ല.
   पूक्कळ्क्क् ऑन्नुम् स्वन्तमायि इल्ल ।
8. പൂക്കൾക്ക് എല്ലാവരുമായി സ്നേഹത്തിൽ ജീവിക്കണം.
   पूक्कळ्क्क् ऍल्लावरुमायि स्नेहत्तिल् जीविक्कणम् ।
9. ചന്തയിൽ ലാഭ നഷ്ടത്തെപ്പറ്റിയുള്ള ചർച്ചകൾ കേൾക്കാം.
   चन्तयिल् लाभ नष्टत्तेप्परिरयुळ्ळ चऱ्च्चकळ् केळ्क्काम् ।
10. ചന്തയിൽ എല്ലാവർക്കും എല്ലാവരോടും കടപ്പാട് ഉണ്ട്.
    चन्तयिल् ऍल्लावऱक्कुम् ऍल्लावरोडुम् कडप्पाड् अण्ड् ।

II. उदाहरण के अनुसार उचित रीती मे साथ साथ जानेवाले पाँच शब्द जोडियाँ बनाइए ।

उदा :- പൂവ് - തേൻ
पूव् - तेन्

കച്ചവടം	ഗ്രാമം	പൂന്തോട്ടം	അധ്യാപകൻ	വിദ്യാലയം
कच्चवडम्	ग्रामम्	पून्तोट्टम्	अध्यापकन्	विद्यालयम्
വീട്	ചന്ത	അക്ഷരം	പുസ്തകം	മരം
वीड्	चन्त	अक्षरम्	पुस्तकम्	मरम्

III. मलयाळम् में अनुवाद कीजिए ।

मधु और वासु छोटे बच्चे हैं। वे साथ साथ स्कूल जाना चाहते हैं, साथ साथ पढना चाहते हैं, और खेलना चाहते हैं । दोनों हमेशा अपने माँ बाप से सभी चीज़ों के बारे में प्रश्न पूछना चाहते हैं । मधु के बाप एक अध्यापक हैं और वासु के बाप एक व्यापारी हैं। दोनों बच्चों को स्कूल के बारे में, पुस्तकों के बारे में, बाज़ार के बारे में, सब्जियों के बारे में और फूलों के बारे में बहुत प्रश्न करना है । वे हमेशा प्रश्न पूछना चाहते हैं । वे जानवरों के बारे में कहानियाँ सुनना चाहते हैं । फूलों के बारे में गाना सुनना चाहते हैं। लेकिन इनके बाप इनसे हमेशा बातचीत करना नहीं चाहते हैं । उनके अपने काम होते हैं । लेकिन माँ-बाप यही चाहते हैं कि बच्चे पढें, खायें और सोयें ।

IV. रिक्त स्यानों केलिए उपयुक्त शब्द चुनकर अनुच्छेद पूरा कीजिए ।

പൂവ്	എല്ലാം	വേണ്ട	ആണ്	എരിവ്	മധുരം
पूवं	ऍल्लाम्	वेण्ड	आणं	एरिवं	मधुरम्
കുടിക്കണം	സാമ്പാറും	തലമുടിയിൽ			
कुडिक्कणम्	साम्पारुम्	तलमुडियिल्			

കവിതയ്ക്കു ചോറും ചപ്പാത്തിയും ഇഷ്ടം ------------- കൂട്ടാനുകൾ
कवितय्क्कु चोरुम् चप्पात्तियुम् इष्टम् -----------------। कूट्टानुकळ्
--------- വളരെ ഇഷ്ടം ആണ്. കാരറ്റിന്റെ മധുരം അവൾക്ക് ------------.
------------- वळरॅ इष्टम् आणं। कारर्रिन्डॅ मधुरम् अवळ्क्कं ------------------।
പാവയ്ക്കയുടെ ----------ഇഷ്ടം ആണ്. മുളകിന്റെ -------- ഇഷ്ടം അല്ല.
पावय्क्कयुडॅ -------------- इष्टम् आणं । मुळकिन्डॅ ------------ इष्टम् अल्ल।
അവൾക്ക് ജീരകവെള്ളം --------, പച്ചവെള്ളം --------. പൂക്കളിൽ റോസയും
अवळ्क्कं जीरकवॅळ्ळम् -----------, पच्चवॅळ्ळम् ---------- -। पूक्कळिल् रोसयुम्
-------- അവൾക്ക് ഇഷ്ടം ആണ്. എന്നും അവൾക്ക് ഒരു--------വേണം.
----------- अवळ्क्कं इष्टम् आणं । ऍन्नुम् अवळ्क्कं ऑरु ---------- वेणम् ।
അവൾക്ക് --------- വയ്ക്കണം .
अवळ्क्कं ------------ वय्क्कणम् ।

टिप्पणियाँ

1. इस पाठ में പോകണം (पोकणम्) 'जाना चाहिए, जाना है' പോകണ്ട (पोकण्ड़) 'नहीं जाना चाहिए', जाना नहीं है',പോകണേ (पोकणे) 'दया कर के जाइये', പോകരുത് (पोकरुतं)'मत जाना' जैसे किया रूपवाले वाक्यों का परिचय दिया गया है । ये वाक्य इच्छा, अनिवार्यता, बाध्यता, निश्चित आदेश, निश्चित तथा नम्र प्रार्थना का बोध कराते हैं ।

उदा :

1. എനിക്കു ചന്തയിൽ പോകണം — मुझे मार्केट जाना चाहिए ।
ऍनिक्कु चन्तयिल् पोकणम् ।

2. എനിക്കു വേറെ ഒന്നും വാങ്ങണ്ട. — मुझे और कुछ नहीं लेना चाहिए ।
ऍनिक्कु वेऱे ऑन्नुमं वाङ्ङण्ड ।

3. നീ എന്റെ വാക്കു കേൾക്കണം — .तुझे मेरी बात सुनना चाहिए ।
नी ऍन्डॅ वाक्कु केळ्क्कणम् ।

4. നീ തർക്കുത്തരം പറയരുത്. — तू तर्क वितर्क मत करो ।
नी तर्क्कुत्तरम् पऱयरुतं ।

5. തമ്പുരാനേ, എന്നെ രക്ഷിക്കണേ. — हे भगवान, मेरी सहायता कर ।
तम्पुराने, ऍन्नॅ रक्षिक्कणे ।

6. എന്റെ ലിസ്റ്റിലെ സാധനങ്ങൾ ഒന്നും മറക്കരുതേ — दया कर के मेरे लिस्ट की चीज़ें मत भूलिए ।
ऍन्डॅ लिस्टिलॅ साधनङ्ङळ्
ऑन्नुम् मऱक्करुते ।

2. कृपया ध्यान दें कि जब कर्ता की इच्छा, बाध्यता, अनिवार्यता को प्रकट किया जाता है जैसा कि उदाहरण (1) और (2) में दिखाया गया है। कर्ता के साथ -ക്ക് (-क्कं) या -ഉ (-उ) प्रत्यय लगाया जाता है जैसे हिन्दी में 'को' । ऊपर लिखी गयी क्रियाएँ निम्न प्रकार बनाई जाती है ।

എനിക്കു പോകണം — मुझे जाना चाहिए ।
एनिक्कु पोकणम्

എനിക്കു പോകണ്ട — मुझे नहीं जाना चाहिए ।
एनिक्कु पोकण्ड

തോമസിനു വരണം — थोमस को आना चाहिए ।
थोमसिनु वरणम्

തോമസിനു വരണ്ട — थोमस को नहीं आना चाहिए ।
थोमसिनु वरण्ड

പോകണം (पोकणम्) क्रिया रूप പോക് (पोक्) +-അണം (-अणम्) तथा പോകണ്ട (पोकण्ड) क्रियारूप പോക് (पोक् + -അണ്ട (-अण्ड) जैसे बनाया है ।

3. जब किसी भी व्यक्ति को निश्चित आदेश दिया जाता है तो - ക്കു (-क्कु) या -ഉ(-उ) प्रत्यय लगाने की ज़रूप्त नहीं होती । उदाहरण वाक्य (3) और (4).देखिए ।

4. जब किसी व्यक्ति को निषेधात्मक आदेश दिया जाता है जैसे उदाहरण (4) में है,-അരുത് (-अरुतं) क्रिया रूपों का प्रयोग होता है और कर्ता में कोई विभक्ति नहीं लगती ।

5. जब निखितार्थक पिधि में नम्र प्रार्थना का भाव होता है तो क्रिया के रूप उदाहरण (5) और की तरह होते हैं 1 - അണം (-अणम्) അരുത് –ഏ (-ए) क्रिया रूपों में, का प्रत्यय लगाना है और -അണം (–अणम्) क्रिया रूपों का अंतिम -മ് (–म्) का लोप होता है ।

രക്ഷിക്കണം	-	രക്ഷിക്കണേ	മറക്കരുത്	-	മറക്കരുതേ
रक्षिक्कणम्	-	रक्षिक्कणे	मऱक्करुत्	-	मऱक्करुते

6. नीचे दिये गये वाक्यों को पढिए ।

1. എന്റെ പാട് എനിക്കേ അറിയാവൂ — अपनी कठिनाई मैं ही जानता हूँ ।
   ऍन्डे पाडॅ एनिक्के अऱियावू ।
2. ഇത്രയേ വേണ്ടൂ — केवल इतना ही चाहिए ।
   इत्रये वेण्डू ।

जब वाक्यों में बल देना होता है तो किसी भी शब्द के साथ -ഏ (-ए) लगाया जाता है और क्रिया के साथ - ഊ (–ऊ) प्रत्यय लगाया जाता है। इस से बल और प्रतिबद्धता का बोध होता है । देखिए कि അറിയാം (अऱियाम्) क्रियारूप -ഊ (-ऊ) लगाने पर അറിയാവൂ (अऱियावू) हो जाता है और വേണ്ട क्रियारूप വേണ്ടൂ बन जाता है ।

7. എന്റെ മൂത്ത രണ്ടു മക്കളുടെ കാര്യം തനിക്ക് അറിയില്ലേ ?
ऍन्डॅ मूत्त रण्डु मक्कळुडॅ कार्यम् तनिक्कं अऱियिल्ले ?

मेरे बडे दोनों पुत्रों की बात क्या आप नहीं जानते ? इस वाक्य में തനിക്ക് (तनिक्कं) शब्द पर ध्यान दें । यह शब्द താൻ (तान्) सर्वनाम से बना है । इस का प्रयोग मध्यम पुरुष एक वचन केलिए होता है और आदर सूचक क्रम में यह നീ (नी) और നിങ്ങൾ (निङ्ङळ्) के बीच में आता है ।

8. പണം ഉണ്ടെങ്കിൽ ഒരു കിലോ പഞ്ചസാരയും വാങ്ങണം
पणम् उण्डेंङ्किल् ऑरु किलो पंञ्चसारयुम् वाङ्ङणम् ।

पैसा है तो एक किलो शक्कर भी खरीदना चाहिए । इस वाक्य में എങ്കിൽ (ऍङ्किल्) शब्द ഉണ്ട് (उण्डं) क्रियारूप से लगाया है । इस से हेतुमत का बोध होता है ।

9. കുട്ടികൾ (कुट्टिकळ्) സാധനങ്ങൾ साधनङ्ङळ् (चीज़ें) കാര്യങ്ങൾ (कार्यङ्ङळ्) बहुवचन संज्ञाएँ है ।

1. बहुवचन प्रत्यय -കൾ (–कळ्) साधारणतः - ഇ (–इ) तथा -അ (–अ) कारांत संज्ञाओं के साथ जुड़ती है ।

കുട്ടി	-	കുട്ടികൾ	'बच्चे'	മേശ मेज़'	-	മേശകൾ	'मेज़'
कुट्टि	-	कुट्टिकळ्		मेश	-	मेशकळ्	

2. जब -അം (-अम्) से अंत होनेवाले शब्दों में -കൾ (-कळ्) लगाता है तो -മ് (-म्) तथा -കൾ (-कळ्) 'का' क दोनों -ങ്ങൾ (-ङ्ङळ्) बन जाता है ।

സാധനം	-	സാധനങ്ങൾ	ഗ്രാമം	-	ഗ്രാമങ്ങൾ
साधनम्	-	साधनङ्ङळ्	ग्रामम्	-	ग्रामङ्ङळ्

10. नीचे दिए गए संधि नियम पर भी ध्यान दीजिये । जब -അം (-अम्) से अंत होनेवाले संज्ञा शब्दों में -ഉം (-उम्)ेसमुच्चय बोधक या बल बोधक) लगाया जाता है तो -മ് (-म्) का लोप हो जाता है और -വ- (-व-) का आगम हो जाता है ।

ഗ്രാമം	+	-ഉം	-	ഗ്രാമവും
ग्रामम्	+	-उम्	-	ग्रामवुम्

പാഠം 5
पाठ 5

വാടകവീട്
वाडकवीड्

किराये का घर

പ്രസാദ് प्रसादॅ	: നിർമല സദനം എന്നൊരു : निर्मल सदनम् ऍन्नॉरु വീടറിയാമോ ?ഇവിടെ वीडरियामो? इविडॅ അടുത്ത് എവിടെയോ ആണ്. अडुत्तं ऍविडॅयो आणं ।	क्या निर्मल सदनम् नामक एक घर जानते हो ? यहाँ पास में कही है।
കടക്കാരൻ कडक्कारन् (दुकानदार)	: സാറിന് ആരെ : सारिन् आरॅ കാണണമായിരുന്നു? ആരുടെ काणणमायिरुन्नु ? आरुडॅ വീടാണത്? वीडाणतं ?	श्रीमानजी आप को किससे मिलना है ? वह किसका घर है ?
പ്രസാദ് प्रसादॅ	: എന്റെ ഒരു കൂട്ടുകാരന്റേതാണ്. : ऍन्डॅ ऑरु कूट्टुकारन्डॅताणं । സഹകരണബാങ്കിൽ ആണ് सहकरणबाङ्किल् आणं । അദ്ദേഹത്തിനു ജോലി. अद्देहत्तिनु जोलि । പേര്, കെ.പി.രാമകൃഷ്ണൻ നായർ. पेरं, के.पि. रामकृष्णन् नायर् ।	मेरे एक दोस्त का है । उनकी नौकरी सहकारी बैंक में है । नाम के.पी रामकृष्णन् नायर ।
കടക്കാരൻ कडक्कारन् (दुकानदार)	: അങ്ങനെ പറയണം സാറേ. : अङ्ङने परयणम् सारे । രാമകൃഷ്ണൻ സാറിനെ എനിക്ക് रामकृष्णन् सारिनॅ ऍनिक्कं	श्रीमानजी वैसे कहिए। रामकृष्णन जी को मैं अच्छी तरह जानता हूँ। मेरे बडे भाई और वे सहपाठी थे।

		നന്നായി അറിയാം. എന്റെ ചേട്ടനും नन्नायि अऱियाम् । ऍन्ड॒ चेट्टनुम् അദ്ദേഹവും സഹപാഠികളായിരുന്നു. अद्देहवुम् सहपाठिकळायिरुन्नु । അന്നൊക്കെ സാറിന്റെ വീട്ടുകാരുടെ अन्नॉक्कॅ सारिन्ड॒ वीट्टुकारुडॆ താമസം ആ തയ്യൽക്കടയുടെ तामसम् आ तय्यल्क्कडयुडॆ അടുത്തുള്ള വീട്ടിൽ ആയിരുന്നു. अडुत्तुळ्ळ वीट्टिल् आयिरुन्नु । അതിരിക്കട്ടെ. നിങ്ങൾക്ക് अतिरिक्कट्टॆ निङ्ङळ्क्क् രാമകൃഷ്ണൻനായർ സാറിനെ रामकृष्णन् नायर् सारिनॆ എങ്ങനെയാണ് പരിചയം? ऍङ्ङनॆयाणं परिचयम् ?	उन दिनों उनके घरवालेउस सिलाई की दूकान के पासवाले घर में रहते थे। छोडिए। आपका रामकृष्णन् जी से किस प्रकार परिचिय है ?
പ്രസാദ് प्रसाद॒	:	എനിക്കും രാമകൃഷ്ണന്റെ ऍनिक्कुम् रामकृष्णन्ड॒ ബാങ്കിൽ ആണ് ജോലി. കഴിഞ്ഞ बाङ्किल् आणं जोलि। कषिञ्ञ ആഴ്ചമുഴുവൻ അയാൾ അവധിയിൽ आष्च मुषुवन् अयाळ् अवधियिल् ആയിരുന്നു. എനിക്ക് അയാളോട് आयिरुन्नु । ऍनिक्कं अयाळोडं ഒരു കാര്യം പറയാനുണ്ടായിരുന്നു. ऑरु कार्यम् परयानुण्डायिरुन्नु । രാമകൃഷ്ണന്റെ ഇപ്പോഴത്തെ വീട് रामकृष्णन्ड॒ इप्पोळत्तॅ वीडं എവിടെയാണ്? ഒന്ന് പറഞ്ഞു തരൂ. ऍविडेयाणं ? ऑन्नॅ परञ्ञु तरू ।	मेरी नौकरी भी रामकृष्णन् के बैंक में है । पिछले पूरे हफ्ते वे छुट्ठी पर थे । मुझे उनसे कुछ काम था। कृपया बताइए कि अब वे कहाँ रहते हैं?

കടക്കാരൻ
कडक्कारन्
(दुकानदार)

: ഇവിടുന്ന് ഉദ്ദേശം ഒരു
: इविडुन्नं उद्देशम् ऑरु
കിലോമീറ്റർ ദൂരെയാണ്.
किलोमीटर दूरॅयाणं ।
സ്വല്പ്പസമയം മുമ്പു വരെ എന്റെ
स्वल्पसमयम् मुन्पु वरॅ ऍन्डॅ
വണ്ടി ഇവിടെ ഉണ്ടായിരുന്നു.
वण्डि इविडॅ उण्डायिरुन्नु ।

यहाँ से करीब एक किलोमीटर दूर है। अभी कुछ देर पहले तक मेरी गाडी यहाँ थी ।

പ്രസാദ്
प्रसादॅ

: സാരമില്ല. ഒരു കിലോമീറ്റർ ദൂരം
: सारमिल्ल। ऑरु किलोमीटर दूरम्
അല്ലേ ഉള്ളൂ?. എനിക്ക് നടക്കാൻ
अल्ले ऊळ्ळू। ऍनिक्कं नडक्कान्
ഒരു പ്രയാസവും ഇല്ല.രാമകൃഷ്ണന്റെ
ऑरु प्रयासवुम् इल्ल। रामकृष्णान्डॅ
വീട്ടിലേക്ക് ഏതുവഴി പോകണം?
वीट्टिलेय्क्कं एतुवषि पोकणम्?
അതൊന്ന് വ്യക്തമായി പറയൂ.
अतॉन्नं व्यक्तमायि पऱयू ।
ഞാൻ ഇവിടത്തുകാരൻ അല്ല.
ञान् इवीडत्तुकारन् अल्ल ।
ഇവിടത്തെ വഴികളൊന്നും എനിക്ക്
इविडत्तॅ वषिकळोन्नुम् ऍनिक्कं
അറിയാൻ വയ്യ.
अऱियान् वय्य ।

कोई बात नहीं । केवल एक ही किलोमीटर दूर है न । चलना मेरे लिए कोई मुश्किल नहीं।रामकृष्णन के घर पाने केलिए किधर से जाना है ? मैं यहाँ का नही हूँ । यहाँ के रास्ते भी मैं नहीं जानता हूँ ।

കടക്കാരൻ
कडक्कारन्
(दुकानदार)

: അതു ശരി. എന്തായാലും സാർ
: अतु शरि। ऍन्तायालुम् सार
പേടിക്കണ്ട. ഞാൻ കൂടെ വരാം.
पेडिक्कण्ड। ञान् कूडॅ वराम्।
അതുവരെ കട നോക്കാൻ മകനുണ്ട്.
अतु वरॅ कड नोक्कान् मकनुण्डं ।

ठीक है । जो भी हो । आप मत घबराइए । मैं भी साथ आ रहा हूँ। तब तक दूकान में मेरा बेटा रहेगा। बेटा,दूकान को अच्छी तरह देखना ।

	മോനേ, കടയൊക്കെ ഭംഗിയായി मोने कडयॉक्कॅ भंगियायि സൂക്ഷിക്കണേ. എല്ലായിടത്തും सूक्षिक्कणे। ऍल्लायिडत्तुम् ഒരു കണ്ണു വേണം. സാറു വരിൻ ऑरु कण्णु वेणम्। सारु वरिन्। നമുക്കു പോകാം नमुक्कु पोकाम्।	श्रीमान् जी आइए । हम लोग चलें।
പ്രസാദ് प्रसादॅ	: നിങ്ങളുടെ പേര്? : निङ्ङळुडॅ पेर्?	आपका नाम?
കടക്കാരൻ कडक्कारन्	: ഹമീദ്. സാറിന്റെതോ? : हमीद् । सारिन्डॅतो?	हमीद । आपका क्या है?
പ്രസാദ് प्रसादॅ	: ഹരിപ്രസാദ്. ഞാൻ മാവേലിക്കര : हरिप्रसाद्। ञान् मावेलिक्कर ക്കാരൻ ആണ്. ഹമീദേ, എനിക്കു क्कारन् आण्। हमीदे ऍनिक्कु താമസിക്കാൻ ഒരു വീടു വേണം. तामसिक्कान् ऑरु वीडु वेणम् । ഇവിടെ വാടക വീടു കിട്ടാൻ इविड़ॅ वाडक वीडु किट्टान പ്രയാസം ഉണ്ടോ? प्रयासम् उण्डो?	हरिप्रसाद । मैं मावेलिक्करा का निवासी हूँ। हमीद,मुझे रहने केलिए एक घर चाहिए।क्या यहाँ किराये पर मकान मिलने में कठिनाई है ?
ഹമീദ് हमीदॅ	: കുറച്ചുകാലം മുമ്പുവരെ വലിയ : कुऱच्चु कालम् मुन्पु वरॅ वलिय ബുദ്ധിമുട്ടില്ലായിരുന്നു. ഉടമസ്ഥർക്കു बुद्धिमुट्टिल्लायिरुन्नु। उडमस्थर्क्कु വാടകക്കാരെ വേണമായിരുന്നു. वाडकक्कारॅ वेणमायिरुन्नु। അതുകൊണ്ട് വാടകയും വളരെ अतुकोण्ड् वाडकयुम् वळरॅ കുറവായിരുന്നു. ഇപ്പോൾ കഥ നേരേ कुऱवायिरुन्नु। इप्पोळ् कथ नेरॅ	कुछ दिन पहले तक बडी कठिनाई नहीं थी। मकान मालिकों को किरायेदारों की ज़रूरत थी।इसलिए किराया भी बहुत कम था। अब तो कहानी उल्टी है।किराया तो बहुत। इस से भी ज़्यादा हो जाएगा अगलॆ साल में ।

മറിച്ച്. വാടകനിരക്ക് കൂടുതലാണ്.
मरिच्चं । वाडकनिरक्कं कूडुतलाणं ।
ഇതിലും മോശമായിരിക്കും
इतिलुम् मोशमायिरिक्कुम्
അടുത്തവർഷം
अडुत्तवर्षम् ।

പ്രസാദ് : എനിക്ക് അത്ര വലിയ വീടൊന്നും
प्रसादँ : ऍनिक्कं अत्र वलिय वीडॉन्नुम्
വേണ്ട. തനിയെ താമസിക്കാനാണ്.
वेण्ड । तनियॅ तामसिक्कानाणं।
ഭാര്യയും കുട്ടികളും ഒക്കെ
भार्ययुम् कुट्टिकळुम् ऑक्के
ആഗ്രയിലാണ്.എനിക്ക്.ഒരു മുറിയും
आग्रयिलाणं। ऍनिक्कं ऑरु मुरियुम्
ചെറിയ അടുക്കളയും വേണം.
चॅरिय अडुक्कळयुम् वेणम् ।
പിന്നെ കുളിക്കാനും മറ്റും നല്ല
पिन्नॆ कुळिक्कानुम् मर्रुमं नल्ल
സൗകര്യം ഉണ്ടായിരിക്കണം.
सौकर्यम् उण्डायिरिक्कणम्।
അത് എനിക്കു നിർബന്ധം ആണ്.
अतं ऍनिक्कु निर्बन्धम् आणं।
എന്താ അങ്ങനെ ഒരു ചെറിയ വീടു
ऍन्ता अङ्ङने ऑरु चेरिय वीडु
കിട്ടാൻ സാധ്യത ഇല്ലേ?
किट्टान् साध्यत इल्ले?

मेरेलिए उतना बडा मकान नहीं चाहिए। केवल मुझे रहना है।पत्नी और बच्चे आग्रा में हैं ।मेरेलिए एक कमरा और रसोईघर चाहिए। फिर नहाने आदि केलिए अच्छी सुविधा होनी चाहिए। वह मुझे ज़रूरत है । क्या इस प्रकार छोटा एक मकान मिलना संभव नहीं है?

ഹമീദ് : ഉടനെ കിട്ടാൻ സാധ്യത ഇല്ല.
हमीदँ : उडने किट्टान् साध्यत इल्ल ।
അന്വേഷിക്കണം. ഒരു രണ്ടാഴ്ച
अन्वेषिक्कणम्। ऑरु रण्डाषच
കഴിയട്ടെ
कषियट्टॅ ।

जल्दी मिलने की कोई संभावना नहीं है । दो हफ्ते लगेंगे ।

പ്രസാദ് प्रसादॅ	: രാമകൃഷ്ണൻ സാറിന്റെ, : रामकृष्णन् सारि़न्डॅ വീട്ടിൽ പോകാൻ നമുക്ക് वीट्टिल् पोकान् नमुक्क् ഏതു വഴിയേ തിരിയണം? एतु वषि़ये तिरियणम्?	रामकृष्णनजी के घर जाने केलिए किधर से जाना है ?
ഹമീദ് हमीदॅ	: വലത്തോട്ടു തിരിയണം.പിന്നെ वलत्तोट्टु तिरियणम्। पिन्नॆ ഇടത്തോട്ട് ഒരു വഴിയുണ്ട്. ആ इडत्तोट्टं ऑरु वषि़युण्ड् । आ വഴിയിലെ അവസാനത്തേതാണ് वषि़यिले अवसानत्तेताण् രാമകൃഷ്ണൻസാറിന്റെ വീട്. रामकृष्णन् सारि़न्डॅ वीड् । രാമകൃഷ്ണന്റെ അനിയൻ रामकृष्णन्डॅ अनियन् ഇവിടത്തെ പഞ്ചായത്ത് इविडत्तॅ पञ्जायत्त् പ്രസിഡന്റാണ്. സാറിനെ प्रसिडन्टाण् । सारि़ने സഹായിക്കാൻ അദ്ദേഹത്തിനു सहायिक्कान् अद्देहत्तिनु വലിയ സന്തോഷം ആയിരിക്കും वलिय सन्तोषम् आयिरिक्कुम् ।	दाहिने की ओर जाना है । बायी ओर एक गली है। उस गली के अन्त में रामकृष्णन् महोदय का घर है। रामकृष्णन् का छोटा भाई यहाँ की पंचायत का प्रधान है । उसे आपकी सहायता करने में बडा आनन्द होगा।

शब्दार्थ

വാടകവീട് वाडकवीड्	किराया घर	എങ്ങനെ ऍङ्ङनॅ	कैसा
എന്നൊരു ऍन्नोरु	जैसा एक	പരിചയം परिचयम्	परिचय
അടുത്ത് अडुत्त्	समीप, नज़दीक	കഴിഞ്ഞ कषि़ञ्ञ	पहले, बीता हुआ

സഹകരണം सहकरणम्	सहयोग	ആഴ്ച आष्च	हफता
അദ്ദേഹം अद्देहम्	वे	അവധി अवधि	छुट्टी
ജോലി जोलि	काम, नौकरी	ഉദ്ദേശം उद्देशम्	लगभग
ചേട്ടൻ चेट्टन्	बडा भाई	ദൂരെ दूरे	दूर से
സഹപാഠി सहपाठि	सहपाठी	സ്വല്പസമയം स्वल्प समयम्	कुछ समय
വീട്ടുകാർ वीट्टुकार	घर वाले	സ്വല്പം स्वल्पम्	कुछ
തയ്യൽക്കട तय्यल्क्कड	दर्जी की दूकान	സമയം समयम्	समय
വണ്ടി वण्डि	गाडी	വാടകക്കാർ वाडकक्कार	किरायेदार
ഉണ്ടായിരുന്നു उण्डायिरुन्नु	था	വാടക वाडक	किराया
സാരമില്ല सारमिल्ल	परवाह नहीं	കുറവ് कुऱवं	कम
പ്രയാസം प्रयासम्	तकलीफ	നേരെമറിച്ച് नेरॅनरिच्चं	उलटा
വഴി वषि	सड़क, पथ, रास्ता	വാടകനിരക്ക് वाटकनिरक्कं	किराये का घर
വ്യക്തം व्यक्तम्	साफ, स्पष्ट	മോശം मोशम्	बुरा
പേടിക്കുക पेडिक्कुक	डरना	വർഷം वर्षम्	वर्ष
അതുവരെ अतुवरॅ	अब तक	തനിയെ तनिये	अकेला
ഭംഗി भंगि	सौंदर्य	കുളിക്കുക कुळिक्कुक	नहाना

സൂക്ഷിക്കുക सूक्षिक्कुक	ख्याल करना, ध्यान देना	സൗകര്യം सौकर्यम्	सुविधा
കണ്ണ് कण्णॅ	आँख	നിർബന്ധം निर् बन्धम्	अनिवार्यता
കിട്ടുക किट्टुक	मिलना	എന്താ ऍन्ता	क्या
കുറച്ചുകാലം कुऱच्चुकालम्	कुछ समय	ചെറിയ चॆऱिय	छोटा
ബുദ്ധിമുട്ട് बुद्धिमुट्टं	तकलीफ	സാധ്യത साद्यता	संभावना
ഉടമസ്ഥർ उडमस्थर	मालिक	ഉടനെ उडनॅ	अभी, तत्काल
അന്വേഷിക്കുക अन्वेषिक्कुक	अन्वेषण करना	അവസാനം अवसानम्	अंतिम
തിരിയുക तिरियुक	मुडना	അനിയൻ अनियन्	छोटा भाई
വലത്ത് वलत्तं	दायाँ	സഹായിക്കുക सहायिक्कुक	मदद करना
ഇടത്ത് इडत्तं	बायों	സന്തോഷം संतोषम	संतोष

अभ्यास

I. कोष्ठक में दिए हुए शब्दों का उचितस्थान पर प्रयोग करके वाक्यों का विस्तार कीजिए।

उदा : എനിക്കു വേണമായിരുന്നു. (നല്ല, വാടകവീട്, ഒരു)
ऍनिक्कु वेणमायिरुन्नु । (नल्ल, वाडकवीड् , ऑरु)
എനിക്കു ഒരു നല്ല വാടകവീടു വേണമായിരുന്നു.
ऍनिक्कु ऑरु नल्ल वाडकवीडु वेणमायिरुन्नु ।

1. ലതികയ്ക്ക് അറിയാം (ഭാര്യ, മാഥുറിന്റെ, കണികയെ)
   लतिकय्क्कं अऱियाम् (भार्य, माथुऱिन्डॅ, कणिकयॅ)
2. അവരുടെ താമസം ആ വീട്ടിൽ (ചായക്കടയുടെ, ചെറിയ, അടുത്തുള്ള
   ആയിരുന്നു. (चायक्कडयुडे, चॅऱिय, अडुत्तुळ्ळ)
   अवरुडॅ तामसम् आ वीट्टिल् आयिरुन्नु ।

3. വർഗീസിനു പറയാനുണ്ടായിരുന്നു. (ഒരു, നിന്നോട്, കാര്യം)
वर्गीसिनु परयानुण्डायिरुन्नु (ऑरु, निन्नोड्, कार्यम्)
4. വണ്ടി ഉണ്ടായിരുന്നു . (അപ്പോൾ, ഇവിടെ, എന്റെ)
वण्डि उण्डायिरुन्नु । (अप्पोळ्, इविडॅ, ऍन्डॅ)
5. ഇവിടെ പ്രയാസം ഉണ്ടോ? (കിട്ടാൻ, നല്ല, പ്രാക്ടീസ്)
इविडॅ प्रयासम् उण्डो । (किट्टान्, नल्ल, प्राक्टीस्)

II. रेखाँकित शब्दों के बदले कोष्टक में दिए हुए शब्दों का प्रयोग करके वाक्य बनाइए।

1. ഈ കട എന്റെ കൂട്ടുകാരന്റേത് ആയിരുന്നു. (അച്ഛന്റേത്)
ई कड एन्डॅ कूट्टुकारन्डॅतृ आयिरुन्नु । (अच्छन्डेतृ)
2. എനിക്ക് അത്ര വലിയ വീടു വേണമായിരുന്നു. (വേണ്ടായിരുന്നു)
ऍनिक्क् अत्र वलिय वीडु वेणमायिरुन्नु । (वेण्डायिरुन्नु)
3. വീടു കിട്ടാൻ പ്രയാസം ഒന്നും ഇല്ല. (വാങ്ങാൻ)
वीडु किट्टान् प्रयासम् ऑन्नुम् इल्ल । (वाङ्ङान्)
4. കാര്യങ്ങൾ എന്തെങ്കിലും അറിയാൻ ഉണ്ടോ? (പറയാൻ)
कार्यङ्ङळ् ऍन्तॅङ्किलुम् अऱियान् उण्डो? (परयान्)
5. നിങ്ങൾക്ക് ആരെ വേണമായിരുന്നു. (കാണണമായിരുന്നു)
निङ्ङळ्क्क् आरॅ वेणमायिरुन्नु? । (काणणमायिरुन्नु)

III. उदाहरणों के अनुसार वाक्यों का विस्तार कीजिए ।

उदा : 1
എന്റെ ഭാര്യയ്ക്കു ഭുവനേശ്വറിൽ ആണ് ജോലി
ऍन्डॅ भार्यय्क्कु भुवनेस्वरिल् आण् जोलि ।
എന്റെ ഭാര്യയ്ക്കു ഭുവനേശ്വറിൽ ആയിരുന്നു ജോലി .
ऍन्डॅ भार्यय्क्कु भुवनेस्वरिल् आयिरुन्नु जोलि।

1. കറിക്ക് ഉപ്പു കൂടുതൽ ആണ്. करिक्क् उप्पु कूडुतल आण् ।
2. റഷീദിന്റെ കൂട്ടുകാരൻ അധ്യാപകൻ ആണ്. रषीदिन्डॅ कूट्टुकारन् अध्यापकन् आण्।
3. അയാളുടെ ചേട്ടൻ എന്റെ സഹപാഠി ആണ്. अयाळुडॅ चेट्टन् ऍन्डॅ सहपाठि आण्।
4. ഇതൊക്കെ എന്റേതാണ്. इतॉक्कॅ एन्डॅताण् ।

उदा : 2
അച്ഛനു വാതത്തിന്റെ ശല്യം ഉണ്ട്.
अच्छनु वातात्तिन्डॅ शल्यम् उण्ड्
അച്ഛനു വാതത്തിന്റെ ശല്യം ഉണ്ടായിരുന്നു.
अच्छनु वातत्तिन्डॅ शल्यम् उण्डायिरुन्नु ।

1. എന്റെ ഗ്രാമത്തിൽ ഒരു വായനശാല ഉണ്ട് .
ऍन्डॅ ग्रामत्तिल् ऑरु वायनशाल उण्ड्।

2. നമ്മളുടെ കൂട്ടുകാരിൽ പല നവസാക്ഷരരും ഉണ്ട് .
नम्मळुडॅ कूट्टुकारिल् पल नवसाक्षररुम् उण्ड् ।
3. അവൾക്കു രണ്ടു സഹോദരന്മാർ ഉണ്ട് .
अवळ्क्कु रण्डु सहोदरन्मार् उण्ड्।
4. വായനശാലയിൽ നല്ല പുസ്തകങ്ങൾ ഉണ്ട്.
वायनशालयिल् नल्ल पुस्तकङ्ङळ् उण्ड् ।
5. എല്ലാ കുട്ടികൾക്കും പേന ഉണ്ട് .
ऍल्ला कुट्टिकळ्क्कुम् पेन उण्ड्।

उदा : 3 എനിക്കു കഥ കേൾക്കണം.
ऍनिक्कु कथ केळ्क्कणम् ।
എനിക്കു കഥ കേൾക്കണമായിരുന്നു.
ऍनिक्कु कथ केळ्क्कणमायिरुन्नु ।

1. അയാൾക്കു നേന്ത്രക്കുല വാങ്ങണം.
अयाळ्क्कु नेन्त्रक्कुल वाङ्ङणम् ।
2. ജോണിക്കു പാഠങ്ങൾ പഠിക്കണം.
जोणिक्कु पाठङ्ङळ् पठिक्कणम् ।
3. റോസമ്മയ്ക്കു പലവ്യഞ്ജനം വാങ്ങണം.
ऱोसम्मय्क्कु पलव्यंजनम् वाङ्ङणम् ।
4 രാമൻ കുട്ടിക്കു ചന്തവരെ പോകണം .
रामन् कुट्टिक्कु चन्तवरॅ पोकणम् ।
5. റഷീദിനു സിനിമ കാണണം.
ऱषीदिनु सिनिम काणणम् ।
6. അവർക്കു വീടു വാങ്ങണം.
अवर्क्कु वीडु वाङ्ङणम् ।

उदा : 4 തോമസിനു ചന്തയിൽ പോകണ്ട. थोमसिनु चन्तयिल् पोकण्ड ।
തോമസിനു ചന്തയിൽ പോകണ്ടായിരുന്നു. थोमसिनु चन्तयिल् पोकण्डायिरुन्नु।

1. റഷീദിനു കടയിൽ പോകണ്ട. ऱषीदिनु कडयिल् पोकण्ड ।
2. ഹമീദിനു പല കാര്യങ്ങളും നോക്കണ്ട. हमीदिनु पल कार्यङ्ङलुम् नोक्कण्ड।
3. ഗോപിക്ക് ഒരു പുതിയ കഥ തുടങ്ങണ്ട. गोपिक्क् ऑरु पुतिय कथ तुडङ्ङण्ड।
4. ഇന്നു തന്നെ പായസം കുടിക്കണ്ട. इन्नु तन्नॅ पायसम् कुडिक्कण्ड।
5. അച്ഛനു വായനശാലയിൽ പോകണ്ട . अच्छनु वायनशालयिल् पोकण्ड ।

उदा : 5 അയാളുടെ താമസം ഗ്രാമത്തിൽ ആണ്.
अयाळुडॅ तामसम् ग्रामत्तिल् आण् ।

1. ഇപ്പോൾ വർഗീസ് ചന്തയിലാണ്.
इप्पोळ् वर्गीस् चन्तयिलाण् ।
2. വാസു അഞ്ചാം ക്ലാസിലാണ്.
वासु अञ्चाम् क्लासिलाण् ।
3. അയാളുടെ തയ്യൽക്കട അവിടെയാണ്.
अयाळुडे तय्यल्क्कड अविडेयाण्।
4. അയാൾക്കു പുതിയ പേന വേണം.
अयाळ्क्कु पुतिय पेन वेणम्।
5. അയാൾക്കു പുതിയ വീടു വേണ്ട.
अयाळ्क्कु पुतिय वीडु वेण्ड ।
6. സീതയ്ക്കു കവിത വായിക്കണം.
सीतय्क्कु कवित वायिक्कणम् ।

IV. उदाहरणों के अनुसार दिए हुए छे क्रिया रूपों से छे छे नए रूप बनाइए ।

उदा : പഠിക്കുക-	പഠിക്കണം	പഠിക്കണമായിരുന്നു	പഠിക്കണമായിരിക്കും
पठिक्कुक-	पठिक्कणम्	पठिक्कणमायीरुन्नु	पठिक्कणमायीरिक्कुम्
	പഠിക്കരുത്	പഠിക്കരുതായിരുന്നു	പഠിക്കരുതായിരിക്കും
	पठिक्करुतं	पठिक्करुतायिरुन्नु	पठिक्करुतायिरिक्कुम्

വരുക	പോകുക	നടക്കുക	എഴുതുക	പറയുക	സംസാരിക്കുക
वरुक	पोकुक	नडक्कुक	ऍषुतुक	पऱयुक	संसारिक्कुक

V. उदाहरंण के अनुसार वाक्य बदलिए ।

उदा : എന്നോടു പറയണം. — എന്നോടു പറയണേ.
ऍन्नोडु पऱयणम् । — ऍन्नोडु पऱयणे ।

1. ഞങ്ങളെ രക്ഷിക്കണം.
   ञङ्ङळॅ रक्षिक्कणम् ।
2. എല്ലാ സാധനങ്ങളും വാങ്ങിക്കണം
   ऍल्ला साधनङ्ङळुम् वाङ्ङिक्कणे ।
3. നന്നായി പഠിക്കണം.
   नन्नायि पठिक्कणम् ।
4. എല്ലാ സൗകര്യവും ഉണ്ടായിരിക്കണം.
   एल्ला सौकर्यवुम् उण्डायियिरिक्कणम्।
5. എല്ലാവരും സന്തോഷമായിരിക്കണം.
   ऍल्लावरुम् सन्तोषमायिरिक्कणम् ।
6. വേഗം സംസാരിക്കണം.
   वेगम् संसारिक्कणम् ।

VI. सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे किजिए । ।

1. മാഥുറിന്റെ വീട്ടിൽ -------ഏതു വഴിയേ തിരിയണം (പോകണം, പോകാൻ)
   माथुरिन्डॅ वीट्टिल् ---------- एतु वषिये तिरियणम् । (पोकणम्, पोकान्)
2. നീ പാഠങ്ങൾ എല്ലാം നന്നായി --------- . (പഠിക്കുവിൻ, പഠിക്കണം)
   नी पाठङ्ङळ् ऍल्लाम् नन्नायि ------------ । (पठिक्कुविन्, पठिक्कणम्)
3. എനിക്കു പച്ചക്കറിക്കടവരെ ഒന്നു --------- . (പോകണം, പോകാൻ)
   ऍनिक्कु पच्चक्करिक्कडवरॅ ऑन्नु ------------। (पोकणम्, पोकान्)
4. ദൈവമേ എന്നെ --------- . (രക്ഷിക്കണേ, രക്ഷിക്കാൻ)
   दैवमे ऍन्नॅ ------------ । (रक्षिक्कणे, रक्षिक्कान्)
5. ഈ ഭാഷ --------- പ്രയാസം ഉണ്ടോ ? (പഠിക്കൂ, പഠിക്കാൻ)
   ई भाष ------------ प्रयासम् उण्डो (पठिक्कू, पठिक्कान्)
6. നിങ്ങൾ കവിതകൾ നന്നായി --------- . (എഴുതുവിൻ, എഴുതണം)
   निङ्ङळ् कवितकळ् नन्नायी -----------। (एषुतुविन् , एषुतणम्)
7. ഞാൻ കുട്ടിയോടു --------- . (സംസാരിക്കട്ടെ, സംസാരിക്കൂ)
   ञान् कुट्टियोडु ------------ । (संसारिक्कट्टॅ, संसारिक्कू)
8. നമുക്കു അകത്തേക്കു ---------. (പോകട്ടെ, പോകാം)
   नमुक्कु अकत्तेक्कु ------------ । (पोकट्टॅ पोकाम्)

9. കട ---------ആരുണ്ട് ? (നോക്കാൻ, നോക്കട്ടെ)
कड ------------ आरुण्डॅ ? (नोक्कान्, नोक्कट्टॅ)
10. വീടു --------- സാധ്യത ഇല്ല . (കിട്ടട്ടെ, കിട്ടാൻ).
वीडु ------------ साध्यत इल्ल । (किट्टट्टॅ, किट्टान्)

VII. कोष्टक में दिए हुए शब्दों के उचित रूपों से वाक्य पूरे कीजिए ।

1. ഞാൻ ഈ പുസ്കതം ഒന്നു --------- . (വായിക്കുക)
ञान् ई पुस्तकम् ऑन्नु -----------। (वायिक्कुक)
2. കുറേ പഴയ പുസ്തകങ്ങൾ ------ ഉണ്ട്. (വിൽക്കുക)
कुऱे पषय पुस्तकङ्ङळ् -----------उण्ड्‌ । (विल्क्कुक)
3. എനിക്കു നിന്നോട് ഇന്നു തന്നെ --------- . (സംസാരിക്കുക)
ऍनिक्कॅ निन्नोड्‌ इन्नु तन्नॅ ------------ । (संसारिक्कुक)
4. എല്ലാവരും ഊണു മുറിയിലേക്കു --------- (വരുക)
ऍल्लावरुम् ऊणू मुऱियिलेय्क्कॅ ------------ (वरुक)
5. വായിക്കാൻ, വളരാൻ -------വായന നല്ലത്. (ആനന്ദിക്കുക)
वायिक्कान्, वळरान् --------- वायन नल्लतं । (आनन्दिक्कुक)

VIII. कोष्टक में दिए हुए हिन्दी शब्दों के मलयाळम समानार्थक शब्द लिनिखकर वाक्य पूरे कीजिए।

1. ജോസഫിനു അന്ന് അരവിന്ദപുരം വരെ -------.
जोसफिनु अन्न्‌ अरविन्दपुरम वरॅ --------- । (जाना था)
2. ഞങ്ങൾ ഈ സമയത്ത് അവിടെ ---------.
ञङ्ङळ् ई समयत्तं अविडॅ ---------- । (होंगे)
3. വീടു ------ സാധ്യത ഇല്ലേ?
वीडु -------- साध्यत इल्ले? (मिलने)
4. എനിക്കു നിങ്ങളോട് സംസാരിക്കാൻ ----- .
ऍनिक्कु निङ्ङळोडॅ संसारिक्कान् (पसन्द नहीं)
5. രവി വീട്ടിൽ --------.
रवी वीट्टिल् ----------। (नहीं था)
6. അന്ന് അയാളുടെ ഭാര്യയ്ക്കു ജോലി ഗ്രാമത്തിൽ -------.
अन्नं अयाळुडॅ भार्यय्क्कु जोलि ग्रामत्तिल् -------। (था)
7. ദൈവമേ എന്നെ --------.
दैवमे ऍन्नॅ ----------। (रक्षा करे)
8. വേഗം വരൂ, നമുക്കു --------.
वेगम् वरू, नमुक्कु ----------। (चलें)

9. പരീക്ഷ ------ പ്രയാസം ഇല്ല.
   परीक्ष -------- प्रयासम् इल्ल (पास होना)
10. എനിക്ക് അത്രമാത്രം -------
   ऍनिक्कं अत्रमात्रम् ----------। (काफी था)

IX. सही ढंग से मिलाकर सार्थक वाक्य बनाइए ।

1. എനിക്കു കൂട്ടുകാരന്റെ വീടു വരെ — വിദ്യാർഥികൾ ആയിരുന്നു.
   ऍनिक्कु कूट्टुकारन्डे वीडु वरॅ — विद्यार्थीकळ् आयिरुन्नु ।
2. സാറിന്റെ താമസം — പരിചയം.
   सारिन्डॅ तामसम् — परिचयम् ।
3. എങ്ങനെയാണ് നിങ്ങൾക്കു ജയശ്രീയെ — ഉണ്ടായിരുന്നോ?
   ऍङ्ङनॅयाण् निङ्ङळ्क्कु जयश्रीये — उण्डायिरुन्नो?
4. ഞങ്ങളൊക്കെ സഹപാഠികൾ — ഇവിടെ ഉണ്ടായിരുന്നു.
   ञङ्ङळॉक्कॅ सहपाठिकळ् — इविडॅ उण्डायिरुन्नु ।
5. അന്നു ഇതിനൊന്നും ഇത്ര — അയാൾ അവധിയിൽ ആയിരുന്നു.
   अन्नु इतिनोन्नुम् इत्र — अयाळ् अवधियिल् आयिरुन्नु ।
6. ഇന്നലെ വരെ എന്റെ വണ്ടി — വീടു വേണമായിരുന്നോ?
   इन्नलॅ वरॅ एन्डॅ वण्डि — वीडु वेणमायिरुन्नो ?
7. നിങ്ങൾക്ക് അന്നും വാതത്തിന്റെ ശല്യം — ബുദ്ധിമുട്ട് ഇല്ലായിരുന്നു.
   निङ्ङळ्क्कं अन्नुम वातत्तिन्डॅ शल्यम् — बुद्धिमुट्टॅ इल्लायिरुन्नु ।
8. സാറിനു താമസിക്കാൻ — ആയിരുന്നു.
   सारिनु तामसिक्कान् — आयिरुन्नु ।
9. കഴിഞ്ഞ ആഴ്ച മുതൽ — പോകണമായിരുന്നു.
   कषिञ्ञ आष्च मुतल — पोकणमायिरुन्नु ।
10. അവർ ഗ്രാമത്തിലെ വായനശാലയിലെ — ആ വീട്ടിലാണോ?
   अवर् ग्रामत्तिलॅ वायनशालयिलॅ — आ वीट्टिलाणो ?

पढिए और समझिए

കുന്നിൻ ചരിവിലെ കൊച്ചു വീട്
कुन्निन् चरिविलॅ कॉच्चु वीड्

വരിൻ, എല്ലാവരും അകത്തേക്കു വരിൻ. എന്റെ ഈ കൊച്ചു കൊട്ടാരത്തി
वरीन्, ऍल्लावरुम् अकत्तेय्क्कु वरीन् । ऍन्डॅ ई कोच्चु कोट्टारत्ति

ലേക്കു സ്വാഗതം.താമസിക്കാൻ സ്വന്തമായി ഒരു വീട് -അത് എന്റെ സ്വപ്നം ആയി
लेय्क्कु स्वागतम् । तामसिक्कान् स्वन्तमायि ऑरु वीड् - अत् ऍन्डॅ स्वप्नम् आयि
രുന്നു. കുന്നിൻ ചരിവിൽ എല്ലാ സൗകര്യങ്ങളും ഉള്ള ഒരു കൊച്ചു വീടുവേണം.
रुन्नु। कुन्निन् चॅरिविल् ऍल्ला सौकर्यङ्ङ्ळुम् उळ्ळ ऑरु कोच्चॅ वीडु वेणम्
എന്നു വളരെക്കാലം ആയി എനിക്കും എന്റെ ഭാര്യ സരളയ്ക്കും ആഗ്രഹം
ऍन्नु वळरॅक्कालम् आयि ऍनिक्कुम् ऍन्डॅ भार्य सरळय्क्कुं आग्रहम्
ഉണ്ടായിരുന്നു. ഇങ്ങനെ ഒരു വീടു കണ്ടുപിടിക്കാൻ വലിയ പ്രയാസം ആയിരുന്നു.
उण्डायिरुन्नु । इङ्ङनॅ ऑरु वीडॅ कण्डुपिटिक्कान् वलिय प्रयासम् आयिरुन्नु ।
അതിനേക്കാൾ പ്രയാസം അത് വാങ്ങിക്കാൻ ഉള്ള പണം ഉണ്ടാക്കാൻ! ഇപ്പോൾ
अतिनेक्काळ् प्रयासम् अत् वाङ्ङिक्कान् उळ्ळ पणम् उण्डाक्कान् ! इप्पोळ्
ഞാൻ സംതൃപ്തനാണ്. ഈ വീട് ഞങ്ങളുടെത് ആണ്. ഞങ്ങളുടെ സ്വന്തം എന്റെ.
ञान् संतृप्तनाण् । ई वीडॅ ञङ्ङ्ळुडॅत् आण् । ञङ्ङ्ळुडॅ स्वन्तम् ऍन्डॅ,
ഈ സ്വപ്നസൗധം ഞാൻനിങ്ങളെ കാണിക്കട്ടെ. നോക്കൂ, ഈ വരാന്തയുമായി
ई स्वप्नसौधम् ञान् निङ्ङ्ळॅ काणिक्कट्टॅ । नोक्कू, ई वरान्तयुमायी
എനിക്ക് ഒരു ആത്മബന്ധം തന്നെ ഉണ്ട്. ഇവിടെ ഈ ചാരുകസേരയിൽ ആണ്
ऍनिक्क् ऑरु आत्मबन्धम् तन्ने उण्डॅ । इविडे ई चारु कसेरयिल् आण्
എന്റെ വായനയും. സായാഹ്നവിശ്രമവും. ഇവിടെ ഇങ്ങനെ ഇരിക്കാൻ എന്തു
ऍन्डॅ वायनयुम् सायाह्न विश्रमवुम् । इविडॅ इङ्ङनॅ इरिक्कान् ऍन्तु
രസമാണ് എന്നോ? ജനാലയിലൂടെ ഈ ഗ്രാമത്തിന്റെ ഹരിതഭംഗി മുഴുവൻ
रसमाण् ऍन्नो ? जनालयिलूडे ई ग्रामत्तिन्डे हरितभंगि मुषुवन्
കാണാം. ഹൃദയഹാരിയായ പച്ചനെൽപ്പാടങ്ങൾ. പ്രശാന്തമായ പുഴ. പുഴയുടെ
काणाम् । हृदयहारियाय पच्चनेल्पाडङ्ङळ् । प्रशान्तमाय पुष़ । पुष़ युडॅ
തീരത്തെ തലയെടുപ്പുള്ള തെങ്ങുകൾ. അകലെ കൊച്ചു കൊച്ചു വീടുകൾ. കാലി–
तीरत्तॅ तलयॅडुप्पुळ्ळ तॅङ्ङुकळ् । अकले कॉच्चु कोच्चु वीडुकळ् । कालि
ത്തൊഴുത്തും വയ്ക്കോൽത്തുറുവും ഉള്ള വീട്ടുപറമ്പുകൾ. ഫലവൃക്ഷങ്ങൾ. ഗ്രാമ
त्तोषुत्तुम् वय्क्कोल् त्तुरुवुम् उळ्ळ वीट्टुपऱम्बुकळ् । फलवृक्षङ्ङळ् । ग्राम
ത്തിലെ ഏക പ്രൈമറിസ്ക്കൂൾ, ഗ്രാമത്തിന്റെ ഹൃദയത്തിലൂടെ ഉള്ള ചെമ്മൺപാത
त्तिले एक प्रैमऱिस्कूळ्, ग्रामत्तिन्डॅ हृदयत्तिलूडॅ उळ्ळ चेम्मण् पात ।
എല്ലാറ്റിനും അപ്പുറം ദൂരെആകാശത്തിന്റെ അനന്തനീലിമ. അഴകിന്റെ ഒരുഅപൂർവ
ऍल्लाऱ्ऱिनुम् अप्पुऱम् दूरॅ आकाशत्तिन्डॅ अनन्तनीलिम । अष़किन्डॅ ऑरु अपूर्व
ചിത്രം ആണിത്. സായാഹ്നസമയത്തെ പുഴയിൽ നിന്നുള്ള ഇളം കാറ്റ് എത്ര
चित्रम् आणित् । सायाह्नसमयत्तॅ पुष़यिल् निन्नुळ्ळ इळम् काऱ्ऱ् ऍत्र
സുഖകരം. പുഴയിലെ ഓളങ്ങളുടെ മൃദുലസംഗീതം എനിക്കു കേൾക്കണം.
सुखकरम्। पुष़यिलॅ ऑळङ्ङ्ळुडॅ मृदुल संगीतम् ऍनिक्कु केळक्कणम् ।

നോക്കൂ, ഈ വരാന്തയൂടെ വലത്തേഅറ്റത്തെ മുറിയിൽ ആണ് ഞങ്ങളുടെ
नोक्कू, ई वरान्तयुडॆ वलत्ते अऱ्ऱत्तॆ मुऱियिल् आण्‌ ञङ्ङलुडॆ
വായനയും കിടപ്പും ഒക്കെ. ലേഖകരായ ഞങ്ങൾക്കു പുസ്തകങ്ങൾ ആണ് കൂട്ട്.
वायनयुम् किडप्पुम् ऑक्कॆ । लेखकराय ञङ्ङळ्क्कु पुस्तकङ्ङळ् आण्‌ कूट्टं ।
കഥകളും,കവിതകളും, നോവലുകളും, നിരൂപണങ്ങളും ഒക്കെ ഞങ്ങൾക്ക് ഇഷ്ടം
कथकळुम् , कवितकळुम् नोवलुकळुम्, निरूपणङ्ङळुम् ऑक्कॆ ञङ्ङळ्क्कं इष्टम्
ആണ്. അതു കൊണ്ടു തന്നെ കിടപ്പുമുറി എന്നതിനേക്കാൾ ഇതിനെ വായാനമുറി
आण्‌ । अतु कोण्डु तन्नॆ किडप्पुमुऱि ऍन्नतिनेक्काळ् इतिनॆ वायनामुऱि
എന്നു പറയാം. ഇനിഞങ്ങളുടെ അടുക്കള കാണണ്ടേ?ആ മൂലയിൽ ഉള്ള ചെറിയ
ऍन्नु पऱयाम् । इनि ञङ्ङलुडॆ अडुक्कळ काणण्डे ? आ मूलयिल् उळ्ळ चेऱिय
മുറി ആണ് ഞങ്ങളുടെ അടുക്കള. അടുക്കളയ്ക്കും വായനമുറിക്കും ഇടയ്ക്കുള്ള
मुऱि आण्‌ ञङ्ङलुडॆ अडुक्कळ । अडुक्कळय्क्कुम् वायनामुऱिक्कुम् इडय्क्कुळ्ळ
സ്ഥലം ആണ് ഊണു മുറി.കുളിമുറിയും കക്കൂസും ഒക്കെ അങ്ങ് പുറകിൽ ആണ്.
स्थलम् आण्‌ ऊणु मुऱि । कुळिमुऱियुम् कक्कूसुम् ऑक्कॆ अङ्ङु पुऱकिल् आण्‌ ।
ഇനി ഇവിടെ കാണാൻ ഉള്ളത് വീട്ടിന്റെ മുമ്പിലുള്ള ഈ കൊച്ചു പൂന്തോട്ടം
इनि इविडॆ काणान् उळ्ळतं वीट्टिन्डे मुम्बिलुळ्ळ ई कोच्चु पून्तोट्टम्
മാത്രം ആണ്. ഇതിലെ ചെടികളെ പരിപാലിക്കാൻ എനിക്കും സരളയ്ക്കും വലിയ
मात्रम् आण्‌। इतिले चेडिकळॆ परिपालिक्कान् ऍनिक्कुम् सरळय्क्कुम् वलिय
ഉത്സാഹം ആണ്. ഇപ്പോൾ വേനലല്ലേ? അതുകൊണ്ടു ചെടികളിൽ പൂക്കൾ ഒക്കെ
उत्साहम् आण्‌ । इप्पोळ् वेनलल्ले ? अतुकोण्डु चेडिकळिल् पूक्कळ् ऑक्कॆ
കുറവാണ്. മഴക്കാലത്തും വസന്തകാലത്തും പൂന്തോട്ടം നിറയെ പൂക്കൾ ആയിരി
कुऱवाण्‌ । मषक्कालत्तुम् वसन्तकालत्तुम् पून्तोट्टम् निऱये पूक्कळ् आयिरि
ക്കും. അപ്പോൾ കാണണം. എന്തു ചന്തം ആയിരിക്കും എന്നോ?
क्कुम्। अप्पाळ् काणणम् । ऍन्तु चन्तम् आयिरिक्कुम् ऍन्नो ?

शब्दार्थ

കുന്നിൻചരിവ് कुन्निन् चेरिवं	पहाड़ी की घाटी	ജനാല जनाल	खिडकी
കൊട്ടാരം कोट्टारम्	महल	ഹരിതഭംഗി हरितभंगि	हरियाली की सुन्दरता
സ്വാഗതം स्वागतम्	स्वागत	പച്ചനെൽപ്പാടങ്ങൾ पच्चनॅल्पाडङ्ङळ्	हरित खेत (चावलका)

വളരെക്കാലം	वळॅक्कालम्	बहुत समय
ആഗ്രഹം	आग्रहम्	चाह, आग्रह
വീട്	वीड्	घर
കണ്ടുപിടിക്കുക	कण्डुपिडिक्कुक	ढूँढ लेना
അതിനെക്കാൾ	अतिवेक्काळ्	उस से (बढकर)
പണം	पणम्	धन
സംതൃപ്തൻ	संतृप्तन्	संतृप्त
സ്വപ്നസൗധം	स्वप्नसौधम्	स्वप्न सौध
വരാന്ത	वरान्द	बराम्दा
ആത്മബന്ധം	आत्मबन्धम्	आत्मबंध
ചാരുകസേര	चारुकसेर	आराम कुर्सी
വായന	वायन	वाचन, पढना
സായാഹ്നവിശ്രമം	सायाह्नविश्रम्	सायाह्न विश्रांति
എല്ലാറ്റിനും	एल्लारिऱनुम्	सब को
അപ്പുറം	अप्पुऱम्	के बाद
ആകാശം	आकाशम्	व्योम, आकाश
പ്രശാന്തമായ	प्रशन्तमाय	प्रशान्त
പുഴ	पुष़	नदी
തീരം	तीरम्	तट
തലയെടുപ്പ്	तलयेडुप्पं	सिर ऊँचाकरते हुए
തെങ്ങുകൾ	तोङ्ङुकळ्	नारियल के पेड
അകലെ	अकलॅ	दूर
കാലിത്തൊഴുത്ത്	कालितॉषुत्तं	गोशाला
വയ്ക്കോൽത്തുറു	वैक्कोल् तुरु	फूस की ढेट
വീട്ടുപറമ്പ്	वीट्टुपऱम्पं	अहाता
ഫലവൃക്ഷങ്ങൾ	फलवृक्षङ्ङळ्	फलवृक्ष
ഏക	एक	एक
ഹൃദയം	हृदयम्	हृदय
ചെമ്മൺപാത	चॅम्मण् पात	मिट्टी का रास्ता
ലേഖകർ	लेखकर	लेखक
കൂട്ട്	कूट्टं	एक साथ, की तरह
നോവലുകൾ	नोवलुकळ्	उपन्यासों

അനന്തനീലിമ अन्तनीलिम	अनन्त नील	കിടപ്പുമുറി किड़प्पुमुऱि	शयन का कमरा
അഴക് अषक्	सुन्दरता	എന്നതിനെക്കാൾ एन्नतिनेकाळ्	नही होने का
അപൂർവചിത്രം अपूर्वचित्रम्	अपूर्व तस्वीर	വായന മുറി वायन मुऱि	वाचन का कमरा
സായാഹ്നസമയം सायाह्न समयम्	शाम का समय	ഇനി इनि	अब, बाद में
ഇളംകാറ്റ് इळम् काऱ्ऱ्	मन्द हवा, समीर	മൂല मूल	कोने
എത്ര एत्र	कितना	ഇടയ്ക്ക് इडय्क्क्	मध्य
സുഖകരം सुखकरम्	सुखकर	ഊണു മുറി ऊणुमुऱि	खाने का कमरा
ഓളങ്ങൾ ओङ्ङळ्	इस का	കക്കൂസ് कक्कूस्	प्रसाधन घर
മൃദുലസംഗീതം मृदुलसंगितम्	मृदुल संगीत	അങ്ങ് अङ्ङ्	आप (ज्यादा आदर के साथ)
എപ്പോഴും एप्पोषुम्	हमेशा	പുറകിൽ पुऱकिल्	पीछे
വലത്ത് वलत्त्	बायें	മുമ്പിലുള്ള मुंपिलुळ्ळ	सामने का
അറ്റത്തെ अऱ्ऱत्तॆ	अंत का	പൂന്തോട്ടം पूंतोट्टम्	बगीचा
കിടപ്പ് किडप्प्	लेटना	ചെടികൾ चेटिकळ्	पौधे
പരിപാലിക്കുക परिपालिक्कुक	पालन करना	മഴക്കാലം मषक्कालम्	बरसात
ഉത്സാഹം उत्साहम्	उत्साह	വസന്തകാലം वसन्ततालम्	वसन्त काल
വേനൽ वेनल्	ग्रीष्म	നിറയെ निऱयॆ	पूरा, भरपूर

अभ्यास

I. उत्तर दीजिए !

1. ലേഖകന്റെ വീട് ഗ്രാമത്തിൽ ആണോ പട്ടണത്തിൽ ആണോ?
   लेखकन्डॅ वीड् ग्रामत्तिल् आणो पट्टणत्तिल् आणो?
2. ലേഖകന്റെ ഭാര്യയുടെ പേരെന്താണ്?
   लेखकन्डॅ भार्ययुडॅ पेरॅन्ताणं ?
3. ലേഖകന് എങ്ങനെയുള്ള വീട് വേണം എന്നായിരുന്നു ആഗ്രഹം?
   लेखकन् ऍङ्ङनॅयुळ्ळ वीड् वेणम् ऍन्नायिरुन्नु आग्रहम् ?
4. ഇത് ലേഖകന്റെ സ്വന്തം വീടാണോ വാടകവീടാണോ?
   इत् लेखकन्डॅ स्वन्तम् वीडाणो वाडकवीडाणो ?
5. വീട്ടു വരാന്തയുമായി ലേഖകന് ഉള്ള ബന്ധം എന്താണ്?
   वीट्टु वरान्तयुमायि लेखकन् उळ्ळ बन्धम् ऍन्ताणं ?
6. ലേഖകന് എന്തിലാണ് രസം?
   लेखकन् ऍन्तिलाणं रसम्?
7. പച്ചനെൽപ്പാടങ്ങൾ എങ്ങനെയാണ്?
   पच्चनेल्प्पाडङ्ङळ् ऍङ्ङनॅयाणं ?
8. പുഴയുടെ തീരത്ത് എന്താണ്?
   पुषयुडॅ तीरत्तॅ ऍन्ताणं ?
9. ചെമ്മൺപാത എവിടെയാണ്?
   चेम्मणपात ऍविडेयाणं?
10. എന്താണ് അഴകിന്റെ ചിത്രം?
    ऍन्ताणं अषकिन्डॅ चित्रम् ?
11. ഇളം കാറ്റ് എങ്ങനെ?
    इलम् काऱ्ऱ् ऍङ्ङनॅ?
12. ലേഖകന്റെ വീട്ടിൽ എത്ര മുറിയാണ് ഉള്ളത്. ഏതൊക്കെ?
    लेखकन्डॅ वीट्टिल् ऍत्र मुरियाणं उळ्ळतं । एतोक्कॅ ?
13. ഇപ്പോൾ ലേഖകന്റെ പൂന്തോട്ടത്തിൽ പൂക്കൾ കുറയാൻ കാരണം എന്താണ്?
    इप्पोळ् लेखकन्डॅ पून्तोट्टत्तिल् पूक्कळ् कुऱयान् कारणम् ऍन्ताणं ?
14. വസന്തകാലത്തും മഴക്കാലത്തും തോട്ടം കാണാൻ എങ്ങനെ ആയിരിക്കും?
    वसन्तकालत्तुम् मषक्कालत्तुम् तोट्टम् काणान् ऍङ्ङनॅ अयिरिक्कुम् ?

II. पाठ भाग के आधार पर दिए हुए शब्दों को सही ढंग से मिलाइए ।

ഹരിത - പ്ലാടം		ആത്മ - സൗധം		സഹകരണ	- സമയം
हरित - प्याडम		आत्म - सौधम्		सहकरण	- समयम्
വൈക്കോൽ - തീരം		ഫല - തുറു		സ്വപ്ന	- ബാങ്ക്
वैक्कोल् - तीरम्		फल - तुरु		स्वप्न	- बाङ्क्
നെൽ - വൃക്ഷം		പുഴ - ബന്ധം		സ്വല്പ	- ഭംഗി
नेल् - वृक्षम्		पुष़ - बन्धम्		स्वल्प	- भंगि

III. हिन्दी में अनुवाद कीजिए ।

मकान बनाने केलिए बहुत पैसों की ज़रूरत है । अगर सरकारी नौकरी नहीं हो तो ऋण मिलना कठिन होता है । हम सरकारी समितियों से ऋण ले सकते हैं । लेकिन वे कम पैसे ही देते हैं । हम साहुकार से भी ऋण ले सकते हैं । परंतु व्याज की दर काफी ऊँची होगी । अगर हम दो कमरे का मकान बनवाना चाहें तो हमें तीन लाख रूपये चाहिए । हमें पत्थर, सीमेंट और ईंटें ऊँचे दर पर खरीदना पड़ता है । ठेकेदार, मेस्त्री, बढ़ई और दूसरे काम करनेवालों को काफी पैसा देना पड़ता है । हमें हमेशा वहाँ रहना पड़ता है । हमको स्वयं देखरेख करनी चाहिए। इसीलिए मैं यह पुराना मकान खरीदना चाहता हूँ । यह भी कोई आसान चीज़ नहीं है। इसे खरीदने केलिए मुझे २ लाख चाहिए छोटा घर है, । लेकिन अच्छी हालत में है। घर के सामने और पीछे काफी जगह है ।

ज़रूरत ആവശ്യം ऋण കടം बढ़ई ആശാരി

IV. आप के मकान बनाने या लेने के बारे में दस वाक्य लिखिए ।

टिप्पणियाँ

1. इस पाठ में ആണ് (आण्) ഉണ്ട് (उण्ड्) വേണം (वेणम्) മതി (मति) വയ്യ (वय्य) आदी क्रियाओं के भूत और भविष्यत् काल वाले वाक्यों का परिचय दिया गया है ।

उदा :

1. എന്റെ ചേട്ടനും അദ്ദേഹവും സഹപാഠികളായിരുന്നു. - मेरे बडे भाई और वे
   ऍन्डॅ चेट्टनुम् अद्देहवुम् सहपाठिकळायिरुन्नु । सहपाठि थे ।
2. എനിക്ക് അയാളോട് ഒരു കാര്യം പറയാനുണ്ടായിരുന്നു- मुझे उन से कुछ बातें
   ऍनिक्कं अयाळोड् ऑरु कार्यम् परयानुण्डायिरुन्नु । कहनी थी ।

3. സാറിനെ സഹായിക്കാൻ അദ്ദേഹത്തിനു വലിയ സന്തോഷമായിരിക്കും. – उन को आप की सहायता करने में बहुत आनन्द होगा।
सारिँ सहायिक्कान् अद्देहत्तिनु वलिय संतोषमायिरिक्कुम्।

4. സാറിന് ആരെ കാണണമായിരുന്നു – सर को किससे मिलना था?
सारिं आरॅ काणणमायिरुन्नु ।

2. सभी एसी क्रियाओं में ആയിരുന്നു (आयिरुन्नु) और ആയിരിക്കും (आयिरिक्कुम्) लगाकर भूत और भविष्य काल के रूप यथाप्रकार बनाये जाते है ।

1. എനിക്ക് ഒരു വാടക വീടു വേണം. – मुझे एक घर किराये पर चाहिए।
एनिक्कॅ ऑरु वाडक वीडु वेणम् ।
2. എനിക്ക് ഒരു വാടക വീടു വേണമായിരുന്നു. – मुझे एक घर किराये पर चाहिए था।
एनिक्कं ऑरु वाडक वीडु वेणमायिरुन्नु ।
3. എനിക്ക് ഒരു വാടക വീടു വേണമായിരിക്കും. – मुझे एक घर किराये पर चाहिए । (भविष्यत्)
एनिक्कं ऑरु वाडक वीडु वेणमायिरिक्कुम् ।
4. എനിക്കു വയ്യ. – मुझ से नहीं होता ।
एनिक्कु वय्य ।
5. എനിക്കു വയ്യായിരുന്നു. – मुझ से नहीं होता था ।
एनिक्कु वय्यायिरुन्नु ।
6. എനിക്കു വയ്യായിരിക്കും. – मुझ से नही होता होगा ।
एनिक्कु वय्यायिरिक्कुम् ।

3. निम्न वाक्यों पर ध्यान दीजिए ।

1. എനിക്ക് അയാളോട് ഒരു കാര്യം പറയാൻ ഉണ്ടായിരുന്നു.
ऍनिक्कं अयाळोड् ऑरु कार्यम् परयान उण्टायिरुन्नु ।
– मुझे उन से एक बात कहनी थी ।
2. എനിക്ക് നടക്കാൻ ഒരു പ്രയാസവും ഇല്ല
ऍनिक्कं नड़क्कान् ऑरु प्रयासवुम् इल्ल । – चलना मेरेलिए कोई मुशिकल नही।
3. എനിക്ക് താമസിക്കാൻ ഒരു വീടു വേണം
ऍनिक्कं तामसिक्कान् ऑरु वीडु वेणम् । – मुझ को रहने के लिए एक घर चाहिए।

4. वाक्यों में रेखांकित क्रिया रूप मुख्य क्रिया के कार्य के उद्देश्य का बोध कराते हैं । ये रूप क्रिया में -ആൻ (–आन्) या -ഉവാൻ (–उवान्) लगा़कर बनाए जाते हैं ।

1. സാറിന് ആരെ കാണണമായിരുന്നു? – सार् (आप) को किस से मिलना था ?
सारिऩ् आरॅ काणणमायिरुऩ्ऩु ?

इस वाक्य में കാണണമായിരുന്നു (काणणमायिरुऩ्ऩु) जैसे भूत काल के क्रिया रूप का प्रयोग वर्तमान काल में नम्रता का बोध कराने केलिए ही किया जाता है । हिन्दी में 'मुझे कलम चाहिए' के स्थान पर 'मुझे कलम चाहिए थी' का प्रयोग की तरह है ।

2. उसी प्रकार വേണമായിരിക്കും (वेणमायिरिक्कुम्) जैसे क्रिया के ആയിരിക്കും (आयिरिक्कुम्) वाले रूप निश्चित और अनिश्चित भविष्यत् के लिए संदर्भानुसार प्रयुक्त होता है ।

തോമസിനു പായസം വേണമായിരിക്കും. – थोमस को पायसम चाहिएगा ।
थोमसिनु पायसम् वेणमायिेरिक्कुम् ।

പാഠം 6
पाठ 6

കഷ്ടകാലം		कष्ट काल
മാധവൻ	: കുറുപ്പു സാറേ.	कुरुप्पु महोदय
കുറുപ്പ്	: അല്ല !ഇതാര്? മാധവൻ നായരോ? എവിടെ ആയിരുന്നു ഇതുവരെ? ഇവിടെ ഇല്ലായിരുന്നോ?	अरे यह कौन? माधवन नायर?अभी तक कहाँ थे? क्या यहाँ नहीं थे?
മാധവൻ	: ഒന്നും പറയണ്ട. എന്റെ സാറേ, കഷ്ടകാലം തന്നെ.	कुछ भी कहने की ज़रूरत नहीं। साहब, बुरा समय है ।
കുറുപ്പ്	: അതെന്താ തനിക്ക് അത്ര വലിയ കഷ്ടകാലം? ഈ കെട്ടിലും ഭാണ്ഡത്തിലും ഒക്കെ എന്താണ്.?	तुम्हारी इतनी बुरी हालत क्यों है? यह गट्ढर गढरी में क्या है?
മാധവൻ	: ഭാര്യയ്ക്ക് തീരെ സുഖമില്ല. മെഡിക്കൽ കോളേജിൽ ചികിത്സയിലാണ്. നട്ടെല്ലിനാണ് തകരാറ്. മൂന്നുനാലു മാസമായി ഒരേ കിടപ്പിലാണ്. ഇനിയുംകുറേ നാൾ കിടക്കണം.	पत्नी की तबीयत ज़रा भी ठीक नहीं है। मेडिकल कालेज में चिकित्सा हो रहा है। रीढ की हड़डी में तकलीफ है। तीन-चार महीने से ऐसे ही लेटी रहती है । अभी कई दिन और लेटना पडेगा (लेटना है)।
കുറുപ്പ്	: അതു വലിയ കഷ്ടമായല്ലോ.	वह बडा मुसीबत हो गया ।
മാധവൻ	: എന്തു പറയാനാണ്.? എനിക്കാണെങ്കിൽ വാതത്തിന്റെ ശല്യവും. ഈ വയസുകാലത്ത് എല്ലാ കാര്യങ്ങളും ഞാൻ തന്നെ നോക്കണം.	क्या कहूँ ? मुझे तो वायु-विकार की तकलीफ है। अभी इस बुढापे में सब कुछ मुझे ही देखना होगा ।
കുറുപ്പ്	: അതെന്താ തന്റെ മക്കളൊന്നും ഇവിടില്ലേ ?	ऐसा क्यों? क्या तुम्हारे कोई लडके यहाँ नहीं हैं ?

മാധവൻ	: ഉണ്ടായിരുന്നു. ഇപ്പോൾ ആരും ഇല്ലെന്നു പറയാം. മൂത്തവൻ രവി. അവന് ആദ്യം ജോലി തിരുവനന്തപുരത്തായിരുന്നു. ഇപ്പോൾ ഭുവനേശ്വറിലാണ്. രണ്ടാമത്തവൻ ആസാമിലാണ്. എല്ലാവർക്കും അവരവരുടെ ജോലിക്കു പോകണ്ടേ?	जी थे। कह सकते हैं कि अभी कोई नहीं है।बडा पुत्र रवी है। उसकी नोकरी पहले तिरुवनन्तपुरम में थी।अब भुवनेश्वर में है। दूसरा असम में है ।सभी को अपने अपने काम पर जाना है न ?
കുറുപ്പ്	: മോളോ?	बेटी?
മാധവൻ	: അവൾ ഭർത്താവിന്റെ കൂടെ ഗൾഫിലല്ലേ?	वह पति के साथ खाडी देश में है न ?
കുറുപ്പ്	: അപ്പോൾ ഭാര്യയുടെ ശുശ്രൂഷയ്ക്ക് ആശുപത്രിയിലാരാണ്?	तो पत्नी की शुश्रूषा केलिए अस्पताल में कौन है ?
മാധവൻ	: ആദ്യം എന്റെ മൂത്ത സഹോദരി യായിരുന്നു. ഇപ്പോൾ ഇളയ വളാണ്. നാളെ അവൾക്കും അവളുടെ വീട്ടിൽ പോകണമത്രേ. പിന്നെ വീടും ആശുപത്രിയും നോക്കാൻ ഞാൻ തന്നെ വേണം. കൊയ്ത്തുകാലമല്ലേ? വയലിൽ നൂറുകൂട്ടം പണിയുണ്ട്. കുറേ പശുക്കളും ഉണ്ട്. പശുവിനെ കറ ക്കാനും കൃഷിപ്പണി നോക്കാനും ഒക്കെ ഒരാൾ മതിയോ? ഭാര്യ വീട്ടി ലുണ്ടെങ്കിൽ ഒരു പ്രശ്നവുമില്ല. ഇപ്പോൾ എല്ലാം എന്റെ തലയിൽ തന്നെ. വല്ലാത്ത ബദ്ധപ്പാട്.!കൂനി ന്മേൽ കുരു എന്ന സ്ഥിതിയാണി പ്പോൾ എന്റേത്.	पहले मेरी बडी बहन थी। अब छोटी बहन है । कल उसको भी वापस जाना है। उसके बाद घर और अस्पताल संभालने केलिए मैं ही हूँगा। फसल कटाई का समय है न?खेत में तो बहूत अधिक काम है ।कुछ गायें भी हैं। गाय को दुहने केलिए और खेती के काम केलिए क्या एक व्यक्ति पर्याप्त है? पत्नी घर पर है तो कोई समस्या नहीं ।अब सब काम मेरे सिर पर है। बडी मुसीबत है । इस समय मेरी स्थिति दाद में खाज जैसी है ।
കുറുപ്പ്	: ഓ അതൊന്നും സാരമാക്കണ്ടെടോ? എല്ലാം ഈശ്വര നിശ്ചയം ആണ്. ഒക്കെ നല്ലതിനു തന്നെ. ആദ്യം തന്റെ	अरे ऐसी बात नहीं । सब भगवान का निश्चय है। सब अच्छाई केलिए हैं। पहले तुम्हारी

	ഭാര്യയുടെ അസുഖം ഭേദമാകട്ടെ. പിന്നെ മതി കൃഷിപ്പണിയും വീട്ടു കാര്യവും ഒക്കെ.	पत्नी की तबीयत ठीक हो जाय। बाद में खेती और घरेलू काम आदि ।
മാധവൻ	: എന്റെ കാര്യം പോകട്ടെ. സാറിപ്പോൾ എങ്ങോട്ടാ?	मेरी बात छोडिए । अब आप किधर जा रहे हैं ।
കുറുപ്പ്	: എനിക്കും കഷ്ടകാലം തന്നെ മാധവാ. ഈ വയസ്സുകാലത്ത് ഒരു സ്ഥലം മാറ്റം. പെൻഷൻ പറ്റാൻ ഇനിരണ്ടുവർഷമേയുള്ളൂ. അപ്പോളാണീ സ്ഥലം മാറ്റം	माधवन, मेरी भी बुरी हालत है । इस बूढापे में स्थानान्तरण। सेवा निवृत्त होने में अब दो ही वर्ष बाकी है। उसी समय स्थानान्तरण हो गया ।
മാധവൻ	: എങ്ങോട്ടേയ്ക്കാ ?	कहाँ जा रहे हैं?
കുറുപ്പ്	: കാസർകോട്ടേയ്ക്ക്	कासऱ कोडु की ओर ।
മാധവൻ	: അതൊരു വലിയ ബുദ്ധിമുട്ടായ ല്ലോ. എന്താ ഇപ്പോൾ ഇങ്ങനെ യൊരു മാറ്റത്തിനു കാരണം?	वह एक बडी कठिनाई है । इस समय ऐसे स्थानान्तरण का क्या कारण है ?
കുറുപ്പ്	: ഇപ്പോൾ എന്നൊടൊന്നും ചോദിക്കരുതേ. പിന്നൊരിക്കൽ നമുക്കു വിശദമായി സംസാരി ക്കാം.	अब मुझसे कुछ मत पूछ लीजिए। बाद में विस्तार रूप से बात करेंगे।
മാധവൻ	: സാറിപ്പോൾ എങ്ങോട്ടയ്ക്കാ? തലസ്ഥാനത്തേയ്ക്കാണോ?	श्रीमानजी इस समय राजधानी को जा रहे हैं क्या ?
കുറുപ്പ്	: തിരുവനന്തപുരത്തേയ്ക്കുതന്നെ.	हाँ, तिरुवनन्तपुरम की ओर ही ।
മാധവൻ	: സാറിന് അവിടെ ആരെയെങ്കിലും പരിചയം ഉണ്ടോ?	आपका क्या वहाँ पर किसी का परिचय है?
കുറുപ്പ്	: സെക്രട്ടറിയേറ്റിൽ എന്റെ പല ശിഷ്യരും ഉണ്ട്. ഒരു കൈ നോക്കാം. ഫലം എന്തോ ആകട്ടെ.	सचिवालय में मेरे अनेक शिष्य हैं। कोशिश करूँगा। परिणाम जो भी हो ।

शब्दार्थ

കഷ്ടകാലം	बुरा समय	വാതം	वात
ഇതുവരെ	अभी तक	ശല്യം	तकलीफ
കെട്ട്	गट्ढर	വയസുകാലം	बुढापा

ഭാണ്ഡം	गट्ठरी	അവരവർ	अपने अपने
സുഖമില്ല	तबीयत ठीक नहीं	ശുശ്രൂഷ	शुश्रूषा
ചികിത്സ	चिकित्सा, इलाज	ആദ്യം	पहले
നട്ടെല്ല്	रीढ़ की हड्डी	മൂത്ത	बडा
തകരാറ്	तकलीफ	സഹോദരി	बहन
കുറെ	कुछ		
നാൾ	दिन	ഇളയ	छोटा, छोटे, छोटी
കൊയ്ത്തുകാലം	फसल काटने का काल	സാരമാക്കുക	परवाह करना
വയൽ	खेत	ഈശ്വരനിശ്ചയം	भगवान का निश्चय
നൂറുകൂട്ടം	बहुत अधिक	നല്ലത്	अच्छाई
പണി	काम	അസുഖം	रोग
പശു	गाय	വീട്ടുകാര്യം	घरेलू काम
കറക്കുക	दुहना	പെൻഷൻ പറ്റുക	निवृत्त होना
കൃഷിപ്പണി	खेतीका काम	സ്ഥലം മാറ്റം	स्थानान्तरण
പ്രശ്നം	प्रश्न, समस्या	കാരണം	कारण
തല	सिर	ചോദിക്കുക	पूछना
വല്ലാത്ത	बहुत	പിന്നൊരിക്കൽ	और एक बार
ബദ്ധപ്പാട്	मुसीवत	വിശദമായി	विस्तार रूप से
കൂനിന്മേൽ കുരു	दाद में खाज	തലസ്ഥാനം	राजधानी
കൂന്	कूबड	ശിഷ്യൻ	शिष्य
കുരു	फोडा फुंसी, बीज	സ്ഥിതി	स्थिति

अभ्यास

I. कोष्ठक में दिए हुए शब्दों में से सही शब्द चुन कर वाक्य पूरे कीजिए ।

1. മിത്രയുടെ സഹോദരി മെഡിക്കൽ കോളേജിൽ ഡോക്ടർ മാഥുറിന്റെ ---------------- ആണ്. (ചികിത്സയ്ക്ക്, ചികിത്സയിൽ)
2. എന്റെ മക്കളിൽ -------- ഇന്നും ജോലി ഇല്ല. (മൂത്തവൻ, മൂത്തവന്.)
3. വയലിലെ -------- നോക്കാൻ ആരുണ്ട്? (കൃഷിപ്പണി, കൃഷിപ്പണിക്ക്)
4. നിങ്ങളുടെ ----- ഒന്നു വിളിക്കൂ. (മകൾക്ക്, മകളെ)
5. എനിക്ക് -------- സംസാരിക്കണം. (എല്ലാവരുടെ,എല്ലാവരോടും)

6. എല്ലാം പ്രശ്നവും ഇപ്പോൾ ---- തലയിൽ തന്നെയാണ്. (അമ്മ, അമ്മയുടെ)
7. നിങ്ങളുടെ ഭാര്യയുടെ -------ഇപ്പോൾ ആരുണ്ട് ? (ശുശ്രൂഷ, ശുശ്രൂഷയ്ക്ക്)
8. ഇപ്പോൾ -------- കടവരെ ഒന്നു പോകണം. (എനിക്ക്, എന്നോട്)
9. എന്റെ ------- വരട്ടെ. പിന്നെ പോകൂ. (ഭാര്യയിൽ, ഭാര്യ)
10. നിനക്ക് --------- എങ്കിലും പരിചയമുണ്ടോ? (ആർക്ക്, ആരെ)

II. कोष्ठक में दिए हुए क्रिया रूपों में से उचित रूप चुनकर वाक्य पूरे कीजिए ।

1. ഈ വായനശാല ----------- വരൂ. (കാണട്ടെ, കാണാൻ)
2. അവർക്കു മലയാളം പഠിക്കാൻ പ്രയാസം ------------- .
(ഇല്ലായിരുന്നു, വേണമായിരുന്നു)
3. അവധി ദിവസം എന്റെ ഭാര്യയും ഇവിടെ ----------.
(ഉണ്ടായിരിക്കും, മതിയോ)
4. ആ പുതിയ വീട് ------------- . (വാങ്ങണ്ടേ, വാങ്ങട്ടെ)
5. കഥ -------- എനിക്കിഷ്ടം ആണ്. (വായിക്കൂ, വായിക്കാൻ)
6. ത്രിവേദിക്കുവേണ്ടി നല്ല ഒരു സദ്യ നമുക്കു ----- (നടത്താം, നടത്തിൻ)
7. നിങ്ങൾക്കു ചൂടുവെള്ളം -----------? (വേണം, വേണ്ട)
8. മതി. എനിക്കു തയിരു മാത്രം ------. (മതി, പോര)
9. സാധനങ്ങൾ വാങ്ങാൻ ------- . (മറക്കരുതേ, മറക്കാൻ)
10. എനിക്ക് എന്റെ മാതൃഭാഷയിൽ -------. (സംസാരിക്കൂ, സംസാരിക്കണം)

III. कोष्ठक में दिए हुए हिन्दी शब्दों के उचित मलयाळम समानार्थक शब्दों से वाक्य पूरे कीजिए।

1. ഈ ------- ഞാൻ തന്നെ എല്ലാ കാര്യങ്ങളും നോക്കണം. (बूढापे में)
2. നിനക്ക് പുതിയ --------- പരിചയപ്പെടണോ ? (तीर्थयात्री को)
3. എനിക്കു -------- ചായ വേണമായിരുന്നു. (गरम)
4. ജയശ്രീ --------- ആണ് . (बहादुर लडकी)
5. എന്റെ അമ്മയ്ക്ക് വാതത്തിന്റെ ------- ഉണ്ട്. (तकलीफ)
6. എല്ലാവരും ------ വരിൻ, എല്ലാം റെഡി. (दावत केलिए)
7. എന്റെ സഹോദരിക്കു -------- തന്നെയാണ് ജോലി . (गाँव में)
8. നീ അങ്ങനെ -------- . (मत बोलो)
9. അയാൾക്ക് ഇംഗ്ലീഷിൽ -------- ഇഷ്ടമാണ് . (बोलने)
10. എനിക്കു ഡോക്ടറുടെ അടുത്തു --------. (जाना था)

IV. कोष्ठक में दिए हुए शब्दों के उचित रूप से वाक्य पूरे कीजिए ।

1. റഷീദിനു --------- പോകണം. (ആശുപത്രി)
2. നിങ്ങളുടെ -------- മകൻ എവിടെയാണ് താമസം? (സഹോദരൻ).

3. ചന്തയിൽ പോകാൻ ഞാനും ----------. (വരുക)
4. സുധീഷിനു സുമയോടു -------- ഒന്നും ഇല്ലത്രേ. (ചോദിക്കുക).
5. ഊണു സമയത്ത് വർത്തമാനം ------- . (പറയുക).
6. ഞാൻ ഇപ്പോൾ -------- ആണ് . (തലസ്ഥാനം).
7. പശുവിനെ -------- അറിയാമോ ? (കറക്കുക).
8. അവളുടെ ---------- ആണ് തകരാറ്. (നട്ടെല്ല്).
9. അവർക്ക് അവിടെ തന്നെ ----------- . (ഇരിക്കുക).
10. അയാളുടെ --------- ജോലി ഉണ്ട്. (ഭാര്യ).

V. दिए हुए शब्दों को जोडकर लिखिए ।

1. കുട്ടി + ഉം ---> 4. രാമു + ഉം --->
2. ഗ്രാമം + ഉം ---> 5. അവിടെ + ഉം --->
3. കുട്ടി + ഉം ---> 6. ഭാര്യ + ഉം --->
7. ആര് + ഒക്കെ ---> 8. അങ്ങനെ + ആണ് --->
9. എങ്ങനെ + എങ്കിലും ---> 10. എവിടെ + ആണ് --->

VI. उदाहरण जैसे प्रत्येक शब्द के पाँच पाँच रूप लिखिए ।

उदा -1 രാധ ---> രാധയുടെ, രാധയെ, രാധയ്ക്ക്, രാധയോട്
1. ലീല 2. വരദ

उदा -2 ശങ്കരൻ ---> ശങ്കരന്റെ, ശങ്കരനെ, ശങ്കരന്, ശങ്കരനോട്
1. മകൻ 2. മോഹൻ

उदा -3 മധു ---> മധുവിന്റെ , മധുവിനെ, മധുവിന്, മധുവിനോട്
1. റാവു 2. ബിന്ദു

उदा -4 രാജം ---> രാജത്തിന്റെ, രാജത്തിനെ, രാജത്തിന്, രാജത്തിനോട്
1. കുസുമം 2. കനകം

VII. लिंग बदलिए ।

1. കൂട്ടുകാരൻ 2. അധ്യാപിക 3. വീട്ടുകാരി
4 സഹോദരൻ 5. വിദ്യാർഥി 6. നാട്ടുകാരൻ

VIII. निम्न मलयाळम शब्दों के समानार्थक हिन्दी शब्द दीजिए ।

വീട്	വായന	തീർഥം	അഞ്ച്	കൃഷിപ്പണി
കല്ല്	മുമ്പേ	പുണ്യം	എനിക്ക്	നിൽക്കരുത്
അകത്ത്	എട്ട്	പഠിത്തം	നാട്	പുറകേ
നിനക്ക്	വയൽ	പുറത്ത്	ഇരിക്കരുത്	പുളി

IX. दिए हुए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए ।

വരണം, കൊയ്ത്തുകാലം, ഈശ്വരനിശ്ചയം, നാണംകുണുങ്ങി,
ഒന്നു, പപ്പടവും, കഷ്ടകാലം, തീരെ, സ്ഥിതി, ഉണ്ടെങ്കിൽ.

1. ഒന്നും പറയണ്ട. എനിക്കിപ്പോൾ --------- ആണ്.
2. നീ -------- നിൽക്ക്. ഞാനും വരട്ടെ.
3. പണം -------- എല്ലാം വാങ്ങണം.
4. എനിക്കു വേണ്ടി നിങ്ങൾ ------- .
5. കൂനിന്മേൽ കുരു എന്ന ------- ആണ് എന്റേത്.
6. വയലിൽ ------- ആണിപ്പോൾ.
7. എന്റെ മകൾക്കു ---------- സുഖമില്ല.
8. അവളൊരു ---------- ആണ്.
9. എല്ലാം ------ ആണ്.
10. പരിപ്പും ------- വിളമ്പൂ.

X. प्रत्येक वाक्य केलिए दो- दो प्रश्नात्मक वाक्य बनाइए ।

1. സുധ രാധയുടെ മകളാണ്.
2. എനിക്ക് ജീരകവും ഉലുവയും വേണം.
3. ആ വലിയ വീട് പ്രകാശിന്റെ സഹോദരിയുടെ വീടാണ്.
4. കൊല്ലത്താണ് നമ്മുടെ സ്വന്തം വീട് .
5. രഘുവിന് രണ്ടുമക്കൾ ഉണ്ട്.
6. എനിക്ക് ആശുപത്രിവരെ ഒന്നു പോകണം.
7. മാഥൂറിന്റെ കൂട്ടുകാരന് നട്ടെല്ലിനാണ് അസുഖം.
8. എനിക്ക് മലയാളവും കന്നഡയും അറിയാം.

पढिए और समझिए

മനുഷ്യനും ആവന്റെ ആവശ്യങ്ങളും

മനുഷ്യന് ഈ ലോകത്ത് ജീവിക്കുവാൻ പലതും ആവശ്യമുണ്ട്. പ്രാഥമികമായി, താമസിക്കുവാൻ വീടു വേണം, ഉടുക്കുവാൻ വസ്ത്രങ്ങൾ വേണം, ജീവൻ നിലനിർത്താൻ ആഹാരം വേണം. എന്നാൽ പുതിയ സാമൂഹ്യ സാഹചര്യത്തിൽ മനുഷ്യന് പ്രാഥമികമായ ഈ ആവശ്യങ്ങൾ മാത്രം പോര. ആവശ്യങ്ങൾക്കപ്പുറത്ത് അവന് നിറവേറ്റുവാൻ പല ആഗ്രഹങ്ങളുമുണ്ട്. സുഖസൗകര്യങ്ങളോടും ആഡംബരങ്ങളോടും അവന് എന്നും തീവ്രമായ ആസക്തിയുണ്ട്. ആഗ്രഹങ്ങളുടെ സ്വർണത്തേരിൽ സഞ്ചരിക്കുവാൻ അവന് എന്നും ആവേശമാണ്. പണം, കീർത്തി,

ആരോഗ്യം, പദവി എല്ലാം എല്ലാം അവന് വേണം, എല്ലാം കീഴടക്കണം, എല്ലാം നേടണം, എല്ലാമെല്ലാം ആസ്വദിക്കണം. ലോകത്തിന്റെ വശ്യസൗന്ദര്യം മുഴുവൻ കൊതിതീരുവോളം നുകരണം. ഒടുവിൽ ഒന്നും നേടണമായിരുന്നില്ല എന്ന തോന്നൽ മാത്രം ബാക്കി .താനാണ് വലിയവനെന്നും തന്നേക്കാൾ വലിയവരായി ആരുമില്ലെന്നുമാണ് അഹങ്കാരികളായ മനുഷ്യരുടെ തെറ്റിദ്ധാരണ. ലോകത്തെ കീഴടക്കുവാൻ അധികാര മോഹികളായ വലിയ ചക്രവർത്തിമാരും വീരപുരുഷ ന്മാരും ഉണ്ടായിരുന്നു. ഈ ലോകം മുഴുവൻ തങ്ങളുടെ കൈപ്പിടിയിൽ നിന്ന് പോകരുത് എന്നായിരുന്നു അവരുടെ ആശ. പക്ഷേ, ഇന്നവർ എവിടെ? അവരുടെ സിംഹാസനങ്ങളും, ചെങ്കോലുകളും അന്തഃപുരങ്ങളും ആകാശചുംബികളായ ആ മണിഹർമ്യങ്ങളും എവിടെ? അത് വലിയവരുടെ കഥ. സാധാരണ മനുഷ്യന്റെതോ? അവരും ഒന്നും നേടുന്നില്ല!

മനുഷ്യന്റെ ഗതി എന്നും ഇതു തന്നെയായിരുന്നു. ആണ്, ആയിരിക്കും. എന്നിട്ടും നമ്മുടെ ആഗ്രഹങ്ങൾക്ക് ഒരു അവസാനവുമില്ല. അനന്തമായ ആഗ്രഹ ങ്ങൾക്ക് താൽക്കാലികമായ ഒരു ശമനം എപ്പോഴെങ്കിലുമുണ്ടോ? ഉണ്ട്, രോഗാ വസ്ഥയിൽ, അപ്പോൾ മാത്രം! ശരീരത്തിന് അത്യധികമായ വേദന ഉണ്ടെങ്കിൽ മറ്റാഗ്രഹങ്ങൾക്ക് സ്ഥാനമില്ല. ആ വേദനയുടെ അവസാനത്തോടൊപ്പം ആഗ്രഹ ങ്ങളുടെ വെള്ളപ്പൊക്കം വീണ്ടും !

शब्दार्थ

മനുഷ്യൻ	मनुष्य	പണം	धन
ആവശ്യം	आवश्यकता	കീർത്തി	कीर्ति
ലോകം	दुनिया	ആരോഗ്യം	आरोग्य
പലതും	कई	പദവി	पदवी
പ്രാഥമികം	प्रथम, प्राथमिक	കീഴടക്കുക	आज्ञाधीन करना, पराजित करना
താമസിക്കുക	रहना	നേടുക	पाना
ഉടുക്കുക	पहनना	ആസ്വദിക്കുക	आस्वादन करना
വസ്ത്രം	कपडा	വശ്യസൗന്ദര്യം	वश्य सौन्दर्य
ജീവൻ	प्राण	കൊതി	आग्रह, लालच
നിലനിർത്തുക	स्थिर रखना	നുകരുക	आस्वादन करना
സാമൂഹ്യസാഹചര്യം	सामाज का साहचर्य	വലിയവൻ	बडा आदमी
അപ്പുറം	उस ओर, उस तरफ	തന്നേക്കാൾ	तुम से, अपने आप से
നിറവേറ്റുക	सफल बनाना	അഹങ്കാരി	अहंकार करने वाला

ആഗ്രഹം	आग्रह, इच्छा	തെറ്റിദ്ധാരണ	गलतफहमी
സുഖസൗകര്യം	सुख और सुविधा	അധികാരമോഹി	अधिकार चाहनेवाले
ആഡംബരം	आडंबर	ചക്രവർത്തി	चक्रवर्ति
തീവ്രം	तीव्र	കൈപ്പിടി	हाथ की पकड़,मुष्ठी
ആസക്തി	आसक्ति	ആശ	इच्छा
സ്വർണ്ണത്തേര്	सोने का रथ	സിംഹാസനം	सिंहासन
സഞ്ചരിക്കുക	संचार करना	ചെങ്കോൽ	राजदण्ड
ആവേശം	आवेश	അന്തഃപുരം	अंतःपुर
ആകാശചുംബികൾ	आकाश को चुम्बन करने वाले	രോഗാവസ്ഥ	रोग की अवस्था
മണിഹർമ്യം	सुन्दर सौध	ശരീരം	शरीर
സാധാരണ	सामान्य	അത്യധികം	बहुत अधिक
ഗതി	गति	വേദന	दर्द
അവസാനം	अंत	മറ്റ്	दूसरे, अलग
അനന്തം	अनंत	സ്ഥാനം	स्थान
താൽക്കാലികം	तात्कालिक	വെള്ളപ്പൊക്കം	बाढ़
ശമനം	शमन	വീണ്ടും	फिर भी
എപ്പോഴെങ്കിലും	कभी भी		

अभ्यास

I. पाठ के आधार पर उचित शब्दों से वाक्य पूरे कीजिए ।

1. രോഗികൾക്ക് ------ -------- ഒരേപോലെ ആവശ്യമാണ്.
2. സാധാരണ മനുഷ്യന് വീടും, ------ ആഹാരവും വേണം.
3. ഇക്കാലത്ത് മനുഷ്യന് --------- ആവശ്യങ്ങൾ മാത്രം പോര .
4. സ്വന്തം ആഗ്രഹങ്ങൾ -------- മനുഷ്യൻ വളരെ പ്രയത്നിക്കണം .
5. ആഗ്രഹങ്ങളുടെ -------- സഞ്ചരിക്കാനാണു മനുഷ്യർക്ക് ഇഷ്ടം .
6. ലോകത്തിന്റെ സൗന്ദര്യം ------- അവന് ആഗ്രഹമുണ്ട്.
7. ലോകത്തെ ------ അധികാരമോഹികൾക്ക് ആഗ്രഹം.
8. ലോകം തങ്ങളുടെ പിടിയിൽ നിന്നു ------- എന്നായിരുന്നു അവർക്ക് ആഗ്രഹം .
9. ശരീരത്തിന് ------- ഉണ്ടെങ്കിൽ അപ്പോൾ മാത്രം ------- മനസ്സിൽ ആഗ്രഹങ്ങൾ ഇല്ല .
10. ആ വേദനയുടെ ------ ആഗ്രഹങ്ങളുടെ വെള്ളപ്പൊക്കം വീണ്ടും .

II. उचित रूप से मिलाइए

തെറ്റിദ്ധാരണ	नदी
കിടപ്പുമുറി	सौन्दर्य
ഭാണ്ഡം	राजदंड
ശല്യം	अधीन में लाना
വയൽ	शयन घर
പുഴ	ग्रीष्म
തലസ്ഥാനം	खेत
ചെങ്കോൽ	ग्रीष्म
കീഴടക്കുക	राजधानी
അഴക്	उपद्रव
വേനൽ	तकलीफ़
കറക്കുക	राजदण्ड

III . हिन्दी में अनुवाद कीजिए ।

विकास एक लेखक बनना चाहता था । बचपन से ही वह कविता सुनना, कविता सुनाना और कविता पढ़ना चाहता था । लेकिन उसके माता पिता चाहते थे कि वह एक डाक्टर बने। इसलिए वे नहीं चाहते थे कि वह कविता पढ़े या सुने । इसलिए विकास हमेशा उदास रहता था । परंतु वह एक अच्छा विद्यार्थी था । इसलिए वह अपने पाठों को ठीक से पढ़ना चाहता था । उसके अध्यापक उस को बहुत चाहते थें । आजकल विकास मेडिकल कालेज में है । चार वर्षों में वह डाक्टर बन जाएगा। वह प्रेम के साथ रोगियों का इलाज करना चाहता है ।

IV . आप के बचपन के बारे में दस वाक्य लिखिए ।

പാഠം 7
पाठ 7

## കളക്ടർ മാഥൂർ	## कलक्टर माथुर
മേനോൻ : സുഖമാണോ മാഥുർ? കാര്യങ്ങൾ ഒക്കെ എങ്ങനെ ഇരിക്കുന്നു? നാട്ടിൽ അച്ഛനും അമ്മയ്ക്കും ഒക്കെ സുഖമാണോ?	माथुर, ठीक है न? हालचाल कैसे चल रहा है?क्या घर पर माता-पिता और सब लोग आनन्द पूर्वक हैं?
മാഥൂർ : ദൈവാനുഗ്രഹം കൊണ്ട് എല്ലാവരും സുഖമായിരിക്കുന്നു.	ईश्वर की कृपा से सब लोग आनन्द पूर्वक हैं ।
മേനോൻ : എന്താ മാഥുർ, മലയാളപുസ്തകം വായിക്കുന്നോ? ഏതാണാ പുസ്തകം?	माथुर, क्या आप मलयाळम की पुस्तक पढ रहे हैं ?कौन सी पुस्तक हैं ।
മാഥൂർ : 'ചെമ്മീൻ' . നിങ്ങളുടെ പ്രിയപ്പെട്ട എഴുത്തുകാരനായ തകഴിയുടെ ചെമ്മീൻ തന്നെ.	'चेम्मीन'। आप लोगों के लोकप्रिय साहित्यकार 'तकषि ' का चेम्मीन ही है ।
മേനോൻ : ചെമ്മീനോ?	चेम्मीन ?
മാഥൂർ : അതെന്താണ് മോഹനൻ അങ്ങനെ ചോദിക്കുന്നത്? എനിക്കു ചെമ്മീൻ വായിക്കാൻ പാടില്ലേ?	मोहन ऐसा क्यों पूछते हो ? क्या मैं चेम्मीन नहीं पढ सकता हूँ ?
മേനോൻ : ഛേ.ഛേ. അങ്ങനെയല്ല. അതിശയം കൊണ്ടുചോദിക്കുന്നതാണ്. വെറും ആറുമാസംകൊണ്ടു മാഥുർ മലയാള നോവലുകൾ വായിക്കുന്നല്ലോ. അതുകൊണ്ടാണ് ഞാൻ അതിശയി ക്കുന്നത്.	अरे अरे ऐसा नहीं। आश्चर्य से पूछ रहा हूँ। केवल छेः ही महीनों के अन्दर आप मलयाळम उपन्यास पढ रहे हैं। इसलिए मुझे आश्चर्य हो रहा है ।
മാഥൂർ : വായിക്കാൻ ശ്രമിക്കുന്നു എന്നു പറയാം. മുഴുവൻ മനസ്സിലാവുന്നു എന്നു പറയു ന്നില്ല. മനസ്സിലാക്കാൻ ഒരു ശ്രമം നടത്തുന്നു അത്രമാത്രം.	कह सकता हूँ कि पढने का प्रयास कर रहा हूँ। ऐसा नहीं कहता हूँ कि पूरा समझ रहा हूँ। केवल प्रयास मात्र कर रहा हूँ । उतना ही ।

മേനോൻ	: ആ ശ്രമം പോലും വളരെ പ്രശംസനീയം ആണ്. അതിരിക്കട്ടെ. മാഥുറിന് ഈ നോവൽ വളരെ ഇഷ്ടമായി അല്ലേ?	वह प्रयास भी प्रशंसनीय है। रहने दो । आपको यह उपन्यास अच्छा लगा है न ?
മാഥുർ	: അതുപിന്നെ പറയാനുണ്ടോ? കുട്ടിക്കാലത്തേ എനിക്കു ചെമ്മീനെ പ്പറ്റിയും തകഴിയെപ്പറ്റിയും ഒക്കെ അറിയാമായിരുന്നു.	फिर क्या? इसके बारे में कहना ज़रूरी है? बचपन से ही मैंचेम्मीन और तकषि के बारे में जानता था।
മേനോൻ	: ചെമ്മീൻ എന്ന സിനിമയിലൂടെ അല്ലേ ?	चेम्मीन नामक सिनेमा के माधयम से न?
മാഥുർ	: അതെ. പിന്നെ എന്റെ നാട്ടിൽ ധാരാളം മലയാളികൾ ജോലി ചെയ്യുന്നില്ലേ? അവരുടെ കേരള സമാജം പരിപാടികൾക്കു ഞാൻ സ്ഥിരം സന്ദർശകനായിരുന്നു. അങ്ങനെ കേരളീയരുടെ സാഹിത്യ ത്തെപ്പറ്റിയും എനിക്കു സാമാന്യ ബോധം ഉണ്ട്. എനിക്ക് കേരളത്തെ പ്പറ്റി വലിയ മതിപ്പുമാണ്.	जी हाँ। इसके अलावा मेरे यहाँ अनेक मलयाली लोग काम करते हैं न? उनके केरल समाज कार्यक्रम में मैं अक्सर जाता था। इस प्रकार केरल के साहीत्य के बारे में भी मुझे सामान्य ज्ञान है। केरल के बारे में मेरे विचार बहुत अच्छे है ।
മേനോൻ	: ഇപ്പോൾ അതൊക്കെ നേരിട്ടു മനസ്സിലാക്കാൻ ധാരാളം അവസരവും കിട്ടുന്നുണ്ട്. അല്ലേ?	इस समय सब बातें देखकर समझने का अवसर भी मिल रहा है न?
മാഥുർ	: ഉണ്ട്. ആഫീസുജോലികഴിഞ്ഞു ഞാൻ ഇവിടെ പല കലാ സാഹിത്യ സാംസ്കാരിക പരിപാടികൾക്കും പോകുന്നുണ്ട്. വിശിഷ്ടാതിഥി ആയല്ല. കേൾവിക്കാരിൽ ഒരാളായി, കാണി കളിൽ ഒരാളായി .	जी हाँ। आफिस के काम के बाद साहित्यिक कार्यक्रमों में भी मैं भाग लेता हूँ। मुख्य अतिथि बनकर नहीं, सुननेवालों में एक बनकर, देखने वालों में एक बनकर।
മേനോൻ	: നന്നായി. കേരളത്തിന്റെ ആരാധക നായ ഒരാളാണല്ലോ ഞങ്ങളുടെ ജില്ല ഭരിക്കുന്നത്.	बहुत अच्छा। केरल के आराधकों में से ही एक हमारे जिले का शासन करता है। यह हमारा भाग्य है ।
മാഥുർ	: എന്നെ അത്രയൊന്നും പുകഴ്ത്തരുതേ. എന്റെകഴിവനുസരിച്ചു ഞാൻ ജനങ്ങളെ	मेरी उतनी प्रशंसा मत कीजिए। अपनी क्षमता के अनुसार मैं जन

	സേവിക്കുന്നു. കേരളീയരുടെ ആഹാര രീതിയും വസ്ത്രധാരണ രീതിയും ഒക്കെ അനുകരിക്കാൻ ഞാൻ ശ്രമിക്കുന്നുണ്ട്. ചേരതിന്നുന്നനാട്ടിൽ പോയാൽ നടുക്കണ്ടം തിന്നണം എന്നല്ലേ ചൊല്ല്?	सेवा करता हूँ। खाने और पहनावे में भी मैं केरल के लोगों का अनुकरण करने का प्रयास करता हूँ। जैसा देश वैसा वेष है न?
മേനോൻ :	തകർക്കുന്നുണ്ടല്ലോ മാഥുർ. മലയാളത്തിലെ പഴഞ്ചൊല്ലുകൾ വരെ മനഃപാഠം ആയി. അല്ലേ? വളരെ സന്തോഷം.	आप कमाल कर रहे हैं।मलयालम की कहावतों तक आप केलिए कठंस्थ पाठ (मनःपाठ)है न ।?बहुत खुशी है ।

शब्दार्थ

സുഖം	सुख	നേരിട്ട്	सीधे
ദൈവാനുഗ്രഹം	ईश्वर की इच्छा	അവസരം	अवसर
പുസ്തകം	पुस्तक	സാംസ്കാരികം	सांस्कृतिक
ചെമ്മീൻ	झींगा (मछली)	ബഹുമാനം	आदर
പ്രിയപ്പെട്ട	प्रिय	കേൾവിക്കാർ	सुननेवाले
എഴുത്തുകാരൻ	लेखक	കാണികൾ	देखने वाले
ചോദിക്കുക	पूछना	ആരാധകൻ	आराधक
അതിശയം	आश्चर्य	ജില്ല	जिला
അതിശയിക്കുക	आश्चर्य करना	ഭരിക്കുക	शासन करना
ശ്രമിക്കുക	प्रयत्न करना	ഭാഗ്യം	भाग्य
മനസ്സിലാക്കുന്നു	समझता हूँ	പുകഴ്ത്തുക	प्रशंसा करना, तारीफ करना
മനസ്സിലാക്കുക	समझना	കഴിവ്	क्षमता, शक्ति,ताकत
ശ്രമം നടത്തുക	प्रयत्न करना	ജനം	लोग
ശ്രമം	प्रयत्न, श्रम	സേവിക്കുക	सेवा करना
നടത്തുക	चलाना	വസ്ത്രധാരണം	वस्त्र धारण
പ്രശംസനീയം	प्रशंसनीय	അനുകരിക്കുക	अनुकरण करना
കുട്ടിക്കാലത്തേ	बचपन से ही	ചേര	एक प्रकार का विषरहित साँप

കുട്ടിക്കാലം	बचपन	തിന്നുക	खाना
സമാജം	संघ	നടുക്കണ്ടം	बीच का टुकडा
പരിപാടി	कार्यक्रम	പഴഞ്ചൊല്ല്	कहावत
സ്ഥിരം	स्थिर	തകർക്കുക	कमाल करना, नाश करना
സന്ദർശകൻ	संदर्शक, आगंतुक	മനഃപാഠം	कंठस्थ पाठ
സാഹിത്യം	साहित्य		

अभ्यास

I. उदाहरण के अनुसार अपने शब्दों को जोड़कर हर एक क्रिया के चार चार वाक्य बनाइए ।

उदा :

പഠിക്കുന്നു.
മലയാളം പഠിക്കുന്നു.
ഇപ്പോൾ മലയാളം പഠിക്കുന്നു.
മാഥുർ ഇപ്പോൾ മലയാളം പഠിക്കുന്നു.

1. സംസാരിക്കുന്നു
2. കുടിക്കുന്നു
3. വരുന്നു
4. വായിക്കുന്നു
5. പോകുന്നു
6. ഇരിക്കുന്നു

II. उदाहरण के अनुसार दिए हुए वाक्यों को निवेधान्मक रूप में बदलिए ।

उदा :

മാഥുർ വരുന്നു. മാഥുർ വരുന്നില്ല.

1. സുന്ദർ മലയാളം പുസ്തകം വായിക്കുന്നു.
2. ജോണി കട നടത്തുന്നു.
3. അമ്മയും അച്ഛനും അടുക്കളയിൽ ജോലി ചെയ്യുന്നു.
4. മധു ഫോണിൽ സംസാരിക്കുന്നു.
5. കുട്ടി റേഡിയോ കേൾക്കുന്നു.

III. उदाहरण के अनुसार वाक्यों में ഓ जोड़कर उन्हे प्रश्नवाचक बनाइए।

उदा :

എല്ലാവരും വരുന്നു. എല്ലാവരും വരുന്നോ?

1. ലിപിക മലയാളം വായിക്കാൻ ശ്രമിക്കുന്നു.
2. ജയശ്രീ ഇപ്പോൾ ഹിന്ദി പഠിക്കുന്നു.

3. കേരളത്തിന്റെ ആരാധകൻ കേരളം ഭരിക്കുന്നു.
4. ഞാൻ ജീരകവെള്ളം കുടിക്കുന്നു.
5. അദ്ദേഹത്തിനെ എല്ലാവരും പുകഴ്ത്തുന്നു .

IV. उदाहरण के अनुसार दिए हुए वाक्यों में ഏ - जोड़कर उन्हें प्रश्नवाचक बनाइए।

उदा :

എല്ലാവരും വരുന്നില്ല. എല്ലാവരും വരുന്നില്ലേ?

1. അവർ ഗ്രാമത്തിലെ വീട്ടിൽ താമസിക്കുന്നില്ല.
2. അവരുടെ ആഹാരരീതി ഞാൻ അനുകരിക്കുന്നില്ല.
3. അമ്മ രാവിലെ ചായ കുടിക്കുന്നില്ല.
4. ലിപിക മലയാളത്തിൽ സംസാരിക്കുന്നില്ല.
5. അവിടെ ധാരാളം മലയാളികൾ ജോലി ചെയ്യുന്നില്ല.

V. उदाहरण के अनुसार प्रत्येक वाक्य के दो दो वाक्य बनाइए ।

उदा : ഞാൻ കാര്യം പറയുന്നു.

(i) ഞാനാണ് കാര്യം പറയുന്നത്. (ii) ഞാൻ കാര്യമാണ് പറയുന്നത്.

1. ഞാൻ ചെമ്മീൻ എന്ന പുസ്തകം വായിക്കുന്നു.
2. കളക്ടർ ജില്ല ഭരിക്കുന്നു.
3. അവർ സിനിമ കാണുന്നു.
4. ഞങ്ങൾ മീറ്റിംഗിനു പോകുന്നു.
5. ആ അധ്യാപകർ ഗ്രാമത്തിൽ താമസിക്കുന്നു

VI. उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिये हुए शब्दों के उचित रूपों का प्रयोग कर के वाक्य पूरे कीजिए ।

उदा : ലിപിക കവിത -------- (വായിക്കുക)

ലിപിക കവിത വായിക്കുന്നു

1. അവരെല്ലാം വരാന്തയിൽ -------- . (നിൽക്കുക)
2. റോസമ്മ പച്ചക്കറിക്കച്ചവടം ------- . (നടത്തുക)
3. രാമൻകുട്ടി നേന്ത്രക്കുല ------ --- . (വിൽക്കുക)
4. അദ്ദേഹത്തിന്റെ ഭാര്യ ആശുപത്രിയിൽ ---- .(കിടക്കുക)
5. അവൾ ഒന്നാം ക്ലാസിൽ ---------- . (പഠിക്കുക)

VII. उचित शब्दों का प्रयोग कर के वाक्य पूरे कीजिए ।

1. അരവിന്ദനും കൂട്ടുകാരും അലഹബാദിൽ ------- .
2. ഞങ്ങൾ പരീതിന്റെ കടയിൽ നിന്ന് എല്ലാ സാധനങ്ങളും ------ .
3. ഇപ്പോൾ ഞങ്ങളെല്ലാം മലയാളത്തിലാണ് ------- .
4. എന്റെ ഭാര്യയും ഞാനും ഗ്രാമത്തിലെ ആശുപത്രിയിൽ ജോലി ----- .

5. നിങ്ങൾ ഏതു പുസ്തകമാണ് ഇപ്പോൾ -------- ?
6.. അദ്ദേഹം ഇപ്പോൾ ഒരു കഥ -----.
7. നിങ്ങൾ നല്ല വണ്ണം ----- .
8. കേരളീയരെ എനിക്കു ------- .
9. ആറുമാസം കൊണ്ട് ഈ -------- വായിക്കുന്നല്ലോ .
10. നാട്ടിൽ നിന്ന് എന്ന് തിരിച്ചു -------?

VIII. दिए हुए क्रियारूपों को संरचना के अनुसार दो समूहों में बाँट कर लिखिए ।

വായിക്കുന്നു, പഠിക്കട്ടെ, എഴുതുന്നു, പോകുന്നു, വരുന്നു, കുടിക്കട്ടെ പുകഴ്ത്തുന്നു, സംസാരിക്കുന്നു, നിൽക്കട്ടെ, കൊണ്ടുവരട്ടെ, അറിയുന്നു, വാങ്ങിക്കുന്നു, വിൽക്കട്ടെ, താമസിക്കുന്നു, കിട്ടുന്നു, നിൽക്കട്ടെ.

IX. अभ्यास कीजिए ।

1. കാര്യം	-	കാര്യങ്ങൾ	നിരൂപണം	-	നിരൂപണങ്ങൾ
ഗ്രാമം	-	ഗ്രാമങ്ങൾ	പാഠം	-	പാഠങ്ങൾ
വിദ്യാലയം	-	വിദ്യാലയങ്ങൾ	പഴം	-	പഴങ്ങൾ
2. മലയാളി	-	മലയാളികൾ	ജോലി	-	ജോലികൾ
ബംഗാളി	-	ബംഗാളികൾ	കവിത	-	കവിതകൾ
പരിപാടി	-	പരിപാടികൾ	പച്ചക്കറി	-	പച്ചക്കറികൾ

पढिए और समझिए

ഓടക്കുഴലിന്റെ കവി

പ്രപഞ്ചത്തിന്റെ മുന്നിൽ നമ്രശിരസ്കനായി ഒരു കവി നിൽക്കുന്നു. പ്രകൃതിയുടെ ആസ്വാദകനായ കവി മാത്രമായല്ല പ്രകൃതിയുടെ ആരാധകനായ ഒരു കവി യായി കൂടി ഈ കവിക്ക് പ്രകൃതി നിർവികാരവും നിർജീവവുമായ ഒരു അലങ്കാര വസ്തുവല്ല.

ഈ സുന്ദരപ്രപഞ്ചത്തിനു മുന്നിൽ തന്റെ ഹൃദയമുരളിയിലൂടെ എന്നു മെന്നും പാടുവാൻ ഈ കവി ആഗ്രഹിക്കുന്നു.

കവി മറ്റാരുമല്ല.

മഹാകവി ജി.ശങ്കരക്കുറുപ്പ് തന്നെ.

അനന്തനീലമായ ആകാശവും അതിലെ അനന്തകോടി താരകങ്ങളും,

സൂര്യചന്ദ്രൻമാരും, കടലും, ഭൂമിയിലെ പുല്ലുകളും പൂക്കളും ഇലകളും മനുഷ്യ നോട് ഭാവനിർഭരമായി സംസാരിക്കുന്നു എന്ന് ഈ കവിക്ക് തോന്നുന്നു. പ്രപഞ്ച ത്തിലെ സകല വസ്തുക്കളോടും ഈ കവി സ്നേഹപുരസ്സരം സംസാരിക്കുന്നു. ചിലപ്പോൾ വസ്തുക്കൾ കവിയോടു സംസാരിക്കുന്നു; ചിലപ്പോൾ കവി വസ്തു ക്കളുടെ ആത്മാ ലാപങ്ങൾ രചിക്കുന്നു.

പ്രകൃതിയും പ്രേമവും ദേശാഭിമാനവുമാണു ശങ്കരക്കുറുപ്പിന്റെ കവിതകളിൽ നമുക്കു കാണാൻ കഴിയുന്നത്. പ്രകൃതിവർത്തനകൾക്കു പ്രാമുഖ്യമുള്ള സാഹിത്യ കൗതുകത്തിലെ കവിതകളിൽ പ്രകൃതിയുടെ ആസ്വാദകനായിട്ടാണ് ഈ കവിയെ നമ്മൾ കാണുന്നത്. വിശ്വദർശനം, ജീവനസംഗീതം, ഓടക്കുഴൽ തുടങ്ങിയ പിൽ ക്കാല കവിതകളിൽ അദ്ദേഹം പ്രകൃതിയുടെ ഉപാസകനായി തീരുന്നു.

ആദ്യകാലകൃതികളിൽവള്ളത്തോളിന്റെ ശബ്ദസുഭഗമായ ഭാഷാ ശൈ ലിക്കും ഉള്ളൂരിന്റെ ശബ്ദാഡംബരമായ ശൈലിക്കും ഇടയിലുള്ള ഒരു കാവ്യ പന്ഥാവാണ്. ജി.തിരഞ്ഞെടുക്കന്നത്. എന്നാൽ ഒടുവിൽ കുമാരനാശാന്റെ പിൻ ഗാമിയായി അർഥഗൗരവമുള്ള കവിതകളിലേക്ക് അദ്ദേഹം മാറുന്നു. ഈ പരിണാമ ത്തിന് ടാഗോറിന്റെ സ്വാധീനവുമുണ്ടായിരുന്നു.

ജി.യുടെ ഭാവഗീതങ്ങൾ ആശയസമ്പന്നമാണ്. എന്നാൽ ഈ ആശയ സമ്പന്നത കവിതയെ ഒരിക്കലും ദുർബലമാക്കുന്നില്ല. വിചാരത്തെ വികാരം കൊണ്ടും വികാരത്തെ വിചാരം കൊണ്ടും നിയന്ത്രിക്കാൻ കവിക്കു കഴിയുന്നു.

ശങ്കരക്കുറുപ്പിനാണു ഭാരതീയഭാഷകളിലെ ആദ്യത്തെ ജ്ഞാനപീഠ പുരസ്- കാരം കിട്ടുന്നത്.

शब्दार्थ

ഓടക്കുഴൽ	बाँसुरी	ദേശാഭിമാനം	देशाभिमान
പ്രപഞ്ചം	प्रपंच, संसार	വർണന	वर्णन
നമ്രശിരസ്കൻ	नत मस्तक	പ്രാമുഖ്യം	प्राधान्य
നിൽക്കുക	खडे हो जाना	കൗതുകം	कौतुक
പ്രകൃതി	प्रकृति	വിശ്വദർശനം	विश्वदर्शन
കവി	कवि	ജീവനസംഗീതം	जीवन का संगीत
ആസ്വാദകൻ	आस्वादक, सहृदय	പിൽക്കാലം	बाद के समय
നിർവികാരം	निर्विकार	കൃതി	कृति
നിർജീവം	निर्जीव	ശബ്ദസുഭഗം	शब्द का सौंदर्य
അലങ്കാരവസ്തു	अलंकार की वस्तु	ശൈലി	शैली

വസ്തു	चीज़	ശബ്ദാഡംബരം	शब्द का आडंबर
സുന്ദരം	सुन्दर	പിൻഗാമി	पीछे चलने वाला
ഹൃദയമുരളി	हृदय मुरली, हृदय की बाँसुरी	അർഥഗൗരവം	अर्थ की गहनता
പാടുക	गाना	മാറുക	बदलना
അനന്തനീലം	अनंत नील	പരിണാമം	परिणाम
താരകം	नक्षत्र	സ്വാധീനം	प्रभाव, असर
സൂര്യചന്ദ്രന്മാർ	सुरज और चाँद	ഭാവഗീതം	भावगीत
കടൽ	सागर	ആശയസമ്പന്നം	आशय संपन्न
ഭൂമി	भूमि	ഒരിക്കലും	कभी भी
സ്നേഹപുരസ്സരം	प्यार से	വിചാരം	विचार
ആത്മാലാപം	आत्मालापन, स्वगतभाषण	പന്ഥാവ്	पथिक
		വികാരം	विकार
രചിക്കുക	रचना करना	നിയന്ത്രിക്കുക	नियत्रंण करना
പ്രേമം	प्रेम		

अभ्यास

I. उत्तर दीजिए ।

1. ശങ്കരക്കുറുപ്പ് ആരാണ്?
2. പൂക്കളും പുല്ലുകളും തന്നോട് എങ്ങനെ സംസാരിക്കുന്നു എന്നു കവിക്കു തോന്നുന്നു?
3. കവിക്കും പ്രകൃതിക്കും തമ്മിലുള്ള ബന്ധം എന്താണ്?
4. ശങ്കരക്കുറുപ്പിന്റെ ആദ്യകാലകവിതകളിൽ നമ്മൾ എന്തുകാണുന്നു?
5. സാഹിത്യകൃതികളിലെ കവിതകളിൽ എങ്ങനെയാണ് നമ്മൾ ശങ്കരക്കുറുപ്പിനെ കാണുന്നത് ?
6. വിശ്വദർശനം, ജീവനസംഗീതം തുടങ്ങിയ കവിതകളിൽ നമ്മൾ ശങ്കരക്കുറുപ്പിനെ എങ്ങനെ കാണുന്നു. ?
7. കുറുപ്പിന്റെ ആദ്യകാലകവിതകളിൽ ഏതുതരം ശൈലി കാണാം ?
8. ഉള്ളൂരിന്റെ കവിതകൾ എങ്ങനെയുള്ളവയാണ് ?
9. കുമാരനാശന്റെ കവിതകൾ എങ്ങനെയുള്ളവയാണ് ?
10. കവി വിചാരത്തെ എങ്ങനെ നിയന്ത്രിക്കാൻ ശ്രമിക്കുന്നു?

II. प्रत्येक समूह में उन शब्दों से मिलनेवाला और एक शब्द लिखिए ।

1.	2.	3.	4.	5.
ആരാധകൻ	സങ്കടം	പ്രകൃതി	സുന്ദരം	വേഗം
ആസ്വാദകൻ	സന്തോഷം	ആകാശം	പ്രശംസനീയം	സ്വല്പം
അധ്യാപകൻ	ദുഃഖം	താരകം	അനന്തനീലം	പതുക്കെ

III. मलयाळम् में अनुवाद कीजिए ।

रामधारी सिंह दिनकर हिन्दी के श्रेष्ट कवि हैं। "उर्वशी" उनकी ज्ञान पीठ पुरस्कृत रचना है। वे साहित्य अकादमी द्वारा पुरस्कृत भी हैं। वे देश भक्ति के कवि हैं। उनकी सभी कविताओं में राष्ट्रीयता का आधार अवश्य है। उनकी कविता वीर रस की कविता है। उनकी रशिम रथी में कर्ण का बड़ा अच्छा चित्रण है। स्वतंत्रता संग्राम के दिनों में जोश भरने वाली उनकी कविता है। उनकी कविताएँ सरल हैं। वे ओज से भरी हैं। उनकी कविताऍं हमारा उत्साह बढ़ाती हैं। हम लोग उनकी कविता को जोर जोर से पढते हैं ।

राष्ट्रीयता - ദേശീയ ബോധം   संग्राम - സമരം   ओज - ഓജസ്സ്

IV. हिन्दी के और एक महान कवि के बारे में पाँच वाक्य मलयालम में लिखिए ।

टिप्पणियाँ

1. इस पाठ में वर्तमान काल के वाक्यों का परिचय दिया गया है ।

उदा:-

1. ദൈവാനുഗ്രഹത്താൽ എല്ലാവരും സുഖമായിരിക്കുന്നു
   ईश्वर की कृपा से सब कुशलपूर्वक हैं । (अच्छे हैं ।)
2. ഞാൻ പുസ്തകം വായിക്കാൻ ശ്രമിക്കുന്നു
   मैं पुस्तक पढ़ने का प्रयास करता हूँ, (कर रहा हूँ) ।
3. എന്റെ നാട്ടിൽ മലയാളികൾ ജോലി ചെയ്യുന്നില്ലേ?
   मेरे यहाँ अनेक मलयाली लोग काम करते हैं न?

2. वर्तमानकाल के क्रिया रूप में -ഉന്നു लगाकर बनाते है ।

വായിക്ക് + ഉന്നു - വായിക്കുന്നു.

3. ഇരിക്കുന്നു वर्तमानकाल क्रिया का प्रयोग जैसे उदाहरण । (1) में है 'है' क्रिया के स्थान पर किया गया है ।

4. वर्तमानकाल क्रिया में -ഉന്നു के साथ ഉണ്ട് लगाने से कार्य होने की संभावना बढ़ती है और वाक्य के अर्थ पर ज़्यादा बल पडता है ।

उदा :

ഞാൻ കലാസാംസ്കാരിക പരിപാടികൾക്കു പോകുന്നുണ്ട്.
मैं कला सांस्कारिक कार्यक्रमों में भाग लेता हूँ ।

5. वर्तमानकाल के वाक्यों में जब किसी शब्द पर बल देना होता है तो उस शब्द के साथ ആണ് जोड़ते हैं और - ഉന്നു क्रिया ഉന്നത് में बदल जाती है ।

उदा :

ഞാൻ അതിശയം കൊണ്ടു ചോദിക്കുന്നു.

मैं आश्चर्य के कारण पूछता हूँ ।

ഞാൻ അതിശയം കൊണ്ടാണു ചോദിക്കുന്നത്.

मैं आश्चर्य के कारण ही पूछता हूँ ।

6. मलयाळम में वर्तमान काल दिए हुए निश्चित समय पर होनेवाले काम का बोध कराता है ।

7. पहले पाठों में बनाई गई अन्य क्रियाओं की तरह सकारात्मक क्रियाओं में -ഓ और नकारात्मक क्रियाओं में -ഏ लगाकर वर्तमान काल के प्रश्न वाचक बनाते हैं ।

മാഥുർ മലയാള പുസ്തകം വായിക്കുന്നോ?

माथुर (तुम) मलयालम पुस्तक पढते (पढ रहे) हो क्या?

എന്റെ നാട്ടിൽ ധാരാളം മലയാളികൾ ജോലി ചെയ്യുന്നില്ലേ?

मेरे यहाँ बहुत मलयाळी लोग काम करते नहीं क्या?

8. निम्न वाक्यों में रेखांकित शब्दों पर ध्यान दें ।

ദൈവാനുഗ്രഹത്താൽ എല്ലാവരും സുഖമായിരിക്കുന്നു.

ईश्वर की कृपा से सब कुशलपूर्वक हैं ।

അതിശയം കൊണ്ടു ചോദിക്കുന്നു

आश्चर्य के कारण पूछता हूँ ।

पहले वाक्य का प्रत्यय -ആൽ और दूसरे वाक्य का शब्द കൊണ്ട് कार्य के साधन या करण और कारण का बोध कराते हैं। -അം से अंत होनेवाली क्रियाओं में जब -ആൽ जुड़ता है तो മ് का लोप होता है और ത്ത का आगम हो जाता है ।

ആഗ്രഹം + ആൽ = ആഗ്രഹത്താൽ. 'आग्रह से '

9. ചെമ്മീൻ' എന്ന സിനിമയിലൂടെ എനിക്ക് തകഴിയെപ്പറ്റി അറിയാം .

'चेम्मीन' (नामक) सिनेमा के द्वारा मुझे तकषि के बारे में मालूम है । इस वाक्य में रेखांकित शब्द में कार्य के मार्ग का बोध कराने केलिए संज्ञा में -ഇ ലൂടെ लगाते है । ഇൽ കൂടെ का छोटा रूप है -ഇ ലൂടെ.

10. എനിക്കു ചെമ്മീൻ വായിക്കാൻ പാടില്ലേ?

क्या मुझे चेम्मीन पढ़ना नहीं है ?

इस वाक्य में പാടില്ലേ के प्रयोग पर ध्यान दें । പാടില്ല का प्रयोग निषेधात्मक अर्थ के बोध के लिए किया जाता है। പാടില്ല का प्रश्नवाचक शब्द है പാടില്ലേ. निम्न वाक्य पढिए।

നീ ഇവിടെ വരാൻ പാടില്ല.

तू यहाँ मत आना ।

ഇവിടെ ആരും സംസാരിക്കാൻ പാടില്ല

यहाँ किसी का भी बोलना मना है ।

दोनों वाक्यों में പാടില്ല का प्रयोग कार्य न करने केलिए, जोरदार आदेश केलिए किया जाता है ।

11. കലാകാരന്മാർ शब्द में - മാർ बहुवचन का प्रत्यय है । इसे मनुष्य वाचक संज्ञाओं में लगाई जाती है ।

കലാകാരൻ - കലാകാരന്മാർ   അധ്യാപകൻ - അധ്യാപകൻമാർ

साधारणतः അൻ पुल्लिंग वाचक है और उस रूप का बहुवचन केलिए- മാർ लगाया जाता है ।

12. संज्ञाओं के बाद –എ कर्मकारक विभक्ति के साथ പറ്റി या കുറിച്ച് लगने से हिन्दी के 'के बारे में' का अर्थ होता है ।

13. ഷേ, ഷേ का प्रयोग कही गई बात की मनाते केलिए किया जाता है ।

14. ചേര തിന്നുന്ന നാട്ടിൽ പോയാൽ നടുക്കണ്ടം തിന്നണം.

यह एक कहावत है । इस का शाब्दिक अर्थ इस प्रकार है । साँप को खानेवालों के देश में गए तो उस का (साँप का) बीच का टुकडा ही खाना चाहिए । इस का मतलब है 'जैसा देश वैसा वेष' ।

15. तकषि शिवशंकर पिल्लै मलयाळम कथा साहित्य के आदरणीय आचार्यो में से प्रमुख हैं ।

उन्हों ने बहुत ही कहानियाँ और उपन्यास लिखे हैं। केरल के ग्रामीण जीवन तथा केरलीय संस्कृति के अच्छे चित्र उन्होंने अपने साहित्य कृतियों में खींचे हैं । राज्य तथा राष्ट्र के स्थर पर इन को कई पुरस्कार मिल चुके हैं । इन के उपन्यास കയർ को ज्ञानपीठ पुरस्कार भी मिला है । इन का और एक प्रसिद्ध उपन्यास चेम्मीन है । 'झिभा' फिलिम निर्देशक रामू कारियाट्ट ने चेम्मीन उपन्यास के आधार पर फिलिम चेम्मीन बनाया और उस उपन्यास को अमर कर दिया।

16. उळ्ळूर परमेश्वरय्यर, वळ्ळत्तोल नारायण मेनोन तथा कुमारनाशान मलयाळम के सुप्रसिद्ध कवित्रय हैं। इन्हें आधुनिक मलयाळम के प्रतिभावान अमूल्य कवीरत्न माने जाते हैं । इन्हों का प्रभाव बाद के सैकड़ों कवियों में हुआ है ।

പാഠം 8
पाठ 8

ഡോക്ടറുടെ അടുത്ത് — डाक्टर के पास

ഡോ.ജോൺ	:നമസ്തേ മാഥുർ. വരൂ വരൂ	नमस्ते माथुर साहब, आइए आइए ।
മാഥൂർ	: നമസ്തേ. ഡോക്ടറുടെ രോഗികളൊക്കെ പോയോ? തിരക്കൊന്നും കാണുന്നില്ലല്ലോ?	नमस्ते। क्या डाक्टर के (आप के) सभी रोगी चल गये ? भीड भी दिखाई नहीं देती ।
ഡോ.ജോൺ	:എല്ലാവരും പോയി മണി ഒമ്പത് ആയില്ലേ? എന്റെ ജോലി സമയം കഴിഞ്ഞു.	सभी लोग चल गये। क्या नौ नहीं बज गये? मेरे काम का समय समाप्त हो गया ।
മാഥൂർ	: ശരിയാണ്. ഞാനത് ഓർമിച്ചില്ല ക്ഷമിക്കണം.	ठीक है । मुझे यह याद नहीं रहा। क्षमा कीजिये ।
ഡോ.ജോൺ	: സാരമില്ല. എന്താ വിശേഷം മാഥൂർ ? എന്താണിങ്ങോട്ടുവരാൻ തോന്നിയത്? അസുഖം വല്ലതും ഉണ്ടോ?	कोई बात नहीं। माथुर साहब, क्या विशेष बात है? क्यों यहाँ तक आने का कष्ट उठाए ? क्या कोई बीमारी है?
മാഥൂർ	: അത് ഡോക്ടർ തന്നെ പറയണം. അങ്ങ് എന്നെ ഒന്നു പരിശോധിക്കണം. രോഗം കണ്ടുപിടിക്കണം. ചികിത്സിക്കണം. അതിനാണ് ഞാനിങ്ങോട്ടുവന്നത്.	यह तो आपको ही बताना है । आपको मेरी जाँच करनी है। रोग का पता लगाना चाहिए। इलाज करना है । इसी केलिए मैं यहाँ आया ।
ഡോ.ജോൺ	: കളക്ടർ സാറിന്റെ കൽപ്പന പോലെ ഇങ്ങോട്ടിരിക്കൂ. പറയൂ, എന്തൊക്കെയാണ് വൈഷമ്യങ്ങൾ?	जैसी आपकी आज्ञा। इधर बैठिए। बताइए, क्या-क्या तकलीफें हैं?
മാഥൂർ	: മിനിഞ്ഞാന്നു മുതൽ എനിക്കൊരു വയറു വേദന. മിനിഞ്ഞാന്നും ഇന്ന	परसों से मेरे पेट में दर्द है। परसों और कल मैं सोयाही नहीं खाने में

	ലെയും ഞാൻ ഉറങ്ങിയതേ ഇല്ല. വായ്ക്കാണെങ്കിൽ സ്വാദേ ഇല്ല. പിന്നെ ഇന്നു രാവിലെ ഞാൻ ഛർദിച്ചു. അതോടെ ഒരു തലകറക്കവും. ആകെപ്പാടെ ഒരു ചീത്ത ദിവസം.	कोई स्वाद नहीं। फिर आज प्रातः मुझे एक बार उलटी हुई। इसके साथ सिर में चक्कर आ रही है। बहुत बुरा दिन है ।
ഡോ.ജോൺ :	വയറിളകിയോ ?	क्या पतला दस्त भी हो गया?
മാഥൂർ :	ഇല്ല. വയറിളക്കം വലുതായിട്ടില്ല. എന്നാൽ ഉണ്ടുതാനും അകപ്പാടെ ഒരസ്വസ്ഥത. ഇന്ന് ഓഫീസിൽ കാര്യമായ ജോലി ജോലി ഒന്നും ചെയ്തില്ല. പ്രധാനപ്പെട്ട ചില ഫയലുകൾ മാത്രം നോക്കി. സന്ദർശകരെപ്പോലും കണ്ടില്ല.	नहीं। पतला दस्त अधिक नहीं हो रहा है। थोडा हो रहा है। पूरी तरह परेशानि महसूस करता हूँ । आज मैं ने आफ़िस में कोई भी बडा कार्य नहीं किया। केवल कुछ मुख्य फैलों को ही देखा। आगन्तुकों को भी नहीं देखा
ഡോ.ജോൺ :	ഇന്നലെയോ മിനിഞ്ഞാന്നോ അതിന്റെ തലേദിവസമോ വീട്ടിനു വെളിയിൽ നിന്ന് ആഹാരം വല്ലതും കഴിച്ചോ?	कल, परसों या उसके एक दिन पहले क्या धर के बाहर से कुछ खाना खाया?
മാഥൂർ :	കഴിച്ചു. ഓഫീസിലെ ഒരു സഹപ്രവർത്തകന്റെ മകളുടെ കല്യാണത്തിനു പോയി. സദ്യയും ഉണ്ടു. സദ്യവളരെ നന്നായിരുന്നു.	खाया। अफिस के एक सहकर्मी की लडकी की शादी में गया था।दावत में खाया भी । दावत बहुत अच्छी थी ।
ഡോ.ജോൺ :	എന്നാൽ അവിടെയാണു കുഴപ്പം. എന്തായാലും ഈ മേശപ്പുറത്തൊന്നു കിടക്കൂ. ഞാൻ ഒന്നു പരിശോധിക്കട്ടെ. പിന്നെ നാളെ മലവും മൂത്രവും ഒന്നു പരിശോധിക്കണം. ഡോക്ടർ സുകുമാരന്റെ ലാബറട്ടറിയിൽ മതി.	तो वही कारण है। जो भी हो इस मेज़ पर जरा लेटो। मैं थोडी जाँच कर लूँ। फिर कल पिशाब और मल जाँच होनी चाहिए। डाक्टर सुकुमारन की लैबोरटरी ही ठीक है ।
മാഥൂർ :	ഡോക്ടർ ഒരു കുറിപ്പു തരണം	डाक्टर साहब एक पर्ची दे दें ।
ഡോ.ജോൺ :	ആകട്ടെ.	अच्छा ।

മാഥൂർ	: എന്റെ പ്രഷറും പൾസും ഒക്കെ നോർമലാണോ ഡോക്ടർ?	डाक्टर साहब, मेरा रक्त चाप और नाडी सब ठीक है न ?
ഡോ.ജോൺ	: അതേ മാഥുർ. ഒരു കുഴപ്പവും ഇല്ല. ഇന്നലെ രാത്രി തലവേദനയോ, കഴുത്തു വേദനയോ,നെഞ്ചെരിച്ചിലോ മറ്റോ ഉണ്ടായിരുന്നോ ?	कलरात में सिर दर्द,गर्दन का दर्द, छाती का जलन आदि हो रहा था क्या ?
മാഥൂർ	: ഇല്ല ഡോക്ടർ. വയറുവേദന മാത്രം കുറേ അനുഭവിച്ചു. വെളുപ്പാൻ കാലത്താണ് ഒന്ന് കണ്ണടച്ചത്	नहीं डाक्टर साहब, केवल पेट दर्द बहुत हो रहा था। सुबह ही ज़रा आँख हंद ली ।
ഡോ.ജോൺ	: ശരി, തൽക്കാലം ഈ ഗുളികകൾ ആറെണ്ണം ഉണ്ട്. രാവിലെയും രാത്രിയും ഓരോന്നു കഴിക്കണം. വേറെ മരുന്നൊന്നും വേണ്ട. മറ്റെന്നാൾ ആ റിപ്പോർട്ട് കൊണ്ടു വരൂ. നോക്കട്ടെ.	ठीक है, अभी.ये छः गोलियाँ हैं। सुबह और रात एक-एक गोली खाना है। कोई और दवा नहीं चाहिए। परसों उस रिपोर्ट के साथ आइए । देखूँ ।
മാഥൂർ	: വളരെ ഉപകാരം ഡോക്ടർ. ഇറങ്ങട്ടെ. നമസ്തേ.	डाक्टर साहब बहुत धन्यवाद । चलता हूँ । नमस्ते ।

शब्दार्थ

രോഗി	रोगी	പോലെ	जैसा, की तरह
തിരക്ക്	भीड	വൈഷമ്യം	तकलीफ
പോകുക	जाना	മിനിഞ്ഞാന്ന്	परसों
ഒമ്പത്	नौ	മുതൽ	से
ജോലി	काम	വയറുവേദന	पेट का दर्द
സമയം	समय	ഇന്നലെ	कल
കഴിയുക	समाप्त होना	ഉറങ്ങുക	सोना
ഓർമ്മിപ്പിക്കുക	याद दिलाना	വായ	मुँह
ക്ഷമിക്കുക	क्षमा करना	സ്വാദ്	स्वाद
സാരമില്ല	कोई बात नहीं	രാവിലെ	प्रातः काल, सुबह
ഇങ്ങോട്ട്	इधर	ഒരിക്കൽ	एक बार

തോന്നുക	सोचना, लगना	ഛർദിക്കുക	उल्टी होना
അസുഖം	बीमारी	അതോടെ	उसके साथ
വല്ലതും	कोई	തലക്കറക്കം	चक्कर
അങ്ങ്	आप	വയർ	पेट
പരിശോധിക്കുക	जाँच करना	ഇളക്കുക	हिलाना
രോഗം	रोग	വയറിളക്കം	पतला दस्त
കണ്ടുപിടിക്കുക	पता लगाना	ആകപ്പാടെ	पूर्ण रूप से
ചികിത്സിക്കുക	इलाज करना	അസ്വാസ്ഥ്യം	अस्वास्थ्य
നിശ്ചയിക്കുക	निश्चय करना	മലം	मल
കൽപ്പന	आज्ञा, कल्पना	മൂത്രം	पिशाब, मूत्र
ഇന്ന്	आज	കുറിപ്പ്	टिप्पणी, संदेश
ഓഫീസ്	आफिस	തരുക	देना
കാര്യം	कार्य, बात	ആട്ടെ	अच्छा, ऐसे होने दो
ചെയ്യുക	करना	രാത്രി	रात
പ്രധാനപ്പെട്ട	मुख्य, प्रधान	തലവേദന	सिर का दर्द
ചില	कुछ	കഴുത്തുവേദന	गर्दन का दर्द
നോക്കുക	देखना	നെഞ്ചെരിച്ചിൽ	छाती की जलन
സന്ദർശകൻ	आगन्तुक,संदर्शक	മറ്റോ	यह या वह या कोई
കാണുക	देखना	അനുഭവിക്കുക	अनुभव करना
തലേദിവസം	पिछले दिन	വെളുപ്പാൻകാലം	सुबह, सबेरे
വെളിയിൽ	बाहर	കണ്ണടയ്ക്കുക	आँख बंद करना
സഹപ്രവർത്തകൻ	सहकर्मी	അടയ്ക്കുക	बंद करना
കല്യാണം	शादी	തൽക്കാലം	अब केलिए, अस्थिर
എന്നാൽ	तो	ഗുളിക	गोली
കുഴപ്പം	उपद्रव, समस्या	എണ്ണം	संख्या
എന്തായാലും	जो भी	ഓരോന്ന്	एक एक
മേശ	मेज़	മറ്റെന്നാൾ	परसों
കിടക്കുക	लेटना	ഉപകാരം	धन्यवाद
നാളെ	आनेवाला कल		

अभ्यास

I. उदाहरण के अनुसार अपने शब्दों का प्रयोग कर के दिए हुए क्रिया रूपों से वाक्यों बनाइए ।

उदा :

പരിശോധിച്ചു.
രോഗിയെ പരിശോധിച്ചു.
വൈകുന്നേരം രോഗിയെ പരിശോധിച്ചു.
ഇന്നലെ വൈകുന്നേരം രോഗിയെ പരിശോധിച്ചു
ഡോക്ടർ ഇന്നലെ വെകുന്നേരം രോഗിയെ പരിശോധിച്ചു.

1. കണ്ടു
2. പഠിച്ചു
3. പോയി
4. വന്നു.

II. निम्न वाक्य युग्मों का अभ्यास कीजिए ।

1. ഡോക്ടർ രോഗികളെ പരിശോധിക്കുന്നു.
   ഡോക്ടർ രോഗികളെ പരിശോധിച്ചു.
2. ഞങ്ങൾ സിനിമ കാണാൻ പോകുന്നു.
   ഞങ്ങൾ സിനിമ കാണാൻ പോയി.
3. എല്ലാവരും കളക്ടറെ പുകഴ്ത്തുന്നു.
   എല്ലാവരും കളക്ടറെ പുകഴ്ത്തി.
4. അസുഖം കാരണമാണ് ഞാൻ വരുന്നത്.
   അസുഖം കാരണമാണ് ഞാൻ വന്നത്.
5. ആഹാരം കഴിഞ്ഞു ഞാൻ ഛർദിക്കുന്നു.
   ആഹാരം കഴിഞ്ഞു ഞാൻ ഛർദിച്ചു.
6. ഡോക്ടർ എനിക്ക് കുറിപ്പു തരുന്നു.
   ഡോക്ടർ എനിക്ക് കുറിപ്പു തന്നു.
7. കളക്ടർ സന്ദർശകരെ കാണുന്നു .
   കളക്ടർ സന്ദർശകരെ കണ്ടു .
8. രാവിലെയാണ് ഞാൻ ഒന്ന് കണ്ണടയ്ക്കുന്നത് .
   രാവിലെയാണ് ഞാൻ ഒന്ന് കണ്ണടച്ചത് .
9. ഞാൻ ഗുളികകൾ വാങ്ങിക്കുന്നു .
   ഞാൻ ഗുളികകൾ വാങ്ങിച്ചു .
10. ഞങ്ങൾ വെളിയിലോട്ട് ഇറങ്ങുന്നു .
    ഞങ്ങൾ വെളിയിലോട്ട് ഇറങ്ങി .

III. उदाहरण के अनुसार दिए हुए वाक्यों को निषेधात्मक वाक्यों में परिवर्तित कीजिए ।

उदा :

ഞങ്ങൾ ഗ്രാമത്തിലെ അമ്പലം കണ്ടു.
ഞങ്ങൾ ഗ്രാമത്തിലെ അമ്പലം കണ്ടില്ല.

1. നവസാക്ഷരർ കൃഷിശാസ്ത്രപാഠങ്ങൾ പഠിച്ചു.
2. അവർ വിദ്യാലയത്തിലേക്കു പോയി .
3. രോഗി മേശപ്പുറത്തു കിടന്നു .
4. ഡോക്ടർ രോഗിക്ക് കുറിപ്പു കൊടുത്തു .
5. ഇന്ന് ഓഫീസിൽ കൂടുതൽ ജോലിചെയ്തു .
6. അമ്മ കുട്ടിയെ നോക്കി .
7. അമ്മൂമ്മ കഥ പറഞ്ഞു .
8. കുട്ടികൾ കഥ കേൾക്കാൻ ശ്രമിച്ചു .
9. ഞങ്ങൾ മാത്രം വരാന്തയിൽ നിന്നു .
10. അവൻ അകത്തേക്കു പോയി.

IV. दिए हुए वाक्यों में यथोचित - ഓ- या -ഏ लगाकर प्रश्नात्मक वाक्य बनाईए ।

1. അമ്മ എന്നെ വിളിച്ചു.
2. പുതിയ വാടകക്കാരൻ വീടൊക്കെ ഒന്നു പരിശോധിച്ചു.
3. ജോണി ചന്തയിൽ നിന്നു നേന്ത്രക്കുല വാങ്ങിച്ചില്ല.
4. വർഗീസ് സാധനങ്ങൾ എല്ലാം കൊണ്ടുവന്നു.
5. അയാൾ ഒന്നും മറന്നില്ല .
6. അയാൾ വീട് നന്നായി സൂക്ഷിച്ചില്ല.
7. അവർ ആ വീട്ടിൽ രണ്ടു ദിവസം താമസിച്ചു .
8. ഞങ്ങളാരും പുതിയപാഠം വായിച്ചില്ല.
9. അവരെല്ലാം വരാന്തയിൽ തന്നെ ഇരുന്നു.
10. രോഗിയുടെ രോഗം പുതിയ ഡോക്ടർ കണ്ടുപിടിച്ചില്ല.

V. सही शब्द चुन कर वाक्य पूरे कीजिए ।

1. ഇന്നലെ ഞാൻ ഒരു സ്വപ്നം --------- . (കാണുക, കണ്ടു)
2. എല്ലാവരും ഇന്നു രാത്രി സിനിമയ്ക്കു---------- . (വരുക, വന്നു)
3. കുട്ടികൾ ഇപ്പോൾത്തന്നെ അടുത്ത മാസത്തെ പരീക്ഷയ്ക്ക്. (പഠിക്കുന്നു,പഠിക്കുക)
4. ഇന്നു ഞങ്ങളുടെ വീട്ടിൽ ഉത്തരപ്രദേശിൽ നിന്നു ചേട്ടന്റെ കൂട്ടുകാർ------ (വരുന്നു, വരൂ)
5. ഇന്നലെ ഞാൻ പന്ത്രണ്ടുമണിക്കു തന്നെ ആഹാരം --- (കഴിക്കുന്നു, കഴിച്ചു)
6. കളക്ടർ ഇപ്പോഴും മലയാളം പഠിക്കാൻ -------- (ശ്രമിക്കുന്നു, ശ്രമിക്കൂ)
7. ഇന്നലെ വരെ പലരും കേരളം ---------- (ഭരിക്കുന്നു, ഭരിച്ചു)
8. ആരാണിക്കാലത്തു ജനങ്ങളെ ----- ? (സ്നേഹിക്കുന്നത്, സ്നേഹിക്കൂ)
9. അന്ന് നിങ്ങൾ എന്നോട് എന്താണ് ---------? (പറഞ്ഞത്, പറയുന്നത്)
10. മിനിഞ്ഞാന്നാണോ നിങ്ങൾ ഗ്രാമത്തിലേക്കു -------?(പോകുന്നത്, പോയത്)

VI. कोष्ठक में दिए गए शब्दों के सही रूपों का प्रयोग करके वाक्य पूरे कीजिए ।

1. കാര്യങ്ങൾ എങ്ങനെ --------- ?	(ഇരിക്കുക)
2. എല്ലാവർക്കും ---- ----കാണണോ ?	(കളക്ടർ)
3. ഞാൻ ഇതുവരെ ഒരു മലയാളസിനിമയും ------.	(കാണുക)
4. ആരാണ് ആ കഥ അത്ര നന്നായി ------ ?	(വായിക്കുക)
5. നിങ്ങൾ ------ --- മറക്കരുത്.	(അവൾ)
6. കടയിൽ നിന്ന് എല്ലാ --------കൊണ്ടുവന്നില്ലേ ?	(സാധനങ്ങൾ)
7. രോഗികൾക്ക് മരുന്നും ------- ഒരേ പോലെ പ്രധാനമാണ്.	(ആഹാരം)
8. നവസാക്ഷരർ അത്രവേഗം കാര്യങ്ങൾ -------- ?	(പഠിക്കുക).
9. അച്ഛൻ ---------- മരുന്നുകൾ വാങ്ങിച്ചു .	(അമ്മ)
10. ഞങ്ങൾ ------- സംസാരിച്ചില്ല .	(കളക്ടർ)

VII. कोष्ठक में दिए हुए हिन्दी शब्दों के समानार्थक मलयाळम शब्दों का प्रयोग कर के वाक्य पूरे कीजिए ।

1. നീ ആ ജോലി ഇനിയും --------- ?	(नहीं किया क्या)
2. ചന്തയിൽ നിന്ന് എന്തൊക്കെ സാധനങ്ങൾ ----?	(खरीदा)
3. ആരാണ് അകത്തു ------.?	(आया)
4. ഡോക്ടർ രോഗിയെ ------ ?	(बुलाया क्या)
5. ഞാൻ ഒരു കാര്യവും ------- .	(भूला नही)
6. ഞാൻ ഇന്ന് എന്റെ വീട്ടുകാരെ പോലും ------.	(नही देखा)
7. ഡോക്ടർ ഇന്നും ------?	(आया नही क्या)
8. നിന്നോട് ആരു വർത്തമാനം --------?	(कहा)
9. രാവിലെയാണ് ഒന്ന് കണ്ണ് ------- .	(बंद किया)
10. അമ്മ മോളെ അകത്തേക്കു ------ .	(लाया)

VIII. दिए हुए मलयालम तथा हिन्दी शब्द ठीक प्रकार से मिलाइए ।

1. തലവേദന	शादी	6. മിനിഞ്ഞാന്ന്	सिर दर्द
2. ചന്ത	परसों	7. ഉലുവ	मार्केट
3. കഴുത്ത്	गर्दन	8. കല്ല്യാണം	दवा
4. വാടക	तकलीफ	9. ജോലി	गला
5. കുഴപ്പം	काम	10. മരുന്ന്	दवा

पढिए और समझिए

1. വിദഗ്ധനെ കാണാൻ

കഴിഞ്ഞ മാസമാണ് എനിക്കു ഭയങ്കരമായ ആ തലവേദന വന്നത്. കഠിനമായ തലവേദന! വേദനകൊണ്ടു ഞാൻ പുളഞ്ഞു. ഉടൻതന്നെ അടുത്തുള്ള ഒരു ഡോക്ട റുടെ അടുത്തു പോയി. അതോടെ എന്റെ കഷ്ടകാലവും തുടങ്ങി. ഡോക്ടർ വിശദ മായ പരിശോധന ആരംഭിച്ചു. കണ്ണ്, മൂക്ക്, നാക്ക്, ചെവി, ത്വക്ക്-പഞ്ചേന്ദ്രിയങ്ങളും അദ്ദേഹം പരിശോധിച്ചു. ഒടുവിൽ ഇങ്ങനെ പറഞ്ഞു. രോഗത്തിന്റെ മൂലകാരണം മനസ്സിലാകുന്നില്ല കണ്ണിന്റെ കുഴപ്പമായിരിക്കും. ഏതായാലും ഈ മരുന്നൊക്കെ കഴിക്കൂ . സൗകര്യം പോലെ ഒരു കണ്ണു വിദഗ്ധനെയും കാണിക്കൂ."

കണ്ണു വിദഗ്ധനെ കണ്ടുപിടിക്കാൻ നഗരം മുഴുവൻ ഞാൻ അലഞ്ഞു. കണ്ണു വിദഗ്ധനെ കണ്ടുപിടിക്കാൻ എന്റെ രണ്ടു കണ്ണുപോരേ? ഒടുവിൽ ഒരു വിധം കണ്ടു പിടിച്ചു. അദ്ദേഹവും നീണ്ട പരിശോധന ആരംഭിച്ചു. കൺപോളയും, പുരികവും, കൃഷ്ണമണിയുമൊക്കെ പ്രത്യേകം പ്രത്യേകം നിരീക്ഷിച്ചു. "കണ്ണിന് ഒരു കുഴപ്പവും കാണുന്നില്ല." അദ്ദേഹം പറഞ്ഞു. എങ്കിലും ഈ കണ്ണട വയ്ക്കൂ. കൂടാതെ ഒരു ഞരമ്പു രോഗവിദഗ്ധനേയും കാണണം." ഭഗവാനേ! ഞാനൊരു ഞരമ്പു രോഗി കൂടിയാണോ! ഞാൻ ആകെ തളർന്നു. ബോധക്കേടുവന്നില്ലെന്നു മാത്രം!

ഞരമ്പുരോഗ വിദഗ്ധനെ തേടിയായി എന്റെ അടുത്ത പ്രയാണം. ഒടുവിൽ മഹാനായ ഒരു ഞരമ്പുരോഗ വിദഗ്ധനെ കണ്ടെത്തി. ഒരിറ്റു കരുണയ്ക്ക് വേണ്ടി ഞാൻ യാചനാഭാവത്തിൽ അദ്ദേഹത്തിന്റെ മുന്നിൽ നിന്നു. അദ്ദേഹവും തന്റെ വൈദഗ്ധ്യം എന്റെ മേൽ പ്രയോഗിച്ചു. പരിശോധന തുടങ്ങി. "തലയുടെ ഏതു ഭാഗ ത്താണ് ഏറ്റവും കൂടുതൽ വേദന?" അദ്ദേഹം ചോദിച്ചു. "നെറ്റിയിലാണ് ഡോക്ടർ' ഞാൻ ഉത്തരം പറഞ്ഞു. "ഓഹോ നെറ്റിയിലാണല്ലേ ? നെറ്റി എന്റെ സ്പെഷ്യാലിറ്റി അല്ല. നിങ്ങൾ നെറ്റിയുടെ ഞരമ്പുരോഗ വിദഗ്ധനെ തന്നെ കാണണം. ഡോ.പോറ്റി ഒരു നല്ല നെറ്റി വിദഗ്ധനാണ്. ഞാൻ കുറിപ്പു തരാം. നിങ്ങൾ അദ്ദേഹത്തെ ചെന്നു കാണൂ."

പോറ്റി ഡോക്ടറെ തേടിയായി എന്റെ അടുത്ത തീർഥാടനം. ഒടുവിൽ മഹാനായ ആ ഭിഷഗ്വരനെയും ഞാൻ കണ്ടെത്തി. ഞാൻ എന്റെ നെറ്റി, പോറ്റിയുടെ മുന്നിൽ കാഴ്ച വച്ചു. പോറ്റിയദ്ദേഹവും തന്റെ സകല അടവുകളും പയറ്റി. പരിശോധന ഗംഭീരമായി പുരോഗമിച്ചു. ഒടുവിൽ അദ്ദേഹം പതുക്കെ ചോദിച്ചു. "നെറ്റിയുടെ ഏതു ഭാഗത്താണ് വേദന തോന്നുന്നത്?" ഈ ഇടതു ഭാഗത്താണ് ഡോക്ടർ-" എനിക്കു മറുപടി മുഴുമിപ്പിക്കാൻ കഴിഞ്ഞില്ല. അതിനുള്ളിൽ അദ്ദേഹം ദേഷ്യത്തോടെ എഴുന്നേറ്റു." എങ്കിലത് നേരത്തെ പറയേണ്ടേ? ഞാൻ വലതു നെറ്റിയുടെ ഞരമ്പുരോഗ വിദഗ്ധനാണ് ഈ രോഗത്തിന് ഇവിടെ പരിശോധനയില്ല.

നിങ്ങൾ ഇടതു നെറ്റിയുടെ വിദഗ്ധനെ തന്നെ കാണണം." എന്റെ ഹൃദയം പൊട്ടിത്തകർന്നില്ല എന്നേയുള്ളൂ. എങ്ങനെയോ ഒരു വിധം വീട്ടിലെത്തി. വളരെ നന്നായി ഉറങ്ങി. പിന്നൊരിക്കലും എനിക്ക് തലവേദന വന്നിട്ടേ ഇല്ല. മറ്റൊര സുഖവും വന്നിട്ടില്ല.

2. ഡോക്ടറുടെ പ്രഭാതം

ഞായറാഴ്ച. സമയം അഞ്ചുമണി. ഡ്യൂട്ടി സമയം കഴിഞ്ഞു. ഒരു രാവു മുഴുവൻ ഉറക്കമിളച്ചതിന്റെ ആലസ്യമാണിപ്പോൾ. ശരീരവും മനസ്സും ആകെ തളർന്നു. എന്നാലും ഒരു സംതൃപ്തി. ജനാലയിലൂടെ പുറത്തേക്ക് ഒന്നു നോക്കി. തോട്ടത്തിലെ ചെടികളിൽ മൊട്ടുകൾ വിടരാൻ കാത്തു നില്ക്കുന്നു. പുലരി ഇനിയും എണീറ്റില്ല. ചെങ്കിരണങ്ങൾ അണിയറയിൽ തയ്യാറാകുന്നതേ ഉള്ളൂ. പൂക്കളെയും ബാല രവിയെയും സ്വീകരിക്കാൻ ഇളം കാറ്റു വീശുന്നു. അതിന്റെ നേരിയ തണുപ്പ് ജനലിലൂടെ ആശുപത്രിക്കുള്ളിലും എത്തി. സുഖകരമായ ശീതളിമ. ഉറക്കക്ഷീണം പമ്പ കടന്നു. പുതിയ ഒരു ഉന്മേഷം കൈ വന്നു. വാർഡിലെ രോഗികളെല്ലാം ഇപ്പോൾ ശാന്തരായി ഉറങ്ങുന്നു. ചെറിയ ഞരക്കങ്ങളും നേരിയ കൂർക്കം വലിയും ഫാനിന്റെ നേർത്ത സീൽക്കാരവും വാർഡുനിറയെ ഒരു സംഗീതലയം സൃഷ്ടിച്ചു. അരണ്ട വെളിച്ചം. അവിടമാകെ ഒളിച്ചു നടക്കുന്നു. നിസ്സഹായരായ ഒരു കൂട്ടം മനുഷ്യർ ! അവരുടെ ആശയും ആകാംക്ഷയും എല്ലാം എന്നിൽ തന്നെയല്ലേ?

शब्दार्थ

വിദഗ്ധൻ	विदग्ध	കൺപോള	पलक
ഭയങ്കരം	भयंकर	പുരികം	भौंह
കഠിനം	कठिन	കൃഷ്ണമണി	आँखो की पुतलियाँ
പുളയുക	तडपना	പ്രത്യേകം	विशेष
ഉടൻതന്നെ	जल्दी	നിരീക്ഷിക്കുക	निरीक्षण करना
വിശദം	विशद	കണ്ണട	चशमा
ആരംഭിക്കുക	शुरू करना	വയ്ക്കുക	रखना
കണ്ണ്	आँख	ഞരമ്പുരോഗം	नस का रोग
മൂക്ക്	नाक	തളരുക	थक जाना
നാക്ക്	जीभ	ബോധക്കേട്	बेहोशी की अवस्था
ചെവി	कान	തേടുക	टूँटना
ത്വക്ക്	त्वचा, चर्म	പ്രയാണം	प्रयाण, याना
പഞ്ചേന്ദ്രിയം	पंचेन्द्रिय	മഹാൻ	महान

ഒടുവിൽ	अंत मे
രോഗം	रोग
മൂലകാരണം	मूल कारण
കുഴപ്പം	तकलीफ, कष्ट,उपद्रव
അലയുക	इधर उधर धूमना
പരിശോധന	जाँच
കരുണ	करुण
യാചനാഭാവം	याचना भाव
മുന്നിൽ	आगे
അദ്ദേഹം	वे (पुल्लिंग)
വൈദഗ്ധ്യം	वैदग्ध्य
മേൽ	ऊपर
പ്രയോഗിക്കുക	प्रयोग करना
ഭാഗം	भाग
ഏറ്റവും	सब से
നെറ്റി	ललाट, माथा
തരുക	देना
ചെല്ലുക	जाना
ഭിഷഗ്വരൻ	भिषग्वर, वैद्य
പയറ്റുക	हथियार चलाना
ഗംഭീരം	गंभीर
പുരോഗമിക്കുക	प्रगति करना
പതുക്കെ	धीरे धीरे
പൊട്ടിത്തകരുക	टूटना
ഉറങ്ങുക	सोना
പ്രഭാതം	प्रभात, सुबह
രാവ്	रात
ഉറക്കമിളയ്ക്കുക	निद्रा विहीन रहना, नीदं छोडकर रहना
ആലസ്യം	आलस्य
ശരീരം	शरीर

കണ്ടെത്തുക	देखपाना
ഒരിറ്റ്	एक बूँद, थोड़ा सा
വിടരുക	खिलना
കാത്തുനിൽക്കുക	प्रतीक्षा करना
പുലരി	सुबह, प्रभात
ഇനി	अब
എണീക്കുക	उठना
ചെങ്കിരണങ്ങൾ	लाल किरण
അണിയറ	सज्जागृह
തയ്യാറാക്കുക	तैयार करना
വീശുക	हवा चलना
നേരിയ	पतला,
തണുപ്പ്	ठंडा
എത്തുക	पहुँचना
സുഖകരം	सुखप्रद
ശീതളിമ	शीतलता
ഉറക്കം	नींद
പമ്പ കടക്കുക	दूर भागना
ഉന്മേഷം	उन्मेष
കൈവരുക	प्राप्त होना
ശാന്തർ	शान्त
ഞരക്കം	कराह
കൂർക്കം വലി	खुर्राटा
നേർത്ത	इल्का,महीन,पतला
സീൽക്കാരം	हवा चलनेकीआवाज
നിറയെ	भरा
സംഗീതലയം	संगीत की लय
സൃഷ്ടിക്കുക	सृष्टि करना
അരണ്ടവെളിച്ചം	धुँधला प्रकाश

മനസ്സ്	मन	വെളിച്ചം	प्रकाश
ആകെ	सब	ഒളിക്കുക	छिपना
സംതൃപ്തി	संतृप्ति	നിസ്സഹായർ	निस्सहाय, असहाय
മൊട്ട്	कलि	ആശ	प्रतीक्षा आग्रह
ആകാംക്ഷ	आकांक्षा		

अभ्यास

I. उत्तर दीजिए ।

1. ലേഖകൻ ഡോക്ടറുടെ അടുത്തുപോയതെന്തിനാണ് ?
2. ആദ്യത്തെ ഡോക്ടർ എന്തൊക്കെ പരിശോധിച്ചു? എന്തു പറഞ്ഞു?
3. ലേഖകൻ നഗരം മുഴുവൻ അലഞ്ഞതെന്തിനാണ്?
4. കണ്ണു വിദഗ്ധൻ എന്തു ചെയ്തു?
5. കണ്ണുവിദഗ്ധൻ ലേഖകനോട് ആരെ കാണാൻ പറഞ്ഞു ?
6. ഞരമ്പുരോഗ വിദഗ്ധന്റെ മുന്നിൽ ലേഖകൻ എങ്ങനെ നിന്നു ?
7. ലേഖകന് എവിടെയായിരുന്നു കൂടുതൽ വേദന?
8. പോറ്റി ഡോക്ടറുടെ പരിശോധന എങ്ങനെ പുരോഗമിച്ചു ?
9. ലേഖകനോടു ഞരമ്പുരോഗവിദഗ്ധനായ പോറ്റി ഡോക്ടർ എന്തുപറഞ്ഞു?
10. ലേഖകന്റെ ഹൃദയം പൊട്ടിത്തകർന്നോ?

II. प्रत्येक समूह में आनेवाला और एक शब्द दीजिए ।

1. വീട്ടുകാരൻ നാട്ടുകാരൻ	2. തല കണ്ണ്	3. തലവേദന വയറുവേദന	4. എട്ടാം പത്താം
5. അധ്യാപകൻ ഡോക്ടർ	6. ഇരിക്കുക നിൽക്കുക	7. കഥ കവിത	8. കിടക്കമുറി വായനമുറി
9. പുതിയ പഴയ			

III. मलयाळम अनुच्छेद (ഡോക്ടറുടെ പ്രഭാതം) हिन्दी में अनुवाद कीजिए ।

IV. मलयाळम में अनुवाद कीजिए ।

घंटी बजी। लड़के कक्षा में आए । उनके पीछे अद्यापक भी आए । कक्षा में अस्सी से अधिक छात्र थे। कक्षा बी.ए. मलयाळम की थी । अध्यापक ने उपस्थिति ली । अनुक्रमांक आठ, सत्ताइस, इकतीस, पच्चास, पचपन, सत्तर, अस्सी और तिरासी के छात्र कक्षा में नहीं थे। अद्यापक ने जानना चाहा कि वे छात्र कहाँ थे। तब एक लड़की ने उत्तर दिया श्रीमन, सुजाता का ज्वर है,

इसलिए वह नहीं आई। तो सीता का क्या हाल है, वह क्यो नहीं आई - शिक्षक ने पूछा ।

महोदय उसका भयंकर सिर दर्द था, इसलिए वह न आ सकी। उसने कार्यालय में प्रार्थना पत्र भेज दिया है । श्रीमान जी राणि और जोसफ़ भी स्वस्थ नहीं है । उनके पेट को दर्द है ।

"यह क्या है!" - शिक्षक नाराज हो गए "कल से आपकी मलयालम कक्षा विद्यालय के पासवाले आस्पताल में होगी। "

उपस्थिति	ഹാജർ	जवर	പനി	नाराज़ हो गये	ദേഷ്യപ്പെട്ടു

IV. दिए गए शब्दों की सहायता से अपने वाक्यों में एक बगीचे का वर्णन कीजिए।

മുറ്റം	आँगन	മണം	सुगन्ध	വലിയ	बडा
പൂന്തോട്ടം	पुलवारी	മഴക്കാലം	वर्षा के दिन	ചെറിയ	छोटा
ചെടികൾ	पौधे	വേനൽക്കാലം	गर्मी के दिन	വിരിയുന്നു	खिलता है
ചിത്രശലഭം	तितली	പൂക്കൾ	फूल	വസന്തകാലം	वसंतकाल
വാടുക	मुरझाना	തേൻ	मधु	മൊട്ടുകൾ	कलियाँ
ധാരാളം	बहुत	വെള്ളം	पानी	നിറം	रंग
നല്ല	अच्छा	നീല	नील	ചുമപ്പ്	लाल

टिप्पणियाँ

1. इस पाठ में भूत काल की क्रियाओं वाले वाक्यों का परिचय दिया गया है ।

(i) ഞാൻ സഹപ്രവർത്തകന്റെ മകളുടെ കല്യാണത്തിനു പോയി.
मैं आफिस के एक सहकर्मी की लड़की (बेटी) की शादी में गया ।

(ii) ഞാൻ സന്ദർശകരെപ്പോലും കണ്ടില്ല.
मैं ने आगन्तुकों को भी नहीं देखा ।

(iii) ഞാൻ അതിനാണ് ഇങ്ങോട്ടു വന്നത്.
मैं इसलिए यहाँ आया ।

(iv) ഞാൻ വെളുപ്പാൻ കാലത്താണ് ഒന്നു കണ്ണടച്ചത്.
मैने सुबह ही ज़रा आँख बंद ली ।

2. जैसा कि ऊपर के उहाहरणों में देखा जा सकता है मलयाळम में भूत काल, भिन्न भिन्न भूतकाल प्रत्ययों को लगाकर बनाया जाता है । इस पाठ में प्रस्तुत वाक्यों में भूतकाल के निम्नलिखित प्रत्ययों का प्रयोग किया गया है ।

(i) –ഇ जैसे പോയി, ആയി, തോന്നി, ഉറങ്ങി, ഇളകി क्रियाओं में

(ii) –ച്ച– जैसे അനുഭവിച്ചു, കഴിച്ചു, ഛർദിച്ചു, ഓർമിച്ചില്ല क्रियाओं में

(iii) –ന്ന– जैसे വന്നു में

(iv) -ട- जैसे കണ്ടു, ഉണ്ടു में

(v) -ഞ്ഞ- जैस् കഴിഞ്ഞു में

(vi) -ത- जैसे ചെയ്തു में

जब -ഇൗ के अलावा अन्य प्रत्ययों के द्वारा भूतकाल बनाया जाता है तो क्रिया रूप के अंत में ഉ (उ) लगाया जाता है । ध्यान दीजिए പോകുക, ആകുക क्रियाएँ भूतकाल ഇ के पहले പോയ് तथा ആയ് बन जाती हैं ।

3. ऊपर के उदाहरणों के अनुसार पाठ में प्रयुक्त अन्य क्रियारूपों के भूतकाल नीचे दिखाये गये ढंग से बनाये जाते हैं । कोष्ठों में भूतकालिक प्रत्यय दिए गए हैं ।

ക്ഷമിക്കുക	- ക്ഷമിച്ചു	(-ച്ച-)	ഇരിക്കുക	- ഇരുന്നു	(-ന്ന-)
പറയുക	- പറഞ്ഞു	(-ഞ്ഞ-)	കിടക്കുക	- കിടന്നു	(-ന്ന-)
പരിശോധിക്കണം	- പരിശോധിച്ചു	(-ച്ച-)	തരുക	- തന്നു	(-ന്ന-)
കണ്ടുപിടിക്കണം	- കണ്ടുപിടിച്ചു	(-ച്ച-)	നോക്കുക	- നോക്കി	(-ഇ-)
നിശ്ചയിക്കണം	- നിശ്ചയിച്ചു	(-ച്ച-)	ഇറങ്ങുക	- ഇറങ്ങി	(-ഇ-)

4. ध्यान दें -ച്ച- और -ഇ से बननेवाले भूतकाल की क्रियाओं की संख्या अधिक है । भूतकाल के विभिन्न प्रत्ययों का भिन्न प्रकार से प्रयोग किया जाता है ।

(i) ഇക്കു - അയ്ക്കു वाली क्रिया रूपों में भूतकाल केलेए -ച്ച- प्रत्यय लगाते हैं ।

उदा

പഠിക്കുന്നു - പഠിച്ചു, ചിരിക്കുന്നു - ചിരിച്ചു. അരയ്ക്കുന്നു - അരച്ചു

पढता - पढा हँसता - हँसा पीसता - पीसा

ഇരിക്കുന്നു - ഇരുന്നു

बैढना - बैठा क्रिया इस नियम का अपवाद है ।

(ii) एक या एक से ज्यादा व्यंजनों में अंत होनेवाले क्रियारूपों में भूतकाल केलिए -ഇ का प्रयोग होता है ।

ഇളക്കുന്നു - ഇളകി ഉറങ്ങുന്നു - ഉറങ്ങി ആകുന്നു - ആയി

हिलता है - हिला सोता है - सोया होता है - हो गया

5. കാണുന്നു, ഉണ്ണുന്നു वर्तमान काल क्रियाएँ भूतकाल में കണ്ടു, ഉണ്ടു बन जाती हैं।

6. ചെയ്യുന്നു, നെയ്യുന്നു, പെയ്യുന്നു वर्तमान काल क्रियाएँ भूतकाल में ചെയ്തു, നെയ്തു, പെയ്തു बन जाती हैं।

കഴിയുന്നു, ഒഴിയുന്നു, അറിയുന്നു क्रियाएँ भूतकाल में കഴിഞ്ഞു, ഒഴിഞ്ഞു, അറിഞ്ഞു.

വരുന്നു, തരുന്നു जैसे क्रियाएँ भूतकाल में വന്നു, തന്നു होते हैं। इन दोनों में भूत कालरूप के पहले വർ - വ होजाता है तथा തർ - ത

7. वर्तमानकाल क्रिया रूप वाले वाक्यों की तरह बल देने केलिए भूतकाल के लिए भी ആത് / ആയിരുന്നു तथा -ത് रूपवाली क्रियाओं का प्रयोग होता है ।

അതിനു ഞാൻ ഇങ്ങോട്ടു വന്നു.

उस केलिए मैं यहाँ आया ।

അതിനാണ് ഞാൻ ഇങ്ങോട്ടു വന്നത്.

उस केलिए ही मैं यहाँ आया ।

ത്രിവേദി പറഞ്ഞു.

त्रिवेदी ने कहा ।

ത്രിവേദിയാണ് പറഞ്ഞത്.

ത്രിവേദിയായിരുന്നു പറഞ്ഞത് .

त्रिवेदी ही ने कहा ।

8. भूतकाल के निषेधात्मक रूप भूतकाल प्रत्यय के बाद ഇല്ല जोड़कर तथा ആണ് के स्थान पर അല്ല और അല്ല के बाद ആയിരുന്നു लगाकर बनाते है । पथास्थान पर -ए जोड़ने से बलबोधक अर्थ भी आता है ।

उदा :-

രോഗി പോയി	रोगी गया हैं ।
രോഗിപോയില്ല	रोगी नही. गये ।
രോഗി അല്ല പോയത്	रोगी नहीं गया ।
രോഗി അല്ലായിരുന്നു പോയത്	रोगी ही नहीं गया ।
രോഗി പോയേ ഇല്ല.	रोगी गया ही नहीं ।

9. भूतकाल की प्रश्नवाचक, वर्तमान की तरह ही -ഒ और -ഏ लगाकर बनाए जाते हैं ।

മണി എട്ടര ആയില്ലേ ?	നിങ്ങൾ വന്നോ ?
क्या समय अब ८-३० नहीं बजा?	क्या तुम आये?
എന്തെങ്കിലും കഴിച്ചോ ?	നിങ്ങൾ വന്നില്ലേ ?
कुछ खाया है क्या?	क्या तुम नहीं आये ?

8. തലവേദനയോ കഴുത്തു വേദനയോ നെഞ്ചെരിച്ചിലോ മറ്റോ ഉണ്ടായിരുന്നോ?

सिरदर्द, गर्दन का दर्द, छाती की जलन या और कुछ हो रहा था क्या ?

इस वाक्य में रेखांकित -ഓ प्रत्यय हिन्दी के 'या' के समान है । लेकिन मलयाळम में समुच्चय -ഉം की तरह यह -ഓ भी प्रत्येक संज्ञा के साथ लगाया जाता है । वाक्य के മറ്റ് शब्द का शब्दिक अर्थ 'दूसरा' या 'और कुछ' होता है, लेकिन कुछ प्रसंगों में 'आदि' के अर्थ में भी इस शब्द का प्रयोग होता है ।

പാഠം 9
पाठ 9

ഓണാഘോഷത്തിനു മുമ്പ്   ओणम मनाने के पहले

മാഥുർ	: പണിക്കർ വന്നിട്ട് കുറേ സമയമായോ? ഞാനിന്നു പതിവിലേറെ വൈകി	क्या पणिक्कर को आये बहुत समय हो गया? मुझे आज अन्य दिनों से भी अधिक देर हो गयी है।
പണിക്കർ	: ഞാൻ സ്ഥലത്തെത്തിയിട്ട് ഒരു മണിക്കൂറോളമായി.. തന്നെ കാണാതെ വിഷമിച്ചു.	मुझे यहाँ आये एक घंटा हुआ। आप को न देखकर मुशकिल हुआ।
മാഥുർ	: അയ്യോ പണിക്കരേ താൻ ഇരുന്നിരുന്നു വല്ലാതെ മുഷിഞ്ഞു. അല്ലേ? ഓഫീസിലോട്ട് ഫോൺ വിളിച്ചു സംസാരിക്കാമായിരുന്നല്ലോ.	अरे पणिक्कर जी, आप बैठे बैठे ऊब हो गये न ?आप आफिस में फोन करके बात कर सकते थे ।
പണിക്കർ	: താൻ കളക്ടർ. തന്റെ ചുമതലകളും ബാധ്യതകളും ഒക്കെ എനിക്കറിയില്ലേ? അതിരിക്കട്ടെ. എന്താ ഇത്ര താമസിച്ചത്? മീറ്റിംഗ് മണിക്കൂറുകളോളം നീണ്ടു നിന്നോ?	आप कलक्टर हैं। आपकी जिम्मेदारी और उत्तरदायित्व को मैं जानता हूँ न? जाने दो। आपकी इतनी देरी क्यों हुई? क्या मीटिंग कई घंटों तक चलती रही?
മാഥുർ	: ഓണത്തിന് ഇനി രണ്ടു മാസം കൂടിയല്ലേ ഉള്ളൂ? ജില്ലാ ഓണാഘോഷ പരിപാടിയുടെ ചുമതല എന്റെ തലയിലാണല്ലോ? ഇന്ന് ആഘോഷക്കമ്മിറ്റിയുടെ മൂന്നാമത്തെ യോഗമായിരുന്നു.	ओणम केलिए अब दो ही महीना बाकी हैं न? जिला ओणम उत्सव कार्यक्रम की जिम्मेदारी भी मेरेसिर पर है न? आज उत्सव समिति की तीसरी मीटिंग थी ।
പണിക്കർ	: ഇന്നത്തെ യോഗത്തിൽ എന്തൊക്കെ തീരുമാനങ്ങളാണെടുത്തത്?ആരൊക്കെ എന്തെല്ലാം ചുമതലകൾ ഏറ്റെടുത്തു?	आज की सभा में क्या क्या निर्णय लिए ? किस किसने क्या-क्या जिम्मेदारियाँ ली ?

മാഥുർ	: സബ് കമ്മിറ്റികൾ നിശ്ചയിച്ച് ഓരോന്നിനും അധ്യക്ഷസ്ഥാനത്തേക്ക് ഓരോരുത്തരെ കണ്ടു പിടിച്ചു. കലോത്സവം, ഫിലിമോത്സവം, പുസ്തകമേള, ബാലമേള, സാഹിത്യസമ്മേളനം,വനിതാ സമ്മേളനം അങ്ങനെ ആറോ ഏഴോ കമ്മിറ്റികൾ രൂപികരിച്ചു കഴിഞ്ഞു.	उपसमितियाँ बनाकर प्रत्येक केलिए अद्यक्ष का भी चुनाव कर लिए। कला-उत्सव, फिल्मोत्सव, पुस्तक मेला, बालमेला, साहित्य सम्मेलन,महिला सम्मेलन इस तरह छः या सात समितियों का गटन किया गया ।
പണിക്കർ	: അധ്യക്ഷസ്ഥാനത്തേക്ക് ആളെ നിശ്ചയിക്കാൻ വലിയ തർക്കങ്ങൾ ആയിരുന്നു. അല്ലേ?എനിക്കറിയാം എന്റെ നാട്ടുകാരെ.	अध्यक्ष की नियुक्ति केलिए बडा वाद- विवाद हुआ न? मैं अपने यहाँ के लोगों को जानता हूँ ।
മാഥുർ	: യോഗനടപടികളെക്കുറിച്ച് ഒന്നും പറയാതിരിക്കുന്നതാണ് ഭേദം. മറ്റുള്ളവർക്ക് അവസരം കൊടുക്കാതെയാണ് ഓരോരുത്തരും സംസാരിച്ചത്. ഒരാൾ പറഞ്ഞതു മറ്റൊരാൾ കേട്ടില്ല. ആരും ആർക്കും തോറ്റുകൊടുത്തില്ല. പിന്നെ ഒരു കാര്യം. ഇത് കേരളത്തിന്റെ മാത്രം പ്രത്യേകതയല്ല പണിക്കർ. ഞങ്ങളുടെ ഉത്തർപ്രദേശിന്റെ കഥയും തനിക്കറിയാമല്ലോ? താങ്കൾ അവിടെ പോയിട്ട് പത്തുവർഷം കഴിഞ്ഞില്ലേ? എല്ലാം കണ്ടതാണല്ലോ?	समिति के कार्यक्रमों के बारेमें कुछ न कहना ही ठीक है। दूसरों को अवसर न देकर उन्होंने ही भाषण किया। किसी ने कहा दूसरों ने नहीं सुना। किसी ने भी हार नहीं मानी। देखिए पणिक्कर एक बात है।यह केवल केरल की ही वेशेषता ही विशेषता नहीं। हमारे उत्तरप्रदेश की स्थिति भी आप जानते हैं न? आप को वहाँ गये दस वर्ष बीत गये न? सब कुछ देख चुका न ?
പണിക്കർ	: അതൊക്കെപ്പോട്ടെ. സാഹിത്യ സമ്മേളനത്തിന് ആരെയൊക്കെ ക്ഷണിക്കാനാണ് താൻ ഉദ്ദേശിക്കുന്നത്?	उन सब को छोड दीजिए। साहित्य सम्मेलन केलिए आप किन किनको बुलाना चाहते हैं।
മാഥുർ	: എന്റെ മനസ്സിൽ ഒരു നീണ്ട പട്ടിക തന്നെ സ്ഥലം പിടിച്ചു കഴിഞ്ഞു. എം.ടി.വാസുദേവൻനായർ, പുനത്തിൽ കുഞ്ഞബ്ദുള്ള, സി.രാധാകൃഷ്ണൻ, മാധവിക്കുട്ടി, സുഗതകുമാരി അങ്ങനെ പോകുന്നു. സാഹിത്യകാരൻമാരുടെ ആ പട്ടിക.	मेरे मन में एक लंबी तालिका आ गयी है। एम.डी.वासुदेवन नायर, पुनत्तिल कुञ्ञब्दुळ्ळा, सी.राधा कृष्णन, माधविक्कुट्टि, सुगतकुमारी जैसों हैं साहित्यकारों का वह तालिका ।

പണിക്കർ :	താൻ മറുനാടൻ മലയാളികളെ മറന്നോ? അതോ അവരെ തള്ളിക്കളഞ്ഞതോ?	क्या आप प्रवासी मलयाळियों को भूल गये? या उन्हें छोड दिया है?
മാഥുർ :	രണ്ടും അല്ല. തിരുവനന്തപുരം ജില്ലാ കമ്മിറ്റി മറുനാടൻ മലയാള സാഹിത്യ കാരന്മാരെ ഒക്കെ അണിനിരത്തുന്നുണ്ട്. അതു കൊണ്ടു ഞങ്ങൾക്കിത്തവണ അവരെ ക്ഷണിച്ചു വരുത്താൻ പറ്റില്ല.	नहीं। तिरुवनन्तपुरम जिला समिति प्रवासी मलयाळी साहित्य कारों को बुला रही है । इसलिए इस बार हम उन को बुला नहीं सकते।
പണിക്കർ :	ശരി, താൻ പോയി മേലു കഴുകി, ഉടുപ്പും മാറ്റി വരൂ. നമുക്കൊന്നു നടന്നിട്ടു വരാം.	अच्छा, तुम हाथ- पाँव धोकर वस्त्र,बदलकर आओ। हम कुछ ठहलकर आएँ ।
മാഥുർ :	അപ്പോഴേക്കും അപ്പൂ നീ ഊണു തയ്യാ-റാക്കൂ.	अप्पू, तब तक तू खाना तैयार करो।
അപ്പു :	സാർ എനിക്ക് ഒരു അരമണിക്കൂറേ വേണ്ടൂ. അരിയൊക്കെ വെന്തു. കറികൾ ഉണ്ടാക്കുന്നു. ചപ്പാത്തിയും ഉണ്ടാക്കണം.	साहब, मुझे केवल आधा घण्टा चाहिए। चावल तैयार हुआ। सब्जियाँ बनाना हूँ।चप्पात्तियाँ बनाता है ।
പണിക്കർ :	നീ സാവകാശമായി ചെയ്യ്. ഞങ്ങൾ കുറച്ചു കഴിഞ്ഞേ വരുകയുള്ളൂ. മാഥുർ, താനൊന്നു വേഗം പുറപ്പെട്.	तुम आराम से करो। हम कुछ समय के बाद ही आएँगे। माथुर तुम कुछ जल्दी से निकलो ।
മാഥുർ :	ശരി തന്റെ ആജ്ഞയല്ലേ? അനുസരിച്ചില്ലെന്നു വേണ്ട. ഞാനിതാ വരുന്നു. അഞ്ചേ അഞ്ചുമിനിട്ട്.	ठीक है। आप की आज्ञा है न? ऐसा नहीं होना है, कि मैं ने नहीं माना। मैं अभी आ रहा हूँ। केवल पाँच मिनट ।

शब्दार्थ

ആഘോഷം	त्योहार	അവസരം	अवसर
പതിവ്	शील, आदत	തോൽക്കുക	फेल हा जाना
വൈകുക	देर होना	ക്ഷണിക്കുക	निमन्त्रण देना
വിഷമിക്കുക	तकलीफ होना	ഉദ്ദേശിക്കുക	सोचना
ചുമതല	जिम्मेदारी	പട്ടിക	सूची
ബാധ്യത	बाध्यता, जिम्मेदारी	മറുനാടൻ	विदेशी

നിശ്ചയിക്കുക	निष्चय करना	മേല്	शरीर
അധ്യക്ഷസ്ഥാനം	अध्यक्षस्थान	കഴുകുക	धोना
കലോത്സവം	कलोत्सव, कला का उत्सव	സാവകാശമായി	धीरे धीरे
പുസ്തകമേള	पुस्तक मेला	ആജ്ഞ	आज्ञा
ബാലമേള	बाल मेला	അനുസരിക്കുക	मानना
തർക്കം	तर्क, बहस	ഭേദം	व्यत्यास, भेद
യോഗം	सभा, योग		

अभ्यास

I. दिए गए वाक्य युग्मों का अभ्यास कीजिए ।

1. ആരെല്ലാം ചുമതലകൾ എടുക്കുന്നു ?
   ആരെല്ലാം ചുമതലകൾ എടുത്തു ?
2. അധ്യക്ഷസ്ഥാനത്തേക്ക് ആളെ നിശ്ചയിക്കുന്നു.
   അധ്യക്ഷ സ്ഥാനത്തേക്ക് ആളെ നിശ്ചയിച്ചു.
3. പല കമ്മിറ്റികളും അവർ രൂപീകരിക്കുന്നു.
   പല കമ്മിറ്റികളും അവർ രൂപീകരിച്ചു.
4. മറ്റുള്ളവർക്ക് അവസരം കൊടുക്കുന്നില്ല.
   മറ്റുള്ളവർക്ക് അവസരം കൊടുത്തില്ല.
5. ഒരാൾ പറയുന്നതു മറ്റൊരാൾ കേൾക്കുന്നില്ല.
   ഒരാൾ പറഞ്ഞതു മറ്റൊരാൾ കേട്ടില്ല.
6. ആരും തോൽക്കുന്നില്ല.
   ആരും തോറ്റില്ല.
7. ഞാൻ അവിടെ പോയിട്ടു പന്ത്രണ്ടു വർഷം കഴിയുന്നു.
   ഞാൻ അവിടെ പോയിട്ടു പന്ത്രണ്ടു വർഷം കഴിഞ്ഞു.
8. അവരെ എല്ലാം ക്ഷണിക്കാൻ ഉദ്ദേശിക്കുന്നു.
   അവരെ എല്ലാം ക്ഷണിക്കാൻ ഉദ്ദേശിച്ചു.
9. അവർ എല്ലാ സാഹിത്യകാരന്മാരെയും അണിനിരത്തുന്നു.
   അവർ എല്ലാം സാഹിത്യകാരന്മാരെയും അണിനിരത്തി.
10. അവർ വെളിയിലോട്ടു നടക്കുന്നു.
    അവർ വെളിയിലോട്ടു നടന്നു.

II. उचित स्थानों पर अपने दो दो शब्द लगाकर वाक्यों का विस्तार कीजिए ।

1. അവർ ഉണ്ട്.
2. രഘുരാമൻ മധുവിനെ വിളിച്ചു.
6. അദ്ദേഹത്തിനെ കണ്ടു പിടിച്ചു.
7. യോഗം നീണ്ടു നിന്നു.

3. അവർ കാര്യങ്ങൾ തീരുമാനിച്ചു.
4. ആരാണു പറഞ്ഞത്?
5. വനിതാ സമ്മേളനം നടത്തി.
8. എല്ലാവരും വന്നു.
9. നോവൽ വായിച്ചു.
10. പാഠം മനസ്സിലാക്കി.

III. दिए गए वाक्यों को भूतकाल में बदलिए ।

1. പപ്പു ആ സമയംകൊണ്ട് ഊണു തയ്യാറാക്കുന്നു.
2. ഞങ്ങൾ നിങ്ങളെ അനുസരിക്കുന്നു.
3. സമയം കഴിയുന്നു.
4. ഞാൻ വൈകുന്നേരം മേൽ കഴുകുന്നു.
5. ഞാൻ വേഗം പുറപ്പെടുന്നു
6. കുട്ടികളും കാര്യങ്ങളൊക്കെ മനസ്സിലാക്കുന്നു.
7. എത്ര ചക്കയാണു നിങ്ങൾ വിൽക്കുന്നത്?
8. ആ പുസ്തകം ആരാണു വാങ്ങുന്നത് ?
9. നിങ്ങൾ ആരെയാണ് ഓർമിക്കുന്നത് ?

IV. कोष्ठक में दिए हुए हिन्दी शब्दों के समानार्थक मलयाळम शब्दों का प्रयोग कर के वाक्य पूरे कीजिए ।

1. തകഴിയുടെ പുസ്തകങ്ങളുടെ നിരൂപണം ഞാൻ -------. (पढ़ा)
2. എല്ലാവരേയും യോഗത്തിനു --------. (बुलाया)
3. കളക്ടറെ നിങ്ങളും ------- . (देखा)
4. താൻ ഇരുന്നിരുന്നു ------- അല്ലേ? (ऊब गए)
5. മീറ്റിംഗ് മണിക്കൂറുകൾ -----------. (चलती रही)
6. നന്നായി ഓണം -------------. (मनाया)
7. പരീക്ഷ ഓടി -----------------. (पहुंचा)
8. വലിയ ഒരു സദ്യയാണു -----------. (दिया)
9. അച്ഛനാണ് മകളെ -------------. (पढाता)
10. ആരാണു നിന്നെ ------------- ? (बुलाया)

V. निचे दिए गए वाक्यों का अभ्यास कीजिए ।

1. ഞാൻ ഇരുന്നിരുന്നു മുഷിഞ്ഞു.
2. അവൾ നടന്നു നടന്നു മുഷിഞ്ഞു.
3. കുട്ടി കിടന്നു കിടന്നു മുഷിഞ്ഞു.
4. ഞാൻ പറഞ്ഞു പറഞ്ഞു മുഷിഞ്ഞു
5. ഞാൻകണ്ടു കണ്ടു മുഷിഞ്ഞു.

1. ഞാൻ അവരെ കാണാതെ വിഷമിച്ചു.
2. അവർ ഇരിക്കാതെ വിഷമിച്ചു.
3. ഞങ്ങൾ നിൽക്കാതെ വിഷമിച്ചു
4. അദ്ദേഹം സംസാരിക്കാതെ വിഷമിച്ചു.
5. അദ്ദേഹം കുടിക്കാതെ വിഷമിച്ചു.

VI. उदाहरण के अनुसार दिए हुए वाक्यों को जोड़िए ।

उदा : ഞാൻ ഇവിടെ വന്നു. ഞാൻ കണ്ടു.
ഞാൻ ഇവിടെ വന്നു കണ്ടു.

1. അയാൾ എന്നെ കണ്ടു
   അയാൾ പറഞ്ഞു.
2. ഡോക്ടർ രോഗിയെ നോക്കി
   ഡോക്ടർ പോയി.
3. ഞാൻ മരുന്നു കുടിച്ചു
   ഞാൻ കിടന്നു.
4. അവർ ഫോണിൽ വിളിച്ചു.
   അവർ സംസാരിച്ചു .
5. അച്ഛൻ വീട്ടിൽ വന്നു.
   അച്ഛൻ കിടന്നു.
6. അമ്മ പുസ്തകം വായിച്ചു.
   അമ്മ ഉറങ്ങി
7. അയാൾ കാപ്പി കുടിച്ചു.
   അയാൾ വന്നു
8. കുട്ടി പാഠം പഠിച്ചു.
   കുട്ടി എഴുതി
.9 അവൻ പുസ്തകം നോക്കി.
   അവൻ കഥ പറഞ്ഞു.
10. കുട്ടി ഓടി..
   കുട്ടി വന്നു.

उदा : ഞാൻ കണ്ടില്ല. ഞാൻ പറഞ്ഞു.
ഞാൻ കാണാതെ പറഞ്ഞു.

1. അവർ വീട്ടിൽ വന്നില്ല
   അവർ പോയി .
2. കുട്ടികൾ എന്നെ നോക്കിയില്ല.
   കുട്ടികൾ പറഞ്ഞു.
3. ഞാൻ ആർക്കും കൊടുത്തില്ല.
   ഞാൻ കൊണ്ടു വന്നു.
4. അവൾ കാര്യം അറിഞ്ഞില്ല.
   അവൾ അറിയാതെ പറഞ്ഞു .
5. കുട്ടി പുസ്തകം എടുത്തില്ല.
   കുട്ടി വന്നു.

VII. दिए हुए वाक्यों का अभ्यास कीजिए ।

1. സംസാരിക്കാതെ ഇരിക്കുന്നു
   സംസാരിക്കാതെ ഇരുന്നു.
   സംസാരിക്കാതെ ഇരിക്കൂ.
   സംസാരിക്കാതെ ഇരിക്കണം
   സംസാരിക്കാതെ ഇരിക്കുന്നില്ല.
   സംസാരിക്കാതെ ഇരുന്നില്ല.
   സംസാരിക്കാതെ ഇരിക്കണ്ട.
   സംസാരിക്കാതെ ഇരിക്കരുത്

VIII. निम्न मलयालम शब्दों के हिन्दी समान शब्द दीजिए ।

1.	പന്ത്രണ്ട്	പ്രത്യേകത	പുസ്തകം	ആഘോഷം
	പട്ടിക	നടപടി	നാടൻ	ചുമതല
	തർക്കം	നീണ്ട	ചുമതല	മണിക്കൂർ.

2. वाक्य भागों को ठीक प्रकार जोडिए ।

ഞാൻ പറഞ്ഞത്	പത്തു പേർ തോറ്റു.
നിന്റെ ആജ്ഞ	അവർ ഏറ്റെടുത്തു
ആരാണു നിങ്ങളോടു	വന്നു?
പരീക്ഷയിൽ	ഉണ്ടാക്കിയില്ല.
എല്ലാം ചുമതലകളും	ആരും അനുസരിച്ചില്ല.
ആ യോഗത്തിന് ആരൊക്കെ	വീട്ടിലേക്കു നടന്നു.
അരിയൊക്കെ	അങ്ങനെ പറഞ്ഞത്?
അവർ ചപ്പാത്തി	എഴുതിയോ?
ഞങ്ങൾ വേഗം	ഞാൻ അനുസരിച്ചില്ലേ?
നീ പാഠം	വെന്തോ?

पढिए और समझिए

കളക്ടർക്ക് നിവേദനം

ബഹുമാനപ്പെട്ട ആലപ്പുഴ ജില്ലാകളക്ടറുടെ അടിയന്തിര ശ്രദ്ധയ്ക്കും മേൽനടപടികൾക്കുമായി കുട്ടനാടു ദേശവാസികൾ ബോധിപ്പിക്കുന്നത്.

സർ,

വിഷയം:- കുട്ടനാടൻ കായൽ പ്രദേശത്തെ ആഫ്രിക്കൻ പായൽ നിവാരണത്തെക്കുറിച്ച്.

കേരളത്തിന്റെ പ്രകൃതിഭംഗി നേരിൽ കണ്ട് ആസ്വദിക്കുവാൻ ലോകത്തിന്റെ നാനാ ഭാഗങ്ങളിൽ നിന്നു വിനോദസഞ്ചാരികൾ ഇങ്ങോട്ടു വന്നു ചേരുന്നുണ്ട്. കേരളത്തിന്റെ നെല്ലറയായ കുട്ടനാട്ടിലെ കായലുകളും വയലേലകളും സഞ്ചാരികളെ വളരെ ആകർഷിക്കുന്നുണ്ട്. വിനോദ സഞ്ചാര വികസനത്തിന് സർക്കാർ ഇപ്പോൾ ഒട്ടേറെ വികസന പദ്ധതികൾ ആവിഷ്കരിച്ചു വരുന്നു എന്നറിയുന്നത് വളരെ സന്തോഷകരമാണ്. കൊല്ലത്തു നിന്നു കുട്ടനാട്ടിലേക്കുള്ള ബോട്ടുയാത്ര സഞ്ചാരികളുടെ മനം കവരുന്നതാണ്. പക്ഷേ ഇപ്പോൾ ഈ ജലമാർഗം ഏതാണ്ടു ഭാഗികമായി അടഞ്ഞു കിടക്കുന്നു. കുട്ടനാട്ടിന്റെ തീരാശാപമായ ആഫ്രിക്കൻ പായലാണ് സുന്ദരമായ ഈ ജലമാർഗത്തെ തടഞ്ഞു നിർത്തുന്നത്. ആഫ്രിക്കൻ പായൽ നിർമാർജനം ചെയ്യാൻ ആവശ്യപ്പെട്ട് അധികൃതർക്ക് ഞങ്ങൾ പല പ്രാവശ്യം കത്തുകളയച്ചു. പക്ഷേ അവയൊക്കെ ജലരേഖകളായി തീരുകയാണ് ചെയ്തത്. സർക്കാറിന്റെ ഭാഗത്തുനിന്ന് ഇതുവരെ യാതൊരു നീക്കവും ഉണ്ടായില്ല. പായൽ പൂർവാധികം ശക്തിയായി കുട്ടനാടു മുഴുവൻ പടർന്നു പിടിക്കുന്നു. ഇപ്പോൾ കുട്ടനാട്ടിലെ നെൽക്കൃഷിയേയും പായൽ ബാധിച്ചു തുടങ്ങിയിരിക്കുന്നു.

കുട്ടനാടിന്റെ ഭംഗിയേയും കുട്ടനാട്ടിലെ നെൽക്കൃഷിയേയും രക്ഷിക്കാൻ വേണ്ടി പായൽ നിവാരണ നടപടികൾ ഉടനടി കൈ ക്കൊള്ളുവാൻ വിനീതമായി അഭ്യർഥിക്കുന്നു.

എന്ന്
കുട്ടനാടു നിവാസികൾക്കു വേണ്ടി
കൺവീനർ (ഒപ്പ്)
പൗരസമിതി
കുട്ടനാട് താലൂക്ക് ആലപ്പുഴജില്ല
14/3/98.

കളക്ടറുടെ മറുപടി

വീണ എസ്.മേനോൻ
ജില്ലാകളക്ടർ
ആലപ്പുഴ ജില്ല

To

കൺവീനർ
പൗരസമിതി
കുട്ടനാട് താലൂക്ക്,
ആലപ്പുഴ ജില്ല

ശ്രീമാൻ,

സൂചന :- നമ്പർ 52/KP/ 98-99 മാർച്ച് 14 ാം തീയതിയിലെ നിങ്ങളുടെ കത്ത്.
വിഷയം:- കുട്ടനാട്ടിലെ പായൽ നിവാരണത്തെ കുറിച്ച്

1) കുട്ടനാട്ടിലെ ആഫ്രിക്കൻപായൽ നിവാരണത്തിന് ആവശ്യമായ പ്രാഥമിക നടപടികളെല്ലാം എടുത്തു കഴിഞ്ഞു എന്ന് സന്തോഷപൂർവം അറിയിക്കട്ടെ.
2) ആഫ്രിക്കൻ പായൽ ബാധിത പ്രദേശങ്ങളെക്കുറിച്ച് പഠിച്ചു റിപ്പോർട്ട് സമർപ്പിക്കാൻ ബഹു. കേരള മുഖ്യമന്ത്രി ചെയർമാനായുള്ള ഒരു ഒമ്പതംഗ കമ്മിറ്റിയെ നിയമിച്ചു കഴിഞ്ഞു.
3) കമ്മിറ്റിയിൽ മുഖ്യമന്ത്രിയെ കൂടാതെ കേരള കൃഷി, ടൂറിസം വകുപ്പു മന്ത്രിമാരും സെക്രട്ടറിമാരും, ആലപ്പുഴ ജില്ലാ കളക്ടർ, ജില്ലാ കൗൺസിൽ

പ്രസിഡൻ്റ് തുടങ്ങിയവരും മഹാത്മാഗാന്ധി സർവകലാശാലയിലെ സസ്യശാസ്ത്രം, രസതന്ത്രം എന്നീ വിഭാഗങ്ങളിലെ രണ്ടു ശാസ്ത്രജ്ഞന്മാരും, തിരുവനന്തപുരം ബോട്ടണിക്കൽ റിസർച്ച് ഇൻസ്റ്റിട്യൂട്ടിലെ രണ്ടു സീനിയർ ശാസ്ത്രജ്ഞന്മാരും ഉണ്ടായിരിക്കുന്നതാണ്.

4) ടി.ശാസ്ത്രജ്ഞന്മാരുടെ നേതൃത്വത്തിലുള്ള ഒരു പഠന സംഘം ഏപ്രിൽ 12-ാം തീയതി കുട്ടനാടൻ പായൽ ബാധിതപ്രദേശങ്ങൾ സന്ദർശിച്ച് പായലിന്റെ സാമ്പിൾ ശേഖരിച്ച് പഠനത്തിനയക്കുന്നതാണ്.

5) ആറുമാസത്തിനകം അവർ പഠനറിപ്പോർട്ട് സർക്കാറിനു സമർപ്പിക്കുന്നതാണ്.

6) കൂടാതെ ഒമ്പതംഗകമ്മിറ്റിയിൽ നിന്നു രണ്ടുപേരെ തെരഞ്ഞെടുത്ത് ബംഗ്ലാദേശ്, ഇൻഡോനേഷ്യ എന്നീ രാജ്യങ്ങളിലേക്ക് ആഫ്രിക്കൻ പായലിനെ പ്പറ്റിയുള്ള വിദഗ്ധ പഠനത്തിന് അയയ്ക്കുന്നുണ്ട്.

7) ഇപ്പോഴുള്ള സമിതിയിലേക്കു കുട്ടനാടൻ കർഷകരുടെ രണ്ടു പ്രതിനിധികളെ നിർദേശിക്കുവാൻ മാർച്ച് 31-ാം തീയതി കളക്ടർ ഒരു പൗരസമിതി യോഗം വിളിച്ചു കൂട്ടുന്നു. ആലപ്പുഴ ഭഗവതി ഇൻ്റർ നാഷണലിൽ വൈകുന്നേരം 3.30 നാണ് യോഗം. യോഗത്തിൽ പൗരസമിതിയിലെ അംഗങ്ങളെല്ലാവരും പങ്കെടുക്കുവാൻ അഭ്യർഥിക്കുന്നു.

എന്ന്
വിശ്വസ്തതയോടെ
(ഒപ്പ്)
ജില്ലാകളക്ടർ
ആലപ്പുഴ ജില്ല.

शब्दार्थ

നിവേദനം	ज्ञापन	വളരെ	बहुत
ബഹുമാനപ്പെട്ട	आदरणीय	ആകർഷിക്കുക	आकर्षित करना
അടിയന്തര ശ്രദ്ധ	अत्यावश्यक ध्यान	വിനോദസഞ്ചാരം	विनोद यात्रा, सैर
ദേശവാസി	देशवासि	വികസനം	विकास
ബോധിപ്പിക്കുക	बोध करना, ध्यान में लाना		
കായൽ പ്രദേശം	झील प्रदेश	സർക്കാർ	सरकार
പായൽ	काई	ഒട്ടേറെ	बहुत से
നിവാരണം	निवारण	വികസനപദ്ധതി	विकास की योजना
പ്രകൃതിഭംഗി	प्रकृति सौन्दर्य	ആവിഷ്ക്കരിക്കുക	रूप देना

ദേരിൽ	सीधे	മനം	मन
ആസ്വദിക്കുക	आस्वादन करना	കവരുക	चुराना
നാനാഭാഗം	सभी भाग	ജലമാർഗം	जल मार्ग
വിനോദസഞ്ചാരി	विनोद संचारी, यात्री,	ഏതാണ്ട്	लगभग
വന്നുചേരുക	पहुँचना	ഭാഗികം	आंशिक
നെല്ലറ	धान का भण्डार घर	അടയുക	बन्द होना
വയലേല	खेत	കിടക്കുക	लेटना
തീരാശാപം	शाखत शाप	എടുക്കുക	लेना
സുന്ദരം	सुन्दर	സന്തോഷപൂർവം	संतोष पूर्व
തടയുക	रुकाना	അറിയിക്കുക	सूचित करना
നിർത്തുക	रोकना	ബാധിത പ്രദേശം	प्रभावित क्षेत्र
നിർമാർജനം	निर्मार्जन, दूर करना, उन्मूलन	സമർപ്പിക്കുക	अर्पण करना
ആവശ്യപ്പെടുക	चाहना	നിയമിക്കുക	नियुक्त करना
അധികൃതർ	अधिकृत	സസ്യശാസ്ത്രം	वनस्पति शास्त्र
അയയ്ക്കുക	भेजना	രസതന്ത്രം	रसायन शास्त्र
ജലരേഖ	जल रेखा	വിഭാഗം	विभाग
തീരുക	पूरा होना	ശാസ്ത്രജ്ഞന്മാർ	वैज्ञानिक
യാതൊരു	कोई भी	പഠനം	पढाई
നീക്കം	चाल चलना	സംഘം	संघ, समिति
പൂർവാധികം	पूर्वाधिक, पहले से अधिक		
ശക്തി	शक्ति	തെരഞ്ഞെടുക്കുക	चुनना
പടരുക	बढ़ना, फैलना	സമിതി	समिति
നെൽക്കൃഷി	चावल की खेती	കർഷകർ	किसान
ബാധിക്കുക	प्रभाव पडना	പ്രതിനിധി	प्रति निधि
രക്ഷിക്കുക	रक्षा करना	നിർദ്ദേശിക്കുക	निर्देश देना
നടപടി	कदम	വിളിച്ചുകൂട്ടുക	बुलाकर इकट्ठा करना
ഉടനടി	तुरंत	പങ്കെടുക്കുക	भाग लेना
കൈക്കൊള്ളുക	हाथ में लेना, लेना	ക്ഷണിപ്പിക്കുക	आमन्त्रण देना
വീനീതം	विनीत	അഭ്യർഥിക്കുക	अभ्यर्थना करना
പ്രാഥമികം	प्रार्थमक		

अभ्यास

I. अनुच्छेद के आधार पर उत्तर दीजिए ।

1. വിനോദ സഞ്ചാരികൾ കേരളത്തിലേക്കു വരുന്നതെന്തിന് ?
2. കുട്ടനാട്ടിൽ സഞ്ചാരികളെ ആകർഷിക്കുന്നതെന്താണ് ?
3. ആഫ്രിക്കൻ പായൽ എന്തു ചെയ്യുന്നു?
4. കുട്ടനാട്ടുകാർ അധികൃതർക്ക് എന്തെഴുതി ?
5. എഴുത്തുകൊണ്ടു പ്രയോജനമുണ്ടായോ ?
6. കുട്ടനാടു മുഴുവൻ പായൽ ഏതു രീതിയിൽ പടർന്നു പിടിച്ചു ?
7. എങ്ങനെയുള്ള നടപടികൾ കൈക്കൊള്ളണം?
8. ആരാണ് കുട്ടനാട്ടുകാർക്ക് മറുപടി അയച്ചത്?
9. കുട്ടനാടു താലൂക്കുകാർക്കുവേണ്ടി സർക്കാർ ആദ്യമായി എന്തു ചെയ്തു എന്നു കത്തിൽ പറയുന്നു?
10. പുതിയ ഒമ്പതംഗ കമ്മിറ്റിയുടെ ചുമതല എന്താണ്?
11. ജില്ലാകളക്ടർ പൗരസമിതിയോഗം വിളിച്ചു കൂട്ടുന്നത് എവിടെയാണ്?

II. ठीक प्रकार मिलाकर पूरे वाक्य बनाइए ।

1. പൗരസമിതിയുടെ കൺവീനർ	റിപ്പോർട്ടു സമർപ്പിച്ചു.
2. കളക്ടർ	പടർന്നു പിടിച്ചു.
3. പായൽ ശല്യത്തെക്കുറിച്ച്	കളക്ടർക്ക് എഴുതി.
4. പ്രകൃതി സൗന്ദര്യം	കുട്ടനാട് സന്ദർശിച്ചു.
5. സർക്കാർ വികസന പദ്ധതികൾ	സർക്കാർ ജോലിചെയ്തു വത്രേ.
6. നടപടി കൈക്കൊള്ളുവാൻ	ആളുകളുടെ മനം കവർന്നു.
7. പ്രകൃതിയുടെ ഹരിതഭംഗിയാണോ	കൺവീനറെ കണ്ടോ?
8. ശാസ്ത്രജ്ഞന്മാർ	ആവിഷ്ക്കരിച്ചു തുടങ്ങി.
9. ജനങ്ങൾക്കുവേണ്ടി	ജനങ്ങളോട് അഭ്യർഥിക്കുന്നു.
10. പായൽ പൂർവാധികം ശക്തിയായി	സഞ്ചാരിയെ ആകർഷിച്ചു.
	വിനീതമായി അഭ്യർഥിച്ചു.

III. मलयाळम में अनुवाद कीजिए ।

कल मैं अपने गाँव (जो हरिद्वार में है) से वापस आया। मैं वहाँ अपने पिताजी से मिलने गया था। वे बहुत बीमार थे। उनके पास केवल मेरी माँ थी। मैं उनका इकलौता पुत्र हूँ ।परंतु मैं यहाँ नौकरी करता हूँ । मेरे पिताजी को टायफायड़ हुआ था । मेरे गाँव का मेरा एक पुराना मित्र अब डाक्टर है । उसने मेरे पिताजी का इलाज किया। मेरी माँ ने उसे पिताजी का इलाज करने केलिए बुलाया। अब मेरे पिताजी ठीक हैं । मेरे पास छुट्टी नहीं थी। इसलिए मुझे जन्दी वापस आना पड़ा ।

बीमार രോഗി इकलौता ഒറ്റമകൻ इलाज ചികിത്സ

IV. कल आपने क्या किया उस का वर्णन करते हुए दस वाक्य लिखिए ।

टिप्पणियाँ

1. इस पाठ में भी भूतकाल के वाक्यों का प्रयोग दिया गया है।नीचे दिये गये वाक्यों में रेखांकित क्रिया रूपों में भूतकाल के नये प्रत्ययों को देखें ।

   i. എന്തെല്ലാം തീരുമാനങ്ങളാണ് എടുത്തത്?
   (आप ने) क्या क्या निर्णय लिए ?

   ii. ആരെല്ലാം എന്തെല്ലാം ചുമതലകൾ എറ്റെടുത്തു ?
   किस किसने क्या क्या जिम्मेदारियाँ ली ?

   iii. ആരും ആർക്കും തോറ്റുകൊടുത്തില്ല.
   किसी ने भी और किसी से हार नहीं मानी ।

   iv. അരിയൊക്കെ വെന്തു.
   चावल सब पक गया ।

2. i. .എടുക്കുന്നു, കൊടുക്കുന്നു जैसे क्रियारूपों में भूतकाल का प्रत्यय -ത്ത- होता है और इन क्रियाओं के भूतकाल रूपों में -ക്ക- अक्षर का लोप हो जाती है ।
   കൊടുക്കുന്നു - കൊടുത്തു

   ii. ഏൽക്കുന്നു, വിൽക്കുന്നു आदि वर्तमानकाल की क्रियाओं के भूतकाल रूप ഏറ്റു, വിറ്റു होते हैं। നിൽക്കുന്നു क्रिया इस नियम का अपवाद है ।वह നിന്നു हो जाता है ।

   iii. വിടുന്നു, പുറപ്പെടുന്നു, കേൾക്കുന്നു, നീളുന്നു जैसे क्रियाओं में भूतकाल प्रत्यय -ट लगाते हैं और तब क्रिया का ട, ട്ട हो जाता है ।है ।
   വിടുന്നു - വിട്ടു പുറപ്പെടുന്നു - പുറപ്പെട്ടു

   iv. നീളുന്നു क्रिया भूतकाल में - നീണ്ടു हो जाता है । .

   v. വേവുന്നു, നോവുന്നു जैसी क्रियाएँ भूतकाल में വെന്തു, നൊന്തു हो जाती हैं।

3. क्रिया के भूतकालिक रूपों में ഉ लगाकर पूर्वकालिक कृदंत बनाते हैं।जब भूतकाल का प्रत्यय ഇ്ൗ होता है तो वही भूतकालिक रूप पूर्वकालिककृदंत के रूप में भी प्रयुक्त होता है । ऐसे पूर्वकालिक कृदंत मलयाळम में दो कार्यों का बोध कराता है ।

   i. संयुक्त क्रिया बनाने केलिए ।

उदा :

എറ്റെടുക്കുക, തോറ്റുകൊടുക്കുക ,കണ്ടുപിടിക്കുക, നീണ്ടു നിൽക്കുക आदि ।

   ii. समापिका क्रिया की विशेषता बताने केलिए असमापिक क्रिया के रूप में छोटे छोटे उप वाक्य बनाने केलिए ।

उदा :

ഓടി വന്നു നോക്കി. പാടിപ്പാടി പോകുന്നു. കണ്ടു പോയി.

हिन्दी में इसके समान रूप पढकर, जाकर, देखकर' जैसे होते हैं।

मलयाळम में निषेधात्मक कृदंत बनाने केलिए क्रिया रूप के साथ –ആതെ लगाते हैं जैसे पാടാതെ, കാണാതെ, എടുക്കാതെ, പഠിക്കാതെ बिना गाए, बिना देखे, बिनालिए, बिना पढ़े।

4. ഇരുന്നിരുന്നു മുഷിഞ്ഞു ' बैठते बैठते or बैठे बैठे or बैठे बैठकर ऊब गये" क्रिया रूप भी पूर्वकालिक रूप भी भूतकाल क्रियाओं को दुहराकर बनाते हैं ।

5. भिन्न भिन्न क्रियाओं के रूपों का मुख्य क्रिया के पहले प्रयोग किया जा सकता है जैसे

വന്നു നോക്കി വിളിച്ചു പറഞ്ഞു.

'आकर देखकर बुलाकर बोला '

ऐसी स्थितियों में क्रिया के कृदंत रूप ഇട്ടു को प्रत्येक असमापिक क्रिया माने पूर्वकालिक कृदंत के बाद कार्य की निश्चित समाप्ति दिखाने केलिए प्रयोग किया जा सकता है ।

उदा :

വന്നിട്ടു വിളിച്ചിട്ടു സംസാരിച്ചിട്ടു പോയി.

आकर के बुलाकर के बोलकरके गया ।

യോഗം വിളിച്ചു കൂട്ടിയിട്ടു തീരുമാനങ്ങൾ എടുത്തിട്ടു എല്ലാവർക്കും ചുമതലകൾ കൊടുത്തിട്ടു കളക്ടർ മാഥുർ പോയി.

' सभा बुलाकर, निर्णय लेकर, सब को जिम्मेदारियाँ बाँट कर कलक्टर माथुर गये ।'

6. नीचे लिखे संयुक्त संज्ञा रूपों पर ध्यान दें ।

കല + ഉത്സവം – കലോത്സവം.

ഫിലിം + ഉത്സവം – ഫിലിമോത്സവം.

जब दो संज्ञाओं को मिलाकर संयुक्त संज्ञा बनाते हैं और दूसरी शब्द -ഉ से शुरु हेता है तो वह संधि में -ഓ बन जाता है ।

7. -അ, –ഇ और –ൽ में अंत हेनेवाले शब्दों के बाद व्यंजनाक्षर ക ച ത പ आते हैं तो ക ച ത പ का द्वित्व हो जाता है ।

उदा :

പച്ച	+	പന്ത്	–	പച്ചപ്പന്ത്
പച്ച	+	ചായം	–	പച്ചച്ചായം
പച്ച	+	തത്ത	–	പച്ചത്തത്ത
പച്ച	+	പപ്പടം	–	പച്ചപപ്പടം
മാധവി	+	കുട്ടി	–	മാധവിക്കുട്ടി
കുട്ടി	+	കളി	–	കുട്ടിക്കളി

8. एम.टी,वासुदेवन नायर, पुनत्रिल् कुञ्ञब्दुल्ल सी राधाकृष्णन्, माधविकुट्टि, तथा सुगतकुमारी, मलयाळम के प्रसिद्ध साहित्यकार हैं । सुगतकुमारी कवयित्री है, और ये सब मलयालम भाषा के जाने माने कथाकार हैं। वे मलयाळम में १९६० के बाद प्रसिद्ध हुए हैं। इन सब को विविध पुरस्कार मिल चुके हैं । कवयित्रि होने के अलावा श्रीमती सुगत कुमारी केरळ के एक सुप्रसिद्ध पर्यावरण- वादी, वनिता संरक्षक तथा समाज सेविका भी हैं ।

പാഠം / पाठ 10

ഗുപ്തയുടെ ഭാവിപരിപാടി / गुप्ता के भविष्य का कार्यक्रम

ഗുപ്ത	: ഹലോ പ്രകാശ് എന്തൊക്കെയാണു വിശേഷങ്ങൾ?	हलो प्रकाश, क्या समाचार हैं?
പ്രകാശ്	: ഗുപ്ത മലയാളത്തിൽ സംസാരിക്കുമോ? ഇതെന്നു തുടങ്ങി?നിങ്ങൾ ഞങ്ങളുടെ ഭാഷ എങ്ങനെ പഠിച്ചു.?	गुप्ता, क्या तुम मलयालम में बात-चीत करते हो? यह कब से शुरू किया? आप ने हम लोगों की भाषा कैसे सीखी?
ഗുപ്ത	: മുഴുവൻ പഠിച്ചില്ല. പഠിക്കുന്നതേയുള്ളൂ. ഇനിയും വർഷങ്ങൾ എടുത്തേക്കും.	पूरी नहीं सीखी। सीख रहा हूँ और भी कई साल तक सीख लूँगा।यहाँ
പ്രകാശ്	: ഇവിടെ ഉത്തർപ്രദേശിൽ എവിടെയാണ് നിങ്ങൾ മലയാളം പഠിക്കുന്നത്? ആരാണ് പഠിപ്പിക്കുന്നത്?	उत्तर प्रदेश में आप मलयालम कहाँ सीख रहे हैं? कौन पढा रहे हैं?
ഗുപ്ത	: സംസ്ഥാന സർക്കാറിന്റെ ഭാഷാ കേന്ദ്രത്തിൽ. സ്റ്റേറ്റുബാങ്കിലെ മാധവമേനോനാണ് ഞങ്ങളുടെ അധ്യാപകൻ.	राज्य सरकार के भाषा केन्द्र में । स्टेट बैंक वाले 'माधव मेनोन' ही हमारे अध्यापक हैं ?
പ്രകാശ്	: ഭാഷാകേന്ദ്രത്തിൽ സാധാരണ ഏതൊക്കെ ഭാഷകൾ പഠിപ്പിക്കും?	भाषा केन्द्र में सामान्यतः कौन-कौन भाषाएँ पढ़ाते हैं ?
ഗുപ്ത	: ഹിന്ദിയും ഉറുദുവും ഒഴിച്ചുള്ള പന്ത്രണ്ടു ഭാരതീയഭാഷകൾ. അതായത് , ആസാമീസ്, ബംഗാളി, ഒറിയ, മറാഠി, ഗുജറാത്തി, സിന്ധി, പഞ്ചാബി, കാശ്മീരി, കന്നഡ, മലയാളം, തമിഴ്, തെലുങ്ക്, തുടങ്ങിയ എല്ലാം ഭാഷകളും.	हिन्दी और उर्दू को छोडकर बारह भारतीय भाषायें अर्थात असमी, बंगाला, उरि़या, मराठी, गुजराती, सिन्धी, पंजाबी, काश्मीरी, कन्नड मलयाळम, तमिळ, तेलुगु आदि । सब भाषाएँ ।

പ്രകാശ് :	ക്ലാസുകൾ നടത്തുന്നതല്ലാതെ പിന്നെ എന്തൊക്കെയാണ് ഈ കേന്ദ്രങ്ങൾ ചെയ്യുന്നത്?	कक्षायें चलाने के अलावा ये केन्द्र और क्या क्या करते हैं ।
ഗുപ്ത :	സർക്കാറിനു പല പദ്ധതികളും ഉണ്ട്. വർഷങ്ങൾക്കുള്ളിൽ വിവിധ ഭാരതീയ ഭാഷകളിലെ പല കൃതികളും ഹിന്ദിയിലേക്കു തർജുമ ചെയ്യിക്കും. പ്രാചീന കൃതികളും, ആധുനികകൃതികളും സമകാലീനകൃതികളും ഈ പരിപാടിയിൽ ഉൾപ്പെടുത്തുമത്രേ.	सरकार की बहुत- सी योजनाएँ हैं। कुछ ही वर्षों में विविध भारतीय भाषाओं की अनेक कृतियों का अनु वाद किया जाएगा। लगता है, प्राचीन कृतियों, आधुनिककृतियों, और समकालीन कॉतियों को इस कार्यक्रम में शामिल किया जाएगा।.
പ്രകാശ് :	അപ്പോൾ കുറച്ചുമാസങ്ങൾക്കുള്ളിൽ ഗുപ്ത ഒരു നല്ല വിവർത്തകനാകും പിന്നെ കച്ചവടം മാറ്റി സാഹിത്യമാക്കും തൊഴിൽരംഗം അല്ലേ?	तो कुछ ही दिनों में आप अच्छे अनुवादक बन जाएँगे। फिर व्यापार छोडकर साहित्य को अपना पेशा बनाएंगे, है न?
ഗുപ്ത :	ഛേ, ഛേ ഞാൻ ഒരിക്കലും സാഹിത്യവും കച്ചവടവും കൂട്ടിക്കുഴയ്ക്കില്ല. സാഹിത്യകാരൻ എന്ന ബിരുദം ചുളുവിൽ അടിച്ചെടുക്കാനുള്ള ആഗ്രഹവും ഇല്ല. സാഹിത്യത്തെ ഞാൻ ഒരിക്കലും അങ്ങനെ അപമാനിക്കില്ല. മലയാളഭാഷ പഠിക്കും. മലയാളികളുടെ സംസ്കാരം മനസ്സിലാക്കും. പിന്നെ മലയാളം എന്റെ ആവശ്യത്തിനു പ്രയോജനപ്പെടുത്തും. മനസ്സിലായോ?	ना, ना। मैं कभी भी साहित्य तथा व्यापार में मिलावट नहीं करूँगा। साहित्यकार की पदवी मुफ्त में प्राप्त करने की मेरी कोई इच्छा नहीं है। मैं साहित्य का कभी भी ऐसा अपमान नहीं करूँगा। मलयालम भाषा पढूँगा।मलयाळियों के संस्कृति को समझूँगा। फिर मलयाळम से अपनी आवश्यकता के अनुसार लाभ उठाऊँगा। समझे ?
പ്രകാശ് :	മലയാളഭാഷ തനിക്കെങ്ങനെ ഉപകരിക്കും?	मलयालम भाषा आपकी किसप्रकार भला करेगी ?
ഗുപ്ത :	ഞാനൊരു കച്ചവടക്കാരനല്ലേ? എനിക്കെപ്പോഴും കച്ചവടത്തിലല്ലേ ഒരു കണ്ണ്?	मैं एक व्यापारी हूँ न ? मेरी मतलब हमेशा व्यापार की ओर ही है न ?
പ്രകാശ് :	കേരളത്തിൽ താങ്കൾ എന്തു കച്ചവടം നടത്തും ?	आप केरल में कौन सा व्यापार करेंगे ?

ഗുപ്ത	: എറണാകുളത്ത് ഒരു ഉത്തർപ്രദേശ് കൈത്തറി സാരീകേന്ദ്രം തുടങ്ങാൻ പ്ലാനുണ്ട്. അടുത്തവർഷം ആദ്യം തുടങ്ങിയേക്കും. അപ്പോൾമലയാളം എനിക്കു പ്രയോജനപ്പെടില്ലേ?	एर्णाकुलम में उत्तर प्रदेश की एक हाथकरधा साडी केन्द्र आरंभ करने की योजना है।अगले वर्ष के आरंभ में शुरू करने की संभावना है।तब मलयालम मेरे काम में आएगी न?
പ്രകാശ്	: തീർച്ചയായും ഉപകരിച്ചേക്കും. ഒരു വെടിക്കു രണ്ടു പക്ഷി. ഒരു വശത്ത് സംസ്കാരം, മറ്റൊരു വശത്ത് വ്യാപാരം. ഗുപ്ത ആളൊരു വീരൻ തന്നെ.	निश्चय ही काम की होगी। एक पन्थ दो काज। एक ओर संस्कृति और एक ओर व्यापार । आप तो बुद्धिमान ही है ।
ഗുപ്ത	: അതിരിക്കട്ടെ പ്രകാശ്. നിങ്ങൾ എന്നാണിനി കേരളത്തിലേക്കു പോകുന്നത്?	छोडो प्रकाश। अभी आप केरल कब जा रहे हैं?
പ്രകാശ്	: അടുത്തമാസം പത്താം തീയതി കുട്ടികൾക്ക് അവധി തുടങ്ങും. പന്ത്രണ്ടാം തീയതി തന്നെ ഞങ്ങൾ യാത്ര തിരിക്കും.	अगले महीने दसवीं तारीख को बच्चों की छुट्टी शुरू हो जाएगी। बारहवीं तारीख को हम लोग यात्रा शुरु करेंगे ।
ഗുപ്ത	: ഇത്തവണ ഞാനും നിങ്ങളുടെ കൂടെ വന്നേക്കും. കേരളത്തിലെ പ്രധാനപ്പെട്ട അമ്പലങ്ങളൊക്കെ ഞാൻ സന്ദർശിച്ചേക്കും. തിരുവനന്തപുരത്തെ പത്മനാഭ സ്വാമിക്ഷേത്രം, കോട്ടയത്തെ ഏറ്റുമാനൂർ മഹാദേവക്ഷേത്രം, എറണാകുളത്തെ ചോറ്റാനിക്കര ഭഗവതിക്ഷേത്രം, ഗുരുവായൂർ ശ്രീകൃഷ്ണക്ഷേത്രം, കൊടുങ്ങല്ലൂരിലെ ഭഗവതിക്ഷേത്രം എന്നിവിടങ്ങളിലൊക്കെ ഞാൻ പോയേക്കും.	इस बार मैं भी आप के साथ शायद चलूँगा। मैं केरल के सभी मुख्य मन्दिरों को देखूँगा। मैं शायद तिरुवनन्तपुरम के पत्मनाभस्वामि मन्दिर, एर्णाकुलम मेंचोट्टानिक्करा भगवति मन्दिर, कोडुंङ्ङल्लूर का भगवति मन्दिर, गुरुवायूर श्री कृष्ण मन्दिर, ऐसे सभी स्थानों पर जाऊँगा।
പ്രകാശ്	: ശബരിമലയിലോ?	शबरिमला भी जाएँगे न?
ഗുപ്ത	: കഴിഞ്ഞവർഷം എന്റെ കൂട്ടുകാരുടെ കൂടെ ഞാൻ അവിടെ ഒരിക്കൽ പോയി. ഇത്തവണ അവിടെ പോകില്ലായിരിക്കും. പക്ഷേ ഗുരുവായൂരിൽ പോകാതിരിക്കില്ല.	पिछले वर्ष अपने मित्रों के साथ मैं एकबार वहाँ गया था।इस बार वहाँ नहीं जाऊँगा। लेकिन इस बार भी गुरुवायूर में बिना गये नहीं रह सकता। ।

പ്രകാശ് :	വളരെ നല്ല കാര്യം. ആദ്യം കേരളത്തിലെ ദേവീദേവന്മാരുടെ അനുഗ്രഹം വാങ്ങും. പിന്നെ അവിടെ കച്ചവടംതുടങ്ങും. കച്ചവടം എങ്ങനെ അഭിവൃദ്ധിപ്പെടാതിരിക്കും? എന്റെ ഗുപ്ത, നിങ്ങൾ തീർച്ചയായും കച്ചവടത്തിൽ ശോഭിക്കാതെ ഇരിക്കില്ല. ക്കാതെ ഇരിക്കില്ല.	बहूत अच्छा। पहले केरल के देवी देवताओं की कृपा प्राप्त करेंगे । बाद में वहाँ व्यापार शुरू करेंगे। फिर व्यापार में उन्नति हुए बिना कैसे रह सकते? रे गुप्ता, आप अवश्य व्यापार में उन्नति लिए बिना नहीं रह सकते ।

शब्दार्थ

ഭാവിപരിപാടി	भविष्य का कार्यक्रम	കൂട്ടിക്കുഴയ്ക്കുക	आपस में मिलाना
വിശേഷം	समाचार	സാഹിത്യകാരൻ	साहित्यकार
തുടങ്ങുക	शुरु करना	ബിരുദം	पदवि
സാധാരണ	सामान्यतः	ചുളുവിൽ	मुफ्त में
ഒഴിച്ചുള്ള	छोडकर	അടിച്ചെടുക്കുക	प्राप्त करना
തുടങ്ങിയ	आदि	അപമാനിക്കുക	अपमान करना
അല്ലാത്ത	अलावा	സംസ്കാരം	संस्कृति
പദ്ധതി	योजना	പ്രയോജനപ്പെടുത്തുക	प्रयोजन करना
വർഷം	साल	ഉപകരിക്കുക	काम में आना
വിവിധ	विविध	കൈത്തറി	हाथकरघा
കൃതി	कृति	കേന്ദ്രം	केन्द्र
തർജ്ജുമ	अनुवाद, तर्जुमा	തീർച്ച	निश्चय
പ്രാചീനം	प्राचीन	വെടി	बंदूक का छूटना
ആധുനികം	आधुनिक	പക്ഷി	चिड़िया
സമകാലീനം	समकालीन	വശം	ओर
ഉൾപ്പെടുത്തുക	शामिल करना	വ്യാപാരം	व्यापार
മാസം	महीना	വീരൻ	वीर
വിവർത്തകൻ	अनुवादक	അതിരിക്കട്ടെ	उसे रहने दो (उसे छोड़ो)
കച്ചവടം	व्यापार	അമ്പലം	मन्दिर
മാറ്റുക	बदलना	അഭിവൃദ്ധിപ്പെടുത്തുക	उन्नति होना
തൊഴിൽരംഗം	उद्योग मण्डल		

अभ्यास

I. निम्न दिए हिए वर्तमान काल, भूतकाल तथा भविष्यत् काल के तीन तीन प्रत्येक वाक्य समूह का अभ्यास कीजिए ।

1. ഞാൻ പാഠം പഠിക്കുന്നു.
   ഞാൻ പാഠം പഠിച്ചു.
   ഞാൻ പാഠം പഠിപ്പിക്കും.
2. റോസമ്മ ചന്തയിലേക്കു പോകുന്നു.
   റോസമ്മയും ചന്തയിലേക്കു പോയി.
   റോസമ്മയും ചന്തയിലേക്കു പോകും.
3. മേനോൻ മലയാളം പഠിപ്പിക്കുന്നു.
   മേനോൻ മലയാളം പഠിപ്പിച്ചു.
   മേനോൻ മലയാളം പഠിപ്പിക്കും.
4. എല്ലാവരും ഉറങ്ങുന്നു.
   എല്ലാവരും ഉറങ്ങി.
   എല്ലാവരും ഉറങ്ങും.
5. ഞങ്ങൾ ജോലി ചെയ്യുന്നു.
   ഞങ്ങൾ ജോലി ചെയ്തു.
   ഞങ്ങൾ ജോലി ചെയ്യും.
6, അവർ കഥ പറയുന്നു.
   അവർ കഥ പറഞ്ഞു.
   അവർ കഥ പറയും.

II. उदाहरण के अनुसार दिए हुए वाक्यों को भविष्यत काल में बदलिए।

उदा : നിങ്ങൾ എങ്ങനെ വന്നു?
നിങ്ങൾ എങ്ങനെ വരും?

1. അവൾ ആർക്കുവേണ്ടി സദ്യ നടത്തി?
2. പരീക്ഷയിൽ ആരു തോറ്റു?
3. നീ എങ്ങനെ മലയാളം പഠിച്ചു?
4. അതു സമയത്തിനു പ്രയോജനപ്പെട്ടോ?
5. നീ കവിത കേട്ടോ?
6. അവർ ചോറുണ്ടോ?
7. അവൾ നേന്ത്രക്കുലയെല്ലാം വിറ്റോ?
8. നിങ്ങൾ പലവ്യഞ്ജനം വാങ്ങിച്ചോ?
9. ആ സ്ഥലത്തിന്റെ പേര് എന്തായിരുന്നു?
10. ആരൊക്കെ അവിടെ ഉണ്ടായിരുന്നു?

III. उदाहरण के अनुसार वाक्यों को वर्तमान काल में बदलिए ।

उदा : നിങ്ങളെ ആരു വിളിക്കും?
നിങ്ങളെ ആരു വിളിക്കുന്നു?

1. ജോണി കച്ചവടം നടത്തും.
2. ഞങ്ങൾ യോഗ നടപടികളിൽ ഇതും ഉൾപ്പെടുത്തും.

3. അവർ എല്ലാ പുസ്തകങ്ങളും തർജുമ ചെയ്യും.
4. അവർക്ക് പുതിയ വീടു വേണമായിരിക്കും.
5. ആ ഗ്രാമത്തിൽ ഞാനും പോകും.
6. ഞാൻ ചായ കുടിക്കും.
7. സ്വന്തം വീടു വാടകയ്ക്കു കൊടുക്കും.
8. ഹോട്ടലിൽ ഊണു കഴിക്കും.
9. മറ്റെന്നാൾ തിരിച്ചു വരും.

IV . उदाहरण के अनुसार वाक्यों को निषेधात्मक रूप में बदलिए ।

उदा : എല്ലാവരെയും ഓർമിക്കും.
എല്ലാവരെയും ഓർമിക്കില്ല.

1. കുട്ടികൾ പാഠം പഠിക്കും.
2. അച്ഛൻ രാവിലെ ചൂടു ചായ കുടിക്കും.
3. ഞാൻ കേരളത്തിൽ കച്ചവടം നടത്തും.
4. പത്താം തീയതി ഹിന്ദി ക്ലാസു തുടങ്ങും
5. രാധിക കഥ എഴുതും.
6. എരിവും പുളിയും കൂടുമോ?
7. എന്നോട് ആ കാര്യം പറയുമോ?
8. കളക്ടറെ നിങ്ങൾ കാണുമോ?
9. നമ്മുടെ പുറകേ ആരു നടക്കും?
10. നിങ്ങൾ ചന്തയിൽ നിന്ന് എന്തു വാങ്ങും?

V . उदाहरण के अनुसार दिए हुए वाक्यों को भविष्यत संभाव्य काल में बदलिए ।

उदा : ഈ കൊല്ലം എല്ലാ പരീക്ഷകളും സമയത്തു നടക്കും.
ഈ കൊല്ലം എല്ലാം പരീക്ഷകളും സമയത്തു നടന്നേക്കും.

1. ഞാൻ ഈ ജോലി ചെയ്യും.
2. ഭാഷാ കേന്ദ്രത്തിൽ എല്ലാ ഭാരതീയ ഭാഷകളും പഠിപ്പിക്കും.
3. പ്രസിദ്ധ കൃതികൾ തർജുമ ചെയ്യിക്കും.
4. അവർ സംഗീതവും കച്ചവടവും കൂട്ടിക്കുഴയ്ക്കും.
5. നിങ്ങൾ സാഹിത്യം ഒരു തൊഴിലാക്കും.
6. മലയാള ഭാഷ അയാൾക്ക് ആ സമയത്ത് ഉപകരിക്കും.
7. നിങ്ങളെയും ഞാൻ കമ്മിറ്റിയിൽ ഉൾപ്പെടുത്തും.

8. സർക്കാർ ഒരു കൈത്തറി കേന്ദ്രം തുടങ്ങും.
9. എല്ലാ അമ്പലങ്ങളും ഞാൻ സന്ദർശിക്കും.
10. ഞാൻ ഭാരതം മുഴുവൻ തീർഥാടനം നടത്തും.

VI . उदाहरण के अनुसार प्रत्येक वाक्य के निषेधात्मक क्रियाओं को निकालकर वाक्य बदलिए।

उदा :

ഞാൻ വരാതെയിരിക്കില്ല.
ഞാൻ വരും.

1. ജോർജ് പുതിയ കട തുടങ്ങാതെയിരിക്കില്ല.
2. അവൻ പരീക്ഷയിൽ തോൽക്കാതെയിരിക്കില്ല.
3. ആ പണം നിനക്ക് അത്യാവശ്യത്തിന് ഉപകരിക്കാതെയിരിക്കില്ല.
4. അവൾ എല്ലാ അമ്പലങ്ങളിലും പോകാതെയിരിക്കില്ല.
5. രാഘവൻ ദേവീ ദേവന്മാരുടെ അനുഗ്രഹം വാങ്ങാതെയിരിക്കില്ല.
6. രജനി നിന്നോടു സംസാരിക്കാതെയിരിക്കില്ല.
7. നമ്മൾ അങ്ങനെ പറയാതിരിക്കില്ല.
8. റഷീദ് എല്ലാ സാധനങ്ങളും വാങ്ങാതെയിരിക്കില്ല.
9. അവൾ പുതിയ ജോലി ചെയ്യാതെയിരിക്കില്ല.
10. അവർ നമുക്കു മുൻപേ അവിടെ എത്താതെയിരിക്കില്ല.

VII . दिए हुए मलयाळम तथा हिन्दी शब्दों को उचित रीति में मिलाइए ।

അമ്പലം	उन्नति
ഉപകരിക്കുക	योजना
ആദ്യം	मनाना
അഭിവൃദ്ധി	पदवी
കച്ചവടം	काम में आना
ബിരുദം	पहले
പദ്ധതി	आदि
തൊഴിൽ	मंदिर
ആഘോഷം	योजना
തുടങ്ങിയ	व्यापार

VIII . उचित शब्दों से वाक्य पूरे कीजिए ।

1. മറ്റന്നാൾ ഞാൻ അങ്ങോട്ട് ------------.
2. മലയാളം ------------ പ്രയാസം തോന്നിയേക്കും.
3. കറിക്ക് ഉപ്പ് കൂടുതൽ -------------.
4. ഇന്നലെ നിങ്ങൾ എവിടെ -------------.
5. നാളെ ആ ജോലി അവൻ -------------.
6. പത്താം തീയതി നിങ്ങൾ എവിടെ ---------?
7. ഞാൻ ആരോട് ആ കാര്യം ------------.
8. എല്ലാവരും ഉണ്ണാൻ --------- ?
9. ഉപ്പും എരിവും എല്ലാവർക്കും ഇഷ്ടം --------?
10. യോഗത്തിൽ അവർ മലയാളത്തിൽ ---------?

पढिए समझिए

ഭാഷ

അനേകം ഭാഷകളുടെ നാടാണ് ഭാരതം. ഒരു സെൻസസ് കണക്കനുസരിച്ച് ആയിരത്തി അറന്നൂറിലധികം മാതൃഭാഷകൾ ഇന്ത്യയിൽ സംസാരി ക്കുന്നു. വ്യത്യസ്തമായ അനേകം ഭാഷകൾ ഒരേ സമയം ഒപ്പം നിൽക്കുന്നത് ഭാരതത്തെ സംബന്ധിച്ചിടത്തോളം പുതിയ കാര്യമല്ല. കാരണം ഭാഷ. മതം,വേഷം, ജീവിതരീതി എന്നിവയൊന്നും ഒരിക്കലും നമ്മെ വേർപെടുത്തുന്ന ഘടകങ്ങളായി രുന്നില്ല. നാം വ്യത്യസ്ത മായ ഭാഷകൾ സംസാരിക്കുന്നു, വ്യത്യസ്തമായ ആചാര മര്യാദകളും വിശ്വാസങ്ങളും വച്ചു പുലർത്തുന്നു, അപ്പോഴും നാം ഒന്നാണ് എന്ന ബോധം നമ്മളിലുണ്ട്. എല്ലാറ്റിനുമപ്പുറം നമുക്കു പൊതുവായ ഒരു സംസ്കാരമുണ്ടെന്ന് നാം തിരിച്ചറിഞ്ഞു. ഭാഷ നമ്മുടെ ഐക്യത്തിനു നേരെയുള്ള ഒരു വെല്ലുവിളിയായി ഉയരുന്നത് ഒരിക്കലും അനുവദിച്ചുകൊടുക്കാൻ നമുക്കു കഴിയുമായിരുന്നില്ല.

പക്ഷേ ഇന്നു സ്ഥിതി ഏറെ വ്യത്യസ്തമായി. തമ്മിൽ കലഹിക്കാൻ വേണ്ടി നാം ഭാഷയെയും ഉപയോഗിച്ചു തുടങ്ങി. രാജ്യത്തെ ശിഥിലമാക്കാൻ കഴിവുള്ള പ്രബലശക്തിയായി ഇന്നു ഭാഷ മാറിക്കഴിഞ്ഞു. ഇത് ഒരപകടഘട്ടമാണ്. ഈ അപകടഘട്ടത്തെ നാം എങ്ങനെ തരണം ചെയ്യും? അതാണു നമ്മുടെ മുന്നി ലുള്ള പ്രശ്നം.

ഭാഷയെപറ്റിയുള്ള അടിസ്ഥാനപരമായ അവബോധം ഇല്ലാതെ വരുന്നതു കൊണ്ടാണു പലപ്പോഴും ഭാഷാഭ്രാന്തുതലപൊക്കുന്നത്. ഭാഷയെപ്പറ്റി ശരിയായി മനസ്സിലാക്കേണ്ടവയെക്കാൾ കൂടുതൽ തെറ്റായി മനസ്സിലാക്കി എന്നതാണ് നാം ചെയ്ത പ്രധാന തെറ്റ്. ആശയ വിനിമയത്തിനുള്ള ഉപാധി എന്ന നിലയിൽ എല്ലാ

ഭാഷകളും തുല്യമാണ്. ഭാഷകൾ തമ്മിൽ വലിപ്പച്ചെറുപ്പത്തിന്റെയോ പ്രയാസം-എളുപ്പത്തിന്റേയോ പ്രശ്നമില്ല. ഒരു തരത്തിൽ എല്ലാ ഭാഷകളും പ്രയാസമുള്ളവയാണ് എന്നാൽ എല്ലാം എളുപ്പമുള്ളവയുമാണ്. ഉത്തമമായ ഭാഷയോ നീചമായ ഭാഷയോ ലോകത്തില്ല- ദേവ ഭാഷയുമില്ല. അപൂർണമായ മനുഷ്യഭാഷ മാത്രമേയുള്ളൂ. എല്ലാ ഭാഷകളും തുല്യമാണെന്ന് മനസ്സിലാക്കുന്നതോടെ മറ്റു ഭാഷകളെ ശരിയായ രീതിയിൽ അംഗീകരിക്കാനും നമുക്കു കഴിയും.

ആഗ്രഹവും സന്നദ്ധതയും ഉണ്ടെങ്കിൽ ആർക്കും ഏതു ഭാഷയും പഠിക്കാം. അതിനുള്ള സാഹചര്യം ഉണ്ടാക്കി കൊടുക്കുകയാണ് നാം ചെയ്യേണ്ടത്. പുതിയ ഒരു ഭാഷ പഠിക്കുക എന്നാൽ മറ്റൊരു സമൂഹത്തെയും അതിന്റെ സംസ്കാര വിശേഷങ്ങളെയും തൊട്ടറിയുക എന്നു തന്നെയാണ് അർഥം.

ഭാഷയെപ്പറ്റിയുള്ള സാമാന്യജനതയുടെ തെറ്റിദ്ധാരണകളെ അവസരവാദികളായ രാഷ്ട്രീയക്കാരും മാതൃഭാഷാസ്നേഹത്തിന്റെ പൊയ്മുഖമണിഞ്ഞ സാമൂഹ്യ പരിഷ്കർത്താക്കളും മുതലെടുക്കാൻ ശ്രമിക്കും. ഇത്തരം കപടവേഷക്കാരെ തിരിച്ചറിയേണ്ടതു നമ്മുടെ കടമയാണ്.

शब्दार्थ

അനേകം	अनेक	ആശയവിനിമയം	विचार विनिमय
ഒപ്പം	साथ साथ	ഉപാധി	साधन
വേർപെടുത്തുക	अलग करना	വലിപ്പം	बडाई
ഘട്ടം	स्तर	ചെറുപ്പം	जवानी
ആചാര്യമര്യാദ	रीति रिवाज़	പ്രയാസം	कष्ट, तकलीफ़
വിശ്വാസം	विश्वास	എളുപ്പം	सरल
പൊതു	सामान्य	ഉത്തമം	उत्तम
സംസ്കാരം	संस्कृति	നീചം	अधम, नीच
ഐക്യം	ऐक्य	അപൂർണം	अपूर्ण
വെല്ലുവിളി	चुनौती	അംഗീകരിക്കുക	अंगीकार करना
കലഹിക്കുക	झगडा करना	സാഹചര്യം	साहचर्य
ശിഥിലമാക്കുക	शिथिल करना	സമൂഹം	समूह, समाज
അപകടം	आपत्ति	സംസ്കാരവിശേഷം	संस्कृति की विशेषता
പ്രശ്നം	प्रश्न	തൊട്ടറിയുക	पहचानना
അടിസ്ഥാനപരം	नींव	സാമാന്യജനത	साधारण लोग
അവബോധം	बोध	സാമൂഹ്യപരിഷ്കർത്താക്കൾ	समाज सुधारक

അവസരവാദി	अवसर करना	കപടവേഷക്കാർ	कपटवेष धारी
രാഷ്ട്രീയക്കാരൻ	राजनैतिज्ञ	തിരിച്ചറിയുക	पहचानना
പൊയ്മുഖം	कृत्रिम मुख	കടമ	फर्ज, कर्तव्य

अभ्यास

I. उत्तर दीजिए ।

1. ഇന്ത്യയിൽ എത്ര ഭാഷകൾ സംസാരിക്കുന്നു എന്നാണ് ഒരു സെൻസസ് അനുസരിച്ചു പറയാവുന്നത് ?
2. എന്തൊക്കെ കാര്യങ്ങളിലാണ് ഭാരതത്തിലെ ജനങ്ങൾ വ്യത്യസ്തരായിരിക്കുന്നത്?
3. നമുക്കു പൊതുവായ ഒരു സംസ്കാരമുണ്ടെന്ന് നാം തിരിച്ചറിഞ്ഞിരുന്നോ?
4. ഇപ്പോൾ നാം എന്തിനു വേണ്ടി കൂടിയാണ് ഭാഷയെ ഉപയോഗിച്ചു തുടങ്ങിയിരിക്കുന്നത്?
5. എന്തുകൊണ്ടാണ് ഭാഷാഭ്രാന്ത് തലപൊക്കുന്നത്?
6. എല്ലാം ഭാഷകളും തുല്യമാണോ?
7. എപ്പോൾ നമുക്ക് എല്ലാ ഭാഷകളെയും ശരിയായ രീതിയിൽ മനസ്സിലാക്കാനും അംഗീകരിക്കാനും കഴിയും?
8. പുതിയ ഒരു ഭാഷ പഠിക്കുന്നു എന്നാൽ എന്താണ് അർഥം?
9. ഭാഷകളെപ്പറ്റിയുള്ള തെറ്റിദ്ധാരണകളെ ആരാണു മുതലെടുക്കുന്നത്?
10. നമ്മുടെ കടമ എന്താണെന്നാണ് ഇവിടെ പറയുന്നത്?

II. निम्न शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए ।

വലിപ്പം	ഭാഷ	വേഷം	സ്നേഹം
എളുപ്പം	ഉത്തമം	ജീവിതരീതി	കപടവേഷക്കാർ
പ്രയാസം	ചെറുപ്പം	അവസരവാദി	രാഷ്ട്രീയക്കാർ.
നീചം	വ്യത്യസ്തം	മാതൃഭാഷ	സാഹചര്യം

III. मलयाळम में अनुवाद कीजिए ।

मानव अपने विचार भाषा के द्वारा प्रकट करता है । सब को अपनी मातृभाषा से प्रेम है। सब उसका आदर करते हैं, आराधना करते हैं। जन्म के पहले वर्ष से ही हम मातृभाषा में बोलना, सीखते हैं। माँ और हमारे घखालों की बोली हमारे कान में पडती हैं । यह बोली सुन सुन कर हम भी अपनी भाषा सीख लेते हैं। कोई दूसरी भाषा सीखने में कठिनाई होगी। लेकिन यह कठिनाई शुरु के कुछ दिनों में ही होती है। कोशिश करने से एक नई भाषा सीखना भी आसान हो जाता है । भाषा सीखना

है तो हमें अच्छी तरह सब की बातें सुननी चाहिए। हमेशा नई भाषा में ही बोलना चाहिए। ठीक शब्द ठीक समय पर नहीं मिले तो भी चिन्ता नहीं करना चाहिए । बोलते बोलते आदत हो जाएगी और हम आसानी से वह भाषा बोल सकते हैं। प्रयत्न करो, तो भाषा सीखना उतना मुशिकल नहीं है । सब भाषाओं में है अपनापन । सीखो भाषा जीतो मन ।

IV. अपनी मातृभाषा के बारे में १० वाक्य लिखिए ।

टिप्पणियाँ

1. इस पाठ में मलयालम के भविष्यत् काल के वाक्यों का परिचय दिया गया है ।

उदा :

i) **ഗുപ്ത മലയാളത്തിൽ സംസാരിക്കുമോ?**
गुप्त क्या (तुम) मलयाळम में बोलोगे ?

ii) **ഭാഷാകേന്ദ്രത്തിൽ സാധാരണ ഏതൊക്കെ ഭാഷകൾ പഠിപ്പിക്കും?**
भाषाकेंन्द्र में साधारणतः कौन कौन सी भाषाऐं सिखायेंगे ?

iii) **വിവിധ ഭാരതീയ ഭാഷകളിലെ പല കൃതികളും ഹിന്ദിയിലേക്കു തർജ്ജുമ ചെയ്യിക്കും.**
विविध भारतीय भाषाओं की बहुत कृतियाँ हिन्दी में अनुवादित करवाऐंगे ।

iv) **പ്രാചീനകൃതികളും ഈ പരിപാടിയിൽ ഉൾപ്പെടുത്തുമത്രേ.**
प्राचीन कृतियाँ भी इस कार्यक्रम में लेंगे ।

2. क्रिया रूप में - **ഉം** लगाकर भविष्यत् काल बनाया जाता है । -**ഉം** प्रत्यय के साथ बननेवाले भविष्यत् काल से निम्न कार्यों का बोध होता है ।

i) निश्चित काम जो होनेवाला है । **അവർ വരും.** वे आएँगे ।

ii) वह काम जो नियमित या आभ्यासिक रूप से होता है । **അവർ പാട്ടു പാടും.** वे गीत गाएँगे ।

iii) जो काम सतत होता है । **സൂര്യൻ രാവിലെ ഉദിക്കും.** सूर्य सबेरे निकलता है ।

3. **പഠിച്ചേക്കും** जैसे क्रिया रूपों से भविष्यत् काल की संभावना का बोध होता है । क्रिया रूपों में -**ഏക്കും**, – **ഏക്കാം** या - **ആം** लगाकर ये क्रियाएँ बनायी जाती हैं ।

उदा :

i) **ഇത്തവണ ഞാനും നിങ്ങളുടെ കൂടെ വന്നേക്കും.**
इस बार शायद मैं भी आप के साथ आऊँगा ।

ii) കേരളത്തിലെ പ്രധാനപ്പെട്ട അമ്പലങ്ങളൊക്കെ ഞാൻ സന്ദർശിച്ചേക്കും.
मैं केरल के सभी मुख्य मंदिरों का दर्शन करने की संभावना है ।

या

मैं शायद केरल के सभी मुख्य मंदिरों का दर्शन करूँगा ।

4. मलयाळम में भविष्यत् काल के निषेधात्मक रूप वर्तमान और भूत के रूपों से अलग तरीके से बनाए जाते हैं। भविष्यत् काल के निषेधात्मक रूप केलिए निषेधात्मक शब्द **ഇല്ല** को मूल क्रिया के साथ सीधे लगाते हैं। भविष्यत् काल के प्रत्यय **-ഉം** के बाद नहीं ।

ഞാൻ ഒരിക്കലും സാഹിത്യവും കച്ചവടവും കൂട്ടിക്കുഴയ്ക്കില്ല.
मैं कभी साहित्य को व्यापार में नहीं मिलाऊँगा ।
അപ്പോൾ മലയാളം എനിക്ക് പ്രയോജനപ്പെടില്ലേ?
तब क्या मलयाळम मेरे लिए उपयोगी नहीं होगी ।?
ഇത്തവണ അവിടെ പോകില്ലായിരിക്കും.
इस बार शायद वहाँ नहीं जाऊँगा ।

വരുക, പോകുക जैसे क्रियात्मक संज्ञा रूपों के साथ **ഇല്ല** लगाकर भी भविष्यत् काल का निषेधात्मक रूप बनाया जाता है ।

उदा :

ഞാൻ പോകുകയില്ല.
मैं नहीं जाऊँगा ।
ഞാൻ വരുകയില്ല.
मैं नहीं आऊँगी ।

വരത്തില്ല, പോകത്തില്ല जैसे, क्रियारूप + **അ** + **ത്ത** + **ഇല്ല** लगाकर भी निषेधात्मका भविष्यत् काल बनाते हैं ।

उदा :

ഞാൻ എഴുതത്തില്ല.
मै नहीं लिखूँगी ।

അവൾ പറയത്തില്ല.
वह नही कहेगी ।

5. संभाव्य भविष्यत्काल के निषेधात्मक रूप **വരില്ല, വരുകയില്ല, വരത്തില്ല** जैसे भविष्यत्काल के निषेधात्मक रूपों के बाद **ആയിരിക്കും** लगाकर बनाए जाते हैं ।

उदा :

അവർ വരില്ലായിരിക്കും
അവർ വരുകയില്ലായിരിക്കും } शायद वे नहीं आयेंगे ।
അവർ വരത്തില്ലായിരിക്കും (उन के आने की संभावना नही हैं।)

6. मलयाळम में क्रिया के प्रेरणात्मक रूप –ഉ या –ഇപ്പി प्रत्यय को क्रिया में लगाकर बनाये जाते हैं जैसे हिन्दी में आ, वा लगाते हैं ।

i. **അവർ മലയാളം പഠിക്കും**	वे मलयाळम सीखेंगे ।
ii. **ഞങ്ങൾ അവരെ മലയാളം പഠിപ്പിക്കും**	हम उन्हें मलयाळम सिखायेंगे ।
iii. **അവർ ജോലി ചെയ്യും**	वे काम करेंगें ।
iv. **ഞങ്ങൾ അവരെ കൊണ്ടു ജോലി ചെയ്യിക്കും.**	हम उन से काम करवायेंगे

उदाहरण (३) और (४) पर ध्यान दें कि प्रेरणात्मक क्रिया के वाक्यों में मळयाळम में कार्य करनेवाले के साथ कर्म कारक की विभक्ति –എ और करण कारक रूप കൊണ്ട് लगाते हैं। हिन्दी की तरह केवल करण कारक से नहीं ।

പാഠം 11
पाठ 11

വേണമെങ്കിൽ ചക്ക വേരിലും കായ്ക്കും

जहाँ चाह है वहाँ राह है

ഗോപി	: അമ്മേ, പത്താം തീയതി എനിക്ക് ബാംഗ്ലൂർക്ക് ഒന്നു പോകണം.	माँ, दसवी तारीख को मुझे बेंगलूर तक जाना है ।
അമ്മ	: എന്തിന്? ആ ചോക്കലേറ്റു കമ്പനിക്കാരുടെ ഇന്റർവ്യൂവിനാണോ?`	क्यों?क्या तुम उस चाकलेट कम्पनी के इण्टर्व्यू केलिए जा रहे हो?
ഗോപി	: അതേ, അമ്മ എങ്ങനെ അറിഞ്ഞു? എനിക്ക് കാർഡ് ഇപ്പോൾ വന്നതല്ലേയുള്ളൂ?	हाँ, आप को कैसे मालूम हुआ?मेरा कार्ड अभी अभी आया है, न?
അമ്മ	: അറിഞ്ഞതല്ല മോനേ, ഞാൻ ഊഹിച്ചതാണ്. എന്റെ മോന് ഒരു ജോലി കിട്ടിയാൽ നമ്മുടെ വിഷമം ഒക്കെ തീരും. അതും ആലോചിച്ചുകൊണ്ടാണ് ഞാൻ ദിവസങ്ങൾ തള്ളിനീക്കുന്നത്.	बेटा, मालूम नहीं था, मैं अनुमान लगा रही थी। यदि मेरे पुत्र को नौकरी मिल जाएँगी, हमारी तकलीफों का अंत होगा ।यही सोचकर मैं दिन बिता रही हूँ ।
ഗോപി	: ഈ ഇന്റർവ്യൂവിന് ഞാൻ പോകണോ അമ്മേ? പോകാതെ ഇരുന്നാൽ ജോലി കിട്ടാൻ ഒരു സാധ്യതയും ഇല്ല. പോയാലും ജോലി കിട്ടും എന്ന് ഒരു തീർച്ചയും ഇല്ല. വെറുതെ പണച്ചെലവും യാത്രാക്ഷീണവും.	माँ, क्या मैं इस इण्टर्व्यू केलिए जाऊँ? नहीं जाने पर नौकरी मिलने की कोई भी संभावना नहीं। जाने पर भी नौकरी मिल ही जाएगी, यह निश्चित नहीं है । केवल पैसे की बरबादी और यात्रा की थकावट ।
അമ്മ	: പണം ചെലവാക്കണം. ചെലവാക്കിയാലേ കാര്യങ്ങൾ നടക്കൂ. നീ അവിടെ പോയാൽ അല്ലേ അവിടത്തെ കാര്യങ്ങൾ അറിയാൻ പറ്റൂ? മോൻ പോയി ഇന്റർവ്യൂ നന്നായി ചെയ്യണം.	खर्च करना है। यदि खर्च करेंगे तो ही सब संभव है। जाएँगे तो ही वहाँ के कार्य जान सकते हैं न?बेटे तुम्हें इन्टरव्यू में जाकर अच्छी तरह प्रदर्शन करना चाहिए । कोशिश करेंगे तो फल भी मिल जाएगा ।

ഗോപി	: ഇന്റർവ്യൂ നന്നായി ചെയ്താൽ ഉടനെ ജോലി കിട്ടും എന്നാണോ അമ്മയുടെ വിചാരം ?	क्या आपका विचार है कि इन्टरव्यू में अच्छा प्रदर्शन करने से नौकरी मिल जाएगी?
അമ്മ	: നീ എന്നോട് അങ്ങനെ ചോദിച്ചാൽ ഞാൻ എങ്ങനെ ഉത്തരം പറയട്ടെ? ജോലി കിട്ടിയാലും കിട്ടിയില്ലെങ്കിലും ശ്രമിക്കേണ്ടത് നമ്മുടെ ചുമതലയാണ്. ബാക്കി ഒക്കെ ഈശ്വര നിശ്ചയം.	तुम मुझसे ऐसे पूछोगे तो मैं क्या उत्तर दूँ। मिले या न मिले नौकरी केलिए परिश्रम करना हमारा कर्तव्य है। बाकी सब ईश्वर की इच्छा।
ഗോപി	: എപ്പോഴും ഇന്റർവ്യൂവിന് പോയി അമ്മയുടെ പെൻഷൻ പണം ചെലവാക്കിയാൽ പിന്നെ സരളയുടെ കല്ല്യാണം എങ്ങനെ നടത്തും?	हमेशा इन्टरव्यू में जाकर आपकी पेंशन के पैसे बरबाद करने पर सरला की शादी कैसे करेंगे ?
അമ്മ	: അങ്ങനെ ആലോചിച്ചിരുന്നാൽ ഒരു പിടിയും കിട്ടില്ല മോനേ. ശ്രമിച്ചാൽ എല്ലാറ്റിനും ഒരു പോംവഴി കാണും. അന്വേഷിക്കുവിൻ!കണ്ടെത്തും.മുട്ടുവിൻ തുറക്കപ്പെടും എന്നല്ലേ തിരുവചനം?	बेटे ऐसे सोच बैठने पर तुम कुछ भी नहीं कर पाओगो।परिश्रम करने पर कोई न कोई रास्ता दूँढ सकेंगे। दूँढेंगे तो मिलेगा ओर दस्तक देने पर दरवाज़ा खुलेगा। ऐसी कहावत है?
ഗോപി	: പഴമൊഴിയൊക്കെ കൊള്ളാം. പക്ഷേ അന്വേഷിച്ചാലും കിട്ടില്ല. മുട്ടിയാലും തുറക്കപ്പെടില്ല. അതാണ് ജോലിക്കാര്യത്തിൽ ഇപ്പോഴത്തെ സ്ഥിതി.	कहावतें सभी अच्छी हैं। लेकिन खोजने पर भी नहीं मिलेगी और न ही खटखटाने पर।यह है नौकरी के बारे में आज की स्थिति ।
അമ്മ	: എന്റെ മോൻ ഇങ്ങനെ അങ്ങു നിരാശപ്പെടാതെ. ശ്രമിക്കണം വീണ്ടും വീണ്ടും ശ്രമിക്കണം. വേണമെങ്കിൽ ചക്ക വേരിലും കായ്ക്കും എന്നല്ലേ ?	मेरे बेटे तुम इस प्रकार निराश मत होना। प्रयास करना है, बार बार प्रयास करना है। जहाँ चाह है वहाँ राह है, ऐसा है न (कहावत) ?
ഗോപി	: എന്റെ അമ്മേ, പഴഞ്ചൊല്ലിലും ഈശ്വരനിലും മാത്രം വിശ്വസിച്ചിരുന്നാൽ ഇക്കാലത്ത് കാര്യം നടക്കില്ല. പിന്നെ മഴയില്ലെങ്കിൽ ചക്ക മരത്തിൽ പോലും കായ്ക്കില്ല. പിന്നെയല്ലേ വേരിൽ? കാലം അങ്ങനെയാണമ്മേ.	मेरी माँ, केवल कहावत और ईश्वर में इस प्रकार विश्वास रखकर बैठने से कोई बात नहीं बनेगी। वर्ष न होने पर कटहल न तो पेट पर लगेगा न जड में ज़माना ऐसा है माँ ।

അമ്മ	: എന്നു വെച്ചാൽ?	मतलब?
ഗോപി	: മിടുക്കില്ലെങ്കിലും യോഗ്യതയില്ലെങ്കിലും ശരി പണമോ സ്വാധീനമോ ഉണ്ടെങ്കിൽ ജോലി കിട്ടും. അതു രണ്ടും ഇല്ലെങ്കിലോ ജോലി ഇല്ല.	ईमानदारी और योग्यता के न होने पर भी रुपया या पहुँच के होने पर नौकरी मिल जाएगी। यदि ये दोनों नहीं हैं तो नौकरी भी नहीं है।
അമ്മ	: ഇങ്ങനെ വർത്തമാനം പറഞ്ഞിരുന്നാൽ വെറുതെ സമയം പോകും.നീ ആ കാർഡ് ഇങ്ങ് താ. ഞാൻ സൂക്ഷിച്ചു വയ്ക്കാം. എന്നിട്ട് നീ റെയിൽവേ സ്റ്റേഷനിൽ പോയി ടിക്കറ്റെടുത്തു കൊണ്ടു വാ.	इस प्रकार बातचीत करके बैठने पर केवल समय नष्ट होगा। तुम वह कार्ड दो। मैं रख दूँगी। बाद में स्टेषन जाकर टिकट खरीद लाओ।
ഗോപി	: ശരി. അമ്മ പറഞ്ഞാൽ പോകാതെ ഇരിക്കാൻ പറ്റുമോ? ഇതാ, ഇതങ്ങ് അലമാരിയിൽ വെച്ചേക്കൂ.	ठीक है। आपके कहने पर क्या मैं बिना गये रह सकता हूँ ?इसे अलमारी में रख दीजिए।
അമ്മ	: മോനേ, സ്റ്റേഷന്റെ അടുത്താണല്ലോ നമ്മുടെ കരുണാകരൻ ജോത്സ്യന്റെ വീട്. നീ അവിടേക്കും ഒന്നു കയറിയിട്ട് വരണം. ജോത്സ്യനെ കാണാൻ പറ്റിയാൽ നിന്റെ കാര്യം ഒന്നു ചോദിക്കാം. പിന്നെ സരളയുടെ ജാതകവും ഒന്നു നോക്കിക്കണം.	बेटे, हमारे करुणाकरन ज्योतिशी का घर भी रेल्वे स्टेषन के पास है न? तुम वहाँ पर भी हो आओ। ज्योतिषी से मिलेंगे तो तुम्हारे कार्य के बारे में भी पूछ सकोगे। फिर सरल की जन्मपत्र को भी दिखानी चाहिए।
ഗോപി	: എന്തൊരു പാവമാണെന്റെ അമ്മ ! കരുണാകരൻ ജോത്സ്യൻ വിചാരിച്ചാൽ എനിക്ക് ജോലി കിട്ടുമോ? സരളയുടെ കാര്യവും അതേ. പണവും ആഭരണവും ഒക്കെ ഇഷ്ടം പോലെ കൊടുക്കാനുണ്ടെങ്കിൽ അവളുടെ കല്ല്യാണം വേഗം നടക്കും. അല്ലാതെ ജോത്സ്യന്റെ കയ്യിൽ എന്തിരിക്കുന്നു.?	मेरी माँ कितनी भोली है ! करुणाकरन ज्योतिषी के विचार करने पर क्या मुझे नौकरी मिल जाएगी? सरला की बात भी वैसी ही है। पर्याप्त रुपये और आभूषणा के होने पर उसकी शादी भी जल्दी हो जाएगी? इसके अलावा ज्योतिषी के हाथ में और क्या है ?
അമ്മ	: എല്ലാത്തിനും ഉണ്ട് നിനക്കൊരു തർക്കുത്തരം. അതു ചെറുപ്പത്തിന്റെ ചോരത്തിളപ്പാണ്. നിനക്കറിയാമോ, സരള എന്താ	सब केलिए तुझे बहस (तर्क) है।वह जवानी की खून की गर्मी है। क्या तुम जानते हो कि सरला ने क्या

പറഞ്ഞതെന്ന്?പണവും ആഭരണവും കൊടുത്തിട്ട് അവൾ കല്ല്യാണം കഴിക്കില്ലത്രേ.പിന്നെ, എന്റെ മോനേ, ആരു വിചാരിച്ചാലും കാര്യം നടക്കില്ല.ഈശ്വരൻ ഒരാൾ വിചാരിച്ചാലേ എല്ലാം നടക്കൂ. പിന്നെ ശ്രമിക്കേണ്ടതും ചെയ്യേണ്ടതുമൊക്കെ നമ്മുടെ സമാധാനത്തിനും.	कहा है ? धन और आभूषण देकर वह विवाह केलिए तैयार नहीं है। तो मेरे बेटे, किसी के प्रयत्न करने पर भी कुछ भी नहीं चलेगा। ईश्वर ही सब कुछ करनेवाले हैं। बाकी सब प्रयत्न हमारी मनशान्ति केलिए ही करना है ।

शब्दार्थ

കമ്പനിക്കാർ	कम्पनी वाले	നിരാശപ്പെടുക	निराश होना
അറിയുക	जानना	വീണ്ടും വീണ്ടും	बार बार
ഊഹിക്കുക	अनुमान लगाना	വേണമെങ്കിൽ ചക്ക വേരിലും കായ്ക്കും	जहाँ चाह है वहाँ राह है
വിഷമം	दिक्कत	പഴഞ്ചൊല്ല്	कहावत
തീരുക	समाप्त होना	ഈശ്വരൻ	ईश्वर
ആലോചിക്കുക	सोचना	വിശ്വസിച്ചിരുന്നാൽ	विश्वास रखकर बैठने से
തള്ളിനീക്കുക	ढकेलना	നടക്കില്ല	नहीं बनेगी
സാധ്യത	संभावना	മഴ	वर्षा
തീർച്ച	निष्चय, जरूर	ചക്ക	कटहल
വെറുതെ	केवल, यों ही	മരം	पेड
പണം	धन, पैसा	വേര്	जड
ചെലവ്	खर्च	എന്നുവച്ചാൽ	मतलब
യാത്രാക്ഷീണം	यात्रा की थकावट	യോഗ്യത	योग्यता
ചെലവാക്കുക	खर्च करना	സ്വാധീനം	पहुँच, प्रभाव
പ്രയത്നിക്കുക	कोशिश करना	സൂക്ഷിക്കുക	रखवाली करना
ഫലം	फल	അലമാര	अलमारी
ശ്രമിക്കുക	परिश्रम करना	ജോത്സ്യൻ	ज्योतिषी
ഈശ്വര നിശ്ചയം	ईश्वर का निश्चय	ജാതകം	जन्म पत्र
കല്ല്യാണം	शादी	ആഭരണം	आभरण, गहने आभूषण

നടത്തുക	चलाना	ചെറുപ്പം	जवानी
പിടിക്കുക	पकडना	ചോരത്തിളപ്പ്	गरम खून
പോംവഴി	रास्ता	സമാധാനം	शान्ति
അന്വേഷിക്കുക	खोजना	പഴമൊഴി	कहावत
കണ്ടെത്തുക	ढूँढना	സ്ഥിതി	स्थिति
മുട്ടുക	खटखटाना	തുറക്കപ്പെടുക	खुला होना
തിരുവചനം	ईसा का वचन, बडे लोगों के वचन		

अभ्यास

I. नीचे दिए गए वाक्यों का अभ्यास कीजिए ।

1. ഈ ഇന്റർവ്യൂനിനു നീ പോയാൽ തീർച്ചയായും നിനക്കു ജോലി കിട്ടും.
2. നിനക്കു ജോലി കിട്ടിയാൽ നമ്മുടെ വിഷമം എല്ലാം തീരും.
3. വെറുതെ ആലോചിച്ചിരുന്നാൽ കാര്യങ്ങൾ നടക്കില്ല.
4. ഈശ്വരനിൽ മാത്രം വിശ്വസിച്ചിരുന്നാൽ ജോലി കിട്ടില്ല.
5. പണം ചെലവാക്കിയാലേ കാര്യങ്ങൾ നടക്കൂ.
6. പ്രയത്നിച്ചാലേ ഫലം കിട്ടൂ.
7. അന്വേഷിച്ചാലും കിട്ടില്ല.
8. മുട്ടിയാലും തുറക്കില്ല.
9. ഇന്റർവ്യൂ നന്നായി ചെയ്താൽ ജോലി കിട്ടില്ലേ?
10. അവിടെ പോയാലും ഫലം കാണില്ലേ?
11. നീ പറയാതിരുന്നാൽ ഞാൻ എങ്ങനെ കേൾക്കും?
12. പഠിക്കാതെ ഇരുന്നാൽ തോൽക്കും .
13. മിടുക്കുണ്ടെങ്കിൽ ജോലി കിട്ടും.
14. പണമില്ലെങ്കിൽ ഇക്കാലത്ത് ഒരു വിലയും ഇല്ല.

II. उदाहरण के अनुसार दिए गये वाक्यों को निषेधात्मक रूपों में बदलिए।

उदा : നീ മലയാളത്തിൽ പറഞ്ഞാൽ എനിക്കു മനസ്സിലാകും.
നീ മലയാളത്തിൽ പറഞ്ഞാൽ എനിക്കു മനസ്സിലാകില്ല.

1. അവർ വന്നാൽ ഞങ്ങൾ വരും.
2. അമ്മ പറഞ്ഞാൽ ജയശ്രീ കേൾക്കും.
3. നീ പറഞ്ഞാൽ അവൻ ജയിക്കും.
4. നീ ചോദിച്ചാൽ ഞാൻ പറയും.
5. നമ്മൾ വേഗം നടന്നാൽ മാത്രം അതു കിട്ടും
6. പഠിച്ചാൽ മാത്രം ജയിക്കും.

III. उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए ।

उदा :1

ഈശ്വരൻ സഹായിച്ചാൽ ആ കല്യാണം നടക്കും.

ഈശ്വരൻ സഹായിച്ചാലേ ആ കല്യാണം നടക്കൂ.

1. വലിയ വീടു വിറ്റാൽ ധാരാളം പണം കിട്ടും.
2. കളി അവസാനിച്ചാൽ ആളുകൾ പോകും.
3. ഗ്രാമത്തിൽ പോയാൽ സന്തോഷമാകും.
4. പണം കിട്ടിയാൽ വീടു വാങ്ങിക്കും
5. ധാരാളം ഉപ്പു തിന്നാൽ വെള്ളം കുടിക്കും.

उदा :2

അദ്ദേഹം പറഞ്ഞാൽ ഞാൻ കേൾക്കും.

അദ്ദേഹം പറഞ്ഞാലും ഞാൻ കേൾക്കില്ല.

1. ഓണം വന്നാൽ നാട്ടിൽ പോകും.
2. മന്ത്രി എഴുതിയാൽ ഉത്തരം കിട്ടും .
3. പരിശോധിച്ചാൽ സുഖക്കേടു മനസ്സിലാകും.
4. കുട്ടി വളർന്നാൽ സമാധാനം കിട്ടും.
5. സ്ഥലം മാറ്റം കിട്ടിയാൽ എന്നും വീട്ടിൽ വരും.
6. ജോലി ചെയ്താൽ പണം കിട്ടും.

IV . उदाहरण के अनुसार वाक्यों को जोडिए ।

उदा : നീ വരണം. എങ്കിലേ ഞാനും വരൂ.

നീ വന്നാലേ ഞാനും വരൂ.

1. അദ്ദേഹം എഴുതണം . എങ്കിലേ ഞാൻ വായിക്കൂ .
2. നിങ്ങൾ പ്രയത്നിക്കണം എങ്കിലേ ഫലം കിട്ടൂ.
3. നിങ്ങൾ ആലോചിക്കണം എങ്കിലേ ഉത്തരം കിട്ടൂ.
4. നിങ്ങൾ വാതിലിൽ മുട്ടണം എങ്കിലേ അവർ വാതിൽ തുറക്കൂ .
5. അമ്മ വരണം എങ്കിലേ കുഞ്ഞു ചിരിക്കൂ.

उदा : പണം കിട്ടണം എന്നാൽ എല്ലാം വാങ്ങിക്കാം.

പണം കിട്ടിയാലും എല്ലാം വാങ്ങിക്കാൻ പറ്റില്ല.

1. ഉറക്കെ പറയണം . എന്നാൽ കേൾക്കാം .
2. പുതിയ പേന തരണം. എന്നാൽ നന്നായി എഴുതാം.

3. വീട്ടിൽ പോകണം. എന്നാൽ എഴുത്ത് അയയ്ക്കാം.
4. യോഗം നീണ്ടു നിൽക്കണം എന്നാൽ താമസിച്ചു പോകാം
5. നന്നായി പ്രയത്നിക്കണം . എന്നാൽ ഫലം കിട്ടും.

V. उचित शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए ।

1. ആ ഡോക്ടർ ------ എനിക്കു സുഖമാകും. (പരിശോധിക്കൂ, പരിശോധിച്ചാൽ)
2. തകഴിയുടെ ചെമ്മീൻ എന്നപുസ്തകം ----- എനിക്കു വളരെ സന്തോഷം ആകും. (കിട്ടി, കിട്ടിയാൽ).
3. നന്നായി ശ്രമിച്ചാലേ കാര്യങ്ങളും നന്നായി നടത്താൻ ---------- . (പറ്റാൻ, പറ്റൂ).
4. ജനങ്ങളെ സേവിച്ചാൽ സംതൃപ്തി --------- .(തോന്നും, തോന്നൂ).
5. ഞാൻ കേരളീയരെ ------- എന്നെ ഉത്തര പ്രദേശുകാർ കളിയാക്കും. (അനുകരിക്കുക, അനുകരിച്ചാൽ).

VI. कोष्ठक में दिए गए हिन्दी शब्दों के समानार्थक मलयाळम शब्दों का प्रयोग कर के वाक्य पूरे कीजिए ।

1. പുസ്തകം -------- എന്നേയും കാണിക്കണം. (खरीदे तो)
2. അമ്മയെ ----- ------- ഉറക്കം കിട്ടില്ല. (नही देखा तो)
3. യോഗ്യത ------- ജോലികിട്ടുമോ ? (नहीं है तो)
4. ജോത്സ്യനെ കണ്ടാൽ കാര്യം -------? (चलेगा)
5. ഫോണിൽ വിളിച്ചു -------- കാര്യം അറിയാം. (बोले तो)
6. സമയത്തിനു -------- വണ്ടി കിട്ടൂ . (जाने पर ही)
7. അവളുടെ കല്യാണം നടന്നാൽ അമ്മയ്ക്കു സന്തോഷം -----. (होगा)
8. മേനോൻ നന്നായി -------- ഞങ്ങൾ മലയാളം പഠിക്കും. (पढाएंगे तो)
9. രോഗിയെ ------- രോഗം മനസ്സിലാക്കാൻ പറ്റൂ. (जाँच करने पर ही)
10. പണം -------- എല്ലാം വാങ്ങുമോ ? (मिले तो)

VII. हिन्दी और मलयालम शब्दों को सही प्रकार मिलाइए ।

1.	കല്യാണം	पेड़
2.	ചികിത്സ	गरम खूब
3.	ചെലവാക്കുക	मूल
4.	വേര്	पेड

5.	മഴ	जिम्मेदारी
6.	മരം	तकलीफ
7.	ചുമതല	इलाज
8.	വിഷമം	बरसात
9.	ചോരത്തിളപ്പ്	शादी
10.	മതിപ്പ്	खर्च करना

पढिए और समझिए

ഒരു സ്വപ്നം

ഇന്റർവ്യൂകഴിഞ്ഞ് പുറത്തേയ്ക്കിറങ്ങി. ഉദ്യോഗാർഥികൾ ഇനിയും കാത്തു നിൽക്കുന്നുണ്ട്. ഭാഗ്യമുണ്ടെങ്കിൽ ഈ ജോലിയെങ്കിലും കിട്ടും. കിട്ടുന്നെങ്കിൽ കിട്ടട്ടെ മനസ്സിൽ യാതൊരു പ്രതീക്ഷയും ഉണ്ടായിരുന്നില്ല.

ഇത് എത്രാമത്തെ ഇന്റർവ്യൂ ആയിരുന്നു? അറിയില്ല. പതിനഞ്ചാമത്തേയോ പതിനാറാമത്തേയോ ആയിരിക്കണം. എത്രയെത്ര ഇന്റർവ്യൂകൾ! ഏതെല്ലാം സ്ഥലങ്ങളിൽ! ആരുടെയെല്ലാം മുന്നിൽ! പ്രതീക്ഷകളൊന്നുമില്ലാതിരുന്നതു കൊണ്ട് ആരുടെ ചോദ്യങ്ങൾക്കു മുന്നിലും പകച്ചു നിന്നില്ല. എല്ലാ ചോദ്യങ്ങൾക്കും ഉത്തരം കൊടുത്തു.

അമ്മയുടെ വാക്കുകൾ ഇപ്പോഴും ചെവികളിൽ മുഴങ്ങുന്നുണ്ട്.'എന്റെ മോന് ഈ ജോലിയെങ്കിലും കിട്ടിയാൽ മതിയായിരുന്നു." അമ്മ ഇപ്പോഴും പ്രതീക്ഷ കൈവെടിഞ്ഞിട്ടില്ല. തനിക്കു ജോലികിട്ടിയാൽ വീട്ടിലെ വിഷമങ്ങളെല്ലാം തീരുമത്രേ. പക്ഷേ ആരു വിചാരിച്ചാലും തനിക്കൊരു ജോലി കിട്ടില്ല. അതു തീർച്ച.

അമ്മയുടെ തൃപ്തിക്കുവേണ്ടിയെങ്കിലും ഒരു ജോലി കിട്ടിയിരുന്നെങ്കിൽ! പക്ഷേ എങ്ങിനെ കിട്ടാനാണ്.? ഒന്നുകിൽ കൈക്കൂലി കൊടുക്കണം. അല്ലെങ്കിൽ ശുപാർശയ്ക്ക് ആൾവേണം. രണ്ടിനും താനില്ല.

നഗരവീഥിയിലൂടെ ലക്ഷ്യമില്ലാതെ നടന്നു. വഴിയുടെ ഇരുവശങ്ങളിലും മരങ്ങളിൽ പൂക്കളൊക്കെ വിടർന്നു നില്ക്കുന്നുണ്ട്. മനോഹരമായ നഗരം. പക്ഷേ തനിക്ക് ഒന്നിലും ഒരു കൗതുകവും തോന്നിയില്ല.

താനെങ്ങോട്ടാണ് പോകുന്നത്? അറിയില്ല. വെറുതെ നടക്കുന്നു. ഒരു ലക്ഷ്യവുമില്ലാതെ. എത്രയോ മനുഷ്യർ റോഡിൽക്കൂടെ കടന്നുപോകുന്നുണ്ട്. ആരെയും പരിചയമില്ല. പരിചയമുള്ള ഒരു മുഖമെങ്കിലും കാണാൻ കഴിഞ്ഞെങ്കിൽ എത്ര നന്നായിരുന്നു.

വല്ലാതെ ദാഹിക്കുന്നുണ്ട്. അൽപ്പം വെള്ളം കിട്ടിയാൽ മതിയായിരുന്നു. അടുത്തുള്ള ഒരു കടയെ ലക്ഷ്യമാക്കി നടന്നു. അപ്പോൾ എതിരെ ഒരാൾ നടന്നു. വരുന്നു. സൂക്ഷിച്ചു നോക്കി. രാജേന്ദ്രൻ! തന്റെ പഴയകാല സുഹൃത്ത്.

എത്രയോ വർഷങ്ങൾക്കു ശേഷമാണ് രാജേന്ദ്രനെ കണ്ടുമുട്ടുന്നത്. അവനിപ്പോൾ ഈ നഗരത്തിൽ ഒരു പരസ്യക്കമ്പനി നടത്തുകയാണത്രേ. ഞങ്ങൾ ഏറെ നേരം സംസാരിച്ചു. പിന്നെ ഏതോ ഒരു വലിയ ഹോട്ടലിന്റെ മൂന്നാം നിലയിൽ വച്ച് ഞങ്ങൾ വിഭവസമൃദ്ധമായ ഭക്ഷണം കഴിച്ചു.

താൻ ഇന്റർവ്യൂവിന് വന്നതാണെന്ന് രാജേന്ദ്രനോടു പറഞ്ഞില്ല. പറഞ്ഞാൽ അവൻ കളിയാക്കില്ലേ? പക്ഷേ അവനതു മനസ്സിലാക്കി. എന്റെ മുഖത്തുനിന്ന്, ഭാവങ്ങളിൽനിന്ന്. സ്വന്തമായി എന്തെങ്കിലും ജോലി തുടങ്ങാൻ അവൻ എന്നെ ഉപദേശിച്ചു. സർക്കാരിന്റെ സ്വയം തൊഴിൽ പദ്ധതിയെപ്പറ്റിയൊക്കെ അവൻ വിശദമായി സംസാരിച്ചു.

ബാങ്കിൽ വായ്പയ്ക്കുള്ള അപേക്ഷ കൊടുക്കാനും വായ്പ വാങ്ങിച്ചെടുക്കാനുമെല്ലാം രാജേന്ദ്രൻ വളരെ സഹായിച്ചു.

ലോൺ കിട്ടിയയോടെ സ്വന്തമായി ഒരു സ്ഥാപനം തുടങ്ങി. കുട്ടികളുടെ ഉടുപ്പുകൾ ഉണ്ടാക്കുന്ന ഒരു കൊച്ചു ഫാക്ടറി. അതിന് മനസ്സിനങ്ങിയ ഒരു പേരുമിട്ടു. 'പ്രതീക്ഷ ഡ്രസ്സസ്സ് '

സ്ഥാപനം വളർന്നത് പെട്ടെന്നായിരുന്നു. ധാരാളം പണികൾ. നിന്നു തിരിയാൻ നേരമില്ല. പക്ഷേ സൗകര്യങ്ങൾ വളരെ കുറവ്. പടിപടിയായി കട വികസിപ്പിച്ചു, കൂടുതൽ ജോലിക്കാരെയും നിയമിച്ചു. പ്രതീക്ഷ തന്റെ പ്രതീക്ഷകളേയും കടത്തിവെട്ടി.

നഗരത്തിൽ തന്നെ ഫ്ളാറ്റെടുത്ത് അമ്മയേയും സരളയേയും കൊണ്ടുവന്ന് കൂടെ താമസിപ്പിച്ചു. ചിരകാല സ്വപ്നമായിരുന്ന സരളയുടെ കല്യാണവും നിശ്ച യിച്ചു. ഒടുവിൽ ആ ശുഭദിനവും വന്നു ചേർന്നു.

കല്യാണത്തിന്റെ ഒരുക്കങ്ങളെല്ലാം പൂർത്തിയായി. നിറപറയുടേയും നിലവിളക്കിന്റെയും മുന്നിൽ സരളയും വരനും ഇരിക്കുന്നു. താൻ താലിമാലയെടുത്ത് വരന്റെ കൈകളിൽ നൽകി. വരൻ മാല വധുവിന്റെ കഴുത്തിലേക്കു നീട്ടി.

സാർ.... ടിക്കറ്റ്

ടിക്കറ്റ് പരിശോധകന്റെ വാക്കുകൾ ഉറക്കത്തിൽ നിന്നും തന്നെ ഉണർത്തി. ചാടി എഴുന്നേറ്റ് പോക്കറ്റിൽ നിന്ന് ടിക്കറ്റെടുത്ത് കൊടുത്തു.

എവിടെ തന്റെ കൊച്ചു ഫാക്ടറി?

എവിടെ ആ കല്യാണം?

എല്ലാം തന്റെ സ്വപ്നമായിരുന്നോ?

വാച്ചിൽ നോക്കി. സമയം പന്ത്രണ്ടര. നാശം! ഇനിയും അഞ്ചാറു മണിക്കൂറുകളെങ്കിലും ഈ ബസ്സിൽ സഞ്ചരിക്കണമല്ലോ. വീട്ടിലെത്തിയാൽ ഉടനെ അമ്മ ചോദിക്കും. "ഈ ജോലിയെങ്കിലും നിനക്കു കിട്ടില്ലേ?"

शब्दार्थ

ഉദ്യോഗാർഥി	अभ्यर्थी	വർഷം	साल
ഭാഗ്യം	भाग्य	വിഭവം	संसाधन
പ്രതീക്ഷ	प्रतीक्षा	സമൃദ്ധം	समृध्द
ചോദ്യം	प्रश्न	സ്വയം	खुद
പകച്ചുനിൽക്കുക	आश्चर्य चकित होना	തൊഴിൽ	पेशा, नौकरी
ഉത്തരം	जवाब	പദ്ധതി	योजना
വാക്ക്	शब्द	വായ്പ	कर्ज
മുഴങ്ങുക	गूँजना	പണി	काम
കൈവെടിയുക	छोडना	കടത്തിവെട്ടുക	पीछे छोडना
കൈക്കൂലി	रिश्वत	പടിപടി	कदम कदम से
ശുപാർശ	सिफारिश	താമസിക്കുക	रहना
നഗരവീഥി	नगर की वीथी या सड़क	ചിരകാലസ്വപ്നം	चिरकाल-स्वप्न
ലക്ഷ്യം	लक्ष्य	ശുഭദിനം	शुभदिन
മരം	पेड	നിറയെ	पूरा
നഗരം	शहर	പറ	धान मापने केलिए लकडी का पात्र
കൗതുകം	कौतुक		
കടന്നുപോകുക	पार करना	മുഖം	मुख
ദാഹിക്കുക	प्यास लगना	താലി	मंगल सूत्र
എതിരെ	आमने सामने	നാശം	नाशा
പരിശോധകൻ	जाँच करने वाले परीक्षक	സഞ്ചരിക്കുക	यात्रा करना
ഉറക്കം	निद्रा, नींद	ഉടനെ	जल्दी, तुरंत
ഉണർത്തുക	जगाना		

अभ्यास

I. उत्तर दीजिए ।

1. കഥാനായകന് എന്തുകൊണ്ടാണ് പ്രതീക്ഷകൾ ഇല്ലാതിരുന്നത്?
2. ഇതു കഥാനായകന്റെ ആദ്യത്തെ ഇന്റർവ്യു ആണോ ?
3. കഥാനായകന്റെ ചെവിയിൽ ആരുടെ വാക്കുകൾ മുഴങ്ങുന്നു?
4. നഗരവീഥിയുടെ രണ്ടു വശത്തും എന്താണ്?
5. കഥാകാരൻ റോഡിൽ ആരെ കണ്ടു? അയാൾ എവിടെ ജോലി ചെയ്യുന്നു?
6. കഥാകാരനെ കൂട്ടുകാരൻ എവിടെ കൊണ്ടു പോയി?

7. ആരാണ് കഥാനായകനുസഹായം വാഗ്ദാനം ചെയ്തത്?
8. ഫാക്ടറിയിൽ ജോലിക്കാരെ നിയമിച്ചതെന്തിന് ?
9. നഗരത്തിൽ ഫ്ളാറ്റെടുത്തിട്ട് കഥാനായകൻ എന്തു ചെയ്തു?
10. എന്താണ് കഥാനായകനെ ഉറക്കത്തിൽ നിന്ന് ഉണർത്തിയത് ?

II. प्रत्येक शब्द समूह में एक और शब्द लिखिए ।

1. വീട്	2. മോഹം	3. പഠിത്തം	4. വരും
മുറി	ആഗ്രഹം	വായന	പോകും
തോട്ടം	സ്വപ്നം	അറിവ്	നിൽക്കും
5. സംസാരിച്ചു	6. വികസിപ്പിച്ചു	7. ബസ്സ്	8. ഗ്രാമം
എടുത്തു	നടത്തി	യാത്ര	പട്ടണം
അറിഞ്ഞു	ഉണർത്തി	ടിക്കറ്റ്	നഗരം
9. കല്യാണം	10. വായ്പ		
താലി	ഫാക്ടറി		
വധു	ജോലിക്കാരൻ		

III. मलयाळम में अनुवाद कीजिए ।

क्या यह स्वप्न है या सच। इतनी सुन्दर लड़की क्या मेरी वधु होगी? या यह और किसी का फोटो है ? मैं आज जरूर माँ से बातचीत करूँगा। इस लडकी के बारे में पूछूँगा। मुझे तो बहुत पसन्द आई । माँ क्या साचेगी ? इस के बारे में मैं नहीं जानता। देखो, कितनी सुन्दर है ! उसकी आँखों में कविता है । मेरे स्वप्नों में ऐसी ही लडकी आती है। माँ को यह कैसे मालूम हुआ ? नहीं तो मेरे मेज़ पर इस का फोटो रखने की ज़रूरत ही क्या थी? बापूजी कभी ऐसा नहीं करेंगे। चलूँ । माँ से पूछ लूँ ।

IV. अपने भविष्य की योजनाओं के बारे में दस वाक्य लिखिए ।

टिप्पणियाँ

1. निम्न वाक्यों पर ध्यान दीजिए ।

i) എന്റെ മോന് ഒരു ജോലികിട്ടിയാൽ നമ്മുടെ വിഷമം ഒക്കെ തീരും.
अगर मेरे बेटे को एक नौकरी मिल जाए तो हमारी दिक्कतें समाप्त हो जायेंगी।

ii) നമ്മൾ പ്രയത്നിച്ചാൽ നമുക്കു ഫലം കിട്ടും.
अगर हम प्रयास करें तो फल मिलेगा ।

ऊपर दिए हुए वाक्यों जैसे हेतुमद् वाक्यों का परिचय इस पाठ में दिया गया है ।

2. क्रिया के भूतकाल के रूप में - **ആൽ** प्रत्यय लगाकर हेतुमद का बोध कराया जाता है और उस रूप की असमापिका क्रिया की तरह प्रयोग किया जाता है ।

उदा :

പ്രയത്നിച്ചു	+ ആൽ	- പ്രയത്നിച്ചാൽ	प्रयास करें तो
വന്നു	+ ആൽ	- വന്നാൽ	आए तो
എഴുതി	+ ആൽ	- എഴുതിയാൽ	लिखे तो

3. हेतुमद के इस भाव का बोध विभिन्न कालों की क्रियाओं के बाद **എങ്കിൽ** शब्द लगाकर भी कराया जाता है ।

उदा :

i) **പണം ഉണ്ടെങ്കിൽ എണ്ണ കൊണ്ടു വരണം.**
अगर पैसा है तो तेल लाना है ।

ii) **നീ വരുന്നെങ്കിൽ വാ.**
अगर तुम आते हो तो आओ ।

iii) **അവർ പോയെങ്കിൽ പോകട്ടെ.**
अगर वे गये तो जाने दो ।

iv) **നീ വരുമെങ്കിൽ ഞാനും വരും.**
अगर तुम आओगे तो मैं भी आऊँगी ।

4. हेतुमद प्रत्यय --**ആൽ** के बाद -**ഉം** प्रत्यय लगाने से विभिन्न अर्थवाले वाक्य बनाये जा सकते हैं ।

उदा :

i) **ഞാൻ പോയാലും ജോലി കിട്ടില്ല**
अगर मैं गया तो भी नौकरी नहीं मिलेगी

ii) **ഞാൻ പോയാലും ജോലി കിട്ടും എന്ന് തീർച്ചയില്ല.**
अगर मैं गया तो भी यह निश्चित नहीं है कि मुझे नौकरी मिलेगी ।

iii) **ഞാൻ പോയാലേ ജോലി കിട്ടൂ.**
मैं गए तो ही नौकरी मिलेगी ।

iv) **ഞാൻ പോയാലും ജോലി കിട്ടും.**
अगर मैं गया तो भी नौकरी मिलेगी ।

5. हेतुमद क्रिया के निषेधात्मक रूप निम्न प्रकार से बनाए जाते हैं ।

क्रिया + -അതെ + ഇരുന്നാൽ

क्रिया का निषेधात्मक कृंदत रूप + ഇരിക്കുക क्रिया का हेतुमद् रूप

उदा :

i) ശ്രമിക്കാതെ ഇരുന്നാൽ ഫലം കിട്ടുമോ?
अगर प्रयत्न नहीं किया तो फल मिलेगा क्या ?

ii) പോകാതെ ഇരുന്നാൽ കാര്യം എങ്ങനെ അറിയാം?
अगर तुम नहीं जाओगे तो तुम्हें कैसे मालूम होगा ?

iii) പഠിക്കാതെ ഇരുന്നാൽ പരീക്ഷയിൽ തോൽക്കും.
अगर तुम पढोगे नहीं तो परीक्षा में फेल होगे । (पास नहीं होगे)

6. मलयाळम में संज्ञा से संज्ञा जोड़कर संयुक्त संज्ञा बनाने की रीति पर ध्यान दीजिए ।

उदा :

യാത്ര	+	ക്ഷീണം	- യാത്രാക്ഷീണം
ഈശ്വരൻ	+	നിശ്ചയം	- ഈശ്വര നിശ്ചയം
കല്യാണം	+	കാര്യം	- കല്യാണക്കാര്യം

7. വേണമെങ്കിൽ ചക്ക വേരിലും കായ്ക്കും कहावत का शब्दिक अर्थ है अगर चाहे तो कटहल की जड़ में भी फल लग सकता है। हिन्दी में इसका मतलब है जहाँ चाह है वहाँ राह है।

പാഠം 12
पाठ 12

	ഓണത്തിനൊരു ക്ഷണം	ओणम केलिए निमंत्रण
സുജാത :	ലിപികേ, അടുത്ത ഞായറാഴ്ച യാണ് ഞങ്ങളുടെ ഓണം. അന്നു ലിപിക ഞങ്ങളുടെ വീട്ടിൽ ഉണ്ണാൻ വരണം. വരുമോ?	लिपिका, हमारा ओणम अगले रवि वार को है । तुम्हें हमारे घर पर दोपहर के भोजन केलिए, आना है। क्या आ ओगी ?
ലിപിക :	അമ്മയോടു ചോദിച്ചിട്ടു പറയാം.	माताजी से पूछकर बताऊँगी।
സുജാത :	ഞാൻ ചോദിച്ചാൽ അമ്മാവി തീർച്ചയായും സമ്മതിക്കും. ഇന്നു വൈകുന്നേരം നമുക്കൊരുമിച്ചു പോകണം. ലിപികേടെ വീട്ടിൽ കേറി അമ്മയോട് അനുവാദം വാങ്ങിയിട്ടേ ഞാൻ എന്റെ വീട്ടിലേക്കു പോകുക യുള്ളൂ.	मैं चाची से पूछूँ तो निश्चय ही मान जाएँगी। आज शाम को हम एक साथ चलना चाहिए। तुम्हारे घर पहुँचकर तुम्हारी माँ से अनुमति लेने के बाद ही मैं अपने घर जाऊँगी ।
ലിപിക :	കഴിഞ്ഞവർഷം ഓണം പരിപാടികളൊ ക്കെ ഞാൻ ടി.വി.യിൽ കണ്ടിരുന്നു. എന്തൊരു ഭംഗിയായിരുന്നു ! വീടുമുറ്റ ത്തൊക്കെ നല്ല പൂക്കളങ്ങൾ ഉണ്ടായി രുന്നു. പിന്നെ കേരളീയ വേഷം ധരിച്ചു പെൺകുട്ടികൾ തിരുവാതിര എന്നൊരു നൃത്തവും കളിച്ചു.	पिछले साल मैं ने ओणम का कार्य क्रम टी. वी.पर देखा था । कितनी अच्छी थी !प्रत्येक घर में फूलों की सजावट थी। फिर केरलीय वेशभूषा धारण करके लडकियों ने तिरुवा तिरा नामक एक नृत्य भी किया।
സുജാത :	തലയിൽ ഒരു കിരീടവും വച്ച് ഓലക്കുട യും പിടിച്ച് മഹാബലി എഴുന്നെള്ളിയത് കണ്ടില്ലേ?	सिर पर मुकुट धारण कर नारियल के पत्तों का छाता लिए हुए महाबली को आते हुए देखा न ?
ലിപിക :	കണ്ടു. കുട്ടികളുടെ ഒരു നാടകമായിരു ന്നില്ലേ അത്?	देखा। वह बच्चों का एक नाटक थ न ?

സുജാത : അതേ. ലിപികയ്ക്ക് നല്ല ഓർമ്മശക്തി ഉണ്ടല്ലോ ?	जी हाँ। तम्हारी स्मरण शक्ति अच्छी है ।
ലിപിക : ഓണമാണോ നിങ്ങൾ മലയാളികളുടെ ഏറ്റവും വലിയ ഉത്സവം?	क्या ओणम आप मलयाली लोगों का सबसे बडा उत्सव है ?
സുജാത : അതേ.	हाँ ।
ലിപിക : എന്തിനാണ് നിങ്ങൾ ഓണം കൊണ്ടാടുന്നത്?	तुम केरल के लोग ओणम किसलिए मना रहे हो?
സുജാത : ഓണത്തെപ്പറ്റി ഒരു ഐതിഹ്യ മുണ്ട്.	ओणम के बारे में एक ऐतिह्य है ।
ലിപിക : അതൊന്ന് പറഞ്ഞുതരാമോ?	उसे कुछ बता सकती हो ?
സുജാത : പറയാം. ആയിരമായിരം വർഷ ങ്ങൾക്കു മുൻപു ഞങ്ങൾ കേരളീ യർക്കു മഹാബലി എന്നൊരു ചക്രവർത്തിയുണ്ടായിരുന്നു. അദ്ദേഹം പ്രജകളെ സ്വന്തം മക്കളെപ്പോലെ സ്നേഹിച്ചു. അദ്ദേഹത്തിന്റെ കാലത്തു നാട്ടിൽ ആർക്കും ഒരു പ്രയാസവും ഉണ്ടായിരുന്നില്ല. എല്ലാ ജനങ്ങളും സന്തോഷത്തോടെയും സംതൃപ്തിയോ ടെയും ജീവിച്ചു. നാട്ടിൽ എല്ലായിടത്തും സമൃദ്ധി കളിയാടി. നാട്ടിൽ ഉടനീളം തേനുംപാലും ഒഴുകി എന്നുവേണ മെങ്കിൽപറയാം. മഹാബലി ജനങ്ങൾക്കു പ്രത്യക്ഷ ദൈവം തന്നെയായിരുന്നു. അദ്ദേഹത്തിന്റെ കാലത്തെപ്പറ്റി ഓണ പ്പാട്ടുണ്ട്.	बताऊँगी । हजारों साल पहले हम केरल वालों के महाबली नामक एक राजा थे। उन्होंने प्रजा से अपने पुत्रों जैसे स्नेह किया। उनके समय में किसी को भी कोई भी तकलीफ़ नहीं थी । सब लोग आनन्द और सन्तुष्टि के साथ जीते थे। देश के सभी जगहों में समृद्धि थी। देश में सर्वत्र मधु और दूध बहते थे ऐसा कह सकते हैं। महाबली प्रजा केलिए प्रत्यक्ष ईश्वर ही थे। कपट नहीं थी। उनके शासन के बारें में एक ओणम गीत भी है ।
ലിപിക : സുജാതേ, ഒന്നു പാടാമോ?	सुजाता, क्या तुम गा सकती हो ?
സുജാത : ശരി. ലിപികയും ഏറ്റു പാടണം. "മാവേലി നാടു വാണീടുംകാലം. മാനുഷരെല്ലാരും ഒന്നുപോലെ. കള്ളവുമില്ല ചതിയുമില്ല. എള്ളോളമില്ല പൊളിവചനം."	ठीक है । लिपिका, तुम्हें भी मेरे साथ गाना चाहिए । महाबली राज करते थे तो जीते थे सब बराबर। न झूं भी न धोसे बाजी भी। ज़रा भी न तो झूठेवचन।

ലിപിക :	പിന്നെ എന്തു സംഭവിച്ചു?	फिर क्या हुआ?
സുജാത :	എന്തു സംഭവിക്കാൻ? ദേവന്മാർക്ക് മഹാബലിയുടെ ഭരണം കണ്ട് അസൂയ തോന്നി. കാരണം അദ്ദേഹം ഒരു അസുരരാജാവായിരുന്നല്ലോ.ദേവന്മാരുടെ ആവശ്യ പ്രകാരം വിഷ്ണു ഒരു വാമനന്റെ രൂപത്തിൽ മഹാബലിയുടെ മുമ്പിൽ വന്ന് മൂന്നടി സ്ഥലം തപസ്സുചെയ്യാൻ ചോദിച്ചു. ഉദാരനായ മഹാബലി സമ്മതിച്ചു. വാമനൻ ആകാശം മുട്ടെ വളർന്ന് എല്ലാ ലോകങ്ങളും അളന്നെടുത്തു. മഹാബലിയെ പാതാളത്തിലേക്ക് അയച്ചു. പോകാൻ സമയത്ത് മഹാബലി ഒരു വരം ചോദിച്ചു. അത് വിഷ്ണു അനുവദിച്ചു. അതനുസരിച്ച് മഹാബലി ആണ്ടിലൊരിക്കൽ തന്റെ പ്രജകളെ കാണാൻ വരുന്നു. ആ മഹാബലിയെ എതിരേൽക്കാനാണ് ഞങ്ങൾ ഓണം കൊണ്ടാടുന്നത്.	क्या होना है ?महाबली के शासन को देखकर देव देवताओं के मन में असूया हुई । क्योंकि वे एक असुर राजा थे न? देवताओं की अनुरोध के अनुसार महाविष्णु ने वामन के वेष में महाबली के सामने आकर तपस्या केलिए तीन पग भूमि माँगी । उदार महावली सहमत हो गये।आकाश तक फैला कर वामन ने सभी लोकों को नाप लिया । महाबलि को पाताल लोक भेजे । तब महाबली ने एक पर माँगा । उसेविष्णु ने स्वीकार कर लिया। उसके अनुसार महाबली प्रति वर्ष एक बार अपने प्रजाओं को देखने आते हैं । वह महाबली का स्वागत करने केलिए हम लोग ओणम मनाते हैं ।
ലിപിക :	പാവം മഹാബലി. അല്ലേ?	बेचारे महाबली। है न ?
സുജാത :	അതു കഥ. വാസ്തവത്തിൽ ഓണം കേരളീയരുടെ വസന്തോത്സവവും, വിളവെടുപ്പുത്സവവും, ആണ്ടുപിറപ്പും ഒക്കെയാണ്. ആസമയത്ത് കേരളീയ പ്രകൃതി അണിഞ്ഞൊരുങ്ങി നിൽക്കും. ഓണസമയത്ത് എവിടെ നോക്കിയാലും പല നിറത്തിലും തരത്തിലും ഉള്ള പൂക്കൾ ഉണ്ടായിരിക്കും. പത്തു പന്ത്രണ്ടു ദിവസമാണ് ഞങ്ങൾ ഓണം കൊണ്ടാടുന്നത്.	यह तो कहानी है। वास्तव में ओणम केरल के लोगों का वसन्तोत्सव है । फसल का उत्सव आरंभ साल का उत्सव आदि हैं। उस समय केरल की प्रकृति अलंकृत होती है।ओणम के दिन केरल के कोने कोने में अनेक रंग ओर प्रकार के फूल हों गे। दस बारह दिनों तक हम लोग ओणम मनाते हैं।
ലിപിക :	ശ്രാവണ മാസത്തിൽ അല്ലേ?	श्रावण महीने में न ?

സുജാത :	അതേ. മലയാളികളുടെ കൊല്ലവർഷ കലണ്ടർ അനുസരിച്ച് ആദ്യത്തെ മാസം ചിങ്ങം ആണ്. ചിങ്ങമാസം ഒന്നാം തീയതിയാണ് ഞങ്ങൾ മലയാളികളുടെ ആണ്ടുപിറപ്പ്. ചിങ്ങമാസത്തിലെ അത്തം നാൾ മുതൽ തിരുവോണം വരെ പത്തു ദിവസം ഞങ്ങൾ പൂക്കളം ഇടും. പത്താം ദിവസം ആയ തിരുവോണനാളിലാണ് പ്രധാന ആഘോഷം. തിരുവോണം കഴിഞ്ഞുള്ള രണ്ടു ദിനങ്ങൾ മൂന്നാം ഓണവും നാലാം ഓണവും ആണ്. മലയാളികൾ എവിടെ ആയാലും ഓണം കൊണ്ടാടാതെ ഇരിക്കില്ല. പറ്റിയാൽ നാട്ടിൽ പോകും. പറഞ്ഞു പറഞ്ഞ് സമയം പോയല്ലോ. അതാ, പ്യൂൺ ബെല്ലടിക്കാൻ പോകുന്നു. നമുക്ക് ക്ലാസിലേക്കു പോകാം. ഓണ വിശേഷങ്ങൾ പിന്നെ ഒരിക്കൽ പറയാം.	जी हाँ । मलयाली लोगों के नये साल का आरंभ' चिङ्ङम' महीने के पहले तारीख को है। अत्तम हस्ता नक्षत्र के दिन से लेकर तिरुवोणम (श्रावण नक्षत्र) तक के दस दिन तक फूल की सजा वट लगेंगी। मुख्य त्योहार दसवाँ दिन तिरुओणम में है । तिरुओणम के बाद का दूसरा और तीसरा दिन दूसरे और तीसरे ओणम है। कहीं भी हो मलयाली लोगओणम मनाए बिना नहीं रहते। साध्य हो तो जन्मस्थान जाएँगो। कहते कहते वक्त बीत गया। देखिए चपरासी घण्टी बजाने जा रहा है। हम क्लास चलें।ओणम की विशेषताएँ बाद में कहूँगी ।

शब्दार्थ

അമ്മാവി	मामी	കൊണ്ടാടുക	मनाना
തീർച്ച	निश्चय	ഐതിഹ്യം	ऐतिह्य
സമ്മതിക്കുക	मान लेना, सहमत होना	ആയിരമായിരം	हज़ारों
വൈകുന്നേരം	शाम	വർഷങ്ങൾ	साल
മുൻപ്	पहले	ചതി	वंचना, छल
ഒരുമിച്ച്	एक साथ	ചക്രവർത്തി	चक्रवर्ती
അനുവാദം	अनुमति	പ്രജ	प्रजा
കഴിഞ്ഞ വർഷം	पिछले साल	സ്നേഹിക്കുക	स्नेह करना
പരിപാടി	कार्यक्रम	ജനം	लोग
വീട്ടുമുറ്റം	अंकण	ഉത്സവം	उत्सव
പൂക്കളം	फूल की सजावट	തൃപ്തി	सन्तृप्ति

വേഷം	वेष	ജീവിക്കുക	जीना
ധരിക്കുക	धारण करना, पहनना	സമൃദ്ധി	समृध्दि
പെൺകുട്ടി	लड़की	കളിയാടുക	खेलना
കിരീടം	मुकुट	ഉടനീളം	पूरा
ഓലക്കുട	नारियल या ताल के पत्तों का छाता	തേൻ	मधु
എഴുന്നെള്ളുക	आना	പാൽ	दूध
കുട്ടി	बच्चा	ഒഴുകുക	प्रवाह होना, बहना
ഓർമ്മശക്തി	स्मरण शक्ति	നിറം	रंग
ഏറ്റവും വലിയ	सबसे बडा	പ്രത്യക്ഷദൈവം	प्रत्यक्ष देवता
ഓണപ്പാട്ട്	ओणम का गीत	തപസ്സ്	तप
ഏറ്റുപാടുക	साथ गाना	ഉദാരൻ	उदार
വാണീടുംകാലം	शासन करने का काल	സമ്മതിക്കുക	सम्मति देना, अनुमति देना
മാനുഷർ	मनुष्य	ആകാശം	आकाश
കള്ളം	झूठ	അളന്നെടുക്കുക	नापलेना
എള്ളോളം	तिल जैसा	അയയ്ക്കുക	भेजना
പൊളിവചനം	झूठ वचन	വരം	वरदान
സംഭവിക്കുക	संभव होना	അനുവദിക്കുക	अनुमति देना
ദേവൻ	देवता (पु.)	അതനുസരിച്ച്	उस प्रकार
ഭരണം	शासन	ആണ്ട്	साल
അസൂയ	जलन, ईर्षया	എതിരേൽക്കുക	स्वागत करना
അസുരൻ	असुर	വാസ്തവം	वास्तव
രാജാവ്	राजा	വസന്തോത്സവം	वसन्तोस्तव
രൂപം	रूप	വിളവെടുപ്പ്	फसल काटना
അടി	पाड, बारह इंच की नाप	പിറപ്പ്	जन्म, शुरुवात,प्रारंभ
സ്ഥലം	स्थल, स्थान	പ്രകൃതി	प्रकृति
അണിഞ്ഞൊരുങ്ങുക	सजना		

अभ्यास

I. नीचे दिऐ गऐ वाक्यों का अभ्यास कीजिए ।

1. എല്ലാവരും ആ രോഗിയെ കാണാൻ ആശുപത്രിയിൽ പോകും.
2. അടുത്ത ആഴ്ചയിൽ ഞാൻ നിങ്ങളുടെ വീട്ടിൽ വരും.

3. എല്ലാ കവിതകളും നിങ്ങൾ കേട്ടോ?
4. ഞാൻ ചോദിച്ചാൽ നിന്റെ അമ്മ സമ്മതിച്ചേക്കും.
5. ഞങ്ങൾ അമ്മയോട് അനുവാദം വാങ്ങുന്നു.
6. അവർ എല്ലാവരേയും അനുകരിക്കുന്നു.
7. ടി.വി.യിൽ ഇന്നലെ രാത്രി ഒരു നല്ല നാടകം കണ്ടു.
8. പെൺകുട്ടികൾ തിരുവാതിര കളിച്ചു.
9. നിങ്ങളെ ആരു വിളിച്ചു ?
10. അദ്ദേഹം പറഞ്ഞാൽ അവർ കേട്ടേയ്ക്കും

II. उदाहरण के अनुसार दिऐ हुए प्रत्येक क्रिया रूप का प्रयोग कर के चार चार वाक्य बनाइए ।

उदा : പഠിക്കുക
- കുട്ടികൾ പാഠം പഠിക്കുന്നു.
- കുട്ടികൾ പാഠം പഠിച്ചു.
- കുട്ടികൾ പാഠം പഠിക്കും.
- കുട്ടികൾ പാഠം പഠിച്ചേക്കും,

1. എഴുതുക 2. വിളിക്കും 3. സംസാരിക്കും 4. ശ്രമിക്കും 5. കേൾക്കും

III. उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए ।

उदा :1

ഡോ. കോശി, വർഗീസിന്റെ ഭാര്യയെ ചികിത്സിക്കുന്നു.

ഡോ. കോശിയാണ് വർഗീസിന്റെ ഭാര്യയെ ചികിത്സിച്ചത്.

1. അമ്മ രതിയെ വിളിക്കുന്നു.
2. അവർ തീർഥാടനത്തിനു പോകുന്നു.
3. കുട്ടികൾ കഥകൾ കേൾക്കുന്നു.
4. കൂട്ടുകാർ അങ്ങനെ പറയുന്നു.
5. ഞങ്ങളുടെ അധ്യാപകൻ ശ്രമിച്ചു.

उदा : 2

ഞാൻ പഠിക്കുന്നു. ഞാൻ പഠിക്കുന്നേ ഉള്ളൂ.

1. അവർ പാട്ടു കേൾക്കുന്നു.
2. അനിയൻ ഇപ്പോൾ ഉറങ്ങുന്നു.
3. ഡോക്ടർ രോഗിയെ ചികിത്സിക്കുന്നു.
4. അമ്മൂമ്മ അടുക്കളയിൽ ജോലി ചെയ്യുന്നു.
5. മഹാബലി എഴുന്നെള്ളുന്നു.

उदा :3

ആരാണു സംശയം ചോദിച്ചത്?

ആരു സംശയം ചോദിച്ചു?

1. നിങ്ങൾ എവിടെയാണ് പോയത് ?
2. അവൾ എന്താണ് പറഞ്ഞത് ?
3. കുട്ടികൾ ആരെയാണ് കണ്ടത് ?
4. ഡയറക്ടർ ആരെയാണ് വിളിച്ചത്?
5. ഏതു കാര്യമാണ് അവർ ഓർമിച്ചത്?

उदा : 4

ഞാൻ എല്ലാ അമ്പലങ്ങളും കാണും.

ഞാൻ എല്ലാ അമ്പലങ്ങളും കണ്ടേയ്ക്കും.

1. അടുത്തമാസം അവൾ പരീക്ഷ എഴുതും.
2. രണ്ടു വർഷം കഴിഞ്ഞ് വാസു വീണ്ടും വരും.
3. പെൺകുട്ടികൾ ഇന്നു നൃത്തം കളിക്കും.
4. എന്റെ അമ്മ നന്നായി പാചകം ചെയ്യും.
5. മഹാബലി ഓണത്തിന് എഴുന്നെള്ളും.

उदा : 5

ടി.വി.പരിപാടികൾ കണ്ടേക്കും.

ടി.വി.. പരിപാടികൾ കാണില്ലായിരിക്കും.

1. അവന ഈ ജോലി കിട്ടിയേക്കും.
2. അച്ഛൻ ഈ കാര്യത്തിന് സമ്മതിച്ചേക്കും.
3. ആളുകൾക്കു തൃപ്തി തോന്നിയേക്കും .
4. നാട്ടുകാർ കളക്ടറെ പുകഴ്ത്തും.
5. ദീപിക ഞങ്ങളുടെ വീട്ടിൽ ഉണ്ണും.

उदा : 6

നന്നായി ശ്രമിച്ചാൽ ഫലം കിട്ടും.

നന്നായി ശ്രമിക്കുമെങ്കിൽ ഫലം കിട്ടും.

1. മരുന്നു കഴിച്ചാൽ സുഖം ആകും.
2. ചോറുണ്ടാൽ ഇനിയും തരും.
3. ഡോക്ടർ കുറിപ്പു തന്നാൽ മരുന്നു കിട്ടും.
4. സന്ദർശകരെ കണ്ടാൽ വർത്തമാനം പറയും.
5. കഥ കേട്ടാൽ ഉറക്കം വരും.

उदा : 7

അമ്മയെകണ്ടാൽ സന്തോഷം തോന്നും.

അമ്മയെ കണ്ടാലേ സന്തോഷം തോന്നൂ.

1. പുസ്തകം വാങ്ങിയാൽ വായിക്കാൻ പറ്റും.
2. പൈസ കിട്ടിയാൽ ഇന്റർവ്യൂവിനു പോകാൻ പറ്റും
3. കൂട്ടുകാരൻ വന്നാൽ സിനിമ കാണാൻ പറ്റും
4. അച്ഛൻ സമ്മതിച്ചാൽ കല്യാണത്തിനു പോകാൻ പറ്റും
5. നന്നായി ജോലി ചെയ്താൽ പണം ഉണ്ടാക്കാൻ പറ്റും.

IV. रघु और प्रकाश के वार्तालाप में प्रकाश की बातें नहीं दी गयी है। रघु की बातें पढकर आप प्रकाश की बातें लिख दीजिए ।

രഘു : എന്താ പ്രകാശ്, എന്തൊക്കെയാണ് വിശേഷങ്ങൾ ?
പ്രകാശ് : ....
രഘു : നാട്ടിൽ പോയോ? എന്നാണു തിരിച്ചു വന്നത് ?
പ്രകാശ് : ....
രഘു : പതിനേഴാം തീയതിയോ? അന്നു നിങ്ങൾ എന്റെ വീട്ടിൽ വന്നോ?
പ്രകാശ് : ....
രഘു : എന്റെ അനിയത്തി രാധയാണോ പറഞ്ഞത്? അവൾക്ക് അറിയില്ല. ഞാൻ ഡൽഹിയിലൊന്നും പോയില്ല. ഇവിടെ അടുത്ത് ഒരിടത്തു പോയി.അന്നു രാത്രി തന്നെ മടങ്ങി വന്നു.

1. कुमार की बातें लिखिए ।

അമ്മ : എന്നു തുടങ്ങും നിന്റെ പരീക്ഷ ?
കുമാർ : ....
അമ്മ : മറ്റെന്നാളോ? ആദ്യത്തെ ദിവസം ഏതു വിഷയമാണ് ?
കുമാർ : ....
അമ്മ : കണക്ക് നിന്റെ പ്രിയപ്പെട്ട വിഷയമല്ലേ ?.. പേടിക്കാനൊന്നും ഇല്ലല്ലോ.
കുമാർ : ....
അമ്മ : അതെന്താ ഇത്തവണ മാത്രം ഒരു പേടി? നീ ഒരു ദിവസവും പോകാതെ ഇരുന്നില്ലല്ലോ ?
കുമാർ : ....

അമ്മ : അപ്പോൾ അതു നിന്റെ കുറ്റമല്ല. ടീച്ചർ വരാതെ ഇരുന്നാൽ പാഠം എങ്ങനെ തീർക്കും.? പോട്ടെ ? നീ സംശയങ്ങളൊക്കെ അച്ഛനോട് ചോദിക്ക്.

കുമാർ : ....

അമ്മ : എട്ടിനോ എട്ടരയ്ക്കോ വന്നേക്കും. ഊണൊക്കെ കഴിഞ്ഞ് രണ്ടു പേർക്കും കൂടി കണക്കു പഠിക്കാൻ ഇരിക്കാം. ഒരു പന്ത്രണ്ടു മണി വരെ ഇരുന്നാൽ മതി. പോരേ ?

2. सविता की बातें लिखिए ।

സരള : സിൻഹയെ കല്യാണം കഴിച്ചാൽ സന്തോഷമായി ജീവിക്കാം എന്നു നിനക്കു തോന്നുന്നുണ്ടോ? ഒരു വർഷത്തെ പരിചയമല്ലേ ഉള്ളൂ?നിനക്ക് നിനക്ക് അയാളുമായി ?

സവിത : ....

....,

സരള : അച്ഛനമ്മമാർ നടത്തുന്നതിന്റെ കാര്യം വേറെ. അപ്പോൾ വരന്റെ കുടുംബക്കാരെപ്പറ്റി എല്ലാം അവർ അന്വേഷിക്കും. ഒക്കെ ശരിയാ–ണെന്നു ബോധ്യം വന്നാലേ അവർ നടത്തൂ. അല്ലേ ?

സവിത : ....

സരള : എന്നു ഞാൻ പറയുന്നില്ല. എത്രയോ വിവാഹങ്ങൾ പല തരത്തിൽ അവസാനിക്കുന്നു. അതിനു ഭാര്യയും, ഭർത്താവും ചിലപ്പോൾ മറ്റു കുടുംബാംഗങ്ങളും കാരണക്കാരാണ്.

സവിത : ....

സരള : നിനക്കു സിൻഹയെ വിശ്വാസമാണെങ്കിൽ ഒന്നും പേടിക്കാനില്ല.പക്ഷേ, സ്വപ്നവും യാഥാർഥ്യവും തമ്മിൽ വ്യത്യാസമുണ്ടെന്നു മാത്രം ഓർമി–ക്കണം.

V. दिए हुए शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए ।

അനുവാദം,	കച്ചവടം,	പ്രയാസം,
സംഭവിക്കുക,	അസൂയതോന്നുക,	അതിശയിക്കുക,
കൊണ്ടാടുക,	സമൃദ്ധി,	പ്രജകൾ
സംതൃപ്തി		

पढ़िए और समझिए ।

കേരളത്തിലെ ഉത്സവങ്ങൾ

പ്രാദേശികവും ദേശീയ സ്വഭാവം ഉള്ളതുമായ ഓരോ ആഘോഷവും അതതു സമൂഹത്തിന്റെ ആചാരാനുഷ്ഠാനങ്ങളെ പരിപാലിക്കുന്നവയാണല്ലോ. കാർഷിക പ്രാധാന്യമുള്ള സമൂഹത്തിൽ വ്യത്യസ്ത രീതിയിലുള്ള ആഘോഷ ങ്ങളുണ്ട്. ഇവയിൽ പലതിനും പിൽക്കാലത്ത് ദൈവീക പരിവേഷം വന്നു ചേർന്നു. ആനന്ദത്തിന്റെയും, സമൃദ്ധിയുടെയും, ഐക്യത്തിന്റെയും വിള വെടുപ്പു കാലങ്ങൾ ആഘോഷങ്ങളുടെ കാലമായി മാറി, കേരളത്തിലും ഇത്തരം ഒട്ടനവധി ആഘോഷങ്ങളുണ്ട്. ഇവയിൽ ഏറ്റവും പ്രാധാന്യം ഉൽസവങ്ങളുടെ ഉൽസവമായ ഓണമാണ്. ഓണത്തിനെപ്പറ്റി നിങ്ങൾ പഠിച്ചു കഴിഞ്ഞു.

ജ്യോതിശാസ്ത്രപ്രകാരം മേടം ഒന്ന് നവവർഷാരംഭമാണ്. മേടം ഒന്നിലെ വിഷുവിനെ വരവേൽക്കാൻ കൊന്നമരങ്ങൾ സ്വർണവർണപുടവയുടുത്തു നേരത്തേ തന്നെ അണിഞ്ഞൊരുങ്ങി നിൽക്കും. ചക്ക, തേങ്ങ, മാങ്ങ, കൊന്നപ്പൂവ് എന്നിവയോടൊപ്പം, നിലവിളക്കുകൊളുത്തി വച്ചു കേരളീയർ പുതുവർഷ ത്തിലെ ആദ്യത്തെ ' കണികാണും.' ആദ്യത്തെ കണിയെ ആശ്രയിച്ചായിരിക്കും ആ വർഷത്തെ മുഴുവൻ ഫലവും എന്ന് ഇവർ വിശ്വസിക്കുന്നു. വിഷുദിനത്തിൽ വീട്ടിലെ കാരണവർ കുടുംബാംഗങ്ങൾക്കും ആശ്രിതർക്കും വിഷുക്കൈനീട്ടം കൊടുക്കും. നാണയത്തുട്ടുകളാണ് വിഷുക്കൈനീട്ടമായി കൊടുക്കുന്നത്.

മലയാളത്തനിമയ്ക്കു മറ്റൊരുദാഹരണമാണ് ധനുമാസത്തിലെ തിരുവാതിര ആഘോഷം. ഈ ആഘോഷം പ്രധാനമായും സ്ത്രീകളുടേതാണെന്ന് പറയാം. ശോഭനമായ വിവാഹജീവിതത്തിനുവേണ്ടി സ്ത്രീകൾ ഈ ദിനത്തിൽ ശിവപൂജ നടത്തും. മധ്യകേരളത്തിലാണ് തിരുവാതിരയ്ക്ക് ഏറെ പ്രാധാന്യം. അരി ആഹാരം ഉപേക്ഷിച്ച് അന്ന് സ്ത്രീകൾ വാഴപ്പഴം, കരിക്ക്, കൂവ എന്നിവ ഭക്ഷിക്കുന്നു. ഊഞ്ഞാലാട്ടം, തിരുവാതിരകളി എന്നീ കളികൾക്ക് തിരുവാതിര ദിവസം പ്രത്യേക സ്ഥാനമുണ്ട്.

ബംഗാളിലെ കാളി പൂജയ്ക്കും കർണാടകത്തിലെ ദസ്റയ്ക്കും സമാനമായി കേരളത്തിൽ നവരാത്രി മഹോത്സവം കൊണ്ടാടുന്നു. അറിവിന്റെ ദേവതയായ സരസ്വതീദേവിയുടെ മുന്നിൽ പുസ്തകങ്ങളും മറ്റുതൊഴിലുപകരണങ്ങളും വച്ച് ഈ ദിനത്തിൽ പൂജവയ്ക്കും. വിജയദശമി നാളിലെ 'വിദ്യാരംഭം' ദിവസമാണ് കുട്ടികൾക്ക് ആദ്യമായി അക്ഷരങ്ങളുടെ ലോകത്തേക്കുള്ള കാൽവയ്പ്. നവരാത്രി ദിനത്തിൽ സംഗീതസദസ്സുകളും സംഘടിപ്പിക്കും.

ശിവരാത്രി മഹോത്സവം ആണ് മറ്റൊരു വിശേഷ ദിവസം. ലോകരക്ഷയ് ക്കായി പരമശിവൻ കാളകൂട വിഷം കുടിച്ചത് ഈ ദിനത്തിലാണെന്ന് വിശ്വസി ക്കുന്നു. കേരളജനത ഈ പരിപാവനമായ ദിനം ഉറക്കമൊഴിഞ്ഞിരുന്ന് ആഘോഷി ക്കുന്നു. കേരളത്തിലെ ആലുവാപട്ടണത്തിൽ പെരിയാറിന്റെ തീരത്തെ ശിവരാത്രി മഹോത്സവം പ്രയാഗിലെ കുംഭമേളയെ ഓർമിപ്പിക്കും.

ഇവകൂടാതെ റംസാൻ, ക്രിസ്തുമസ്, ഈസ്റ്റർ, ദീപാവലി എന്നീ ആഘോഷങ്ങളും കേരളീയർ കൊണ്ടാടുന്നുണ്ട്.

शब्दार्थ

പ്രാദേശികം	क्षेत्रीय	സമൂഹം	समूह, समाज
ദേശീയസ്വഭാവം	देशीय स्वभाव	ആചാരം	रीति
അനുഷ്ഠാനം	रिवाज़, अनुष्ठान	കാരണവർ	परिवार का स्वाभी, कर्ता
പരിപാലിക്കുക	पालन करना	കുടുംബാംഗം	कुटुंब का सदस्य
കാർഷിക പ്രാധാന്യം	कृषि की प्रमुखता	ആശ്രിതർ	आश्रित
പിൻപ്	बाद	വിഷുക്കൈനീട്ടം	विषु में दिये हुए रुपये पैसे
ഇത്തരം	इस तरह	നാണയത്തുട്ട്	सिक्का
വ്യത്യസ്തം	भिन्न भिन्न	തനിമ	अपनापन
രീതി	प्रकार, रीति	ധനുമാസം	धनुमास (मलयालम साल का पाँचवाँ महीना
പലത്	कई	തിരുവാതിര	आरद्रा नक्षत्र
പിൽക്കാലത്ത്	बाद में	ശോഭനം	शोभन
ദൈവീക പരിവേഷം	दैविक परिवेष	വിവാഹ ജീവിതം	वैवाहिक जीवन
വന്നുചേരുക	आप हुँचना	വാഴപ്പഴം	केला
ആനന്ദം	आनन्द	കരിക്ക്	कच्चा नारियल
ഐക്യം	ऐक्य, एकता	കൂവ	आरारूट
ഒട്ടനവധി	बहुत कुछ	സമാനം	समान
ജ്യോതിശാസ്ത്രം	ज्योतिषशास्त्र	അറിവ്	ज्ञान
നവവർഷം	नववर्ष	ദേവത	देवता
ആരംഭം	शुरु	പൂജ	पूजा
വരവേൽക്കുക	स्वागत करना	വിദ്യാരംഭം	विद्यारंभ
കൊന്നമരം	पीले फूलों का एक पेड़ जो एप्रिल महीने में फूलता है।	അക്ഷരം	अक्षर
		സംഗീതം	संगीत
സ്വർണം	सोना	സദസ്സ്	सभा
വർണം	रंग	മഹോത്സവം	बडा उत्सव, महोत्सव
പുടവ	कपडा, धोति	ലോകം	दुनिया
നേരത്തെ	पहले	രക്ഷ	रक्षा
തേങ്ങ	नारियल	കാളകൂടവിഷം	कालकूट विष

മാങ്ങ	आम	കേരളജനത	केरल के लोग
കൊന്നപ്പൂവ്	एक प्रकार का- हलदी फूल	പരിപാവനം	परिपावन, सबसे पवित्र
നിലവിളക്ക്	काँजे का दिया	പട്ടണം	शहर
കൊളുത്തുക	जलाना	ഉറക്കം	निद्रा
പുതുവർഷം	नववर्ष		
കണി	पहला दर्शन, जिसे सबेर सवसे पहले देखें	ആശ്രയിക്കുക	आश्रया करना

अभ्यास

I. अनुच्छेद के आधार पर उत्तर दीजिए ।

1. ആഘോഷങ്ങൾ എന്തു പരിപാലിക്കുന്നു?
2. ആഘോഷങ്ങൾ സാധാരണയായി എപ്പോഴാണു കൊണ്ടാടുന്നത്?
3. എന്തിന്റെയൊക്കെ വിളവെടുപ്പുകാലമാണ് ആഘോഷങ്ങളുടെ കാലം ?
4. കേരളത്തിലെ കൊന്ന മരങ്ങൾ സ്വർണ വർണപ്പുടവ അണിയുന്നത് എപ്പോൾ?
5. എങ്ങനെയാണു കേരളീയർ വിഷുക്കണി കാണുന്നത്?
6. വിഷുദിവസം കാരണവർ കുടുംബാംഗങ്ങൾക്ക് എന്തു കൊടുക്കുന്നു?
7. ധനുമാസത്തിലെ തിരുവാതിരയുടെ പ്രാധാന്യം എന്ത്?
8. തിരുവാതിര കേരളത്തിന്റെ ഏതു ഭാഗങ്ങളിലാണു കൂടുതലായി ആഘോഷിക്കുന്നത്?
9. കേരളത്തിൽ വിജയദശമി ദിവസത്തിന്റെ പ്രാധാന്യം എന്താണ്?
10. ശിവരാത്രി എങ്ങനെയാണ് കേരളീയർ ആഘോഷിക്കുന്നത്?

II. पाठभाग में नहीं आए हुए शब्दों को ढूँढ निकालिए ।

ചേട്ടൻ	ഭക്ഷണം	തീർഥാടനകേന്ദ്രം	ലഘൂകരിക്ക്
ആഘോഷം	വിദ്യ	മിത്രം	ഉത്സവം
പാരമ്പര്യം	വിളവെടുപ്പ്	ആഹാരം	അച്ഛൻ
എളുപ്പമാക്ക്	മൂക്ക്	കണ്ണ്	ശ്രമം
കൃഷി	പ്രയാസം	കൂട്ടുകാരൻ	തിന്നുന്നു
കുടിക്കുന്നു	അറിവ്	പുണ്യസ്ഥലം	പരിഹാസം

III. मलयाळम में अनुवाद कीजिए ।

1. दीपावली के दिन हम सब बहुत खुश रहते हैं । बड़े सबेरे उठकर नये वस्त्र पहनते हैं। नये वस्त्र पहन कर कभी कभी मंदिर भी जाते हैं। एक दिन पहले ही हमसब मिलकर घर की सफाई करते हैं। हम तीन दिन दीपावली मनाते हैं। दीपावली पर बहुत सारी मिठाइयाँ बनाते हैं। माँ और दादी मिलकर मिठाइयाँ बनायेंगी। कभी कभी हम बाज़ार से भी मिठाइयाँ खरीदते हैं। हम दीपावली की मिठाइयाँ बन्धु, मित्रों में बाँटते हैं। सब लोग खुश रहते हैं। दीपावली के दिन घर घर में और बाज़ारो में दिए जलाते हैं । पटाकी ज़लाते है ।

2. कृष्णन की उम्र २५ वर्ष है। वह मलयाळम में M.A. है । उसने तीन वर्ष पहले M.A. पास किया है । वह कोई नौकरी पाना चाहता था। उसने बहुत से सरकारी और अर्ध सरकारी नौकरियों के लिए आवेदन पत्र भेजा । लेकिन उसे कोई नौकरी नहीं मिली। उसने कुछ ट्यूटोरियल कालेजों में मलयाळम पढ़ाया। लेकिन वहाँ उसको नियमित वेतन नहीं मिलता था। जब भी उनकी इच्छा होती थी वे उसे १०० या २०० रुपया दे देते थे । उसने इस प्रकार साल भर काम किया। तब उसने एक मुर्गीपालन फार्म खोलने केलिए बैंक से ऋण केलिए आवेदन पप्र दिया। उसने आठ महीने पहले आवेदन पत्र दिया था। वह आज भी प्रतीक्षा कर रहा है। इस बार उसने कुछ ट्यूशन किया। वह गल्फ भी जाना चाहता है । अगर कोई उसकी सहायता करेगा तो वह गल्फ जाएगा। अगर उसे गल्फ में कोई काम मिल जाये तो उसका परिवार बच जाएगा। केरल के सभी बेरोजगार नवयुवक यही स्वप्न देखते हैं ।

IV. रामलीला के बारे में मलयाळम में एक अनुच्छेद लिखिए ।

പാഠം पाठ 13

ഭാസ്കരന്റെ ജോലിക്കാര്യം

भास्करन की नौकरी की बात

മാത്യു : അന്നു ഞാൻ പറഞ്ഞ കാര്യം ഓർമയുണ്ടോ തോമസ്?

തോമസ് : ഏതു കാര്യം ? ഗൾഫീന്നു വന്ന ഭാസ്കരന്റെ ജോലിക്കാര്യമാണോ?

മാത്യു : അതേ. അയാളുടെ കഥ വളരെ ദയനീയമാണ്.വയസ്സായ അച്ഛനും അമ്മയും, കോളേജിൽ പഠിക്കുന്ന രണ്ടു കുട്ടികൾ, ജോലി ഇല്ലാത്ത ഭാര്യ, കാലു വയ്യാത്ത ഒരു അനിയൻ. കുടുംബവീട് പണയപ്പെടുത്തിയിട്ടാണ് ഗൾഫിൽ പോയത്.അഞ്ചുവർഷത്തിനകം ധാരാളം സമ്പാദിച്ചുകൊണ്ടുവരാം എന്നു കരുതി.പക്ഷേ, അതിനിടയിലാണ് ഗൾഫ് യുദ്ധം എന്ന ദുരന്തം സംഭവിച്ചത്.പോയി ആറുമാസത്തിനകം വെറും കയ്യോടെ തിരിച്ചു വന്നു. നീ എങ്ങിനെയായാലും ഭാസ്കരന് ഒരു ജോലി തരപ്പെടുത്തണം.

തോമസ് : തോമസ്, നീ പറയുന്ന കാര്യങ്ങൾ എനിക്കു നല്ലവണ്ണം മനസിലാകുന്നു.. പക്ഷേ ഫാക്ടറിയിൽ ആളെനിയമിക്കുന്ന കാര്യത്തിൽ എനിക്കൊന്നും ചെയ്യാൻ കഴിയില്ല. ഡയറക്ടർ ബോർഡാണ് അവിടത്തെ പ്രധാന കാര്യങ്ങൾ തീരുമാനിക്കുന്നത്.

थोमस, क्या वह बात याद है जो मैं ने बताई थी ?

कौन सी बात? खाडी से लौटे हुए भास्करन की नौकरी की बात है न?

हाँ । उसकी कहानी बहुत दयनीय है। बूढे माता - पिता, कालेज में पढनेवाले दो लडके, बिना नौकरी की पत्नी और लंगडा अनुज । पारिवारिक घर को गिरवीं रखकर ही वे खाडी गए थे। उन्होंने सोचा कि पाँच वर्षें के बाद बहुत अधिक धन कमाकर लौटेंगे । लेकिन इस बीच ही कष्टदायी खाडी युद्ध हो गया । जाने के छः महीनों के बाद खाली हाथ ही लौट आये। जो भी हो तुम्हें भास्करन केलिए नौकरी का प्रबन्ध करना चाहिए ।

थोमस, तुम्हारे बताये कार्य को मैं अच्छी तरह समझता हूँ। लेकिन फैक्टरी में लोगों की नियुक्ति के कार्य में मैं कुछ भी नहीं कर सकता हूँ। निदेशक मण्डल ही वहाँ के मुख्य कार्यें का निर्णय लेता है ।

മാത്യു	: എന്നാലും ഫാക്ടറിയിൽ എറ്റവും കൂടുതൽ ഓഹരിഉള്ളത് നിന്റെ കുടുംബ ത്തിനല്ലേ? നീയും അച്ഛനും പറഞ്ഞാൽ, ഒന്നു മനസ്സിരുത്തിയാൽ ഒരു പ്രയാസ വും ഉണ്ടാകില്ല. സമയത്ത് സഹായി ക്കാത്ത ഒരുത്തനെ കൂട്ടുകാരനെന്നു പറയാൻ പറ്റുമോ?	फिर भी फैक्टरी में शेयरों की अधिकांश हिस्सा तुम्हारे परिवार का है न? तुम्हारे पिताजी और तुम कहेंगे तो कोई मुशिकल नहीं होगा। (आप के चाह लेने पर कोई कठिनाई नहीं होगी।) बुरी अवस्था पर सहायता न करनेवाले को क्या मित्र कह सकते हैं?
തോമസ്	: നീ സത്യം മനസ്സിലാക്കാതെ എന്നെ പഴിക്കരുത്. ഗൾഫിൽ നിന്നും മടങ്ങി യെത്തിയ ആൾക്കാരുടെ കൂട്ടത്തിൽ അച്ഛന്റെ അടുത്ത ബന്ധുക്കൾ മൂന്നാ ളുകൾ ഉണ്ട്. അവരുടെ കാര്യത്തിൽ തന്നെ ഒരു തീരുമാനവും കമ്മിറ്റിയെ കൊണ്ടെടുപ്പിക്കാൻ അച്ഛന് ഇതുവരെ കഴിഞ്ഞില്ല. ബന്ധുക്കൾക്കു പോലും ജോലി കൊടുക്കാൻ പറ്റാത്ത കാല മാണിപ്പോൾ.	बिना सच्चाई जाने, तुम मुझे मत कोसो। खाडी से लौटे हुए लोगों में मेरे पिताजी के भी तीन सगे-संबन्धी हैं। उनके बारे में भी अभी तक समिति से कोई निर्णय कराने में में पिताजी सफल नहीं हुए हैं। ऐसा समय है कि बन्धुजनों को भी नौकरी न दे सकते हैं ।
മാത്യു	: നിനക്ക് നിന്റേതായ വൈഷമ്യങ്ങൾ ഉണ്ടെന്ന് എനിക്കറിയാം. എന്നാലും ഏതുതരം സഹായവും അർഹിക്കുന്ന ഒരു വ്യക്തിയാണ് ഭാസ്കരൻ. കൊച്ചു നാളിലേ നമ്മുടെ കൂടെ കളിച്ചു നടന്ന കൂട്ടുകാരനെ സഹായിക്കേണ്ടത് നമ്മുടെ കടമയല്ലേ?	मैं जानता हूँ कि तुम्हारी अपनी कठिनाइयाँ हैं । फिर भी हर प्रकार की सहायता पाने योग्य व्यक्ति है भास्करन।क्या बचपन से अपनेसाथ साथ खेले हुए मित्र की सहायता करना हमारा कर्तव्य नही है ?
തോമസ്	: ജോലിയും സഹായവും അർഹിക്കാത്ത ആളല്ല ഭാസ്ക്കരൻ. അതെനിക്കറിയാം. അവനെ സഹായിക്കാൻ എനിക്ക് മനസ്സി ല്ലന്നാണോ നീ പറയുന്നത്?	यह मुझे मालूम है कि भास्करन सहायता केलिए और नौकरी दिलवाने केलिए अयोग्य आदमी नहीं है।क्या तुम कह रहे हो कि उसकी सहायता करने केलिए मैं नही चाहता हूँ ?

മാത്യു	: സഹായിക്കാനുള്ള മനസ്സും സ്വഭാവവും നിനക്കുണ്ട്. പക്ഷേ ആഗ്രഹിക്കുന്ന രീതിയിൽ കാര്യങ്ങൾ നടത്താൻ നീ ശ്രമിക്കുന്നില്ല. അതാണെന്റെ പരാതി.	तुम्हारा विचार और स्वभाव सहायता करने का है। परन्तु मन चाहे ढंग से सहायता करने तुम कोशिश नहीं करते। यही मेरी शिकायत है।
തോമസ്	: നിനക്കങ്ങനെയൊക്കെ പറയാം. ഞാൻ ഇതിനുവേണ്ടി അപ്പച്ചനെ നിർബ്ബന്ധിച്ചാൽ പലകുടുംബപ്രശ്നങ്ങളും തലപൊക്കിയേക്കും.	तुम ऐसे सब कह सकते हो।यदि मैं इसकेलिए पिताजी को बाध्य करूँ तो अनेक पारिवारिक समस्यायें उठेंगी ।
മാത്യു	: വരും കാര്യങ്ങളെപ്പറ്റി ചിന്തിച്ച് നീ തല പുണ്ണാക്കണ്ട. തൽക്കാലം നീ ഭാസ്കരനെ ഒന്നു സഹായിക്കണം. വേണമെങ്കിൽ നിന്റെ അപ്പച്ചനെക്കണ്ട് ഞാനും സംസാരിക്കാം. ഭാസ്കരന് ഇപ്പോൾ ഒരു ജോലി കിട്ടിയില്ലെങ്കിൽ കുടുംബം പട്ടിണിയിൽ മുങ്ങും.	भविष्य की चिन्ता करके तुम दिमाग खराब मत करो। अभी तुम्हें भास्करन की सहायता करनी सहायता करनी चाहिए। यदि चाहें तो मैं तुम्हारे और उन के पिताजी से मिलाकर बात करूँगा । यदि अब भास्करन को नौकरी नहीं मिलेगी तो उनका परिवार गरीबी में डूबेगा।
തോമസ്	: എന്റെ അപ്പച്ചനെക്കാണുന്ന കാര്യം നീ ഏറ്റാൽ എന്റെ ഭാരം കുറഞ്ഞു കിട്ടും. എന്നാൽ നീ ഇന്നു വൈകുന്നേരം എന്റെ വീട്ടിലേക്ക് വന്നേക്ക്.	यदि मेरे पिताजी से मिलने का कार्य तुम लोगे तो मेरी जिम्मेदारी कुछ कम हो जाएगी।तो आज शाम को मेरे घर आ जाओ।

शब्दार्थ

ഓർമ	याद	നല്ലവണ്ണം	अच्छी तरह
ദയനീയം	दयनीय	നിയമിക്കുക	नियमन करना
പണയപ്പെടുത്തുക	गिरवी रखना	കഴിയുക	सकना
ധാരാളം	बहुत	പ്രധാനം	प्रधान
സമ്പാദിക്കുക	इकट्ठा करना	ഓഹരി	भाग
കരുതുക	सोचना	മനസ്സിരുത്തുക	ध्यान देना
ദുരന്തം	तुरंत	പഴിക്കുക	निंदा करना

പോയ	गया हुआ	തീരുമാനം	निश्चय
കൈ	हाथ	ബന്ധു	रिस्तेदार
തരപ്പെടുക	अवसर मिलना	കാലം	काल
വൈഷമ്യം	तकलीफ़	പ്രശ്നം	प्रश्न
അർഹിക്കുക	योग्य होना	അച്ചായൻ	पिताजी
മനസ്സ്	मन	പട്ടിണി	भूख भारी
പരാതി	शिकायत	ഏൽക്കുക	स्वीकार करना, जिम्मेदारी लेना
നിർബന്ധിക്കുക	जोर डालना	ഭാരം	बोझ
സ്വഭാവം	स्वभाव	വൈകുന്നേരം	शाम को

अभ्यास

I. रेखांकित शब्दों को ध्यान में रखते हुए वाक्यों का अभ्यास कीजिए ।

ഞാൻ പറഞ്ഞകാര്യം നിങ്ങൾക്ക് ഓർമ്മയുണ്ടോ?
ഗൾഫീന്നു വന്ന ഭാസ്കരന്റെ ജോലിക്കാര്യം ആണോ നീ പറയുന്നത്?
അയാൾക്ക് കോളേജിൽ പഠിക്കുന്ന കുട്ടികൾ ഉണ്ട്.
നീ പറയുന്ന കാര്യങ്ങൾ എനിക്കു മനസ്സിലാകുന്നു..

II. दिए गए वाक्यों तथा वाक्यांशों का अभ्यास कीजिए ।

1. നീ കാര്യങ്ങൾ പറയുന്നു.
   നീ പറയുന്ന കാര്യങ്ങൾ.
   കാര്യങ്ങൾ പറയുന്ന നീ
2. നീ കാര്യങ്ങൾ പറഞ്ഞു.
   നീ പറഞ്ഞ കാര്യങ്ങൾ.
   കാര്യങ്ങൾ പറഞ്ഞനീ
3. നീ കാര്യങ്ങൾ പറയും.
   നീ പറയുന്ന കാര്യങ്ങൾ.
   നീ പറയും കാര്യങ്ങൾ.
   കാര്യങ്ങൾ പറയുന്ന നീ.
   കാര്യങ്ങൾ പറയും നീ.
4. രജനി പാഠം പഠിക്കുന്നു.
   പാഠം പഠിക്കുന്ന രജനി.
   രജനി പഠിക്കുന്ന പാഠം
5. രാജൻ കൂട്ടുകാരനെ സഹായിക്കുന്നില്ല.
   കൂട്ടുകാരനെ സഹായിക്കാത്ത രാജൻ.
   രാജൻ സഹായിക്കാത്ത കൂട്ടുകാരൻ
6. അച്ഛന് വയസ്സ് ആയി.
   വയസ്സായ അച്ഛൻ.
7. മകന് വയസ്സായില്ല.
   വയസ്സാകാത്ത മകൻ.

8. മകൾ സുന്ദരിയാണ്.
സുന്ദരിയായ മകൾ
9. ഡോക്ടർ മിടുക്കൻ അല്ല.
മിടുക്കനല്ലാത്ത ഡോക്ടർ
10. വേണുവിനു പണം ഇല്ല.
പണം ഇല്ലാത്ത വേണു
വേണുവിന് ഇല്ലാത്ത പണം
11. ആളുകൾക്കു വീടു വേണം.
വീടു വേണ്ട ആളുകൾ
12. ജോലിക്കാർക്കു പൈസ വേണ്ട.
പൈസ വേണ്ടാത്ത ജോലിക്കാർ
ജോലിക്കാർക്കു വേണ്ടാത്ത പൈസ.

13. സർക്കാറിന് അപേക്ഷ കൊടുക്കണം.
സർക്കാറിന് കൊടുക്കേണ്ട അപേക്ഷ
14. ഞങ്ങൾക്ക് ഇത്ര ആഹാരം പോര.
ഇത്ര ആഹാരം പോരാത്ത ഞങ്ങൾ
15. രോഗിക്കു വയ്യ.
വയ്യാത്ത രോഗി.

16. എനിക്ക് ലക്ഷ്മിയെ അറിയാം.
ലക്ഷ്മിയെ അറിയാവുന്ന ഞാൻ
എനിക്ക് അറിയാവുന്ന ലക്ഷ്മി

III. उदाहरण के अनुसार वाक्यों को वाक्यांशों में बदलिए ।

उदा : 1

കുട്ടികൾ കവിത എഴുതാൻ ശ്രമിക്കുന്നു.
കവിത എഴുതാൻ ശ്രമിക്കുന്ന കുട്ടികൾ

1. കവി സ്വപ്നം കാണുന്നു.
2. സരള തകഴിയുടെ പുസ്തകങ്ങൾ വായിക്കുന്നു.
3. പീറ്റർ അച്ഛനമ്മമാരെ സഹായിക്കുന്നു.

उदा : 2

ആളുകൾ ഗൾഫിൽ നിന്നു മടങ്ങി എത്തി.
ഗൾഫിൽ നിന്നു മടങ്ങി എത്തിയ ആൾക്കാർ

1. കുട്ടികൾ സ്കൂളിൽ പോയി.
2. തോമസിന്റെ അച്ഛനെ കാണാൻ ഞാൻ തീരുമാനിച്ചു.
3. കൃഷിക്കാർ വയലിൽ പണി എടുത്തു.

उदा : 3

കളക്ടർ ജനങ്ങളെ സേവിക്കും.
ജനങ്ങളെ സേവിക്കുന്ന കളക്ടർ / ജനങ്ങളെ സേവിക്കും കളക്ടർ

1. ഡോക്ടർ സമയത്തിനു വരും.
2. അച്ഛൻ എന്നെ പഠിപ്പിക്കും.
3. നവസാക്ഷരർ കവിത ആസ്വദിക്കും.

उदा : 4

കവി പ്രകൃതിയുടെ ആരാധകനാണ്.
പ്രകൃതിയുടെ ആരാധകനായ കവി

1. വൈഷ്ണവൻ പ്രകൃതിയുടെ ഉപാസകനാണ്.
2. അദ്ദേഹം മാതൃകാ അധ്യാപകനാണ്.
3. അമ്മ ഞരമ്പു വിദഗ്ധയാണ്.

उदा : 5

മീനയ്ക്ക് സ്വന്തം വീടുണ്ട്.

സ്വന്തം വീടുള്ള മീന

1. അനിയനു നല്ല ബുദ്ധിയുണ്ട്.
2. ചേട്ടനു ധാരാളം പണമുണ്ട്.
3. വീട്ടുകാർക്ക് നല്ല സാമാർഥ്യമുണ്ട്.

उदा : 6

അച്ഛൻ ഡോക്ടർ അല്ല

ഡോക്ടർ അല്ലാത്ത അച്ഛൻ

1. ഈ വീട് എന്റേത് അല്ല.
2. ഇവൾ സ്വപ്ന സുന്ദരി അല്ല.
3. ഡേവിഡ് മിടുക്കൻ അല്ല.

उदा : 7

വീട്ടിൽ സ്ഥലം ഇല്ല.

സ്ഥലം ഇല്ലാത്ത വീട്

1. അലമാരയിൽ പുസ്തകങ്ങൾ ഇല്ല.
2. വീട്ടിൽ കുട്ടികൾ ഇല്ല.
3. ആളുകൾക്ക് ഒരു വിഷമവും ഇല്ല.

उदा : 8

തോമസിനു പായസം വേണം.

പായസം വേണ്ട തോമസ്

1. രവിക്കു ജോലി വേണം.
2. സരളയ്ക്ക് പൂന്തോട്ടത്തിൽ സ്ഥലം വേണം.
3. മാധുറിന് വാടകയ്ക്ക് വീടു വേണം.

उदा : 9

കുട്ടികൾക്കു പുതിയ ഉടുപ്പു വേണ്ട.

പുതിയ ഉടുപ്പു വേണ്ടാത്ത കുട്ടികൾ

1. ജോസഫിന് ആഹാരം വേണ്ട.
2. കുമാരന് പണം വേണ്ട.
3. ജനങ്ങൾക്ക് ഒന്നും വേണ്ട.

उदा : 10

എനിക്കു ചന്തവരെ പോകണം.

ചന്തവരെ പോകേണ്ട ഞാൻ

1. ഗുപ്തക്ക് മലയാളം പഠിക്കണം.
2. മാധുറിന് ജനങ്ങളെ അറിയണം.
3. കുട്ടികൾക്കു സ്കൂളിൽചേരണം.

उदा : 11

മാത്യുവിന് പണം സമ്പാദിക്കേണ്ട.

പണം സമ്പാദിക്കേണ്ടാത്ത മാത്യു.

1. പുസ്തകം എനിക്കു വായിക്കണ്ട.
2. ആ കൂട്ടാനുകൾ എനിക്കു കൂട്ടണ്ട.
3. ഈചോദ്യത്തിന്ഉത്തരം എഴുതണ്ട.

उदा : 12

അമ്മൂമ്മ കഥ പറയുന്നു.

കഥ പറയുന്ന അമ്മൂമ്മ.

അമ്മൂമ്മ പറയുന്ന കഥ.

1. ഞാൻ വീടു വാങ്ങിക്കുന്നു.
2. രമണി കഥ എഴുതുന്നു.
3. അധ്യാപകൻ പാഠം പഠിപ്പി ക്കുന്നു.

IV. उदाहरण जैसे वाक्य जोडियों को मिलाइए ।

उदा : 1

ആളുകൾ ഗൾഫിൽ നിന്നു മടങ്ങി എത്തി .

അവരുടെ കൂട്ടത്തിൽ എന്റെ ബന്ധുക്കളും ഉണ്ട്.

ഗൾഫിൽ നിന്നു മടങ്ങി എത്തിയ ആളുകളുടെ കൂട്ടത്തിൽ എന്റെ ബന്ധുക്കളും ഉണ്ട്.

1. ഭാസ്കരൻ എല്ലാത്തരം സഹായവും അർഹിക്കുന്നു.
   അയാളെ നിങ്ങൾ സഹായിക്കണം.

2. ഗോപി ഒരു നല്ല ജോലി സ്വപ്നം കണ്ടു കഴിയുന്നു.
   അയാൾക്ക് എന്നു ജോലികിട്ടും എന്നറിയില്ല.
3. നിങ്ങളുടെ മകൾ കോളേജിൽ പഠിക്കുന്നു.
   അവളെ ആരാണു കല്യാണം കഴിച്ചത് ?
4. കേരളത്തിൽ സാക്ഷരതാ ശതമാനം കൂടുതൽ ഉണ്ട്.
   കേരളത്തിൽ ജോലി ഇല്ലാത്ത ആളുകൾ കൂടുതൽ ഉണ്ട്.
5. കറിക്ക് ഉപ്പ് ഇല്ല.
   എനിക്ക് ആ കറി വേണം.
6. നിങ്ങൾക്ക് എന്തു സഹായം വേണം ?
   ആ സഹായം ഞാൻ ചെയ്യാം.
7. നിങ്ങൾക്ക് ഏതു പുസ്തകം വേണ്ട.
   ആ പുസ്തകം എനിക്കു തരൂ.
8. സുകുമാരന് ഒട്ടും നടക്കാൻ വയ്യ.
   അയാൾ എന്തിന് ഇവിടം വരെ വരണം.
9. അവരുടെ അച്ഛനെ എനിക്കു നന്നായി അറിയാം.
   അദ്ദേഹത്തെപ്പറ്റി എന്നോടു പറയണോ ?
10. നിരൂപകർ ആ പുസ്തകത്തെ വളരെയധികം പുകഴ്ത്തുന്നു.
    ആ പുസ്തകം നീ വായിച്ചോ ?

उदा : 2

രമേശൻ പഴം തിന്നില്ല. രമേശന് ഉറക്കം വന്നില്ല.
പഴം തിന്നാത്ത രമേശന് ഉറക്കം വന്നില്ല.

1. കുട്ടികൾ മൈതാനത്തിൽ കളിച്ചില്ല. അവരെ ആരും കണ്ടില്ല.
2. ആരും വീട്ടിൽ ഇല്ല. ഞാൻ എന്തിനു വരണം ?
3. വീട്ടിൽ കുട്ടികൾ ഇല്ല. അതു വീടാണോ ?
4. കുട്ടി പാലു കുടിക്കുന്നില്ല . അമ്മ വീണ്ടും വീണ്ടും വിളിക്കുന്നു ?
5. അവർ നന്നായി ജോലി ചെയ്യുന്നില്ല. അവരെ ആരു ജോലിയിൽ നിയമിക്കും ?
6. നിങ്ങൾ സമയത്തിനു വരുന്നില്ല. നാളെ മുതൽ നിങ്ങൾ ജോലിക്കു വരണ്ട.
7. പെൺകുട്ടിക്കു സൗന്ദര്യം ഇല്ല . അവൾക്കും കല്യാണം വേണ്ടേ?
8. അച്ഛൻ പണം സമ്പാദിച്ചില്ല. മക്കൾ ഇഷ്ടപ്പെടാതിരിക്കുമോ ?

उदा : 3

കുട്ടി ഓടി വരുന്നു. അവനെ ഞാൻ വഴക്കു പറഞ്ഞു.
ഓടി വരുന്ന കുട്ടിയെ ഞാൻ വഴക്കു പറഞ്ഞു .

1. രാഘവൻ പുസ്തകം വായിക്കുന്നു. അവനെ ആരും വിളിക്കണ്ട.
2. ജയശ്രീ പരീക്ഷ എഴുതുന്നു. അവളെ നിനക്കറിയാമോ ?
3. ശ്രീകുമാർ പാട്ടു പാടി നടക്കുന്നു . അവൻ നിന്റെ അനിയനാണോ ?
4. ഞങ്ങൾ പൂക്കൾ പറിക്കുന്നു. ആ പൂക്കൾ നിങ്ങൾക്കു വേണമോ ?
5. ശകുന്തള സ്വപ്നം കണ്ട് ഉറങ്ങുന്നു. അവൾ നിന്റെ കൂട്ടുകാരി അല്ലേ ?

उदा : 4

കവി പ്രകൃതിയെ ആരാധിച്ചു. ആ കവിയെ നിനക്കറിയാമോ ?

പ്രകൃതിയെ ആരാധിച്ച കവിയെ നിനക്കറിയാമോ.?

1. അദ്ദേഹം സ്കൂളിൽ പ്രസംഗിച്ചു. പ്രസിദ്ധനായ ഒരു കവിയാണ്.
2. രജനി ആ കുട്ടിയെ വിളിച്ചു. എന്റെ സഹോദരിയാണ്.
3. രാജേഷും ആ പുസ്തകം വായിച്ചു. എന്റേതാണ്.
4. കുട്ടൻ അൽപ്പം ആഹാരം കഴിച്ചു. നന്നായി പണിയെടുക്കുന്നവനാണ്.
5. അയാൾ ശാലിനിയോടു പണം ചോദിച്ചു. അയാൾ ഒരു ഭിക്ഷക്കാരനല്ല.

उदा : 5

കുട്ടി സ്കൂളിൽ പോകും. അവൻ എല്ലാവരോടും കുശലം പറയും.

സ്കൂളിൽ പോകുന്ന കുട്ടി എല്ലാവരോടും കുശലം പറയും.

1. ഞാൻ കേരളം കാണും. കേരളത്തെപ്പറ്റി എഴുതും.
2. വാസു രാത്രി മുഴുവൻ ഉറങ്ങാതെ ഇരിക്കും. രാവിലെ ആകുമ്പോൾ ഉറങ്ങും.
3. ശ്രീധരൻ പട്ടാളത്തിൽ ചേരും . രാഷ്ട്രസേവനം ചെയ്യും.
4. അയാൾ നാടു വിട്ടു പോകും. മറുനാട്ടിൽ ജോലി ചെയ്യും.
5. കുട്ടികൾ എല്ലാവരും കളിക്കും. സമ്മാനങ്ങൾ നേടും.

उदा : 6

അന്നയാൾ പണം ഒന്നും സമ്പാദിച്ചില്ല. ഇന്നും അയാൾ തൃപ്തനാണ്.

അന്ന് പണം ഒന്നും സമ്പാദിക്കാത്ത അയാൾ ഇന്നും തൃപ്തനാണ്.

1. ഞാൻ കേരളം കണ്ടില്ല. എനിക്ക് ആ നാട്ടിനെപ്പറ്റി ഒന്നും അറിയില്ല.
2. അച്ഛൻ പുസ്തകം വാങ്ങിയില്ല. ഞാൻ അതു വായിച്ചില്ല.
3. വീട്ടിൽ ആരും വന്നില്ല . ഞാൻ ആരെയും കണ്ടില്ല.
4. പുതിയ ആൾ നന്നായി ജോലി ചെയ്യുന്നില്ല. നിനക്കറിയാമോ ?
5. ആ സ്ഥാപനത്തിൽ ഒരു സംഭവം നടന്നു. അതിനെപ്പറ്റി നിനക്കറിയാമോ ?

उदा : 7

എനിക്ക് വായിക്കാൻ പുസ്തകം വേണം. അതു നിങ്ങൾ കൊണ്ടു വരുമോ ?

എനിക്ക് വായിക്കാൻ വേണ്ട പുസ്തകം നിങ്ങൾ കൊണ്ടുവരുമോ?

1. അപ്പൂപ്പന് ആഹാരം വേണ്ട. ആ അപ്പൂപ്പനോട് നമ്മളെന്തു പറയാൻ ?
2. രോഗിക്ക് ഒട്ടും വയ്യ. ഇവിടം വരെ എങ്ങനെ വരും ?
3. എനിക്ക് മലയാളം അറിയില്ല. നിന്നെ എങ്ങനെ ആ ഭാഷ പഠിപ്പിക്കും ?
4. ഞങ്ങൾക്ക് ഇത്ര പുസ്തകങ്ങൾ പോര. നിനക്ക് ഞങ്ങൾഎവിടെനിന്നു തരണം ?
5. ആഹാരത്തിന് തീരെ രുചിയില്ല. അവളോട് സദ്യയെപ്പറ്റി എന്തിനു പറയണം ?
6. അച്ഛന് പഴയ ഒരു സ്കൂട്ടർ ഉണ്ട്. ഞാനും സഞ്ചരിക്കണോ ?

V. सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए ।

1. ഞാൻ സ്വപ്നത്തിൽ ------------------ കുട്ടിയെപ്പോലെ ഒരു കുട്ടിയെ ഇന്നു റോഡിൽ വച്ചു കണ്ടു. (കണ്ട, കാണാതെ)
2. ആരും -------------- കാര്യം ഞാൻ എങ്ങനെ കേൾക്കും ? (പറയാത്ത, പറയുന്ന)
3. നിനക്കു ജോലി ----------- കാര്യം എന്നോടു പറയാൻ മറന്നോ ? (കിട്ടിയ, കിട്ടി)
4. ഞാൻ -------------നീ ഇവിടെ നിന്ന് എഴുന്നേൽക്കണ്ട. (പറയാതെ, പറയും)
5. അന്നു ---------പാട്ട് എനിക്കിപ്പോഴും ഓർമ്മയുണ്ട്. (കേട്ട, കേൾക്കുന്ന)
6. വായിച്ചു വായിച്ചു -----------കുട്ടി ഉറങ്ങി. (ക്ഷീണിച്ച , ക്ഷീണിക്കൂ)

VI. प्रत्येक वाक्य में रेखांकित शब्द के स्थान पर प्रयोग में आनेवाले तीन तीन शब्द दिये हैं। उन्हें लेकर तीन तीन वाक्य बनाइये ।

1. അവളുടെ കണ്ണുകളിൽ കവിത ഉണ്ട്. (സൗന്ദര്യം, അതിശയം, മോഹം)
2. അന്നു നന്നായി പഠിച്ച കുട്ടി ജയിച്ചു (തയ്യാറായ, വന്ന, എഴുതിയ)
3. പ്രകൃതിയുടെ ആരാധകനായ കവിയാണദ്ദേഹം. (ഉപാസകനായ, ഭക്തനായ, വിദ്യാർഥിയായ)
4. പണം ഉള്ള ആൾക്കാർ എത്ര പേർ ഉണ്ട് ? (വീട്, ജോലി, സ്നേഹം)
5. പണം വേണ്ട സമയത്ത് അയാൾ വരില്ല (വേണ്ടാത്ത, ഇല്ലാത്ത, ഉള്ള)

पढिए और समझिए

ഗൾഫ് മലയാളികൾ

തൊഴിൽ സാധ്യത കുറഞ്ഞ ഒരു രാജ്യത്തിൽ നിന്ന് വർധിച്ച തൊഴിൽ സാധ്യതയുള്ള രാജ്യങ്ങളിലേക്കുള്ള ആൾക്കാരുടെ പ്രയാണം പുതുമയുള്ള ഒരു കാര്യം അല്ല. പണ്ടൊക്കെ മലേഷ്യ, സിംഗപ്പൂർ ബർമ, സിലോൺ എന്നീ രാജ്യങ്ങളി ലേക്കായിരുന്നു ഇന്ത്യയിൽ നിന്നുള്ള ഈ പ്രയാണമെങ്കിൽ ഇക്കാലത്ത് അത് അധികവും എണ്ണപ്പാടങ്ങളുടെ നാടായ ഗൾഫ്നാടു കളിലേക്കാണ്. ഗൾഫിൽ എത്തി ച്ചേരുന്ന ഭാരതീയരിൽ എഴുപത്തിഅഞ്ച് ശതമാനത്തിലേറെയും കേരളീയരാണ്. ഇതിനുകാരണം പ്രധാനമായും കേരള ത്തിലെ തൊഴിലില്ലായ്മയാണ്. തൊഴിലില്ലായ്മ ഏതാണ്ട് രണ്ടു വിധത്തിലുള്ള വയാണെന്നു പറയാം. ഭാഗികമായതൊഴിലില്ലായ്മയും പൂർണമായ തൊഴി ലില്ലായ്മയും. ആദ്യത്തേത് ഏറെക്കുറെ കാർഷികരംഗത്തുള്ള ആൾക്കാരെ ബാധിക്കുന്ന ഒന്നാണെങ്കിൽ, രണ്ടാമത്തേത് വിദ്യാസമ്പന്നരായ ആൾക്കാരെ ബാധിക്കുന്ന കാര്യമാണ്.

നൂറുശതമാനം സാക്ഷരതയുള്ള, വ്യവസായ സംരംഭങ്ങൾ കുറഞ്ഞ കേരളത്തിൽ തൊഴിൽ രഹിതരായ എല്ലാപേർക്കും തൊഴിൽ ലഭിക്കാൻ സാധിക്കില്ല എന്നത് അതിശയകരമായ ഒന്നല്ല. ജോലിക്കു വേണ്ടി കാത്തിരുന്നു മടുക്കുന്ന കേരളീയന്റെ ആശ്രയം പിന്നെ ഗൾഫ് നാടുകളാണ്. എങ്ങനെയെങ്കിലും അവിടെ എത്തിച്ചേർന്നാൽ തന്റെ ശാരീരികവും, മാനസികവുമായ കഴിവുകളിലൂടെ അവൻ തന്റെ കുടുംബജീവിതം ഭദ്രമാക്കുന്നു. ഇതൊരു സാധാരണ ഗൾഫ് മലയാളിയുടെ ചിത്രം. എല്ലുമുറിയെ പണി എടുത്ത് പണം സമ്പാദിച്ചുകൊണ്ട് അവർ തിരിച്ചു വരുന്നു. അപ്പോൾ മാത്രമാണ് അവർക്ക് അംഗീകാരം കിട്ടുന്നത്.എന്നാൽ തുടക്കത്തിലേ ചതിയിൽ പെട്ടാൽ ജോലി ലഭിക്കാതെ തിരിച്ചുവരേണ്ടിവരും. അങ്ങനെയുള്ള നിർഭാഗ്യരായ ആൾക്കാരുടെ എണ്ണവും കുറവല്ല. അടുത്ത കാലത്തുണ്ടായ ഗൾഫ് യുദ്ധം തന്നെ ഉദാഹരണമായി എടുക്കാം. അനേകായിരം കേരളീയരുടെ ജീവിതങ്ങളിലാണ് ഇത് കനത്ത ആഘാതം ഏല്പിച്ചത്. നാട്ടിലുള്ളതെല്ലാം വിറ്റു പെറുക്കി മോഹങ്ങളുടെ കൂമ്പാരങ്ങളുമായി ഗൾഫ് നാടുകളിലേക്ക് പോയ മലയാളികളിൽ ഏറെ പ്പേരുടേയും സ്ഥിതി പരമ ദയനീയമായി. കേരളത്തിൽ ആകമാനം ദുഃഖത്തിന്റെ കരിനിഴൽ വീണു. അനേകം വീടുകളിൽ നിന്ന് തേങ്ങലുകൾ ഉയർന്നു. എന്തു നഷ്ടപ്പെട്ടാലും വേണ്ടില്ല തങ്ങളുടെ ഉറ്റവരേയും ഉടയവരേയും ജീവനോടെ കിട്ടിയാൽ മതി എന്നായിരുന്നു അവരുടെ പ്രാർത്ഥന. ഒടുവിൽ അവരുടെ പ്രാർത്ഥന സഫലമായി. സമ്പാദ്യമെല്ലാം നഷ്ടപ്പെട്ടെങ്കിലും ഗൾഫ് മലയാളികളിൽ ഭൂരിപക്ഷവും ജീവനോടെ തിരിച്ചെത്തി. പക്ഷേ അവരുടെ തിരിച്ചു വരവ് മറ്റൊരു പ്രതിസന്ധിയുടെ തുടക്കം മാത്രം ആയിരുന്നു. അത് കേരളത്തിന്റെ മാത്രമല്ല രാഷ്ട്രത്തിന്റെ തന്നെ സാമ്പത്തിക നില തകരാറിലാക്കി. വിദേശനാണ്യ ത്തിന്റെ ഒഴുക്കു നിന്നു. തൊഴിലില്ലായ്മയുടെ കരാളത രാഷ്ട്രത്തെത്തന്നെ പിടിച്ചു കുലുക്കി. ഗൾഫ് മലയാളികളുടെ തിരിച്ചുവരവോടെ കേരളത്തിലേക്കുള്ള വിദേശ നാണ്യത്തിന്റെ ഒഴുക്കും കുറഞ്ഞു.

സമാധാന കാംക്ഷികളായ മനുഷ്യരുടെ സുഗമമായ ജീവിതത്തിൽ യുദ്ധം എപ്പോഴും ഒരു വിലങ്ങുതടിയാണെന്ന് ഗൾഫിലെ സംഭവവികാസങ്ങൾ ലോകത്തെ ഒരിക്കൽകൂടി ഓർമിപ്പിച്ചു.

शब्दार्थ

തൊഴിൽ	उद्योग, पेशा	പണ്ട്	पुराने जमाने में
സാധ്യത	संभावना	എണ്ണപ്പാടം	तेल क्षेत्र
രാജ്യം	देश	എത്തിച്ചേരുക	पहुँचना
വർധിക്കുക	बढ़ना	ശതമാനം	प्रतिशत, शतमान

പ്രയാണം	प्रयाण, यात्रा	തൊഴിലില്ലായ്മ	बेरोज़गारी
പുതുമ	नयापन	ഭാഗികം	आंशिक
പൂർണം	पूर्ण	ഏറെ	बहुत
കാർഷികരംഗം	कृषि के क्षेत्र	പരമം	परम
ബാധിക്കുക	बाधा बन जाना	തേങ്ങൽ	लंबी साँस
വിദ്യാസമ്പന്നർ	विद्यासंपन्न	ഉയരുക	उठना
സാക്ഷരത	साक्षरता	അനേകം	अनेक
വ്യവസായം	व्यापार	നഷ്ടപ്പെടുക	नष्ट होना
സംരംഭം	स्थापन, आरम्भ	ഉറ്റവർ	बंधु मित्र
രഹിതർ	रहित	ഉടയവർ	रिशतेदार
മടുക്കുക	ऊब जाना	ആകമാനം	पूरा
ആശ്രയം	आश्रय	പ്രാർഥന	प्रार्थना
മാനസികം	मानसिक	കരിനിഴൽ	काली परछाई
ശാരീരികം	शारीरिक	സമ്പാദ്യം	कमाई
കഴിവ്	शक्ति	ഭൂരിപക്ഷം	बहुमत
ജീവിതം	जीवन	തിരിച്ചുവരവ്	वापस लौटना
ഭദ്രമാക്കുക	सुरक्षित करना	പ്രതിസന്ധി	संकट
എല്ല്	हड्डि	തുടക്കം	शुरु
പണിയെടുക്കുക	काम करना	രാഷ്ട്രം	राष्ट्र
അംഗീകാരം	अंगीकार	സാമ്പത്തികനില	आर्थिक स्थिति
തുടക്കം	शुरुवात, आरंभ	വിദേശം	विदेश
ചതി	धोखा	കരാളത	क्रूरता
ചതിയിൽ പെടുക	धोखा होना	ഒഴുക്ക്	प्रवाह
എത്തുക	पहुँचना	കാംക്ഷി	आकांक्षी
ലഭിക്കുക	प्राप्त होना	സുഗമം	सुगम
തിരിച്ചുവരുക	वापस लौटना	വിലങ്ങുതടി	प्रतिबंध
നിർഭാഗ്യർ	भाग्य हीन	ഓർമിപ്പിക്കുക	याद दिलाना
എണ്ണം	संख्या	കുറവ്	कमी
അടുത്ത	अगले	ഉദാഹരണം	उदाहरण
കനത്ത	भारी	ആഘാതം	आघात
വിററുപെറുക്കുക	बेच डालना	മോഹം	चाह, मोह

I. उत्तर दीजिए ।

1. പുതുമ ഇല്ലാത്ത കാര്യം ഏതാണ് ?
2. ഗൾഫ് നാടുകൾ എന്തിന്റെ നാടുകളാണ് ?
3. ഗൾഫുനാടുകളിൽ കൂടുതലായി വരുന്ന ആളുകളിൽ ഏതു നാട്ടുകാരാണ് കൂടുതൽ ?
4. ഇത്ര അധികം കേരളീയർ ഗൾഫിൽ പോകാൻ കാരണം എന്താണ് ?
5. കേരളത്തിൽ അധികം ആളുകൾക്ക് ജോലി നൽകാൻ സാധിക്കില്ല. എന്തുകൊണ്ട് ?
6. ഗൾഫ് മലയാളി എങ്ങിനെയാണ് തന്റെ കുടുംബജീവിതം ഭദ്രമാക്കുന്നത്?
7. എന്തു കഴിഞ്ഞാണ് മലയാളികൾ തിരിച്ചുവരുന്നത് ?
8. ചിലപ്പോൾ ഗൾഫ് മലയാളികൾക്കു തിരിച്ചുവരേണ്ടിവരും. എപ്പോൾ ?
9. എങ്ങിനെയാണ് ഗൾഫ് നാടുകളിലേക്ക് മലയാളികൾ പോയത് ?
10. കേരളത്തിൽ ദുഃഖത്തിന്റെ കരിനിഴൽ വീണതെപ്പോഴാണ് ?
11. അവരുടെ തിരിച്ചു വരവ് ഒരു പ്രതിസന്ധിയുടെ തുടക്കം തന്നെയായിരുന്നു. എങ്ങനെ ?
12. ഗൾഫ് യുദ്ധം നമ്മെ ഓർമിപ്പിച്ചത് എന്താണ്.?

II. दिए हुए शब्द युग्म के अनुसार उदाहरणों में से उचित शब्द युग्म चुन लीजिए ।

1. മോഹം - ആഗ്രഹം
   അഞ്ച് - ആറ്
   പ്രയാസം - വിഷമം
   ഉപ്പ് - മുളക്

2. വീട് - മുറി
   പേന - പെൻസിൽ
   കട - സാധനം
   ഞാൻ - നീ

3. വ[illegible]ിഞ്ഞ - വാടിയ
   താഴെ - മുകളിൽ
   ഇവിടെ - അങ്ങനെ
   തരം - വിധം

4. പൂവ് - പൂക്കൾ
   പണം - പൈസ
   ഇല - ഇലകൾ
   കുട്ടി - അച്ഛൻ

5. അത് - ഇത്
   എന്ന് - എന്ത്
   ഇവിടെ - അവിടെ
   ആണ് - ആയി

5. തയിര് - വെണ്ണ
   എണ്ണ - വെള്ളം
   തുണി - ഉടുപ്പ്
   അച്ഛൻ - അമ്മ.

III. मलयाळम में अनुवाद कीजिए ।

युद्ध हमेशा भयानक होता है । वास्तव में अब धर्म युद्ध नहीं होता । हम कुरुक्षेत्र के महान धर्मयुद्ध के विषय में जानते हैं । कितने नवयुवक मर गये ! ऐसे नवयुवक जिनका जीवन अभी शुरु हुआ था -- अभी खिलती हुई कलियाँ - उनको खिलने का अवसर नहीं मिला। रक्त की नदियाँ बह गईं। हजारों स्त्रियाँ जिनके पति मर गये चीख चीख कर चिल्ला रही थीं। जिनके पिता मर गये थे वे बच्चे आँसुओं की नदियाँ बहा रहे थे। वास्तव में कोई भी युद्ध नहीं जीतता। दोनों पक्षों के लोग मर जाते हैं, लेकिन जो दूसरों पर विजय पाना चाहते हैं वे हमेशा युद्ध केलिए कोई कारण ढूँढ़ लेते हैं । जो पाठ इतिहास ने पढाया है वे उसे भूल जाते हैं । वे युद्ध केलिए यह सोचकर तैयार होते हैं कि उनका युद्ध धर्मयुद्ध है और उनकी विजय धर्म की विजय ।

IV. इस पाठ में आए हुए പറഞ്ഞ കാര്യം, നടന്ന കഥ जैसे विविध क्रिया रूपों से बनि विशेषण का प्रयोग कर के किसी एक घटना का वर्णन कीजिए ।

टिप्पणियाँ

1. इस पाठ में क्रिया रूपों से बने विशेषण प्रयोगों (संबंधवाचक कृदंत) के वाक्यों का परिचय दिया गया है।

उदा :

(i) ഞാൻ പറഞ്ഞ കാര്യം ഓർമ്മയുണ്ടോ?
जो बात (मैं ने) कहा वह (तुम्हें) याद है?

(ii) ഗൾഫിന്നു വന്ന ഭാസ്കരന്റെ ജോലിക്കാര്യമാണോ ?
क्या तुम उस भास्करन की नौकरी के बारे में पूछते हो जो गलफ से आया ?

(iii) പണം ഇല്ലാത്ത അയാൾ എങ്ങനെ കച്ചവടം തുടങ്ങും ?
जिस आदमी के पास पैसा नहीं वह व्यापार कैसे शुरु करेगा ?

(iv) നീ പറയുന്ന കാര്യങ്ങൾ എനിക്കു മനസ്സിലാകുന്നില്ല ?
जो बातें तुम कहते हो वह मेरी समझ में नहीं आती ।

2. ऐसे संबंधवाचक कृदंत, क्रिया के वर्तमान और भूत रूपों में - അ प्रत्यय लगाकर बनाये जाते हैं । भविष्यत काल के चिन्ह - ഉം के बाद कोई प्रत्यय नहीं लगाया जाता ओर भविष्यत् काल के रूप ही संबंध वाचक कृदंत की तरह प्रयोग किया जाता है । परंतु ऐसे प्रयोग बहुत कम होते हैं। अक्सर वर्तमान काल के संबंध वाचक कृदंत ही भविष्यत् काल केलिए भी प्रयुक्त होते हैं ।

പാടുന്ന പെൺകുട്ടിയെ നിനക്കറിയാമോ ?
जो लड़की गाती है क्या तुम उस को जानते हो ?
या
जो लड़की गाती है क्या तुम उसको जानते हो ?
പാടിയ പെൺകുട്ടിയെ നിനക്കറിയാമോ ?
जिस लड़की ने गाया क्या तुम उसको जानते हो ?
നീ വരും കാര്യങ്ങളെപ്പറ്റി ആലോചിച്ചു സംസാരിക്കണം.
आनेवाली बातों के बारे में सोचकर तुझे बात करनी चाहिए ।

3.ऊपर लिखे संबंध बाचक कृदंत के निषेधात्मक रूप क्रिया में –ആത്ത लगाकर बनाये जाते हैं।
उदा :

ഞാൻ പറയാത്ത കാര്യം നീ എങ്ങനെ കേട്ടു ?
जो बात मैं ने नहीं कही तुम ने कैसे सुना ?
അയാൾ ആരേയും സഹായിക്കാത്ത ഒരുത്തനാണ്.
वह ऐसा आदमी है जो किसी की सहायता नहीं करता ।
ഞാൻ അറിയാത്ത കാര്യങ്ങളെപ്പറ്റി എന്നോടു ചോദിക്കണ്ട.
जो बातें मैं नहीं जानती उन के बारे में मुझे मत पूछिये ।

4. ആണ്, അല്ല, ഉണ്ട്, ഇല്ല, വേണം, വേണ്ട, പോര, വയ്യ जैसी क्रियाओं के संबधवाचक कृदंत विशेषण रूप क्रमशः ആയ, അല്ലാത്ത, ഉള്ള, ഇല്ലാത്ത, വേണ്ട, വേണ്ടാത്ത, പോരാത്ത और വയ്യാത്ത होते हैं ।

5. इस प्रकार के संबधवाचक कृदंतों (विशेषण रूपों) से बने वाक्यों का मलयाळम में बहुत प्रयोग होता है। मलयालम में ,सब से सुन्दर वर्णन इस संरचना के द्वारा किए जाते हैं क्योंकि बहुत लंबे वाक्य भी ऐसे कृदंतों के प्रयोग से उपवाक्य /वाक्यांश बन जाते हैं ।
उदा :

നീണ്ടു മെലിഞ്ഞ സുന്ദരിയായ ആ പെൺകുട്ടിക്ക് അറിയാത്ത കാര്യങ്ങൾ.

പാഠം 14
पाठ 14

ശക്തിസദനം
शक्तिसदन

അന്നമ്മ : അധ്വാനിക്കുന്നവർക്കും ഭാരം ചുമക്കുന്നോർക്കും അത്താണിയായുള്ളോനേ, കർത്താവേ യേശുനാഥാ!

प्रयत्न करनेवालों को और भार उठानेवालों को आश्रय देनेवाले महाराज ईसा मसीहा! ।

ലിസി : അന്നമ്മച്ചേടത്തിയെന്താ ഈ നട്ടുച്ചയ്ക്കും കർത്താവിനെ വിളിക്കുന്നത്?

अन्नम्मा दीदी, इस दोपहर को भी ईसा को क्यों पुकार रही हो ?

അന്നമ്മ : മാലോകരെ രക്ഷിക്കുന്നവനെ ഓർമിക്കാൻ സമയവും അസമയവും ഉണ്ടോ മോളേ? പോരെങ്കിൽ പെൻഷൻ പറ്റിയവർക്ക് ദൈവചിന്തയല്ലാതെ വേറെ ഒരു കാര്യം വേണോ?

बेटी, सभी की रक्षा करनेवाले को पुकारने केलिए क्या समय है और क्या असमय?वह भी नहीं, पेंशन पर रहनेवालों को ईश्वर की चिन्ता करने के अलावा और क्या चाहिए?

ലിസി : ദൈവചിന്തയ്ക്കു തുല്യമായി നമുക്ക് എന്തെല്ലാം കാര്യങ്ങൾ ചെയ്യാം ചേട്ടത്തി ! കഴിവുള്ളവർ കഴിവില്ലാത്തവരെ സഹായിക്കണ്ടേ? കഷ്ടപ്പെടുന്നവരെ സഹായിക്കുന്നത് ദൈവകാര്യം തന്നെ അല്ലേ? അയ്യോ ചേട്ടത്തി എന്റെ വാക്കു കേട്ടു ചിരിക്കുന്നോ?

दीदी, ईश्वर चिन्ता के समान हम क्या क्या कर सकते हैं !समर्थ लोगों को असमर्थों की सहायता करनी है न? पीडितों की सहायता करना ईश्वरीय कार्य है न?अरे दीदी, क्या आप मेरा कहना सुनकर हँस रही हो ?

അന്നമ്മ : ഞാനിപ്പോൾ എന്തുചെയ്യണമെന്നാണ് ലിസി പറയുന്നത്? കരഞ്ഞു കാണിക്കണോ ?

तुम कहती हो कि क्या मुझे इस समय रोना है ?

ലിസി : കോപിക്കാതെ ചേട്ടത്തീ, ഞാൻ ഗൗരവമേറിയ ഒരു കാര്യം പറയാൻ വന്നതാ. ചേട്ടത്തിക്കറിയാമോ, ഞങ്ങളിവിടെ ഒരു 'ശക്തിസദനം' തുടങ്ങിയ കാര്യം?

दीदी, क्रोध मत दिखाइए । एक गंभीर कार्य कहने केलिए मैं आयी थी। दीदी क्या आप जानती हैं कि हम ने यहाँ पर एक शक्तिसदनम शुरु किया है ?

അന്നമ്മ :	ശക്തി സദനമോ? എന്താണത്? ആരാണത് നടത്തുന്നവർ?	क्या शक्तिसदनम ? वह क्या है उसका संचालक कौन हैं ?
ലിസി :	ഡോക്ടർ റഷീദാ ബേഗം, ഇഞ്ചിനീയർ മാധുരീ ദേവി, വക്കീൽ ത്രേസ്യാ ജേക്കബ്, തുണിക്കട ഉടമസ്ഥ രേണു ഭാർഗവൻ തുടങ്ങിയവരാണ് ഇതിന്റെ പുറകിൽ. പിന്നെ എന്നെപ്പോലെ കുറേ ചെറുപ്പക്കാരും. കഴിഞ്ഞ രണ്ടു മാസമായി ചേട്ടത്തി ഇവിടെ ഇല്ലായിരുന്നല്ലോ? ചേട്ടത്തി വന്ന വിവരം അറിഞ്ഞയുടൻ ഞാൻ എത്തിയതാണ്.	डा.रषीदाबेगम, इंजनियर माधुरी देवी, वक्कील त्रेस्या जेकब, कपडे के दुकान की मालकिन रेणु भार्ग - वन आदि लोग हैं इसके पीछे। फिर मेरे जैसे कुछ युवा लोग भी। पिछले दो महीनों से आप यहाँ नहीं थी न? आप के आने का समाचार पाकर ही मैं यहीं आयी थी ।
അന്നമ്മ :	അതായത്, നമ്മുടെ നാട്ടിൻ പുറത്തും ഒരു മഹിളാസമാജം തുടങ്ങാൻ പോകുന്നു എന്ന്. അല്ലേ? ഈ വയസ്സുകാലത്ത് ഞാനും അതിൽ അംഗമാകണമെന്നോ? എന്റെ ലിസിക്കുട്ടീ എനിക്കിനി ഒരിടത്ത് സ്വൈരമായി ഒന്നിരിക്കണമെന്നുണ്ട്. ഓടാനും ചാടാനും പാടാനും ഒന്നും എനിക്കിനി വയ്യ.	इसका मतलब है कि हमारे गाँव में भी एक महिला समाज शुरू होने जा रहा है । ऐसा है ही न ? इस वृद्धावस्था में मुझे भी उसमें सदस्य बनना है, यही न? मेरी लिसी बैटी, अभी मुझे कहीं निश्चिन्त होकर कुछ विश्राम करना है। दौडना, कूदना गानास सब मुझ से नहीं होता ।
ലിസി :	ഓട്ടവും ചാട്ടവും പാട്ടും ഒക്കെയാണ് ഞങ്ങൾ ചെയ്യാൻ പോകുന്നതെന്ന് ചേട്ടത്തി എങ്ങനെ ഊഹിച്ചു? എന്നാൽ ഞാൻ പറയട്ടെ. ശക്തിസദനം സാധാരണ മഹിളാസമാജം ഒന്നുമല്ല. പാചക മത്സരം, ഫാഷൻ പരേഡ്, നായ്ക്കളുടെ പ്രദർശനം,വിനോദസഞ്ചാരം ഇതൊന്നും അല്ല ഞങ്ങളുടെ പരിപാടികൾ.	आपने कैसे अनुमान किया कि हम दौडने, कूदने और गाने जा रही हैं ? दीदी, अब मुझ बताने दीजिए। शक्तिसदनम एक साधारण महिला मोर्चा नहीं है। पकवान प्रतियोगिता, फैशन परेड, कुत्तों का प्रदर्शन, विनोदयात्रा इनमें कोई भी हमारे कार्यक्रम में नहीं है।
അന്നമ്മ :	പിന്നെ?	फिर?
ലിസി :	സ്ത്രീകളുടെയിടയിൽ അന്യായത്തിന്നിരയായവർ എത്രയോ പേരുണ്ട് ! അവരുടെ പ്രശ്നങ്ങൾക്ക് പരിഹാരം കണ്ടെത്താൻ സംഘടിതമായി ശ്രമി	स्त्रियों में अन्याय से पीड़ित कितनी हैं ? उनकी समस्याओं के समाधान ढूँढने हेतु संगठित प्रयत्न करने केलिए ही हम लोग इस संघ का

	ക്കാനാണ് ഈ സംഘം ഞങ്ങൾ രൂപീകരിക്കുന്നത്?	निर्माण कर रही हैं ।
അന്നമ്മ :	എന്നുവച്ചാൽ	अर्थात ?
ലിസി :	കുടുംബരംഗത്തും ഉദ്യോഗമണ്ഡലത്തിലും പല കാരണങ്ങളാൽ കഷ്ടപ്പെടുന്നവരെ അവരവരുടെ ശക്തി ഓർമിപ്പിച്ച് തന്റേടത്തോടെ സമൂഹത്തെ നേരിടാൻ തയ്യാറാക്കുന്നതാണ് ഞങ്ങളുടെ പരിപാടി?	घरेलू और नौकरी के क्षेत्र में अनेक कारणों से पीडित स्त्रियों को अपनी अपनी शक्ति की याद दिलाकर, धैर्य के साथ समाज से मुकाबला करने केलिए तैयार करना, यही हमारा कार्यक्रम है ।
അന്നമ്മ :	അപ്പോൾ പാശ്ചാത്യമാതൃകയിലുള്ള ഒരു സ്ത്രീവിമോചന സംഘടന. അല്ലേ?	तो पाश्चात्य उदाहरण के रूप में एक महिला मुक्ति मोर्चा है न?
ലിസി :	അല്ല. അവരെപ്പോലെ അടുക്കളയിൽ നിന്നുള്ള മോചനവും, വസ്ത്രധാരണരീതിയിലുള്ള സ്വാതന്ത്ര്യവും, പുരുഷന്മാരുടെ ദുശ്ശീലങ്ങൾ പകർത്താനുള്ള തന്റേടവും, ഒന്നും അല്ല നമ്മുടെ സ്ത്രീകൾക്ക് വേണ്ടത്.	नहीं। उन्हीं की तरह रसोई धर से मुक्ति, पहनावे में स्वतंत्रता और पुरुषों की बुरी आदतों का अनुकरण करना आदि कुछ भी हमारी स्त्रियों केलिए ज़रूरी नहीं है ।
അന്നമ്മ :	പന്നെ	फिर ?
ലിസി :	ശാരീരികമായ അവശതകൾ കൊണ്ടു മാത്രമാണ് പലപ്പോഴും സ്ത്രീകൾക്ക് കഷ്ടതകൾ അനുഭവിക്കേണ്ടിവരുന്നത്. ശാരീരിക അവശതയെ നീർവീര്യമാക്കാനുള്ള മാനസിക ശക്തി അവർക്കുണ്ടാകണം. അന്യായത്തെ ധൈര്യമായി നേരിടുന്നവരായിരിക്കണം സ്ത്രീകൾ. അല്ലാതെ പേടിച്ചോടുന്നവരായിരിക്കരുത്. കരാട്ടയോ, ജൂഡോയോ പഠിച്ചാൽ ശരീരാക്രമണത്തെ നേരിടാം. പക്ഷേ അന്യായങ്ങളെ ചെറുക്കുവാൻ മനോബലമാണ് വേണ്ടത്. സ്ത്രീകളിൽ	शारीरिक कमज़ोरियों के कारण ही शायद स्त्रियों को, ज्यादातर कठिनाइयों का सामना करना पडता है। शारीरिक शक्तिहीनताओं को समाप्त करने की शक्ति उन को चाहिए। स्त्रियों को अन्याय से हिम्मत के साथ मुकाबला करनेवाली होनी चाहिए।न कि भयभीत होकर दौडनेवाली होनी चाहिए। 'कराटे' या 'जूडो' के अभ्यास से शारीरिक आक्रमण का मुकाबला कर सकती है। लेकिन अत्याचारों से मुकाबला

	ആ മനോബലം ഉണ്ടാക്കിയെടുക്കാനാണ് ശക്തി സദനം ശ്രമിക്കുന്നത്.	करने केलिए मनोबल चाहिए। स्त्रियों में मनोबल पैदा करना ही शक्तिसदनम का लक्षय है ।
അന്നമ്മ :	കേട്ടിടത്തോളം എനിക്കും കാര്യങ്ങൾ ഇഷ്ടപ്പെട്ടു. ശരി, ഞാനും മോളുടെ കൂടെ വരാം. എവിടെയാണ് ഇതിന്റെ ഓഫീസ് ?	जितना मैं ने सुना मुझे भी कार्य पसन्द आया। ठीक है,मैं भी तुम्हारे साथ आऊँगी । इसका कार्यालय कहाँ है ?
ലിസി :	തൽക്കാലം വക്കീൽ ത്രേസ്യാജേക്കബിന്റെ വീട്ടിൽ. നാളെ ഞങ്ങൾ ഒരു യോഗം കൂടുന്നു. ഞാൻ നാളെ ഉച്ചക്കുശേഷം വന്ന് ചേട്ടത്തിയെ കൂട്ടിക്കൊണ്ടു പോകും. മൂന്നു മണിക്കകം ഞാനെത്തും. കേട്ടോ? അപ്പോഴേക്കും ചേച്ചി റെഡിയായിരിക്കണം. ഞാനിറങ്ങട്ടെ.	अपी तो वकील त्रेस्या जेकब के घर में । कल हम मीटिंग कर रही हैं । मैं कल दोपहर के बाद आकर आप को ले जाऊँगी । सुनिए तीन बजे के पहले मैं पहूँच जाऊँगी। उस समय तक दीदी, आपको तैयार रहना चाहिए ।
അന്നമ്മ :	ഇറങ്ങുന്നതിനു മുൻപ് അൽപ്പം നാരങ്ങാവെള്ളമെങ്കിലും കുടിച്ചിട്ട് പോ മോളേ.	बेटी, जाने के पहले ज़रा नींबू का पानी तो पीकर जाओ ।

शब्दार्थ

ശക്തി	शक्ति	അധ്വാനിക്കുന്നവർ	प्रयत्न करने वाले
ഭാരംചുമക്കുന്നോർ	भार लेने वाले	അത്താണി	आस्मानी
ആയുള്ളവൻ	जो वही	കർത്താവ്	ईसा
നട്ടുച്ച	मध्याह्न	മാലോകർ	लोग
ദൈവചിന്ത	ईश्वर विचार	തുല്യം	समान
തുണയ്ക്കുക	मदद करना	കടമ	कर्तव्य
ചിരിക്കുക	हँसना	കരയുക	रोना
ആക്ഷേപിക്കുക	निन्दा करना, मज़ाक उडाना	ഗൗരവം	गंभीरता
തുടങ്ങിയ	आदि	പുറകിൽ	पीछे
ചെറുപ്പക്കാർ	जवान लोग	വിവരം	जानकारी

മഹിളാസമാജം	महीला समाज	വയസ്സുകാലം	बूढापा
അംഗം	अंग	സ്വൈരം	स्वतंत्र
ഊഹിക്കുക	अनुमान करना	മത്സരം	प्रतियोगिता
നായ	कुत्ता	പ്രദർശനം	प्रदर्शन
അന്യായം	अन्याय	ഇര	शिक्कार
സംഘടിതം	संघटित रूप	രംഗം	अंक
ഉദ്യോഗം	काम	മണ്ഡലം	मण्डल
കാരണം	कारण	തന്റേടം	धीरज, अपनापन
സമൂഹം	समाज	പാശ്ചാത്യമാതൃക	पाश्चात्य नमूना
വിമോചനം	स्वतंत्रता	സംഘടന	संघटना
മോചനം	स्वतंत्रता, मोचन	പുരുഷൻ	पुरुष
ദുശ്ശീലം	बुरी आदत	പകർത്തുക	नकल करना
അവശത	बलहीनता	നിർവീര്യമാക്കുക	दुर्बल बनाना
സ്ത്രീ	स्त्री	കഷ്ടത	तकलीफ़
അനുഭവിക്കുക	अनुभव करना	ധൈര്യം	धीरज
നേരിടുക	मुकाबिला करना	ആക്രമണം	आक्रमण
ചെറുക്കുക	रक्षा करना	യോഗം	सभा, योग
ഉച്ച	मध्यान्ह		

अभ्यास

I. दिए गए वाक्यों का अभ्यास कीजिए ।

അവർ അധ്വാനിക്കുന്നവർ ആണ്.
അവർ ഭാരം ചുമക്കുന്നവർ ആണ്.
അവൻ അത്താണി ആയുള്ളവൻ ആണ്.
അവൻ മാലോകരെ രക്ഷിക്കുന്നവൻ ആണ്.
അവൾ കഴിവുള്ളവളാണ്.
അവൾ കഷ്ടപ്പെടുന്നവളാണ്.
അത് രസിക്കുന്നതാണ്
അത് രസിക്കുന്നവയാണ്.
അവ വേവുന്നവയാണ്.
അവ ഓടുന്നവയാണ്.

II. उदाहरण जैसे वाक्य बदलिए ।

उदा : അവൾ പഠിക്കുന്ന കുട്ടിയാണ്.
അവൾ പഠിക്കുന്നവളാണ്.

1. അവർ ജോലി ചെയ്യുന്ന ആളുകളാണ്.
2. അവൻ പാടുന്ന കുട്ടി ആണ്.
3. അവർ കഷ്ടപ്പെടുന്ന ആളുകൾ ആണ്.
4. അവൻ ഓടുന്ന പയ്യൻ ആണ്.
5. അവൾ നൃത്തം ചെയ്യുന്ന കുട്ടിയാണ്.
6. അവൾ പഠിക്കുന്ന കുട്ടി ആണ്.

उदा : അത് ഓടുന്ന ബസ് ആണ്.
അത് ഓടുന്നതാണ്.

1. അത് എഴുതുന്ന പേനയാണ്.
2. ഇത് വീഴുന്ന മരമാണ്.
3. അത് കരയുന്ന കുട്ടിയാണ്.
4. ഇത് ആടുന്ന പാവയാണ്.
5. അത് ജോലി ചെയ്യുന്ന യന്ത്രം ആണ്.

III. उदाहरण जैसे वाक्यों को जोडकर लिखिए ।

उदा : 1 അവൻ ഓടുന്നു.
അവനെ നിങ്ങൾക്കറിയാമോ?
ഓടുന്നവനെ നിങ്ങൾക്കറിയാമോ?

1. അവർ എഴുതുന്നു.
   അവർക്കു പുതിയ പേന വേണം.
2. അവൻ പഠിക്കുന്നു.
   അവനു പുസ്തകം കൊടുക്കൂ.
3. അവൾ കരയുന്നു.
   അവളെ നോക്കൂ
4. അത് കുറയുന്നു.
   അത് കൂട്ടാൻ ശ്രമിക്കണ്ടേ?
5. അവ വളരുന്നു.
   അവയെ ശ്രദ്ധിക്കണം.

उदा : 2 അവർ വന്നു.
അവരെ വിളിക്കണം.
വന്നവരെ വിളിക്കണം.

1. അവർ ഓർമിച്ചു .
   അവരോടു പറയണം.
2. അവൾ കേട്ടു.
   അവൾ വന്നു.
3. അവൻ അറിഞ്ഞു.
   അവൻ ഓടി എത്തി.
4. അത് പറന്നു.
   അത് ഞാൻ കണ്ടില്ല.
5. അവ പോയി.
   അവയെ ഞാൻ ശ്രദ്ധിച്ചില്ല.

IV. उदाहरण जैसे दिए हुए क्रियाओं से नये क्रियारूप बनाईए।

उदा : പറയുക - പറയുന്നവൻ, പറയുന്നവൾ, പറയുന്നവർ, പറയുന്നത്, പറയുന്നവ, പറഞ്ഞവൻ, പറഞ്ഞവൾ, പറഞ്ഞവർ, പറഞ്ഞത്, പറഞ്ഞവ, പറയാത്തവൻ, പറയാത്തവൾ, പറയാത്തവർ, പറയാത്തത്, പറയാത്തവ.

1. സംസാരിക്കുക 2. പുകഴ്ത്തുക 3. കേൾക്കുക 4. കാണുക 5. വരുക

V. सही शब्द चुन कर वाक्य पूरे कीजिए ।

1. സ്ത്രീകൾ --------- ആണ്. (കഷ്ടപ്പെടുന്നവർ, കഷ്ടപ്പെടുന്നവ, കഷ്ടപ്പെടുന്നവൻ)
2. കുട്ടികൾ --------- ആണ്. (കളിക്കുന്നവൾ, കളിക്കുന്നവർ, കളിക്കുന്നവൻ)
3. ജോലിക്കാരൻ --------- ആയിരുന്നു. (ജോലിചെയ്തവൻ, ജോലി ചെയ്തവൾ, ജോലിചെയ്യുന്നത്)
4. കാർ നന്നായി --------- ആണ്. (ഓടുന്നവ, ഓടുന്നവൻ, ഓടുന്നത്)
5. അവൻ --------- ആണ്. (സംസാരിക്കാത്തവൻ, സംസാരിക്കാത്തവൾ, സംസാരിക്കാത്തവർ).

VI. दिए गए क्रिया शब्दों के ठीक रूपों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए ।

1. പാട്ട് --------- എല്ലാവർക്കും ഇഷ്ടമാണ്. (കേൾക്കുക)
2. കുട്ടികൾ ------- ആണെങ്കിൽ സന്തോഷം തന്നെ (പഠിക്കുക)
3. അവൾ നന്നായി പാചകം ------ എന്നാണു ഞാൻ വിചാരിച്ചത്. (ചെയ്യുക)
4. എന്റെ കൂട്ടുകാർ എല്ലാം നന്നായി ജോലി ------- ആണ്. (ചെയ്യുക)
5. ഉത്തരം ---------- വീണ്ടും ചോദിക്കണോ? (പറയുക)

VII. ठीक तरह से मिलाकर पढिए और लिखिए ।

മാലോകരെ	പാടുന്നവർ
പാവങ്ങളോടു	പോകുന്നവർ
ചോറ്	കാണുന്നവർ
കഥകൾ	കുടിക്കുന്നവർ
കുട്ടികളെ	താമസിക്കുന്നവർ
പാട്ട്	ദയകാണിക്കുന്നവർ
വെള്ളം	പറയുന്നവർ
കാഴ്ച	രക്ഷിക്കുന്നവർ
തീർഥാടനത്തിനു	ഉണ്ണുന്നവർ
ഗ്രാമത്തിൽ	വളർത്തുന്നവർ

पढिए और समझिए

നമ്മൾ പുരുഷന്മാരോട്

അവൾ അബലയല്ലെന്ന്, അശരണയല്ലെന്ന്, അസ്വതന്ത്രയല്ലെന്ന് അവൾ ഇനിയും തിരിച്ചറിയുന്നില്ല. എല്ലാം സഹിക്കുന്നവളാണ് അവളെന്നും, എല്ലാം ക്ഷമിക്കുന്നവളാണ് അവളെന്നും, ജീവിത യാതനകളെല്ലാം സന്തോഷത്തോടെ ചുമക്കാൻ തയ്യാറുള്ളവളാണ് അവളെന്നുമൊക്കെ നമ്മൾ പുരുഷന്മാർ അവളോട് മുഖസ്തുതി പറഞ്ഞു. എന്നിട്ട് നമ്മുടെ ചുമതലകളും കൂടി അവളുടെ മേൽ നമ്മൾ കെട്ടിവച്ചു. അവളോടൊപ്പം ജീവിതയാതനകളെ സഹിക്കേണ്ടവരാണ് നമ്മളെന്നും,ഭാരങ്ങളെല്ലാം അവളോടൊപ്പം ചുമക്കേണ്ടവരാണ് നമ്മളെന്നും, നമ്മൾ സൗകര്യപൂർവ്വം മറന്നു. അവളാകട്ടെ തന്നേക്കാൾ വലിയ വിഴുപ്പു ഭാണ്ഡവും പേറി നൂറ്റാണ്ടുകളിലൂടെ സഞ്ചരിക്കുന്നു. ജീവിതമെന്ന നൂൽപ്പാലത്തിലൂടെ. അവൾ ഇവയെല്ലാം തന്റെ നിയോ ഗമായി പരിഗണിച്ചുവോ?

സ്ത്രീധനത്തിന്റെ പേരിലുള്ള നൂറ് നൂറ് അവഹേളനങ്ങൾ, പീഡനങ്ങൾ, കൊലപാതകങ്ങൾ ഇവയൊക്കെ നിത്യേന ഇവിടെ സംഭവിക്കുന്നത് നാം അറിയുന്നു.പ്രാകൃതമായ 'സതി' പോലും ചില ഇൻഡ്യൻ ഗ്രാമങ്ങളിൽ ഇക്കാലത്തും അരങ്ങേറു ന്നുണ്ട്. പെൺകുഞ്ഞുങ്ങളുടെ വധം, പെൺഭ്രൂണഹത്യ എന്നിങ്ങനെ മനുഷ്യക്കുരുതികൾ വേറെയും. എന്നിട്ടും ആർക്കും ഒരു ഭാവഭേദവുമില്ല. കാലത്തിനനുസരിച്ച് അവഹേളനങ്ങൾക്കും അടിച്ചമർത്തലുകൾക്കും പുതിയ പുതിയ മാനങ്ങൾ കൈവരുന്നു.

ഇത്രകാലം തന്റെ വേദനകളെ മൂടുപടങ്ങളിൽ ഒളിച്ചുവച്ചവൾക്ക് ഇനി എപ്പോഴാണ് മോചനം.? തന്റെ മോഹങ്ങളെ ഇത്രകാലം അകത്തളങ്ങളിൽ തഴുതിട്ടച്ചവൾക്ക് ഇനി എപ്പോഴാണ് സ്വാതന്ത്ര്യം?

ചോരയുടെയും കണ്ണീരിന്റെയും കദനകഥകൾ മാത്രമാണ് അവൾക്കു പറയാനുള്ളത്. അവൾ എന്നും ഭക്ഷണം പാകം ചെയ്യുന്നു. വെള്ളം കൊണ്ടു വരുന്നു, അഴുക്കു വസ്ത്രങ്ങൾ അലക്കുന്നു. വിറകു ശേഖരിക്കുന്നു. കുഞ്ഞുങ്ങളെ പെറ്റു വളർത്തുന്നു. വിലയില്ലാത്ത അധ്വാനത്തിന്റെ പട്ടിക ഇങ്ങനെ നീളുന്നു. കുടുംബത്തിന്റെയും സമൂഹത്തിന്റെയും അധികാരം എന്നും കൈയാളിയിട്ടുള്ളവർ നമ്മൾ മാത്രമാണ്. അവളെ നമ്മൾ എന്നും സ്നേഹം എന്ന അഭിനയത്തിലൂടെ വഞ്ചിക്കുന്നു. മൃഗതുല്യമായ ജീവിതം നമ്മൾ അവൾക്കു വിട്ടു കൊടുക്കുന്നു.

തന്റെ അടിമത്ത ബോധത്തിൽ നിന്ന് അക്ഷരാർഥത്തിൽ തന്നെ ശക്തിയുടെ പര്യായമാകാൻ അവൾ തയ്യാറാകട്ടെ. അപ്പോൾ അവളെ നമ്മൾ എങ്ങനെ സ്വീകരിക്കും? അവളോട് എങ്ങനെ പെരുമാറും ?

शब्दार्थ

അബല	अबला	അശരണ	अशरण, पराधीन
തിരിച്ചറിയുക	पहचानना	ക്ഷമിക്കുക	क्षमा करना
സന്തോഷത്തോടെ	खुशी के साथ	മുഖസ്തുതി	चापलूसी
വിഴുപ്പുഭാണ്ഡം	मैले कपडे का गठरी	പേറുക	भार वहन करना
നൂറ്റാണ്ട്	शताब्दी	നൂൽപ്പാലം	सूत का पुल
സ്ത്രീധനം	दहेज	അവഹേളനം	अवहेलना
പീഡനം	पीडन	കൊലപാതകം	खून
നിത്യേന	रोज	സംഭവിക്കുക	घटना, होना
പ്രാകൃതമായ	प्राकृत, अपरिष्कृत	സതി	सति
അരങ്ങേറുക	रंगमंच पर आना	അരങ്ങ്	रंगमंच
ഭാവഭേദം	भेद	അടിച്ചമർത്തൽ	दबाव डालना
വേദന	वेदना	മൂടുപടം	घूँघट
ഒളിച്ചുവയ്ക്കുക	छिपा कर रखना	പ്രതീക്ഷ	प्रतीक्षा
ചിത	चिता	എരിക്കുക	जलाना
സമാധാനം	शांति	അകത്തളം	अंदर का कमरा
തഴുതിടുക	ताला लगाना	ചോര	खून
കണ്ണീർ	आँसू	കദനം	कष्ट, दुख
ഭക്ഷണം	खाना, भोजन	പാകംചെയ്യുക	पकाना
അഴുക്ക്	कलंक, गंदगी	അലക്കുക	धोना
വിറക്	लकड़ी	ശേഖരിക്കുക	इकट्ठा करना
പെറുക	जन्म देना	വളർത്തുക	पालन करना
അധ്വാനം	कठिन परिश्रम	അധികാരം	अधिकार
കൈയാളുക	शासन करना	സ്നേഹം	स्नेह, प्रेम, प्यार
വഞ്ചന	वंचना	മൃഗം	जानवर
വിട്ടുകൊടുക്കുക	छोड देना	അടിമത്തം	गुलामी
ബോധം	बोध	അക്ഷരാർഥം	शाब्दिक अर्थ
പര്യായം	पर्याय	സ്വീകരിക്കുക	स्वीकार करना
പെരുമാറുക	बर्ताव करना		

अभ्यास

I. उत्तर दीजिए ।

1. പുരുഷന്മാർ സ്ത്രീകളോട് എന്തൊക്കെ മുഖസ്തുതിയാണ് പറയുന്നത്?
2. പുരുഷന്മാർ മറന്നകാര്യം എന്താണ്?
3. നൂറ്റാണ്ടുകളിലൂടെ സ്ത്രീ എങ്ങനെ സഞ്ചരിക്കുന്നു?
4. തന്റെ ജീവിതം എന്താണെന്നാണ് സ്ത്രീ പരിഗണിക്കുന്നത്?
5. സ്ത്രീയുടെ മേൽ എന്തൊക്കെയാണ് നമ്മുടെ നാട്ടിൽ സംഭവിക്കുന്നത്?
6. എന്തൊക്കെ കണ്ടിട്ടും ആർക്കും ഒരു ഭാവഭേദം ഇല്ല എന്ന് ലേഖകൻ എന്തുകൊണ്ടാണ് പറയുന്നത്?
7. പുതിയ പുതിയ മാനങ്ങൾ കൈ വരുന്നത് ഏതു രംഗത്താണ്?
8. എങ്ങിനെയാണ് സ്ത്രീയെ ചിതയിലെരിച്ചത്?
9. കുടുംബത്തിൽ വിലയില്ലാത്ത അധ്വാനമാണ് സ്ത്രീ ചെയ്യുന്നത്?
10. എന്തൊക്കെ വിലയില്ലാത്ത അധ്വാനമാണ് സ്ത്രീ ചെയ്യുന്നത്?
11. എങ്ങനെയാണ് പുരുഷന്മാർ സ്ത്രീകളെ വഞ്ചിക്കുന്നത് ?
12. പുരുഷന്മാർ സ്ത്രീകൾക്കു വിട്ടുകൊടുക്കുന്ന ജീവിതം ഏതു തരത്തിലാണ്?

II. पाठ भाग में आये हुए शब्द चुन लीजिए ।

അശരണ, അബല, അരങ്ങ്, ശക്തി, തർക്കം, ഭാണ്ഡം, നൂൽപ്പാലം, ചുമക്കുക, യാതന, പീഡനം, പാടം, ഭ്രൂണഹത്യ, അർഹിക്കുന്നവൻ, പിന്നോക്കക്കാർ, കുരുതി, പര്യായം, സ്വാതന്ത്ര്യം, വഞ്ചിക്കുക, സ്വീകരിക്കുക, സുഹൃത്ത്, തയ്യാർ, അപായം, അയവിറയ്ക്കൽ.

III. मलयाळम में अनुवाद कीजिए ।

जीवन में प्रत्येक सफल व्यक्ति के पीछे एक स्त्री होती है। यह बात हम हमेशा सुनते हैं । लेकिन स्त्री को कौन मानता है । ऐसे लड़के बहुत मिलते हैं जो कहते हैं कि माँ की देवी की तरह पूजा करनी चाहिए । लेकिन वैसे भी लडके हैं जो अपनी माँ को भूल जाते हैं। स्त्रियाँ चुपचाप दुःख सहती हैं । उनसे आशा की जाती है कि वे अपना दुःख किसी से न कहें। वे परिवार केलिए ही जीने केलिए बनी हैं। क्या कल भी ऐसा नहीं होगा। संसार में महिलाएँ चुप होकर उनके भाग्य को स्वीकार करना मानती हैं । वे इसलिए कहती हैं कि उनकी प्रशंसा करें, उनकी पूजा करें। परंतु वास्तविक जीवन में उनके साथ बहुत बुरा व्यवहार किया जाता हैं । अक्सर पुरुष ही स्त्रियों के प्रति क्रूर नहीं होते । बहुत ही स्त्रियाँ भी स्त्रियों के प्रति क्रूर होती हैं।

IV. स्त्रियों की स्थिति सुधारने केलिए आप की राय दस-पन्द्रह वाक्यों में लिखिए ।

टिप्पणियाँ

1.इस पाठ में क्रिया रूपोंसे बनी क्रियाविशेषणों को फिर संज्ञायें बनाने का परिचय दिया गया है।

അധ്വാനിക്കുന്ന	-	അധ്വാനിക്കുന്നവർ
जो कठिन प्रयत्न करते वे	-	कठिन प्रयत्न करनेवाले
പെൻഷൻ പറ്റിയ	-	പെൻഷൻ പറ്റിയവർ
जोनिवृत्ति प्राप्त किये	-	जो निवृत्त हुए
മരിച്ച	-	മരിച്ചവർ
मरे हुए	-	जो मर गए
തിന്ന	-	തിന്നവർ
जो खाया	-	जिन्हों ने खाये
വന്ന	-	വന്നവർ
जो आया	-	आये हुए

2. क्रियाविशेषणों से अन्यपुरुष सर्वनाम जोड़कर निम्न प्रकार के संज्ञायें बनाई जाती हैं ।

ഓടുന്ന + അവൻ	- ഓടുന്നവൻ	ഓടിയ + അവ	-	ഓടിയവ
ഓടുന്ന + അവൾ	- ഓടുന്നവൾ	ഓടാത്ത + അവൻ	-	ഓടാത്തവൻ
ഓടുന്ന + അവർ	- ഓടുന്നവർ	ഓടാത്ത + അവൾ	-	ഓടാത്തവൾ
ഓടുന്ന + അത്	- ഓടുന്നത്	ഓടാത്ത + അവർ	-	ഓടാത്തവർ
ഓടുന്ന + അവ	- ഓടുന്നവ	ഓടാത്ത + അത്	-	ഓടാത്തത്
ഓടിയ + അവൻ	- ഓടിയവൻ	ഓടാത്ത + അവ	-	ഓടാത്തവ
ഓടിയ + അവൾ	- ഓടിയവൾ			
ഓടിയ + അത്	- ഓടിയത്			

3. ആയ, അല്ലാത്ത, ഉള്ള, വേണ്ട, വേണ്ടാത്ത, പോരാത്ത, വയ്യാത്ത जैसे विशेषणों से भी संज्ञाए बनाई जाती हैं। वे इस प्रकार होती हैं ।

ആയ	- ആയവൻ, ആയവൾ, അയവർ, ആയത്, ആയവ
അല്ലാത്ത	- അല്ലാത്തവൻ, അല്ലാത്തവൾ, അല്ലാത്തവർ, അല്ലാത്തത്, അല്ലാത്തവ
ഉള്ള	- ഉള്ളവൻ, ഉള്ളവൾ, ഉള്ളവർ, ഉള്ളത്, ഉള്ളവ
ഇല്ല	- ഇല്ലാത്തവൻ, ഇല്ലാത്തവൾ, ഇല്ലാത്തവർ, ഇല്ലാത്തത്, ഇല്ലാത്തവ
വേണ്ട	- വേണ്ടവൻ, വേണ്ടവൾ, വേണ്ടവർ, വേണ്ടത്, വേണ്ടവ
വേണ്ടാത്ത	- വേണ്ടാത്തവൻ, വേണ്ടാത്തവൾ, വേണ്ടാത്തവർ, വേണ്ടാത്തത്, വേണ്ടാത്തവ
പോരാത്ത	- പോരാത്തവൻ, പോരാത്തവൾ, പോരാത്തവർ, പോരാത്തത്, പോരാത്തവ
വയ്യ	- വയ്യാത്തവൻ, വയ്യാത്തവൾ, വയ്യാത്തവർ, വയ്യാത്തത്, വയ്യാത്തവ.

4. क्रियाओं से बनी हुई निम्न संज्ञाओं को भी देखिए ।

ഓടുക	-	ഓട്ടം	दौडना	-	दौड
ചാടുക	-	ചാട്ടം	कूदना	-	कूद
പാടുക	-	പാട്ടം	गाना	-	गाना

इसी तरह दूसरे पाठों में क्रियाओं से बनी अन्य उदाहरण मिल सकते हैं जैसे नीचे दिए गए हैं। क्रिया रूप और उन से निर्मित संज्ञा रूपों के अर्थ विशेष पर ध्यान दीजिए ।

പഠിക്കുക	-	പഠിത്തം	पढना	-	पढाई
ചെല്ലുക	-	ചെലവ്	जाना	-	खर्च
ഉണ്ണുക	-	ഊണ്	खाना	-	खाना
എഴുതുക	-	എഴുത്ത്	लिखना	-	चिट्ठी
എരിയുക	-	എരിച്ചിൽ	जलना	-	जलन्
എരിയുക	-	എരിവ്	जलना	-	तेज़ी
അറിയുക	-	അറിവ്	जानना	-	जानकारी
പോകുക	-	പോക്ക്	जाना	-	जाना
ഇളകുക	-	ഇളക്കം	हिलना	-	हिलना
കുറിക്കുക	-	കുറിപ്പ്	नोट करना	-	नोट (लिखना - लिखाइ)
കുളിക്കുക	-	കുളി	नहाना	-	स्नान
കളിക്കുക	-	കളി	खेलना	-	खेल
ഉറങ്ങുക	-	ഉറക്കം	सोना	-	नीद

5. संज्ञा में आई (ആയി) जोड़कर क्रिया विशेषण भी बनाये जाते हैं ।

उदा :

സ്വൈരം + ആയി	-	സ്വൈരമായി	स्वतंत्रता से
സുഖം + ആയി	-	സുഖമായി	सुख से
സംഘടിതം + ആയി	-	സംഘടിതമായി	संघटित रूप से
നന്ന് + ആയി	-	നന്നായി	अच्छी तरह

പാഠം 15 पाठ 15

കേരളസന്ദർശനം — केरल दर्शन

രാമൻകുട്ടി :	ഇതിനു മുൻപ് എപ്പോഴെങ്കിലും ത്രിപാഠി കേരളത്തിൽ വന്നിട്ടുണ്ടോ?	त्रिपाठी, क्या इसके पहले कभी केरल आये थे ?
ത്രിപാഠി :	ഇല്ല. ഇതാദ്യമായിട്ടാണ് വരുന്നത്. തെക്കേ ഭാരതത്തിലെ ഒരു സ്ഥലവും ടി.വി.യിൽ അല്ലാതെ കണ്ടിട്ടില്ല.	नही, पहली बार आता हूँ। इसके पहले टी.वी.में छोड़कर दक्षिण भारत का कोई स्थान नहीं देखा है।
രാമൻകുട്ടി :	പിന്നെ മലയാളം പഠിച്ചതോ?	फिर मलयालम कैसे सीखा ?
ത്രിപാഠി :	ഉത്തർപ്രദേശ് സർക്കാരിന്റെ ഭാഷാ കേന്ദ്രത്തിൽ നിന്നാണ്. ഒരു കൊല്ലം ഞാൻ അവിടെ മലയാളം പഠിച്ചിട്ടുണ്ട്.	उत्तर प्रदेश सरकार के भाषा केन्द्र से सीखा हूँ। एक वर्ष वहाँ मैं ने मलयालम सीखा है ।
രാമൻകുട്ടി :	മലയാളം പഠിക്കണമെന്നും കേരളം കാണണമെന്നും ത്രിപാഠിക്കുതോന്നാൻ കാരണം എന്താണ്?	मलयालम पढना है और केरल देखना है, आपके ऐसा सोचने का क्या कारण है ?
ത്രിപാഠി :	കുട്ടിക്കാലം മുതലേ ഞാനും ചേച്ചിയും കേരളസ്തുതി കേട്ടാണ് വളർന്നത്. എന്റെ അച്ഛൻ ഒരു സംസ്കൃതപണ്ഡിതനായിരുന്നു. ആദിശങ്കരന്റെ ജന്മനാടായ കേരളത്തെപ്പറ്റി അച്ഛൻ ഞങ്ങൾക്ക് പല കാര്യങ്ങളും പറഞ്ഞുതന്നിട്ടുണ്ടായിരുന്നു.	बचपन से ही मैं और दीदी केरल की प्रशंसा सुनते हुए बडे हुए। मेरे पिताजी संस्कृत के एक विद्वान थे। पिताजी ने हम लोगों को आदि शंकराचार्य के जन्मस्थान केरल के बारे में विविध प्रकार की बातें बताई थीं ।
രാമൻകുട്ടി :	ഇവിടെ വരുന്നതിനു മുൻപ് താങ്കൾ അപ്പോൾ മലയാളപുസ്തകങ്ങൾ വായിച്ചിരിക്കും, ഇല്ലേ?	तब तो यहाँ आने के पहले आपने मलयालम की पुस्तकें पढी होंगी न?

ത്രിപാഠി	: ഉണ്ട്. കേശവദേവ്, പൊറ്റക്കാട്, തകഴി, ബഷീർ എന്നിവരുടെ പല പുസ്തകങ്ങളും ഞാൻ വായിച്ചി ട്ടുണ്ട്.	हाँ। केशवदेव, पोट्टक्काडु, तकषी, बषीर इन लोगों की अनेक पुस्तकें मैं ने पढी हैं ।
രാമൻകുട്ടി	: അപ്പോൾ കേരളത്തിൽ എത്തുന്നതിനു മുൻപുതന്നെ കേരളത്തെപ്പറ്റി ഒരു സാമാന്യബോധം സമ്പാദിച്ചിട്ടുണ്ട്. അല്ലേ?	तो केरल पहूँचने के पहले ही केरल के बारे में कुछ सामान्य जानकारी प्राप्त कर लिया है ना।
ത്രിപാഠി	: ഏതാണ്ട് ഒരു രൂപം മനസ്സിൽ ഉണ്ടായി രുന്നു. അതിപ്പോൾ വളരെ വ്യക്തമായി ട്ടുണ്ട്.	मेरे मन में इसका एक सामान्यचित्र था। वह अब बहुत स्पष्ट हो गया।
രാമൻകുട്ടി	: നിങ്ങൾ കേരളത്തിൽ ആദ്യം പോയത് എവിടെയാണ് ?	आप केरल में सबसे पहले कहाँ गये?
ത്രിപാഠി	: ഞങ്ങൾ കേരളത്തിൽ എത്തിയിട്ട് ഒരു മാസം കഴിഞ്ഞിരിക്കുന്നു. ബോംബെ യിൽ നിന്ന് കർണാടകയിലെ മംഗലാ പുരംവഴി കഴിഞ്ഞമാസം ആദ്യം കോഴി ക്കോട്ടു വന്നു. ഒരാഴ്ചക്കാലം ഞങ്ങൾ അവിടെ താമസിച്ചിരുന്നു.	हमें केरल आये हुए एक महीना हो गया। बंबई से कर्नाटक के मंगलूर से होकर पिछले महीने के आरंभ में कोषिक्कोडु आये। एक हफ़्ते केलिए हम वहाँ रहे थे ।
രാമൻകുട്ടി	: താമസത്തിനുള്ള ഏർപ്പാടൊക്കെ നേരത്തേ ചെയ്തിട്ടുണ്ടായിരുന്നോ?	क्या रहने का सारा इन्तज़ाम पहले से ही कर लिया था?
ത്രിപാഠി	: അതിനൊന്നും ഒരു വിഷമവുമില്ലായി രുന്നു. ലക്നൗവിൽ എന്റെ കൂടെ ജോലി ചെയ്യുന്ന രാഘവന്റെ സ്വന്ത സ്ഥലം ആണ് കോഴിക്കോട്. അയാളു ടെ കുടുംബവീട്ടിലാണ് ഞങ്ങൾ താമസിച്ചിരുന്നത്. എന്നെയും എന്റെ കുടുംബാംഗങ്ങളെയും അവർ എത്ര കാര്യമായിട്ടാണെന്നോ നോക്കിയിരു ന്നത് ? അവരുടെ ആതിഥ്യം വാസ്ത വത്തിൽ ഞങ്ങളെ അമ്പരപ്പിച്ചു എന്നു വേണം പറയാൻ.	उस केलिए कुछ कठिनाई नहीं थी। मेरे साथ काम करने वाले राघवन का निवासस्थान कोषिक्कोडु है। उनके पारिवारिक घर में ही हम रहे थे।क्या जानते हो कि मेरी और मेरे परिवार के देखरेख उन्होने कितनी अच्छी तरह की थी ? ऐसा कहना चाहिए कि सचमुच उन लोगों के आतिथ्य ने हमें आश्चर्य चकित कर दिया ।

രാമൻകുട്ടി	: കോഴിക്കോട് നിങ്ങൾ എന്തൊക്കെ കണ്ടു?	कोषिक्कोडु में आप लोगों ने क्या क्या देखा ?
ത്രിപാഠി	: വാസ്കോഡിഗാമ വന്നിറങ്ങിയ കാപ്പാട് കടൽത്തീരം കണ്ടു. പിന്നെ സാമൂതിരിമാരുടെ നഗരം മുഴുവൻ ചുറ്റിക്കറങ്ങിക്കണ്ടു. എന്നാൽ ഞങ്ങൾക്കൊരിക്കലും മറക്കാനാവാത്ത ഒരു അനുഭവം കോഴിക്കോട്ടുണ്ടായി. മലയാളസാഹിത്യലോകത്തിലെ സുൽത്താനായ വൈക്കം മുഹമ്മദ് ബഷീറിന്റെ വീട്ടിൽ പോയതായിരുന്നു.അതൊരു അലൗകിക അനുഭവമായിരുന്നു.	काप्पाडु समुद्र तट देखा जहाँ वास्कोडिगामा पहूँचा था।फिर सामूतिरियों के नगर को पूरा धूमकर देखा। लेकिन कोषिक्कोडु में हम कभी न भूलनेवाली एकघटना घटी। वह घटना थी- 'मलयालम साहित्य जगत का सुल्तान' वैक्कम मुहम्मद बषीरं के घर गए थे । वह एक अलौकिक अनुभव था ।
രാമൻകുട്ടി	: കോഴിക്കോട്ടു നിന്ന് പിന്നെ എങ്ങോട്ടായിരുന്നു യാത്ര?	कोषिक्कोडु से फिर किस ओर यात्रा हुई ?
ത്രിപാഠി	: പാലക്കാടുവഴി തൃശ്ശൂരിൽ എത്തി. പാലക്കാട്ടുജില്ലയിൽ മലമ്പുഴ അണക്കെട്ടു കണ്ടു. തൃശ്ശൂരിൽ ഒൻപതു ദിവസം ഞങ്ങൾ താമസിച്ചു. വടക്കുന്നാഥക്ഷേത്രം, തൃശ്ശൂർ മ്യൂസിയം, മൃഗശാല, സാഹിത്യഅക്കാദമി, പീച്ചി അണക്കെട്ട്, ചെറുതുരുത്തിയിലെ കലാമണ്ഡലം, ഗുരുവായൂരിലെ ശ്രീകൃഷ്ണസ്വാമിക്ഷേത്രം ഒക്കെ കണ്ടു. തൃശ്ശൂരിൽ എന്റെ പല മലയാളി കൂട്ടുകാരുടെ വീടുകളിലും ഞങ്ങളെ സ്വീകരിച്ച് സത്കരിച്ചിരുന്നു.	पालक्काडु से होकर तृश्शूर पहूँचे। पालक्काडु जिल के मलम्पुषा बाँध को देखा । तृश्शूर में नौ दिन तक रुके। वडक्कुमन्नाथ मन्दिर, तृश्शूर का संग्रहालय, चिडियाधर, साहित्य अकादमि, पीच्ची बाँध,चेरुतुरुत्ति का कलामण्डलम, गुरुवायूर के श्रीकृष्ण भगवान का मन्दिर आदि देखे। तृश्शूर के मेरे अनेक मलयाळी मित्रों के घरों में भी हमारा स्वागत सत्कार हुआ था ।
രാമൻകുട്ടി	: പിന്നെ?	फिर?
ത്രിപാഠി	: തൃശ്ശൂരിൽ നിന്നു ഞങ്ങൾ കൊച്ചിയിൽ എത്തി. അവിടെ തുറമുഖം, ജൂതപ്പള്ളി, ഒക്കെ കണ്ടിട്ട് പിറ്റേന്നു തന്നെ കോട്ടയത്തേക്കു തിരിച്ചു.	तृश्शूर से हम लोग कोच्ची पहूँचे। वहाँ बन्दरगाह, यहूँदियों के गिरजाधर सभी देखकर अगले दिन ही कोट्टयम केलिए चल पडे ।

രാമൻകുട്ടി :	അവിടുന്നു തേക്കടിയിലേക്കു പോയിരിക്കും, അല്ലേ?	वहाँ से तेक्कडी गये होंगे न?
ത്രിപാഠി :	അതേ. അഞ്ചുദിവസം ഞങ്ങൾ അവിടെ ചെലവഴിച്ചിരുന്നു. എന്റെ കുട്ടികൾക്കും ഭാര്യയ്ക്കും അവിടത്തെ താമസം വളരെ ഇഷ്ടപ്പെട്ടു. പ്രശാന്ത സുന്ദരമായഅന്തരീക്ഷം!കാടും തടാകവും ആനക്കൂട്ടവും ഒക്കെ ഞങ്ങളെ വെറേ ഏതോ ഒരു ലോകത്തിലേക്ക് കൊണ്ടുപോയി. ലക്നൗവിലെ തിരക്കിൽ നിന്ന് ഞങ്ങൾക്ക് മോക്ഷം കിട്ടിയത് തേക്കടിയിലായിരുന്നു. തേടിയ വള്ളി കാലിൽ ചുറ്റിയതുപോലെ ആയിരുന്നു തേക്കടിയിലെ അന്തരീക്ഷം ഞങ്ങൾക്ക് അനുഭവപ്പെട്ടത്.	हाँ। पाँच दिन तक वहाँ रहे थे। मेरे बच्चे और पत्नी को वहाँ रहना बहुत पसन्द आया। शान्त और सुन्दर वातावरण ! जंगल, झील और हाथियों के झुंड सभी हमें किसी और एक दुनियाँ में ले गये। लखनाऊ की भीड से हमें तेक्कडी में ही मुक्ति मिली थी । तेक्कडी का अनुभव हमें ऐसा लगा जैसे जिसकी तलाश में थी वही मिल गयी।
രാമൻകുട്ടി :	തേക്കടിയിൽ നിന്ന് നിങ്ങൾ നേരെ തിരുവനന്തപുരത്തേക്ക് വന്നോ?	क्या आप लोग तेक्कडी से सीधे तिरुवनन्तपुरम आये । हाँ ।
ത്രിപാഠി :	അതേ. ആലപ്പുഴ-കൊല്ലം വഴി മിനിഞ്ഞാന്നാണ് തിരുവനന്തപുരത്തേക്കു വന്നത്. ഇവിടെ ഇതിനകം ഞങ്ങൾ കോവളത്തും, പൊന്മുടിയിലും ഒക്കെ പോയി വന്നിരിക്കുന്നു. കോവളം കടൽത്തീരത്ത് ഭയങ്കര ആൾക്കൂട്ടം ആയിരുന്നു. നഗരത്തിലെ ശംഖിൻമുഖം കടപ്പുറം ആണ് ഞങ്ങൾക്ക് കൂടുതൽ ഇഷ്ടപ്പെട്ടത്. നഗരമധ്യത്തിലെ പത്മനാഭസ്വാമിക്ഷേത്രത്തിലെ പ്രശാന്തതയും ദേവചൈതന്യവും ഞങ്ങളെ വളരെ ആകർഷിച്ചു.	आलप्पुषा, कोल्लम से होकर परसों ही हम यहाँ आये थे। यहाँ अभी हम कोवलम, पोन्मुडी आदि जगहों पर हो आये। कोवलम सागर तटपर बडीभीड थी। तिरुवनन्तपुरम नगर का 'शंखिनमुखम' समुद्रतट ही ज़्यादा हमें पसन्द आया नगर के बीच के पद्‌मनाभस्वामी मन्दिर का शान्त वातावरण और देवचैतन्य ने हमें बहुत प्रभावित किया ।

രാമൻകുട്ടി :	ഇനി എത്ര ദിവസം കൂടി നിങ്ങൾ ഇവിടെ കാണും ?	अभी आप लोग और कितने दिन यहाँ रहेंगे?
ത്രിപാഠി :	മറ്റെന്നാൾ രാവിലെ ഞങ്ങൾ ഈ സമയം നഗരത്തോട് വിടപറഞ്ഞ് കഴിഞ്ഞിരിക്കും. വൈകുന്നേരം കന്യാകുമാരിയിൽ എത്തിയിട്ടുണ്ടാകും. അവിടെ നിന്നു നേരെ രാമേശ്വരം, മധുര മുതലായ സ്ഥലങ്ങളിലേക്കും പോകുന്നുണ്ട്.	परसों सबेरे इस समय तक हम लोग इस नगर से विदा ले चुकेंगे। शाम को कन्याकुमारी पहूँच गये होंगे। वहाँ से सीधे मदुरै, रामेश्वरम जैसे स्थानों पर भी जा रहे हैं ।

शब्दार्थ

തെക്ക്	दक्षिण	ഭാഷാകേന്ദ്രം	भाषाकेन्द्र
തോന്നുക	अनुमान करना, सोचना	കുട്ടിക്കാലം	बचपन
വളരുക	बडा होना	പണ്ഡിതൻ	पंडित
സാമാന്യബോധം	सामान्य बोध	വ്യക്തമാക്കുക	स्पष्ट करना
മാസം	महीना	ഏർപ്പാട്	प्रबंध
ആതിഥ്യം	आतिथ्य	അനുസരിക്കുക	अनुसरण करना
കടൽത്തീരം	समुद्र तट	മറക്കുക	भूलना
സത്കരിക്കുക	सत्कार करना	തുറമുഖം	बंदरगाह
ജൂതപ്പള്ളി	यहूदी धर्मवालों का मन्दीर	ക്ഷേത്രം	मंदिर
തിരിക്കുക	लौटना, यात्रा शुरु करना	ചെലവഴിക്കുക	खर्च करना
പ്രശാന്തം	प्रशान्त	സുന്ദരം	सुन्दर
അന്തരീക്ഷം	वातावरण	കാട്	कानन, वन
തടാകം	तटाक, झील	ആനക്കൂട്ടം	हाथियों का क्षुण्ड
തേടുക	ढूँढना	വള്ളി	लता
കാൽ	टाँग	ചുറ്റുക	घिरना
മധ്യം	मध्य	ദേവചൈതന്യം	देवचैतन्य
വിടപറയുക	विदा लेना		

I. नीचे दिए गए पूर्णकाल क्रिया के वाक्यों का अभ्यास कीजिए ।

1. ഞാൻ കേരളത്തിൽ ഇതിനു മുൻപും പോയിട്ടുണ്ട്.
2. ധാരാളം ആളുകൾ കേരളത്തിന്റെ പ്രകൃതി സൗന്ദര്യത്തെപ്പറ്റി വർണിച്ചിട്ടുണ്ട്.
3. കേരളത്തെപ്പറ്റി ഒരു കഥ വളരെ മുമ്പേ ഞങ്ങൾ കേട്ടിട്ടുണ്ടായിരുന്നു.
4. കേരളീയരുടെ ജീവിതത്തെപ്പറ്റി അവർ അവരുടെ അച്ഛനിൽ നിന്നു മനസ്സിലാക്കിയിരുന്നു.
5. അടുത്തമാസം ഞങ്ങൾ ഈ സമയം കേരളത്തിൽ പോയിട്ടുണ്ടായിരിക്കും.
6. കേരളത്തിൽ പോയി പത്തു പതിനഞ്ചു ദിവസത്തിനകം ഞങ്ങൾ മടങ്ങി വന്നിട്ടുണ്ടായിരിക്കും.
7. നിങ്ങളെ കാണാൻ ആരോ വന്നിരിക്കുന്നു.
8. നിങ്ങളെ കാണാൻ ആരോ വന്നിരുന്നു.
9. അച്ഛനോട് സംസാരിക്കാൻ ആരോ വന്നിരിക്കും.
10. അടൂരിന്റെ ഒരു സിനിമയും ഞാൻ ഇതു വരെ കണ്ടിട്ടില്ല.
11. അയാളുടെ ഒരു സിനിമയും ഞാൻ ഇതു വരെ കണ്ടിട്ടുണ്ടായിരുന്നില്ല.
12. അയാളുടെ ഒരു സിനിമയും ഞാൻ അന്നു കണ്ടിട്ടില്ലായിരുന്നു.
13. അയാളുടെ സിനിമ ഞാൻ കണ്ടിരിക്കും.
14. അയാളുടെ സിനിമ ഞാൻ കണ്ടിരിക്കില്ല.
15. അയാളുടെ സിനിമ അവൻ കണ്ടിട്ടുണ്ടായിരിക്കും.
16. അയാളുടെ സിനിമ അവൻ കണ്ടിട്ടുണ്ടായിരിക്കില്ല.

II. उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए ।

उदा :1. നിങ്ങൾ മലയാള പുസ്തകങ്ങൾ വായിച്ചോ?
നിങ്ങൾ മലയാള പുസ്തകങ്ങൾ വായിച്ചിട്ടുണ്ടോ?

1. നീ കവിത എഴുതിയോ?
2. അവൻ പാഠം പഠിച്ചോ?
3. രഘു ചോറുണ്ടോ?
4. രമണി പറഞ്ഞോ ?

उदा :2. അദ്ദേഹം നിങ്ങളെ ഓർമിച്ചോ?
അദ്ദേഹം നിങ്ങളെ ഓർമിച്ചിരുന്നോ?

1. അമ്മ പാചകം ഒക്കെ തീർത്തോ?
2. നീ പുസ്തകങ്ങളൊക്കെ കൊണ്ടുവന്നോ?
3. അവൻ കൈ കഴുകിയോ ?
4. മധുമതി പാട്ടു പാടിയോ ?

उदा :3. കുട്ടികൾ മൈതാനത്തിൽ കളിച്ചോ?
കുട്ടികൾ മൈതാനത്തിൽ കളിച്ചിരിക്കുമോ?

1. അവർ മരുന്നു കുടിച്ചോ?
2. അമ്മൂമ്മ ഇങ്ങനെ പറഞ്ഞോ?
3. അമ്മാവൻ മടങ്ങി എത്തിയോ?
4. ചേച്ചി കഥ എഴുതിയോ ?

उदा :4. എല്ലാവരും വരും.
എല്ലാവരും വന്നിരിക്കുന്നു.

1. ആളുകൾ പോകും.
2. ജോലിക്കാർ ചെയ്യും.
3. അച്ഛനമ്മമാർ പറയും.
4. കുട്ടികൾ ഓടും.

उदा :5. പലയിടത്തും അവർ തീർഥാടനം നടത്തിയിരുന്നു.
പലയിടത്തും അവർ തീർഥാടനം നടത്തിയിരിക്കും.

1. പരീക്ഷ നന്നായി എഴുതിയിരുന്നു.
2. കാര്യങ്ങൾ അവരെ ഓർമിപ്പിച്ചിരുന്നു.
3. രാവിലെ രോഗി മരുന്നുകുടിച്ചിരുന്നു.
4. അവൻ എല്ലാവരോടും ആ കാര്യം പറഞ്ഞിരുന്നു.

III. उदाहरण जैसे दिए हुए वाक्यों को निषेधात्मक रूपों में बदलिए ।

നിങ്ങളെപ്പോലെ ഒരാളെ ഞാൻ കണ്ടിട്ടുണ്ട്.
നിങ്ങളെപ്പോലെ ഒരാളെ ഞാൻ കണ്ടിട്ടില്ല.

1. ഈ സമയം അവർ കേരളത്തിൽ എത്തിയിരിക്കും.
2. പഠിച്ചവർ ജയിച്ചിട്ടുണ്ട്.
3. കഷ്ടപ്പെട്ടവർക്കു ഫലം കിട്ടിയിരുന്നു.
4. അച്ഛന്റെ സമ്പാദ്യം കൊണ്ടു ജീവിച്ചിരുന്നു.
5. മികച്ച പാട്ടുകാരൻ എന്ന ബിരുദം സമ്പാദിച്ചിരിക്കും.
6. അങ്ങനെയൊരു സംഭവം ഇവിടെ നടന്നിട്ടുണ്ടായിരുന്നു.
7. ഈ പരിപാടികളൊക്കെ അവർ നടത്തിയിരിക്കും.
8. ആഹാരം കഴിച്ച് വിശപ്പ് മാറ്റിയിട്ടുണ്ടായിരുന്നു.
9. വെള്ളം കുടിച്ചു ദാഹം തീർത്തിരിക്കുന്നു.
10. വേറെ വഴി കണ്ടിട്ടുണ്ട്.

IV. उचित शब्दों का प्रयोग कर के वाक्य पूरे कीजिए ।

1. ഞാൻ ഒരിക്കൽ അവളെ ----------
2. നിങ്ങൾ ഞങ്ങളെപ്പറ്റി ----------
3. എല്ലാവരും സദ്യ ------------
4. ലതികയുടെ കല്യാണം -----------
5. എന്നെ ആരാണ് ------------?
6. പാവങ്ങളോട് ദയ ---------------
7. ഊണു കഴിഞ്ഞു വെള്ളം ----------
8. നിങ്ങളെപ്പോലെ എത്രയോ പേരെ----
9. ഇതിനുമുൻപ് ആ വീട്ടിൽ ----------
10. അന്നൊന്നും ആരും എന്നോടു -----

V. उदाहरण जैसे दिए हुए क्रियाओं के नये रूप बनाइए ।

പഠിക്കുക -- പഠിക്കുന്നു
പഠിച്ചു
പഠിച്ചിട്ടുണ്ട്.
പഠിച്ചിട്ടുണ്ടായിരുന്നു.

പഠിക്കും	പഠിച്ചിട്ടുണ്ടായിരിക്കും.
പഠിക്കുന്നില്ല	പഠിച്ചിരിക്കുന്നില്ല.
പഠിച്ചില്ല	പഠിച്ചിട്ടില്ല / പഠിച്ചിട്ടില്ലായിരുന്നു.
പഠിക്കില്ല	പഠിച്ചിരിക്കില്ല / പഠിച്ചിട്ടുണ്ടായിരിക്കില്ല.

1. കേൾക്കുക 2. അന്വേഷിക്കുക 3. എത്തുക
4. അറിയുക 5. തരുക 6. കൊടുക്കുക.

VI. सही प्रकार मिलाकर वाक्य बनाइए ।

1. ഞാൻ കേരളത്തെപ്പറ്റി	അയാൾ നടത്തിയിട്ടുണ്ട്.
2. ആഘോഷസമയങ്ങളിൽ	തീർക്കാൻ ഏതു മന്ത്രി ശ്രമിച്ചിട്ടുണ്ട്.?
3. ശങ്കരക്കുറുപ്പിന്റെ കവിതകളിൽ	അയാളുടെ ഓർമ നശിച്ചിരുന്നു.
4. പല കച്ചവടങ്ങളും	തിരിച്ചു വന്നിരിക്കുന്നു.
5. അവൾ പാവങ്ങളെ	പല തീരുമാനങ്ങളും എടുത്തിട്ടു ണ്ടായിരുന്നു.
6. വയസുകാലത്ത്	ആളുകൾ ആടിപ്പാടി നടന്നിരുന്നു.
7. കമ്മിറ്റിയോഗത്തിൽ	എല്ലുമുറിയെ പണിയെടുത്തിരുന്നു.
8. ഗൾഫിൽ നിന്ന് എത്രയോപേർ	കേട്ടിട്ടുണ്ടായിരുന്നു.
9. നാട്ടിലെ തൊഴിലില്ലായ്മ	സഹായിച്ചു ജീവിതം ചെലവഴിച്ചിരുന്നു.
10. എല്ലാ ജോലിക്കാരും	നിരൂപകർ പുതിയ അർഥം കണ്ടിരിക്കുന്നു.

पढिए और समझिए

മൈസൂർ ഡയറി

ഈ സുന്ദര ദൃശ്യങ്ങൾ എത്രയോ സിനിമകളിൽ ഞാൻ കണ്ടിട്ടുള്ളതാണ്. പക്ഷേ ഇപ്പോഴാണു നേരിട്ടു കാണാനുള്ള ഭാഗ്യം കൈവന്നിരിക്കുന്നത്. മലയാളം പഠിച്ച എനിക്ക് കേരളം കാണാൻ അവസരം കിട്ടും എന്നറിയാമായിരുന്നു. പക്ഷേ കന്നഡനാടിന്റെ അഭിമാനമായ ഈ മൈസൂർ നഗരം കാണാൻ പറ്റും എന്നു സ്വപ്നത്തിൽ പോലും കരുതിയിരുന്നില്ല.

ഇപ്പോഴിതാ പഴയ മൈസൂർ രാജാക്കന്മാരുടെ കൊട്ടാരത്തിന്റെ മുമ്പിലാണ് ഞാൻ നിൽക്കുന്നത്. പ്രകാശത്തിൽ കുളിച്ചു നിൽക്കുന്ന ഈ കൊട്ടാരം എന്നെ ഒരു മായാപ്രപഞ്ചത്തിലേക്കു കൂട്ടിക്കൊണ്ടുപോയിരിക്കുന്നു. ഇവിടത്തെ ചുവരുകളിലേയും തൂണുകളിലേയും ചിത്രപ്പണികൾ എന്റെഭാവനയെ തൊട്ടുണർത്തുന്നു. വിശാല ഗംഭീരമായ ഇവിടത്തെ ദർബാർഹാളും സ്വർണ സിംഹാസനവും ഒക്കെ എന്നെ ഒരു രാജാവാക്കിമാറ്റിയിരിക്കുന്നോ?

ഇന്നലെ ഈ സമയം ഞാൻ ശ്രീരംഗപട്ടണത്തായിരുന്നു. മൈസൂർ വ്യാഘ്രം എന്ന പേരിൽ വിഖ്യാതനായ ടിപ്പുസൽത്താന്റെ തലസ്ഥാനമായ ആ പട്ടണം കാണാൻ നൂറുകണക്കിനു സഞ്ചാരികൾ വന്നു ചേർന്നിട്ടുണ്ടായിരുന്നു.. കാവേരി നദിയുടെ കൈവഴികൾ ഒന്നിക്കുന്ന കാവേരി സംഗമത്തിൽ മുങ്ങി കുളി ക്കാൻ പറ്റിയത് ഒരപൂർവ ഭാഗ്യമായിരുന്നു. ശ്രീരംഗപട്ടണത്തിൽ ടിപ്പു സുൽത്താ ന്റെ വേനൽക്കാലവസതിയായ ദരിയാ ദൗലത്ത് എന്നെ അവിടെ നിന്നു തൽക്കാല ത്തേക്കെങ്കിലും രണ്ടു മൂന്നു നൂറ്റാണ്ടു പുറകിലോട്ടു കൊണ്ടു പോയിരുന്നു.

ഇന്നലെത്തന്നെയാണു ഞാൻ ശ്രീരംഗപട്ടണത്തിനടുത്തുള്ള കാവേരിനദി യിലെ പക്ഷി കേന്ദ്രമായ രംഗനതിട്ടിലും പോയിരുന്നത്. ദൂരെദൂരെയുള്ള പലദേശങ്ങളിൽനിന്നു വന്നെത്തുന്ന പക്ഷികളെ ഞാൻ അവിടെകണ്ടു. പക്ഷികൾ നിറഞ്ഞ ആ തുരുത്തിനു ചുറ്റുമായി ഒരു തോണിയാത്രയും ഞാൻ നടത്തി. രംഗനതിട്ടിൽ നിന്നു നേരെ ഞാൻ പോയിരുന്നത് വിശ്വവിഖ്യാതമായ വൃന്ദാവൻ ഗാർഡനിലേക്കായിരുന്നു. നിറവും പ്രകാശവും കൂടി ഒരത്ഭുതലോകം തന്നെ അവിടെ സൃഷ്ടിച്ചിരുന്നു. പലനിറത്തിലും തരത്തിലും ഉള്ള പൂക്കളും, ആയിരമായിരം വൈദ്യുതി വിളക്കുകളും, ചെറുതും വലുതുമായ ഫൗണ്ടനുകളും അവിടെ സൗന്ദര്യ ത്തിന്റെ പ്രതീകങ്ങളായി തോന്നി. വൃന്ദാവൻ തോട്ടം കൃഷ്ണരാജസാഗർ അണ ക്കെട്ടിന്റെ മടിയിലാണ്. ആ അണക്കെട്ടിന്റെ ശില്പിയായ സർ.വിശ്വേശ്വരയ്യയ്ക്ക് ആധുനിക കർണാടകത്തിന്റെ ശില്പി എന്നാണ് ബിരുദം കൊടുത്തിരിക്കുന്നത്.

ഇന്ന് പകൽ സമയം മുഴുവൻ ഞാൻ മൈസൂർ നഗരത്തിനു പശ്ചാ ത്തലമായി കിടക്കുന്ന ചാമുണ്ഡിമലയിലും നഗരമധ്യത്തിലെ ജഗൻമോഹൻ ആർട്ട് ഗ്യാലറിയിലും ആണ് ചെലവഴിച്ചത്. ചാമുണ്ഡീമലയിലെ ദേവീക്ഷേത്രം ആയിരത്തോളം വർഷങ്ങൾ പഴക്കമുള്ളതാണ്. മഹിഷാസുരമർദ്ദിനിയായ ദുർഗ യാണ് ആ ദേവി. ജഗൻമോഹൻ ആർട്ട് ഗ്യാലറിയിലെ പല കൗതുകവസ്തുക്കളും ചിത്രശാലയിലെ ചിത്രങ്ങളും കാണികളുടെ മനം കവർന്നിരുന്നു. അവിടെ സുപ്രസിദ്ധ കേരളീയ ചിത്രകാരനായ രാജാരവിവർമ്മയുടെ ചിത്രങ്ങൾക്കു മാത്രമായി ഒരു ഗ്യാലറിതന്നെ നീക്കി വച്ചിട്ടുണ്ട്.

ഭവ്യമായ ഈ കൊട്ടാരം കണ്ടതോടുകൂടി ഇന്നലത്തെയും ഇന്നത്തെയും യാത്രക്ഷീണമൊക്കെ പമ്പകടന്നിരിക്കുന്നു. ഇവിടത്തെ സിൽക്കുഫാക്ടറിയും ചന്ദനത്തൈലഫാക്ടറിയും ഒക്കെ ഒന്നു ചുററിക്കാണാൻ നാളെ പോകുന്നുണ്ട്. അതിനുമുൻപ് സമയമുണ്ടെങ്കിൽ മൈസൂർ സർവകലാശാലയുടെ ആസ്ഥാനമായ മാനസഗംഗോത്രിയും അവിടെതന്നെ സ്ഥിതിചെയ്യുന്ന ഭാരതീയ ഭാഷാകേന്ദ്ര സ്ഥാപനവും കൂടി കണ്ടാൽ കൊള്ളാമെന്നുണ്ട്. അവയെപ്പറ്റി ഞാൻ കേട്ടിട്ടേ ഉള്ളൂ. എല്ലായിടത്തും ഒരോട്ട പ്രദക്ഷിണം നടത്തി മറ്റെന്നാൾ ഈ സമയം ഞാൻ ബാംഗ്ളൂരിൽ എത്തിയിട്ടുണ്ടായിരിക്കും.

शब्दार्थ

ദൃശ്യം	दृश्य	നേരിട്ട്	सीधे
കൈവരുക	हाथ में आना	അവസരം	अवसर
അഭിമാനം	अभिमान	കൊട്ടാരം	महल
പ്രകാശം	प्रकाश	കുളിക്കുക	नहाना
മായാപ്രപഞ്ചം	माया प्रपंच	കൂട്ടികൊണ്ടുപോകുക.	साथ ले जाना
ചുമര്	दीवार	തൂൺ	स्तंभ
ചിത്രപ്പണികൾ	चित्रों का काम	തൊട്ടുണർത്തുക	छू कर पहचानना
വിശാലം	विशाल	ഗംഭീരം	गंभीर
സിംഹാസനം	सिंहासन	രാജാവ്	राजा
മാറ്റുക	बदलना	ഇന്നലെ	कल (गए हुए)
വ്യാഘ്രം	बाघ	വിഖ്യാതൻ	विख्यात
തലസ്ഥാനം	राजधानी	പട്ടണം	शहर
സഞ്ചാരി	प्रवासी	കൈവഴി	नदी की शाखा, नाला
വേനൽക്കാലം	गर्मी, ग्रीष्म	പക്ഷികേന്ദ്രം	पक्षी केन्द्र
ദേശം	देश	തുരുത്ത്	छोटा द्वीप
ചുറ്റും	चारों तरफ	തോണി	नाव
വിശ്വവിഖ്യാതം	विश्व विख्यात	നിറം	रंग
തരം	प्रकार	അത്ഭുതം	अदभुत
സൃഷ്ടിക്കുക	सृष्टि करना	ആയുധം	आयुध, हथियार
വൈദ്യുതി	बिजली	വിളക്ക്	दीप
പ്രതീകം	प्रतीक	അണക്കെട്ട്	बाँध
മടി	गोद	ശില്പി	शिल्पी
ബിരുദം	पदवी	പകൽ	दिन
പശ്ചാത്തലം	पृष्ठ भूमि	പഴക്കം	प्राचीनता
കൗതുകവസ്തു	कौतुक चीज़	ചിത്രശാല	चित्रशाला
കേരളീയം	केरल से संबंधित		

अभ्यास

I. उत्तर दीजिए ।

1. എന്തു ഭാഗ്യമാണ് ലേഖകന് ഇപ്പോൾ കൈ വന്നിരിക്കുന്നത്?
2. മൈസൂർ നഗരത്തിന്റെ പ്രാധാന്യമെന്താണ് ?

3. മൈസൂർ കൊട്ടാരം ലേഖകനെ എവിടേക്കു കൂട്ടിക്കൊണ്ടു പോയിരിക്കുന്നു ?.
4. എന്തൊക്കെയാണ് ലേഖകനെ ഒരു രാജാവാക്കി മാറ്റിയിരിക്കുന്നത് ?
5. എന്താണ് ഒരപൂർവ ഭാഗ്യമായി ലേഖകൻ കരുതുന്നത് ?
6. ദരിയാ ദൗലത്തിന്റെ പ്രാധാന്യമെന്താണ്?
7. വൃന്ദാവൻ ഗാർഡൻസിൽ ഒരത്ഭുത ലോകം സൃഷ്ടിച്ചിരുന്നത് എന്താണ്?
8. വൃന്ദാവനിലെ സൗന്ദര്യപ്രതീകങ്ങൾ എന്തൊക്കെയാണ്?
9. എന്തു ബിരുദമാണ് വിശ്വേശ്വരയ്യയ്ക്കു കിട്ടിയത് ?
10. ജഗൻമോഹൻ ആർട്ടു ഗ്യാലറിയിൽ ആളുകളുടെ മനം കവരുന്ന കാഴ്ച ഏതാണ് ?
11. മാനസഗംഗോത്രിയിൽ കാണേണ്ടതെന്തൊക്കെ ?
12. മൈസൂരിൽ നിന്ന് ലേഖകൻ എങ്ങോട്ടേക്കാണു പോകുന്നത്?

II. नीचे दिए गए शब्दों में से जो शब्द आप ने पढे हैं उन को पहचानिए ।

നിറം,	നീലിമ,	ദൃശ്യം,	കൈവരിക്കുക,	കൈവഴി
ആദായം,	ഭംഗം,	പ്രതീകം,	പ്രഭാവം,	ചെലവാക്കുക,
ചീനക്കാർ,	വൈദ്യുതി,	വൈദ്യൻ,	വിരളം,	ചന്ദനത്തൈലം,
നന്ദനകാനനം,		ആരോമൽ,	തുരുത്ത്,	തുറുപ്പ്, തുറു.

III. मलयाळम में अनुवाद कीजिए ।

मै ने ऐसा सुन्दर स्थान अभी नहीं देखा है । मैं ने बहुत से गाँव देखे हैं पर यह तो विचित्र है । मैं यहाँ पहले नहीं आया था। मेरे एक मित्र ने जो लेखक हैं मुझे इस स्थान के विषय में बताया था। उसने मुझसे कहा था देखो तुमने संसार के सभी भागों में सैकडों स्थान देखे हैं, फ़िरभी मैं चाहता हूँ कि तुम इसको अवश्य देखो। यह एक विचित्र और प्रसन्नतापूर्ण अनुभव होगा। जानता हुँ कि वह झूठ नहीं बोलता। वह हमेशा ऐसे ही बातें करता है जिन के विषय में उसका पूरा विश्वास है कि वे अच्छी और सच हैं। इसलिए जब उसने छुट्टी केलिए इस स्थान को चुनने का सुझाव दिया तो मैं ने इस में कोइ संदेह नहीं किया। मै ने पहले ही कहा है कि मैं ने यह स्थान नहीं देखा है। अब मेरे यहाँ आने के बाद केवल १० दिन बीते हैं। गाँव के लोगों का मित्र बन गया हूँ। वे लोग इतने अच्छे और भोले हैं कि वे आपको अनुभव करते हैं कि वे आपके साथ सारी जिन्दगी रहे हैं। हरी पहाडियाँ, नीला आकाश, शान्त नदी, पुराने मंदिर आदी सभी चीज़ें यहाँ हैं जो इसे स्वर्ग बनाते हैं। लेकिन सबसे अच्छे यहाँ के देवता जैसे लोग हैं जिन के जैसा मैं ने पहले कभी नहीं देखा है ।

IV. आप के राज्य के किसी एक प्रेक्षणीय स्थान का वर्णन मलयाळम में कीजिए ।

टिप्पणियाँ

1. इस पाठ में വന്നിട്ടുണ്ട്, വന്നിട്ടുണ്ടായിരുന്നു, വന്നിട്ടുണ്ടായിരിക്കും, താമസിച്ചിരിക്കുന്നു, താമസിച്ചിരുന്നു, താമസിച്ചിരിക്കും. जैसी क्रियाओं के वाक्यों का परिचय दिया गया है। मलयाळम में ये पूर्ण काल के रूप हैं ।

2. पूर्ण काल के रूप कार्य की निम्न स्थितियों का बोध कराते हैं ।

(i) जब किसी निश्चित समय में कोई कार्य हो चुका होता है ।

अदा :

(1) ത്രിപാഠി ഇതിനുമുമ്പു കേരളത്തിൽ വന്നിട്ടുണ്ടോ /വന്നിരിക്കുന്നോ?
त्रिपाठी, क्या आप इस के पहने केरल में आये हैं?

(2) നിങ്ങളെപ്പോലെ ഒരാളെ ഞാൻ കണ്ടിട്ടില്ല / കണ്ടിരിക്കുന്നില്ല.
मैं ने आप की तरह एक आदमी को नहीं देखा है।

(ii) जब कोई कार्य विदूर भूत काल में हो चुका था ।

उदा :

(1) ഒരാഴ്ചക്കാലം ഞാൻ അവിടെ താമസിച്ചിരുന്നു / താമസിച്ചിട്ടുണ്ടായിരുന്നു
एक हफ्ते तक मैं ने वहाँ ठहरा था ।

(2) താമസിക്കാനുള്ള ഏർപ്പാടൊക്കെ നേരത്തെ തന്നെ ചെയ്തിരുന്നോ/ ചെയ്തിട്ടുണ്ടായിരുന്നോ
रहने का प्रबंध क्या पहले किया था?

(iii) जब कोई कार्य भविष्य में पूरा हो चुकेगा और चुका होगा ।

उदा :

(1) നാളെ ഈ സമയം ഞാൻ അവിടെ എത്തിയിരിക്കും/ എത്തിയിട്ടുണ്ടായിരിക്കും.
कल इस समय पर मैं वहाँ पहुँच चुका होगा ।

(2) നിങ്ങൾ തകഴിയുടെ ചെമ്മീൻ വായിച്ചിരിക്കും. /വായിച്ചിട്ടുണ്ടായിരിക്കും.
आप तकषि का चेम्मीन् पढा होगा ।

जैसे की ऊपर के उदाहरणों में दिखाया गया है पूर्ण वर्तमान, पूर्ण भूत तथा पूर्ण भविष्यत निम्न दो तरीकों से बनाए जाते हैं ।

(1) ഇരിക്കുക क्रिया के विभिन्न काल के रूपों को प्रधान क्रिया के भूतकाल के रूप में जोड़कर

उदा :

വന്ന്	+	ഇരിക്കുന്നു	-	വന്നിരിക്കുന്നു	आया है
വന്ന്	+	ഇരുന്നു	-	വന്നിരുന്നു	आया था
വന്ന്	+	ഇരിക്കും	-	വന്നിരിക്കും	आया होगा

(2) क्रिया के भूतकाल के रूप में ഇട്ടു + ഉണ്ട് / ഉണ്ടായിരുന്നു/ ഉണ്ടായിരിക്കും. जोडकर

उदा :

കണ്ട്	+	ഇട്ട്	+	ഉണ്ട്	–	കണ്ടിട്ടുണ്ട്	देखा है
കണ്ട്	+	ഇട്ട്	+	ഉണ്ടായിരുന്നു	–	കണ്ടിട്ടുണ്ടായിരുന്നു	देखा था
കണ്ട്	+	ഇട്ട്	+	ഉണ്ടായിരിക്കും	–	കണ്ടിട്ടുണ്ടായിരിക്കും	देखा होगा

4. पूर्णकाल के क्रियाओं का निषेधात्मक रूप नीचे लिखी गयी रीति में बनाई जाती हैं ।

വന്നിരിക്കുന്നു	–	വന്നിരിക്കുന്നില്ല.
വന്നിരുന്നു	–	വന്നിരുന്നില്ല.
വന്നിരിക്കും	–	വന്നിരിക്കില്ല /വന്നില്ലായിരിക്കും.
വന്നിട്ടുണ്ട്	–	വന്നിട്ടില്ല.
വന്നിട്ടുണ്ടായിരുന്നു	–	വന്നിട്ടില്ലായിരുന്നു / വന്നിട്ടുണ്ടായിരുന്നില്ല.
വന്നിട്ടുണ്ടായിരിക്കും	–	വന്നിട്ടില്ലായിരിക്കും.

5. पूर्णकाल के क्रियाओं के प्रश्नवाचक रूप थी -ഓ और -ഏ लगाकर बनाते हैं ।

വന്നിരിക്കുന്നു	–	വന്നിരിക്കുന്നോ
വന്നിരുന്നു	–	വന്നിരുന്നോ
വന്നിരിക്കും	–	വന്നിരിക്കുമോ
വന്നിട്ടുണ്ടായിരുന്നു	–	വന്നിട്ടുണ്ടായിരുന്നോ
വന്നിട്ടുണ്ടായിരിക്കും	–	വന്നിട്ടുണ്ടായിരിക്കുമോ
വന്നിരിക്കുന്നില്ല	–	വന്നിരിക്കുന്നില്ലേ
വന്നിരുന്നില്ല	–	വന്നിരുന്നില്ലേ
വന്നിരിക്കില്ല	–	വന്നിരിക്കില്ലേ
വന്നിട്ടില്ല	–	വന്നിട്ടില്ലേ
വന്നിട്ടുണ്ടായിരുന്നില്ല	–	വന്നിട്ടുണ്ടായിരുന്നില്ലേ
വന്നിട്ടുണ്ടായിരിക്കില്ല	–	വന്നിട്ടുണ്ടായിരിക്കില്ലേ.

6. पूर्ण भविष्यत् के रूप से अनुमान या संभाव्यता का बोध भी होता है ।

വന്നിരിക്കും	/ വന്നിട്ടുണ്ടായിരിക്കും.	आया होगा
പറഞ്ഞിരിക്കും	/ പറഞ്ഞിട്ടുണ്ടായിരിക്കും.	कहा होगा
എഴുതിയിരിക്കും	/ എഴുതിയിട്ടുണ്ടായിരിക്കും.	लिखा होगा

പാഠം 16
पाठ 16

വള്ളംകളി കണ്ടുകൊണ്ടിരിക്കുന്നു | नौका दौड देख रहे हैं ।

പണിക്കർ :	ചൗധരീ, സമയം നാലുമണിയായല്ലോ? നമ്മുടെ നമ്പ്യാരെ കണ്ടില്ലല്ലോ. അയാൾ ഇനി എപ്പോഴാണ് എത്താൻ പോകുന്നത്? ആർക്കറിയാം? എന്ത് ആലോചിച്ചുകൊണ്ടിരിക്കുന്നോ ആവോ?	चौधरी समय चार बज गए हैं। हमारे नंबियार को अभी तक नहीं देखा । वे कब आ रहे हैं? कौन जानता है? कि वे क्या सोच बैठे हैं ?
ചൗധരി :	മത്സരം തുടങ്ങുന്നതിനുമുൻപ് വരാതെ ഇരിക്കില്ല,തീർച്ച. എന്നോടേറ്റ കാര്യമാണ്. വാക്കുതെറ്റിക്കുന്നവനല്ല നമ്പ്യാർ.	खेल शुरू होने के पहले आए बिना नहीं रहेंगे।मुझको वचन दिया था। नंबियार वचन भंग करनेवाला नहीं है।
പണിക്കർ :	അതാ നോക്കൂ, ചൗധരീ, മത്സരത്തിൽ പങ്കെടുക്കാൻ പോകുന്ന വള്ളങ്ങൾ അതാതിന്റെ ട്രാക്കുകളിലേക്ക് നീങ്ങിക്കൊണ്ടിരിക്കുന്നു. കളി തുടങ്ങാൻ ഇനി അധികം താമസമില്ല. ഭാരവാഹികൾ അങ്ങോട്ടും ഇങ്ങോട്ടും ഓടിക്കൊണ്ടിരിക്കുന്നത് കണ്ടില്ലേ? മുഖ്യാതിഥികൾ ഓരോരുത്തരായി തങ്ങളുടെ ഇരിപ്പിടം അലങ്കരിച്ചുകഴിഞ്ഞു.	वह देखो, चौधरी, खेल में भाग लेनेवाली नौकाएँ अपने अपने ट्रैक पर जा रही है।खेल शुरू होने को अधिक देर नहीं हैं। अधिकारिगण इधर उधर दौड रहे हैं ।देख रहे हो न ? प्रधान अतिथि लोग अपने अपने स्थान पर पधार चुके हैं ।
ചൗധരി :	ഹോ! എന്തൊരാൾക്കൂട്ടം! സൂചി കുത്താൻ ഇടമില്ല. ആൾക്കാരുടെ തള്ളിക്കേറ്റം ഇങ്ങനെ തുടർന്നുകൊണ്ടിരിക്കുമോ പണിക്കർ.	अरे कितनी भीड है ! सुई डालने केलिए भी जगह नहीं हैं। क्या आगे भी भीड ऐसे ही प्रवेश करती रहेगी?
പണിക്കർ :	പിന്നെ? അവസാനംവരെയും ആളുകൾ തള്ളിക്കയറിക്കൊണ്ടിരിക്കും.	और क्या? अंत तक लोग ऐसे ही आते रहेंगे।

ചൗധരി	: നെഹ്റുട്രോഫിക്കു മാത്രമേയുള്ളോ ഈ തിരക്ക്?	क्या इतनी भीड़ केवल ' नेहरू ट्रोफी' के लिए ही है ?
പണിക്കർ	: അല്ലല്ല. ആറന്മുള, ചമ്പക്കുളം, എന്നിവിടങ്ങളിലെ വള്ളംകളികൾക്കും ആൾക്കൂട്ടം ഇങ്ങനെതന്നെ ഇരച്ചു കയറിക്കൊണ്ടിരിക്കും.	नहीं नहीं। आरन्मुला, चम्पंबक्कुलम जैसी नौका दौड के लिए भी भीड ऐसी ही आती रहेगी ।
ചൗധരി	: ദേ-നമ്മുടെ നമ്പ്യാരല്ലേ ഓടിക്കൊണ്ടു വരുന്നത്? നമ്പ്യാർ, ഇങ്ങോട്ടു വരണം. ഞങ്ങൾ എപ്പോഴേ തനിക്ക് ഇരിപ്പിടം പിടിച്ചുകൊണ്ടിരിക്കുന്നു.	देखिए,वह दौड़कर आनेवाले व्यक्ति नंबियार हैं न? नंबियार इधर आइए।हम कब से तुम्हारेलिए जगह लिए बैठे हैं ।
നമ്പ്യാർ	: ക്ഷമിക്കൂ. ഞാൻ അല്പം താമസിച്ചു പോയി.	क्षमा करें। मुझ से कुछ देर हो गई।
ചൗധരി	: ഇനിയും കളി ആരംഭിച്ചില്ലല്ലോ. ഭാഗ്യം!	भाग्य से खेल अभी भी नहीं शुरू हुआ है ।
പണിക്കർ	: അതാ നോക്കൂ. വള്ളങ്ങൾ മത്സരത്തിന് തയ്യാറായിക്കഴിഞ്ഞു.	वह देखिए, नौकाएँ खेल केलिए तैयार हो गई हैं ।
ചൗധരി	: ഏതൊക്കെ വള്ളങ്ങളാണ് മത്സരത്തിന് അണിനിരന്നിരിക്കുന്നത്?	कौन कौन सी नौकाएँ खेल केलिए अलंकृत हो रही हैं?
നമ്പ്യാർ	: ചുണ്ടൻ വള്ളങ്ങൾ, ചുരുളൻ, ഓടി വള്ളങ്ങൾ, കൊതുമ്പുവള്ളങ്ങൾ എല്ലാം ഉണ്ട്.	चुण्डन नौकाएँ, चुरुळन नौकाएँ कोटी नौकाएँ कोतुम्बु नौकाएँ सभी हैं ।
ചൗധരി	: വള്ളങ്ങൾ ഒക്കെ കാണാൻ എത്ര ഭംഗിയായിരിക്കുന്നു ! കരവിരുതോടെ എല്ലാം അലങ്കരിച്ചിട്ടുണ്ട്, അല്ലേ? ഒരു വള്ളത്തിൽ ഏകദേശം എത്ര ആളുകൾ ഉണ്ടായിരിക്കും ?	सभी नावें देखने में कितनी सुन्दर है !कितनी सुन्दर ढंग से सब सजी हुई हैं न ? एक नाव में लगभग कितने आदमी रहेंगे ?
പണിക്കർ	: എൺപതോളം ആൾക്കാർ ഉണ്ടായിരിക്കും. പക്ഷേ വള്ളം നിയന്ത്രിച്ചുകൊണ്ടിരിക്കുന്നത് അമരക്കാരനായിരിക്കും.	करीब अस्सी लोग रहेंगे। लेकिन नावों को नियंत्रित करने वाला कर्णधार होगा ।

നമ്പ്യാർ	: ഒരേ പോലത്തെ വേഷം ഇട്ട് തുഴച്ചിലുകാർ അങ്ങനെ ഒരേ താളത്തിൽ തുഴഞ്ഞു കൊണ്ടിരിക്കുന്നതു കാണാൻ എന്തൊരു ഭംഗിയാണ്! ദൂരെനിന്ന് നോക്കിയാൽ ഒരു അരയന്നം നീന്തി കൊണ്ടിരിക്കുന്നതാണെന്നേ തോന്നൂ. കണ്ടുകൊണ്ടേ ഇരിക്കാൻ തോന്നും.	एक ही तरह के वेश पहने हुए नाविकों का एक ही ताल और लय में देखेने का दृश्य कितना सुन्दरहै। दूर से देखने पर ऐसा लगेगा कि एक हंस तैर रहा है । ऐसा लगेगा कि देखते ही रहें ।
പണിക്കർ	: കണ്ടാലും കണ്ടാലും മതി വരാത്ത കാഴ്ച.	बार बार देखने पर भी चाह न मिटनेवाला दृश्य ।
നമ്പ്യാർ	: ഹോ കളിയൊന്നുതുടങ്ങിയാൽ മതിയായിരുന്നു.	अरे इतना है कि खेल शुरू हो जाय ।
	അറിയിപ്പ്. ഇതാ മത്സരം തുടങ്ങിക്കഴിഞ്ഞു. ഒന്നാം ട്രാക്കിൽ ജവഹർ തായങ്കരി, രണ്ടാമത്തേതിൽ കാരിച്ചാൽ, മൂന്നാമത്തെ ട്രാക്കിൽ കാവാലം ചുണ്ടൻ എന്നിവയാണ് നിങ്ങളുടെ മുമ്പിലേക്ക് കുതിച്ചു വന്നുകൊണ്ടിരിക്കുന്നത്. ഇതാ നോക്കൂ കാവാലം ചുണ്ടൻ മറ്റുള്ളവയെ പിന്നിലാക്കിക്കൊണ്ട് മുന്നേറിക്കൊണ്ടിരിക്കുന്നു.	विज्ञापन। अब खेल शुरू हो गया है। जो-जो नाव आपकी ओर बढती आ रही है वे हैं पहले ट्रैक में जवाहर तायंकरी दूसरे में कारिच्चाल और चौ थे में कावालम चुण्डन । देखिए इधर देखिए कावालम चुण्डन अन्यनावों को पीछा करके बढती जा रही है ।
നമ്പ്യാർ	: ഇത്തവണ കാവാലം ചുണ്ടൻ തന്നെ ജയിക്കും തീർച്ച.	इस बार निश्चय ही कावालम चुण्डन जीतेगी ।
പണിക്കർ	: ഇല്ലില്ല. അതാ പാർഥസാരഥിയല്ലേ ഇപ്പോൾ മുന്നിൽ?	नहीं नहीं । पार्थसारथी अभी आगे है न ?
അറിയിപ്പ്	– കാവാലം ചുണ്ടനെ കടത്തിവെട്ടി പാർഥസാരഥി ഇതാ മുന്നോട്ടു കുതിച്ചുകൊണ്ടിരിക്കുന്നു. ഇല്ലില്ല ഇപ്പോൾ കാരിച്ചാലാണ് ലീഡു ചെയ്തുകൊണ്ടിരിക്കുന്നത്.	कावालम चुण्डन को पीछे करके अब पार्थसारथी आगे बढती जा रही हैं। नहीं नहीं अब कारीच्चाल आगे बढ रही है ।
പണിക്കർ	: എന്തായാലും പാർഥസാരഥി തന്നെ ജയിക്കും.	जो भी हो पार्थसारथी ही जीतेगी।

നമ്പ്യാർ	: ഒരിക്കലും ഇല്ല. കാവാലം ചുണ്ടൻ ട്രോഫി അടിച്ചെടുക്കും. ഒരു സംശയവും ഇല്ല. മുന്നോട്ട്, മുന്നോട്ട്.	कभी नहीं। कावालम चुण्डन ट्रोफी ले लेगी। कोई शक नहीं है । आगे आगे ।
അറിയിപ്പ്	– പാർഥസാരഥിയേയും, കാരിച്ചാലിനേയും പിന്നിലാക്കിക്കൊണ്ട്, അതാ കാവാലം ചുണ്ടൻ ഒന്നാം സ്ഥാനത്തേക്ക് മുന്നേറിക്കൊണ്ടിരിക്കുന്നു. തന്നെ. തന്നെ.അതാ കാവാലം തന്നെ ജയിച്ചു കഴിഞ്ഞു. കഴിഞ്ഞ വർഷത്തെ ജേതാക്കളായ പാർഥസാരഥിയെ തറ പറ്റിച്ചുകൊണ്ട് കാവാലംചുണ്ടൻ ഇതാ നെഹറുട്രോഫി കരസ്ഥമാക്കിക്കഴി. ഞ്ഞിരിക്കുന്നു	पार्थसारथी और कारीच्चाल को पीछे करके अब कावालम चुण्डन पहले स्थान की ओर बढती जा रही है। हाँ हाँ । कावालम ही सबसे आगे है। हाँ कावालम जीत गई है। पिछले साल की विजेता पार्थसारथी को हराकर कावालम चुण्डन ने नेहरू ट्रोफी हस्तगत कर लिया है।
നമ്പ്യാർ	: ഞാൻ അപ്പോഴേപറഞ്ഞില്ലേ കാവാലം തന്നെ ജയിക്കുമെന്ന്? ഇപ്പോഴെങ്ങനെയുണ്ട് ?	मैं ने पहले ही बताया न कावालम ही जीतेगी ? अब कैसे?
പണിക്കർ	: ശരി, ശരി സമ്മതിച്ചു. തന്റെ ഒരു കാവാലം ചുണ്ടൻ.	ठीक हैं । ठीक है। मान लिया तुम्हारा कावालम चुण्डन।
നമ്പ്യാർ	: ഇതെന്താ ചൗധരി താനൊന്നും മിണ്ടാതിരിക്കുന്നത് ?	क्यों चौधरीजी तुम कुछ भी नहीं बोल रहे हो ?
ചൗധരി	: ഞാൻ നിങ്ങളുടെ ആവേശം കണ്ടുകൊണ്ട് അങ്ങനെ ഇരിക്കുകയായിരുന്നു. എന്തൊരാവേശമായിരുന്നു നിങ്ങൾക്ക്! വള്ളം കളി കണ്ടുകൊണ്ടിരിക്കുന്ന അത്രയും തന്നെ രസകരമായിരുന്നു നിങ്ങളുടെ സംഭാഷണവും.	मैं तुम लोगों का जोश देखकर इस प्रकार बैठा था। कितना जोश !आप लोगों का वार्तालाप भी उतनी मज़ेदार जितना कि नौका दौड को देखना ।

शब्दार्थ

വള്ളംകളി	नौका दौड	ആലോചിക്കുക	सोचना
വാക്ക്	शब्द	തെറ്റിക്കുക	गलति करना
വാക്കുതെറ്റിക്കുക	वादा तोडना	തീർച്ച	निश्चय

പങ്കെടുക്കുക	भाग लेना	നീങ്ങുക	हिलना
താമസം	रहना, देर	ഭാരവാഹികൾ	जिम्मेदार
മുഖ്യാതിഥി	मुख्यातिथि	തങ്ങളുടെ	अपना अपना
അലങ്കരിക്കുക	अलंकार करना	ആൾക്കൂട്ടം	भीड़
സൂചി	सूई	തള്ളിക്കേറ്റം	भीड
തുടരുക	जारी रहना	അവസാനം	अवसान, अंतिम
ഇരച്ചുകയറുക	गूँज कर धुसना, भीड़ में धुसना	ഇരിപ്പിടം	आसन
ക്ഷമിക്കുക	क्षमा करना	താമസിക്കുക	देर होना
അണിനിരക്കുക	पंक्ति में आना	നിയന്ത്രിക്കുക	नियंत्रण करना
അമരക്കാരൻ	कर्णधार	തുഴച്ചിൽക്കാർ	नाविक
അരയന്നം	हंस	നീന്തുക	तैरना
കുതിക്കുക	उछलना	പിന്നിലാക്കുക	पीछे डालना
മുന്നേറുക	आगे बढना	ജയിക്കുക	जीतना
കടത്തിവെട്ടുക	पीछे डालना	തറ പറ്റിക്കുക	पराजित करना
കരസ്ഥമാക്കുക	स्तगि त करना	മിണ്ടാതിരിക്കുക	चुप होना
ആവേശം	जोश	രസകരം	मज़ेदार
സംഭാഷണം	वार्तालाप		

अभ्यास

I. नीचे दिए गए वाक्यों का अभ्यास कीजिए ।

1. ആളുകൾ വള്ളംകളി കണ്ടു കൊണ്ടിരിക്കുന്നു.
2. വള്ളങ്ങൾ വെള്ളത്തിൽ ട്രാക്കുകളിലേക്കു നീങ്ങിക്കൊണ്ടിരിക്കുന്നു.
3. ഭാരവാഹികൾ അങ്ങോട്ടും ഇങ്ങോട്ടും ഓടിക്കൊണ്ടിരിക്കുന്നു.
4. ആൾക്കാർ തള്ളിക്കയറിക്കൊണ്ടിരുന്നു.
5. ആൾക്കൂട്ടം ഇരച്ചുകയറിക്കൊണ്ടിരുന്നു.
6. കാണികൾ കൈ കൊട്ടിക്കൊണ്ടിരുന്നു.
7. കുട്ടികൾ കരഞ്ഞുകൊണ്ടിരിക്കും.
8. അമ്മൂമ്മമാർ കഥ പറഞ്ഞുകൊണ്ടിരിക്കും.
9. അച്ഛൻ ജോലി ചെയ്തുകൊണ്ടിരിക്കും.
10. ആളുകൾ വള്ളം കളികണ്ടുകൊണ്ടിരിക്കുന്നില്ല.

11. ആൾക്കാർ തള്ളിക്കയറിക്കൊണ്ടിരുന്നില്ല.
12. കുട്ടികൾ കരഞ്ഞുകൊണ്ടിരിക്കില്ല.
13. വള്ളങ്ങൾ ട്രാക്കിലേക്കു നീങ്ങിക്കൊണ്ടിരിക്കുന്നോ?
14. ആൾക്കാർ തള്ളിക്കയറിക്കൊണ്ടിരുന്നോ ?
15. കുട്ടികൾ കരഞ്ഞുകൊണ്ടിരിക്കുമോ?
16. ഭാരവാഹികൾ അങ്ങോട്ടും ഇങ്ങോട്ടും ഓടിക്കൊണ്ടിരിക്കുന്നില്ലേ ?
17. കാണികൾ കൈകൊട്ടിക്കൊണ്ടിരുന്നില്ലേ ?
18. അച്ഛൻ ജോലി ചെയ്തു കൊണ്ടിരിക്കില്ലേ ?

II. उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए ।

उदा : 1

ഞങ്ങൾ നിങ്ങൾക്കുവേണ്ടി ഇരിപ്പിടം പിടിക്കുന്നു.
ഞങ്ങൾ നിങ്ങൾക്കുവേണ്ടി ഇരിപ്പിടം പിടിച്ചുകൊണ്ടിരിക്കുന്നു.

1. ഇളം കാറ്റുവീശുന്നു. 2. കളി തുടങ്ങുന്നു.
3. വള്ളം അലങ്കരിക്കുന്നു. 4. കുട്ടി കളിക്കുന്നു.

उदा : 2

കുട്ടികൾ മത്സരത്തിനു തയ്യാറായി.
കുട്ടികൾ മത്സരത്തിനു തയ്യാറായിക്കൊണ്ടിരുന്നു.

1. പോലീസുകാർ ആളുകളെ നിയന്ത്രിച്ചു.
2. അച്ഛനമ്മമാർ കുട്ടികളോടു സംസാരിച്ചു.
3. പൊതു ജനങ്ങൾ കളക്ടറെ പുകഴ്ത്തി.

उदा : 3

നിങ്ങൾ എപ്പോഴും ആരോഗ്യത്തെപ്പറ്റി ആലോചിക്കും.
നിങ്ങൾ എപ്പോഴും ആരോഗ്യത്തെപ്പറ്റി ആലോചിച്ചുകൊണ്ടിരിക്കും.

1. അദ്ദേഹം പാവപ്പെട്ടവരെ സഹായിക്കും
2. നാളെ എല്ലാവരും പരീക്ഷ എഴുതും.
3. പ്രതീക്ഷ റേഡിയോ കേൾക്കും.
4. കുട്ടൻ എടുക്കും.

III. उदाहरण के अनुसार वाक्यों को उन के क्रियारूपों के अनुसार सामान्य वर्तमान, सामान्य भूत और सामान्य भविष्यत काल में बदलिए ।

उदा : 1 ചുണ്ടൻ വള്ളം മറ്റുവള്ളങ്ങളെ കടത്തി.വെട്ടിക്കൊണ്ടിരിക്കുന്നു.
ചുണ്ടൻവള്ളം മറ്റു വള്ളങ്ങളെ കടത്തിവെട്ടുന്നു.
ചുണ്ടൻ വള്ളം മറ്റു വള്ളങ്ങളെ കടത്തിവെട്ടി.
ചുണ്ടൻ വള്ളം മറ്റു വള്ളങ്ങളെ കടത്തി വെട്ടും.

1. കൊച്ചു കുട്ടികൾ അമ്മയെ കണ്ടുചിരിച്ചുകൊണ്ടിരിക്കുന്നു.
2. കേരളം സഞ്ചാരികളുടെ മനം കവർന്നുകൊണ്ടിരിക്കുന്നു.
3. നിൽക്കാതെ മഴ പെയ്തു കൊണ്ടിരുന്നു.
4. ആളുകൾ നേതാവിനെ തേടിക്കൊണ്ടിരിക്കും.
5. എല്ലാവരും ആഹാരം കഴിച്ചുകൊണ്ടിരിക്കും.

IV. वार्तालाप के आधार पर उत्तर दीजिए ।

1. ആരൊക്കെയാണ് വള്ളംകളി കണ്ടുകൊണ്ടിരിക്കുന്നത് ?
2. മുഖ്യാതിഥികൾക്ക് പ്രത്യേകം ഇരിപ്പിടങ്ങൾ ഉണ്ടോ ?
3. ആളുകൾ എപ്പോൾ വരെ തള്ളിക്കയറിക്കൊണ്ടിരിക്കും ?
4. ഏതൊക്കെ വള്ളങ്ങളാണ് മത്സരത്തിൽ പങ്കെടുത്തുകൊണ്ടിരിക്കുന്നത് ?
5. വള്ളം നിയന്ത്രിച്ചുകൊണ്ടിരിക്കുന്നത് ആരാണ് ?
6. തുഴച്ചിലുകാർ വള്ളം തുഴയുന്നതുകണ്ടാൽ എന്തു തോന്നും ?
7. ഏതു വള്ളമാണ് കളിതുടങ്ങിയപ്പോൾ മുമ്പിൽ കയറിക്കൊണ്ടിരുന്നത് ?
8. അവസാനം ഏതു വള്ളമാണ് മത്സരത്തിൽ ജയിച്ചത് ?

V. वाक्यों के नीचे कोष्ठों में दिए हुए क्रियाओं से ठीक क्रिया के अपूर्ण काल का प्रयोग करके वाक्य पूरे कीजिए ।

1. എനിക്ക് ഒരിടത്ത് അടങ്ങിയിരിക്കാൻ പ്രയാസമാണ്. പക്ഷേ ഇന്നിതാ രണ്ടുമണിക്കൂറായി ഈ വള്ളം കളി --------------- .
2. ഒരിരിപ്പിന് ഇരുന്നെഴുതാൻ വലിയ പ്രയാസമാണ്. പക്ഷേ കഴിഞ്ഞ ഒരു മാസമായി ഞങ്ങൾ രാവിലെ മുതൽ വൈകുന്നേരം വരെ ------------------.
3. കളി തുടങ്ങിയിട്ടു മണിക്കൂറുകൾ കഴിഞ്ഞു, പക്ഷേ ആളുകൾ അവസാനം വരെ ---------------------.
4. കുഞ്ഞിന് എല്ലാം കൊടുത്തിട്ടാണ് അമ്മ പോയത്. പക്ഷേ അമ്മ പോയതു മുതൽ അവൻ ---------------------.
5. എനിക്കു മതപ്രസംഗം കേൾക്കാനേ ഇഷ്ടമില്ല. പക്ഷേ ഈ മഹാന്റെ പ്രസംഗം ഒന്നു രണ്ടു മണിക്കൂറായി. ------------------ .
6. പോലീസുകാർ വന്നെത്തിയിട്ടു നേരം കുറെയായി പക്ഷേ ആളുകൾ ഇപ്പോഴും --------------------- .
7. പത്തുവർഷം മുമ്പേ അയാൾ വീടു വയ്ക്കാൻ തുടങ്ങി, ഇപ്പോഴും അയാൾ വീടു -------------------- .
8. ഞാൻ പോയ സമയത്താണ് നിനക്ക് ആഹാരം തന്നത്. എന്നിട്ട് ഇതു വരെ നീ -------------- ?

9. സുഖമില്ലാത്തതു കാരണം അവധി എടുത്തു. എന്നിട്ടും ഓഫീസിൽ വന്ന് ജോലി ------------------ .

10. പുതിയ ആളുകൾ വന്നു കൊണ്ടിരുന്നു, പക്ഷേ പഴയ ആളുകൾക്കും അവർ സ്ഥാനം -------------- .

[കരഞ്ഞുകൊണ്ടിരിക്കുക, ചെയ്തുകൊണ്ടിരിക്കുക, ഓടികൊണ്ടിരിക്കുക, കണ്ടുകൊണ്ടിരിക്കുക, എഴുതിക്കൊണ്ടിരിക്കുക, കൊടുത്തുകൊണ്ടിരിക്കുക, വച്ചുകൊണ്ടിരിക്കുക, ചെയ്തുകൊണ്ടിരിക്കുക, വന്നുകൊണ്ടിരിക്കുക, കേട്ടുകൊണ്ടിരിക്കുക]

VI. उचित शब्दों से वाक्य पूरे कीजिए ।

1. പോലീസുകാർ കള്ളനെ ------------------.
2. എല്ലാവരും പുതിയ നാടകം കണ്ട് ------------.
3. എത്ര സമയമായി ഞാൻ നിന്നെ -------------.
4. രണ്ടു ദിവസമായി മഴ നിൽക്കാതെ ------------.
5. കളിയുടെ അവസാനം വരെ ആളുകൾ ---------.
6. പരീക്ഷാ സമയത്തും അവർ ടി.വി. ------------.
7. വീട്ടിൽപോലും അവർ ഹിന്ദിയിൽ -------------.
8. ആ സമയത്ത് ഞാൻ ആഹാരം ---------------.
9. അവർ എപ്പോഴും എന്തെങ്കിലും ---------------.
10. സദാസമയവും അവർ അദ്ദേഹത്തിനെ ----------.

VII. उचित रीति में वार्तालाप पूरा कीजिए ।

1. അമ്മ – രാധ എവിടെ, മോളേ ? രാവിലെ മുതൽ ഞാൻ അവളെ വിളിക്കുന്നു, ഈ ജോലി ചെയ്യാൻ .

വേണു – ....

അമ്മ –ഇങ്ങനെ റേഡിയോ കേട്ടുകൊണ്ടിരുന്നാൽ പരീക്ഷ പാസാകുന്നതെങ്ങനെ? പരീക്ഷയ്ക്കിനി ഒരു മാസമല്ലേ ഉള്ളൂ ?

വേണു – ....

അമ്മ –കഴിഞ്ഞ വർഷം ഫസ്റ്റുക്ലാസ് കിട്ടി എന്ന് പറഞ്ഞ് ഇത്തവണയും കിട്ടണമെന്നുണ്ടോ ?

വേണു – ....

അമ്മ –താൻപാതി ദൈവം പാതി എന്നല്ലേ? സ്വയം സഹായിക്കാത്തവരെ ദൈവം ഉണ്ടെങ്കിലും 'അവനവന്റെ കയ്യേ തലയ്ക്കു താങ്ങൂ' എന്നു പറയുന്നത് തികച്ചും സത്യമാണു മക്കളേ.

2. ജോസ് – ഷീലേ, ഞാൻ പറഞ്ഞകാര്യത്തെപ്പറ്റി നീ അച്ഛനോടും അമ്മയോടും സംസാരിച്ചോ ?

ഷീല – ....

ജോസ് – പേടിച്ചുകൊണ്ടിരുന്നാൽ കാര്യം നടക്കുമോ? അവർ നിനക്കു വേറെ പല കല്യാണങ്ങളും ആലോചിച്ചുകൊണ്ടിരിക്കുന്നു എന്നല്ലേ നീ പറഞ്ഞത്? എന്നിട്ടിങ്ങനെ പേടിച്ചു കൊണ്ടിരിക്കുന്നോ ?

ഷീല – ....

ജോസ് – ചേച്ചി വരുന്നതുവരെ നിന്റെ അച്ഛനമ്മമാർ കാത്തിരിക്കുമോ? അതിനകം എന്തെങ്കിലും തീരുമാനം അവർ എടുക്കില്ലേ ?

ഷീല –....... ....

ജോസ് – അങ്ങനെ തീർച്ച പറയാൻ പറ്റില്ല. എന്റെ കൂട്ടുകാരൻ ശ്രീകുമാരൻ പറഞ്ഞു നിന്റെ അച്ഛനും അവന്റെ അച്ഛനും കൂടി അവന്റെ ചേട്ടനു വേണ്ടി നിന്റെ കാര്യം സംസാരിച്ചുകൊണ്ടിരുന്നു എന്ന് അതാണ് എനിക്കിത്ര ധൃതി.

ഷീല – ....

पढिए और समझिए

ഞാൻ ഗ്രാമം കണ്ടു

വായിച്ചറിഞ്ഞ ഗ്രാമഭംഗിയും, കേട്ടറിഞ്ഞ തറവാടും എല്ലാം ഇന്നിതാ എന്റെ മുന്നിൽ! മനസ്സ് എന്നോട് മന്ത്രിച്ചുകൊണ്ടിരിക്കുന്നത് സത്യമാണെന്ന് എനിക്കു മനസ്സിലായി. അതേ താൻ ഭാഗ്യവാനാണ്. താൻ ഈ അനുഭവിച്ചു കൊണ്ടിരിക്കുന്നതും, കണ്ടുകൊണ്ടിരിക്കുന്നതുമായ എല്ലാം തന്നെ താൻ ഭാഗ്യവാനാണെന്നതിന്റെ ജീവനുള്ള ഉദാഹരണങ്ങളാണ്. താനീ ഗ്രാമവീഥിയിൽ കൂടി നടന്ന് നീങ്ങികൊണ്ടിരിക്കുന്നത് ഇവയൊക്കെ അടുത്തറിയാനാണല്ലോ.

കൊയ്ത്തുകഴിഞ്ഞ വയലുകളിൽ കുറേപ്പേർ കുട്ടിയും കോലും 'തലപ്പന്തും' ഒക്കെ കളിച്ചുകൊണ്ടിരുന്നു. കളിക്കാരുടെ ആർപ്പുവിളികളും കാഴ്ചക്കാരുടെ പൊട്ടിച്ചിരികളും അന്തരീക്ഷത്തിൽ മുഴങ്ങിക്കൊണ്ടിരുന്നു. കുറച്ചുനേരം അവിടെ ചെലവഴിച്ചു.

ഗ്രാമത്തിലെ കളികളിൽ തനിക്ക് ഏറ്റവും ഇഷ്ടപ്പെട്ടവ 'കുടുകുടുവും കിളിയൻ തട്ടു' കളിയുമാണ് ഇത്തരം കളികളൊക്കെ എല്ലാവരും മറന്നു തുടങ്ങിയോ? അതിന്റെ സാങ്കേതികവശങ്ങൾ മനസ്സിലാക്കാൻ ഏറെ പണിപ്പെട്ടു.

കളികൾ കണ്ടുകൊണ്ടിരുന്ന് സമയം പോയതറിഞ്ഞില്ല. മെല്ലെ നടന്നു. വഴി മധ്യേയുള്ള ചായപ്പീടികയുടെ വരാന്തയിൽ ആളുകൾ കൂട്ടംകൂടിയിരുന്ന് വർത്തമാനപ്പത്രം വായിച്ചുകൊണ്ടിരിക്കുന്നു. വായിക്കുന്നവരുടെ ഊഴം കഴിഞ്ഞ്

പേപ്പർ എടു ക്കാൻ ചിലർ കാത്തിരിക്കുകയായിരുന്നു. മറ്റുചിലർ കാര്യങ്ങൾ ചർച്ചചെയ്തു കൊണ്ടിചെയ്തുകൊണ്ടിരിക്കുന്നു. ഭക്ഷണം കഴിച്ചുകൊണ്ടിരി ക്കുന്നവർ ആരുമുണ്ടായിരുന്നില്ലെന്നു പറയാം.

മനസ്സ് അപ്പോഴും അനുഭവങ്ങളുടെ അളവുകോൽകൊണ്ട് ഗ്രാമങ്ങളും പട്ടണങ്ങളും തമ്മിലുള്ള ദൂരം അളന്നുകൊണ്ടിരിക്കുകയായിരുന്നു. ഗ്രാമീണരേയും ഗ്രാമത്തേയും കൂടുതൽ അറിയണം എന്ന് മനസ്സിൽ ചിന്തിച്ചുറച്ചു. അപ്പോഴാണ് കൊയ്ത്തുനടന്നുകൊണ്ടിരിക്കുന്ന വയലുകൾ എന്റെ ശ്രദ്ധയിൽപ്പെട്ടത്. അരിവാളും അരയിൽ തിരുകി, കൊയ്തെടുത്ത നെൽക്കതിരുകളും തലയിലേന്തി ആണുങ്ങളും പെണ്ണുങ്ങളും നടന്നുനീങ്ങിക്കൊണ്ടിരിക്കുന്നു. അപ്പോൾ അവ്യ ക്തമായ ഒരു ആനന്ദാനുഭൂതി എന്റെ മനസ്സിൽ അലയടിച്ചുകൊണ്ടിരുന്നു.

തറവാട്ടിൽ നിന്ന് ഒട്ടു ദൂരെയല്ലാതെ ഒഴുകുന്ന അരുവിയുടെ കളകളനാദം ചെവിയിൽ വന്നു തട്ടി മുഴങ്ങിക്കൊണ്ടിരുന്നു. തന്റെ പ്രിയനെതേടിയുള്ള യാത്ര യിലെ വിതുമ്പലാണോ ആ ശബ്ദം. എനിക്കു കവിത തോന്നി. ആ അരുവിയു മായി തനിക്കേന്തോ ഒരാത്മ ബന്ധമുണ്ട്. വീട്ടിലെ കൊട്ടിയമ്പലത്തിനടുത്തെ ത്തിയ ഞാൻ ഒരു കാര്യം മനസ്സിൽ ഉറപ്പിച്ചു. ഇനിയും ഞാനിവിടെ വരും. സന്ദർശകനായല്ല. എന്റെ ഗ്രാമത്തിൽ സ്ഥിരതാമസക്കാരനായി.

शब्दार्थ

തറവാട്	पारिवारिक /कुल गृह	മന്ത്രിക്കുക	मत्रंणा करना
സത്യം	सत्य	ഭഗവാൻ	भगवान
വീഥി	वीथि	കൊയ്ത്ത്	फसल काटना
കുട്ടിയുംകോലുംകളി	गुल्ली दंण्ड	തലപ്പന്ത്	केरल के एक प्रकार का गेंद खेल
ആർപ്പുവിളികൾ	संतोष से चिल्लाना	കാഴ്ചക്കാർ	देखने वाले
പൊട്ടിച്ചിരി	हँसी	കുടുകുടു	खो खो खेल
കിളിയൻതട്ട്	खो खो जैसा खेल	സാങ്കേതികവശം	तकनीकी की अंश
വർത്തമാനപ്പത്രം	समाचार पत्र	ഊഴം	बारी
ചർച്ചചെയ്യുക	चर्चा करना	കാത്തിരിക്കുക	प्रतीक्षा करना
അളവുകോൽ	नापने का स्केल,	അളക്കുക	नापना
ഗ്രാമീണർ	ग्रमीण	നടക്കുക	चलना
ശ്രദ്ധയിൽപെടുക	ध्यान में आना	അരിവാൾ	हँसिया
അര	कमर, आधा	തീരുക	समाप्त होना
കൊയ്യുക	फसल काटना	കാഴ്ച	दृश्य

നെൽക്കതിർ	धान की बाली	അവ്യക്തം	अव्यक्त
ആനന്ദാനുഭൂതി	आनन्दानुभूति	അലയടിക്കുക	लहराना
ഒഴുകുക	बहना	അരുവി	झरना
കളകളനാദം	कल कल नाद	തട്ടുക	टकराना
മുഴങ്ങുക	प्रतिध्वनि करना, गूँ जना	പ്രിയൻ	प्रियतम
കൊട്ടിയമ്പലം	मुख्यद्वार	സ്ഥിരം	स्थिर
താമസം	रहना		

अभ्यास

I. पाठ भाग के आधार पर सही वाक्य चुन लेजिए ।

1. ലേഖകൻ ആദ്യമായിട്ടാണ് ഈ ഗ്രാമത്തിൽ വരുന്നത് ?
2. ലേഖകൻ ഭാഗ്യവാനാണെന്നു സ്വയം കരുതുന്നു.
3. കുട്ടികൾ സ്കൂൾ വരാന്തയിൽ വർത്തമാനം പറഞ്ഞുകൊണ്ടു നിന്നിരുന്നു.
4. തലപ്പന്തു കളിയാണ് ലേഖകനെ കൂടുതൽ ആകർഷിച്ചത്.
5. ചായപ്പീടികയുടെ മുന്നിലെ കാഴ്ച ഏകദേശം ഒരു വായനശാലയുടേതു പോലെതന്നെ.
6. ലേഖകൻ മനസ്സിൽ ഗ്രാമങ്ങളെപ്പറ്റി മാത്രമേ വിചാരിച്ചുകൊണ്ടിരുന്നുള്ളു.
7. വയലിൽ പണി എടുക്കുന്നവരെ കണ്ടപ്പോൾ ലേഖകന് ഒന്നും തോന്നിയില്ല.
8. ലേഖകന്റെ തറവാട്ടിനടുത്ത് ഒരു ചെറിയ മലയുണ്ട്.
9. ഗ്രാമത്തിലെ അരുവി പ്രിയതമനെ തേടിക്കൊണ്ടിരിക്കുന്നു എന്നു ലേഖകനു തോന്നി.
10. തറവാട്ടിനടുത്തെത്തിയ ലേഖകൻ എന്തു തീരുമാനിച്ചുറച്ചു ?

II. प्रत्येक शब्द समूह में और एक शब्द जो उस समूह के शब्दों से जुड़ता है लिखिए ।

1. ആഗ്രഹം മോഹം ഇഷ്ടം	2. കല്യാണം വരൻ വധു	3. ആഹാരം വസ്ത്രം വീട്
4. വള്ളംകളി വള്ളക്കാരൻ തുഴച്ചിലുകാർ	5. പാൽക്കാരൻ ഉടുപ്പുകാരൻ നെയ്ത്തുകാരൻ	6. സന്തോഷം സങ്കടം ദേഷ്യം
7. അരുവി വെള്ളം കളകളനാദം	8. അവിടെ അങ്ങനെ വേഗം	9. വയൽ പുഴ അമ്പലം

10. ആരാധിക്കുന്നു
പൂജിക്കുന്നു
പ്രാർഥിക്കുന്നു.

11. നിൽക്കുന്നു.
നടക്കുന്നു.
ഓടുന്നു.

12. എഴുതുന്നു.
വായിക്കുന്നു.
പഠിക്കുന്നു.

III. मलयाळम में अनुवाद कीजिए ।

सभी निमंत्रित व्यक्ति आ गये हैं । नाटक शुरु होनेवाला है, देखो मखमल, का पर्दा उठाया जा रहा है। अब तुम मंच को देख सकते हो। यहाँ एक पारंपरिक दीपक है। दीपक के पास एक आठ नौ वर्ष की लड़की एक किताब पढ़ रही है । वास्तव में वह एक मलयालम कविता पढ़ रही है। वह बड़े सहज ढंग से कविता पढ़रही है। दाहिनी तरफ से एक बूढी औरत छडी की सहायता लेकर आ रही है। वह लडकी के पास आ रही है और चटाई पर बैठ रही है। अब बायें दखाज़े से एक आदमी आ रहा है। उसकी उम्र 35 और 40 वर्ष के बीच है । वह एक झोला ला रहा है और लडकी के पास रख रहा है। लडकी उसे देखती है और खुशी के साथ चिल्ला पडती है । अब नाटक शुरु होता है ।

IV. आप के गाँव या शहर का एक सुन्दर वर्णन दीजिए ।

टिप्पणियाँ

1. इस पाठ में നീങ്ങിക്കൊണ്ടിരിക്കുന്നു, നിങ്ങിക്കൊണ്ടിരുന്നു, നീങ്ങിക്കൊണ്ടിരിക്കും आदि क्रियाओं के वाक्यों का परिचय दिया गया है। मलयालम में ये रूप अपूर्ण काल का बोध कराते हैं। क्रिया के होने का निरंतरता का बोध भी कराते हैं, माने उस से किसी समय होते हुए कार्य का बोध दोता है ।

उदा :

(i) വള്ളങ്ങൾ നീങ്ങിക്കൊണ്ടിരിക്കുന്നു.
नाँवें चल रही हैं ।

(ii) കാവാലം ചുണ്ടൻ വള്ളം മുന്നേറിക്കൊണ്ടിരിക്കുന്നു.
कावालम चुण्डन नाँव आगे जा रही है ।

2. मलयाळम में अपूर्ण काल निम्न प्रकार से बनाये जाते हैं ।
क्रिया + കൊണ്ട് + ഇരിക്കുന്നു. ഇരുന്നു. ഇരിക്കും.

उदा :

(i) കുട്ടികൾ പഠിച്ചുകൊണ്ടിരിക്കുന്നു.
बच्चे पढ रहे हैं ।

(ii) കുട്ടികൾ പഠിച്ചുകൊണ്ടിരിക്കുന്നു.
बच्चे पढ रहे थे ।

(iii) കുട്ടികൾ പഠിച്ചുകൊണ്ടിരിക്കും.
बच्चे पढ रहे होंगे ।

3. जब अपूर्णकाल में बल देनेवाला ഏ लगाते हैं तो वाक्य निम्न प्रकार से बनाए जाते हैं ।
उदा :

(i) ഞങ്ങൾ വള്ളം കളി കണ്ടുകൊണ്ടേ ഇരിക്കുന്നു.
हमें नाँव दौड देखते ही रहते हैं ।

(ii) രാധ രാത്രി മുഴുവൻ എഴുതിക്കൊണ്ടേ ഇരുന്നു.
राधा रात भर लिखती ही रही ।

(iii) കുട്ടികൾ കളിച്ചുകൊണ്ടേ ഇരിക്കുന്നു.
बच्चे खेलते ही रहते हैं ।

4. जब एक ही साथ होने वाले दो कार्यों का बोध कराना होता है तो उस को मलयालम के रूप निम्न प्रकार बनाते हैं ।

(i) അമ്മൂമ്മ കഥ പറഞ്ഞുകൊണ്ടു നടക്കുന്നു.
नानी कहानी बोलती चलती हैं ।

(ii) അമ്മൂമ്മ കഥ പറഞ്ഞുകൊണ്ടു നടന്നു.
नानी कहानी बोलती चली।

(iii) അമ്മൂമ്മ കഥ പറഞ്ഞുകൊണ്ടു നടക്കും.
नानी कहानी बोलती चलेगी ।

5. ऊपर 4 में दिए हुए वाक्यों में भी क्रिया के साथ प्रत्यय ഏ बल देने केलिए लगाते हैं।
उदा :

സീത പാട്ടു പാടിക്കൊണ്ടേ വന്നു.
सीता गाना गाती ही आयी।

സീത പാട്ടു പാടിക്കൊണ്ടേ വരും.
सीता गाना गाती ही चलेगी ।

6.नौका-दौड़ कोरळ में बहुत- सी नदियाँ हैं । समुद्र के पानी के भूमि खंड में घुस जाने से बहुत सी झीलें बन गइ हैं। इसलिए केरल में नौका दौड एक बडी महत्वपूर्ण घटना है। ओणम् त्योहार के समय और उस से पहले ही नौकादौड़ की रोमांचक प्रतियोगिताएँ होती है । सब से प्रसिद्ध नौका दौड़ ആലപ്പുഴ और ആറൻമുള में होती हैं । ആലപ്പുഴ नौका दौड को नोहरूट्रोफ़ि नौका दौड कहते हैं ।

പാഠം 17 पाठ 17

പെൻഷൻ പറ്റിയപ്പോൾ — पेंशन हो जाने पर

ശാന്ത	:എന്താ പെൻഷൻ പറ്റിയ കാര്യം മറന്നോ? നേരം വെളുത്തപ്പോഴേയ്ക്കും പുറത്തിറങ്ങാൻ തയ്യാറെടുക്കുകയാണോ?	क्या भूल गये कि पेंशन हो चुकी हैं? क्या सबेरे होते ही बाहर जाने की तैयारी कर रहे हैं?
മേനോൻ	: പെൻഷൻ പറ്റിയപ്പോൾ ഞാൻ ഉദ്യോഗത്തിൽ നിന്നാണ് വിരമിച്ചത്. അല്ലാതെ ജീവിതത്തിൽ നിന്നല്ല.	पेंशन हो जाने पर मैं नौकरी से ही निवृत्त हो गया हूँ।न कि जीवन से।
ശാന്ത	: എന്നു വച്ചാൽ ?	इसका मतलब?
മേനോൻ	: എന്നുവച്ചാൽ, ജീവിക്കാനുള്ള എന്റെ ഉത്സാഹം നശിച്ചിട്ടില്ല. ശരീരത്തിനും മനസ്സിനും ആരോഗ്യമുണ്ടായിരിക്കുമ്പോൾ വെറുതെ ഇരിക്കുക എന്നു പറഞ്ഞാൽ അത് അപരാധം തന്നെയാണ്.	इसका मतलब है कि जीवन केप्रति मेरा उत्साह समाप्त नहीं हुआ है। शरीर और मन के स्वस्थ होने पर कुछ किए बिना रहना अपराध ही है ।
ശാന്ത	: അപ്പോൾ ഇനിയും പുതിയ ജോലി അന്വേഷിച്ച് ഇറങ്ങാൻ പോവുകയാണോ? മക്കൾ രണ്ടു പേരും നല്ല നിലയിലായിരിക്കുമ്പോൾ ഇനിയും ജോലിക്കുപോകേണ്ട ആവശ്യമുണ്ടോ?	तो क्या इस समय भी नौकरी की खोज में निकल रहे हैं ? दोनों बच्चों की स्थिति मज़बूत होने पर भी क्या नयी नोकरी करने की आवश्यकता है ?
മേനോൻ	: പണത്തിനു വേണ്ടി മാത്രമാണോ ആളുകൾ ജോലിക്കു പോകുക? ശരീരത്തിനും മനസ്സിനും തുരുമ്പു പിടിക്കാതെയും ഇരിക്കണ്ടേ?	क्या कुछ धन कमाने केलिए ही लोग नौकरी करने जाते हैं ? मन और शरीर पर जंग लगाए भी नहीं रहना चाहिए न ?

ശാന്ത :	ശരി. ശരി. തർക്കിച്ചു ജയിക്കാൻ എനിക്കാവില്ല.വരെവരെ ചെറുപ്പമായി വരികയാണോ? ഇനി എന്തു ജോലി ചെയ്യാനാണ് ഉദ്ദേശം ?	ठीक हैं। ठीक हैं। मैं तर्क में नहीं जीत सकती हूँ। समय बढने के साथ साथ क्या आप जवान होते जा रहे हैं। अभी कौन सी नौकरी करने का उद्देश्य है ?
മേനോൻ :	ഞാൻ എന്തെങ്കിലും പറയാൻ തുടങ്ങുമ്പോഴേക്കും നിന്റെ ഒരു പ്രസംഗം! എന്നെ പറയാൻ അനുവദിച്ചാലല്ലേ പറയാൻ പറ്റൂ ?	मैं जो कुछ भी कहना शुरू करता हूँ तभी तुम्हारा भाषण भी। यदि तुम मुझे कुछ कहने दो, तभी मैं कुछ कह सकता हूँ ।
ശാന്ത :	ശരി. ശരി. പറയിൻ. കേൾക്കാൻ ഞാൻ തയ്യാറായി ഇരിക്കുകയാണ്.	ठीक है । ठीक है । कहिए, मैं सुनने केलिए तैयार बैठी हूँ । कल.
മേനോൻ:	ഇന്നലെ ഞാൻ ആ ശങ്കുണ്ണിനായരുടെ വീട്ടിൽ പോയപ്പോൾ ഞങ്ങൾ ഇപ്പോഴത്തെ വിദ്യാഭ്യാസ രീതിയെപ്പറ്റി കുറേ നേരം സംസാരിച്ചു. പലതും സംസാരിച്ചുകൊണ്ടിരിക്കെ ഇന്നത്തെ നേഴ്സറി സ്കൂളുകളും അവയുടെ നടത്തിപ്പുകാരുടെ ഇംഗ്ലീഷ് ഭ്രാന്തും ഒക്കെ സംസാരവിഷയമായി.	जब मैं उस शंकुण्णिनायर के घर गया तो हम दोनों ने आज की शिक्षा की रीति के बारे में कुछ देर तक चर्चा की। बहूत सी बातों के साथ आज के नर्सरी स्कूलों और उनेक अधिकारियों का अंग्रेज़ी के प्रति पागलपन सब कुछ वार्तालाप के विषय बन गए ।
ശാന്ത :	സ്കൂൾ നടത്തിപ്പുകാർ മാത്രമല്ലല്ലോ ഇംഗ്ലീഷ് മീഡിയത്തിന്റെ പുറകെ പോകുക. അച്ഛനമ്മമാരും അങ്ങിനെ തന്നെയല്ലേ?	अंग्रेज़ी माध्यम के विद्यालयों के पीछे भागनेवाले केवल अधिकारी मात्र ही नहीं है। क्या माता-पिता भी वैसे ही नहीं हैं ?
മേനോൻ :	അതേ. അതിനെപ്പറ്റിയൊക്കെ വിശദമായി ചർച്ചചെയ്തുകൊണ്ടിരിക്കവെ ഞങ്ങളുടെ മനസ്സിൽ ഒരു ആശയം പൊന്തിവരികയുണ്ടായി.	हाँ । उन सभी के बारे में चर्चा करते हुए हम लोगों के मन में एक विचार उभर आया ।
ശാന്ത :	എന്താണത്?	वह क्या है ?
മേനോൻ :	മാതൃ ഭാഷയായ മലയാളത്തിന് പ്രാധാന്യം കൊടുത്തുകൊണ്ട് കളിയിലൂടെ പഠനം നടത്തുക എന്ന	मातृभाषा मलयालम को प्रधान महत्व देते हुए खेल-कूद के द्वारा अध्ययन, इस लक्ष्य को प्राप्त करने

	ലക്ഷ്യത്തിൽ എത്താൻ ഒരു നഴ്സറി സ്കൂൾ തുടങ്ങുക. ഈ സ്വപ്നം ശങ്കുണ്ണിനായർ വളരെ നാളായി താലോലിച്ചു കൊണ്ടു നടക്കുകയാണത്രേ. ഞാനും കൂടി സഹകരിക്കുകയാണെങ്കിൽ അതൊരു യാഥാർഥ്യമാക്കി മാറ്റാം പോലും.	केलिए एक नर्सरी स्कूल स्थापित करना। इस कल्पना को शंकुण्णि नायर बहुत दिनों से पालते हुए जी रहे थे । यदि मैं भी उसकी सहायता करूँ तो वह उसे यथार्थ रूप दे सकते हैं। ऐसा है उन का विचार ।
ശാന്ത	: കൊള്ളാം. വളരെ നല്ല ആശയം. പക്ഷേ പ്രസിഡണ്ടിന്റെ അവാർഡു നേടിയ രണ്ടധ്യാപകർ പെൻഷൻ പറ്റിക്കഴിഞ്ഞ് സ്കൂൾ നടത്തുക എന്നു പറഞ്ഞാൽ?	सुन्दर ! बहुत अच्छा विचार हैं। लेकिन राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त दो अध्यापकों के द्वारा पेंशन प्राप्त करने के बाद स्कूल चलाने का क्या मतलब हैं?
മേനോൻ	: ഒരു നല്ല കാര്യമല്ലേ അത്.?	क्या यह एक अच्छी बात नहीं हैं?
ശാന്ത	: അതേ. പക്ഷേ ഇപ്പോൾ സ്കൂൾ നടത്തുക എന്നു പറഞ്ഞാൽ കച്ചവടം നടത്തുക എന്നല്ലേ അർഥം? വിദ്യാഭ്യാസം ലാഭകരമായ ഒരു വ്യവസായമല്ലേ ഇന്നു പലർക്കും.?	है, लेकिन क्या इस समय स्कूल चलाने का मतलब व्यापार करना नहीं हैं ?शिक्षा आज बहुत से लोगों केलिए एक लाभ दायक उद्योग है न?
മേനോൻ	: ഒരു മാതൃകാ വിദ്യാലയം എങ്ങനെ നടത്തണം എന്നു കാണിച്ചു കൊടുക്കുകയാണ് ഞങ്ങളുടെ ലക്ഷ്യം.	एक आदर्श विद्यालय कैसे चलाना चाहिए यह दिखाना ही हमारा लक्ष्य हैं।
ശാന്ത	: മലയാളം മീഡിയത്തിൽ പഠിക്കാൻ അച്ഛനമ്മമാർ കുട്ടികളെ അയച്ചില്ലെങ്കിലോ?	यदि माता-पिता अपने बच्चों को मलयाळम माध्यम से पढने केलिए न भेजें तो ?
മേനോൻ	: അങ്ങിനെ ഒരു ആശങ്കയും ഞങ്ങൾക്കില്ല. നമ്മുടെ ഭാഷയും സംസ്കാരവും മറക്കാതെ കാലത്തിനു യോജിച്ച കാര്യങ്ങൾ ഉൾക്കൊള്ളിച്ചുകൊണ്ടുള്ള ഒരു പദ്ധതിയായിരിക്കും ഇത്. ഞങ്ങളുടെ പദ്ധതിയിൽ നിനക്കും മിസിസ്സ് നായർക്കും വലിയ ചുമതലകളാണു	हमें एसी कोई भी आशंका नहीं हैं। अपनी भाषा और संस्कृति को भूले बिना सामयिक बातों को जोडकर चलनेवाली यह एक पद्धति होगी । हमारी पद्धति में तुम्हारी और श्रीमती नायर की भी बडी जिम्मेदारियाँ हैं। बच्चों में बौद्धिक

	ള്ളത്. ബുദ്ധിപരവും കലാപരവുമായ കഴിവുകൾ കുട്ടികളിൽ വളർത്തിയെടുക്കാൻ ധാരാളം അവസരങ്ങൾ നിങ്ങൾക്കു ലഭിക്കും.	और कलात्मक योग्यताएँ उत्पन्न करने के अनेक अवसर तुम्हें मिलेंगे ।
ശാന്ത	: ശരി. ശരി. നമുക്കു വിശദമായി ചർച്ച ചെയ്യാം ശങ്കുണ്ണിനായരെയും ഭാര്യയെയും കണ്ടു സംസാരിക്കാൻ ഞാനും പുറപ്പെടാം. അല്പം നിൽക്കൂ.	ठीक है। हम विस्तृत रूप से चर्चा करेंगे। शंकुण्णिनायर और उनकी पत्नी से बात - चीत करने केलिए मैं भी जाऊँगी। थोडा रुकें ।

शब्दार्थ

പെൻഷൻ പറ്റുക	निवृत्त होना	നേരം	समय
വെളുക്കുക	सफेद होना	തയ്യാറെടുക്കുക	तैयारी करना
ഉദ്യോഗം	नौकरी	വിരമിക്കുക	विराम होना
ജീവിക്കുക	जीना	ആരോഗ്യം	आरोग्य
അപരാധം	अपराध	അന്വേഷിക്കുക	ढूँढना
നില	स्थिति	പണം	धन, पैसा
തുരുമ്പുപിടിക്കുക	जंगलगना	തർക്കിക്കുക	तर्क करना
വരെ വരെ	आते आते	ചെറുപ്പം	जवानी
ഉദ്ദേശം	उद्देश्य	പ്രസംഗം	भाषण
തയ്യാറാക്കുക	तैयार होना	നടത്തിപ്പുകാർ	चलानेवाले
ഭ്രാന്ത്	पागलपन	വിഷയം	विषय
ആശയം	विचार	പൊന്തിവരുക	उभर आना
പ്രാധാന്യം	प्राधान्य	ലക്ഷ്യം	लक्ष्य
സ്വപ്നം	स्वप्न	താലോലിക്കുക	दुलारना
സഹകരിക്കുക	सह	യാഥാർഥ്യം	याथार्थ्य
കച്ചവടം	व्यापार	ലാഭകരം	लाभदायक
വ്യവസായം	उद्योग	മാതൃകാവിദ്യാലയം	आदर्श विद्यालय
ആശങ്ക	आशंका	സംസ്കാരം	संस्कृति
പദ്ധതി	योजना	ബുദ്ധിപരം	बौद्धिक
കലാപരം	कलात्मक	വളർത്തിയെടുക്കുക	बढाना
വിശദമായി	विशद रूप से		

अभ्यास

I. वाक्यों का अभ्यास कीजिए ।

1. പെൻഷൻ പറ്റിയപ്പോൾ അമ്പത്തഞ്ചു വയസ്സായിരുന്നു.
2. പെൻഷൻ പറ്റുമ്പോൾ അമ്പത്തഞ്ചു വയസ്സായിരുന്നു.
3. പെൻഷൻ പറ്റുമ്പോൾ അമ്പത്തഞ്ചു വയസ്സായിരിക്കും.
4. ഞങ്ങൾ സംസാരിച്ചുകൊണ്ടിരുന്നപ്പോൾ അയാൾ വന്നു.
5. ഞങ്ങൾ സംസാരിച്ചുകൊണ്ടിരിക്കുമ്പോൾ അയാൾ വന്നു.
6. ഞങ്ങൾ സംസാരിച്ചുകൊണ്ടിരിക്കവേ അയാൾ വന്നു.
7. ഞങ്ങൾ സംസാരിച്ചുകൊണ്ടിരിക്കെ അയാൾ വന്നു.
8. വിളിച്ചപ്പോൾ വന്നു.
9. വിളിക്കുമ്പോൾ വന്നു.
10. വിളിക്കുമ്പോൾ വരും.
11. വിളിക്കവെ വന്നു.
12. വിളിക്കവെ വരും.
13. വിളിക്കെ വന്നു.
14. വിളിക്കെ വരും.
15. അവർ വരാൻ തുടങ്ങിയപ്പോഴേക്കും നീ വേണ്ട എന്നു പറഞ്ഞു.
16. അവർ വരാൻ തുടങ്ങുമ്പോഴേക്കും നീ വേണ്ട എന്നു പറഞ്ഞു.
17. ഞാൻ കേൾക്കാൻ തുടങ്ങിയപ്പോഴേക്കും നാടകം തീർന്നു.
18. ഞാൻ കേൾക്കാൻ തയ്യാറായപ്പോഴേക്കും നാടകം തീർന്നു.

II. उदाहरण के अनुसार वाक्यों को जोडकर लिखिए ।

उदा :1

അധ്യാപകൻ വന്നു.
അപ്പോൾ വിദ്യാർഥികൾ ചാടി എണീറ്റു.
അധ്യാപകൻ വന്നപ്പോൾ വിദ്യാർഥികൾ ചാടി എണീറ്റു.

1. അമ്മ പാട്ടു പാടി. കുഞ്ഞ് ഉറങ്ങി.
2. അച്ഛൻ എടുത്തു. കുഞ്ഞ് അപ്പോൾ കരച്ചിൽ നിർത്തി.
3. കുട്ടികൾ കളികണ്ടു. അപ്പോൾ അവർ കൈകൊട്ടി.

उदा :2

ആരോഗ്യം ഉണ്ടായിരിക്കും.
അപ്പോൾ വെറുതെയിരുന്ന് സമയം കളയരുത്.
ആരോഗ്യം ഉണ്ടായിരിക്കുമ്പോൾ വെറുതെയിരുന്ന് സമയം കളയരുത്.

1. ഞാൻ കാര്യം പറയാൻ തുടങ്ങും. അപ്പോൾ നിങ്ങൾ എഴുന്നേൽക്കില്ലേ ?
2. കളക്ടർ തീരുമാനം എടുക്കും. അപ്പോൾ കാര്യം നടന്നിരിക്കും.
3. എല്ലാവരും എത്തും. അപ്പോൾ കാര്യം ചോദിക്കാം.

उदा : 3

കുട്ടികൾ നല്ല നിലയിലാണ്.
അങ്ങനെയിരിക്കെ പിന്നെ നമുക്ക് ജോലി എന്തിന്?
കുട്ടികൾ നല്ല നിലയിലിരിക്കെ നമുക്ക് ജോലി എന്തിന്?

1. അവർ നല്ലവരാണ്. നമുക്കു പേടിക്കണ്ട.
2 നേതാവ് മന്ത്രിയാണ്. പാർട്ടിക്കു പ്രയാസം ഇല്ല.
3. പെൺകുട്ടികൾ വീട്ടിലിരിക്കുന്നു. മകന്റെ കല്യാണം എന്തിനിത്ര വേഗം നടത്തണം ?

III. उदाहरण जैसे वाक्य बदलिए ।

उदा : 1

അവർ ചർച്ച ചെയ്തുകൊണ്ടിരിക്കുകയാണ്.
അവർ ചർച്ച ചെയ്തുകൊണ്ടിരിക്കുന്നു.

1. കുട്ടികൾ എഴുതിക്കൊണ്ടിരിക്കുകയാണ്.
2. ചേച്ചി ടി.വി. കണ്ടുകൊണ്ടിരിക്കുകയാണ്.
3. എല്ലാവരും നിന്നെ അന്വേഷിച്ചു കൊണ്ടിരിക്കുകയാണ്

उदा : 2

അങ്ങനെ ഒരു കാര്യം നടക്കുക ഉണ്ടായി.
അങ്ങനെ ഒരു കല്യാണം നടന്നു.

1. എല്ലാവരും കവിയുടെ പ്രസംഗം കേൾക്കുകയുണ്ടായി.
2. കൂട്ടുകാർ സന്തോഷത്തോടെ അവരോടൊപ്പം ചിരിക്കുകഉണ്ടായി.
3. ഞാൻ കോളേജിലെ ആൾക്കാരോട് കണക്കു ചോദിക്കുകയുണ്ടായി..

IV. कोष्टों स सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए ।।

1. എല്ലാവരും ---------- ഞാൻ അവരോടു പറഞ്ഞു.
(ഉണ്ടായിരിക്കും, ഉണ്ടായിരിക്കെ.)
2. അച്ഛൻ, വരുന്നവരെല്ലാം ------ എന്നോട് അങ്ങനെ പറയരുതേ.
(കേട്ടു, കേൾക്കെ.)
3. ധാരാളം പണം ------------ അസുഖം വന്നു മരിച്ചു.
(സമ്പാദിച്ചുകൊണ്ട്, സമ്പാദിച്ചുക്കൊണ്ടിരിക്കെ)
4. ക്ലാസിൽ പാഠം ----------- എന്നെ കാണാൻ ആരോ വന്നു.
(പഠിപ്പിച്ചു കൊണ്ടിരിക്കെ, പഠിപ്പിച്ചു).
5. ആളുകൾ ------- കേട്ടപ്പോൾ എനിക്ക്ചിരി വന്നു.
(പുകഴ്ത്തിയത്, പുകഴ്ത്തുമ്പോൾ)

6. നന്നായി -------- നല്ല ഫലം കിട്ടി. (പ്രയത്നിച്ചപ്പോൾ, പ്രയത്നിക്കുന്നത്)
7. നാടു -------- നാട്ടുകാരുടെ നന്മ ഓർമിക്കണം.
(ഭരിക്കുമ്പോൾ, ഭരിക്കുന്നത്).
8. വായനശാല -------- പുസ്തകങ്ങൾ വയ്ക്കാൻ ധാരാളം ഷെൽഫുകൾ വേണം.
(നടത്തുമ്പോൾ, നടത്തി.)

V. उचित रूप से मिलाकर पठिए और लिखिए ।

1. കൈകാലുകൾക്ക് ശക്തി ഉള്ളപ്പോൾ	क. എല്ലാവരും വന്നു.
2. രാത്രി തനിയെ ഇരിക്കുമ്പോൾ	ख. ഒന്നാലോചിക്കണം
3. കഷ്ടപ്പെട്ടു പഠിച്ചപ്പോൾ	ग. ഉറക്കം വന്നു.
4. വിവരം കേട്ടറിഞ്ഞപ്പോൾ	घ. എല്ലാവരും വന്നു.
5. രാത്രി തനിയെ ഇരിക്കുമ്പോൾ	ङ. ഒന്നാലോചിക്കണം
6. കഷ്ടപ്പെട്ടു പഠിച്ചപ്പോൾ	च. ഉറക്കം വന്നു.
7. വിവരം കേട്ടറിഞ്ഞപ്പോൾ	छ. ട്രെയിൻ പോയി.
8. പാട്ടു കേട്ടു കിടക്കവേ	ज. പല ഓർമ്മകളും ശല്യപ്പെടുത്തുന്നു
9. അച്ഛൻ മരിക്കുമ്പോൾ.	झ. അവർ കളിയാക്കിയില്ല.
10. ഞാൻ എത്തിയപ്പോഴേക്കും	ञ. ഒന്നാം ക്ലാസ്സോടെ ജയിച്ചു.
11. തർക്കുത്തരം പറയുമ്പോൾ	ट. രണ്ടു വയസ്സേ ഉണ്ടായിരുന്നുള്ളൂ.
12. എല്ലാവരും കളിയാക്കിയപ്പോഴേക്കും	ठ. അന്യരെ ആശ്രയിക്കരുത്.

VI. वार्तालाप के अनुसार उत्तर दीजिए ।

1. ആരുടെ വീട്ടിൽവെച്ചാണ് ഈ സംഭാഷണം നടക്കുന്നത്?
2. പെൻഷൻ പറ്റിയപ്പോൾ മേനോന് ജീവിക്കാനുള്ള ഉത്സാഹം നശിച്ചോ ?
3. പണത്തിന് വേണ്ടി അല്ലാതെ മേനോൻ ജോലിക്കു പോകുന്നത് എന്തിനാണ്?
4. ആര് ആരെ സംസാരിക്കാൻ അനുവദിക്കുന്നില്ല ?
5. മേനോനും നായരും കൂടി എന്തിനെപ്പറ്റി ചർച്ചചെയ്തു?
6. നായരുടെ സംഭാഷണത്തിൽ പ്രധാനസംസാരവിഷയമായത് എന്താണ് ?
7. അങ്ങനെ സംസാരിച്ചുകൊണ്ടിരിക്കുമ്പോൾ എന്താശയമാണ് അവർക്കു തോന്നിയത്?
8. എന്തു സ്വപ്നമാണ് യാഥാർഥ്യമാക്കാം എന്നു നായർക്കു തോന്നിയത് ?
9. എങ്ങനെയായാൽ ആ സ്വപ്നം യാഥാർഥ്യമാക്കാം എന്നു നായർക്കു തോന്നി ?
10. മേനോന്റെയും നായരുടെയും പ്രധാന ലക്ഷ്യം എന്താണ്?

पढिए और समझिए ।

പെൻഷൻ പറ്റിക്കഴിഞ്ഞപ്പോൾ

ഔദ്യോഗിക ജീവിതത്തിൽ നിന്നു വിരമിക്കുമ്പോൾ അച്ഛന്റെ മനസ്സുനിറയെ ആശകളായിരുന്നു. ജോലിയിൽ ഇരിക്കവേതന്നെ പെൻഷൻപറ്റിയ ശേഷമുള്ള ജീവിത കാലം അർഥപൂർണമാക്കാനുള്ള പദ്ധതികൾ അദ്ദേഹം ആവിഷ്കരിച്ചു വച്ചിരുന്നു. ചെറുപ്പക്കാരന്റെ ചുറുചുറുക്കോടെ കർമ്മനിരതനായി ജീവിച്ച അച്ഛൻ ഇനിയുള്ള കാലം വിശ്രമമെടുക്കുകയാണ് വേണ്ടതെന്ന് എല്ലാവരും ഉപദേശിച്ചു. പക്ഷേ ജോലിയിലിരിക്കുമ്പോൾ ഒരു നിമിഷംപോലും വെറുതെയിരുന്നിട്ടില്ലാത്ത ഒരാൾക്ക് ജോലിയിൽ നിന്ന് വിരമിക്കുമ്പോൾ എങ്ങനെ വെറുതെയിരിക്കാനാവും?

ഓഫീസിലെ മടുപ്പിക്കുന്ന മണിക്കൂറുകളിൽ നിന്നും യാന്ത്രികമായ ജോലി യിൽ നിന്നും മോചനം കിട്ടുമ്പോൾ മനസ്സിൽ അടക്കിവച്ചിരുന്ന നൂറു നൂറു നവീന ആശയങ്ങൾ പ്രാവർത്തികമാക്കാനുള്ള സുവർണാവസരമാണ് വീണുകിട്ടുന്നതെന്ന് അച്ഛൻ തിരിച്ചറിഞ്ഞു. സ്വച്ഛന്ദവും ശാന്തവുമായിരുന്നപ്പോഴും സർഗാത്മകമായി രുന്നു. അച്ഛന്റെ പെൻഷൻകാലം. സാകേതം അച്ഛന്റെ സ്വപ്നസാക്ഷാത്കാരമായി രുന്നു പുതിയ രീതിയിലുള്ള ഒരു സ്കൂളിനുവേണ്ടിയുള്ള തീവ്രപരിശ്രമത്തിന്റെ അന്തിമഫലം.

ജീവിതത്തിന്റെ പ്രായോഗികതയിൽ ഊന്നിയുള്ള ഒരു വിദ്യാഭ്യാസ പരിപാടി. .മാതൃഭാഷയിൽ തന്നെ അധ്യയനം നടത്തുക അച്ഛന്റെ വിദ്യാഭ്യാസ തത്വശാസ്ത്ര മായിരുന്നു അത്. പഠനത്തിന്റെ മാനസികമായ അധ്വാനം ലഘൂകരിക്കുന്നതിനു വേണ്ടി വിനോദങ്ങളിലൂടെ മാത്രം കാര്യങ്ങൾ പഠിപ്പിക്കുകയാണ് ഇവിടെ ചെയ്യു ന്നത്. സാധാരണ സ്കൂളുകളിൽ സമയബന്ധിതവും വിരസവുമായ ക്ലാസുകൾ കുട്ടികളുടെ മേൽ ഒന്നിനുപുറകേ ഒന്നായി അടിച്ചേൽപ്പിക്കുമ്പോൾ ഇവിടെ അത്തരം ക്ലാസുകളൊന്നുമില്ല. കുട്ടികൾ കൂട്ടം കൂടിയിരുന്ന് പാട്ടുകൾ പാടുന്നു, കഥകൾ പറയുന്നു. പത്രമാസികകൾ വായിക്കുന്നു. പല പലകാര്യങ്ങളും ചർച്ച ചെയ്യുന്നു. കുട്ടികൾ ഇവയൊക്കെ ചെയ്തുകൊണ്ടിരിക്കവെ അധ്യാപകനും അവരിലൊരാളായി ചേർന്ന് അവർക്കു മാർഗദർശനം നല്കുക മാത്രം ചെയ്യുന്നു. മണിക്കൂറുകളോളം അടഞ്ഞ മുറിയിൽ അധ്യാപകന്റെ നീണ്ട പ്രസംഗങ്ങളൊന്നും ഇവിടെയില്ല. കഴിയുന്നതും ക്ലാസുമുറിക്കു വെളിയിൽ മരച്ചുവട്ടിൽ പാഠങ്ങൾ പഠിപ്പിക്കുന്നു.

വയലുകളിലും തൊടികളിലുമൊക്കെ കുട്ടികളെ കൊണ്ടുപോകുക ഈ സ്കൂളിന്റെ പ്രധാന പ്രത്യേകതയാണ്. പലതും നേരിട്ടുകാണുമ്പോഴാണ് കുട്ടികൾ പെട്ടെന്ന് പഠിക്കുക. അവിടെ വച്ചുതന്നെ ബന്ധപ്പെട്ട വിഷയങ്ങൾ പഠിപ്പി ക്കുകയും ചെയ്യുന്നു.

സാകേതം വെറുമൊരു സ്കൂൾമാത്രമല്ല. അച്ഛന്റെ നീണ്ടകാലത്തെ ശ്രമഫലമാണ് സാകേതത്തിലെ വിശാലമായ ലൈബ്രേറി. സാകേതത്തിലെ നാടക വേദിയും ഫിലിം സൊസൈറ്റിയുമൊക്കെ പ്രതീക്ഷിച്ചതിനേക്കാൾ വിജയമായി

രുന്നു. ഇവിടത്തെ ചെറുപ്പക്കാരുടെ കൂട്ടായ്മയുടെ പ്രതീകമാണ് 'സാകേതം നാടകവേദി'. പല ആധുനിക നാടകങ്ങളും ഇവിടത്തെ ചെറുപ്പക്കാർ നാടിന്റെ പല ഭാഗങ്ങളിലും അവതരിപ്പിച്ചിട്ടുണ്ട്. ലോകസിനിമകളിൽ പലതും ഇവിടെ പ്രദർശിപ്പിച്ചിട്ടുണ്ട്.

ദക്ഷിണേന്ത്യയിലെ ഒട്ടനവധി സംഗീതജ്ഞർ ഇവിടെ സംഗീത പരിപാടികൾ നടത്തിയിട്ടുണ്ട്. ചിത്രരചന, സംഗീതം, നൃത്തം, അഭിനയം എന്നിവയെല്ലാം സാകേതത്തിൽ പഠിപ്പിക്കുന്നു. ആതുരസേവനം, തൊഴിലാളി ക്ഷേമ പ്രവർത്തനങ്ങൾ, ഉപഭോക്താക്കളുടെ അവകാശങ്ങളുടെ സംരക്ഷണം തുടങ്ങിയവയെല്ലാം നോക്കാൻ സാകേതത്തോടുചേർന്ന് സെല്ലുകളുണ്ട്. തൊഴിലില്ലാത്ത ചെറുപ്പക്കാർക്കു വേണ്ടി യുള്ള സഹായപദ്ധതികളും സാകേതത്തിലുണ്ട്.

അച്ഛന്റെ അഭിലാഷങ്ങളുടെ മൂർത്തരൂപമായിരുന്നു സാകേതം. ജോലിയിലിരിക്കുമ്പോഴത്തെക്കാൾ അച്ഛൻ മാനസികമായി സന്തോഷം അനുഭവിച്ചിട്ടുള്ളത് സാകേതത്തിന്റെ നിർമാണഘട്ടത്തിൽ തന്നെയാണ്. സാകേതത്തിന്റെ ഈ വളർച്ച അച്ഛൻ പ്രതീക്ഷിച്ചതിലേറെ ആയിരുന്നു.

शब्दार्थ

ഔദ്യോഗികം	उद्योग संबंधी, कार्यालयी	വിരമിക്കുക	निवृत्त होना
ആശയം	आशय	കർമ്മനിരതൻ	कार्य में लगा हुआ
വിശ്രമം	विश्राम	ഉപദേശിക്കുക	उपदेश करना
നിമിഷം	निमिष, क्षण	വെറുതെ	योंही
യാന്ത്രികം	यांत्रिक	മോചനം	मोचन, स्वतंत्रता
നവീനം	नवीन	അടക്കിവയ്ക്കുക	दबाना
പ്രാവർത്തികം	प्रायोगिक	സുവർണം	सुवर्ण
സ്വച്ഛന്ദം	स्वच्छंद , स्वतंत्र	സർഗാത്മകം	सृजनात्मक
സ്വപ്നസാക്ഷാത്കാരം	स्वप्नसाक्षात्कार	തീവ്ര പരിശ്രമം	कठिन प्रयत्न
പ്രായോഗികത	प्रायोगिकता	ഊന്നുക	बल देना
അധ്യയനം	अध्ययन	തത്വശാസ്ത്രം	दर्शन
വിനോദം	खेल, तमाशा	ലഘൂകരിക്കുക	सरलीकरण करना
സമയബന്ധിതം	समय बन्धित	വിരസം	नीरस
അടിച്ചേൽപ്പിക്കുക	दबाव डालना	മാർഗദർശനം	मार्गदर्शन
നൽകുക	देना	വയൽ	खेत
തൊടി	बाग	ബന്ധപ്പെട്ട	संबंधी

നീണ്ടകാലത്തെ	कई दिनों का	കൂട്ടായ്മ	ऐक्य
നാടകവേദി	रगं मंच	അവതരിപ്പിക്കുക	प्रस्तुत करना
പ്രദർശിപ്പിക്കുക	प्रदर्शन करना	സംഗീതജ്ഞർ	संगीतज्ञ
സംഗീതം	संगीत	ചിത്രരചന	चित्ररचना
നൃത്തം	नृत्य	അഭിലാഷം	अभिलाषा
മൂർത്തരൂപം	मूर्त रूप	വളർച്ച	विकास

अभ्यास

I. पाठ भाग के आधार पर सही कथन चुन लीजिए ।

1. പെൻഷൻ പറ്റിയപ്പോൾ അച്ഛനു വലിയ നിരാശയായിരുന്നു.
2. കുട്ടികളുടെ ജീവിതത്തിൽ ഇടപെടാനാണ് അദ്ദേഹം ആഗ്രഹിച്ചത്.
3. കുട്ടികളുടെ അഭിപ്രായത്തിൽ അച്ഛൻ വിശ്രമം എടുക്കേണ്ട സമയം ആണ് ഇത്.
4. അച്ഛന്റെ പെൻഷൻകാലം അർഥപൂർണമായിരുന്നു.
5. മാതൃഭാഷയിൽ തന്നെ അധ്യയനം നടത്തുന്നതാണ് നല്ലത് എന്ന് അച്ഛൻ വിശ്വസിച്ചിരുന്നു.
6. സാകേതത്തിൽ താൽപ്പര്യമില്ലാത്ത വിഷയങ്ങൾ കുട്ടികളുടെമേൽ അടിച്ചേൽപ്പിക്കുന്നില്ല.
7. ദിവസവും സമയബന്ധിതമായ ക്ലാസുകൾ ആറോ ഏഴോ കാണും സാകേതത്തിൽ.
8. കളികളിലൂടെയും കലകളിലൂടെയും ആണ് സാകേതത്തിലെ വിദ്യാഭ്യാസം.
9. സിനിമ കാണാൻ മാത്രം സാകേതത്തിലെ കുട്ടികളെ അനുവദിക്കില്ല.
10. തൊഴിലാളിക്ഷേമ പ്രവർത്തനങ്ങൾവരെ സാകേതവിദ്യാഭ്യാസ പരിപാടിയിലുണ്ട്.

II. प्रत्येक वाक्य के रेखांकित शब्द के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले तीन शब्दों के साथ ओर दो दो शब्द दीजिए ।

1. സാകേതം കുട്ടികൾക്ക് ഒരു ശക്തി ആയിരുന്നു.
   (വീട്, സ്വപ്നം, പ്രേരണ, ------, ---------).
2. കുട്ടികളെ സന്തോഷിപ്പിക്കാൻ അച്ഛൻ എന്തും ചെയ്തിരുന്നു.
   (തൃപ്തിപ്പെടുത്താൻ, പഠിപ്പിക്കാൻ, സമാധാനിപ്പിക്കാൻ).
3. ആലോചിച്ചുകൊണ്ടിരുന്നപ്പോൾ പലതും ഓർമ്മയിൽ വന്നു.
   (നടന്നുകൊണ്ടിരുന്നപ്പോൾ,വായിച്ചുകൊണ്ടിരുന്നപ്പോൾ, ജോലിചെയ്തുകൊണ്ടിരുന്നപ്പോൾ).

4. മനസ്സുനിറയെ സന്തോഷം ആണെങ്കിൽ പിന്നെ എന്തു ചെയ്യാനും മടിയില്ല.
(ആശയം, തൃപ്തി, ആവേശം,, ------, ----------).
5. സാകേതത്തിന്റെ നിർമാണഘട്ടത്തിൽ അച്ഛൻ വളരെ സന്തോഷിച്ചു.
(ആരംഭഘട്ടത്തിൽ, വളർച്ചയിൽ, പ്രസിദ്ധിയിൽ)
6. ചെറുപ്പക്കാർക്കു പല അവസരങ്ങൾ സാകേതം നൽകുന്നു.
(ആശയങ്ങൾ, പ്രതീക്ഷകൾ, തൊഴിലുകൾ)
7. അച്ഛൻ അങ്ങനെ വിശ്വസിച്ചിരുന്നു.
(ആശിച്ചിരുന്നു, ആശ്വസിച്ചിരുന്നു, പ്രതീക്ഷിച്ചിരുന്നു.)

III. मलयाळम में अनुवाद कीजिए ।

वृद्वावस्था सचमुच दयनीय होती है । हमारे देश में पहले वृद्वावस्था इतना कठिन समय नहीं होता था । जब माता पिता बूढे होते थे तो बच्चे उनकी देखभाल के लिए होते थे। वृद्व लोगों को संयुक्त परिवार से काफी सुरक्षा और संग मिलते थे। लेकिन अब परिवार एक छोटी इकाई बन गया है । जब माता पिता वृद्ध होते हैं तो बच्चे व्यस्त हो जाते हैं । वे अपनी नौकरी के स्थान पर जाते हैं और घर पर बच्चों की देखभाल करते हैं। वृद्ध माता पिता के साथ बिताने केलिए उनके पास समय नहीं होता। अक्सर पोते पोतियों के देखभाल करने का काम वृद्ध लोगों के सिर पर पडता हैं । यह उनकी बात है जिनके बच्चे उन के साथ रहते हैं। लेकिन बहुत से लोगों के बच्चे वृद्धावस्था में उन के साथ नहीं रहते। जीविका की तलाश में उन्हें घर से दूर अन्य स्थानों पर जाना पड़ता है । तब वृद्ध लोग पडोसियों और भगवान की दया पर जीते हैं। यह इतना सरल नहीं है जितना हम सोचते हैं। वृद्धावस्था की समस्या बड़ी गंभीर है और अब बहुत से वृद्धावस्था सदन बनाये जा रहे हैं। यद्यपि यह घर का स्थान नहीं ले सकता कुछ सुरक्षा तो मिलता है। प्यार और विश्वास जो अपने बच्चों से मिलना है वह और किसीसे मिलेंगे ?

IV. बूढे लोगों के देखरेख केलिए आप क्या करना चाहेंगे ?उसके बारे में पन्द्रह वाक्य लिखिए।

टिप्पणियाँ

1. इस पाठ में समय का बोध करानेवाले क्रिया विशेषण उपवाक्यों का परिचय दिया गया है ।

उदा :

(1) നേരം വെളുത്തപ്പോൾ കളി തുടങ്ങി. जब सबेरा हुआ तब खेल शुरु हुआ।
(2) നേരം വെളുക്കുമ്പോൾ കളി തുടങ്ങും. जब सबेरा होगा तब खेल शुरु होगा।
(3) നേരം വെളുത്തപ്പോഴേക്കും കളി തുടങ്ങി. सबेरे होते ही खेल शुरु हुआ ।
(4) നേരം വെളുക്കുമ്പോഴേക്കും കളി തുടങ്ങും. सबेरे होते ही खेल शुरु होगा ।

2. क्रियाविशेषण उपवाक्यों के क्रिया रूप संबंध -वाचक कृदंत में - **പോൾ** लगाकर बनाये जाते हैं। **പോൾ** प्रत्यय **പൊഴുത്** 'समय' शब्द का छोटा और बद्ध रूप है। ऊपर के (1) (2) वाक्यों के **പോൾ** वाले ओर (3) (4) वाक्यों के **പോഴേക്കും** में. अंतर है। इन दोनों रूपों को क्रिया रूप में जोडने से क्या अंतर होता है उस की ओर ध्यान दीजिये । नीचे दिए गए और एक वाक्य युग्म पढिये और अभ्यास कीजिए ।

കുട്ടി കരഞ്ഞപ്പോൾ അമ്മ വന്നു. जब बच्चा रोया तब माँ आई ।

കുട്ടി കരഞ്ഞപ്പോഴേക്കും അമ്മ വന്നു. बच्चा रोते ही माँ आयी ।

3. പോൾ को भूत और भविष्य के संबध वाचक कृदंत में लगाते हैं । वर्तमान के संबध वाचक कृदंत में ही नहीं।

उदा :

(1) **പെൻഷൻ പറ്റിയപ്പോൾ വേറൊരു ജോലി തുടങ്ങി.**
जब निवृत्त हुआ तब और एक नौकरी शुरु की ।

(2) **പെൻഷൻ പറ്റുമ്പോൾ വേറൊരു ജോലി തുടങ്ങും.**
जब निवृत्त हो ऊँगा तब और एक नौकरी शुरु करूँगा ।

4. पाठ के निम्न लिखित वाक्यों पर ध्यान दीजिए ।

അന്വേഷിച്ച് ഇറങ്ങാൻ പോകുകയാണോ ?

दूँढं कर निकलते (निकल रहे) हो क्या?

വരെ വരെ ചെറുപ്പമായി വരുകയാണോ?

आते आते क्या जवान बनते आरहे हो ।

കേൾക്കാൻ തയ്യാറായിരിക്കുകയാണ്.

सुनने केलिए तैयार बैठ रही हूँ ।

इन का प्रयोग वर्तमान और अपूर्ण काल के बोध केलिए किया जाता है। **പോകുക, വരുക** जैसी क्रियार्थक संज्ञाओं में **ആണ്, ആയിരുന്നു** तथा **ആയിരിക്കും** संदर्भानुसार लगाकर ऐसे रूप बनाते हैं। इन का प्रयोग वर्तमान काल क्रिया तथा अपूर्ण काल क्रिया दोनों को बताने केलिए प्रयुक्त होता है।

5. पाठ से लिए इन वाक्यों की ओर ध्यान दें ।

(1) **വരെ വരെ ചെറുപ്പമായി വരുകയാണോ ?**
आवे आते क्या जवान बन रहे हो ?

(2) **പലതും സംസാരിച്ചുകൊണ്ടിരിക്കെ ഇന്നത്തെ നേഴ്സറി സ്കൂളുകളും അവയുടെ നടത്തിപ്പുകാരുടെ ഇംഗ്ലീഷു ഭ്രാന്തും ഒക്കെ സംസാരവിഷയമായി.**

बातें करते करते आजकल के नेर्सरी स्कूल और उन के चलानेवालों की अंग्रज़ी पागलपना हमारे बातचीत का विषय बन गया ।

(3) അതിനെപ്പറ്റിയൊക്കെ ചർച്ച ചെയ്തുകൊണ്ടിരിക്കവെ ഞങ്ങളുടെ മനസ്സിൽ ഒരു ആശയം പൊന്തി വരുകയുണ്ടായി.

उन सभी के बारे में चर्चा करते (करते हुए) हम लोगों के मन में एक विचार उभर आया। ऊपर के वाक्यों में रेखांकित क्रिया रूपों का प्रयोग क्रिया विशेषण उपवाक्य बनाने केलिए किया जाता है और यह असमापिका क्रिया के रूप में होते हैं। ये रूप क्रिया के वर्तमान या अपूर्ण वर्तमान रूप में –ഏ या –അവെ लगाकर बनाए जाते हैं। यह समापिका क्रिया के पहले हुए कार्य का बोध कराते हैं । इस प्रकार के क्रिया रूप भी पूर्वकालिक क्रियाएँ हैं ।

പാഠം 18
पाठ 18

ആപദ്ബന്ധു	आपदबन्धु
സുനിൽ : ഹരീ, ഹരീ, ഒന്ന് വേഗം എണീക്ക്. മണി നാലര ആയി.	हरी, हरी, जरा जल्दी उठो। साडे चार बज गये ।
ഹരി : എന്താ ഇത്ര വെപ്രാളം? നമ്മൾ എത്ര നേരം ചെന്നു വിളിച്ചാലും സേതുവിനെയും കൂട്ടി രാവിലെ ഓടുന്ന കാര്യം ബുദ്ധിമുട്ടാണ്.	इतनी जल्दबाजी क्यों?इतनी जल्दी जाकर बुलाने पर भी सेतु को साथ लेकर सबेरे दौडना कठिन है ।
സുനിൽ : അതുകൊണ്ട് നീ ഇനിമുതൽ ഓടാൻ വരില്ലെന്നാണോ പറയുന്നത്?	इसलिए क्या कह रहे हो कि अभी तुम नहीं दौडने जा रहे हो ?
ഹരി : അല്ലല്ല. ഉള്ള കാര്യം പറഞ്ഞെന്നേ ഉള്ളൂ. ആ തടിയനെയും ഉണർത്തി ഓടാൻ പോകുന്ന കാര്യം ആലോചിച്ചു പറഞ്ഞുപോയതാണ്. ശരി, വാ നമുക്കു പോകാം. നീ ഇതൊന്നും ചെന്ന് അവനോടു പറയതുത്.	नहीं नहीं सही बात कही, इतना ही उस मोटे को भी जगाकर दौडना है, यह सोचकर ऐसा कहा था।ठीक है, हम लोग चलें। तुम ये सब उससे मत कहना ।
സുനിൽ : എനിക്കതല്ലേ തൊഴില് ? വേഗം ഒന്ന് വാടോ. സേതു ഇന്ന് നേരത്തേ തന്നെ എണീറ്റിട്ടുണ്ടാകും എന്നാണ് എനിക്കു തോന്നുന്നത്. മുറിയിൽ ലൈറ്റ് കാണുന്നുണ്ടല്ലോ. ഞാനിവിടെ നിൽക്കാം. ഏതായാലും നീ ചെന്ന് വിളിക്ക്. അവൻ വരാതിരിക്കില്ല.	क्या यही मेरा धन्धा है? अरे जल्दी आओ । मुझे ऐसा लगता है कि सेतु आज जल्दी उठ गया होगा। कमरे में रोशनी दिखाई दे रही है न ? मैं यहाँ रहूँगा। जो भी हो, तुम जाकर बुलाओ। वह आये बिना नहीं रहता ।
ഹരി : സേതൂ, സേതൂ	सेतू, सेतू ।
സേതു : ഗുഡ്മോണിംഗ് ഹരീ. ഞാൻ നിങ്ങളെയും കാത്ത് ഇരിക്കുകയായിരുന്നു.	गुडमार्निंग हरी । मैं तुम्हारी प्रतीक्षा में बैठा हुआ था ।
ഹരി : ഗുഡ്മോർണിങ്.	'गुडमार्निंग' ।

സേതു	: ഇനി ഈ തടി കുറച്ചിട്ടേയുള്ളൂ വേറെകാര്യം. സുനിൽ എവിടെ?	अभी इस मोटेपन को कम करने के बाद ही और कुछ करना है । सुनिल कहाँ है ?
സുനിൽ	: ഹലോ സേതൂ. ഗുഡ്മോർണിംഗ്. ഞാനിവിടെ ഇരിപ്പുണ്ടേ. ചെറിയ തോതിൽ മഴ പെയ്തപ്പോൾ ഞാൻ വിചാരിച്ചു നീ വരില്ലായിരിക്കും എന്ന്. ഏതായാലും ഓടിയാൽ നിനക്കു തന്നെ കൊള്ളാം. വാ നമുക്ക് പതുക്കെ ഓടിത്തുടങ്ങാം.	हलो सेतू । गुडमार्निंग। मैं यहाँ बैठा हूँ। थोडा पानी बरसने पर मैंने सोचा कि तुम नहीं आओगे। जो भी हो दौडना तुम्हारेलिए अच्छा होगा। आओ हम धीरे धीरे दौडना शुरुकरें।
സേതു	: അയ്യോ അതാ, അങ്ങോട്ട് ഒന്ന് ശ്രദ്ധിച്ചു നോക്കൂ. ആ പോസ്റ്റിന്റെ അടുത്ത് ഒരാളും സ്കൂട്ടറും കിട ക്കുന്നതായി തോന്നുന്നില്ലേ? വരൂ അങ്ങോട്ടുചെന്ന് എന്താണെന്നു നോക്കാം. എന്തോ അപകടം സംഭവിച്ചതാണെന്നു തോന്നുന്നു.	अरे देखो। उधर ज़रा ध्यान पूर्वक देखो। खंभ के पास एक आदमी और स्कूटर दिखाई देते हैं न? आओ चलकर देखें, क्या है?लगता है कि कोई दुर्धटना हो गई है।
സുനിൽ	: അതേ. അതേ. മുറിവിൽ നിന്ന് രക്തം ഇപ്പോഴും വാർന്നൊലിച്ചു കൊണ്ടിരിക്കുകയാണല്ലോ. ഇനി ഇപ്പോൾ എന്താ ചെയ്യുക?	हाँ हाँ। हे भगवान चोट से खून अभी भी बह रहा है। अब क्या करें?
ഹരി	: സേതൂ, നിനക്ക് കാറോടിക്കാൻ അറിയില്ലേ ? നീ വീട്ടിൽ പോയി കാർ എടുത്തു കൊണ്ടു വാ. പെട്ടെന്നാകട്ടെ. വരുമ്പോൾ കുറച്ചു രൂപയും കൂടി എടുക്കണം.	सेतू, तुम कार चलाना जानते हो न? तुम घर जाकर गाडी ले आना । जल्दी करो ।आते समय कुछ रुपये भी लेना ।
സേതു	: ഞാനിതാ എത്തി.	मैं अभी आया ।
സുനിൽ	: ഹരീ, നമുക്കിയാളെ ഒന്ന് എഴുന്നേൽപ്പിച്ച് ഇരുത്താം. ഷർട്ടിന്റെ പോക്കറ്റിലെ ആ ഡയറി എടുത്തു നോക്കൂ. ചിലപ്പോൾ അയാളുടെ മേൽവിലാസം കണ്ടേക്കും.	हरी, हम इसे उठाकर बिठा दें। कमीज़ की जेब से वह डायरी निकालकर देखो। शायद उसका पता होगा ।

ഹരി	: ഉണ്ട്. ഇതിൽ വിലാസവും ഫോൺ നമ്പരും ഒക്കെയുണ്ട്. മാഹീൻ എന്നാണ് ഇയാളുടെ പേര്. വീട് ഇവിടെ നിന്ന് ഏകദേശം ഇരുപ തോളം കിലോമീറ്റർ അകലെ യാണല്ലോ.	हाँ । इसमें पता और 'फोननंबर' सब कुछ है। इसका नाम माहीन है। घर यहाँ से लगभग बीस किलो मीटर दूर है ।
സുനിൽ	: സേതുവിനെ കാണുന്നില്ലല്ലോ. ഇനി വൈകിയാൽ ആപത്താണ്. നമുക്ക് ഇയാളെ അടുത്തുള്ള ആ പ്രൈവറ്റ് ആശുപത്രിയിലേക്ക് കൊണ്ടുപോകുന്നതാണു നല്ലത്. സൂക്ഷിച്ചു പിടിക്ക്. നമുക്കിയാളെ എടുക്കാം.	सेतु नहीं दिखाई दे रहा है। अभी देर हो जाय तो मुश्किल है । हमें इसे नज़दीक के प्राइवेट अस्पताल में ले जाना अच्छा है। हम इसे सावधानी से उठा लें ।
ഹരി	: വേണ്ട, വേണ്ട. ആ ആശുപത്രിയിൽ വലിയ സൗകര്യങ്ങൾ ഒന്നും ഇല്ല.	नहीं नहीं । उस अस्पताल में अच्छी सुविधाएँ एक दम नहीं है ।
സുനിൽ	: പിന്നെ?	फिर?
ഹരി	: ഓ, സേതു വരുന്നുണ്ട്. നമുക്കിയാളെ ജനറൽ ആശുപത്രിയിലേക്കു തന്നെ കൊണ്ടു പോകാം. അവിടെ ആണെ ങ്കിൽ എല്ലാ സൗകര്യങ്ങളും ഉണ്ട്. വാ നമുക്കിയാളെ സൂക്ഷിച്ചെടുക്കാം.	देखो, सेतु आ रहा है । हम इसे सर्वजनिक अस्पवाल ले चलें। वहाँ तो सभी सुविधाएँ हैं। आओ इसे सावधानी से उठा लें ।
സേതു	: വേഗം ആകട്ടെ. എന്താ ആളിന് ബോധം ഉണ്ടോ ?	जल्दी करो। क्या यह आदमी होश में है ?
ഹരി	: ഇല്ലെന്നാണ് തോന്നുന്നത്. ഏതായാലും നീ വണ്ടി വിട്. ജനറൽ ആശുപത്രി യിലേക്കാണ്, കേട്ടോ ?	लगता है होश नहीं है। जो भी हो तुम गाडी चलाओ। सार्वजनिक अस्पताल की ओर, समझे ?
സുനിൽ	: അത്യാഹിതവിഭാഗത്തിനു മുമ്പിൽ വണ്ടി നിറുത്ത്. ഭാഗ്യം. ഡോക്ടർ അവിടെ ഇരിക്കുന്നുണ്ടല്ലോ.	आपतकालीन कक्षे के सामने गाडी रोकों। भाग्यवशत डाक्टर वहाँ बैठे हुए हैं ।
ഹരി	: ഡോക്ടർ, ഇദ്ദേഹം വഴിയിൽ ബോധം കെട്ട് കിടക്കുകയായിരുന്നു. സ്കൂട്ടർ	डॉक्टर, ये रास्ते में बेहोश होकर पडे हुए थे। लगता हैं स्कूटर

	അപകടം ആണെന്നു തോന്നുന്നു. ഒരു പക്ഷേ രാവിലെ പെയ്ത മഴയിൽ തെന്നി വീണതാകാം. ഇദ്ദേഹത്തിന്റെ പോക്കറ്റിൽ നിന്നെടുത്ത അഡ്രസ്സിതാ.	आक्सिडेन्ट है। शायद सुबह हुई वर्षा के कारण फिसल गया होगा। जेब से प्राप्त पता यह है ।
ഡോക്ടർ :	ശരി, നിങ്ങളുടെ പേരും മേൽവിലാസവുംകൂടി ഇവിടത്തെ രജിസ്റ്ററിൽ എഴുതണം. ഇയാളുടെ പേരിൽ ഒരു ഔട്ട് പേഷ്യന്റ് ടിക്കറ്റ് എടുത്തു കൊണ്ടു വരൂ. ഞാൻ അപ്പോഴേക്കും ഇയാളെ ഒന്നു പരിശോധിക്കട്ടെ.	ठीक है।अपना नाम औरपता भी यहाँ के रजिस्टर पर लिखिए।इस आदमी के नाम से एक बाह्य रोगी का पर्चा बनवा लाओ। तब तक मैं इसकी जाँच करूँ ।
ഹരി :	സുനിൽ, നീ പോയി ഒ.പി.ടിക്കറ്റ് എടുക്ക്. നീ വരുമ്പോഴേക്കും ഞാൻ ഡയറിയിൽ കണ്ട ഫോൺ നമ്പറിൽ വിളിച്ചുവീട്ടുകാരെ അറിയിക്കാം.	सुनील, तुम जाकर बाह्य रोगी का पर्चा लाओ। तुम्हारे लौटने तक मैं डायरी से प्राप्त फोन नंबर बुलाकर घरवालों को बताऊँगा ।
സുനിൽ :	ശരി, വേഗം ആകട്ടെ.	ठीक है, जल्दी करो ।
	x x x x x	x x
ഹരി :	സുനിൽ, ഞാൻ അയാളുടെ വീട്ടിലേക്ക് വിളിച്ചു പറഞ്ഞു. അയാൾ നിത്യേനെ രാവിലത്തെ ട്രെയിനിൽ എറണാകുളത്ത് ജോലിസ്ഥലത്തേക്ക് പൊയ്ക്കൊണ്ടിരിക്കുന്ന ആളാണ്. ഏതായാലും വീട്ടിൽ നിന്ന് ആരൊക്കെയോ തിരിച്ചിട്ടുണ്ട്. താമസിയാതെ എത്തുമായിരിക്കും.	सुनील, मैंने इसके घर पर बुलाकर कहा। वह प्रतिदिन सुबह की गाडी में नौकरी केलिए एरनाकुलम तक यात्रा करनेवाला आदमी है। जो भी हो घर से कुछ लोग चल पडे हैं। बिना देरी किये आ जाएँगे ।
സുനിൽ :	എടോ സേതൂ. ഓട്ടം കൊണ്ട് നിന്റെ തടിക്കു കുറവൊന്നും ഇല്ല. പക്ഷേ ഇന്നു നീ ഓടാൻ തയ്യാറായി വന്നതുകൊണ്ട് ഇയാളുടെ ജീവൻ രക്ഷപ്പെട്ടു.	रे सेतू, दौडने से तुन्हारा मोटापा ज़रा भी कम नहीं हुआ। लेकिनआज दौडने केलिए तैयार होने के कारण इसका जीवन बच गया ।

സേതു	: തമാശ കള സുനിൽ. ഇപ്പോഴല്ല അതിനു സമയം. ഛെ! ഇയാളുടെ ബന്ധുക്കൾ ആരും വരാത്തതെന്ത്? ഡോക്ടറേയും കാണുന്നില്ല. അദ്ദേഹം അകത്തു പോയിട്ട് അരമണിക്കൂർ കഴിഞ്ഞിരിക്കുമല്ലോ.	सुनील मज़ाक छोडो। अभी इस का समय नहीं है। रे, इसके सगे संबन्धी लोग अभी तक क्यों नहीं आ रहे हैं? डाक्टर भी नहीं दिखाई दे रहे हैं। उनको अन्दर गए आधे घण्टे हो चुके हैं न?
സുനിൽ	: നീ പറയാത്ത താമസം, നോക്ക് അതാ ഡോക്ടർ വരുന്നു.	देखो, तुम्हारे कहते ही डाक्टर आ रहे हैं ।
ഡോക്ടർ	: ഒ പോസിറ്റീവ് ആണ് രോഗിയുടെ രക്തത്തിന്റെ ഗ്രൂപ്പ്. നിങ്ങളുടെ ആരുടെയെങ്കിലും ഗ്രൂപ്പ് അതാണോ?	रोगी के रक्त का ग्रूप 'पॉ'पाजिटीव है । क्या आप लोगों में किसी का यह ग्रूप है ?
സേതു	: ഡോക്ടർ, എന്റേത് അതേ ഗ്രൂപ്പാണ്.	टाक्टर, मेरा वही ग्रूप है ।
സുനിൽ	: ഞാനും ഒ പോസിറ്റീവുകാരനാണ് ഡോക്ടർ.	डाक्टर साहब मैं भी ओ पाजिटिव ग्रूप का हूँ ।
ഡോക്ടർ	: അതു നന്നായി. രണ്ടാളും അകത്തേക്കൂ വരൂ. കുറച്ച് രക്തം അത്യാവശ്യമാണ്.	यह तो अच्छा हुआ। दोनों अन्दर आओ। थोड़ा रक्त आवश्यक है।
സുനിൽ	: രോഗിയുടെ നില ഇപ്പോൾ ആശങ്കാജനകമാണോ ഡോക്ടർ?	डाक्टर साहब, क्या रोगी की स्थिति इस समय खतरे में है ?
ഡോക്ടർ	: അല്പം സീരിയസാണ്. എന്നാലും പേടിക്കാനൊന്നുമില്ല. അയാൾ രക്ഷപ്പെടും. നിങ്ങൾ അയാളെ തക്കസമയത്തുതന്നെ കൊണ്ടു വന്നു. അകത്തേക്കു വരൂ, ബ്ലഡ് എടുക്കാം.	कुछ गंभीर है। तो भी डरने की कोई बात नहीं। वह बच जाएगा आप लोग उसे सही समय पर ही ले आये। अन्दर आइए, श्क्त ले लूँ ।
ഹരി	: ശരി, നിങ്ങൾ രണ്ടുപേരും അകത്തേക്കൂ പോകൂ. ഞാൻ രോഗിയുടെ വീട്ടുകാർ ആരെങ്കിലും വരുന്നുണ്ടോ എന്നു നോക്കാം.	ठीक है। तुम दोनों लोग अन्दर जाओ। मैं देखूँ क्या रोगी के घरवाले आ रहे हैं?

शब्दार्थ

എണീൽക്കുക	उठना	വെപ്രാളം	जल्दबाज़ी
ബുദ്ധിമുട്ട്	तकलीफ़	തടിയൻ	मोटा
തൊഴിൽ	धंधा	തടികുറയ്ക്കുക	मोटापन कम करना
മഴപെയ്യുക	बरसना	ശ്രദ്ധിക്കുക	देना
അപകടം	दुर्घटना	സംഭവിക്കുക	घटना, होना
മുറിവ്	घाव	രക്തം	खून, रक्त
വാർന്നൊലിക്കുക	बहना	ആപത്ത്	आपत्ति
ആശുപത്രി	अस्पताल	സൗകര്യം	सुविधा
ബോധം	होश	അത്യാഹിതവിഭാഗം	दुर्घटना विभाग
ചാറ്റൽ മഴ	फुहार पड़ना	തെറ്റിവീഴുക	फिसलना
മേൽവിലാസം	पता	നിത്യേന	रोज़
താമസിയാതെ	बिना देर से	തടിക്കുക	मोटा होना
ജീവൻ	जीवन	രക്ഷപ്പെടുക	बच जाना
ബന്ധുക്കൾ	रिश्तेदार	ആശങ്കാജനം	आशंकाजनक

अभ्यास

I. वार्तालाप के अनुसार उत्तर दीजिए।

1. ആരൊക്കെയാണ് രാവിലെ ഓടാൻ തയ്യാറായിരിക്കുന്നത്?
2. ആർക്കാണു തടി കൂടുതൽ ഉള്ളത്?
3. ഓടിത്തുടങ്ങിയതിനു ശേഷമാണോ അതിനുമുമ്പാണോ അവർ അപകടരംഗം കണ്ടത് ?
4. അപകടം സംഭവിച്ച സ്ഥലത്ത് ഓടിച്ചെന്നപ്പോൾ അവർ കണ്ടതെന്താണ് ?
5. ആർക്കാണ് അപകടം സംഭവിച്ചത് ?
6. ആരാണ് കാറുകൊണ്ടുവരാൻ പോയത് ?
7. ഏത് ആശുപത്രിയിൽ കൊണ്ടുപോകാനാണ് അവർ ആദ്യം നിശ്ചയിച്ചത്? പിന്നെ എവിടെ കൊണ്ടുപോയി ?
8. ആശുപത്രിയിൽ ചെന്നപ്പോൾ ഡോക്ടർ കാര്യമായി നോക്കിയോ ?
9. രോഗിയുടെ വീട്ടുകാരെ എങ്ങനെ വിവരം അറിയിച്ചു. മേൽ വിലാസം എങ്ങനെ കിട്ടി ?
10. രോഗി എവിടെയാണ് ജോലി ചെയ്യുന്നത്?
11. രോഗിയുടെ ജീവൻ രക്ഷിക്കാൻ എന്തു ചെയ്യേണ്ടി വന്നു? ആരതിനു സഹായിച്ചു ?

II. उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए ।

उदा :1 അയാൾ ഒരു മാതൃകാ സ്കൂൾ നടത്തുകയാണ്.
അയാൾ ഒരു മാതൃകാ സ്കൂൾ നടത്തുന്നു.

1. കുട്ടികൾ പഠിക്കുകയാണ്.
2. അപ്പൂപ്പനും അമ്മൂമ്മയും തോട്ടത്തിൽ ചെടികളെ പരിപാലിക്കുകയാണ്.
3. തടി കുറയ്ക്കാൻ വേണ്ടി സേതു രാവിലെ ഓടുകയാണ്.
4. മുറിവിൽ നിന്നും രക്തം ഒലിച്ചുകൊണ്ടിരിക്കുകയാണ്.
5. അയാൾ അതിവേഗം കാറോടിച്ചു പോകുകയാണ്.

उदा : 2. ഡോക്ടർ മരുന്നു കൊടുക്കുകയാണ്.
ഡോക്ടർ മരുന്നു കൊടുത്തു.

1. അവർ ഓണം ആഘോഷിക്കുകയായിരുന്നു.
2. കൂട്ടുകാർ രമേശിനെ ആശുപത്രിയിലേക്കു കൊണ്ടുപോകുകയായിരുന്നു.
3. അച്ഛൻ ഉറങ്ങുകയായിരുന്നു..
4. അമ്മ അടുക്കളയിൽ പാചകം ചെയ്യുക ആയിരുന്നു.
5. കളിക്കാർ മൈതാനത്തിൽ എത്തുകയായിരുന്നു.

उदा : 3 അയാൾ എന്നും ട്രെയിനിൽ സഞ്ചരിച്ചുകൊണ്ടിരിക്കുകയാണ്.
അയാൾ എന്നും ട്രെയിനിൽ സഞ്ചരിച്ചുകൊണ്ടിരിക്കുന്നു.

1. ചേച്ചി കോളേജിൽ പഠിപ്പിച്ചുകൊണ്ടിരിക്കുകയാണ്.
2. ലതിക പരീക്ഷ എഴുതിക്കൊണ്ടിരിക്കുകയാണ്.
3. എല്ലാവരും അതിനെപ്പറ്റിത്തന്നെ പറഞ്ഞുകൊണ്ടിരിക്കുകയാണ്.
4. വള്ളം കളികാണാൻ ആളുകൾ തള്ളിക്കേറിക്കൊണ്ടിരിക്കുകയാണ്.
5. ആളുകൾ വെള്ളമില്ലാതെ കഷ്ടപ്പെട്ടുകൊണ്ടിരിക്കുകയാണ്.

उदा : 4 അയാൾ കാര്യം പറയുകമാത്രമാണ് ചെയ്തത്.
അയാൾ കാര്യം പറഞ്ഞതേ ഉള്ളൂ.

1. അദ്ദേഹം അവരോടു സംസാരിക്കുക മാത്രമാണ് ചെയ്തത്.
2. ഡോക്ടർ രോഗിയെ പരിശോധിക്കുക മാത്രമാണ് ചെയ്തത്.
3. അവളെ ഞാൻ ഒന്നു നോക്കുക മാത്രമാണ് ചെയ്തത്.
4. നിന്നോട് ആ പുസ്തകം ചോദിക്കുക മാത്രമാണ് ചെയ്തത്.
5. അവരെ കാര്യം അറിയിക്കുക മാത്രമാണ് ചെയ്തത്.

III. प्रत्येक वाक्य में रेखांकित शब्द के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले दो दो क्रिया से बननेवाले रूपों से वाक्य फिर से बनाइए ।

1. നീ പറയാത്ത താമസം ഡോക്ടർ വരും.

2. നിങ്ങളെപ്പറ്റി സംസാരിച്ചുകൊണ്ടിരിക്കുമ്പോഴാണ് നിങ്ങൾ തന്നെ കയറി വന്നത്.
3. വിടരുന്ന മൊട്ടുകളിൽ ജീവൻ ഉണ്ട്.
4. ആരും വരാത്തതിനാൽ അവർ മടങ്ങിപ്പോയി .
5. ആ കുട്ടിയോടു പറയാൻ എനിക്കൊന്നും ഇല്ല.
6. നാട്ടിൽ പലരും വെറുതെ ഇരിക്കുക ആണ്.
7. പറഞ്ഞ് പറഞ്ഞ് എനിക്കു മതിയായി..
8. എന്റെ കയ്യിൽ ഉണ്ടായിരുന്ന പണമാണ് ഞാൻ അവർക്ക് കൊടുത്തത്.
9. പ്രയത്നിച്ചാൽ ഫലം കിട്ടും.
10. നന്നായി സമ്പാദിച്ചവർ സുഖമായി ജീവിക്കുന്നു.
11. നിന്റെ ആരോഗ്യത്തിന് ഇങ്ങനെ ഇവിടെ താമസിക്കുന്നത് നല്ലതല്ല.
12. ആളുകൾ എല്ലാവരെയും പറ്റി ഓരോന്നു പറയുക ആണ്.
13. കഷ്ടപ്പെട്ടാലേ പണി കിട്ടൂ.
14. കൈക്കൂലി കൊടുക്കാതെ നീ എങ്ങനെ രക്ഷപ്പെട്ടു?
15. എന്നും അയാൾ എറണാകുളത്തേക്കു സഞ്ചരിച്ചുകൊണ്ടിരിക്കുന്നു.
16. അവിടെ വരെ പോയി പേപ്പർ നോക്കാതെ മടങ്ങിവന്നവൻ നീയേ ഉള്ളൂ.
17. എല്ലാവരും എത്തുമ്പോഴേക്കും സദ്യ തുടങ്ങും.
18. ഇങ്ങനത്തെ പല ആൾക്കാരേയും ഞാൻ കണ്ടിട്ടുണ്ടായിരുന്നു.
19. അവരൊക്കെ വരട്ടെ. എന്നിട്ടു നമുക്കു സംസാരിക്കാം.
20. ആരും സംസാരിക്കുന്നില്ല .
21. വെറുതെ എന്തിന് സമയം കളഞ്ഞു?
22. എനിക്കയാളെപ്പറ്റി ഒന്നും അറിയാൻ വയ്യ.
23. നല്ലവരല്ലാത്തവർ ആയി ആരെങ്കിലുമുണ്ടോ?
24. ഞങ്ങൾ സംസാരിച്ചുകൊണ്ടിരിക്കെയാണ് അങ്ങനെ സംഭവിച്ചത്.
25. ചുമതല ഇല്ലെങ്കിൽ അങ്ങനെയൊക്കെ പറയാം.
26. ജോലി ചെയ്തുകൊണ്ടിരുന്നപ്പോൾ എനിക്ക് പെട്ടെന്ന് ഒരു തലവേദന വന്നു.
27. ശരീരം വളരുന്തോറും ബുദ്ധിയും വളരുന്നു എന്ന കാര്യം ശരിയാണോ ?
28. ഇതുവരെ കേട്ടിട്ടുള്ള വാക്യരചനകൾ ഒക്കെ ഓർമ്മയുണ്ടോ?

IV. उदाहरण जैसे दिए हुए वाक्यों को छोटे छोटे वाक्यों में लिखिए ।

उदा :

ഗൾഫിൽ നിന്നു വന്ന ആയിരക്കണക്കിനു ആൾക്കാരുടെ പ്രശ്നങ്ങൾ ചർച്ച ചെയ്യാൻ സർക്കാർ കമ്മറ്റിയെ വിളിച്ചുകൂട്ടിയതിനെപ്പറ്റി പത്രത്തിൽ വാർത്ത ഉണ്ടായിരുന്നു.

(1). ഗൾഫിൽ നിന്ന് ആയിരക്കണക്കിന് ആൾക്കാർ വന്നു.

(2). അവരുടെ പ്രശ്നങ്ങൾ ചർച്ച ചെയ്യാൻ സർക്കാർ കമ്മറ്റിയെ വിളിച്ചു കൂട്ടി.

(3). അതിനെപ്പറ്റി പത്രത്തിൽ വാർത്ത ഉണ്ടായിരുന്നു..

1. എം.എ. പാസ്സായ എല്ലാ കുട്ടികൾക്കും ജോലിക്ക് അവസരം നൽകാൻ സർക്കാർ ശ്രമിക്കുന്നുണ്ട് എന്ന കാര്യം തന്നെ ആശാവഹമാണ് എന്ന് അദ്ദേഹം പ്രസ്താവിച്ചു.
2. നാട്ടുകാർ എന്തൊക്കെ പറഞ്ഞാലും വീട്ടുകാർ സമ്മതിച്ചില്ലെങ്കിലും ആ പെൺകുട്ടിയെ മാത്രമേ കല്യാണം കഴിക്കുകയുള്ളൂ എന്ന് ജോൺ തീരുമാനിച്ചിരുന്നതുകൊണ്ട് അവനോട് ആരും ഒന്നും പറഞ്ഞില്ല.
3. പുഞ്ചിരിച്ചുകൊണ്ടിരിക്കുന്ന കുട്ടികളെ കാണുമ്പോൾ തന്നെ അവരോടു സംസാരിക്കണം എന്നു തോന്നുമെങ്കിലും കുട്ടികൾക്ക് അതിഷ്ടപ്പെടില്ല എന്നുകരുതി അവൾ അവരുടെ അടുത്തേക്കുപോലും പോകില്ല .
4. ആയിരമായിരം മൈലുകൾക്കപ്പുറത്തു നിന്ന് അച്ഛനെയും അമ്മയെയും കാണാൻ ഓടിയെത്തിയ മകനെ കണ്ടപ്പോൾ നാട്ടുകാർ വളരെ സന്തോഷത്തോടെ അവന്റെയടുത്തുപോയി സുഖവിവരങ്ങൾ അന്വേഷിക്കുകഉണ്ടായി.
5. പഠിച്ചുപാസ്സായി ഒരു ജോലിയൊക്കെ കിട്ടിയിട്ട് പണം ഒക്കെ സമ്പാദിച്ച് നഗരത്തിൽ ഒരു വീടുവാങ്ങി വീട്ടുകാരെയൊക്കെ ഗ്രാമത്തിൽ നിന്ന് നഗരത്തിലേക്ക് കൊണ്ടുവരണം എന്നാണവൻ ആഗ്രഹിച്ചതെങ്കിലും പണം ഇല്ലാതിരുന്നതു കാരണം പഠിത്തം പോലും മുൻപോട്ടുതുടരാൻ സാധിച്ചില്ല.

V. उदाहरण के अनुसार दिए हुए वाक्यों को जोड़कर एक वाक्य लिखिए ।

उदा :

(1) ശാരദ തനിക്കു തോന്നിയതുമാത്രം ചെയ്തു.
(2) അങ്ങനെ പരിചയിച്ചു. അവൾക്കു പുതിയ ജോലി കിട്ടി.
(3) അപ്പോഴും അവൾ ആരോടും ചോദിക്കാൻ പോയില്ല.
(4) ആരോടും പറയാൻ പോയില്ല.
(5) പിറ്റേദിവസം തന്നെ ജോലിസ്ഥലത്തേക്കു തിരിച്ചു.
(6) അതു വീട്ടുകാരെ വേദനിപ്പിച്ചു.

തനിക്കു തോന്നിയതു മാത്രം ചെയ്തു പരിചയിച്ച ശാരദ പുതിയ ജോലി കിട്ടിയപ്പോഴും ആരോടും ചോദിക്കാനോ പറയാനോ പോകാതെ പിറ്റേ ദിവസം തന്നെ ജോലിസ്ഥലത്തേക്കു തിരിച്ചതു വീട്ടുകാരെ വേദനിപ്പിച്ചു.

1. (1) പലതരം ഭക്ഷണ സാധനങ്ങൾ ഉണ്ടായിരുന്നു.
(2) എന്നിട്ടും കുട്ടൻ പട്ടിണി കിടന്നു.
(3) അങ്ങനെ നടന്നു.
(4) പലയിടത്തും ചുറ്റിക്കറങ്ങി .
(5) ആഹാരം ഇല്ലാതെ വിഷമിക്കുന്നവരെ കണ്ടു.
(6) അപ്പോൾ ആഹാരത്തോടു ബഹുമാനം തോന്നി..

2. (1). ശാസ്ത്രജ്ഞന്മാർ ആകാശത്തും ചന്ദ്രനിലുമൊക്കെ ഇഷ്ടംപോലെ പോകുന്നു.
(2) ഇഷ്ടം പോലെ വരുന്നു.
(3) ദിവസം കഴിയുന്തോറും പ്രകൃതിയുടെ ഓരോ രഹസ്യവും മനസ്സിലാക്കാൻ കഴിയുന്നുണ്ട്.
(4) എങ്കിലും അതിനെക്കാൾ കൂടുതൽ മനസ്സിലാക്കാൻ കഴിയാത്ത കാര്യങ്ങൾ ആണ്.
(5) അതാണെന്റെ പൂർണ വിശ്വാസം.

3. (1). മൈസൂറിന്റെ മാദക സൗന്ദര്യം ഞാൻ കണ്ടു.
(2). ഞാൻ ആസ്വദിച്ചു.
(3). ഞാൻ അങ്ങനെ നടന്നു.
(4). ഞാൻ ഇവിടെ ഒരു പ്രത്യേക ജോലിക്കു വന്നതാണ്.
(5) എനിക്ക് എന്റേതായ ചുമതലകൾ ഇതിനിടയിൽ ചെയ്തു തീർക്കാനുണ്ട് .
(6) എന്റെ കൂട്ടുകാരൻ ആ കാര്യം ഓർമ്മിപ്പിച്ചു.
(7) അപ്പോഴാണ് ഞാൻ ഓർത്തത്.

4. (1). മകൻ ഉപരിപഠനത്തിനു അമേരിക്കയിലേക്കു പോയി.
(2). അവിടെ ഒരു പെൺകുട്ടിയുമായി അവൻ സ്നേഹത്തിലായി.
(3). അച്ഛനമ്മമാർ ആ ബന്ധത്തിനു എതിരായിരുന്നു.
(4). എങ്കിലും അവൻ അതു സാരമാക്കിയില്ല.
(5) അവളെ കല്ല്യാണം കഴിച്ചു.
(6) അവളുടെ കൂടെ നാട്ടിൽ വന്നു.
(7) അവർ ഒരു പ്രത്യേകം വാടകവീട് എടുത്തു.
(8) ആ വീട്ടിൽ താമസം തുടങ്ങി.

5. (1) പെൻഷൻ പറ്റി .
(2). മക്കൾക്ക് ജോലി കിട്ടി കല്യാണവും നടന്നു.
(3) ഇനി ആരോടും ഒരു കടപ്പാടും ഇല്ല.
(4) സുഖമായി ഒന്നു വിശ്രമിക്കാം.
(5) എന്നദ്ദേഹം വിചാരിച്ചു .
(6) അപ്പോൾ അനിയൻ ഗൾഫിൽനിന്ന് വെറും കയ്യോടെ വന്നു.
(7) ഒരു വ്യാപാരം തുടങ്ങാൻ ആൾ സഹായവും ധനസഹായവും ചോദിച്ചു.

पढ़िए और समझिए ।

മറക്കാനാവാത്ത സംഭവം

ഒരിക്കലും മറക്കാൻ വയ്യാത്ത ഒരു കഥയാണ് ഞാൻ പറയാൻ പോകുന്നത്. അന്നും കോളേജിന്റെ മുൻവശത്തെ സ്റ്റോപ്പിൽ നല്ല തിരക്കുണ്ടായിരുന്നു. ചിലർ ക്ലാസ്സിൽ ഇരുന്നു ക്ഷീണിച്ചവർ, ചിലർ ക്യാമ്പസിൽ കറങ്ങിനടന്ന് ക്ഷീണിച്ചവർ. എല്ലാപേരും "വിദ്യാർഥികൾ മാത്രം" എന്ന ബോർഡ് തൂക്കിയ ബസ്സ് പ്രതീക്ഷിച്ച് നിൽക്കുകയായിരുന്നു. വളരെ താമസിയാതെ തന്നെ ബസ് വന്നു. കാന്തവും ഇരുമ്പും പോലെയായിരുന്നു ഞങ്ങളും ബസ്സും. നാലുവശത്തുകൂടിയും ഞങ്ങൾ അകത്തു കയറാൻശ്രമം തുടങ്ങി. എന്റെ കൂട്ടുകാരനെ അവൻ ആശിച്ചതല്ലെങ്കിലും ചില പരോപകാരികൾ തള്ളി അകത്തേക്കിട്ടു. ചുറ്റും തൂങ്ങിക്കിടക്കുന്ന വിദ്യാർഥി കളുമായി നിരങ്ങിനീങ്ങുന്ന ബസ്സുകണ്ടാൽ ഉറുമ്പിൻകൂട്ടം അരിമണി കൊണ്ടു പോകുന്നതാണെന്നേ തോന്നൂ. അകത്തു കയറിപ്പറ്റാൻ കഴിയാത്തതിനാൽ ഞാനും എന്റെ മറ്റു രണ്ടു കൂട്ടുകാരും ബസ്സിന്റെ പിന്നിലുള്ള ഏണിയിൽ തൂങ്ങിയിട്ടുണ്ടായി രുന്നു .

നിനക്കറിയില്ലേ കോളേജിൽ നിന്നുള്ള ആ വഴി? രണ്ടു കിലോമീറ്ററോളം ഇറക്കമാണ്. ആ ഇറക്കം ആരംഭിച്ചപ്പോൾ തന്നെ ബസ്സിന്റെ ഉള്ളിൽ നിന്നു രക്ഷി ക്കണേ. രക്ഷിക്കണേ. എന്നുള്ള നിലവിളികളും പൊട്ടിക്കരച്ചിലുകളും ഉയർന്നു. പെൺകുട്ടികളുടെ ശബ്ദം ഉച്ചത്തിൽ കേൾക്കുന്നുണ്ടായിരുന്നു. പെൺകുട്ടികളുടെ നെഞ്ചിടിപ്പും നിലവിളിയും കേട്ടാൽ ഒരു 'ഭജനസംഘം' പോകുന്നതാണെന്നേ തോന്നുമായിരുന്നുള്ളൂ. നിയന്ത്രണംവിട്ടാണ് ബസ്സ് പോകുന്നതെന്ന് മനസ്സിലാക്കാൻ ഞങ്ങൾക്ക് അധികസമയം വേണ്ടിവന്നില്ല. ഈ പോക്ക് അപകടം വരുത്തിയേക്കും എന്ന് ഞങ്ങൾക്ക് തീർച്ചയായി. റോഡിനരികെയുള്ള ഒരു കുളത്തിനരികിലേക്ക് ബസ്സ് എത്താറായിക്കാണും. ഞങ്ങളുടെ മനസ്സിലേക്ക് ഭയത്തിന്റെ കൊടുങ്കാറ്റ് ആഞ്ഞടിച്ചു. ഞങ്ങളെല്ലാം മരണത്തിനു തയ്യാറെടുക്കുകയായിരുന്നു. ഞാൻ നിന്നി രുന്ന ഏണി സ്വർഗ്ഗത്തിലേക്കുള്ള എളുപ്പവഴിയാണെന്ന് എന്റെ മനസ്സ് എന്നോട് പറഞ്ഞു. ആ ഏണിയിൽനിന്നുകൊണ്ടുതന്നെ എല്ലാ പള്ളികളിലുംക്ഷേത്രങ്ങളിലും ദർശനം നടത്തി ഞാൻ തിരികെ വന്നു. ശൂന്യാകാശത്ത് നിൽക്കുന്നതായുള്ള ഒരു തോന്നൽ. ഞാൻ മെല്ലെ ബസ്സിനുള്ളിലേക്ക് ഒന്നു നോക്കി. കുളത്തിന്റെ കരയിൽ കിടന്നു പിടയ്ക്കുന്ന മത്സ്യങ്ങളെപ്പോലെ നിസ്സഹായരായ ഒരു പറ്റം വിദ്യാർഥികൾ. അവർ സർവമത പ്രാർഥന നടത്തുകയായിരുന്നു.

ചെറിയ കുടുംബം 'സന്തുഷ്ട കുടുംബം' എന്ന വാക്യത്തോടൊപ്പമുള്ള ബസ്സിലെ ചിത്രത്തിലെ കുടുംബം പോലും ഞങ്ങൾക്കു വേണ്ടി പ്രാർഥി ക്കുന്നതായി എനിക്കുതോന്നി. ഇതിനോടകം ബസ്സ് നിരപ്പായ പാതയിലേക്ക് എത്തി ക്കഴിഞ്ഞിരുന്നു. വളരെ പ്രയാസപ്പെട്ടിട്ടാണെങ്കിലും ബസ്സ് വയലിലേക്ക് ഓടി ച്ചിറക്കി . ആ ഡ്രൈവർ ഞങ്ങൾക്ക് വീണ്ടും ഒരു ജന്മം തന്നു. ചില്ലറ പരിക്കു

കളോടെ ഞങ്ങൾ രക്ഷപ്പെട്ടു. ലക്ഷം രൂപ ലോട്ടറി അടിച്ചവന്റെ കയ്യിൽനിന്ന് രണ്ടുരൂപാ കളഞ്ഞു പോകുന്നതുപോലെ മാത്രമേ ഉണ്ടായിരുന്നുള്ളൂ ഞങ്ങൾക്ക് ആ പരിക്കുകൾ. മഴയത്ത് മാമ്പഴം വീഴുന്നതു പോലെ വിദ്യാർഥികൾ ബസ്സിൽ നിന്ന് ഇറങ്ങിത്തുടങ്ങി. ഒന്നും സംഭവിക്കാത്തതു പോലെ അടുത്ത ബസ്സിൽ എങ്ങിനെ കയറിപ്പറ്റാം എന്നാലോചിച്ചുകൊണ്ട് റോഡിന്റെ അപ്പുറത്തേക്കവർ നടന്നു നീങ്ങി.

शब्दार्थ

ക്ഷീണിച്ചവർ	थके हुए लोग	കറങ്ങിനടക്കുക	घूमना फिरना
കാന്തം	चुंबक	ഇരുമ്പ്	लोहा
പരോപകാരി	परोपकारी	നിരങ്ങിനീങ്ങുക	रेंगना
ഉറുമ്പ്	चींटी	കൂട്ടം	समूह
ഏണി	सीढ़ी	തൂങ്ങുക	लटकना
ഇറക്കം	उतरना	ശബ്ദം	आवाज़
നെഞ്ചിടിപ്പ്	छाती का स्पन्दन	പോക്ക്	जाना
കുളം	तालाब	ഭയം	भय, डर
പള്ളി	गिरजाधर	ദർശനം	दर्शन, देखना
ശൂന്യാകാശം	अंतरिक्ष	തോന്നൽ	सोच
മെല്ലെ	धीरे धीरे	കര	तट
പിടി	पकड	സർവ്വമതപ്രാർഥന	सार्वधार्मिक प्रार्थना
സന്തുഷ്ടം	खुश, संतुष्ट	വാക്യം	वाक्य
നിരപ്പായ പാത	समतल सड़क	ജന്മം	जन्म
നിരപ്പായ	समान, समतल	മാമ്പഴം	आम का फल (पका हुआ)
വീഴുക	गिरना	ഇറങ്ങുക	उतरना
ചെളി	कीचड़	കയറിപ്പറ്റുക	चढजाना
നീങ്ങുക	चलना, हिलना		

अभ्यास

I. उत्तर दीजिए ।

1. എങ്ങനെയുള്ളവരാണ് ബസ്സു കാത്തുനിന്നത്?
2. വിദ്യാർഥികളും ബസ്സും തമ്മിലുള്ള ബന്ധം എന്തായിരുന്നു ?
3. ചില 'പരോപകാരികൾ' ചെയ്തതെന്താണ്?

4. വിദ്യാർഥികളേയും കൂട്ടി നിരങ്ങിനീങ്ങുന്ന ബസ്സ് കണ്ടാൽ എന്തു തോന്നും?
5. ലേഖകനും കൂട്ടുകാരും ബസ്സിൽ എവിടെനിന്നാണ് യാത്രചെയ്തിരുന്നത് ?
6. ബസ്സ് കോളേജിൽ നിന്നുള്ള വഴിയിലെ ഇറക്കത്തിലൂടെ യാത്രആരംഭിച്ചപ്പോൾ എന്താണ് ബസ്സിൽ നിന്ന് ഉയർന്നുവന്നത്?
7. ആരുടെ ശബ്ദമാണ് കൂടുതൽ ഉറക്കെ കേൾക്കുന്നുണ്ടായിരുന്നത് ?
8. ഭജനസംഘം ഏതായിരുന്നു.?
9. ബസ്സ് കുളത്തിനരുകിൽ എത്തിയപ്പോൾ ലേഖകന് എന്തുതോന്നി?
10. ലേഖകന്റെ മനസ്സ് എന്താണ് അപ്പോൾ മന്ത്രിച്ചത് ?
11. ബസ്സിനുള്ളിലേക്ക് എത്തിനോക്കിയ ലേഖകൻ കണ്ടതെന്താണ്?
12. അവസാനം ബസ്സിന് എന്തുപറ്റി? ഡ്രൈവർ എന്തു ചെയ്തു ?
13. വിദ്യാർഥികൾ എങ്ങനെയാണ് ബസ്സിൽ നിന്ന് ഇറങ്ങിയത് ?എന്നിട്ട് പിന്നെ യവർ എന്തുചെയ്തു?

II. परिचित शब्दों को पहचानिए ।

ദർശനം	പാത	സുന്ദരമായി,
സ്വർഗം	മനസ്സിലാക്കുക	എങ്ങനെ
തമ്മിൽത്തല്ലുക	ചീകിഒതുക്കുക	നന്നായി
മെല്ലെ	രക്തം	മറക്കുക
കളിയാക്കുക	കുടുംബം	കയറിപ്പറ്റുക
പതുക്കെ	പ്രാർഥിക്കുക	നടന്നുനീങ്ങുക
സ്നേഹത്തോടെ	ആലോചിക്കുക	വെപ്രാളം
മേൽവിലാസം	വേഗം	പരിക്ക്
ഒന്നാമതായി	തടിയൻ	കളയുക
നല്ലവണ്ണം	ശൂന്യാകാശം	പ്രയാസം

III. मलयाळम में अनुवाद कीजिए ।

वह दुर्घटना तब हुई जब गाँव के सभी लोग मंदिर के बाहर बरगद के पेड़ के नीचे एकत्रित हुए थे। वे वहाँ मंदिर के विषय में निर्णय लेने आथे थे। मंदिर की देखरेख करने वाला कोई नहीं था। कोई पुजारी नहीं था। मंदिर थोडी टूटी थी। मूर्ति कृष्ण की थी लेकिन उसमें बांसुरी और एक हाथ नहीं था। जो पूजा करने वाले आ रहे थे उनकी संख्या भी बहुत कम थी। रामन् कुट्टी और जानकी नामक वृद्ध दंपति वहाँ हर शाम आते थे। पूजारी के न रहने की परवाह नहीं थी । वे हर शाम एक माला बनाते थे और लाते थे। वे मंदिर में आते, देवता के सामने माला रखते और मंदिर की तीन बार प्रदक्षिण करते और भजन गाते थे। गर्मी हो या बरसात रामन् कुट्टि और जानकी की दिनचर्या में कोई अंतर नहीं पड़ता था। उस शाम भी रामन् कुट्टी और जानकी मंदिर में थे। गल्फ से लौटे दो तीन नवयुवक बाहर विचारविमर्श कर रहे थे। वे गल्फ से लाये पैसे से मंदिर का पुनरुद्धार

എന്നെ ഒരു പാട് വഴക്കു പറഞ്ഞു.
എന്നിട്ട് എന്റെ പുസ്തകങ്ങൾ എടുത്ത്
ദൂരെ എറിഞ്ഞു കളഞ്ഞു .

पढ लिया। इसलिए बड़े भाई ने
मुझे डाँटा। इसके बाद मेरी पुस्तकें
लेकर दूर फेंक दिए ।

करना चाहते थे। बरसात शुरु होनेवाली थी। सभा चल रही थी। अचानक बरगद की एक डाल झटके से टूट गई। वे मंदिर की ओर दौड़ पड़े। लोग जब मंदिर के एक कोने में आए तो उन्होने आश्चर्य के साथ देखा कि रामन् कुट्टि और जानकी खड़े हैं और बोल नहीं पा रहे हैं। कुछ समय बाद बड़ी कठिनाई से जानकी के मुँह से इतना निकला "देखिए, मूर्ति को कुछ नहीं हुआ है !"

बरगद पेड़	ആൽമരം	बांसुरी	ഓടക്കുഴൽ
विचार विमर्श	ചർച്ച	कठिनाई	പ്രയാസം / ബുദ്ധിമുട്ട്.

1V. किसी एक दुर्धटना में फँस गए लोगों के बचाव के प्रयत्न के बारे में 15 वाक्य लिखिए ।
(दुर्धटना देखे, सुने या काल्पित हो)

പാഠം 19
पाठ 19

വേണുവും രേണുവും

वेणु और रेणु

രാധിക : എന്താ വേണൂ, നീ അനിയത്തിയെ ഇങ്ങനെ കരയിക്കുന്നത്?

क्यों वेणू, तुम छोटी बहिन को इस प्रकार रुला रहे हो ?

വേണു : ഞാൻ ആരെയും കരയിക്കുന്നില്ലല്ലോ. അവൾ തനിയെ ഇരുന്നു കരയുകയാണ്.

मैं किसी को रुलाता नहीं हूँ। वह अपने आप से रो रही है ।

രാധിക : നിങ്ങൾ രണ്ടുപേരും കൂടെ കൂടിയാൽ ഒരു പത്തു നിമിഷം പോലും എന്നെ ഒരിടത്തിരുത്തുകയില്ല. അല്ലേ? അരമണിക്കൂർ പോലും തമ്മിൽ തല്ലാതെ ഇരുന്നുകൂടെ?

साथ हो जाने पर दस क्षण मात्र केलिए भी मुझे एक जगह पर बैठने नहीं देते हो।है न ?क्या आधे घण्डे भी बिना झगडा किए नहीं रह सकते?

വേണു : ഞാൻ അവളെ തല്ലിയൊന്നും ഇല്ലമ്മേ. ഞാൻ ചേട്ടനായിപ്പോയതുകൊണ്ടല്ലേ അമ്മ എപ്പോഴും എന്നെത്തന്നെ കുറ്റപ്പെടുത്തുന്നത്? ഞാൻ അവളെ ഒന്നും ചെയ്തില്ല. വേണമെങ്കിൽ അമ്മതന്നെ വന്നു നോക്കിക്കൊള്ളൂ.

माँ, मैंने उसे नहीं मारा । बडा भाई होने के कारण ही आप हमेशा मुझे ही दोष देती है न? मैं ने उसे कुछ भी नहीं किया। यदि आप चाहे तो खुद आकर देख लें ।

രാധിക : എന്താ രേണൂ ഇത്? ചേട്ടന്റെ കൂടെ വഴക്കുകൂടീട്ടിരുന്നു ചിണുങ്ങുകയാണോ?

रेणू यह क्या है ? बड़े भाई से झगड़ा करके तुम क्यों सिसक रही हो ?

രേണു : ഞാൻ വഴക്കൊന്നും കൂടിയില്ല. ഞാൻ ചേട്ടന്റെ സ്റ്റാമ്പ് ആൽബം എടുത്തു നോക്കിപ്പോയി. അതിനു ചേട്ടൻ എന്നെ ഒരു പാട് വഴക്കു പറഞ്ഞു. എന്നിട്ട് എന്റെ പുസ്തകങ്ങൾ എടുത്ത് ദൂരെ എറിഞ്ഞു കളഞ്ഞു .

मैंने कोई झगडा नहीं किया। मैंने बडे भाई का स्टाम्प आल्बम लेकर देख लिया। इसलिए बडे भाई ने मुझे डाँटा। इसके बाद मेरी पुस्तकें लेकर दूर फेंक दिए ।

രാധിക : വഴക്കു കൂടിക്കൂടി പഠിക്കുന്ന പുസ്തകങ്ങൾ എടുത്ത് എറിഞ്ഞാണോ കളിക്കുന്നത്? വേണൂ, ഇന്നു നിന്നെ ഞാനൊരു പാഠം പഠിപ്പിക്കുന്നുണ്ട്. നോക്കിക്കോളൂ.	वेणू, क्या झगडा करते करते पाठ्य पुस्तको को फेंक्कर खेलते हैं ? आज मैं तुम्हें सबक सिखाऊँगी। देखना ।
വേണു : അമ്മാ! ഞാൻ പറയുന്നതു കൂടി അമ്മയൊന്നു കേൾക്കണം. കേട്ടേ തീരൂ. എന്നിട്ടേ എന്നെ ശിക്ഷിക്കാവൂ.	माँ, मेरा कहना भी आपको सुनना चाहिए। ज़रूर सुनना है। बाद में ही सजा देना ।
രാധിക : അതു നീയാണോ നിശ്ചയിക്കുന്നത്?	क्या इसका निर्णय करने वाले तुम हो?
വേണു : ദയവുചെയ്ത് ദേഷ്യപ്പെടാതെ ഇരിക്കൂ അമ്മാ. ഞാൻ പറയുന്നതു കൂടി ഒന്നു കേട്ടുകളയൂ .	कृपया बिना डाँट के बैठिए माँ । मेरा कहना भी कुछ सुन लीजिए ।
രാധിക : ഉം, വേഗം പറഞ്ഞു തുലയ്ക്ക്.	हुंड, जल्दी कह डालो ।
വേണു : അമ്മയല്ലേ എന്നോടു പറഞ്ഞത്, ഇവൾക്കു കണക്കു പറഞ്ഞു കൊടുക്കണം എന്ന് ?	क्या आपने ही मुझसे नहीं कहा था कि इसे गणित सिखानी है ।
രാധിക : അതിന് ഇവളുടെ പുസ്തകം എടുത്ത് എറിയണോ?	क्या इसीलिए इसकी पुस्तक फेंकनी है?
രേണു : എനിക്ക് ചേട്ടൻ കണക്കൊന്നും പറഞ്ഞു തന്നില്ലമ്മേ.	माँ, बडे भाई ने मुझे गणित नहीं सिखाया ।
രാധിക : നീ ഇടയ്ക്ക് കയറി പറയണ്ട.	तुम बीच में मत बोलो ।
വേണു : ഞാൻ വലിയ കാര്യമായിട്ട് കണക്കു പറഞ്ഞുകൊടുത്തുകൊണ്ടിരിക്കുമ്പോൾ അവൾ ഒട്ടും ശ്രദ്ധിക്കാതെ എന്റെ ആൽബം എടുത്തു നോക്കികൊണ്ടിരിക്കുകയായിരുന്നു. അതു കണ്ടിട്ട് എനിക്കു ദേഷ്യം വന്നുപോയി .	जब मैं इसे ध्यानपूर्वक गणित पढा रहा था तो यह बिना ध्यान दिए मेरा आलबम खोलकर देख रही थी। यह देखकर मुझे क्रोध आ गया।
രാധിക : ദേഷ്യം വന്നാൽ പുസ്തകം എടുത്ത് എറിഞ്ഞേ തീരൂ, അല്ലേ?	क्या क्रोध आने पर पुस्तक उठाकर फेंकनी है, न ?
വേണു : അല്ലാതെ അവളെ രണ്ട് അടിച്ചാൽ അമ്മ എന്നെ വിടുമോ? ദേഷ്യം വന്നപ്പോൾ സഹിക്കാതെ എടുത്തെറിഞ്ഞു പോയി	इसके अलावा क्या उसे मारने पर अम्मा आप मुझे छोड़ देंगी ? असहनीय क्रोध आने पर, उठाकर फेंक दिया ।

രേണു : അമ്മാ, എത്ര പാടുപെട്ടാണെന്നോ പടമുള്ള ആ കടലാസുകൊണ്ട് എന്റെ പുസ്തകം പൊതിഞ്ഞ് വച്ചിരുന്നത്! ചേട്ടൻ അന്നേ ആ കടലാസിൽ ഒരു കണ്ണുവച്ചിരുന്നു. ചോദിച്ചപ്പോൾ ഞാൻ കൊടുത്തില്ല.ആ വൈരാഗ്യമാണ് ഇന്നു തീർത്തു കളഞ്ഞത്. അല്ലേ ചേട്ടാ ?	माँ, क्या आप जानती हैं कि मैं ने उस तसवीरवाले कागज़ से मेरी पुस्तक पर 'कवर' चढाया था? उसी दिन से बडे भाई ने उस तस्वीर पर नज़र डाले थे । पूछने पर मैंने नहीं दिया। उस शत्रुता को आज चुका लिया है । ऐसा है न बडे भाई ?
രാധിക : ചേട്ടനും കൊള്ളാം. അനിയത്തിയും കൊള്ളാം. പത്താംക്ലാസിലും എട്ടാം ക്ലാസിലും പഠിക്കുന്ന കട്ടികളാണ്. എന്നിട്ടും സദാ തമ്മിൽ തല്ലുന്നു. നാണമില്ലല്ലോ? ഞങ്ങളും കുട്ടികളായിട്ടു തന്നെയാണ് വലുതായത്. എത്ര സ്നേഹത്തോടെയാണെന്നോ എന്റെ ചേട്ടനും ഞാനും വളർന്നു വന്നത്?	बडा भाई और छोटी बहिन दोनों ठीक हैं। दसवीं और आठवी कक्षा में पढनेवाले बच्चे हैं। तो भी सदा आपस में झगडा करते रहते हैं।क्या शर्म नहीं है ? हम लोग भी बच्चे होकर ही बडे हुए हैं । क्या जानते हो कि बडे भाई और मैं कितने प्यार स्नेह के साथ बडे हुए ?
വേണു : അമ്മ ..... ഞാൻ.....	अम्मा.... मैं
രാധിക : വേണ്ട വേണ്ട. എനിക്കിനി ഒന്നും കേൾക്കണ്ട. നീ ആ പുസ്തകങ്ങളൊക്കെ എടുത്ത് ഇരുന്നിടത്തു തന്നെ വയ്ക്ക്. പിന്നെ രേണുവിന് ആ കണക്കൊന്ന് പറഞ്ഞുകൊടുക്ക്. എന്നിട്ട് ചിറ്റപ്പന്റെ വീടുവരെ ഒന്നു പോയിട്ടു വരണം.	नहीं, नहीं।अब मुझे कुछ नहीं सुनना है। तुम उन सभी पुस्तकों को उठा कर उनके स्थान पर रख दो। फिर रेणू को गणित पढ़ाओ फिर तुम को चाचा के घर जाकर लौट आना चाहिए।
രേണു : ഞാനും കൂടി പോട്ടെ അമ്മാ !	माँ, क्या मैं भी साथ जाऊँ ।
വേണു : ആദ്യം നീ ആ കണക്കൊന്നു മനസ്സിലാക്കി എടുക്ക്. പിന്നീടാവാം സർക്കീട്ട്.	पहले तुम गणित समझ लो। बाद में यात्रा करना ।
രാധിക : നിനക്കൊന്നു മിണ്ടാതെ ഇരുന്നുകൂടെ വേണൂ?	वेणू, क्या तुम बिना कुछ बोले नहीं रह सकते ?
വേണു : ഞാൻ അവളെ ഒന്നു കളിയാക്കാൻ പറഞ്ഞതല്ലേ അമ്മാ ? അമ്മ ഇവിടെ ഇല്ലെങ്കിൽ അവൾ എന്നെ എങ്ങനെ	माँ, मैं ने उसकी जरा मज़ाक उठाई थी न ? आप यहाँ नहीं तो क्या जानती हैं कि वह मुझे कितने

ബുദ്ധിമുട്ടിക്കും എന്നറിയാമോ? എന്നെക്കൊണ്ട് എന്തൊക്കെ ചെയ്യിക്കുമെന്നോ?	परेशान करेगी? और मुझसे क्या क्या बनवायेगी ।
രാധിക : എനിക്കിനി ഒന്നും കേൾക്കണ്ട. എന്നെക്കൊണ്ട് ഒന്നും പറയിക്കണ്ട. രണ്ടുപേരും ഇവിടെ അടങ്ങിയിരുന്ന് പറഞ്ഞതുപോലെ കേട്ടോളൂ. രേണൂ, നീ അരമണിക്കൂറിനകം കണക്കൊക്കെ ചെയ്തുവയ്ക്കണം. ഞാൻ വന്നു നോക്കുന്നുണ്ട്.	अब मुझे कुछ भी नहीं सुनना है। मुझसे कुछ भी न कहलाओ। जैसा कह रही हूँ चुपचाप बैठकर सुनो। रेणू, तुम आधे घण्टे के अन्दर गणित करके रखना। मैं आकर देखूँगी ।

പദങ്ങളുടെ അർഥം

കരയിക്കുന്നത്	रुलाना	തനിയെ	अकेले
ഇരുത്തുക	बिढाना	തമ്മിൽത്തല്ലുക	आपस में लड़ना
ഇരുന്നുകൂടേ	नहीं बैटोगे क्या	തല്ലുക	मारना
കുറ്റപ്പെടുത്തുക	आरोप लगाना	വഴക്കുകൂടുക	झगडा करना
ചിണുങ്ങുക	रोने का बहाना करना	വഴക്ക്	झगडा
ദൂരെ	दूर	എറിയുക	फेंकना
ശിക്ഷിക്കുക	दंड देना	നിശ്ചയിക്കുക	निश्चय करना
ദയവുചെയ്ത്	दया करके	ദേഷ്യപ്പെടുക	गुस्सा करना
അടി	मार	സഹിക്കുക	सहन करना
പാടുപെടുക	तकलीफं उठाना	നിറമുള്ള	रंगीन
കടലാസ്	कागज़	പൊതിയുക	किसी वस्तु से ढकना
ചോദിക്കുക	पूछना	വൈരാഗ്യം	गुस्सा, द्वेष,
സ്നേഹത്തോടെ	प्यार से	വേഗം	जल्दी
ചിറ്റപ്പൻ	चाचा	കണക്ക്	गणित
മിണ്ടാതെ ഇരിക്കുക	चुप रहना	കളിയാക്കുക	मज़ाक उडाना
ബുദ്ധിമുട്ടിക്കുക	तकलीफ़ देना	മണിക്കൂർ	घंटा

അഭ്യാസം

I. മാതൃക അനുസരിച്ചു വാക്യം മാറ്റി എഴുതുക.

ഉദാ : 1

നീ അങ്ങോട്ടു പോ..

നീ അങ്ങോട്ടു പോയേ തീരൂ.

1. നീ ആരോടെങ്കിലും ചോദിക്ക്.
2. നിങ്ങൾ ഈ സാധനങ്ങൾ ഇവിടെ നിന്നു മാറ്റൂ.
3. നീ വേഗത കുറച്ച് ഓടിക്ക്.
4. നിങ്ങൾ ഇതിനെങ്കിലും ഒന്നു ശ്രമിച്ചു നോക്കൂ.
5. നീ ഈ പലഹാരങ്ങളൊക്കെ കഴിക്ക്.
6. നിങ്ങൾ അദ്ദേഹത്തോട് എന്തെങ്കിലും സംസാരിക്കൂ .

ഉദാ : 2

കുട്ടികൾ നന്നായി പഠിക്കണം.

കുട്ടികൾ നന്നായി പഠിച്ചേ തീരൂ.

1. ഈ പുസ്തകങ്ങളൊക്കെ വായിക്കണം.
2. ഇന്നു തന്നെ അവിടെ പോകണം.
3. അവനോട് എല്ലാ കാര്യങ്ങളും സംസാരിക്കണം.
4. ഉണ്ണിക്ക് രണ്ടുമാസത്തിനകം തിരിച്ചുപോകണം.
5. നീ ആ തെറ്റിദ്ധാരണകൾ ഉപേക്ഷിക്കൂ.

II. യോജിച്ച ക്രിയാ രൂപം തെരഞ്ഞെടുത്തെഴുതുക.

1. രഘു പറയുന്നതു കൂടി നീ ഒന്നു കേട്ടു ---------- .
   (കളഞ്ഞു, കളയും, കള, കളയാം.)
2. ഞങ്ങൾക്ക് അയാളെ ഇപ്പോൾ പറഞ്ഞു വിട്ടേ.-----------.
   (തീരണം, തീരും, തീരൂ, തീരാം).
3. അമ്മയോട് ചോദിച്ച് എനിക്ക് അത് വാങ്ങിച്ചു. -------------.
   (തരാം, തരണം, തരും)
4. എന്തൊക്കെ എനിക്കു പറഞ്ഞു ------------ കഴിയും ?
   (കൊടുക്കൂ, കൊടുക്കണം, കൊടുക്കാൻ, കൊടുത്ത).
5. ഷീബാ ആ കണക്കു കൂടി ഒന്നു ചെയ്തു --------------.
   (നോക്കണം, നോക്കൂ, നോക്കും, നോക്കാൻ)

III. യോജിക്കുന്ന വാക്ക് തിരഞ്ഞെടുത്തു വാക്യം പൂരിപ്പിക്കുക.

1. ആ ചോദ്യം കേട്ട് എനിക്ക് ദേഷ്യം വന്നു -------------
(തന്നു, കൊടുത്തു, തീർന്നു, പോയി, വിട്ടു)
2. ആ ജോലി മധുവിനു കിട്ടാൻ വേണ്ടി ഞാൻ പലവട്ടം ശ്രമിച്ചു -----.
(തന്നു, തീർന്നു, കൊടുത്തു, നോക്കി, വിട്ടു).
3. അദ്ദേഹത്തിന്റെ വാക്ക് അവൻ തള്ളി -----------.
(കൊടുത്തു, എടുത്തു, പോയി, കളഞ്ഞു).
4. അമ്മ പറയുന്നത് അനുസരിച്ചേ ----------------.
(കൊടുക്കൂ, വിട്ടു, നോക്കൂ, പറ്റൂ, കള).
5. എന്നെ ആരും വളർത്തിയതല്ല, ഞാൻ തന്നെ വളർന്നു ------- ആണ്.
(കൊടുത്തത്, നോക്കിയത്, വന്നത്, വിട്ടത്.)

IV. യോജിച്ച വാക്കു ചേർത്ത് വാക്യം പൂരിപ്പിക്കുക.

1. അവൾ പുസ്തകത്തിൽ എന്തൊക്കെയോ എഴുതി ---------------- .
2. ചന്ദ്രശേഖരൻനായർ അത്രയും പണം പിരിച്ചു ------------------ .
3. മേശപ്പുറത്തു വച്ചിരുന്ന ശില്പം പ്രദീപ് എടുത്തു ---------------- .
4. അമ്മ വരുമ്പോഴേയ്ക്ക് ഈ ജോലിയൊക്കെ ചെയ്തു ------------- .
5. ഈ ജോലിയെങ്കിലും കിട്ടാൻ ശ്രമിച്ചു ---------------- .

V. തന്നിരിക്കുന്ന ക്രിയയുടെ യോജിച്ച ഭൂതകാലരൂപം ഉപയോഗിച്ചു വാക്യം പൂരിപ്പിക്കുക.

ഉദാ :

രാജൻ എനിക്കു എല്ലാ കാര്യങ്ങളും ചെയ്തു -----------. (തരിക)
രാജൻ എനിക്ക് എല്ലാ കാര്യങ്ങളും ചെയതു തന്നു.

1. പ്രേരണയുടെ അച്ഛൻ അവൾക്ക് പുസ്തകങ്ങൾ വാങ്ങി -----. (കൊടുക്കുക)
2. ജോലികളെല്ലാം ചെയ്തു -------- ശേഷം മീന കൽക്കത്തയിലേക്ക് പോയി.
(തീരുക).
3. അമ്മാവൻ അങ്ങനെ ചെയ്തു ---------? (കളയുക)
4. ശ്രീജയുടെ അമ്മയ്ക്ക് ദേഷ്യം വന്നപ്പോൾ എല്ലാം ദൂരെ എടുത്ത് -----.
(എറിയുക).
5. അയാളെ ഇവിടെ നിന്ന് പറഞ്ഞു --------അയാൾ തിരിച്ചു വരും. (വിടുക).
6. അവൻ എറിഞ്ഞു ---------- പുസ്തകം ഞാൻ എടുത്തു --------.
(കളയുക) (നോക്കുക)
7. അമ്മ വാങ്ങിച്ചു ------- ഉടുപ്പ് മൃദുലയ്ക്ക് പാകമായില്ല . (കൊടുക്കുക)

VI. മാതൃക അനുസരിച്ച് വാക്യം മാറ്റി എഴുതുക.

ഉദാ : എനിക്കു തോമസിനെ ഇപ്പോൾ തന്നെ കാണണം
എനിക്കു തോമസിനെ ഇപ്പോൾ തന്നെ കണ്ടേ തീരൂ.

1. എനിക്ക് അച്ഛനോട് എല്ലാം പറയണം .
2. എനിക്ക് ആശാന്റെ നാലഞ്ചു കവിതകളെങ്കിലും വായിക്കണം.
3. തുളസിക്ക് എന്നും ചെടികൾക്ക് വെള്ളം ഒഴിക്കണം.
4. ഭീഷ്മസാഹിനിയുടെ 'തമസ്സ്' നീ നാളെ കൊണ്ടു വരണം.
5. എനിക്ക് നാളെയെങ്കിലും ഇവിടെ നിന്നു രക്ഷപ്പെടണം.

VII. യോജിച്ച ക്രിയാരൂപം തിരഞ്ഞെടുത്ത് വാക്യം പൂരിപ്പിക്കുക.
(കൊടുത്തു, തീരൂ, പോയി, നോക്കി,. തന്നു)

1. രമേശിനോട് എത്ര പറഞ്ഞിട്ടും കാര്യമില്ല . എങ്കിലും ഞാൻ എല്ലാ കാര്യങ്ങളും പറഞ്ഞു ---------- .
2. രമേശിനോട് ഒന്നും മറച്ചുവെച്ചിട്ടു കാര്യമില്ല. എല്ലാ കാര്യങ്ങളും പറഞ്ഞേ ----------- .
3. രമേശ് ഒന്നും എന്നോടു മറച്ചു വച്ചില്ല . എനിക്ക് എല്ലാ കാര്യങ്ങളും പറഞ്ഞു ------------- .
4. രമേശ് എന്നിൽ നിന്ന് എല്ലാം മറച്ചുവയ്ക്കാൻ ശ്രമിച്ചു, പക്ഷേ അറിയാതെ തന്നെ എല്ലാ കാര്യങ്ങളും പറഞ്ഞു ------ .
5. രമേശിന്റെ തലയിലോട്ട് ഒന്നും കയറില്ല. പക്ഷേ എല്ലാ കാര്യങ്ങളും ഞാൻ പറഞ്ഞു -------- .

VIII. സഹായകക്രിയകളായ നോക്കുക, കളയുക, പറ്റുക, കൊടുക്കുക, പോകുക, തരുക എന്നിവ ഉപയോഗിച്ച് തന്നിരിക്കുന്ന വാക്യത്തോടു ബന്ധമുള്ള അഞ്ചു വാക്യങ്ങൾ വീതം പുതുതായി നിർമിക്കുക.

ഉദാ :

ഒരൊറ്റ ആഴ്ചകൊണ്ടാണ് അയാൾ വീടു വച്ചത് .
ഒറ്റ ആഴ്ചകൊണ്ട് അയാൾ വീടു വച്ചു കളഞ്ഞോ?
ഒറ്റ ആഴ്ചകൊണ്ട് അയാൾ വീടു വയ്ക്കാൻ നോക്കി.
ഒറ്റ ആഴ്ചകൊണ്ട് അയാൾ വീടു വച്ചു കൊടുക്കും.
ഒറ്റ ആഴ്ചകൊണ്ട് അയാൾ വീടു വച്ചു തരുമോ?
ഒറ്റ ആഴ്ചകൊണ്ട് അയാൾ വീടു വച്ചു കഴിഞ്ഞു.

1. നീ പറഞ്ഞ കാര്യങ്ങളെല്ലാം അവൾ ചെയ്തു.
2. അവൻ ആ കുളത്തിലേക്ക് ഇറങ്ങി.
3. വസന്ത വീട്ടിലേക്കു പോയി.

IX. **മാതൃക അനുസരിച്ച് താഴെ കൊടുത്തിട്ടുള്ള ജോഡി വാകൃങ്ങളിൽ ആദ്യത്തെ വാകൃവുമായി ബന്ധം വരുന്ന രീതിയിൽ രണ്ടാമത്തെ വാകൃം പൂരിപ്പിക്കുക.**

ഉദാ : അയാൾ പെട്ടെന്നു തന്നെ എല്ലാം മനസ്സിലാക്കി .
അത്ര പെട്ടെന്ന് അയാൾ എല്ലാം മനസ്സിലാക്കിക്കളഞ്ഞോ?

1. ഞാൻ ചോദിക്കേണ്ട താമസമേ ഉണ്ടായിരുന്നുള്ളൂ. അദ്ദേഹം എല്ലാം എനിക്ക് എഴുതിത്തന്നു
   അത് അത്ര വലിയ കാര്യമൊന്നുമില്ല, അദ്ദേഹം എല്ലാവർക്കും എഴുതി---- ?
2. വന്ദനയ്ക്കു മാത്രം അച്ഛൻ കണക്കു പറഞ്ഞു കൊടുത്തു .
   എനിക്കു മാത്രം ഒന്നും പറഞ്ഞു -------- .
3. നീ എന്റെ കൈയിൽ നിന്ന് ഒരു പുസ്തകം വാങ്ങിയില്ലേ ? അതെനിക്കു തിരിച്ചു തരൂ.
   ശരിക്ക് ഓർത്തു --------- . ഞാനത് എന്നേ തിരിച്ചു -------.
4. അന്ന് നീ ആ സിനിമ കണ്ടില്ലേ ?
   ഇല്ല. ഞാൻ വളരെ താമസിച്ചു ----------- .
5. നീ വിനുവിനെ അടിച്ചത് ഞാൻ അച്ഛനോട് പറഞ്ഞു -------.
   നീയൊന്നു പറഞ്ഞു -------- നിനക്കും ഞാൻ നല്ല അടിവച്ചു ------- .

വായിച്ചു മനസ്സിലാക്കുക.

രണ്ടു നാടൻ കഥകൾ

1. മണ്ടത്താനത്തുകാർ

അത്താഴം കഴിഞ്ഞ് ഉറങ്ങാൻ കിടക്കുന്നതുവരെ മുത്തശ്ശി ഓരോ കഥകൾ പറഞ്ഞു തരും. മുത്തശ്ശിക്ക് ഒരായിരം കഥകളറിയാം. പറഞ്ഞാലും പറഞ്ഞാലും തീരാത്ത കഥകൾ. ചില ദിവസങ്ങളിൽ കഥ മുഴുവനൊന്നും കേൾക്കാൻ പറ്റില്ല. പാതിയാകും മുമ്പേ ഞങ്ങൾ ഉറങ്ങിപ്പോകും. മുത്തശ്ശി കഥകൾ പറയുന്നത് കേൾക്കാൻ എന്തു രസമാണെന്നോ? കഥ മുഴുവൻ മുത്തശ്ശി അഭിനയിച്ചു കാണിക്കും. കഥയിലെ സംഭാഷണങ്ങളൊക്കെ വള്ളിപുള്ളി വിടാതെ പറയുകയും ചെയ്യും. മുത്തശ്ശി പറഞ്ഞുതന്നിട്ടുള്ള ഒന്നു രണ്ടു കഥകൾ പറയാം. എല്ലാവരും കേട്ടോളൂ .

മണ്ടത്താനം വിഡ്ഢികളുടെ നാടാണത്രേ. മണ്ടത്താനത്തുള്ള അഞ്ചു പേർ ഒരിക്കൽ ഒരു തീർഥയാത്രയ്ക്കു പോകാൻ തീരുമാനിച്ചു. ഇന്നത്തെപ്പോലെ അക്കാലത്ത് വാഹനങ്ങളൊന്നുമില്ലല്ലോ. നടന്നുതന്നെ പോകണം. ആറേഴ് ദിവസം കൊണ്ടേ മടങ്ങിവരാൻ പറ്റൂ. പോകുന്നതിനു മുമ്പ് തന്റെ കൃഷിപ്പറമ്പുകളൊക്കെ

നോക്കികളയാം. ഒരാൾ തീർച്ചപ്പെടുത്തി. പറമ്പിൽ മരച്ചീനിയും, ഇഞ്ചിയും പയറുമൊക്കെ നട്ടിട്ടുണ്ടായിരുന്നു. മരച്ചീനിക്ക് കിഴങ്ങു വരാറായോ എന്നറിയാൻ എല്ലാ മരച്ചീനിയും പറിച്ചുനോക്കി. ഇല്ല, പലതിലും വേരു വന്നു തുടങ്ങിയതേ യുള്ളു. എല്ലാം പറിച്ചുനോക്കിയപ്പോൾ തൃപ്തിയായ്യി. പറിച്ചപോലെ തന്നെ തിരിച്ച് കുഴിച്ചു വയ്ക്കുകയും ചെയ്തു.

നിലത്തേയ്ക്ക് ചാഞ്ഞുക്കിടക്കുന്ന പയർച്ചെടിയായിരുന്നു പിന്നെ കണ്ടത്. അത് വള്ളി പടരാൻ തുടങ്ങുകയായിരുന്നു. ചെറിയ ചുള്ളിക്കമ്പുകൾ നാട്ടിവച്ചാൽ മതി. അതു പടർന്നുകൊള്ളും. പക്ഷേ തീർഥാടനം കഴിഞ്ഞു മടങ്ങിവരുമ്പോഴേക്ക് പയർവള്ളി വളർന്ന് വലുതായിപ്പോയാൽ പടരാൻ ഈ ചുള്ളിക്കമ്പുകൾ പോരാതെ വരാം. എന്താണൊരു പോം വഴി ? തലപുകഞ്ഞാലോചനയായി. അടുത്ത് ഇല്ലി പടർപ്പുകൾ വളർന്നു നില്ക്കുന്നുണ്ട്. ഒരു കൊമ്പ് പിടിച്ചു വളച്ചു നോക്കി നന്നായി വളഞ്ഞു വരുന്നുണ്ട്. പിന്നെ സംശയിച്ചില്ല. പയർച്ചെടികളെല്ലാം ഇല്ലിവളച്ച് അതി നോട് ചേർത്തുകെട്ടി. പണിതീരും മുമ്പു തന്നെ ഒരു കാറ്റു വന്നു. വളച്ചുവച്ച ഇല്ലി ക്കൊമ്പുകളോടൊപ്പം പയർവള്ളികളും വേരോടെ ആകാശത്തേക്ക് പൊങ്ങിപ്പോകു കയും ചെയ്തു . എല്ലാവരും തീർഥാടനത്തിനുപുറപ്പെട്ടു. ദിവസങ്ങൾക്ക് ശേഷം അവർ തീർഥാടന സ്ഥലത്തെത്തിചേർന്നു. ദർശനമൊക്കെ കഴിഞ്ഞ് തീർഥാടന സ്ഥലത്ത് വിലക്കുറവിൽ കിട്ടിയ സാധനമെല്ലാം വാങ്ങി. ഭാണ്ഡങ്ങളിൽ നിറച്ചു.പലതും ആവശ്യമുള്ളതായിരുന്നില്ല. എങ്കിലും വാങ്ങി, വിലക്കുറവുള്ളതല്ലേ! അനാവശ്യമായ സാധനങ്ങളുടെ വലിയ ഭാണ്ഡവുംപേറി ക്ഷീണിച്ച് അവശ രായി അവർ നാട്ടിലേക്കു മടങ്ങി . വരുന്നവഴിക്ക് അവർ ഒരു നെല്ലിമരം കണ്ടു. എല്ലാവരും ചാടിക്കയറി മുഴുവൻനെല്ലിക്കയും കുലുക്കി താഴത്തിട്ടു. മൂന്നുനാ ലെണ്ണം തിന്നപ്പോഴേക്കു തന്നെ മടുത്തുപോയി. ഭയങ്കര ദാഹവും. പിന്നെ വെള്ളം കുടിക്കാനുള്ള പുറപ്പാടായി. കുറേയന്വേഷിച്ചു നടന്ന് ഒരു കിണർ കണ്ടെത്തി. എല്ലാവരും ആർത്തിയോടെ വെള്ളം കുടിക്കാൻ തുടങ്ങി. കുടിച്ചു നോക്കിയപ്പോൾ നല്ല മധുരം. വയറുനിറയു വോളം കുടിച്ചു. ഇത്ര മധുരമുള്ള വെള്ളം ഇന്നുവരെ അവർ കുടിച്ചിട്ടില്ല, അവർ പരസ്പരം പറഞ്ഞു. മധുരജലം നിറഞ്ഞ ഈ കിണർ തങ്ങളുടെ നാട്ടിലേക്ക് എങ്ങനെയെങ്കിലും കൊണ്ടു പോയേ തീരൂ. അവർ തീർച്ചപ്പെടുത്തി. കിണർ എങ്ങനെ നാട്ടിലെ ത്തിക്കും. എല്ലാവരും തീവ്രമായി ആലോചിച്ചുനോക്കി. അവസാനം അവരിൽ 'ബുദ്ധിമാനായ' ഒരാൾക്ക് ഒരുവഴി തോന്നി. കിണർ കെട്ടിവലിച്ചു കൊണ്ടു പോകുക തന്നെ. അതിനു വേണ്ടി വലിയ ഒരു കയർകൊണ്ടു വന്ന് കിണർ വരിഞ്ഞുകെട്ടി. പിന്നെ എല്ലാവരും ഒത്തു പിടിച്ച് വലിക്കാൻ തുടങ്ങി. വലിച്ചിട്ടും വലിച്ചിട്ടുമൊന്നും കിണറ് വരുന്നില്ല. എങ്ങനെയെങ്കിലും ഇവനെ കൊണ്ടുപോയേ തീരൂ. വീണ്ടും വീണ്ടും വലിച്ചു. ഠേ ഒടുവിൽ കയറ് പൊട്ടി പ്പോയി. എല്ലാവരും ചടപടാന്ന് മറിഞ്ഞു വീണു. ഈ കാഴ്ചയെല്ലാം കണ്ട് ഒരു വഴി പോകാൻ അതുവഴി വരുന്നുണ്ടായിരുന്നു. എത്ര ശ്രമിച്ചിട്ടും ഈകിണർ തങ്ങളുടെ കൂടെ വരുന്നില്ലെന്ന് ദുഃഖത്തോടെ അവർ അയാളോട് പറഞ്ഞു. നെല്ലിക്ക തിന്നതുകൊണ്ടാണ് കിണറിലെ വെള്ളത്തിന് മധുരം

തോന്നിയത് എന്ന് അയാൾ പറഞ്ഞത് അവർ വകവച്ചില്ല. പിന്നെ അവർക്ക് മനസ്സിലാകുന്ന ഭാഷയിൽ അയാൾ ഇങ്ങനെ പറഞ്ഞുകൊടുത്തു. "നിങ്ങൾക്ക് ഈ കിണറിനെപ്പറ്റി ഒന്നും അറിഞ്ഞുകൂടാ അല്ലേ. ഇതു ഗ്രാമമുഖ്യന്റെ കിണറാണ്. അദ്ദേഹം ഇത് ചന്ദ്രനിൽ നിന്നു കൊണ്ടുവന്നതാണ് .ഇവിടങ്ങളിൽ കള്ളന്മാരുടെ ശല്യം കൂടുലായതുകൊണ്ട് ആണിയടിച്ചു വച്ചിരിക്കുകയാണ്. വലിയ ആണിയാണ് അടിച്ചു കയറ്റിയിരിക്കുന്നത്. അതാർക്കും പറിക്കാനേ പറ്റുകയില്ല."

"നമ്മൾ വിഡ്ഢികളാണെന്ന് ആളുകൾ വെറുതെ പറയുന്നതല്ല. ആണി പറിക്കാതെ കിണറു കൊണ്ടുപോകാൻ ശ്രമിച്ച മരമണ്ടന്മാർ ". അവർ തമ്മിൽത്തമ്മിൽ പറഞ്ഞു .

2. ആരാണ് വിഡ്ഢി

ആണിയുടെ കാര്യം പറഞ്ഞുവന്നപ്പോഴാണ് മണ്ടത്താനത്തുള്ള ഒരാൾ ആണിയടിച്ച കഥ ഓർമ വരുന്നത്. മരിച്ചുപോയ തന്റെ അച്ഛന്റെ ഛായാപടം ചുമരിൽ തൂക്കാൻ അയാൾ ആണി അടിക്കുകയായിരുന്നു. ആണി തലതിരിച്ചാണ് പിടിച്ചതെന്നു മാത്രം. അടിച്ചിട്ടും അടിച്ചിട്ടും ആണി കയറുന്നില്ല. അപ്പോൾ അയാളുടെ ഒരു കൂട്ടുകാരൻ അവിടെ എത്തിച്ചേർന്നു. ആണി ചുവരിൽ കയറാത്ത കാര്യം അയാൾ കൂട്ടുകാരനോട് പറഞ്ഞു. കൂട്ടുകാരൻ സൂക്ഷിച്ചു നോക്കി. എന്നിട്ട് പൊട്ടിച്ചിരിച്ചുകൊണ്ട് ഇങ്ങനെ പറഞ്ഞു."നീ യഥാർഥ വിഡ്ഢി തന്നെ. ആ ആണിയുടെ മുനയിരിക്കുന്നതുകണ്ടില്ലേ ? അത് ആ ചുവരിലടിക്കേണ്ട ആണിയാണോ? എതിർ ഭാഗത്തെ ചുവരിലടിക്കേണ്ടതല്ലേ പമ്പര വിഡ്ഢി ?"

പദങ്ങളുടെ അർഥം

നാടൻകഥകൾ	लोक कथाएँ	അത്താഴം	रात का खाना
മുത്തശ്ശി	नानी, दादी	ആയിരം	हज़ार
പാതി	आधा	രസം	मज़ा
അഭിനയിക്കുക	अभिनय करना	വള്ളിപുള്ളി	लकीर और बिंदु
വിഡ്ഢി	बेवकूफ़	വാഹനം	वाहन, गाड़ी
മടങ്ങിവരുക	वापस लौटना	കൃഷിപ്പറമ്പ്	खेत
ഇഞ്ചി	अद्रक	പയർ	हरी मूँग
നടുക	पौधा लगाना, बोना	കിഴങ്ങ്	कंद मूल
പറിക്കുക	तोड़ना	വേര്	जड, मूल
തൃപ്തി	तृप्ति	തിരിച്ച്	वापस

കുഴിച്ചു വയ്ക്കുക	खोदकर डालना	നിലത്തേക്ക്	जमीन की ओर
പയർച്ചെടി	हरी मूँग का पौधा	വള്ളി	लता
പടരുക	फैलना	ചുള്ളിക്കമ്പ്	सूखी टहनी
നാട്ടുക	गाड़ देना	പോംവഴി	मार्ग
ഇല്ലി	नस्कर, सरपत	പടർച്ച	फैलाव
പുളയ്ക്കുക	टेढा करना	ചേർത്തുകെട്ടുക	जोड़ कर बौधना
പണി	काम	കാറ്റ്	हवा
പൂർവ്വസ്ഥിതി	पूर्व स्थिति	ആകാശത്തേക്ക്	आकाश की ओर
ദർശനം	दर्शन	വിലക്കുറവിൽ	कम दाम पर
പേറുക	बोझलेना	നെല്ലിമരം	आँवला का पेड
ചാടിക്കേറുക	चढ कर जाना	നെല്ലിക്ക	आँवला
മടുത്തുപോകുക	ऊब जाना	പുറപ്പാട്	खाना होना, शुरुआत
കിണർ	कुआँ	ആർത്തിയോടെ	लालच से
മധുരജലം	मीठा पानी	തീർച്ചപ്പെടുക്കുക	निश्चय करना
തീവ്രമായി	तीव्र रूप से	ആർത്തി	आशा, लालच
ബുദ്ധിമാൻ	बुद्धिमान	കെട്ടിവലിച്ചു കൊണ്ടു പോകുക	बाँध कर खींच ले चलना
വരിഞ്ഞുകെട്ടുക	कसकर बाँधना	ഒത്തു പിടിക്കുക	साथ साथ पकड़ना
വലിക്കുക	खींचना	പൊട്ടിപ്പോകുക	टूट जाना
വഴിപോക്കൻ	पथिक	മധുരം	मधुरिमा
ഗ്രാമമുഖ്യൻ	ग्रामप्रमुख	ആണി	कील
ആണി പറിക്കുക	कील निकालना	മരമണ്ടൻ	महामूर्ख
ഛായാപടം	तस्वीर, चित्र	മരിക്കുക	मरना
പൊട്ടിച്ചിരി	ठहाका, अट्टहास	മുന	नोक
എതിർഭാഗം	विपक्षी भाग (विपरीत दिशा के)	പമ്പരവിഡ്ഢി	महामूर्ख

അഭ്യാസം

I. ഉത്തരമെഴുതുക.

1. ആരാണ് കുട്ടികൾക്ക് കഥ പറഞ്ഞു കൊടുക്കുന്നത് ?
2. എന്തുകൊണ്ടാണ് കുട്ടികൾക്ക് കഥ മുഴുവൻ കേൾക്കാൻ പറ്റാത്തത് ?
3. എങ്ങനെയാണ് മുത്തശ്ശി കുട്ടികൾക്ക് കഥ പറഞ്ഞു കൊടുത്തിരുന്നത് ?

4. മണ്ടത്താനത്തുള്ളവർ എങ്ങോട്ടുപോകാനാണ് തീരുമാനിച്ചത് ?
5. എന്തുകൊണ്ടാണ് മണ്ടത്താനത്തുള്ളവർ നടന്നു പോകുന്നത് ?
6. തീർഥയാത്രയ്ക്ക് മുമ്പ് എങ്ങോട്ടാണ് അവർ പോയത് ?
7. മരച്ചീനിക്ക് കിഴങ്ങുവരാറായോ എന്നറിയാൻ എന്തു ചെയ്തു?
8. പയർച്ചെടിയുടെ ആടുത്ത് എന്തിനാണ് ചുള്ളിക്കമ്പുകൾ നാട്ടിവയ്ക്കുന്നത് ?
9. എന്തുകൊണ്ടാണ് അവർ ചുള്ളിക്കമ്പുകൾ നാട്ടിവയ്ക്കാതിരുന്നത് ?
10. പയർച്ചെടികളുടെ വള്ളിപടരാൻ അവർ എന്തു ചെയ്തു ?
11. കാറ്റു വന്നപ്പോൾ പയർച്ചെടികൾക്ക് എന്തു സംഭവിച്ചു ?
12. തീർഥാടനസ്ഥലത്ത് നിന്ന് എന്തിനാണ്കുറേ സാധനങ്ങൾ വാങ്ങിച്ചത് ?
13. കിണർ എങ്ങോട്ടു കൊണ്ടുപോകാനാണ് അവർ തീരുമാനിച്ചത് ?
14. കിണർ വലിക്കാൻ ശ്രമിച്ചു നോക്കിയിട്ട് എന്തു സംഭവിച്ചു ?
15. വഴിപോക്കനോട് അവർ എന്താണ് പറഞ്ഞത് ?
16. അപ്പോൾ വഴിപോക്കൻ എന്തു പറഞ്ഞു ?
17. അവസാനം മണ്ടത്താനത്തുകാർ എന്താണ് തമ്മിൽതമ്മിൽ പറഞ്ഞത് ?
18. രണ്ടാമത്തെ കഥയിലെ പമ്പരവിഡ്ഢി ആരാണ് ?

II. മലയാളത്തിലേക്ക് തർജുമ ചെയ്യുക.

यह एक लोक कथा है। कण्णन और कुट्टन पडोसी थे और मित्र भी । एक बार कुट्टन को किसी दूर के गाँव में कुछ काम था। उसे चार-पाँच महीनों से अधिक जाना था। उसके पास एक चाँदी का बरतन था जो उसके पिता ने मरते समय उसे दिया था । वह उस बर्तन को अपने साथ नहीं लेजाना चाहता था। इसलिए उस ने उसे कुट्टन को दे दिया और कहा कि इसे ठीक से रखो ।

महीने बीत गये । कुट्टन वापस आ गया। पहला काम जो उसने किया वह कण्णन के घर जाना था। कण्णन ने ज्यों ही कुट्टन को देखा, पूछा-, "कुट्टन, तुम कैसे हो? तुम्हारी यात्रा कैसी रही?" "भगवान की दया से सब कुछ ठीक रहा । " कुट्टन ने उत्तर दिया और कण्णन से पूछा- 'कण्णन, मेरा बरतन कहाँ है ?' कण्णन ने हँसते हुए उत्तर दिया - "वह मेरे पास है। तुम्हारे लिए एक अच्छी खबर भी है।" यह कह कर वह भीतर गया और बरतन लाकर कुट्टन को दे दिया। कुट्टन को यह देखकर आश्चर्य हुआ कि उस बडे बरतन में एक छोटा बरतन भी था। कुट्टन कुछ पूछने के पहले ही कण्णन ने कहा-" आश्चर्य मत करो, यह छोटा बरतन भी तुम्हारा है । यह बडे बर्तन का बच्चा है । जब तुम नहीं थे तो बडे बरतन ने छोटे बरतन को जन्म दिया है।" कुट्टन ने सोचा कि कण्णन मूर्ख है और बरतन लेखर खुशी खुशी घर चला गया ।

अगली बार फिर जब कुट्टन को अपने गाँव से बाहर जाना था तो वह फिर कण्णन के पास आया और उस बरतन को रखने केलिए दे दिया । छोटा बरतन वह अपने साथ ले गया । महीने बीत गये। कुट्टन वापस आया और वह कण्णन के घर गया। वह एक और छोटे बरतन को पाने का स्वप्न देख रहा था। लेकिन उसने कण्णन का उदास चेहरा देखा । कण्णन ने कुट्टन से

कहा "कुट्टा, जब तुम नहीं थे तो तुम्हारे बरतन को एक बडा रोग लगा और वह मर गया। मैं सचमुच दुःखी हूँ कि तुमने अपना बरतन खो दिया।' कुट्टन को बहुत गुस्सा आया और वह चिल्ला पड़ा-'। "तुम क्या बात करते हो? बरतन मर गया ? क्या बरतन का जीवन होता है ? कण्णन ने उत्तर दिया 'क्यों नहीं'? अगर बर्तन बच्चे को जन्म दे सकता है तो क्या वह मर नहीं सकता?'

III. നിങ്ങളുടെ നാട്ടിലെ ഒരു നാടൻകഥ എഴുതുക.

കുറിപ്പുകൾ

1. पिछले पाठों में बहुत सी सकर्मक, अकर्मक प्रेरणात्मक और सहायक क्रियाओं के विषय में बताया गया है ।

इस पाठ में सहायक क्रियाओं के प्रयोग का परिचय दिया है ।

सकर्मक और प्रेरणात्मक क्रियाओं के बीच का अंतर करने केलिए भी इस पाठ में उदाहरण हैं ।

2. पाठ से लिए गए वाक्यों में सहायक क्रियाओं पर ध्यान दें ।

(i) വേണമെങ്കിൽ അമ്മ തന്നെ വന്നു നോക്കിക്കൊള്ളൂ.
चाहिए तो, माँ, आप ही, आकर, देख लीजिए।

(ii) ഞാൻ ചേട്ടന്റെ സ്റ്റാമ്പ് ആൽബം എടുത്തു നോക്കിപ്പോയി. .
मैं ने भाई का स्टाम्प आलबम् लेकर लिया ।

(iii) എന്നിട്ട് ചേട്ടൻ എന്റെ പുസ്തകങ്ങൾ എടുത്ത് ദൂരെ എറിഞ്ഞു കളഞ്ഞു.
फिर भाई ने मेरी किताबें लेकर दूर फेंक दीं ।

(iv) അമ്മ ഞാൻ പറയുന്നതു കൂടി കേട്ടേ തീരൂ.
माँ, आप को मेरा कहना भी ज़रा सुनना ही पडेगा ।

(v) അമ്മയല്ലേ എന്നോടു പറഞ്ഞത് ഇവൾക്കു കണക്കു പറഞ്ഞു കൊടുക്കണം എന്ന് ?
माँ, क्या आप ने मुझसे कहा न कि मैं इस को गणित का पाठ पढा दूँ ?

(vi) ചേട്ടൻ അന്നേ ആ കടലാസ് നോക്കി വച്ചിരുന്നു.
भाई उस दिन ही वह कागज़ देख रखा था ।

(vii) ആദ്യം നീ ആ കണക്കൊന്നു മനസ്സിലാക്കി എടുക്ക്.
पहले तू वह गणित समझ ले ।

3. सहायक क्रियाओं को जोड़ने से प्रधान क्रिया के अर्थ में बहुत सी अर्थ छायाएँ जुड जाती हैं। हिन्दी में सहायक क्रिया, क्रिया के मूल रूप में जोडी जाती है और मलयालम में उन्हें पूर्वकालिक कृदंत के साथ जोडते हैं ।

ഉദാ : (1) നോക്കിക്കൊള്ളൂ में കൊള്ളുക सहायक क्रिया का प्रयोग आज्ञा देने के अतिरिक्त शिष्टता के भाव का बोध कराने के लिए भी होता है। हिन्दी के 'देख लो', 'देख लीजिए' रूप उस के कुछ समान हैं।

ഉദാ : (2) നോക്കിപ്പോയി में പോകുക सहायक क्रिया का प्रयोग स्वेच्छा के बिना किये गये कार्य का बोध कराता है। यहाँ कर्ता को इस काम करने की इच्छा नहीं होती और उस के करने का उस को पश्चाताप होता है ।

ഉദാ : (3) എറിഞ്ഞുകളഞ്ഞു में കളയുക सहायक क्रिया कर्ता की उदासीनता का बोध कराता है ओर यह भी बोध कराता है कि कर्ता को कार्य के परिणाम की चिंता नहीं है । हिन्दी का 'फेंक देना' प्रयोग उस के समान है ।

ഉദാ : (4) കേട്ടേ തീരൂ प्रयोग कर्ता केलिए कार्य की अनिवार्यता का बोध कराता है । തീരുക के लिए തീരൂ रूप का जिस में बल देनेवाला ഊ लगा है, 'का प्रयोग किया गया है '। मुख्य क्रिया भूत काल में होती है । उस में ഏ लगा होता है ।

ഉദാ : (5) പറഞ്ഞുകൊടുക്കണം का बोध होता है कि कार्य अन्य पुरुष केलिए किया गया है । इसी तरह प्रथम और मध्यम पुरुष के लाभ को बताने के लिए കൊടുക്കുക के स्थान पर തരുക क्रिया का प्रयोग किया जाता है जैसा कि नीचे के वाक्यों में दिखाया गया है ।

ഉദാ : (6) നോക്കി വച്ചിരുന്നു का प्रयोग यह बोध कराता है कि काम पूरा हो चुका है और उस को भविष्य के लिए ध्यान में रखा गया हैं ।

ഉദാ : (7) മനസ്സിലാക്കി എടുക്ക് से इस बात का बोध होता है कि कर्ता के लाभ केलिए कार्य समाप्त होता है। हिन्दी का 'समझ लेना' क्रिया रूप के अर्थ के समान होता है।

കഴിയുക, തീരുക, തീർക്കുക, വരുക, നോക്കുക, വിടുക जैसी सामान्य सहायक क्रियाओं का प्रयोग नीचे लिखे वाक्यों में क्रमशः कार्य की पूर्णता (കഴിഞ്ഞു, തീർന്നു,തീർത്തു) निरंतरता, (വരുന്നു) प्रयत्न (നോക്കി) ओर उदासीनता (വിട്ടു) केलिए किया गया है ।

(i) സരിത പാഠം പഠിച്ചു കഴിഞ്ഞു.
सरिता ने पाठ पढ लिया (चुका)

(ii) മോഹനൻ ജോലി ചെയ്തു തീർന്നു.
मोहनन ने काम कर लिया (चुका)

(iii) കുട്ടികൾ എല്ലാം ചെയ്തു തീർത്തു.
बच्चें ने सब कुछ कर चुके ।

(iv) പല നൂറ്റാണ്ടുകളായി എല്ലാ മതക്കാരും നമ്മുടെ കേരളത്തിൽ സ്നേഹ ത്തോടെ ജീവിച്ചു വരുന്നു.
कई सदियों से हमारे केरल में सब धर्म के लोग प्रेम से जीते आ रहे हैं ।

(v) രേണു തനിയെ കണക്കു ചെയ്തു നോക്കി.

रेणु ने खुद गणित कर देखा ।

(vi) അവൾ എന്തൊക്കെയോ എഴുതി വിട്ടു.

उस ने कुछ लिख डाला ।

4. निम्न अकर्मक और सकर्मक क्रिया युग्मों पर ध्यान दीजिए और उन की रचना समझ लीजिए ।

ഇരിക്കുന്നു	- ഇരുത്തുന്നു.	വരുന്നു	- വരുത്തുന്നു.
बैठना है	- बिढाता है ।	आता है	- आने को मज़बूर करता है
നടക്കുന്നു	- നടത്തുന്നു	ഉണരുന്നു	- ഉണർത്തുന്നു.
चलता है	- चलाता है	उठता है.	- उठाता है
ഉറങ്ങുന്നു	- ഉണർത്തുന്നു.	തൂങ്ങുന്നു	- തൂക്കുന്നു.
सोता है	- सुलाता है	लटकता है	- लटकाता है
ആകുന്നു	- ആക്കുന്നു	പാറുന്നു	- പാറ്റുന്നു.
होता है	- बनाता है ।	उडता है	- उडाता है
കയറുന്നു	- കയറ്റുന്നു.	പൊഴിയുന്നു	- പൊഴിക്കുന്നു.
चढता है	- चढाता है	झडता है	- झडाता है
പിരിയുന്നു	- പിരിക്കുന്നു.	അരയുന്നു	- അരയ്ക്കുന്നു
बिछौडना है	- अलग करना है	पिसता है	- पीसता है.
അടയുന്നു	- അടയ്ക്കുന്നു		
बंद होता है	- बंद करता है		

5. अन्य प्रकार की सभी अकर्मक क्रियाओं में –ഇ/ –ഇപ്പി जोडकर सकर्मक क्रियायें बनाई जाती हैं जो प्रेरणार्थक हैं। प्रेरणात्मक संरचना के निम्न उदाहरण देखिए ।

കരയുന്നു	-	കരയിക്കുന്നു	-	കരയിപ്പിക്കുന്നു.
പറയുന്നു	-	പറയിക്കുന്നു	-	പറയിപ്പിക്കുന്നു.
ഇടുന്നു	-	ഇടീക്കുന്നു	-	ഇടീപ്പിക്കുന്നു.
വിളിക്കുന്നു	-		-	വിളിപ്പിക്കുന്നു.
പഠിക്കുന്നു	-		-	പഠിപ്പിക്കുന്നു.
ചിരിക്കുന്നു	-		-	ചിരിപ്പിക്കുന്നു.

ध्यान दें कि जिन क्रियारूपों में – ഇ होता है उन का प्रेरणार्थक प्रत्यय - ഇപ്പി है ।

6. सभी प्रेरणार्थक क्रियायें सकर्मक होती हैं परंतु सभी सकर्मक क्रियायें प्रेरणार्थक नहीं होती । मलयालम के दोनों प्रकार के प्रेरणात्मक रूपों के अर्थ में बडा फरक नहीं है ।

7. അര മണിക്കൂർ പോലും തമ്മിൽത്തല്ലാതെ ഇരുന്നു കൂടേ ? क्या आधा घंटा भी बिना झगडते बैठ नहीं सकते ?

इस वाक्य के रेखांकित क्रिया रूप में पूर्वकालिक (भूतकालिक) कृदन्त के बाद കൂട जोड़ने से वाक्य के अर्थ के समान निम्न वाक्य रचना का प्रयोग भी कर सकते हैं ।

जैसे - ആൻ क्रिया रूपों के बाद പാടില്ല जोडकर निषेधात्मक रूप होता है ।

ഉദാ : ഇവിടെ ആരും വരാൻ പാടില്ല./ ഇവിടെ ആരും വന്നു കൂട .

यहाँ कोई नहीं आना चाहिए या यहाँ किसी का भी आना मना है ।

പാഠം 20
पाठ

വിലക്കയറ്റം / महंगाई

കുറുപ്പ്	: മോനേ, ഇതിനൊക്കെകൂടി എത്രയായി?	बेटे, इन सब केलिए कितने हुए?
രാഘവൻ	: ആയിരത്തി എഴുനൂറ്റിമുപ്പത്തി രണ്ടുരൂപ എൺപത്തി അഞ്ചു പൈസ.	एक हजार सात सौ रुपये और पचास पैसे ।
കുറുപ്പ്	: എന്റെ ഭഗവാനേ ! ഞങ്ങൾക്കു രണ്ടുപേർക്കും പിന്നെ രണ്ടു കൊച്ചുമക്കൾക്കും കൂടി ഓരോ സെറ്റു തുണിവാങ്ങിയതിനാണോ ഇത്രയും കൊടുക്കേണ്ടിവന്നത്? നിനക്കും ലളിതയ്ക്കും ഒന്നും വാങ്ങിയതുമില്ല. ഞങ്ങൾക്കും വേണ്ടായിരുന്നു മക്കളേ.	हे भगवान, हम दोनों और अपने पोतों केलिए एक एक जोड़ी कपडे खरीदने केलिए ही इतना देना पडा? तुम्हें और ललिता को कुछ खरीदा भी नहीं। हमें भी नहीं चाहिए था बेटे ।
രാഘവൻ	: അച്ഛാ പണ്ടത്തെ കാര്യമൊക്കെ അച്ഛൻ മറന്നു പോയോ? അച്ഛൻ എത്ര കഷ്ടപ്പെട്ടിട്ടാണ് ഞങ്ങൾക്കും അപ്പൂപ്പനും അമ്മൂമ്മയ്ക്കും ഓണക്കോടി വാങ്ങിക്കാറുണ്ടായിരുന്നത്? അന്നൊന്നും അച്ഛനോ അമ്മയ്ക്കോ ഒരു വിശേഷത്തിനും പുതിയ തുണി വാങ്ങിക്കുമായിരുന്നില്ല.	पिताजी, क्या आप पुराने जमाने की बात भूल गये ? पिताजी आप कितनी बडी मुश्किल से ही हमारे लिए और दादा दादी केलिए ओणम में कपडे खरीदा करते थे। उस समय माँ - बाप (आप लोगों) केलिए किसी भी वित्योहार में नये कपड़े नहीं खरीदे जाते थे ।
കുറുപ്പ്	: പക്ഷേ ഇത്ര വലിയ വിലകൊടുത്ത് ഞാൻ ഒരിക്കലും തുണിവാങ്ങിക്കാറില്ലായിരുന്നു.	लेकिन इतना अधिक दाम देकर कभी भी मैं कपडे नहीं खरीदता था।
രാഘവൻ	: അതുപിന്നെ കാലം മാറിയില്ലേ അച്ഛാ? ആളുകളുടെ എണ്ണം കൂടും തോറും	पिताजी समय बदल गया न ? आबादी के साथ साथ दाम भी

	സാധനങ്ങളുടെ വിലയും കൂടുക യില്ലേ ?	बढता जाएगा न ?
കുറുപ്പ്	: എന്നാലും ഇതൊരു അന്യായ വില തന്നെ. തീ വില. സാധാരണക്കാർക്ക് അടുക്കാൻ വയ്യാത്ത വില.	यह बडा अन्याय ही है। बहुत महँगा। आम लोगों केलिए असहनीय दाम है ।
രാഘവൻ	: അച്ഛൻ ഇത് അന്യായവില എന്നു പറഞ്ഞല്ലോ.പക്ഷേ ഞാൻ ഇതൊരു ന്യായവില ഷോപ്പിൽനിന്നാണ് വാങ്ങിയത്. നെയ്ത്തുകാരുടെ ഒരു സഹകരണ സംഘം നടത്തുന്ന കടയിൽ നിന്ന്. അവർ ഒരിക്കലും കൊള്ളലാഭം എടുക്കാറില്ല. ഞാൻ പതിവായി വാങ്ങിക്കാറുള്ളത് അവിടെ നിന്നാണ്. അവർ ആരെയും പറ്റിക്കാറില്ല.	पिताजी आपने इसे बहुत महंगा कहा है न? बलिक मैं ने इसे एक न्याय दाम वाली दूकान से ही खरीदा था। एक बुनाई की सहकारी दूकान से। वे कभी भी अधिक लाभ नहीं लिया करते हैं। मैं अक्सर वहाँ से ही खरीदा करता हूँ। वे किसी को भी धोखा नहीं दिया करते हैं ।
കുറുപ്പ്	: അപ്പോൾ മറ്റുകടകളിലെ കഥ ഊഹി ക്കാവുന്നതേയുള്ളൂ. എന്റെ കുട്ടി ക്കാലത്ത് ലോകയുദ്ധം നടന്നു കൊണ്ടിരുന്നപ്പോൾപോലും ഇങ്ങനെ യൊരു വില ഞങ്ങൾ കേട്ടിരുന്നില്ല. അങ്ങനെയുള്ള സാധനങ്ങൾ ഒരി ക്കലും വാങ്ങിക്കുമായിരുന്നില്ല. ജനങ്ങളുടെ സർക്കാർ വരുമ്പോഴേ യ്ക്കും സംഗതികളെല്ലാം ശരിയാകും, നാട്ടിൽ തേനുംപാലും ഒഴുകും എന്നൊക്കെയാണല്ലോ അന്നു വിവര മുള്ളവർ പറയുമായിരുന്നത്. ഇപ്പോൾ കണ്ടില്ലേ. സ്വാതന്ത്ര്യം കിട്ടിയിട്ട് വർഷങ്ങൾ എത്രയായി?	तो मैं अनुमान कर सकता हूँ कि दूसरी दूकानों की स्थिति क्या होगी ? मेरे बचपन में जब विश्वयुद्ध चल रहा था उस समय में भी ऐसा दाम हम नहीं सुनते थे। उस प्रकार के सामान कभी भी हम नहीं खरीदा करते थे । जनता की सरकार के आते ही सब कुछ ठीक होंगे, राष्ट्र में समृद्धि ही समृद्धि होंगी- पढेलिखे लोग ऐसे ही कहा करते थे न? अभी देखा न ? आज़ादी मिलकर कितने साल हुए ?
രാഘവൻ	: അച്ഛാ, ജനങ്ങളുടെ സർക്കാരിനെയല്ല, ജനങ്ങളെയാണ് കുറ്റം പറയേണ്ടത്. സ്വാതന്ത്ര്യസമ്പാദനത്തിനുശേഷം	पिताजी, जनता की सरकार को नहीं, जनता पर ही आरोप करना है। सच कहूँ तो स्वतन्त्रता प्राप्ति

വാസ്തവം പറയുകയാണെങ്കിൽ ശാസ്ത്രസാങ്കേതികരംഗത്ത് നമ്മൾ വളരെ അധികം പുരോഗമിച്ചിട്ടുണ്ട്. കൃഷി, വ്യവസായം എന്നീ രംഗങ്ങളിൽ വളരെ കാര്യമായ രീതിയിൽ തന്നെ നേട്ടങ്ങൾ ഉണ്ടാക്കിയിട്ടുണ്ട്. അച്ഛൻ തന്നെ പറയണം പണ്ട് ഇത്രയൊക്കെ സൗകര്യങ്ങൾ കിട്ടുമായിരുന്നോ? നാട്ടിൻപുറത്തു പോലും വൈദ്യുതവിളക്കുകൾ, പൈപ്പു തുറന്നാൽ കിട്ടുന്ന കുടിവെള്ളം, പാചകത്തിനു പലതരം അടുപ്പുകൾ, ഓരോ കാലാവസ്ഥയ്ക്കും യോജിച്ച ഉടുപ്പുകൾ, പലതരം സൗകര്യങ്ങളുള്ള ആശുപത്രികൾ അങ്ങനെ അങ്ങനെ എന്തെല്ലാം?

के बाद विज्ञान के क्षेत्र में हमारी बडी प्रगति हुई है। कृषि, उद्योग आदी क्षेत्रों में हम लोगों ने सुचारू रूप से प्रगति पाई है। पिताजी आप ही तो कहिए कि क्या पुराने ज़माने में इतनी सुविधाएँ मिल सकती थीं? देखिए गाँवें में भी बिजली, नल से मिलनेवाला पानी, पकाने केलिए कई प्रकार के चूल्हे, आबहवा के अनुसार के कपडे, सभी प्रकार की सुविधाएँ मिलने वाले अस्पताल जैसे कितनी चीज़ें ?

കുറുപ്പ് : അതൊക്കെ ശരിതന്നെ മക്കളേ. പക്ഷേ സാധനങ്ങളുടെ തീവിലയെപ്പറ്റിയാണല്ലോ ഞാൻ പറഞ്ഞു വരുന്നത്.

बेटे वह सब ठीक है। लेकिन चीजों की महंगाई के बारे में ही मैं कहता जा रहा हूँ ।

രാഘവൻ : അത്യാവശ്യസാധനങ്ങളുടെ നിർമാണം എത്രതന്നെ കൂടിയാലും ആവശ്യക്കാർ ക്രമാതീതമായി കൂടിയാൽ കാര്യങ്ങൾ എങ്ങനെ നിയന്ത്രിക്കാനാണ്? ജനസംഖ്യകൂടുതലായതിനാലാണ് ഈ സ്ഥിതി നമുക്ക് കൈവന്നിരിക്കുന്നത്. പണ്ട് അച്ഛൻ ഒന്ന് റോഡിലിറങ്ങി നടന്നാൽഇത്രയും ആളുകളെ കാണുമായിരുന്നോ? ഇപ്പോൾ ഓരോ റോഡും ഉത്സവപ്പറമ്പുപോലെയല്ലേ ? പിന്നെ എങ്ങനെ സാധനങ്ങളുടെ വിലകുറയാൻ?

ज़रूरी चीजों का निर्माण चाहे कितना भी बढें फिर भी ग्राहकों की संख्या में वृद्धि होने पर इसे कैसे रोक सकते हैं? बढती जनसंख्या के कारण ही हमारी ऐसी स्थिति हो गई है । पिताजी, पुराने जमाने में सडक से चलते समय क्या आप इतने अधिक लोगों से मिलते थे? अब तो प्रत्येक सड़क, उत्सव के मैदान जैसे है न? फिर चीज़ों की कीमत में कैसी कमी आ जाएगी?

കുറുപ്പ്	: നീ പറഞ്ഞതിന്റെ അർഥം ഓരോ ദമ്പതിമാർക്കും ഈരണ്ടു കുട്ടികൾ മാത്രം ആയിരുന്നെങ്കിൽ കാര്യങ്ങൾ ഒക്കെ ശരിപ്പെടുമെന്നാണോ ?	क्या तुम्हारे कहने का मतलब यह है कि प्रत्येक दंपतियों के दो-दो बच्चे होने पर सब कुछ ठिक हो जाएँगे ?
രാഘവൻ	: ജനസംഖ്യകുറഞ്ഞാൽ സ്ഥിതി ഗതികൾ വളരെയധികം മെച്ചപ്പെടും. അതിനോടൊപ്പം പരിസര സംരക്ഷണം, കഠിന പ്രയത്നം. സത്യസന്ധമായി ജോലിചെയ്യുന്ന സ്വഭാവം ഒക്കെ നമ്മുടെ ജീവിതത്തിന്റെ ഭാഗമാക്കണം. എന്നാൽ അടുത്ത തലമുറകൾ ക്കെങ്കിലും സുഖമായി ജീവിക്കാം.	जनसंख्या के कम हो जाने से स्थितियों में प्रगति होगी । उसके साथ पर्यावरण का संरक्षण,कठिन प्रयत्न, सच्चाई से नौकरी करने का स्वभाव सबको हमारे जीवन का भाग बनाना चाहिए । तो आनेवाली पीढियों के लोग सुखमय जीवन बिता सकते हैं ।
കുറുപ്പ്	: നീ പറയുന്നതും ശരിതന്നെയാണ്. പണ്ടൊക്കെ ജനങ്ങൾ മരങ്ങളെയും നദികളെയും ഒക്കെ പൂജിക്കാറുണ്ടാ യിരുന്നവരാണ്. അവയെ മലിനീ കരിക്കാനോ, നശിപ്പിക്കാനോ ധൈര്യ പ്പെടുമായിരുന്നില്ല.	तुम्हारा कहना भी ठीक है। पुराने जमाने में लोग पेड़ों तथा नदियों की पूजा किया करते थे। उन्हें गंदा करने और नाश करने का धैर्य उन में नहीं होते थे ।
രാഘവൻ	: പിന്നെ ആളുകളുടെ എണ്ണം കൂടിയ തോടെ കാടുതെളിക്കൽ അതിരു കടന്നു. ആളുകൾ പലതരം ആവ ശ്യങ്ങൾക്കായി ഫാക്ടറികൾ തുറന്ന തോടെ നദികളും അഴുക്കുചാലു കളായിത്തീർന്നു. നമ്മൾ പൂജി ച്ചിരുന്ന കാടുകൾ കാണാതെ ആയി . നദികൾ ഉപയോഗശൂന്യമായി.	बाद में जब आबादी बढती गई तब से वन का नाश भी सीमा पार कर गया। विविध आवश्यकताओं केलिए जब लोग 'फैक्टरी' खोलने लगे तो नदियाँ भी कलुषित नाले बन गईं। जिन वनों की पूजा हम लोग करते थे वे नष्ट हुए। नदियाँ बिना उपयोग की हो गई ।
കുറുപ്പ്	: ഞങ്ങളുടെ പൂർവ്വീകർ പറയാറു ണ്ടായിരുന്നു, കലികാലം വരുമ്പോ ഴാണ്. ഇങ്ങനെ സംഭവിക്കുന്നതെന്ന്. കലികാലം തുടങ്ങാറായി എന്നാ ണെനിക്കു തോന്നുന്നത്.	हमारे पूर्वज कहा करते थे कि कलियुग के आते ही इस प्रकार होगा। मुझे लगता हैं कि कलियुग का आरंभ होने लगा है ।

രാഘവൻ : തുടങ്ങാറായി എന്നല്ല തുടങ്ങിക്കഴിഞ്ഞു എന്നു തന്നെ പറയാം. പക്ഷേ ഇനിയും ഭീമമായ നാശനഷ്ടങ്ങൾ വരുത്തുന്നതിനു മുമ്പ് ജനങ്ങൾ ആത്മാർഥമായി ശ്രമിച്ചാൽ നമുക്കു രക്ഷപ്പെടാം.	आरंभ होने लगा यह नहीं, कह सकते हैं कि शुरू हुआ है । लेकिन अभी भयंकर नाश करने के पहले ईमानदारी से प्रयत्न करें तो हमारी रक्षा होगी।
കുറുപ്പ് : അപ്പോൾ ഇങ്ങനെയുള്ള കാര്യങ്ങളാണോ നീ സാക്ഷരതാക്യാമ്പുകളിൽ പറഞ്ഞു കൊടുക്കാറുള്ളത്?	तो क्या साक्षरता क्लास में तुम ऐसी बात ही कह देते हो ?
രാഘവൻ : അതെ. അതെ. ശുചിത്വം, ആരോഗ്യം, തൊഴിൽരംഗം, മുതലായ വിഷയങ്ങളോടൊപ്പം ഇന്നു നമ്മൾ നേരിടുന്ന എല്ലാ പ്രശ്നങ്ങളെപ്പറ്റിയും, ലളിതമായ ഭാഷയിൽ ഞങ്ങൾ ചർച്ച ചെയ്യാറുണ്ട്. ജനപ്പെരുപ്പത്തിന്റെ ഭീഷണിയെക്കുറിച്ചുമാത്രമല്ല യുദ്ധക്കെടുതികളെപ്പറ്റിവരെ ഞങ്ങളുടെ ക്ലാസുകളിൽ സംസാരിക്കാറുണ്ട്. അല്ലാതെ വെറും അക്ഷരം പഠിപ്പിക്കൽ അല്ല അവിടെ നടത്തുന്നത്. അച്ഛനും ഇന്നൊന്ന് എന്റെ കൂടെ വന്നു നോക്കൂ. എത്രനാളായി ഞാൻ അധ്വാനിക്കുന്നു. ക്ലാസിനു സമയം ആകാറായി. ഞാനിതാ ഇറങ്ങുന്നു. അച്ഛൻ ഉടുപ്പൊക്കെ ഒന്നു മാറ്റിയിട്ട് ഉണ്ണിമോനെയും കൂട്ടിവന്നോളൂ.	हाँ, हाँ। सफाई, स्वास्थ्य, नौकरी को क्षेत्र आदि विषयों के साथ आज हम जिन समस्याओं का सामना करते हैं उन पर भी सरल रूप से हम चर्चा किया करते हैं । केवल जनसंख्या की धमकी के बारे में भी नहीं, युद्ध के विनाशकारी परिणामों के बारे में भी हम कक्षों में चर्चा किया करते हैं । इसके बदले सिर्फ अक्षर मात्र पढाना वहाँ का काम नहीं । पिताजी आप भी आज मेरे साथ ज़रा आकर देखिए। कितने दिनों से मैं कोशिश कर रहा हुँ ! क्लास शुरु होने का वक्त हो गया। मैंजा रहा हूँ। पिताजी कपड़े बदलकर उण्णी बेटे के साथ आइए ।
കുറുപ്പ് : വളരെ നല്ലത്. നീപൊയ്ക്കോളൂ. ഉണ്ണിമോൻ കുളികഴിഞ്ഞിട്ടു വരുമ്പോൾ ഞാനും അവനും കൂടി അങ്ങു വന്നേക്കാം.	बहूत अच्छा । तुम जाओ। जब उण्णि बेटा नहाकर आएगा तो मैं उसके साथ वहाँ आऊँगा ।

പദങ്ങളുടെ അർഥം

വിലക്കയറ്റം	ആയിരത്തി എഴുനൂറ്റി മുപ്പത്തി രണ്ടു രൂപ എൺപത്തി അഞ്ചു പൈസ		
महंगाई	एक बज़ार सात सौ बत्तीस रुपए तथा पच्चासी पैसे		
തുണി	कपडे	കഷ്ടപ്പെടുക	तकलीफ उठाना
വിശേഷം	त्योहार के दिन	ഓണക്കോടി	ओणम के समय पहने जाने वाला कपडा
കാലം മാറുക	समय बदलना	എണ്ണം	संख्या
അന്യായവില	बहुत अधिक दाम	സാധനം	चीज़
തീ	आग	സാധാരണകാർ	सामान्य लोग, आम लोग
ന്യായവിലഷാപ്പ്	सामान्य लोग	നെയ്ത്തുക്കാർ	जुलाहा
കൊള്ളലാഭം	बडा लाभ	മറ്റേ	दूसरा
സംഗതി	चीज़	തേനും പാലും ഒഴുകുക	मधु और दूध का बहना बहुत समृद्धि होना
ഊഹിക്കുക	अनुभाव करना	കുട്ടിക്കാലം	बचपन
വിവരമുള്ളവർ	ज्ञानी लोग	സ്വാതന്ത്ര്യം	स्वातंत्र्य
കുറ്റം പറയുക	शब्दों से दोष लगाना	സമ്പാദനം	मिलना, कमाना
വാസ്തവം	वास्तव	ശാസ്ത്രം	विज्ञान
സാങ്കേതികരംഗം	तकनीका क्षेत्र	അധികം	अधिक
പുരോഗമിക്കുക	उन्नति, पाना	വ്യവസായം	उद्योग
നേട്ടം	सिद्धि	സൗകര്യം	सुविधा
കുഗ്രാമം	बहुत दूर का गाँव- जहाँ प्रगति की झाँकी भी नहीं		
വൈദ്യുതി	विद्युत शक्ति		
വിളക്കുകൾ	दीप	പൈപ്പ്	नल
തുറന്നാൽ	खोलेंगे तो	കുടിവെള്ളം	पीने का पानी
അടുപ്പ്	चूल्हा	കാലാവസ്ഥ	हवामान, आब हवा
യോജിച്ച	अनुकूल	ഉടുപ്പുകൾ	कपड़े
നിർമാണം	निर्मिति	ആവശ്യക്കാർ	चाहनेवाले
ക്രമാതീതം	क्रम से ज़्यादा	നിയന്ത്രിക്കുക	नियंत्रण करना
ജനസംഖ്യ	जनसंख्या, आबादी	കൈവരുക	पाना, मिलना

ഉത്സവപ്പറമ്പ്	उत्सव का मैदान	അർഥം	अर्थ
ദമ്പതി	दंपति	ഈരണ്ട്	दो दो
ശരിപ്പെടുക	ठीक होना	സ്ഥിതിഗതി	स्थितिगति
മെച്ചപ്പെടുക	उन्नति होना, अच्छा होना	പരിസരം	माहौल
സംരക്ഷണം	संरक्षण	കഠിനപ്രയത്നം	कठिन प्रयत्न
ഭാഗമാക്കുക	हिस्सा बनाना	സത്യസന്ധമായി	सचमुच, सच्चाई से
തലമുറ	पीढी	കാട്	वन
ആറ്	नदी	പൂജിക്കുക	पूजा करना
മലിനീകരിക്കുക	मैला करना, गंदा करना	നശിപ്പിക്കുക	नाश करना
ധൈര്യപ്പെടുക	धीरज बाँधना	കാടുതെളിക്കൽ	वन नशीकरण, वन को साफ करना
അതിര്	सीमा	അഴുക്കുചാൽ	गंदगी का नाला
ഉപയോഗശൂന്യം	उपयोगशून्य	പൂർവ്വികർ	पूर्वज
കലികാലം	कलिकाल (कलियुग)	സംഭവിക്കുക	घटना, होना
ഭീമമായ	बहुत बडा	നാശനഷ്ടം	नाश नष्ट
ആത്മാർഥമായി	आत्मार्थता के साथ	രക്ഷപ്പെടുക	बच जाना
സാക്ഷരത	साक्षरता	ശുചിത്വം	शुचित्व
ആരോഗ്യം	आरोग्यं	ലളിതമായ	सरल
ജനപ്പെരുപ്പം	बढती जनसंख्या	ഭീഷണി	धमकी
യുദ്ധം	युद्ध	കെടുതി	दुष्परिणाम
മാറ്റുക	बदलना	കുളി	स्नान

അഭ്യാസം

I. മാതൃക അനുസരിച്ച് വാക്യം മാറ്റി എഴുതുക.

ഉദാ : 1

അച്ഛൻ ഓണക്കോടി വാങ്ങിക്കുന്നു.
അച്ഛൻ ഓണക്കോടി വാങ്ങിക്കാറുണ്ട്.

1. രമേശ് അങ്ങനെ പലതും സംസാരിക്കുന്നു.
2. ഞങ്ങൾ തമ്മിൽ എപ്പോഴും കലഹിക്കുന്നു.
3. ഇവിടെ എല്ലാ സൗകര്യവും കിട്ടുന്നു.
4. അച്ഛൻ ചോദിക്കുമ്പോൾ ഉത്തരം പറയുന്നു.
5. രേഷ്മയോട് പ്രവീൺ പലതും ചോദിക്കുന്നു.

ഉദാ : 2

അവർ എപ്പോഴും കൊള്ളലാഭം എടുത്തിരുന്നു.

അവർ എപ്പോഴും കൊള്ളലാഭം എടുക്കാറുണ്ടായിരുന്നു.

1. അച്ഛൻ ഉണ്ണിയെയും കൂട്ടി വന്നിരുന്നു.
2. അമ്മ വഴക്കുപറയുമ്പോൾ ലാലു കരഞ്ഞിരുന്നു.
3. നേതാക്കന്മാർ പലതും വാഗ്ദാനം ചെയ്തിരുന്നു.
4. രാജൻ ഒന്നും മറച്ചുവച്ചിരുന്നില്ല.
5. അധ്യാപകൻ അങ്ങനെയൊന്നും പറഞ്ഞിരുന്നില്ലേ ?

ഉദാ : 3

കുട്ടികൾ നന്നായി ചെയ്തേക്കും.

കുട്ടികൾ നന്നായി ചെയ്യാറുണ്ടായിരിക്കും.

1. അച്ഛനമ്മമാർ അത്തരം ചോദ്യങ്ങൾ ചോദിച്ചേക്കും.
2. സുധ അവിടെ നിന്നു വന്നേക്കും.
3. ബാബുവിനോടു മാത്രം പറഞ്ഞേക്കും.
4. തിരുവനന്തപുരത്ത് വച്ച് അവളെ കണ്ടേക്കും.
5. അവൻ അതൊക്കെ ഓർത്തേക്കും.

ഉദാ : 4

നിങ്ങൾ എന്നോടു ചോദിച്ചാൽ പറയും.

നിങ്ങൾ എന്നോടു ചോദിച്ചിരുന്നെങ്കിൽ പറയുമായിരുന്നു.

1. തോമസ് എപ്പോഴും ചോദിക്കും.
2. ജോലി കിട്ടിയാൽ എന്തു ചെയ്യും?
3. അദ്ദേഹം കഥകളെഴുതിയാൽ സമ്മാനം കിട്ടും.
4. പണം കിട്ടിയാൽ ലോകം ചുറ്റും.
5. പ്രധാനമന്ത്രി ഇങ്ങോട്ടു വന്നാൽ ആളുകൾ സന്തോഷിക്കും.

II. തന്നിരിക്കുന്ന വാക്യങ്ങൾ മാതൃക അനുസരിച്ച് സ്വന്തം വാക്കുകൾ ചേർത്തു വലുതാക്കുക.

ഉദാ : 1 ആരും തയ്യാറാകുമായിരുന്നില്ല.

അന്നൊക്കെ കാടുകൾ വെട്ടാൻ ആരും തയ്യാറാകുമായിരുന്നില്ല.

1. ശ്രീജ വരുമായിരുന്നില്ല.
2. ബാസു പാടുമായിരുന്നില്ല.
3. അവർ അങ്ങനെയൊന്നും ചെയ്യുമായിരുന്നില്ല.
4. ആശ്വാസമാകുമായിരുന്നില്ല.
5. അത്ഭുതകരമായി തോന്നുന്നില്ല.

ഉദാ :2 ഞങ്ങൾ ചെയ്യാറുണ്ടായിരുന്നു..

അയാളെ ദേഷ്യം പിടിപ്പിക്കാൻ ഞങ്ങൾ പലതും ചെയ്യാറുണ്ടായിരുന്നു.

1. എപ്പോഴും വാങ്ങാറുണ്ടായിരുന്നു.
2. സാധനങ്ങൾ ഉപയോഗിക്കാറുണ്ടായിരുന്നു.
3. കുറ്റം പറയാറുണ്ടായിരുന്നു.
4. കാര്യങ്ങൾ മനസ്സിലാക്കാറുണ്ടായിരുന്നു.
5. ദൈവത്തെ പൂജിക്കാറുണ്ടായിരുന്നു..

III. മാതൃക അനുസരിച്ച് തന്നിരിക്കുന്ന ഓരോവാക്യത്തിനും മൂന്നു ജോഡി വാക്യം വീതം എഴുതുക.

ഉദാ : 1

നീ പറയുന്നതെല്ലാം മുരളി അനുസരിക്കാറുണ്ടോ?

തീരെ അനുസരിക്കാറില്ല. എനിക്ക് അവനോട് വെറുപ്പാണ്.

എല്ലാം അനുസരിക്കാറുണ്ട്. എനിക്ക് അവനോട് വലിയ ഇഷ്ടമാണ്.

ചിലപ്പോഴൊക്കെ അനുസരിക്കാറുണ്ട്. ചിലപ്പോൾ തീരെ അനുസരിക്കാറില്ല.

1. നിങ്ങൾ ജയശ്രീയെ ഇപ്പോഴും ഓർക്കാറുണ്ടോ ?
2. ഇവിടെ ഇപ്പോഴും മരച്ചീനികൃഷി ചെയ്യാറുണ്ടോ ?
3. കൃഷിക്കാർ രാസവളങ്ങൾ ഉപയോഗിക്കാറുണ്ടോ ?
4. അങ്ങനെയുള്ള പുസ്തകങ്ങൾ നിങ്ങൾ വായിക്കാറുണ്ടോ ?
5. തോമസ് നാട്ടിലേക്ക് വരാറുണ്ടോ ?

ഉദാ :2

സഹപ്രവർത്തകരോട് അയാൾ സംസാരിച്ചിരുന്നോ ?

എവിടെ എന്തെങ്കിലും ആവശ്യമുണ്ടെങ്കിൽ മാത്രം ഒന്നോ രണ്ടോ വാക്കു പറയും.

എന്തൊരു ചേദ്യമാണിത്? അയാൾ എല്ലാവരോടും സംസാരിക്കാറുണ്ടായിരുന്നല്ലോ.?

അയാളോ സഹപ്രവർത്തകരോടോ വീട്ടിൽപോലുമോ അയാൾ ആരോടും സംസാരിക്കാറില്ലായിരുന്നു.

1. അവിടെപോയി ഡയറക്ടറെ കണ്ടിരുന്നോ ?
2. സമ്മേളന സ്ഥലങ്ങളിൽ അയാൾ വന്നിരുന്നോ ?
3. ഉത്സവപറമ്പുകളിൽ വിൽപ്പന നടത്തിയിരുന്നോ ?
4. പുസ്തകങ്ങൾക്ക് അപ്പോഴും വിലക്കുറവുണ്ടായിരുന്നോ ?
5. അച്ഛൻ അവയൊക്കെ വായിച്ചിരുന്നോ ?

ഉദാ : 3

പഴയ തോട്ടത്തിൽ നിന്ന് പൂക്കൾ പറിക്കാറുണ്ടോ ?
പറിക്കാറുണ്ടായിരുന്നു. ഇപ്പോൾ ആരെയും അങ്ങോട്ടു കടത്തിവിടാറില്ല.
മറ്റുള്ളവർ പറിക്കാറുണ്ടായിരിക്കും. ഞാനിപ്പോൾ അങ്ങോട്ടൊന്നുംപോകാറില്ല.
പറിക്കാറുണ്ട്. ഇനിയും പറിക്കുമായിരിക്കും. അങ്ങനെ എല്ലാം തീർന്നുപോകും.

1. അത്തരം കാര്യങ്ങളൊക്കെ അമ്മ പറഞ്ഞു കൊടുക്കാറില്ലേ.?
2. ഈ ക്ഷേത്രത്തിൽ ഇപ്പോഴും കല്യാണം നടത്താറില്ലേ ?
3. വൈകുന്നേരങ്ങളിൽ നിങ്ങൾ ഇവിടെ ഇരിക്കാറുണ്ടോ ?
4. തൊഴിലാളികൾ ഇതൊക്കെ ചർച്ച ചെയ്യാറുണ്ടോ ?
5. മോഹൻ ഇപ്പോഴും ആൾക്കാരെ ചീത്ത പറയാറുണ്ടോ ?

IV. **പതിവിനെ കാണിക്കുന്ന ക്രിയാരൂപം ഉപയോഗിച്ച് (വരാറുണ്ടോ, വരാറുണ്ടായിരുന്നില്ല പോലുള്ള യോജിച്ചക്രിയാരൂപങ്ങൾ) വാക്യം പൂരിപ്പിക്കുക.**

1. നീ അയാളുടെ വീട്ടിൽ ഇപ്പോഴും ------------------ ?
2. രമേശ് ---------- എന്നേ ചോദിച്ചുള്ളൂ.
3. ഇരുട്ടുന്നതിനു മുമ്പുതന്നെ അച്ഛൻ ---------- ?
4. ഇപ്പോൾ വയ്യ ! പണ്ടൊക്കെ പത്തു പതിനഞ്ചു മൈൽ ------------ .
5. എന്നെങ്കിലുമൊരിക്കൽ ------------------.

V. **തന്നിട്ടുള്ള പദങ്ങൾ ഉപയോഗിച്ച് പതിവിനെ കാണിക്കുന്ന ക്രിയാരൂപങ്ങൾ ഉള്ള വാക്യങ്ങൾ എഴുതുക.**

ഉദാ : അവൻ, തോമസ്, കാണുക.
അവൻ തോമസിനെ കാണാറുണ്ട്.

1. അവർ, ഇപ്പോഴും, കാര്യങ്ങൾ, ചർച്ച, ചെയ്യുക.
2. ഞാൻ കത്തുകൾ, എല്ലാവർക്കും, അയയ്ക്കുക.
3. അവൾ, നന്നായി, നൃത്തം, ചെയ്യുക.
4. മുരളി, കുട്ടികളെ, ശിക്ഷിക്കുക.
5. അമ്മ, നന്നായി, പാടുക.

VI. **പതിവിനെ കാണിക്കുന്ന ക്രിയകൾ ഉപയോഗിച്ച് വാക്യം മാറ്റി എഴുതുക.**

1. ഞങ്ങൾ അങ്ങനെ ജീവിച്ചു പോകുന്നു.
2. ഒരിക്കലും ആ വാതിൽ തുറന്നിരുന്നില്ല.
3. നദിയിലൂടെ മഴക്കാലത്ത് വെള്ളം ഒഴുകുന്നു.
4. ആരും അവിടെ നിന്ന് സംസാരിക്കുന്നില്ല.
5. എല്ലാവർക്കും വേണ്ടി ഇവിടെ അർച്ചനകൾ നടത്തുന്നു.
6. അച്ഛനോട് എപ്പോഴും അവർ പണം ചോദിക്കുന്നു.

VII. മാതൃക അനുസരിച്ച് തന്നിട്ടുള്ള ഓരോവാകൃത്തിനും പതിവിനെ കാണിക്കുന്ന ക്രിയകൾ ഉപയോഗിച്ച് പല വാക്യങ്ങളിൽ പ്രതികരിക്കുക.

ഉദാ : നവാസിന്റെ വീട്ടിൽ പോകാറുണ്ടോ ?

മുരളി നവാസിന്റെ വീട്ടിൽ പോകാറുണ്ട്.
മുരളി നവാസിന്റെ വീട്ടിൽ പോകാറില്ല.
മുരളി നവാസിന്റെ വീട്ടിൽ പോകാറുണ്ടല്ലോ.
മുരളി നവാസിന്റെ വീട്ടിൽ പോകാറുണ്ടാവില്ല.
മുരളി നവാസിന്റെ വീട്ടിൽ പോകാറുണ്ടാവും.
മുരളി നവാസിന്റെ വീട്ടിൽ പോകാറുണ്ടായിരുന്നു.
മുരളി നവാസിന്റെ വീട്ടിൽ പോകാറില്ലായിരുന്നു.
മുരളി നവാസിന്റെ വീട്ടിൽ പോകാറുണ്ടായിരുന്നില്ല.
മുരളി നവാസിന്റെ വീട്ടിൽ പോകാറുണ്ടായിരിക്കും.
മുരളി നവാസിന്റെ വീട്ടിൽ പോകാറില്ലായിരിക്കും.
മുരളി നവാസിന്റെ വീട്ടിൽ പോകാറുണ്ടായിരിക്കില്ല.
മുരളി നവാസിന്റെ വീട്ടിൽ പോകാറുണ്ടായിരിക്കുമല്ലോ ?
മുരളി നവാസിന്റെ വീട്ടിൽ പോകാറുണ്ടായിരിക്കണം.
മുരളി നവാസിന്റെ വീട്ടിൽ പോകുമായിരുന്നു.
മുരളി നവാസിന്റെ വീട്ടിൽ പോകുമായിരുന്നില്ല.
മുരളി നവാസിന്റെ വീട്ടിൽ പോകുമായിരിക്കും.
മുരളി നവാസിന്റെ വീട്ടിൽ പോകുമായിരിക്കാം.

1. അയാൾ മുഴുവൻ സമയവും ജോലി ചെയ്തോ ?
2. തോമസ് ആ പുസ്തകങ്ങൾ മുഴുവനും വായിക്കാറുണ്ടോ ?
3. മുത്തശ്ശി കഥകൾ പറയാറുണ്ടോ ?

VIII. തന്നിരിക്കുന്ന വാക്യത്തിനോട് ഏറ്റവും അടുത്ത വാക്യം അടയാളപ്പെടുത്തുക.

ഉദാ : കൂട്ടുകാരികളോട് ഇവിടത്തെ സ്ഥിതിഗതികളെല്ലാം രാധിക പറഞ്ഞു കൊടുക്കാറുണ്ട്.

(1) രാധിക കൂട്ടുകാരികളോട് ഇവിടത്തെ സ്ഥിതിഗതികളെല്ലാം പറഞ്ഞു കൊടുത്തിരുന്നു. ഇപ്പോൾ ഒന്നും പറഞ്ഞു കൊടുക്കുന്നില്ല.

(2) രാധിക കൂട്ടുകാരികളോട് ഇവിടത്തെ സ്ഥിതിഗതികൾ പറഞ്ഞു കൊടുത്തിരുന്നു. ഇപ്പോഴും പറഞ്ഞുകൊടുക്കുന്നു. ഇനിയും പറഞ്ഞു കൊടുത്തേക്കാം.

(3) രാധിക കൂട്ടുകാരികളോട് ഇവിടത്തെ സ്ഥിതിഗതികൾ പറഞ്ഞു കൊടു ത്തിരുന്നു. ഇപ്പോഴും പറഞ്ഞു കൊടുക്കുന്നുണ്ട്. പക്ഷേ ഇനിയൊരി ക്കലും പറഞ്ഞു കൊടുക്കില്ല.

(4) രാധിക കൂട്ടുകാരികളോട് ഇവിടുത്തെ സ്ഥിതിഗതികളെല്ലാം പറഞ്ഞു കൊടുക്കാറുണ്ടോ എന്നു സംശയമാണ്.

1. പ്രേരണയ്ക്ക് മധു ഇപ്പോഴും കത്തുകൾ അയയ്ക്കാറുണ്ടായിരിക്കും.
   (1) പ്രേരണയ്ക്ക് മധു ഇപ്പോഴും കത്തുകളയ്ക്കുന്നു എന്ന കാര്യം തീർച്ചയാണ്.
   (2) പ്രേരണയ്ക്ക് മധു കത്തുകളയച്ചിരുന്നു. ഇപ്പോൾ കത്തുകൾ അയയ്ക്കാറില്ല.
   (3) പ്രേരണയ്ക്കു മധു കത്തുകളയച്ചിരുന്നു. ഇപ്പോഴും അയയ്ക്കുന്നു. ഇനിയും അയച്ചേക്കും.
   (4) പ്രേരണയ്ക്ക് മധു ഇപ്പോഴും കത്തുകളയ്ക്കുന്നു എന്ന കാര്യം സംശയമാണ്.

2. തോമസ് ധാരാളം മധുരപലഹാരങ്ങൾ കഴിക്കാറുണ്ടായിരുന്നു.
   (1) തോമസ് ധാരാളം മധുരപലഹാരങ്ങൾ കഴിക്കുന്നു എന്ന കാര്യം സംശയമാണ്.
   (2) തോമസ് മുമ്പ് ധാരാളം മധുര പലഹാരങ്ങൾ കഴിച്ചിരുന്നു. ഇപ്പോൾ കഴിക്കുന്നോ എന്നത് എനിക്കറിയില്ല.
   (3) തോമസ് മധുരപലഹാരങ്ങൾ മാത്രമേ കഴിക്കുന്നുള്ളു.
   (4) തോമസ് മധുരപലഹാരങ്ങൾ മുമ്പ് കഴിച്ചിരുന്നു. ഇപ്പോഴും കഴിക്കുന്നു. ഇനിയും കഴിച്ചേക്കും.

IX. യോജിച്ച രീതിയിൽ സംഭാഷണം പൂരിപ്പിക്കുക.

ക - നോക്കൂ ഇത് നമ്മൾ ഓടിക്കളിച്ചു നടന്നിരുന്ന കടപ്പുറമാണ്.

ഖ - ഞാൻ എപ്പോഴും ഈ കടപ്പുറത്ത് --------------- ഇവിടെയിരുന്ന് ആ പഴയ കാലങ്ങളെല്ലാം ---------------.

ക - നിങ്ങൾ ഇപ്പോഴും ആ പഴയ കാലങ്ങളെല്ലാം ---------- അതൊക്കെ ഞാൻ എന്നേ ---------.

ഖ - --------- --------- ---------- ----------

ക - കുട്ടിക്കാലം ഓടിക്കളിക്കാനുള്ളതല്ലേ ?. ഇവിടെയല്ലെങ്കിൽ മറ്റൊരിടത്ത് നാം ഓടിക്കളിക്കും അത്ര തന്നെ.

മറക്കണമെന്നല്ല, ഞാൻ പറയുന്നത് ജീവിതത്തിന്റെ തിരക്കിനിടയിൽ പലതും നാം മറന്നുപോകുന്നു.

ആ ഓർമകളിലൊക്കെയാണ് നാം ജീവിക്കുന്നത്.

വായിച്ചു മനസ്സിലാക്കുക

പത്രാധിപകർക്കുള്ള രണ്ടു കത്തുകൾ

ബഹുമാനപ്പെട്ട പത്രാധിപർ സാറിന്, 2/2/2000

കഴിഞ്ഞയാഴ്ച നഗരത്തിലെ തിരക്കേറിയ ഒരു റോഡിലെ മാടക്കടയിൽ വച്ച് എനിക്കുണ്ടായ ഒരു അനുഭവമാണ് ഈ കത്തെഴുതാൻ എന്നെ പ്രേരിപ്പിക്കുന്നത്. ത്രാസ് കൈയിൽ പിടിച്ചുകൊണ്ടാണ് കടക്കാരൻ സാധനങ്ങൾ തൂക്കി നൽകിക്കൊണ്ടിരുന്നത്. ഇത്തരം കടകളിൽനിന്ന് നിത്യേന പഴവർഗങ്ങൾ വാങ്ങാറുണ്ടായിരുന്ന എനിക്ക് തൂക്കത്തിൽ സംശയം തോന്നി. ത്രാസ് കൈയിൽ വച്ച് സാധനങ്ങൾ തൂക്കി നൽകാൻ പാടില്ലെന്ന് നിയമം ഉണ്ടെന്നും അതിനാൽ ശരിയായി തൂക്കിത്തരണമെന്നും പറഞ്ഞപ്പോൾ എനിക്ക് ലഭിച്ചത് അസഭ്യവാക്കുകളാണ്. നിത്യേന ഇത്തരത്തി ലുള്ള അനുഭവങ്ങൾ പലർക്കും അനുഭവപ്പെടാറുണ്ട്. പക്ഷേ പലരും ഇത്തരം കാര്യങ്ങളോട് തികഞ്ഞ അലംഭാവമാണ് പ്രകടിപ്പിക്കാറുള്ളത്. അധികാരികളാകട്ടെ തികഞ്ഞ അനാസ്ഥയും കാണിക്കുന്നു. പൊതുജനങ്ങളുടെ അലംഭാവവും അധികാരികളുടെ അനാസ്ഥയും മൂലം ഈ പകൽക്കൊള്ള അനുസ്യൂതം തുടർന്നു കൊണ്ടേയിരിക്കുന്നു. വിലക്കയറ്റം സൃഷ്ടിക്കുന്ന ബുദ്ധിമുട്ടുകൾ ഒരു ഭാഗത്തു നിന്നും നഗരമധ്യത്തിലെ ഇത്തരം പിടിച്ചു പറികൾ മറ്റേ ഭാഗത്തു നിന്നും ജനങ്ങളെ വീർപ്പുമുട്ടിക്കുന്നു. സാധനങ്ങളുടെ വില നിലവാരം വ്യക്തമായി എഴുതിയിട്ടുള്ള വിലവിവരപ്പട്ടിക എല്ലാ കടകളിലും നിർബന്ധമാക്കണമെന്നും കൃത്യമായ തൂക്കം ലഭിക്കുന്നുണ്ടെന്ന് ഉറപ്പുവരുത്താൻ വേണ്ട നടപടികൾ സ്വീകരിക്കണമെന്നും ആവശ്യപ്പെടാൻ ഇവിടത്തെ ജനങ്ങൾക്ക് അവകാശമുണ്ട്. അതുപോലെ കരിഞ്ചന്തക്കാരിൽ നിന്നും പുഴ്ത്തിവയ്പ്പുകാരിൽ നിന്നും കൊള്ളലാഭക്കാരിൽ നിന്നുംമെല്ലാം ജനങ്ങളെ രക്ഷിക്കേണ്ടത് അധികാരികളുടെ കടമയാണ്. ഈ വിഷയത്തിലേക്ക് സർക്കാരിന്റെയും പൊതുജനങ്ങളുടെയും അടിയന്തിര ശ്രദ്ധ ക്ഷണിച്ചു കൊള്ളുന്നു.

2

വ്യവസായികവൽക്കരണത്തിന്റെയും നഗരവൽക്കരണത്തിന്റെയും തിക്തഫലങ്ങൾ നാം അനുഭവിച്ചു കൊണ്ടിരിക്കുന്നു. മനുഷ്യൻ പുരോഗതിയിലേക്ക് വളരുംതോറും അവൻ സ്വന്തം മണ്ണിനെ വിസ്മരിക്കാറുണ്ട്. ഭൂമി ഇങ്ങനെ ഊഷരയാകുന്ന കാര്യം അപ്പാടെ വിസ്മരിക്കാറുള്ളതാണ് നമ്മുടെ ഏറ്റവും വലിയ തിന്മകളിലൊന്ന്. ഇത്തരം കാര്യങ്ങളൊക്കെ നാം എപ്പോഴും ചർച്ചചെയ്യാറുണ്ട്. പക്ഷേ അവയൊന്നും പ്രവർത്തിപഥത്തിൽ എത്തിക്കാറില്ലെന്നതാണ് പരമാർഥം. കാടുകൾ മുഴുവൻ വെട്ടിനശിപ്പിച്ചുകൊണ്ട് നാം ഈ സംഹാരതാണ്ഡവം തുടരുന്നു.

അങ്ങനെ നാം നമ്മുടെ നാശത്തിന്റെ ശവക്കുഴി തോണ്ടുന്നു. ഭൂമിയിലെ വന സമ്പത്ത് മുഴുവൻ നമുക്ക് നഷ്ടമാകാറായി. ഭൂമുഖത്ത്നിന്ന് പല ജീവികൾക്കും വംശനാശം സംഭവിക്കാറായിക്കഴിഞ്ഞു. എത്രയോ ഔഷധ സസ്യങ്ങൾ നമ്മുടെ നശീകരണ പ്രക്രിയയിൽപെട്ട് നാമാവശേഷമായിരിക്കുന്നു ! വനനശീകരണത്തിലൂടെ നാം നമ്മോടു മാത്രമല്ല നമ്മുടെ അനന്തര തലമുറകളോടും, ഭൂമിയുടെ അവകാശികളായ മറ്റു ജീവജാലങ്ങളോടും ഒരിക്കലും പൊറുക്കാൻ വയ്യാത്ത തിന്മചെയ്യുകയാണ്. അടിയന്തിരപ്രാധാന്യമുള്ള പല വിഷയങ്ങളും ഈ പത്രത്തിൽ സജീവമായി ചർച്ചചെയ്തു കാണാറുണ്ട്. വനനശീകരണം, പരിസര മലിനീകരണം തുടങ്ങിയ സാമൂഹ്യ വിപത്തുകൾക്കെതിരെ ഒരു ധർമയുദ്ധത്തിനു സമയം വൈകിയിരിക്കുന്നു. സമൂഹത്തെ ഇത്തരം കാര്യങ്ങൾക്ക് സജ്ജമാക്കാൻവേണ്ടി പത്രത്തിന്റെ കൂടുതൽ പേജുകൾ മാറ്റിവയ്ക്കാൻ താൽപ്പര്യപ്പെടുന്നു.

എന്ന്
സരളകുമാരി
സരളഭവനം
തിരുവനന്തപുരം 10.

പദങ്ങളുടെ അർഥം

പത്രാധിപർ	संपादक	തിരക്കേറിയ	भीड भरी
മാടക്കട	छोटी दूकान	ദുരനുഭവം	बुरा अनुभव
പ്രേരിപ്പിക്കുക	प्रोत्साहित करना	ത്രാസ്	तराजू
കടക്കാരൻ	दूकानवाला	പഴവർഗങ്ങൾ	नाना फल
തൂക്കം	भार	സംശയം	संशय
തൂക്കുക	लटकाना, भार देखना	നിയമം	नियम
അനുഭവപ്പെടുക	अनुभव होना	തികഞ്ഞ	पूरा
അലംഭാവം	उदासीनता	അധികാരി	अधिकारी
അനാസ്ഥ	अनास्था	പകൽക്കൊള്ള	दिन दहाडे की डकैती
പിടിച്ചുപറി	छीन लेना	വീർപ്പുമുട്ടിക്കുക	साँस लेने को नहीं देना
വിലനിലവാരം	दाम या दर स्तर	വിവരപ്പട്ടിക	दाम या दर की भूमि
നിർബന്ധമാക്കുക	मज़बूर करता, हठ करना	കൃത്യമായ	कृत्य, समय पर
അവകാശം	अधिकार	കരിഞ്ചന്തക്കാർ	काला बाज़ार करनेवाला
പൂഴ്ത്തിവയ്പുകാർ	छिपाकर रहनेवाले	കൊള്ളലാഭക്കാർ	अत्यधिक लाभ लेनेवाले
കടമ	कर्तव्य	പൊതുജനങ്ങൾ	आम जनता

അടിയന്തിരശ്രദ്ധ	अवश्य ध्यान	ക്ഷണിക്കുക	निमंत्रण देना
വ്യവസായവൽക്കരണം	उद्योगमय करना	നഗരവൽക്കരണം	नगरीकरण करना
വിസ്മരിക്കുക	भूल जाना	മണ്ണ്	मिट्ठी
ഊഷരഭൂമി	सूखी भूमि,	അപ്പാടെ	कुल
തിന്മ	बुराई	പ്രവർത്തി പഥം	काम का मार्ग
പരാമാർഥം	परमार्थ	സംഹാര താണ്ഡവം	संहार तांडव
വെട്ടിനശിപ്പിക്കുക	काट डालना	ശവക്കുഴി	कब्र
തോണ്ടുക	खोदना	വനസമ്പത്ത്	वन संपन्ति
ഭൂമുഖത്ത്	जमीन की सतह पर	ജീവി	प्राणी
വംശനാശം	वंशनाश	ഔഷധ സസ്യം	औषधि का पौधा
നശീകരണം	विनाश	പ്രക്രിയ	प्रक्रिया
നാമാവശേഷമാകുക	सिर्फ़ नाम रहना	അനന്തരം	अनंतर
അവകാശി	हकदार	ജീവജാലം	जीवजाल, चरावर जगह
പൊറുക്കുക	क्षमा करना	പ്രാധാന്യം	प्राधान्य
പത്രം	पत्र	സജീവചർച്ച	सजीव चर्चा
സാമൂഹ്യവിപത്ത്	सामाजिक आपत्ति	ധർമയുദ്ധം	धर्म युद्ध
സജ്ജമാക്കുക	तैयार करना	താൽപ്പര്യപ്പെടുക.	दिलचस्पी लेना

അഭ്യാസം

I. ഉത്തരം നൽകുക.

ക. 1. എവിടെവച്ചാണ് ലേഖകന് ദുരനുഭവമുണ്ടായത് ?

2. എങ്ങനെയാണ് കടക്കാരൻ സാധനങ്ങൾ തൂക്കിനൽകിയത് ?
3. ലേഖകൻ കടക്കാരനോട് എന്താണ് പറഞ്ഞത് ?
4. അതിന് കടക്കാരന്റെ മറുപടിയെന്തായിരുന്നു ?
5. ഇത്തരം കാര്യങ്ങളോട് ജനങ്ങളുടെ പ്രതികരണമെന്തായിരുന്നു ?
6. ഇത്തരം കാര്യങ്ങളോട് സർക്കാരിന്റെ പ്രതികരണമെന്താണ് ?
7. എന്തുകൊണ്ടാണ് ഈ പകൽക്കൊള്ള ഇങ്ങനെതുടർന്നുകൊണ്ടിരിക്കുന്നത്?
8. എന്തൊക്കെയാണ് ജനങ്ങളെ വീർപ്പുമുട്ടിക്കുന്നത്?
9. ജനങ്ങൾക്ക് എന്തൊക്കെ അവകാശങ്ങളാണ് ഉള്ളത് ?
10. ആരിൽ നിന്നെല്ലാമാണ് അധികാരികൾ ജനങ്ങളെ രക്ഷിക്കേണ്ടത് ?

ഖ. 1. എന്തിന്റെയെല്ലാം തിക്ത ഫലങ്ങളാണ് നാം അനുഭവിച്ചുകൊണ്ടിരിക്കുന്നത് ?

2. മനുഷ്യൻ പുരോഗതിയിലേക്ക് വളരുംതോറും അവൻ എന്തിനെയാണ് വിസ്മരിക്കാറുള്ളത് ?

3. നാം സംഹാര താണ്ഡവം തുടരുന്നതെങ്ങനെയാണ് ?
4. വന നശീകരണത്തിലൂടെ നാം ആരോടൊക്കെയാണ് തിന്മ ചെയ്യുന്നത് ?
5. എന്തിനു സമയമായിരിക്കുന്നു എന്നാണ് ലേഖകൻ പറയുന്നത് ?

II. **ഓരോ കൂട്ടത്തിലും ചേരാത്ത വാക്ക് കണ്ടുപിടിക്കുക.**

(1) മാടക്കട
ത്രാസ്
സാധനങ്ങൾ
അനുഭവം

(2) അധികാരി
പഴവർഗങ്ങൾ
നിയമം
പൊതുജനം

(3) കരിഞ്ചന്ത
പൂഴ്ത്തിവയ്പ്പ്
കഴിഞ്ഞയാഴ്ച
പിടിച്ചുപറി

(4) അനുഭവം
പൊതുജനം
നിർബന്ധം
അലംഭാവം.

(5) വ്യവസായവൽക്കരണം
വനനശീകരണം
പരമാർഥം
പരിസരമലിനീകരണം

(6) ജീവജാലങ്ങൾ
അവകാശികൾ
വനസമ്പത്ത്
ഔഷധ സസ്യങ്ങൾ

III. **മലയാളത്തിലേക്ക് തർജുമ ചെയ്യുക.**

वह अब बहुत बड़ा फिल्म निर्देशक और निर्माता हैं । यह सच है कि उनकी कोई भी फिल्म बहुत दिनों से हिट् नहीं हुई है। उसका अपना पैसा भी वापस नहीं मिल रहा था। जब चीज़ों के दाम इतने बढ़ गये हैं तो फिल्म बनाने में जितना खर्च लगता है यह सोचने की बात है । जब उसके माता पिता जीवित थे तो वे कहा करते थे कि वह यह काम छोड़े दे और कोई नौकरी कर ले। लेकिन उसने उनकी बात कभी नहीं सुनी। बचपन से ही वह सारी फिल्में देखा करता था। वह बडे ध्यान से देखा करता था कि किस प्रकार नायक छत से दौड़ती गाड़ियों पर कूद पडता था। रेगिस्तान में अपने कंधे पर नायिक, को ले जाते हुए नायक को वह बहुत पसंद करता था । वह भी कल्पना करता था कि नायिका के साथ वह नदी में तैर रहा है। फिल्म के अलावा तैरना भी उसका एक शैक था । इसीलिए वह नदियों ओर तालाबों का स्वप्न देखा करता था। अब, जब वह फिल्म बनाता है तो वह प्रत्येक फिल्म में निश्चय ही पानी में, पहाड़ पर या भीड अरीगली में दुर्घटनाओं को जोड़ देता है। इसीलिए उसे बहुत पैसा खर्च करना पड़ता है। फिर भी वह सोचता है कि वह एक बडा फिल्म निर्देशक बन जाएगा ।

IV. **കാലിക പ്രാധാന്യമുള്ള ഒരു വിഷയത്തെപ്പറ്റി പത്രാധിപകർക്ക് ഒരു കത്തെഴുതുക.**

V. **നിങ്ങൾ കണ്ടിട്ടുള്ള ഒരു സിനിമയെപ്പറ്റി ഒരു ചെറുവിവരണം നൽകുക.**

കുറിപ്പുകൾ

1. नीचे दिये गए उदाहरणो में रेखांकित क्रियाओं का प्रयोग, कार्य के आभ्यासिक अर्थ को बताने केलिए किया जाता है ।

   (i) അച്ഛൻ എത്ര കഷ്ടപ്പെട്ടിട്ടാണ് ഞങ്ങൾക്കും അപ്പൂപ്പനും അമ്മൂമ്മയ്ക്കും ഓണക്കോടി വാങ്ങിക്കാറുണ്ടായിരുന്നത് !
   कितनी तकलीफें उठा कर पिताजी, आप हमें ओर दादा दादी को ओणम् त्याहार के लिए नये कपडे खरीदा करते थे ।

   (ii) അന്നൊന്നും അച്ഛനോ അമ്മയ്ക്കോ ഒരു വിശേഷത്തിനും പുതിയ തുണി വാങ്ങിക്കുമായിരുന്നില്ല.
   उन दिनों में आप केलिए या माँ केलिए किसी भी त्योहार पर नये कपडे नहीं खरीदा करते थे ।

   (iii) പക്ഷേ ഇത്ര വലിയ വില കൊടുത്ത് ഞാൻ ഒരിക്കലും തുണിവാങ്ങിക്കാറി ല്ലായിരുന്നു.
   लेकिन इतने महंगे कपडे मैं कभी भी नहीं खरीदा करता था ।

   (iv) അവർ ഒരിക്കലും കൊള്ളലാഭം എടുക്കാറില്ല.
   वे कभी भी अत्याधिक लाभ नहीं लेते ।

   (v) ജനങ്ങൾ നദികൾ മലിനീകരിക്കാൻ ധൈര്യപ്പെടുമായിരുന്നില്ല.
   लोग नदियों को गंदा करने का साहस नहीं दिखाया करते थे ।

2. भूतकाल पूर्वकालिक कृदंत में - ആറുണ്ട്, -ആറുണ്ടായിരുന്നു, -ആറുണ്ടായിരിക്കും लगाकर क्रमशः वर्तमान, भूत ओर भविष्यत के आभ्यसिक रूप बनाये जाते है ,

   വണ്ടി സമയത്തിനു വരാറുണ്ട്. - गाड़ी समय पर आती / आया करती है।
   വണ്ടി സമയത്തിനു വരാറുണ്ടായിരുന്നു - गाड़ी समय पर आती थी /आया करती थी।
   വണ്ടി സമയത്തിനു വരാറുണ്ടായിരിക്കും- गाड़ी समय पर आती होगी / आया करती होगी ।

3. निषेधात्मक आभ्यासिक रूप ഇല്ല, ഇല്ലായിരുന്നു, ഇല്ലായിരിക്കും क्रिया में -ആറില്ല, ആറില്ലായിരിന്നു, ആറില്ലായിരിക്കും. जोड़कर बनाया जाता है ।

   ഇവിടെ ആരും വരാറില്ല - यहाँ कोई नहीं आता है । / आया करता है।
   ഇവിടെ ആരും വരാറില്ലായിരുന്നു. - यहाँ कोई नहीं आता था / आया करता था
   ഇവിടെ ആരും വരാറുണ്ടായിരുന്നില്ല - यहाँ कोई नहीं आता था आया करता था
   ഇവിടെ ആരും വരാറില്ലായിരിക്കും - शायद कोई नहीं आएगा / आया करेगा ।

4. भूत और भविष्यत के आभ्यासिक रूप, क्रिया के भविष्यत् रूप में **ആയിരുന്നു, ആയിരിക്കും ആയിരുന്നില്ല, അല്ലായിരിക്കും,** जोडकर भी बनाये जाते हैं ।

ഞങ്ങൾ പുതിയ തുണി വാങ്ങുമായിരുന്നു.	हम नये कपडे खरीदा करते थे ।
ഞങ്ങൾ പുതിയ തുണി വാങ്ങുമായിരുന്നില്ല / വാങ്ങില്ലായിരുന്നു.	हम नये कपडे नहीं खरीदा करते थे ।
ഞങ്ങൾ പുതിയ തുണി വാങ്ങുമായിരിക്കും.	हम शायद नये कपडे खरीदेंगे ।
ഞങ്ങൾ പുതിയ തുണി വാങ്ങില്ലായിരിക്കും.	हम नये कपडे शायद नहीं खरीदेंगे ।

5. वाक्यों में रेखाँकित शब्दों पर ध्यान दीजिए ।

വണ്ടി വരാറാകുന്നു.	गाडी आने का समय आता है ।
വണ്ടി വരാറായി.	गाडी आने का समय आ गया ।
വണ്ടി വരാറാകും.	गाडी आने का समय आएगा ।
വണ്ടി വരാറാകുന്നില്ല.	गाडी आने का समय नहीं आता है ।
വണ്ടി വരാറായില്ല.	गाडी आने का समय नहीं आ गया ।
വണ്ടി വരാറാകില്ല.	गाडी आने का समय नहीं आएगा ।

ये रूप क्रिया पद में - ആറാകുന്നു, - ആറായി, - ആറായിരിക്കും, - ആറാകുന്നില്ല,- -ആറായില്ല, - ആറാകില്ല लगाकर बनाए जाते हैं । ऐसे रूप क्रिया होने की निकट भविष्यता दिखाते हैं ।

പാഠം 21
पाठ 21

ഫുട്ബാൾകളി കണ്ടിട്ട്

ജോൺ : അങ്ങനെ ഇന്നത്തെ കളിയും തീർന്നു. ഈ കളിക്ക് വന്നില്ലായിരുന്നെങ്കിൽ വലിയ ഒരു നഷ്ടമായേനെ. വെറും ഒരു യൂണിവേഴ്സിറ്റി മത്സരം ആയിരുന്നെന്ന് പറയാനേ പറ്റില്ല.

ഹരി : അതേ, പയസിന്റെയും ജാഫറിന്റെയും ഒക്കെ പ്രകടനം എടുത്തു പറയേണ്ടതു തന്നെ.

ജോൺ : എങ്കിലും കുറച്ചുകൂടി ശ്രദ്ധിച്ചിരുന്നെങ്കിൽ നല്ലൊരു മാർജിനിൽ ജയിക്കാമായിരുന്നു.അവസാനത്തെ ആ ഗോൾ ഗോളിയുടെ മാത്രം പിഴവുകൊണ്ടായിരുന്നു സംഭവിച്ചത്.

ഹരി : ഛേ ഛേ,. അങ്ങനെ പറയരുത്. എതിർകക്ഷിയിലെ മുൻനിരക്കാരുടെ ഒത്തൊരുമിച്ചുള്ള ശ്രമംകൊണ്ടു തന്നെയായിരുന്നു ആ ഗോൾ. അതു നമ്മൾ സമ്മതിച്ചു കൊടുത്തേ പറ്റൂ.

ജോൺ : എന്നാലും നമ്മുടെ രണ്ടു പിൻനിരക്കാരും നോക്കിക്കൊണ്ടുനിൽക്കെ അവരത് അടിച്ചുകളഞ്ഞല്ലോ.

ഹരി : അതിലിപ്പം എന്താ ഇത്ര വിഷമിക്കാനുള്ളത്? കളിയെന്നു പറഞ്ഞാൽ അങ്ങോട്ടും ഇങ്ങോട്ടും ഗോളു വീഴും. അതു സ്വാഭാവികം.

फुटबाल मैच देखने के बाद

उसी प्रकार आज का खेल भी समाप्त हो गया।यदि इस खेल देखने केलिए न आए होते तो बहुत अधिक हानि हुई होती। यह नहीं कह सकते कि यह केवल एक विश्व विद्यालय का ही मैच था ।

हाँ, हाँ, पयस और जाफर का प्रदर्शन तो बहुत ही अच्छा था ।

यदि थोडा अधिक ध्यान दिए होते तो अच्छे मार्जिन से विजयी हुए होते। अंत का वह गोल केवल रक्षक की गलती से ही हुआ ।

अरे, ऐसा मत कहो। विपक्षी टीम के अग्रीम पंक्ति के खिलाडियों के सामूहिक प्रयत्न का ही फल था। इससे हमें अवस्य सहमत होना चाहिए ।

तो भी पिछली पंक्ति के हमारे दो खिलाडियों को देखते रहने पर ही गोल किया था ।

तो इस में चिन्ता की क्या बात है ? खेल में तो दोनों पक्षों की ओर से गोल होंगे। यह तो स्वाभाविक ही है।

ജോൺ :	സ്വാഭാവികം തന്നെ. എന്നാലും നമ്മളൊന്ന് കരുതലോടെ ചെറുത്തു നിന്നിരുന്നെങ്കിൽ ആ ഗോളു വീഴില്ലായിരുന്നു.	स्वाभाविक है, फिर भी यदि हमने कुछ और रक्षात्मक रीती से खेला होता तो वह गोल भी न होते ।
ഹരി :	വീണു പോയില്ലേ? ഇനി എന്തു ചെയ്യാനാ?	गोल हो गया न? अब क्या करें ।
ജോൺ :	ഏതായാലും ഫൈനലിൽ നമ്മുടെ ടീം തന്നെ കളിക്കും, അല്ലേ ?	जो भी हो, फाइनल में हमारी टीम ही खेलेगी, है न ?
ഹരി :	അതിനു സംശയം ഇല്ല. ഇതിനു മുമ്പ് പല തവണ നമ്മൾ ഫൈനലിൽ കളിച്ചിട്ടുണ്ടല്ലോ? അതിരിക്കട്ടെ. നമുക്കീ തിരക്കൊന്നു കുറഞ്ഞിട്ടു പോകാം. അങ്ങോട്ടു മാറി നിൽക്കാം. സുരേഷും പ്രദീപും മറ്റും വരുന്നുണ്ടെങ്കിൽ കാണാം.	इसमें कोई शक नहीं। इसके पहले भी कई बार हम फाइनल में खेल चुके हैं । छोड दो, हम भीड कम होने पर चलेंगे। उधर थोडा रुकेंगे। यदि सुरेश और प्रदीप आते हैं तो मिलेंगे ।
ജോൺ :	ഇങ്ങനെ തന്നെ കളിക്കുകയാണെങ്കിൽ ഫൈനലിലും നമ്മൾ തന്നെ ജയിക്കും. പക്ഷേ പൗലോസിനെ ഇറക്കാത്തതിനോട് എനിക്ക് പ്രതിഷേധം ഉണ്ട്.	यदि इस तरह खेले तो फाइनल में भी हम लोग ही जीतेंगे । लेकिन पौलोस को न खिलाने से मेरा विरोध है ।
ഹരി :	പൗലോസ് കളിച്ചിരുന്നെങ്കിലും ഫലം ഇതൊക്കെതന്നെയാകുമായിരുന്നില്ലേ?	यदि पौलोस खेला होता तो भी परिणाम ऐसा ही होता न ?
ജോൺ :	എനിക്കങ്ങനെ തോന്നുന്നില്ല. പൗലോസ് ഉണ്ടായിരുന്നെങ്കിൽ തമ്മുടെ കളി കെങ്കേമമായിരുന്നേനെ. നല്ല ഫോമിൽ കളിച്ചുകൊണ്ടിരിക്കുന്ന ഒരാളെ പെട്ടെന്നങ്ങ് മാറ്റി നിറുത്തുന്നതിനോട് എനിക്കൊട്ടും യോജിപ്പില്ല. ഫൈനലിൽ ഇന്നത്തെപ്പോലെ എല്ലാവരും കളിച്ചുകൊള്ളണമെന്നുമില്ല .	मुझे ऐसा नहीं लगता। यदि पौलोस होता तो हमारा प्रदर्शन कुछ और अच्छा होता। अच्छे फार्म में तुरन्त निकाल देने से मैं ज़रा भी सहमत नहीं हूँ । फाइनल में भी सभी खिलाडी आज की ही तरह खेलेंगे, ऐसा नहीं है ।
ഹരി :	അതുകള. ഇന്ന് നമുക്കെതിരേ നൽകിയ ആ പെനാൽട്ടി ശരിയായിരുന്നെന്ന് നിനക്ക് തോന്നുന്നുണ്ടോ?	उसे छोडो । क्या तुम सोचते हो कि आज हमारे विरुद्ध दी गयी वह पेनाल्टी उचित थी ?

ജോൺ : ഇല്ല. പക്ഷേ ഭാഗ്യം നമ്മുടെ ഭാഗത്തായിരുന്നു. അതുകൊണ്ടത് ഗോളായില്ല. അതുഗോളായിരുന്നെങ്കിൽ കളിയുടെ ഗതിയാകെ മാറുമായിരുന്നു.	नहीं, लेकिन भाग्य हमारे पक्ष में था। अतः वह गोल नहीं हुआ। यदि वह गोल हो गया होता तो खेल की गति बदल हो जाति ।
ഹരി : എന്നാലും പെനാൾട്ടി തട്ടി അകറ്റിയതിൽ നമ്മുടെ ഗോളിയുടെ മികവാണ് കൂടുതൽ പ്രകടമായത്.	तो भी पेनाल्टी को बचा लेने पर हमारे गोल रक्षक की योग्यता ही अधिक प्रकट हुई ।
ജോൺ : അതെന്തുമാകട്ടെ. ഏതായാലും നമ്മുടെ ടീം തന്നെ ജയിച്ചല്ലോ ?	वह कैसा भी हो । अन्त में हमारी टीम ही जीती न ?
ഹരി : ഈ വിജയമൊന്നും അത്ര വലിയ കാര്യമാക്കേണ്ടതില്ല. അഖിലേന്ത്യാ നിലവാരത്തോളമെത്താൻ നാം ഇനിയും ബഹുദൂരം മുന്നോട്ടു പോകേണ്ടതുണ്ട് .	इस जीत को इतना बढ़ाकर बताने की कोई आवश्यकता नहीं। अखिल भारतीय स्तर तक पहूँचने केलिए अभी भी हमें बहुत उन्नति करनी है।
ജോൺ : നമുക്ക് പല നല്ല കളിക്കാരുമുണ്ട്. മികച്ച പരിശീലനം കിട്ടിയിരുന്നെങ്കിൽ അവരിൽ പലരും നമ്മുടെ നാടിന് അഭിമാനമായി വളർന്നേനെ.	हमारे पास कई अच्छे खिलाडी हैं । यदि उन्हें अच्छा प्रशिक्षण मिला होता तो उनमें से अनेक हमारे देश के गौरव बन गये होते ।
ഹരി : മികച്ച പരിശീലനം കൊടുക്കുന്നില്ലെന്നാണോ പറഞ്ഞുവരുന്നത്?	क्या तुम कह रहे हो कि अच्छा प्रशिक्षण नहीं मिल रहा है ?
ജോൺ : ഇല്ല. കൊടുക്കുന്നില്ല തന്നെ. ഇത് ഫുട്ബാളിന്റെ മാത്രം കാര്യമൊന്നുമല്ല. മറ്റുഗെയിംസുകളിലും ഇതു തന്നെയാണ് സ്ഥിതി.	नहीं, नहीं मिल रहा है। यह केवल फुटबॉल का ही मामला नहीं। अन्य खेलों की थी यही स्थिति है ।
ഹരി : അങ്ങനെ തീർത്തുപറയാൻ പറ്റുമോ? കായികലോകത്ത് തിളങ്ങുന്ന താരങ്ങളൊക്കെ നമുക്കില്ലേ ?	क्या ऐसा निश्चय पूर्वक कह सकते हो? क्या खेल - कूद के क्षेत्र में अनेक प्रतिभावान खिलाडी हमारे पास नहीं है ?
ജോൺ : ഉണ്ടുണ്ട്. പക്ഷേ അതൊക്കെ വിരലിലെണ്ണാൻ മാത്രമല്ലേയുള്ളൂ? ഒരു പി. ടി. ഉഷയുടെയോ, ഷൈനി	हैं, लेकिन वे मात्र ऊँगलियों पर गिनने के लिए हैं न? एक पी. टी. उषा, की या शैनी विल्सन की

	വിൽസന്റെയോ, വിജയത്തിൽ മാത്രം ഒതുങ്ങുന്നതല്ലേ നമ്മുടെ അത്‌ലറ്റിക്സ് ?	विजय मात्र में सीमित है न हमारा खेल कूद ?
ഹരി	: വേണ്ട സമയത്ത് വേണ്ട പരിശീലനം കൊടുത്തിരുന്നെങ്കിൽ നമ്മുടെനാട്ടിൽ നിന്നു തന്നെ എത്ര മികച്ചകളിക്കാരെ വാർത്തെടുക്കാമായിരുന്നു !	यदि सही समय पर सही प्रशिक्षण दिया गया होता तो हम अपने देश से ही किंतने अच्छे खिलाडीयों को बना सकते थे !
ജോൺ	: ശരിയാണ്. കുട്ടിക്കാലത്തേ ഇത്തരം പ്രതിഭകളെ കണ്ടെത്തി അവർക്കു വേണ്ട പരിശീലനവും ജീവിതസൗകര്യങ്ങളും നൽകി അവരിൽ അർപ്പണ മനോഭാവം വളർത്തിയെടുക്കാൻ കഴിഞ്ഞാൽ നമ്മുടെ കായികരംഗം ഇനിയും വളരും . തീർച്ച.	ठीक है । यदि बचपन से ही इस प्रकार की प्रतिभावालों को ढूँढकर उन्हें अपेक्षित प्रशिक्षण और जीवन की सुविधायें देकर उन में समर्पण का भाव पैदा किया जाय तो हमारे खेल कूद का क्षेत्र और भी उन्नत शील अवश्य, होगा ।

പദങ്ങളുടെ അർഥം

പ്രകടനം	प्रकटन	പിഴ	गल्ती
എതിർകക്ഷി	विपक्षी टीम	മുൻനിരക്കാർ	अग्रिम पंक्तिवाले
ഒത്തൊരുമിച്ച്	एक साथ	പിൻനിരക്കാർ	पिछली पंक्तिवाले
സമ്മതിച്ചു കൊടുക്കുക	सहमत होना	അടിച്ചു കളയുക	(गोल) कर डालना
വിഷമിക്കുക	अफ़सोस करना	സ്വാഭാവികം	स्वाभाविक
കരുതലോടെ	सावधानी से	തിരക്ക്	भीड
മാറി നിൽക്കുക	दूर खडे हो जाना	ഇറക്കുക	उतारना, शामिल कराना
പ്രതിഷേധം	प्रतिषेध	കെങ്കേമമായി	आडंबर के साथ, टाट बाट से
കളയുക	खोना, छोडना	ഗതി	दिशा
മികവ്	पूर्णता, उत्तमता	വിജയം	विजय
അഖിലേന്ത്യാ	अखिल भारतीय	നിലവാരം	स्थर
ബഹുദൂരം	वहुत दूर	മുന്നോട്ടു പോകുക	आगे जाना
പരിശീലനം	प्रशिक्षण	അഭിമാനം	अभिमान

കായികലോകം	खेल की दुनियाँ	തിളങ്ങുക	चमकना
താരം	नक्षत्र	വിരലിൽ	उँगुली
എണ്ണുക	गिनना	ഒതുങ്ങുക	सीमित होना
വേണ്ടസമയത്ത്	उचित समय पर	പ്രതിഭ	प्रतिभा
വാർത്തെടുക്കുക	रूप देना, आकार देना, बनाना		
അർപ്പണ മനോഭാവം	समर्पित भाव		

അഭ്യാസം

I. വാക്യങ്ങൾ ആവർത്തിച്ചു പരിശീലിക്കുക.

1. കളിക്കു വന്നില്ലായിരുന്നെങ്കിൽ വലിയ നഷ്ടമാകുമായിരുന്നു.
2. കുറച്ചുകൂടി ശ്രദ്ധിച്ചിരുന്നെങ്കിൽ ജയിക്കാമായിരുന്നു.
3. കരുതലോടെ ചെറുത്തുനിന്നിരുന്നെങ്കിൽ ആ ഗോളു വീഴില്ലായിരുന്നു.
4. കളിച്ചിരുന്നെങ്കിലും ഫലം ഇതൊക്കെ തന്നെയാകുമായിരുന്നില്ലേ ?
5. പൗലോസ് ഉണ്ടായിരുന്നെങ്കിൽ കളിയുടെ ഗതി ഇതാകുമായിരുന്നില്ല ?
6. മികച്ച പരിശീലനം കിട്ടിയിരുന്നെങ്കിൽ പലരും നാട്ടിന് അഭിമാനമായി വളർന്നേനെ.

II. മാതൃക അനുസരിച്ചു വാക്യം മാറ്റി എഴുതുക.

ഉദാ : 1 അങ്ങോട്ടു പോയിരുന്നെങ്കിൽ കണ്ടേനെ.
അങ്ങോട്ടു പോയിരുന്നെങ്കിൽ കാണാമായിരുന്നു.

1. നന്നായി പഠിച്ചിരുന്നെങ്കിൽ ജയിച്ചേനേ.
2. പ്രദീപ് ശ്രമിച്ചിരുന്നെങ്കിൽ ആ ജോലി കിട്ടിയേനെ.
3. അയാളെങ്കിലും വന്നിരുന്നെങ്കിൽ രക്ഷപ്പെട്ടേനെ.
4. പണമുണ്ടായിരുന്നെങ്കിൽ ഇതിലും ഭംഗിയായി വീടു വച്ചേനെ.
5. വേണ്ടത്ര പരിശീലനം നൽകിയിരുന്നെങ്കിൽ അവൻ വളർന്നു വന്നേനെ.

ഉദാ : 2 ആരൊക്കെ എതിർത്തിരുന്നെങ്കിലും അവർ വിവാഹം കഴിച്ചേനെ.
ആരൊക്കെ എതിർത്തിരുന്നെങ്കിലും അവർ വിവാഹം കഴിക്കുമായിരുന്നു.

1. എന്നോടു പറഞ്ഞിരുന്നെങ്കിൽ ഞാൻ എല്ലാ സഹായങ്ങളും ചെയ്തേനെ.
2. അമ്മ ചോദിച്ചിരുന്നെങ്കിൽ അച്ഛൻ അനുവാദം തന്നേനെ.
3. നീ കൂടി അവിടെ ഉണ്ടായിരുന്നെങ്കിൽ ഞാൻ തീർച്ചയായും വന്നേനെ.
4. രാജേഷിന് സുഖമുണ്ടായിരുന്നെങ്കിൽ ആ ജോലികളെല്ലാം തീർത്തേനെ.
5. അയാളെ കണ്ടുപിടിച്ചില്ലായിരുന്നെങ്കിൽ കഷ്ടപ്പെട്ടേനെ.

ഉദാ: 3 അമ്മാവൻ വിചാരിച്ചാൽ കാര്യങ്ങൾ നടക്കും.
അമ്മാവൻ വിചാരിച്ചിരുന്നെങ്കിൽ കാര്യങ്ങൾ നടന്നേനെ.
അമ്മാവൻ വിചാരിച്ചിരുന്നെങ്കിൽ നടക്കുമായിരുന്നു..

1. വേണ്ടത്ര വിശ്രമം എടുത്താൽ സുഖമാകും.
2. രോഗം ഭേദമായാൽ പോകും.
3. കൃഷികളെല്ലാം നന്നായി ശ്രദ്ധിച്ചാൽ നല്ല വിളവു കിട്ടും.
4. സമയത്തുതന്നെ വിറ്റാൽ ലാഭം കിട്ടും.
5. പണം ഉണ്ടായാൽ അവിടെ പോകാം.

ഉദാ: 4 നീ പറഞ്ഞിരുന്നെങ്കിൽ കേൾക്കുമായിരുന്നു.
നീ പറഞ്ഞാൽ കേൾക്കും.

1. നാടു വിട്ടിരുന്നെങ്കിൽ രക്ഷപ്പെടുമായിരുന്നു.
2. അച്ഛനാണെന്നറിഞ്ഞിരുന്നെങ്കിൽ പറയുമായിരുന്നോ?
3. നേരത്തെ വന്നിരുന്നെങ്കിൽ ട്രെയിൻ കിട്ടുമായിരുന്നു.
4. അപ്പോൾ തന്നെ കയറിയില്ലായിരുന്നെങ്കിൽ സീറ്റ് കിട്ടില്ലായിരുന്നു.
5. ആന്റണിയെ മാറ്റിയിരുന്നെങ്കിൽ പ്രസ്ഥാനം നന്നാകുമായിരുന്നോ?
6. അദ്ദേഹം ജീവിച്ചിരുന്നെങ്കിൽ നമുക്ക് സുഖമായിരുന്നു.
7. പിള്ളയുടെ കൂടെ താമസിച്ചില്ലായിരുന്നെങ്കിൽ ഞാൻ ആകെ മാറിപ്പോകുമായിരുന്നു.
8. അന്നുതന്നെ നാട്ടിലേക്കു പോയില്ലായിരുന്നെങ്കിൽ അച്ഛനെ കാണാൻ കഴിയുമായിരുന്നോ?

III.. മാതൃക അനുസരിച്ചു വാക്യങ്ങൾ ചേർത്തെഴുതുക.

ഉദാ : നീ വന്നില്ല. ഞാനും വന്നില്ല.
നീ വന്നിരുന്നെങ്കിൽ ഞാനും വരുമായിരുന്നു.

1. ഞങ്ങൾ അശോകിനെ വിളിച്ചില്ല. അതുകൊണ്ട് അവൻ വന്നില്ല.
2. സുധയ്ക്ക് ധൈര്യമുണ്ടായിരുന്നില്ല. അതുകൊണ്ട് അവൾ അവിടെ പോയില്ല.
3. വേണുവിനു വേണ്ടത്ര പ്രോത്സാഹനം കിട്ടിയില്ല. അവൻ വലിയ ചിത്രകാരൻ ആയില്ല .
4. രാജൻ നന്നായി പരിശ്രമിച്ചില്ല. അതുകൊണ്ട് അവൻ വിജയിച്ചില്ല.
5. തോമസ് ശരിയായി എഴുതിയില്ല. അതുകൊണ്ട് ആർക്കും വായിക്കാൻ കഴിഞ്ഞില്ല.

IV. ഉദാഹരണ വാക്യവുമായി ഏറ്റവും അടുത്ത ബന്ധമുള്ള വാക്യം അടയാളപ്പെടുത്തുക.

1. അച്ഛൻ വന്നില്ലായിരുന്നെങ്കിൽ ഞാൻ പോകുമായിരുന്നില്ല.
   അച്ഛൻ വന്നില്ല. ഞാൻ പോയി.

അച്ഛൻ വന്നു. ഞാൻ പോയില്ല.
അച്ഛൻ വന്നില്ല. ഞാൻ പോയില്ല.
അച്ഛൻ വന്നു. ഞാൻ പോയി.

2. നല്ല പരിശീലനം കൊടുത്തിരുന്നെങ്കിൽ ഫലം കാണുമായിരുന്നു.
നല്ല പരിശീലനം കൊടുത്തു. ഫലം കണ്ടു.
നല്ല പരിശീലനം കൊടുത്തു. ഫലം കണ്ടില്ല.
നല്ല പരിശീലനം കൊടുത്തില്ല. ഫലം കണ്ടു.
നല്ല പരിശീനലം കൊടുത്തില്ല. ഫലവും കണ്ടില്ല.

3. നല്ല മഴപെയ്തില്ലായിരുന്നെങ്കിൽ ചെടികളെല്ലാം ഉണങ്ങിപ്പോയേനെ.
നല്ല മഴ പെയ്തു. ചെടികളെല്ലാം ഉണങ്ങിപ്പോയി.
നല്ല മഴ പെയ്തില്ല. ചെടികളെല്ലാം ഉണങ്ങിപ്പോയി.
നല്ല മഴപെയ്തു. ചെടികൾ ഉണങ്ങിപ്പോയില്ല.
നല്ല മഴപെയ്തില്ല. ചെടികൾ ഉണങ്ങിപ്പോയില്ല.

4. നേരത്തെ പോയിരുന്നെങ്കിൽ ഭക്ഷണം കിട്ടിയേനെ.
നേരത്തെ പോയി. ഭക്ഷണം കിട്ടി.
നേരത്തെ പോയില്ല. എന്നിട്ടും ഭക്ഷണം കിട്ടി.
നേരത്തെ പോയി. ഭക്ഷണം കിട്ടിയില്ല.
നേരത്തെ പോയില്ല. ഭക്ഷണവും കിട്ടിയില്ല.

V. കൊടുത്തിരിക്കുന്ന ഓരോവാക്യവും അർഥം മാറ്റാതെ വേറെ രീതിയിൽ മാറ്റി എഴുതുക.

1. ആരോടെങ്കിലും ചോദിച്ചാൽ വഴി അറിയാം.
2. അല്പം വെള്ളം കിട്ടിയാൽ ദാഹം തീർക്കാം.
3. നന്നായി ഉറങ്ങിയാൽ ക്ഷീണം തീരും.
4. നേരത്തേ എഴുന്നേറ്റാൽ നേരത്തേ ചെന്നെത്താം.
5. ഇപ്പോഴേ കൊടുത്താൽ പരിഗണിക്കും.
6. അവസരങ്ങൾ കിട്ടിയാൽ പലരും മുന്നോട്ടു വരും.
7. കാര്യങ്ങൾ മനസ്സിലായാൽ ഞാനും അതു ചെയ്യാം.

VI. സംഭാഷണം പൂരിപ്പിക്കുക. ഇഷ്ടം പോലെ കൂടുതൽ വാക്കുകൾ സന്ദർഭത്തിനു ചേരുന്ന രീതിയിൽ എഴുതിച്ചേർക്കാം.

1. (ക) സാർ ഞാൻ അല്പം താമസിച്ചു പോയി. ക്ഷമിക്കണം.
(ഖ) ഇനി കുഴപ്പമൊന്നുമില്ല. ----------------------
(ക) എന്തു പറയാനാണ്. -------------------------.
(ഖ) നേരത്തെ ഇറങ്ങിയിരുന്നെങ്കിൽ ബസ്സുകിട്ടുമായിരുന്നല്ലോ.

(ക) ഇല്ല. സാർ ------------------------------
(ഖ) അതെന്താ അങ്ങനെ?
(ക) വീട്ടിൽ നിന്ന് ബസ്റ്റാൻഡിലേക്കു പതിനഞ്ചു കിലോ മീറ്റർ എങ്കിലും നടക്കണമായിരുന്നു. --------------------
(ഖ) അതെന്താ അച്ഛന്റെ സ്ക്കൂട്ടറിനു എന്തെങ്കിലും കുഴപ്പം സംഭവിച്ചോ ?

2. (ക) പീറ്റർ വന്നിട്ട് മടങ്ങിപോയോ ?
പോയി, നിങ്ങൾ കുറച്ചു നേരത്തെ ------------
(ഖ) അയാളെ കാണേണ്ട അത്യാവശ്യകാര്യമുണ്ടായിരുന്നു -----------
(ക) എന്തൊരു ചൂട് !
(ഖ) ഒരു ഫാൻ ----------------
(ക) ഞങ്ങൾ പാവപ്പെട്ടവരല്ലേ? എല്ലാ മുറികളിലും ഫാൻ പിടിപ്പിക്കാൻ ഞങ്ങൾക്ക് പറ്റുമോ ?
(ഖ) പിന്നെ, പിന്നെ. വളരെ പാവപ്പെട്ടവർ തന്നെ --------------------
ചുമരിന്റെ ഈ ഭാഗത്ത് ഒരു ---------------------------.

3. (ക) നോക്കൂ. ഞാൻ ഈ കട്ടിലിൽ എത്രകാലമായി കിടക്കുന്നു.
(ഖ) എന്നോട് -----------------------------
(ക) സ്നേഹമില്ലാത്തതു കൊണ്ടൊന്നും ആയിരിക്കില്ല. ---------------
(ഖ) സമയമില്ലാത്തതു കൊണ്ടാണെന്നോ? എന്റെ മക്കളെ എനിക്കറിയില്ലേ ?

വായിച്ചു മനസ്സിലാക്കുക.

ഒരു മുഖപ്രസംഗം

കായിക രംഗത്ത് കേരളത്തിന്റെ സംഭാവന മികവുറ്റതാണെന്ന് നമുക്ക് അവകാശപ്പെടാൻ സാധ്യമാണെന്ന് തോന്നുന്നില്ല. അത്‌ലറ്റിക്സിലും ഫുട്ബാളിലും വോളിബാളിലുമാണ് അൽപ്പമെങ്കിലും മികച്ച പ്രകടനം കാഴ്ചവയ്ക്കാൻ നമുക്ക് കഴിഞ്ഞിട്ടുള്ളത്. അതു കൂടി ഇല്ലായിരുന്നെങ്കിൽ ഭാരതത്തിന്റെ കായിക ഭൂപടത്തിൽ കേരളത്തിന് യാതൊരു സ്ഥാനവും ഉണ്ടാകുമായിരുന്നില്ല. കായിക രംഗത്തെ കേരളത്തിന്റെ പിന്നാക്കാവസ്ഥയെപ്പറ്റിയും സർക്കാരിന്റെ അനാസ്ഥയെപ്പറ്റിയും ഈ കോളത്തിൽ മുമ്പും ചർച്ച ചെയ്തിട്ടുള്ളതാണ്. എന്നാൽ ഇത്തരം കാര്യങ്ങളോടുള്ള അവഗണനാഭാവം കൈവിടാൻ സർക്കാർ ഇനിയും തയ്യാറില്ലെന്നതാണ് വസ്തുത.

കായിക രംഗത്തെ പിന്നാക്കവസ്ഥ പരിഹരിക്കാൻ ഊർജിതമായ നടപടികൾ സർക്കാർ നേരത്തെ തന്നെ എടുത്തിരുന്നെങ്കിൽ നാം ഇപ്പോൾ കാണുന്ന ദയനീയാവസ്ഥ വരില്ലായിരുന്നു. വേണ്ടസഹായങ്ങളും പരിശീലന സൗകര്യങ്ങളും

നൽകിയിരുന്നെങ്കിൽ മികച്ച താരങ്ങളെ വാർത്തെടുക്കാൻ കേരളത്തിനു കഴിയുമായിരുന്നു. കായിക രംഗത്ത് ഒട്ടേറെ പരാധീനതകൾ ബാക്കിനിൽക്കുമ്പോഴും കേരളത്തിലെ പെൺകുട്ടികൾ അത്‌ലറ്റിക്സിൽ അത്യുജ്ജ്വലമായ പ്രകടനം തന്നെ കാഴ്ചവയ്ക്കുന്നുണ്ട്. കേരളത്തിന്റെയും ഭാരതത്തിന്റെതന്നേയും അഭിമാനമായി തീരാൻ അങ്ങനെ ഈ പെൺകുട്ടികൾക്ക് കഴിയുന്നു. ഒരു പക്ഷേ കേരളത്തിലെ പെൺകുട്ടികളുടെ മികവുറ്റ പ്രകടനമില്ലായിരുന്നെങ്കിൽ അന്താ-രാഷ്ട്രമത്സരങ്ങളിൽ ഇന്ത്യ ശ്രദ്ധിക്കപ്പെടുമായിരുന്നില്ല എന്നുപോലും തോന്നുന്നു. എന്നിട്ടും നമ്മുടെ കായിക താരങ്ങൾക്ക് അവരർഹിക്കുന്ന പ്രോത്സാഹനം നൽകാൻ സർക്കാർ തയ്യാറാകത്തത് ആശ്ചര്യകരമായിരിക്കുന്നു.

താലൂക്കുകൾ തോറും ഓരോ സ്റ്റേഡിയമെങ്കിലും അനുവദിക്കുകയാണെങ്കിൽ വളർന്നു വരുന്ന കായിക പ്രതിഭകൾക്ക് അതൊരു അനുഗ്രഹമായി തീരുമായിരുന്നു. കായിക വിദ്യാഭ്യാസത്തിന്റെ കാര്യത്തിലും നമ്മുടെ ഇപ്പോഴത്തെ സ്ഥിതി ശോചനീയമാണ്. ആധുനിക സജ്ജീകരണങ്ങളോടു കൂടിയ കായിക വിദ്യാലയങ്ങൾ സംസ്ഥാനത്തിന്റെ പല ഭാഗങ്ങളിലും ആരംഭിക്കേണ്ടിയിരിക്കുന്നു. കായിക വിദ്യാഭ്യാസത്തിൽ ഉന്നതപഠനം നടത്താനുള്ള സൗകര്യങ്ങളും ഇവിടെ കുറവാണ്. ഉപരിപഠനത്തിനുള്ള സൗകര്യങ്ങൾ ഇവിടെ തന്നെ ഉണ്ടായിരുന്നെങ്കിൽ നമ്മുടെ വിദ്യാർഥികൾക്ക് മറ്റു പല സംസ്ഥാനങ്ങളെയും ആശ്രയിക്കേണ്ടി വരില്ലായിരുന്നു.

ട്രാക്കുകളിലും, മൈതാനങ്ങളിലും മിന്നിത്തിളങ്ങുന്ന താരങ്ങൾ രംഗം വിട്ടു കഴിയുന്നതോടെ തീരെ അവഗണിക്കപ്പെടുന്ന കാഴ്ചയാണ് നമുക്ക് കാണാൻ കഴിയുന്നത്. കായിക താരങ്ങൾക്ക് പെൻഷൻ നൽകാൻ കഴിഞ്ഞിരുന്നെങ്കിൽ അവരുടെ സ്ഥിതി അല്പമെങ്കിലും മെച്ചപ്പെട്ടേനെ .

കേരളത്തിന്റെ തനതു സമ്പത്തായ കളരിപ്പയറ്റ് തുടങ്ങിയ ആയോധന കലകളും ഒട്ടേറെ നാടൻകളികളും നമുക്ക് നഷ്ടപ്പെട്ടുകൊണ്ടിരിക്കുകയാണ്. ശാരീരികമായ ആരോഗ്യവും മാനസികമായ ആനന്ദവും പ്രദാനം ചെയ്യാൻ കഴിവുള്ള ആ കളികളെ വേണ്ടവണ്ണം ശ്രദ്ധിച്ച് അവയ്ക്കുവേണ്ട സംരക്ഷണം നൽകിയിരുന്നെങ്കിൽ കായികലോകത്തിന്, കേരളത്തിന് ചില മികച്ച കളികൾ കൂടി സംഭാവന ചെയ്യാമായിരുന്നു.

പദങ്ങളുടെ അർഥം

സംഭാവന	देन	മികവുറ്റത്	परिपूर्ण
അവകാശപ്പെടുക	हक पूछना	ഭൂപടം	नकशा
പിന്നാക്കം	पिछडा	അവഗണന	अवगणना, गणना में मत लेना
ഭാവം	भाव	കൈവിടുക	छोडना

പരിഹരിക്കുക	हल करना	പരാധീനത	वैषम्य
അത്യുജ്ജലം	अत्युज्वल	അന്താരാഷ്ട്ര മത്സരം	अंताराष्ट्रीय स्पर्धा
അർഹിക്കുക	अर्हता पाना	പ്രോത്സാഹനം	प्रोत्साहन
അർഹിക്കുക	लायक होना	താലൂക്ക്	तालूका
ശോചനീയം	शोचनीय	ആധുനികം	आधुनिक
സജ്ജീകരണം	तैयारी	കായികവിദ്യാലയം	शारीरिक व्यायाम विद्यालय
ആരംഭിക്കുക	शुरुकरना,	ഉന്നതപഠനം	उच्च शिक्षण
തുറക്കുക	खोलना		
മിന്നിത്തിളങ്ങുക	चमकना	അവഗണിക്കപ്പെടുക	अवगणित होना
തനത് സമ്പത്ത്	अपनी संपन्ति	ആയോധനം	युद्ध का प्रशिक्षण
ആനന്ദം	आनन्द	വേണ്ടവണ്ണം	अच्छी तरह

അഭ്യാസം

I. ഉത്തരം പറയുക

1. എന്തിലെല്ലാമാണ് കേരളത്തിന് അൽപ്പമെങ്കിലും മികച്ച പ്രകടനം കാഴ്ച വെയ്ക്കാൻ കഴിഞ്ഞിട്ടുള്ളത് ?
2. ആ പ്രകടനം കൂടി ഇല്ലായിരുന്നെങ്കിൽ എന്തു സംഭവിക്കുമായിരുന്നു എന്നാണ് പത്രാധിപർ പറയുന്നത് ?
3. തന്റെ കോളത്തിൽ എന്തിനെപ്പറ്റിയെല്ലാം ചർച്ച ചെയ്തിട്ടുണ്ടെന്നാണ് പത്രാധിപർ പറയുന്നത് ?
4. സർക്കാർ എന്തു കൈ വിടാൻ ഭാവമില്ലെന്നാണ് പത്രാധിപരുടെ അഭിപ്രായം ?
5. സർക്കാർ എന്തു ചെയ്തിരുന്നെങ്കിൽ ഇപ്പോൾ കാണുന്ന ദയനീയാവസ്ഥ വരില്ലായിരുന്നു ?
6. എന്തൊക്കെ നൽകിയിരുന്നെങ്കിൽ കേരളത്തിന് മികച്ച താരങ്ങളെ വാർത്തെടുക്കാൻ കഴിയുമായിരുന്നു ?
7. ആരാണ് അത്‌ലറ്റിക്സിൽ അത്യുജ്വല പ്രകടനം കാഴ്ച വയ്ക്കുന്നത് ?
8. കേരളത്തിലെ പെൺകുട്ടികളുടെ പ്രകടനമില്ലായിരുന്നെങ്കിൽ എന്തു സംഭവിക്കുമായിരുന്നു എന്നാണ് പത്രാധിപർ പറയുന്നത് ?
9. വളർന്നു വരുന്ന കായിക പ്രതിഭകൾക്കു വേണ്ടി എന്തൊക്കെ ചെയ്യണമെന്നാണ് പത്രാധിപരുടെ ആഭിപ്രായം ?
10. രംഗം വിടുന്നതോടെ കായികതാരങ്ങൾക്ക് എന്തു സംഭവിക്കുന്നു ?
11. കേരളത്തിന് നഷ്ടപെട്ടുകൊണ്ടിരിക്കുന്നത് എന്തൊക്കെയാണ് ?
12. എന്തുചെയ്തിരുന്നെങ്കിൽ കായികലോകത്ത് കേരളത്തിന് മികച്ച കളികൾ സംഭാവന ചെയ്യാമായിരുന്നു ?

II. പാഠഭാഗത്തുനിന്ന് പത്തു വാക്കുകൾ തിരഞ്ഞെടുത്ത് ഹിന്ദിയിൽ അവയുടെ അർഥം എഴുതുക. ഓരോന്നും സ്വന്തം വാക്യത്തിൽ പ്രയോഗിക്കുക.

III. **മലയാളത്തിലേക്കു തർജ്ജമ ചെയ്യുക.**

गवर्नमेण्ट सिटी स्कूल के यूनियन के बच्चे स्कूल के प्रांगण में आम के पेड़ के चारों ओर इकट्टे थे । वे उत्साह से बात कर रहे थे । स्कूल के मंत्री विजयन बहुत गुस्से में थे । उन्होंने कहा यदि अच्छे निर्णायक होते तो इस स्कूल के बच्चे अवश्य ट्राफी जीत गये होते । वह अपने स्कूल के द्वारा किये गये चुनाव पर भी खुश नहीं था। अगर उन्होंने नृत्य प्रतियोगिता केलिए ललिता को नहीं चुना होता तो उस प्रतियोगिता केलिए अंक नहीं खोना पडता । यदि नृत्य केलिए सिन्धु स्कूल का प्रतिनिधित्व करती तो कम से कम उसे द्वितीय पुरस्कार अवश्य मिलता। विजयन ने जो कहा उससे सभी बच्चे सहमत थे । उन्होंने भी अनुभव किया कि वाद विवाद केलिए स्कूल को बषीर के स्थान पर स्टीफेन को भेजना था। अगर स्टीफेन गया होता तो स्कूल को वादविवाद में प्रथम पुरस्कार मिला होता। इसी तरह उनके पास बहुत से अगर और परंतु थे। अंत में उन्होने निर्णय लिया कि वे अपनी शिकायतें कहने केलिए प्रधानाध्यापक के पास जायेंगे ।

IV. **'ആയിരുന്നെങ്കിൽ', 'ഉം ആയിരുന്നു' വാക്യ മാതൃക ഉപയോഗിച്ച് ഒരു ചെറിയ ഖണ്ഡിക എഴുതുക.വിഷയം നിങ്ങൾക്കിഷ്ടപ്പെട്ടതു തിരഞ്ഞെടുക്കാം.**

കുറിപ്പുകൾ

1. निम्न उदाहरणों में रेखांकित क्रिए गए रूपों पर ध्यान दें ।

   (i) അതു ഗോളായിരുന്നെങ്കിൽ കളിയുടെ ഗതി ആകെ മാറുമായിരുന്നു.
   यदि वह गोल होता तो खेल की गति ही बदल हो जाती ।

   (ii) നമ്മളൊന്നു കരുത്തോടെ ചെറുത്തു നിന്നിരുന്നെങ്കിൽ ആ ഗോളു വീഴില്ലായിരുന്നു.
   यदि हम होशियारी से मुकाबिला करते तो वह गोल नहीं होता था ।

2. ऊपर के वाक्यों के रेखांकित क्रियारूप अवास्तविक भूतकाल का बोध कराता है । असमापिक क्रिया के पूर्ण भूतकाल के रूप में എങ്കിൽ लगाने से और समापिक क्रिया के भविष्यत् काल के रूप में ആയിരുന്നു जोडने से अवास्तविक भूत का भाव मिलता है ।

   सकारात्मक वाक्यों में भविष्यत् रूप में ആയിരുന്നു के स्थान पर - ഏനെ प्रत्यय भूतकाल रूप में जोड कर भी ऐसे वाक्य बना सकते हैं ।

   നീ പറഞ്ഞിരുന്നെങ്കിൽ ഞാൻ കേൾക്കുമായിരുന്നു. या നീ പറഞ്ഞിരുന്നെങ്കിൽ ഞാൻ കേട്ടേനെ.

   अगर तू बोलते तो मैं सुनता ।

പാഠം 22
पाठ 22

മാഥുറിന്റെ ഡ്രൈവർ — माथुर का ड्राइवर

മാഥുർ	: ദാമോദരനെന്താ വായിച്ചു കൊണ്ടിരിക്കുന്നത്? ഒരു വലിയ പുസ്തകം ആണല്ലോ.	दामोदरन, तुम क्या पढ रहे हो ? एक बडी पुस्तक है ।
ദാമോദരൻ	: മലയാളികൾക്കു പ്രിയങ്കരനായ ചങ്ങമ്പുഴകവിതകളുടെ സമാഹാരം.	मलयालियों के लोकप्रिय कवि चंङ्पुषा की कविताओं का संग्रह है।
മാഥുർ	: പ്രേമഗായകനായ ചങ്ങമ്പുഴ അല്ലേ? ദാമോദരനപ്പോൾ കാറോടിക്കുകയും കവിതവായിക്കുകയും ചെയ്യും . അല്ലേ ?	प्रेम के गायक चंङ्पुशा यही न? तो तुम कार भी चलाते हो और कविता भी पढते हो न?
ദാമോദരൻ	: കാറോടിക്കുമ്പോൾ കവിത വായിക്കാറില്ല സാർ. മൂളിപ്പാട്ട് പാടുകയേ ഉള്ളൂ. സാറും കേട്ടിട്ടുള്ളതാണല്ലോ ? പിന്നെ ഒഴിവുകിട്ടുമ്പോഴൊക്കെ കവിതവായിക്കുക എന്നതാണ് എനിക്കേറ്റവും ഇഷ്ടമുള്ള ഒരു കാര്യം. കവിതവായിക്കാതിരിക്കുകയും മൂളിപ്പാട്ടു പാടാതിരിക്കുകയും ചെയ്യുക എന്നു പറഞ്ഞാൽ അതിനെക്കാളും സങ്കടകരമായ ഒരു കാര്യം ഇല്ല.	महोदय, कार चलाते समय कविता नहीं पढता हूँ। केवल गुनगुनाता हूँ। आपने भी सुन चुके हैं न? जब कभी पुरसत मिलता है तब कविता पढना ही मुझे सबसे अधिक पसन्द है। बिना कविता पढे और बिना गुनगुनाए रहना, इससे अधिक अफ़सोस की बात मेरे लिए और कुछ नहीं है।
മാഥുർ	: സാഹിത്യത്തിൽ അത്ര വലിയ താൽപ്പര്യം ഉള്ള താൻ എന്താണ് ഈ ഡ്രൈവർ ജോലി തിരഞ്ഞെടുത്തത്?	साहित्य में इतनी अधिक रुचि रखनेवाले तुम ने ड्राइवर का काम क्यों चुना है ?
ദാമോദരൻ	: വിധിച്ചതല്ലാതെ കൊതിച്ചതു കിട്ടുമോ സാർ?	महोदय क्या भाग्य से अधिक इच्छा करने पर कुछ मिलेगा ?
മാഥുർ	: എന്നുവച്ചാൽ?	इसका मतलब ?

ദാമോദരൻ :	ഞാൻ പത്താം ക്ലാസിൽ പഠിച്ചു കൊണ്ടിരിക്കുമ്പോൾ എന്റെ അച്ഛൻ മരിച്ചു. ഒറ്റക്കെടുത്തിരുന്ന ഒരു പുരയിടത്തിലാണ് ഞങ്ങൾ താമസി ച്ചിരുന്നത് . അവിടെ മാവ്, പ്ലാവ്, കമുക്, തെങ്ങ് തുടങ്ങിയ മരങ്ങൾ ഉണ്ടായിരുന്നു. അതൊക്കെ നോക്കുകയും മരിച്ചീനിക്കൃഷി നടത്തുകയുമായിരുന്നു അച്ഛൻ ചെയ്തിരുന്നത്. അതിന്റെ കൂടെ ഒരു തയ്യൽക്കടയും നടത്തിയി. രുന്നു.അങ്ങനെ അച്ഛനും, അമ്മയും ഞാനും രണ്ടുസഹോദരിമാരു മുൾപ്പെട്ട കുടുംബം ഒരു വിധം കഴിഞ്ഞു പോന്നിരുന്നു.	जब मैं दसवीं कक्षा में पढता था तो मेरे पिताजी की मृत्यु हो गयी। गिरवी में लिए जगह पर ही हम लोग रहते थे। वहाँ, आम, कटहल, सुपारी, नारियल आदि के वृक्ष थे। उन सब की देख भाल करना और टपिओका की कृषि करना ही मेरे बाप करते थे । उसके साथ एक सिलाई की दूकान भी चलाते थे। इस तरह पिताजी, माताजी, मैं और दो बहनों का परिवार चलता था ।
മാഥുർ :	പിന്നെ ?	फिर ?
ദാമോദരൻ :	അച്ഛന്റെ പെട്ടെന്നുള്ള മരണം ഞങ്ങളെ അനാഥരാക്കുകയും എന്റെ തോളിൽ ചുമതലകൾ കയറ്റിവയ്ക്കുകയും ചെയ്തു.	पिताजी की अचानक मृत्यु ने हमें अनाथ बना दिया ओर मेरे ऊपर सारी जिन्मेदारियाँ आ पडी।
മാഥുർ :	എപ്പോഴാണ് ഡ്രൈവിംഗ് പഠിച്ചത്?	तुम ने ड्राइविंग कब सीखा ?
ദാമോദരൻ :	ഞാൻ അൽപ്പസ്വൽപ്പം തയ്യലും കൃഷിപ്പണിയും ചെയ്തുനോക്കി. പക്ഷേ അതുകൊണ്ടൊന്നും കുടുംബം പുലർത്താൻ കഴിഞ്ഞില്ല. അമ്മ നെല്ലുകുത്തുക, കയറുപിരി ക്കുക എന്നിങ്ങനെയുള്ള ചില പണി കൾ ചെയ്തുനോക്കി. അങ്ങനെ ഇരി ക്കവേ ഞങ്ങളുടെ ബന്ധത്തിലുള്ള ഒരു പട്ടാളക്കാരൻ അമ്മാവൻ	मैं ने थोडा थोडा सिलाई और कृषि का कार्य करके देखा। लेकिन उन सब से परिवार का परिपालन नहीं कर सका। माँ ने धान की पिटाई और रस्सी बनाने का कार्य किया। उसी समय हमारे रिश्ते के एक फौजी मामा ने छुट्टी पर आने पर मुझे कार चलाना सिखा दिया। बाद में मामा गाँव में स्थायी रूप से

	അവധിയിൽ വന്നപ്പോൾ എന്നെ കാറോടിക്കുവാൻ പഠിപ്പിക്കുകയുണ്ടായി. പിന്നെ അമ്മാവൻ നാട്ടിൽ സ്ഥിരതാമസം ആക്കുകയും ഒരു ചെറിയ ടാക്സി സർവീസ് തുടങ്ങുകയും ചെയ്തു.ഞാനായിരുന്നു ഡ്രൈവർ. പിന്നെ കുറച്ചുവർഷങ്ങൾ കഴിഞ്ഞ് സർക്കാർജോലി കിട്ടി. അതിന് എന്നെ പലരും സഹായിക്കുകയുണ്ടായി .	रहने लगे और उन्हीं ने एक छोटी टेक्सी सेवा भी शुरू की ।कुछ वर्षों के बाद सरकारी नौकरी मिली । बहुत लोगों ने मुझे नौकरी दिलाने केलिए सहायता भी की ।
മാഥുർ	: അപ്പോഴൊക്കെ ഈ സാഹിത്യ പ്രേമം തുടർന്നുകൊണ്ടേയിരുന്നാ?	उस समय भी यह साहित्य प्रेम बना रहा क्या ?
ദാമോദരൻ	: 'സാഹിത്യവും കലയും' എന്റെ പ്രാണനാണു സാർ. ഞാൻ വായിക്കുക മാത്രമല്ല ചെയ്യുന്നത്, നാട്ടിലെ അമ്പലത്തിലെ ഉത്സവങ്ങൾക്ക് ചില നാടകങ്ങളിൽ ഞാനഭിനയിക്കുക കൂടി ചെയ്തിരുന്നു. ഞാനഭിനയിക്കുകയോ പാടുകയോ ചെയ്യാത്ത ഒരുത്സവം അക്കാലത്ത് ഞങ്ങളുടെ നാട്ടിൻപുറത്ത് ഉണ്ടായിരുന്നില്ല.	'साहित्य ओर कला 'मेरा जीवन है महोदय सिर्फ़ पढता ही नहीं, गाँव के मन्दिर के उत्सवों के कुछ नाटकों में मैं ने अभिनय भी किया था। उस समय हमारे गाँव में कोई भी उत्सव मेरे अभिनय और गाने के बिना नहीं होता था ।
മാഥുർ	: അപ്പോൾ സർക്കാർ ജോലി ലഭിച്ചതോടെ അത്തരം പരിപാടികളൊക്കെ നിന്നു പോയി. അല്ലേ?	तो सरकारी नौकरी मिलते ही वे सभी कार्यक्रम बन्द हो गये न ?
ദാമോദരൻ	: ഇവിടെയും ചില അവസരങ്ങൾ കിട്ടുന്നുണ്ട്. ആഫീസിലാർക്കെങ്കിലും സ്ഥലം മാറ്റം കിട്ടുകയോ പെൻഷൻ പറ്റുകയോ ചെയ്യുമ്പോൾ അത്തരം മീറ്റിങ്ങുകളിൽ ഞാൻ കവിത ചൊല്ലാറുണ്ട്. ഏക പാത്രാഭിനയവും നടത്താറുണ്ട്.	यहाँ भी कुछ अवसर मिलते हैं । दफ्तर में किसी के स्थानान्तरण या पेंशन होने की सभाओं में मैं कविता सुनाता हूँ।एकपात्राभिनय भी करता हूँ ।
മാഥുർ	: അതു നന്നായി. അടുത്തമാസം ദാമോദരന്റെ കഴിവുകൾ നേരിട്ടാസ്വദിക്കാൻ എനിക്കൊരവസരം	यह अच्छा ही हुआ । अगले महीने तुम्हारी योग्यताएँ नज़दीक से देखने का अवसर मिलने जा रहा

	കിട്ടാൻ പോകുന്നു. നമ്മുടെ അരവിന്ദാക്ഷൻനായർ പെൻഷൻപറ്റി പോകുകയല്ലേ? അപ്പോഴും മീറ്റിങ്ങ് ഉണ്ടായിരിക്കുമല്ലോ. അതിരിക്കട്ടെ. ദാമോദരന് ഇഷ്ടപ്പെട്ട കവിതകൾ ഒന്നു ചൊല്ലാമോ?	है । हमारे अरविन्दाक्षन नायर रिटायर हो जा रहे हैं न? रहने दो। अपनी मनपसन्द कुछ कविताएँ सुनाओगे ?
ദാമോദരൻ :	സാറുപറഞ്ഞാൽ ഞാൻ കേൾക്കാതിരിക്കുകയോ ? കവിത ചൊല്ലട്ടെ സാർ?	क्या आपके कहने पर मैं सुनाये बिना रह सकता हूँ? महोदय क्या कविता सुनाऊँ?
മാഥുർ	: തനിക്കിഷ്ടമുള്ള കവികളുടെത്. താൻ മൂളിപ്പാട്ടു പാടാറുള്ള കവിതകൾതന്നെയാവട്ടെ. .	अपने प्रिय कवियों की कविताएँ जिन्हें तुम गुनगुनाते रहते हो ।
ദാമോദരൻ :	ആശാൻ, വള്ളത്തോൾ, ഉള്ളൂർ, എന്നിവരുടെ കവിതകളുടെ ഓരോ ഭാഗം ചൊല്ലാം.	तो मैं आशान, वळ्ळत्तोळ्, उळ्ळूर आदि की कविताओं का एक भाग सुनाऊँगा ।
	ആദ്യം കുമാരനാശാന്റെ പൂക്കാലം എന്ന കവിതയിൽ നിന്ന് ഒരു പദ്യം.	पहले कुमारनाशानं की 'वसंतकाल' नामक कविता से एक भाग ।
	പൂക്കുന്നിതാ മുല്ല പൂക്കുന്നിലഞ്ഞി. പൂക്കുന്നു തേന്മാവു പൂക്കുന്നശോകം. വായ്ക്കുന്നു വേലിക്കു- വർണങ്ങൾ പൂവാൽ ചോക്കുന്നു കാടന്തി മേഘങ്ങൾ- പോലെ.	चमेली फूलता है, बकुल भी फूलता है । आम का पेड फूलता है। आशोक फूलता है। सब रंगों की शोभा बढाता है। वन संध्या बादल जैसा लाल हो जाता है।
	ഒരു ചിത്രം എന്ന കവിതയിൽ വള്ളത്തോൾ ഉണ്ണിക്കൃഷ്ണന്റെ മുഖം വർണിക്കുന്നതു നോക്കൂ.	'ओरु' चित्रम (एक चित्र) नामक कवित में वळ्ळत्तोळ् उण्णिकृष्ण के चेहरे का वर्णन कैसे दे रहे हैं देखिए
	"താമരത്താരിതൾ പോലെ നെടുതായി ത്തൂമയ്യെഴുതിയ കണ്ണിണയിൽ പ്രേമവും ഹർഷവുമുൾക്കൊള്ളുമുണ്ണിത- ന്നോമന വക്ത്രമിതെത്ര രമ്യം ! എമ്മട്ടെന്നോതുവാനേതും കഴിവില്ലാത്ത -മധുരാനനമൊന്നു കണ്ടാൽ,	उस के कमल लोचन में काजल नला है, यह सुंदर चेहरे पर प्रेम तथा हर्ष है। यह कितना रम्य मनोहर है । यह चेहरा कितना मनोहर है, वह कोई नहीं कह सकता। यह सुंदर

	അമ്മയ്ക്കു മാത്രമല്ലാർക്കുമേ ചെന്നെടു ത്തുമ്മ വെച്ചീടുവാൻ തോന്നുമല്ലോ." ഇനി ഉള്ളൂരിന്റേത്. കുട്ടിയെ ഉറക്കുന്ന പാട്ട്. ഓമനേ, നീയുറങ്ങാൻ മിഴി വണ്ടിണ– ത്തൂമലർത്തേൻ കുഴമ്പെന്റെ തങ്കം! ആടിയും പാടിയും ചാടിയുമോടിയും വാടിയും വീടും മുഖരമാക്കി. വാടി വിയർത്ത മുഖാംബുജത്തോടെന്നെ തേടി നീയന്തിയിൽ വന്ന നേരം, നിൻ കവിൾത്തങ്കത്തകിട്ടിങ്കൽപ്പിഞ്ചുമ്മ യെൻ കണ്ണിലുണ്ണീ ! ഞാനെത്രവച്ചൂ.	चेहरे को देखने पर माँ ही नहीं किसी को भी चुंबन करने की आशा होती है । अब उळ्ळूर का है। बच्चे को सुलाने का गाना । अरे मेरे प्यारे दुलारे तू सो भ्रमर आँखों मे तुम कुसुम का मधु हो। खेल कूद और गाना गाकर, तुम घर को अपनी आवाज़ से आनंदमय बनाकर, जब तुम मेरे पास आये तो तुम्हारे गाल पर कितने चुंबन मैं ने दे दिया मेरे औखों के तारे।
മാഥുർ	: ഭേഷ് ദാമോദരൻ, ഭേഷ്.	बहुत अच्छा,. बहुत अच्छा ।

പദങ്ങളുടെ അർഥം

പ്രിയങ്കരൻ	प्रिय	സമാഹാരം	समाहार
പ്രേമഗായകൻ	प्रेमगायक	ഓടിക്കുക	चलाना, भगाना
മൂളിപ്പാട്ട്	गुनगुनाना	ഒഴിവ്	मौका, छुट्टी
സങ്കടകരം	दुःखभर	വിധിക്കുക	विधि देना, निर्णय लेना
കൊതിക്കുക	आग्रह करना	മരിക്കുക	मर जाना
ഒറ്റിക്ക് എടുക്കുക	गिरवी में लेना	പുരയിടം	बाग, घर के चारों तरफ की जगह
മാവ്	आम का पेड	പ്ലാവ്	कटहल का पेड
കമുക്	सुपारी का पेड	തെങ്ങ്	नारियल का पेड
തയ്യൽക്കട	दर्जी का दूकान	കഴിഞ്ഞു പോരുക	दिन काटना
അനാഥർ	अनाथ	തയ്യൽ	सिलाई
കുടുംബം പുലർത്തുക	संसार खानदान चलाना	നെല്ലു കുത്തുക	धान पिटाता
കയറു പിരിക്കുക	रस्सी बनाना	ബന്ധം	रिश्ता
പട്ടാളക്കാരൻ	जवान, सेनानी	സാഹിത്യപ്രേമം	साहित्य प्रेम

പ്രാണൻ	जीवन, प्राण	അമ്പലം	मंदिर
നാടകം	नाटक	നാട്ടിൻപുറം	गाँव
ഏകപാത്രാഭിനയം	एकपात्राभिनय	ഓമന	दुलारा
മിഴി	आँख	വണ്ട്	भ्रमर
ഇണ	जोडी	തൂ	परिशुद्ध
മലർ	पुष्प	തേൻ	शहद
കുഴമ്പ്	मलहम	തങ്കം	शुद्ध सोना
ആടുക	फुलवारि	വാടി	फुलवारी
മുഖരമാക്കുക	कोलाहल से आवांज़ करना	വാടുക	मुरझाना
കവിൾ	गाल	മുഖാംബുജം	मुखांबुज
തകിട്	धातु की चद्पर	ഉമ്മ വയ്ക്കുക	चुंबन देना
മുല്ല	चमेली	ഇലഞ്ഞി	बकुल
തേന്മാവ്	मधुर आम देनेवाला आम का पेड	വായ്ക്കുക	बढाना
വേലി	बाड़ा	ചോക്കുക	लाल होना
		(ചുമക്കുക)	लाल होना, भार लेना
അന്തിമേഘം	संध्या का बादल	താര്	फूल
ഇതൾ	पंखुडी	നെടുതായി	लंबी
മെയ്യ്	काजल	ഹർഷം	हर्ष
ഉൾക്കൊള്ളുക	अंतरलीन करना	ഉണ്ണി	बच्चा
വക്ത്രം	मुख	രമ്യം	रम्य
എമ്മട്ട്	कौन सी रीति	ഓതുവാൻ	कहने केलिए
മധുരം	मधुर	ആനനം	मुख

അഭ്യാസം

I. വാക്യങ്ങൾ ആവർത്തിച്ചു പരിശീലിക്കുക.

1. ദാമോദരൻ കാറോടിക്കുകയും മൂളിപ്പാട്ടു പാടുകയും ചെയ്യുന്നു.
2. അയാൾ സ്ക്കൂളിൽ പഠിക്കുകയും തയ്യൽക്കടയിൽ പണിയെടുക്കുകയും ചെയ്തിരുന്നു.
3. അച്ഛൻ മരിക്കുകയും എന്റെ തോളിൽ ചുമതലകൾ വന്നു വീഴുകയും ചെയ്തു.

4. കവിതകൾ വായിക്കുകയും ഏകപാത്രാഭിനയം നടത്തുകയും ചെയ്യും.
5. തയ്യൽക്കടയിൽ പണി എടുക്കുകയും കൃഷിപ്പണി നോക്കുകയും ചെയ്തുകൊണ്ടിരുന്നു.
6. സ്കൂൾ നാടകങ്ങളിൽ അഭിനയിക്കുകയും സമ്മാനം വാങ്ങുകയും ചെയ്യുമായിരുന്നു.
7. ചന്തയിൽ ആളുകൾ സാധനങ്ങൾ വാങ്ങുകയോ വിൽക്കുകയോ ചെയ്യുന്നു.
8. അമ്മ അടുക്കളജോലി ചെയ്യുകയോ കടയുടെ മേൽനോട്ടം വഹിക്കുകയോ ചെയ്യുന്നു.
9. നേതാവിനെ അനുസരിക്കുകയോ സ്വന്തം അഭിപ്രായം അനുസരിച്ച് പ്രവർത്തിക്കുകയോ ചെയ്യണം.
10. ഒരു ചെറിയ വീടുവയ്ക്കുകയോ വാങ്ങുകയോ ചെയ്യാം.

II. മാതൃക അനുസരിച്ച് ഉദാഹരണ വാക്യത്തോട് ഏറ്റവും അടുത്ത ബന്ധമുള്ള വാക്യം അടയാളപ്പെടുത്തുക.

ഉദാ : കലയും സാഹിത്യവും പ്രധാന തൊഴിലാക്കി നടന്നിരുന്ന ആ കാലഘട്ടത്തിൽ വേണുവിന് ഒരു കുടുംബ ജീവിതം നയിക്കണമെന്ന ആശ ഇല്ലാതിരുന്നതിനാൽ അച്ഛനമ്മമാർ എത്ര ശ്രമിച്ചിട്ടും അവൻ കല്യാണം കഴിക്കാൻ തയ്യാറായില്ല.

(1) കലയും സാഹിത്യവും കാരണം അച്ഛന്റെ ശ്രമം കൊണ്ട് വേണുവിന്റെ കല്ല്യാണം നടന്നു.

(2) കലയും സാഹിത്യവും തൊഴിലാക്കിയ ഒരു പെൺകുട്ടിയെ വേണുവിനായി അച്ഛൻ കണ്ടുപിടിച്ചു.

(3) കലയിലും സാഹിത്യത്തിലും മുഴുകിനടന്ന അവനെക്കൊണ്ട് കല്ല്യാണം കഴിപ്പിക്കാൻ വീട്ടുകാർക്കുപോലും സാധിച്ചില്ല.

(4) കലയും സാഹിത്യവും ജീവനായി കരുതിയ അവൻ അതേപോലെയുള്ള ഒരു പെൺകുട്ടിയെ കല്ല്യാണം കഴിച്ചു.

1. വിലക്കയറ്റം കാരണം വലിയ ആഡംബരമൊന്നുമില്ലാതെ സാമാന്യരീതിയിൽ വേണ്ടപ്പെട്ടവരെ മാത്രം ക്ഷണിച്ച് ചെറിയ തോതിൽ കല്ല്യാണം നടത്തിയാൽ മതി എന്നു കല്ല്യാണപ്പെണ്ണും ചെറുക്കനും തന്നെയാണ് തീരുമാനിച്ചത്.

(1) വിലക്കയറ്റം കാരണം കല്ല്യാണം തൽക്കാലം വേണ്ടയെന്നു പെണ്ണും ചെറുക്കനും നിശ്ചയിച്ചു.

(2) വിലക്കയറ്റം കാരണം ഉടനെ കല്ല്യാണം നടത്തേണ്ട എന്ന് അച്ഛനമ്മമാർ തീരുമാനിച്ചു.

(3) വില കൂടുതലായതുകൊണ്ട് ആഡംബരമൊന്നും ഇല്ലാതെ മിതമായ രീതി യിൽ കല്ല്യാണം നടത്താൻ പെണ്ണും ചെറുക്കനും നിശ്ചയിച്ചു.

(4) വില കൂടുതലായതുകൊണ്ട് സാമാന്യം ആഡംബരത്തോടെ പത്തോ പന്ത്രണ്ടോ പേരെ, വിളിച്ചു കല്ല്യാണം നടത്താം എന്നു രണ്ടു കുടുംബ ക്കാരും തന്നെയാണ് നിശ്ചയിച്ചത്.

2. സാഹിത്യനിരൂപണങ്ങൾ വായിക്കുകയോ, സാഹിത്യചർച്ചകളിൽ പങ്കെടുക്കു കയോ, സാഹിത്യരൂപങ്ങളെ കലാരൂപങ്ങളാക്കി മാറ്റുകയോ ചെയ്യുന്ന കാര്യ ങ്ങളിൽ മുഴുകിയാണ് മേനോൻ സാർ പെൻഷൻകാലം കഴിക്കുന്നത്.

(1) മേനോൻ സാറിന്റെ പെൻഷൻകാലം സാഹിത്യസംബന്ധിയായ കാര്യ ങ്ങളെ ചുറ്റിപ്പറ്റിയാണ്.

(2) മേനോൻസാറിന്റെ പെൻഷൻകാലം സാഹിത്യപ്രവർത്തനങ്ങളിൽ പ്രത്യേകിച്ചും കവിതയെഴുത്തിൽ മുഴുകിയാണ് പോകുന്നത്.

(3) പെൻഷൻകാലം സാഹിത്യത്തെച്ചുറ്റിപ്പറ്റി ചെലവഴിക്കാൻ തീരുമാനിച്ചോ മോനോൻ സാർ ?

(4) പെൻഷൻകാലത്തെപ്പറ്റിയുള്ള സാഹിത്യരൂപങ്ങളുടെയും കഥകളുടെയും സൃഷ്ടിയിലാണ് മേനോൻസാറിപ്പോൾ.

3. ഗ്രാമീണരെ മുഴുവൻ വഞ്ചിച്ച് കൊള്ളലാഭം എടുത്ത് തന്റെ സമ്പാദ്യം വർദ്ധി പ്പിക്കാൻ ശ്രമിച്ച അബുബേക്കറെ ഒരു പാഠം പഠിപ്പിക്കാൻ മൊയ്തീന്റെ കുഞ്ഞുമോൻ ഷെരീഫുകുട്ടി മാത്രം മതിയായിരുന്നു.

(1) ഷെരീഫുകുട്ടി ഗ്രാമീണരെ പറ്റിച്ച അബുബേക്കറെ ഒരു പാഠം പഠിപ്പിച്ചു.

(2) ഷെരീഫുകുട്ടി വഞ്ചകരായ ഗ്രാമീണരെ ഒരു പാഠം പഠിപ്പിച്ചു.

(3) ഷെരീഫുകുട്ടിയും ഗ്രാമീണരും കൂടിച്ചേർന്ന് അബൂബക്കറെയും മൊയ്തീനേയും ഒരു പാഠം പഠിപ്പിച്ചു.

(4) ഷെരീഫ്കുട്ടി മാത്രം മതിയായിരുന്നു ഗ്രാമീണരെ വഞ്ചിച്ച് അവരെ ഒരു പാഠം പഠിപ്പിക്കാൻ.

4. സർക്കാർ നടപടികൾക്കെല്ലാം നിയമം ഉണ്ടെങ്കിലും അതെല്ലാം സമയാസമയ ങ്ങളിൽ പ്രായോഗികം ആക്കുന്നത് സന്ദർഭങ്ങൾക്ക് അനുകൂലമായും ചില വ്യക്തികളെ ആശ്രയിച്ചും ആണ് എന്നുള്ളതാണ് സർക്കാർ ഓഫീസുകളിൽ അഴിമതിക്കു പ്രധാന കാരണം.

(1) ഉള്ള നിയമങ്ങൾ എല്ലാം സന്ദർഭങ്ങളിലും ഒരേ പോലെ പ്രായോഗിക മാക്കാത്ത കാരണം ആഫീസുകളിൽ അഴിമതി കാണുന്നു.

(2) ഓഫീസുകളിലെ അഴിമതിക്കു കാരണം ഒന്നിനും കൊള്ളാത്ത, സർക്കാർ നിയമങ്ങളാണ്.

(3) നിയമവും അഴിമതിയും ഒരേപോലെ മാറ്റാൻ വയ്യാത്ത ഘടകങ്ങളാണ് എല്ലാരുടെയും ജീവിതത്തിൽ.

(4) എല്ലാവരുടെ ജീവിതത്തിലും നിയമമോ അഴിമതിയോ ഒരു പങ്കുവഹിക്കാൻ കാരണം പണം ഇല്ലായ്മ ആണ്.

5. ആരോടും പറയുകയോ ചോദിക്കുകയോ ചെയ്യാതെയാണ് ദാസ് കമ്പനി ഡയറക്ടറുടെ മുറിക്കകത്തു കയറിയത് എന്ന് കുമാർ പറഞ്ഞറിഞ്ഞു.

(1) കുമാറിന്റെ അഭിപ്രായത്തിൽ ആരോടും പറയാതെയും ചോദിക്കാതെയും ദാസ് ഡയറക്ടറുടെ മുറിക്കകത്തു വന്നു.

(2) കുമാറിന്റെ അനുവാദത്തോടുകൂടിയാണ് ദാസ്കുമാറിന്റെ ഡയറക്ടറുടെ വീട്ടിൽ കയറിപ്പോയത്.

(3)കുമാറിന്റെ അനുവാദം ഇല്ലാതെ ദാസ് വീട്ടിൽ പോകുകയുംകയറുകയുംകയും ചെയ്തു.

(4) കുമാറും ദാസും എന്റെ മുറിക്കകത്തു കയറിയത് ആരുടെയും അനുവാദം ഇല്ലാതെ ആയിരുന്നു.

III. മാതൃക അനുസരിച്ചു വാക്യം പിരിച്ചെഴുതുക.

ഉദാ :1 രമേശ് അച്ഛന്റെ വ്യാപാരം നോക്കുകയോ പഠിക്കുകയോ ചെയ്തില്ല.
രമേശ് അച്ഛന്റെ വ്യാപാരം നോക്കിയില്ല.
രമേശ് പഠിച്ചില്ല.

(1) അച്ഛൻ കുട്ടിയെ വഴക്കു പറയുകയോ അടിക്കുകയോ ചെയ്തില്ല.

(2) രാധ പഠിത്തം തുടരുകയോ കല്ല്യാണം കഴിക്കുകയോ ചെയ്തില്ല.

(3) മല്ലിക അമ്മ പറഞ്ഞതു കേൾക്കുകയോ സഹോദരൻ പറഞ്ഞതുപോലെ പ്രവർത്തിക്കുകയോ ചെയ്തില്ല.

(4) അവർ ഗാന്ധിജിയുടെ ആത്മകഥ വായിക്കുകയോ മറ്റു മഹാന്മാരെപ്പറ്റി അറിയാൻ ശ്രമിക്കുകയോ ചെയ്തില്ല.

(5) മോഹനൻ പാഠം പഠിക്കുകയോ എഴുതുകയോ ചെയ്തില്ല.

ഉദാ :2. നാട്ടിനു വെളിയിൽ ജോലിക്കു പോകാനോ നാട്ടിനു വെളിയിൽ നിന്നുള്ള പെൺകുട്ടിയെ കല്ല്യാണം കഴിക്കുവാനോ വാസുദേവൻതയ്യാറായിരുന്നില്ല.
വാസുദേവൻ നാട്ടിനു വെളിയിൽ ജോലിക്കു പോകാൻ തയ്യാറായിരുന്നില്ല
വാസുദേവൻ നാട്ടിനു വെളിയിലുള്ള പെൺകുട്ടിയെ കല്ല്യാണംകഴിക്കാൻ തയ്യാറായിരുന്നില്ല.

(1) വീട്ടുജോലിചെയ്യാനോ സ്വയം അണിഞ്ഞൊരുങ്ങാനോ രാധിക ഇഷ്ടപ്പെട്ടിരുന്നില്ല.

(2) സ്ത്രീധനം വാങ്ങാനോ പണക്കാരുടെ വീട്ടിൽനിന്ന് കല്ല്യാണം കഴിക്കാനോ ഗോപു സമ്മതിച്ചില്ല.

3. അയാളോടു സംസാരിക്കാനോ കുട്ടികളെ വഴക്കു പറയാനോ അയാൾ ആഗ്രഹിച്ചില്ല.
4. തൊഴിൽ ചെയ്തു ജീവിക്കാനോ വേറെ തരത്തിൽ പണമുണ്ടാക്കാനോ അയാൾക്ക് അറിയുമായിരുന്നില്ല.
5. അമ്മയെ വേദനിപ്പിക്കാനോ അനിയനെ സങ്കടപ്പെടുത്താനോ അവൾക്കു കഴിഞ്ഞിരുന്നില്ല.

ഉദാ :3. പുസ്തകങ്ങളെ സ്നേഹിക്കുകയും മനുഷ്യനെ ബഹുമാനിക്കുകയും ആണ് അദ്ദേഹം എപ്പോഴും ചെയ്തിരുന്നത്.
അദ്ദേഹം എപ്പോഴും പുസ്തകങ്ങളെ സ്നേഹിച്ചു.
അദ്ദേഹം എപ്പോഴും മനുഷ്യരെ ബഹുമാനിച്ചു.

1. അനിയനെ വളർത്തുകയും, അനിയത്തിയുടെ കല്ല്യാണം നടത്തുകയും ചെയ്തത് ലതികയായിരുന്നു.
2. സിനിമാപ്പാട്ടുകൾ എഴുതുകയും, കലാമേളകളിൽ പങ്കെടുക്കുകയും ആണ് അന്നൊക്കെ ശ്രീരാമൻ ചെയ്തുകൊണ്ടിരുന്നത്.
3. സന്ധ്യാസമയങ്ങളിൽ വീട്ടിനുചുറ്റും വിളക്കു കൊളുത്തുകയും ദേവീദേവന്മാരുടെ ചിത്രങ്ങളിൽ മാലകെട്ടിയിടുകയുമാണ് അമ്മൂമ്മ ചെയ്യാറുണ്ടായിരുന്നത്.
4. പാഠം പല പ്രാവശ്യം വായിക്കുകയും സംശയങ്ങൾ അച്ഛനോട് ചോദിക്കുകയും ആണ് ഗോപൻ ചെയ്യുന്നത്.
5. വാക്കുകളുടെ അർഥം സ്വയം കണ്ടുപിടിക്കുകയും നിഘണ്ടുവിൽ നോക്കി മനസ്സിലാക്കുകയും ആണ് രാഘവൻ ചെയ്തത്.

IV. മാതൃക അനുസരിച്ചു വാക്യങ്ങൾ ചേർത്തെഴുതുക.

ഉദാ :1. ഞാൻ വായിക്കുന്നു . ഞാൻ എഴുതുന്നു.
ഞാൻ വായിക്കുകയും എഴുതുകയും ചെയ്യുന്നു.

1. അവൻ പഠിക്കുന്നു.
അവൻ ജോലി ചെയ്യുന്നു.
2. ഡ്രൈവർ കവിത വായിക്കുന്നു .
അവൻ നാടകത്തിൽ അഭിനയിക്കുകയും ചെയ്യുന്നു .
3. മാഥുർ ഓഫീസ് ഭരിക്കുന്നു
മാഥുർ സാഹിത്യപ്രവർത്തനങ്ങളിൽ പങ്കെടുക്കുന്നു.
4. അദ്ദേഹം കുടുംബത്തെ സ്നേഹിക്കുന്നു.
അദ്ദേഹം ജനങ്ങളെ സേവിക്കുകയും ചെയ്യുന്നു.
5. എല്ലാവരും സ്വന്തം കാര്യം നോക്കുന്നു. എല്ലാവരും സ്വയം സന്തോഷിക്കുന്നു.

ഉദാ : 2. പ്രതീക്ഷ പാട്ടുപാടും. അല്ലെങ്കിൽ സിനിമയിൽ അഭിനയിക്കും.
പ്രതീക്ഷ പാട്ടുപാടുകയോ സിനിമയിൽ അഭിനയിക്കുയോ ചെയ്യും.

1. ഞാൻ നിന്റെ വീട്ടിൽ വരും.
അല്ലെങ്കിൽ ഫോൺ വിളിക്കും.
2. മുകുന്ദൻ കഥകൾ എഴുതും.
അല്ലെങ്കിൽ കാർട്ടൂൺ വരയ്ക്കും.
3. കവിത പൂക്കൾ തലയിൽ വയ്ക്കും.
അല്ലെങ്കിൽ മാല കെട്ടി ദേവീ ചിത്രത്തിൽ ഇടും.
4. മധു ഒന്നാംക്ലാസ്സിൽ പാസ്സാകും.
അല്ലെങ്കിൽ റാങ്കു മേടിക്കും.
5. അവർ കഥ പറയും.
അല്ലെങ്കിൽ കവിത എഴുതും.

ഉദാ : 3. അയാൾ ഇന്നലെ മുതൽ വെള്ളം കുടിച്ചില്ല.
അയാൾ ഇന്നലെ മുതൽ ആഹാരം കഴിച്ചില്ല.
അയാൾ ഇന്നലെ മുതൽ വെള്ളം കുടിക്കുകയോ ആഹാരം കഴിക്കുകയോ ചെയ്തില്ല.

1. വർഷം മുഴുവൻ അവൻ ക്ലാസ്സിൽ കയറിയില്ല.
പാഠം പഠിച്ചില്ല.
2. വലുതായാൽ ഞാൻ വക്കീൽ ആകില്ല.
ജനങ്ങളെ വഞ്ചിക്കില്ല.
3. ഡോക്ടർ ഇപ്പോൾ രോഗിയെ പരിശോധിക്കുന്നില്ല.
ചികിത്സിക്കുന്നില്ല.
4. ഈ നിരൂപകർ കവിതകളിലെ ഗുണങ്ങൾ ആസ്വദിക്കുന്നില്ല.
കുറ്റങ്ങൾ കണ്ടെത്തുന്നില്ല.
5. അദ്ദേഹം നിങ്ങളെ എല്ലാവരെയും പ്രശംസിക്കില്ല.
മറ്റു ചിലരെ മാത്രം കുറ്റപ്പെടുത്തില്ല.

ഉദാ : 4. നല്ല നിരൂപകർ സാമാന്യതയിലെ അസാമാന്യത കാണുന്നു.
അസാമാന്യതയിലെ സാമാന്യത വെളിച്ചത്തു കൊണ്ടു വരുന്നു.
നല്ല നിരൂപകർ സാമാന്യതയിലെ അസാമാന്യത കാണുകയും അസാമാന്യതയിലെ സാമാന്യത വെളിച്ചത്തുകൊണ്ടു വരുകയും ചെയ്യുന്നു.

1. പെൺകുട്ടി പൂവിനെപ്പോലെ പുഞ്ചിരിക്കുന്നു.
വിളക്കിനെപ്പോലെ പ്രകാശം പരത്തുന്നു.

2. അയാൾ ഒരു കള്ളനെപ്പോലെ വന്നു.
അയാൾ അവളുടെ ഹൃദയം മോഷ്ടിച്ചു.
3. ദേവകി അച്ഛനമ്മമാരെ ശുശ്രൂഷിക്കുന്നു.
അനിയത്തിമാരെ വളർത്തി എടുക്കുന്നു.
4. അവർ ഉപ്പു ധാരാളമായി തിന്നും.
അവർ വെള്ളം കുടിക്കും.
5. അദ്ദേഹം മതതത്വങ്ങളെ ബഹുമാനിക്കുന്നു.
അദ്ദേഹം മതഭ്രാന്തരെ വെറുക്കുന്നു.

V. മാതൃകാ വാക്യങ്ങൾ വായിച്ച് അതേപോലെ ഈരണ്ടു വാക്യങ്ങൾ കൂടി എഴുതുക.

ഉദാ : 1
1. കവി പ്രകൃതിയെ ആരാധിക്കുകയും പ്രകൃതിയെപ്പറ്റി കവിത എഴുതുകയും ചെയ്യുന്നു.
2. മഹേശ് സുമയെ സ്നേഹിക്കുകയും അവൾക്കുവേണ്ടി കാത്തിരിക്കുകയും ചെയ്യുന്നു.

ഉദാ : 2
1. ആരോടും വർത്തമാനം പറയാതിരിക്കുകയും അവരെ കൂട്ടുകാരാക്കാതെയിരിക്കുകയും ആണ് അവൻ ചെയ്യുന്നത്.
2. എല്ലാവരേയും സ്നേഹിക്കുകയും എല്ലാവർക്കും വേണ്ടി കഷ്ടപ്പെടുകയും ആണ് അവൾ ചെയ്യുന്നത്.

ഉദാ : 3
1. മാഥുർ കേരളീയരെ ബഹുമാനിക്കുകയും കേരളീയരുടെ ജീവിത രീതികൾ അനുകരിക്കുകയും ചെയ്തിരുന്നു.
2. ഞാൻ ആ പുസ്തകം വായിക്കുകയും അതിനെപ്പറ്റി ഒരു നിരൂപണം എഴുതുകയും ചെയ്തിരുന്നു.

ഉദാ : 4
1. തുഴക്കാർ വള്ളം തുഴഞ്ഞുകൊണ്ടിരിക്കുകയും അമരക്കാരൻ വള്ളം നിയന്ത്രിച്ചു കൊണ്ടിരിക്കുകയും ചെയ്യുന്നു.
2. കാണികൾ കളി ആസ്വദിച്ചുകൊണ്ടിരിക്കുകയും കളിക്കാർ കളിച്ചു കൊണ്ടിരിക്കുകയും ചെയ്യുന്നു.

ഉദാ : 5
1. അയാൾ പെൺകുട്ടികളെ ഉപദ്രവിക്കുകയും അവരെ കഷ്ടപ്പെടുത്തുകയും ചെയ്യാറുണ്ടായിരുന്നു.
2. അവർ ഗ്രാമീണരെ സ്നേഹിക്കുകയും അവർക്കു വേണ്ട സൗകര്യങ്ങൾ ചെയ്തുകൊടുക്കുകയും ചെയ്യാറുണ്ടായിരുന്നു.

ഉദാ : 6

1. നീ പറഞ്ഞിരുന്നെങ്കിൽ അവൻ കേൾക്കുകയും ഇവിടെ വരുകയും ചെയ്യുമായിരുന്നു.
2. അമ്മൂമ്മ ജീവിച്ചിരുന്നെങ്കിൽ കല്യാണം നടത്തുകയും പണം കൊടുക്കുക കയും ചെയ്യുമായിരുന്നു.

ഉദാ : 7

1. ഞാൻ പറഞ്ഞാൽനീ വരാതിരിക്കുകയോ കേൾക്കാതിരിക്കുകയോ ചെയ്യുമോ ?
2. പണം സമ്പാദിച്ചാൽ കഷ്ടപ്പെടുകയോ അന്യരോടു ചോദിക്കുകയോ ചെയ്യുമോ ?

ഉദാ : 8

1. നീ ഇതുവരെ ഇത്ര ദൂരം നടക്കുകയോ ഇങ്ങനെ കഷ്ടപ്പെടുകയോ ചെയ്തിട്ടുണ്ടോ ?
2. അവർ ഇതുപോലൊരു വീടുകാണുകയോ അതിൽ താമസിക്കുകയോ ചെയ്തിട്ടുണ്ടോ ?

ഉദാ : 9

1. കള്ളനെ കണ്ടിട്ടും പട്ടി കുരയ്ക്കുകയോ കടിക്കുകയോ ചെയ്തില്ലേ ?
2. അധ്യാപകനെ മനസ്സിലാക്കിയിട്ടും അയാൾ തൊഴുകയോ മിണ്ടുകയോ ചെയ്തില്ല. ?

ഉദാ : 10

1. കുട്ടിക്കാലത്ത് കഥാകൃത്ത് പഴങ്കഥകൾ കേൾക്കുകയും രാജാക്കന്മാരേം റാണിമാരേം സ്വപ്നം കാണുകയും ചെയ്യുമായിരുന്നു.
2. പണ്ടൊക്കെ കൂട്ടുകാരുമായി കൂടി നടക്കുകയും വീട്ടിൽ താമസിച്ചു വരുകയും ചെയ്യുമായിരുന്നു.

ഉദാ : 11

1. ആരെയെങ്കിലും അവർ കുറ്റം പറയാതെയോ ഉപദ്രവിക്കാതെയോ ഇരുന്നിട്ടുണ്ടോ?
2. അവൻ നിങ്ങളിൽ ആരെയെങ്കിലും വഞ്ചിക്കാതെയോ കഷ്ടപ്പെടുത്താ തെയോ ഇരുന്നിട്ടുണ്ടോ?

ഉദാ : 12

1. നീ ഒരിക്കൽപോലും കള്ളം പറയാതെയും അന്യരെ വേദനിപ്പിക്കാതെയും ഇരുന്നിട്ടില്ലേ?
2. കുട്ടികളെ അടിക്കാതെയും ഭാര്യയെ വഴക്കു പറയാതെയും ഇരുന്നിട്ടില്ലേ ?

വായിച്ചു മനസ്സിലാക്കുക

മലയാളത്തിലെ കവിത്രയങ്ങൾ

ഇരുപതാം നൂറ്റാണ്ടിന്റെ ആരംഭത്തിലാണ് മലയാളത്തിൽ കാൽപ്പനിക കവിത പിറവി എടുക്കുന്നത്. ഈ കാലഘട്ടത്തിൽ കുമാരനാശാൻ, വള്ളത്തോൾ നാരായണമേനോൻ, ഉള്ളൂർ എസ്.പരമേശ്വരഅയ്യർ എന്നീ മൂന്ന് അപൂർവ പ്രതിഭകൾ മലയാള കവിതയുടെ ശക്തിസ്രോതസ്സുകളായി വർത്തിക്കുകയും അവർ സൃഷ്ടിച്ച പുതിയ കാവ്യസരണി മലയാള കവിതാചരിത്രത്തെ തന്നെ മാറ്റി-ത്തീർക്കുകയും ചെയ്തു. വസ്തുക്കളുടെ ബാഹ്യസൗന്ദര്യത്തെ വർണിക്കുകയോ നിരർഥകമായ പദങ്ങൾകൊണ്ട് വിളയാടുകയോ അല്ല കവിതയെന്ന് ഇവരുടെ വരവോടെ അനുവാചകർ തിരിച്ചറിഞ്ഞു. കവിമനസ്സിലെ അനുഭൂതികളെ സമർഥ മായി ആവിഷ്ക്കരിക്കുകയും അതിനുവേണ്ടി ഭാവരൂപങ്ങളെ സമന്വയിപ്പിക്കുക യുമാണ് വേണ്ടതെന്ന് കാവ്യ ലോകം മനസ്സിലാക്കി. അങ്ങനെ ആത്മാവിഷ്കാര-ത്തിനു പ്രാധാന്യമുള്ള ഭാവഗീതങ്ങളിലേക്ക് മലയാളകവിത കടന്നെത്തുകയും ചെയ്തു. ഹൃദയത്തിന്റെ അഗാധതയെ സ്പർശിക്കുന്ന ഭാവസങ്കുലമായ ശബ്ദമാണ് നമുക്കവിടെ കേൾക്കാൻ കഴിയുക.

പരമ്പരാഗത കാവ്യകലയിൽ ശിക്ഷണം നേടുകയും ഭാരതീയ സാഹിത്യ ത്തിലെ നവോത്ഥാനത്തെ ബംഗാളിയിലൂടെ തൊട്ടറിയുകയും ചെയ്ത ആശാനിൽ കവിതയെപ്പറ്റി വിപ്ലവകരമായ പല സങ്കൽപ്പങ്ങളും തെളിഞ്ഞുവന്നു. "സ്നേഹമാണ് അഖിലസാരമൂഴിയിൽ" എന്നദ്ദേഹം പാടി. സ്നേഹത്തിന്റെ കണ്ണിലൂടെ മാത്രം പ്രപഞ്ചത്തെ മുഴുവൻ കാണുകയും സ്നേഹത്തിനുവേണ്ടി മാത്രം പാടുകയും ചെയ്ത കവിയാണ് ആശാൻ. സ്നേഹം എന്ന ഉദാത്തഭാവത്തിനുമുന്നിൽ ആത്മാർ പ്പണം ചെയ്യുന്ന മനുഷ്യഹൃദയങ്ങളാണ് ആശാന്റെ കൃതികളിൽ കാണാനാവുന്നത്. സ്നേഹം ത്യാഗമാണെന്നും സ്നേഹം സത്യമാണെന്നും സ്നേഹം സ്വാതന്ത്ര്യ മാണെന്നും സ്നേഹം ശക്തിയാണെന്നും അദ്ദേഹം പറയുന്നു.

സാർവലൗകികവും സാർവകാലികവുമായ സ്നേഹത്തിനു മുന്നിൽ മറ്റെല്ലാം പരാജയപ്പെടുകയും എപ്പോഴും സ്നേഹം മാത്രം വിജയിക്കുകയും ചെയ്യുന്നു എന്ന് അദ്ദേഹം വിശ്വസിക്കുന്നു. അത്കൊണ്ട് മനുഷ്യനെ സ്നേഹത്തിൽ നിന്നകറ്റുന്ന എല്ലാറ്റിനെയും അദ്ദേഹം വെറുക്കുകയും അവയ്ക്കെതിരെ ശക്ത മായി പോരാടുകയും ചെയ്തു. അദ്ദേഹം തന്റെ കാലത്തിന്റെ ശാപമായിരുന്ന ജാതി വ്യവസ്ഥയ്ക്കെതിരെയും പോരാടാൻ തയ്യാറായി.

മനുഷ്യന്റെ ആന്തരിക ഭാവങ്ങളെ സമർഥമായി ആവിഷ്കരിക്കാൻ മനുഷ്യ ഭാഷ പര്യാപ്തമല്ലെന്ന് ഈ കവി വിശ്വസിച്ചു. അദ്ദേഹത്തിന്റെ തന്നെ വാക്കു കളിതാ-

ഇന്നുഭാഷയിതപൂർണമിങ്ങഹോ
വന്നുപോം പിഴയുമർഥശങ്കയാൽ.

വാക്കുകൾ സമർഥമായി തിരഞ്ഞെടുത്ത് പ്രയോഗിക്കുകയും കുറഞ്ഞ വാക്കുകളിലൂടെ വിശാലമായ ഒരാശയലോകം തുറന്നിടുകയും ആണ് അദ്ദേഹം ചെയ്യുന്നത്. നളിനി, ലീല, ചിന്താവിഷ്ടയായ സീത, ചണ്ഡാലഭിഷുകി, കരുണ, ദുരവസ്ഥ തുടങ്ങിയ കവിതകൾ ആശാന്റെ കാവ്യവ്യക്തിത്വത്തെ വ്യക്തമാക്കുന്നവയാണ്.

കാൽപ്പനിക കവിതയുടെ വ്യത്യസ്ഥമായ മറ്റൊരു മുഖമാണ് വള്ളത്തോൾ കവിതകളിൽ കാണാൻ കഴിയുന്നത്. പ്രകൃതിയിലും മനുഷ്യഹൃദയത്തിലുമുള്ള മൃദുലഭാവങ്ങളെ അനുഭവിച്ചറിയുകയും കോമള പദാവലിയിലൂടെ അത് അനുവാചകന്റെ മുന്നിൽ അവതരിപ്പിക്കുകയും ചെയ്യുന്ന കവിയാണ് വള്ളത്തോൾ. ശബ്ദ സുന്ദരനെന്നപേർ ഈ കവിക്ക് എന്തുകൊണ്ടും യോജിച്ചതുതന്നെ. ദേശാഭിമാനം, പ്രകൃത്യാരാധന എന്നിവയാണ് വള്ളത്തോൾ കവിതകളിലെ ശ്രദ്ധേയമായ പ്രമേയങ്ങൾ. അവയെല്ലാം തന്നെ സ്വച്ഛസുന്ദരമായ ഭാഷയിലൂടെ ആവിഷ്ക്കരി-ക്കുകുയും ചെയ്തിട്ടുണ്ട് അദ്ദേഹം. മാതൃഭൂമിയോടുള്ള അകമഴിഞ്ഞ സ്നേഹ ബഹുമാനം നിറഞ്ഞുതുളുമ്പുന്ന കവിതകൾ വള്ളത്തോൾ ഒട്ടേറെ എഴുതിയിട്ടുണ്ട്. ഭാരതത്തിന്റെ നവോത്ഥാനകാലത്ത് കവിതകളിലൂടെ ദേശീയബോധം വളർത്തിയിട്ടുള്ള കവികളുടെ കൂട്ടത്തിൽ ശ്രദ്ധേയമായ നാമമാണ് വള്ളത്തോളിന്റേത്.

ബന്ധുര കാഞ്ചനകൂട്ടിലാണെങ്കിലും
ബന്ധനം ബന്ധനം തന്നെ പാരിൽ.

എന്ന് സ്വാതന്ത്ര്യമോഹിയായ ആ കവി നിരന്തരമായി പാടുന്നു. ബധിരവിലാപം, രാമായണം, സാഹിത്യമഞ്ജരി യുടെ വിവിധഭാഗങ്ങൾ തുടങ്ങിയ അദ്ദേഹത്തിന്റെ കൃതികൾ മലയാളഭാഷയ്ക്ക് വിലപിടിച്ച ആഭരണങ്ങളാണ്.

അർഥചമൽക്കാരത്തിനും ശബ്ദഭംഗിക്കും പ്രാധാന്യം കൊടുക്കുകയും പരമ്പരാഗതമായ കാവ്യാനുശീലനത്തിൽ ഉറച്ചു നിൽക്കുകയും ചെയ്ത കവിയാണ് ഉള്ളൂർ. ഭാഷയിലെ കോമളത്തത്തിന് ഉള്ളൂരിന്റെ കവിതകളിൽ അത്ര പ്രാധാന്യം ഇല്ല. വർണനകൾ കൊണ്ടും അലങ്കാരങ്ങൾകൊണ്ടും അദ്ദേഹം തന്റെ കവിതകളെ സമ്പന്നമാക്കിയിട്ടുണ്ട്. കൽപ്പനകൾകൊണ്ട് മാലകോർക്കാനിഷ്ടപ്പെടുന്ന ഈ കവിയുടെ കവിതകൾ അദ്ദേഹത്തിന്റെ ഭാവനാവിശാലതയെയും ആശയസമ്പന്നതയെയും സൗന്ദര്യബോധത്തെയും ചിത്രീകരിക്കുന്നതാണ്.
ഒരുദാഹരണ മിതാ –

ഒരൊറ്റമതമുണ്ടുലകിന്നുയിരാം
പ്രേമമതൊന്നല്ലോ
പരക്കെ നമ്മെ പാലമൃതൂട്ടും
പാർവണ ശശിബിംബം.

ജീവിത ചിന്തകൾ, ധർമോപദേശങ്ങൾ, ചരിത്രകഥകൾ, സമകാലികജീവിത ചിത്രങ്ങൾ എന്നിവയെല്ലാം ഉള്ളൂരിന്റെ കവിതകളിൽ തെളിഞ്ഞുകാണാം. കർണഭൂഷണം, പിംഗള, ഭക്തിദീപിക, കിരണാവലി തുടങ്ങി ഒട്ടേറെ ഖണ്ഡകാവ്യങ്ങളും "ഉമാകേരളം" എന്ന മഹാകാവ്യവുമാണ് അദ്ദേഹത്തിന്റെ പ്രധാനസംഭാവനകൾ.

പദങ്ങളുടെ അർഥം

ഇരുപത്	बीस	നൂറ്റാണ്ട്	शताब्दी
ആരംഭം	आरंभ	കാൽപനിക കവിത	काल्पनिक कविता
പിറവി എടുക്കുക	जन्म लेना	ശക്തികായന്മാർ	अतिकाय, असाधारण मनुष्य
ശക്തിസ്രോതസ്സ്	शक्ति स्रोत	വർത്തിക്കുക	बर्ताव करना
സൃഷ്ടിക്കുക	सृजन करना	കാവ്യസരണി	काव्य सरणी
ചരിത്രം	इतिहास	മാറ്റിത്തീർക്കുക	बदल डालना
ബാഹ്യസൗന്ദര്യം	बाह्य सौदंर्य	വർണിക്കുക	वर्णन करना
നിരർഥകം	अर्थरहित	പദം	शब्द
വിളയാടുക	खेलना	അനുവാചകർ	अनुवाचक
തിരിച്ചറിയുക	पहचानना	അനുഭൂതി	अनुभूति
സമർഥമായി	समर्थ रूप से	ആവിഷ്ക്കരിക്കുക	प्रस्तुत करना
ഭാവരൂപം	भावरूप	സമന്വയിപ്പിക്കുക	समन्वय करना
ആത്മാവിഷ്കാരം	आत्माविष्कार	ഭാവഗീതം	भावगीत
കടന്നെത്തുക	जा पहुँचना	അഗാധത	अगाधता
സ്പർശിക്കുക	छूना	ഭാവസങ്കുലം	भावसंकुल
പരമ്പരാഗത	पारंपरिक	ശിക്ഷണം	प्रशिक्षण
നേടുക	लेना	നവോത്ഥാനം	नवोत्थान
തൊട്ടറിയുക	छूकर पहचानना	വിപ്ലവകാരം	विद्रोही
സങ്കല്പം	भावना	സ്നേഹം	स्नेह
അഖിലം	अखिल	സാരം	सार
ഊഴി	भूमि	ഉദാത്തം	श्रेष्ठ
ആത്മാർപ്പണം	आत्म समर्पण	ത്യാഗം	त्याग
ആന്തരികം	आन्तरिक	പര്യാപ്തം	पर्याप्त
വിശ്വസിക്കുക	विश्वास करना	വ്യത്യസ്തം	व्यत्यस्त
മൃദുലം	मृदुल	പദാവലി	शब्दावली
പ്രമേയം	विषय	അകമഴിഞ്ഞ	पूरा का पूरा
ബഹുമാനം	सन्मान	നിറഞ്ഞുതുളുമ്പുക	बह जाना
ശ്രദ്ധേയം	ध्यान देने योग्य	ദേശീയബോധം	राष्टीय भावना
ബന്ധുരം	मनोहर	കാഞ്ചന	कांचन
ബന്ധനം	बंधन	പാര്	भूमि

അർഥ ചമത്കാരം	अर्थ का चमत्कार	ഉക്തിവൈചിത്ര്യം	उक्ति वैचित्र्य
പ്രാണവായു	प्राण वायु	അനുശീലനം	अनुशीलन
മടി	आलस	കോമളത്തം	कोमलता
സമ്പന്നം	सम्पन्न	കല്പന	कल्पना
ഭാവനാ വിശാലത	कल्पना विस्तार	ആശയ സമ്പന്നത	विचारों की संपन्नता
സൗന്ദര്യബോധം	सौंदर्य बोध	ചിത്രീകരിക്കുക	चित्रीकरण करना
സമകാലികം	समकालीन	ഖണ്ഡകാവ്യം	खण्डकाव्य
സംഭാവന	देन	പ്രേമസംഗീതം	प्रम संगीत
മതം	धर्म	പരക്കെ	सब कहीं
പാൽ	दूध	അമൃത്	अमृत
പാർവണശശിബിംബം.	पूर्ण चंद्रबिंब		

അഭ്യാസം

I. ഉത്തരം പറയുക.

1. ഇരുപതാം നൂറ്റാണ്ടിന്റെ ആരംഭത്തിൽ മലയാളസാഹിത്യത്തിൽ എന്തു സംഭവിച്ചു?
2. അക്കാലത്ത് മലയാളകവിതയുടെ ശക്തിസ്രോതസ്സുകളായി വർത്തിച്ച കവികൾ ആരെല്ലാം ?
3. അവരുടെ കാവ്യസരണിയിലൂടെ വായനക്കാർ തിരിച്ചറിഞ്ഞതെന്താണ്?
4. അവരുടെ കവിതകളിൽ നിന്നു കാവ്യലോകം പഠിച്ച പാഠം എന്താണ് ?
5. എന്തുശബ്ദമാണ് അവരുടെ കവിതകളിലൂടെ നമുക്ക് കേൾക്കാൻ കഴിയുന്നത്?
6. കുമാരനാശാൻ പ്രപഞ്ചത്തെ നോക്കിക്കണ്ടത് എങ്ങനെയാണ് ?
7. ആശാന്റെ കൃതികളിൽ എങ്ങനെയുള്ള മനുഷ്യഹൃദയങ്ങളെയാണ് നമുക്ക് കാണാൻ കഴിയുക ?
8. സ്നേഹം എന്തൊക്കെയാണെന്നാണ് അദ്ദേഹം പറയുന്നത് ?
9. സ്നേഹത്തെപ്പറ്റി അദ്ദേഹത്തിന്റെ വിശ്വാസമെന്താണ് ?
10. ലേഖകന്റെ അഭിപ്രായത്തിൽ വള്ളത്തോൾ എന്താണ് അനുഭവിച്ചറിഞ്ഞത് ?
11. എങ്ങനെയാണ് അദ്ദേഹം തന്റെ പ്രമേയങ്ങൾ വായനക്കാരുടെ മുമ്പിൽ അവതരിപ്പിച്ചത് ?
12. ഏതു കൂട്ടത്തിലാണ് വള്ളത്തോളിന്റെ നാമം ശ്രദ്ധേയമായിരിക്കുന്നത് ?
13. എന്തിനൊക്കെയാണ് ഉള്ളൂർ തന്റെ കവിതകളിൽ പ്രാധാന്യം കൊടുത്തത് ?
14. എന്തിൽ നിന്നു വിട്ടുപോകാനാണ് ഉള്ളൂർ മടികാണിച്ചത് ?
16. എങ്ങനെയാണ് ഉള്ളൂർ തന്റെ കവിതകളെ സമ്പന്നമാക്കിയിരിക്കുന്നത്?
17. എന്തുചെയ്യാനാണ് ഉള്ളൂർ ഇഷ്ടപ്പെടുന്നത് ?
18. ഉള്ളൂർക്കവിതകളിൽ നമുക്ക് എന്താണ് തെളിഞ്ഞുകാണാൻ സാധിക്കുന്നത് ?

II. തന്നിട്ടുള്ള വാക്കുകൾ നാലു കൂട്ടത്തിലാക്കുക. മാതൃക അനുസരിക്കുക.

1. കവി 2. സൗന്ദര്യം 3. സുന്ദരമായി 4. നൽകുക.

സൗന്ദര്യം	കവി	സുന്ദരമായി	ഭക്തി
വിദഗ്ധമായി	വിശ്വസിക്കുക	ഭംഗി	എളുപ്പത്തിൽ
സ്നേഹഗായകൻ	ഭാവന	സ്വാതന്ത്ര്യമോഹി	മെല്ലെമെല്ലെ
എഴുന്നേൽക്കുക	നിരൂപകർ	ധാരാളമായി	വിശാലത
സമ്പന്നത	സൗഭാഗ്യം	കാഥിക	സമകാലിനർ
ഒന്നൊന്നായി	തെളിയുക	പെരുമാറുക	ചിത്രകാരന്മാർ
ലാളിത്യം	സ്നേഹം	അലങ്കാരം	അനുവാചകൻ
ദർശിക്കുക	ചിത്രീകരിക്കുക	വ്യക്തമാക്കുക	ആരാധന
ആസ്വാദക	രചയിതാവ്	ആലോചിക്കുക	അനുഗ്രഹിക്കുക
ശ്രദ്ധയോടെ	സൂക്ഷിച്ച്.		

III. മലയാളത്തിലേക്കു തർജ്ജമ ചെയ്യുക.

वयलार रामवर्मा मलयालम के क्रांतिकारी कवि के रूप से जाना जाता है। उनका जन्म १९२८ में हुआ था और उनकी मृत्यु १९७५ में हुई । उनकी कविता का गान साधारण और विद्वान सभी लोग करते हैं । उनकी सैकडों कविताओं को मलयालम फिल्मों और नाटकों केलिए लिए गए हैं। साम्यवादी आंदोलन ने वयलार को प्रभावित किया और उन्होंने बहुत ही क्रांतिकारी कविताएँ लिखी। पार्टी के कार्यकर्ता इन गीतों को गाया करते थे । वयलार हमेशा विश्वास करते थे कि सभी लोगों के लिए सब कुछ सुन्दर और सुखद होगा। स्वयं वयलार के अनुसार वळ्ळत्तोल, जी शंकरकुरुप और चंगमपुषा वयलार पर बहुत प्रभाव डाला है और उसे काफी प्रोत्साहन दिया है । चंगमपुषा से शब्दों की सुन्दरता संगीतात्मकता उन्हें मिली ।

वयलार की कविताएँ काम करने वाली जनता के लिए नये युग का आह्वान करती हुई केरल में सब कहीं फैल गई। उनके गीत हजारों काम करनेवालों के ओठों पर और हृदय में बस गये हैं। मलयालम के बाद के फिल्म गीतकारों केलिए वयलार नमूना है ।

IV. സമൂഹത്തിലെ അനീതികളോടു പോരാടിയ ഏതെങ്കിലും ഒരു ഹിന്ദി കവിയെ പ്പറ്റി ഒരു ഖണ്ഡിക എഴുതുക.

കുറിപ്പുകൾ

1. इस पाठ में संयुक्त वाक्यों का परिचय दिया गया है ।

ഉദാ :

ദാമോദരൻ അപ്പോൾ കാറോടിക്കുകയും കവിത വായിക്കുകയും ചെയ്യും. അല്ലേ?

दामोदरन तुम कार चलाते भी हो और कविता भी पढ़ते हो । क्या नहीं ?

കവിത വായിക്കാതിരിക്കുകയും മൂളിപ്പാട്ടു പാടാതിരിക്കുകയും ചെയ്യുക എന്നു പറഞ്ഞാൽ അതിനെക്കാളും സങ്കടകരമായ ഒരു കാര്യം ഇല്ല.

कविता पढते बिना रहना और गाते गाने बिना रहना माने उस से ज्यादा दुःखदायक बात मेरे लिए नहीं है ।

2. संयुक्त वाक्य समुच्चय बोधक प्रत्यय ഉം को क्रियार्थक संज्ञा रूप -ഉക में जोड़कर और ചെയ്യുക 'करना ' क्रिया के समापिका रूपों को जोड़कर बनाया जाता है ।

ഉദാ :

i. ആളുകൾ വരുകയും പോകുകയും ചെയ്യുന്നു. लोग आते और जाते हैं ।
ii. ആളുകൾ വരുകയും പോകുകയും ചെയ്തു. लोग आये और गये ।
iii. ആളുകൾ വരുകയും പോകുകയും ചെയ്യും. लोग आयेंगे और जायेंगे ।
iv. ആളുകൾ വരുകയും പോകുകയും ചെയ്യുന്നില്ല. लोग आते नहीं और जाते नहीं ।
v. ആളുകൾ വരുകയും പോകുകയും ചെയ്തില്ല. लोग आये और गये नहीं ।
vi. ആളുകൾ വരുകയും പോകുകയും ചെയ്യില്ല. लोग आयेंगे नहीं और जायेंगे नहीं।

3. അമ്മാവൻ അവധിയിൽ വന്നപ്പോൾ എന്നെ കാറോടിക്കാൻ പഠിപ്പിക്കുക ഉണ്ടായി.

जब चाचा छुट्टी पर आये तब मुझे कार चलाना सिखाया ।

इस वाक्य में -ഉക वाले क्रियार्थक संज्ञा और ഉണ്ടാകുക क्रिया का भूतकालिक रूप जोड़कर सामान्य भूत का बोध होता है ।

4. पाठ एक से आप ने देखा कि मलयालम में എന്നു शब्द जोड़कर वाक्यों को मिला सकते हैं। नीचे दिये गए सभी प्रकार के वाक्यों में എന്നു का प्रयोग हिन्दी 'के' के समान है ।

i. ഇദ്ദേഹം മലയാളി ആണ് എന്ന് നിനക്കറിയാമോ ?
क्या तुम जानते हो कि ये मलयाळी हैं ।

ii. എനിക്ക് പുതിയ ജോലി തരാം എന്ന് അദ്ദേഹം' പറഞ്ഞു.
उन्हों ने कहा कि वे मुझे नया काम देगे ।

iii. പഠിക്കുന്ന കുട്ടി ജയിക്കും എന്നാണു സാധാരണ ആളുകൾ വിശ്വസിക്കുന്നത്.
साधारणतः लोग विश्वास करते हैं कि पढनेवाले बच्चे पास होंगे ।

iv. പുതിയ സിനിമ കൊള്ളാം എന്നാണ് ഞാൻ പേപ്പറിൽ നിന്നു മനസ്സിലാക്കിയത്.
मैं ने पत्रिका से जान लिया कि नया सिनिमा अच्छा है ।

v. എല്ലാവരും സന്തോഷകരവും, സുഖപ്രദായകവും ആയ ജീവിതം നയിക്കട്ടെ എന്നദ്ദേഹം ആശിർവ്വദിച്ചു. उन्होंने आशीर्वाद दी कि सब लोग संतोष और सुख से जीवन बिताएँ ।

ध्यान दें कि मलयालम में मुख्य क्रिया का प्रयोग अंत में है और हिन्दी में मुख्य क्रियावाला वाक्य पहले होता है ।

പാഠം
पाठ 23

ആരതീഗുപ്ത കലാമണ്ഡലത്തിൽ

आरती गुप्ता कलामण्डलम में

പ്രകാശ്	: മോഹിനിയാട്ടം പഠിക്കാൻ വന്നിട്ട് ആരതിക്കിപ്പോൾ തുള്ളലിനോ ടായോ പ്രിയം ?	'मोहिनियाट्टम'पढ़ने केलिए आकर आरती, आप की रुचि क्या अब 'ओट्टनतुळ्ळल' से हो गयी है ?
ആരതീഗുപ്ത	: അങ്ങനെയൊന്നുമില്ല. എനിക്കേറെ യിഷ്ടം മോഹിനിയാട്ടം തന്നെ. പക്ഷേ തുള്ളലിനോടും ഒരുപ്രത്യേക മമത തോന്നുന്നു. ഒരു രസികൻ കല തന്നെ. എനിക്കത് വല്ലാതങ്ങ് ഇഷ്ടപ്പെട്ടു.	ऐसा कुछ नहीं। मेरा सबसे अधिक लगन ओट्टनतुळ्ळल से ही है । लेकिन तुळ्ळल सेमेरा भी एक विशेष रुचि है । एक आनन्ददायक कला ही है। मुझे वह बहुत अच्छी लगी।
പ്രകാശ്	: 'കല്യാണസൗഗന്ധികം' മാത്രമല്ലേ കണ്ടുള്ളൂ? അതിനുള്ളിൽ തുള്ള ലിനെപ്പറ്റി അഭിപ്രായവും പറഞ്ഞു തുടങ്ങിയോ ?	केवल 'कल्याणसौगन्धिकम्' ही देखा न? उतने में तुळ्ळल के बारे में राय प्रकट करने लगे ?
ആരതീഗുപ്ത	: അതെന്താ എനിക്കു പറഞ്ഞു കൂടേ? നല്ല കലാരൂപങ്ങളെ തിരിച്ചറിയാൻ ഹൃദയമുള്ള ഒരാൾക്ക് അത്ര സമയ മൊന്നും വേണ്ടല്ലോ?	क्या मैं यह नहीं कह सकती?अच्छी कलाओं को पहचानने में सहृदय को अधिक समय नही चाहिए । है न?
പ്രകാശ്	: പ്രത്യേകിച്ച് ആരതിയെപ്പോലൊരു കലാകാരിക്ക്, അല്ലേ?	विशेषकर आरती जैसे एक कलाकार केलिए है न ?
ആരതീഗുപ്ത	: ഒരു കലാകാരിയെന്നു വിളിക്ക പ്പെടാൻ മാത്രമൊന്നുമുള്ള യോഗ്യത എനിക്കില്ല.	एक कलाकार के नाम से पुकारे जाने की योग्यता मुझ में नहीं है ।

പ്രകാശ്	: അതു വെറുതെ. എണ്ണപ്പെട്ട ഒരു കഥക് കലാകാരിയായി ആരതി എന്നേ ശ്രദ്ധിക്കപ്പെട്ടു കഴിഞ്ഞിരിക്കുന്നു.	ऐसा तो नहीं। एक गिने-चुने कथक कलाकार के रूप में आरती कब से विख्यात हो चुकी है ।
ആരതീഗുപ്ത	: ഇങ്ങനെ പുകഴ്ത്തപ്പെടുന്നതു കേൾക്കുമ്പോൾ എനിക്കു വല്ലാത്ത സങ്കോചം തോന്നുന്നു.	ऐसी प्रशंसा किए जाने पर मुझे बडी लज्जा आती है ।
പ്രകാശ്	: ആത് ആരതിയുടെ വിനയം കൊണ്ടാണ്.	वह तो आरती की विनम्रता के कारण ।
ആരതീഗുപ്ത	: അല്ല. ഒരിക്കലുമല്ല.	नहीं, कभी भी नहीं ।
പ്രകാശ്	: തർക്കത്തിനു ഞാനില്ല. നാം പറഞ്ഞു തുടങ്ങിയത് തുള്ളലിനെ കുറിച്ചാണ്.	मैं तर्क वितर्क नहीं करता। हम तुळ्ळलं के बारे में ही शुरू किए थे ।
ആരതീഗുപ്ത	: ശരിയാണ്. തുള്ളൽ ഒരു നാടോടിക്കലാരൂപമാണല്ലേ?	ठीक है। तुळ्ळल एक लोक कला का रूप है न ?
പ്രകാശ്	: അല്ലല്ല. ഒരു നാടോടി കലാരൂപമായിട്ടല്ല തുള്ളൽ പരിഗണിക്കപ്പെടുന്നത്.	नहीं नहीं। तुळ्ळल एक लोक कला के रूप में गिनती नहीं की जा रही है ।
ആരതിഗുപ്ത	: പക്ഷേ നാടോടി അംശങ്ങളും ഇതിൽ കാണപ്പെടുന്നുണ്ടല്ലോ.	लेकिन लोककला के अंश भी इस में दिखाई देते हैं ।
പ്രകാശ്	: തീർച്ചയായും.എല്ലാക്ഷേത്രകലകളിലും നാടോടി അംശങ്ങൾ കാണാം. അതുകൊണ്ടു മാത്രം അത് നാടോടിക്കലയായി ഗണിക്കപ്പെടുകയില്ലല്ലോ. കഥകളിയിൽ നിന്നും നാടോടിക്കലകളിൽനിന്നുമൊക്കെ ധാരാളം അംശങ്ങൾ തുള്ളലിൽ സ്വീകരിക്കപ്പെട്ടിട്ടുണ്ട്.	निश्चय ही। सभी मन्दिर कलाओं में लोककला की झलक दिखाई देगी। सिर्फ उस कारण से वह लोककला के रूप में गिनती नहीं की जाती । "कथकली " और लोक कथाओं से भी कुछ अंश इसमें शामिल किए गए हैं ।
ആരതീഗുപ്ത	: ഒരു ജനകീയ കലാരൂപമെന്ന നിലയിലല്ലേ തുള്ളൽ പ്രചരിക്കപ്പെട്ടത്?	एक जन साधारण कला के रूप में ही इसका प्रचार किया गया है न ?
പ്രകാശ്	: അതെ. ആ അർഥത്തിൽ തുള്ളൽ ഒരു നാടോടിക്കലാരൂപം തന്നെ. സമൂഹത്തിന്റെ പൊള്ളത്തരങ്ങൾക്കു	हाँ। उस अर्थ में तुळ्ळल एक लोककला का रूप हैं ।तुळ्ळल, समाज के खोखलापन पर व्यंग

	നേരെയുള്ള ഒരു പരിഹാസച്ചിരി– അതായിരുന്നു തുള്ളൽ. അങ്ങനെ ഇതൊരു ജനകീയ കലാരൂപമായി പരിഗണിക്കപ്പെടാം. പക്ഷേ അതിനും അതിന്റേതായ ചട്ടവട്ടങ്ങൾ ഉണ്ട്.	की एक हँसी था । उस प्रकार यह एक लोक कला के रूप में गिना जा सकता। लेकिन उसे भी अपना नियमावली है ।
ആരതീഗുപ്ത :	എന്നാലും കഥകളിയോളം സാങ്കേതിക ബദ്ധമല്ല തുള്ളലെന്നാണ് എനിക്ക് തോന്നുന്നത്.	तो भी मुझे लगता है कि कथकळी जैसी जटिलता तुळ्ळल में नहीं है।
പ്രകാശ് :	ശരിയാണ്. സാധാരണ ജനങ്ങളെ ഉന്നം വച്ചുകൊണ്ടുള്ള ഒരു കലാരൂപത്തിനും അത്ര സാങ്കേതിക ബദ്ധമാവുക സാധ്യമല്ലല്ലോ.	ठीक है । साधारण जनता को लक्ष्य में रखकर चलनेवाली किसी भी कला को उतना जटिल बनना साध्य नहीं हैं ।
ആരതീഗുപ്ത :	തുള്ളലിനും കഥകളിക്കും തമ്മിൽ വലിയ വ്യത്യാസമുണ്ട് അല്ലേ?	तुळ्ळल और कथकली के बीच बडा अन्तर है न ?
പ്രകാശ് :	സംശയമെന്താ? ആനയും ആടും തമ്മിൽ ഉള്ളതിനെക്കാൾ വലിയ വ്യത്യാസം തന്നെയുണ്ട്.	क्या शक् है? हाथी और बकरी में जो अन्तर है उस से ज़्यादा है ।
ആരതിഗുപ്ത :	ഇവിടെ വരുന്നതിനു മുമ്പേതന്നെ ഞാൻ കഥകളിയെപ്പറ്റിയും കൂത്തിനെപ്പറ്റിയും ധാരാളം കേൾക്കുകയും വായിക്കുകയും ചെയ്തിരുന്നു. തുള്ളൽ എനിക്കു തികച്ചും പുതിയതാണ്. ഇവിടെ കലാമണ്ഡലത്തിൽ വന്നതിനുശേഷമാണ് ആദ്യമായി തുള്ളൽ കാണുന്നതു തന്നെ.	यहाँ आने के पहले से ही मैं ने "कथकली और कूत्तु" के बारे में बहुत अधिक सुना और पढा था। तुळ्ळल मेरेलिए बिलकुल नया है। यहाँ, कलामण्डलम में आने के बाद ही पहली बार देख रही हूँ ।
പ്രകാശ് :	കഥകളി ആസ്വദിക്കുവാൻ നല്ല പാണ്ഡിത്യം വേണം. സാഹിത്യം, അഭിനയം, വേഷാലങ്കാരം തുടങ്ങിയ എല്ലാത്തിലും നല്ല ആഴമുള്ള അറിവ് ഉണ്ടായിരിക്കണം. മുദ്രകൾ മനസ്സിലാക്കാതെ ഒരാൾക്ക് കഥകളി	कथकली का आनन्द लेने केलिए बहुत पाण्डित्य चाहिए । साहित्य, अभिनय, वेषालंकार आदि में गहरी जानकारी चाहिए। मुद्राओं को समझे बिना कोई भी कथकली का आनन्द नहीं ले सकता । नट

	ആസ്വദിക്കാനേ പറ്റില്ല. നടീനടന്മാർ ആംഗ്യഭാഷയിലല്ലാതെ സംസാരിക്കയില്ല.	और नटी संकेतों की भाषा के अलावा कुछ नहीं बोलते ।
ആരതീഗുപ്ത :	പക്ഷേ തുള്ളലിൽ തുള്ളൽക്കാരൻ തന്നെ ആടുകയും പാടുകയും ചെയ്യും. അല്ലേ ?	लेकिन तुळ्ळल में तुळ्ळलवाले खुद ही नाचते- गाते हैं न ?
പ്രകാശ് :	അതെ. അതിനു പുറമെ തുള്ളൽക്കവിതകളുടെ ഭാഷയും രീതിയും ഒക്കെ വളരെലളിതമാണ്. അതുകൊണ്ടുതന്നെയാണ് തുള്ളൽ എല്ലാവരാലും ആസ്വദിക്കപ്പെടുന്നത്.	हाँ। इसके अतिरिक्त तुळ्ळल गीतों की भाषा और रीति सबकुछ बहुत आसान है। उसी कारण तुळ्ळल का आनन्द सभी लोगों द्वारा किया जाता है ।
ആരതീഗുപ്ത :	ഭരതനാട്യത്തോടും കഥകളിയോടും ഒക്കെ എനിക്ക് ഭക്തികലർന്ന ഒരാരാധനാഭാവം ഉണ്ട്.പക്ഷേ മോഹിനിയാട്ടവും തുള്ളലും എന്റെ മനം കവർന്നെടുത്ത കലകളാണ്.	"भरतनाट्यम्" और "कथकली" से मुझे एक भक्ति मिश्रित आराधना भाव है। लेकिन मोहिनियाट्टम् और तुळ्ळल मेरे मन चुरानेवाली कलाएँ हैं ।
പ്രകാശ് :	അപ്പോൾ ആരതി കലാമണ്ഡലത്തിലെ പഠനം പൂർത്തിയാക്കിയിട്ട് ഉത്തർപ്രദേശിൽ തിരിച്ചു പോയാൽ ഈ രണ്ടു കലകളും അവിടെ പ്രചരിക്കപ്പെടും . അല്ലേ?	तो कलामण्डलम की पढाई करके उत्तरप्रदेश वापस जाने पर आपके द्वारा दोनों कलाओं का प्रचलन वहाँ किया जाएगा है न ?
ആരതീഗുപ്ത :	സംശയമില്ല. മോഹിനിയാട്ടം പഠനം പൂർത്തിയാക്കിയാലുടനെ ഞാൻ തുള്ളലും പഠിക്കും. തിരിച്ചുപോയാൽ പ്രകാശ് പറഞ്ഞതുപോലെ രണ്ടുകലകളും പ്രചരിപ്പിക്കാൻ ശ്രമിക്കുകയും ചെയ്യും.	बेशक। "मोहिनियाट्टम" की पढाई पूरा करते ही मैं तुळ्ळल भी पढूँगी।तुन्हारे कहने के अनुसार मैं दोनो कलाओं के प्रचलन केलिए प्रयत्न करूँगी ।
പ്രകാശ് :	തുള്ളൽ പഠിക്കുന്നതോടൊപ്പം തുള്ളൽപ്പാട്ടുകളും പഠിക്കണം. തുള്ളൽക്കവിതകളുടെ കർത്താവായ കുഞ്ചൻനമ്പ്യാരെപ്പോലൊരു കവി മലയാളത്തിൽ ഒന്നേയുള്ളൂ.	तुळ्ळल की पढाई के साथ तुळ्ळल गीत भी सीखना चाहिए। तुळ्ळल कविताओं के रचयिता कुञ्चन-नंब् यार अपने प्रकार के मलयालम के अकेले कवी हैं ।

ആരതീഗുപ്ത	: ഓഹോ അങ്ങനെയോ?	अरे, ऐसा है ?
പ്രകാശ്	: അതേ. സാധാരണ ജനങ്ങളാൽ	हाँ। नंब् यार सामान्य जनता के
	ആരാധിക്കപ്പെടുന്ന കവിയാണ്	आराध्य कवी हैं। जन कवी के
	നമ്പ്യാർ. ജനകീയ കവിയായി	नाम से ही वे जाने जाते हैं और
	ട്ടാണ് അദ്ദേഹം അറിയപ്പെടുന്നതും	पुकारे जाते हैं । नंब् यार के गीतों
	വിളിക്കപ്പെടുന്നതും. നമ്പ്യാർ	का हास्यभाव सभी को हंसाते हैं
	കവിതകളിലെ നർമഭാവം	और विचारों को जगाते हैं ।
	ആരെയും ചിരിപ്പിക്കുകയും ചിന്തി	
	പ്പിക്കുകയും ചെയ്യും.	
ആരതീഗുപ്ത	: പ്രകാശിന്റെ മാധുര്യമുള്ള ശബ്ദ	प्रकाश, अपनी मधुर ध्वनि में एक
	ത്തിൽ ഒന്നുരണ്ടു തുള്ളൽപ്പാട്ടു	दो तुळ्ळल के गीत सुनाइए। मैं
	കൾ പാടൂ. ഞാനൊന്നു കേൾക്കട്ടെ.	कुछ सुनूँ ।
പ്രകാശ്	: ആരതിക്കു വേണ്ടി ഞാൻ	आप के लिए मैं गाने की कोशिश
	പാടാൻ ശ്രമിക്കാം. കേട്ടോളൂ.	करूँगा। सुन लीजिए।
	"മുതുവിപ്രൻമാർ പണമെന്നോർത്താൽ	बूढे ब्राह्मण जब पैसे की बात
	പുതു വിപ്രൻതാനെന്നൊരു ഭാവം	सुनता है तब जवान बन जाता
	കാശിക്കപ്പുറമെങ്കിലുമിന്നൊരു	है। अगर वारणासी जैसी दूर
	കാശിനു വകയുണ്ടെന്നാൽ മണ്ടും.	जगह पर भी पैसे मिलने की
	എഴുപത്തെട്ടു വയസ്സു തികഞ്ഞൊരു	संभावना के बारे में सुनता है तो
	കിഴവ ബ്രാഹ്മണനിത പോകുന്നു.	दौड जाता है। अरे देखों ७८
	കൊടുവെയിൽ തട്ടി ചുട്ടകഷണ്ടിയി	उम्रवाला एक बूढा जिन की गंजे
	ലൊരു പിടിനെല്ലാൽ മലരുപൊരിക്കാം."	सिर पर एक मुष्ठि धान डाले
		तो वह लावा बन जाता है,
		उतनी धूप में भी वह जाता है ।
	ഇനി വേറൊന്ന്.	अब और एक
	"നായർ വിശന്നുവലഞ്ഞുവരുമ്പോൾ	जब नायर भूखे घर आता है तब
	കായക്കഞ്ഞിക്കരിയിട്ടില്ല.	जान लेता है कि ' कंजि' बनाने
	ആയതുകേട്ടു കലമ്പിച്ചെന്നവ-	केलिए अभी भी चावल नहीं रखा
	നായുധമുടനെ കാട്ടിലെറിഞ്ഞു.	है। बात सुन कर अपना आयुध
	ഉരുളികൾ കിണ്ടികളൊക്കെയുടച്ചു	दूर कानन में फेंक देता है ।
	ഉരലു വലിച്ചു കിണറ്റിൽ മറിച്ചു	रसोई के छोटे मोटे काँच बर्तन
	ചിരവയെടുത്തഥ തീയിലെരിച്ചു.	तोड देता है । कुछ चीज़ों को

അരകല്ലങ്ങു കുളത്തിലെറിഞ്ഞു അതുകൊണ്ടരിശം തീരാഞ്ഞവനാ- പ്പുരയുടെ ചുറ്റും മണ്ടി നടന്നു."	कुऐं में फेंकता है और कुछ आग में । चक्की लेकर तालाब में फेंकता है। फिर भी गुस्सा नहीं उतरता । इसलिए घरके चारों ओर धूमता रहा ।
ആരതീഗുപ്ത : വളരെ നന്നായിട്ടുണ്ട്. നന്ദി, പ്രകാശ്.	बहुत अच्छा । धन्यवाद, प्रकाश ।

പദങ്ങളുടെ അർഥം

മമത	प्यार, ममता	രസികൻ	बहुत अच्छा
വല്ലാതങ്ങ്	बहुत ही	ഇഷ്ടപ്പെടുക	चाहना
അഭിപ്രായം	राय	കലാരൂപം	कलारूप
യോഗ്യത	योग्यता	എണ്ണപ്പെട്ട	गणनीय
ശ്രദ്ധിക്കപ്പെടുക	गिनती में आना, ध्यान में आना	വിനയം	विनय
തർക്കം	तर्क वितर्क	നാടോടിക്കല	लोक कला
പരിഗണിക്കപ്പെടുക	गिनती में आना	അംശം	अंश
ഗണിക്കപ്പെടുക	गिना जाना	പ്രചരിക്കപ്പെടുക	प्रचार होना
പൊള്ളത്തരം	खोखलापन	പരിഹാസച്ചിരി	व्यंगा, हँसी
സാങ്കേതിക ബന്ധം	नियमों से बद्ध	ഉന്നം വയ്ക്കുക	लक्ष्य बनाना
ആന	हाथी	ആട്	बकरा
ആഴമുള്ള	अगाध, गहरा	വേഷാലങ്കാരം	पोशाक और अलंकार
ആംഗ്യഭാഷ	शब्दों के बिना शरिरिक अंगों से बातचीत करना		
ഭക്തി കലർന്ന	भक्ति मिश्रित	മനം കവരുക	मन हराना/ चुराना
പഠനം	पढाई	പൂർത്തിയാക്കുക	पूत्ति करना
ജനകീയ കവി	लोगों का कवि, जन कवि	നർമ ഭാവം	नर्म भाव
മുതു	बूढा	വിപ്രൻ	ब्राह्मण
പണം	पैसा, धन	താൻ	वही, अपने आप ही
കാശ്	पैसा	വക	संभावना
മങ്ങുക	यागना	എഴുപത്തെട്ട്	अठहत्तर्

വയസ്സ്	उम्र	തികയുക	पूरा होना
കൊടും വെയിൽ	कडी धूप	തട്ടുക	ठकराना
ചുടുക	गरम होना	കഷണ്ടി	गंजा
ഒരു പിടി	एक मुष्ठि	മലര്	फूल
പൊരിക്കുക	भूनना	വിശക്കുക	भूख लगना
വലയുക	कष्ट का अनुभव करना	കഞ്ഞി	भात तथा पानी,
അരി	चावल	കലമ്പുക	गुस्सा करना
ആയുധം	आयुध, हथियार	ഉരുളി	काँच का एक बर्तन
കിണ്ടി	काँच का एक बर्तन जिस में पानी रखा जाता हैं । पूजा केलिए या हाथ मूँह धोने केलिए ।		
ചിരവ	कट्टुकश (नारियल कसने केलिए)		
എരിക്കുക	जलाना	അരകല്ല്	पीसने का पन्थर
അരിശം	गुस्सा	പുര	घर
ഉരൽ	ओखली	മറിക്കുക	पलटना

അഭ്യാസം

I. വാക്യങ്ങൾ ആവർത്തിച്ചു പരിശീലിക്കുക.

1. ഒരു കലാകാരിയെന്ന് വിളിക്കപ്പെടാൻ ഉള്ള യോഗ്യത എനിക്കില്ല.
2. നല്ല ഒരു നർത്തകിയായി നീ എന്നേ ശ്രദ്ധിക്കപ്പെട്ടു കഴിഞ്ഞിരിക്കുന്നു..
3. എല്ലാവരാലും ഇങ്ങനെ പ്രശംസിക്കപ്പെടുമ്പോൾ എനിക്ക് വല്ലാത്ത സങ്കോചം തോന്നുന്നു.
4. കഥകളി ഒരു നാടോടിക്കലാരൂപം ആയിട്ടല്ല പരിഗണിക്കപ്പെടേണ്ടത്.
5. എല്ലാകലകളിലും നാടോടി ആശയങ്ങൾ കാണപ്പെട്ടു വരുന്നു.
6. ഒരു ജനകീയ കലാരൂപമായാണ് തുള്ളൽ പ്രചരിക്കപ്പെട്ടത്.
7. സാധാരണക്കാരാൽ കഥകളിയെക്കാൾ ആസ്വദിക്കപ്പെടുന്നത് തുള്ളലാണ്.
8. കഥകളിയാണ് കേരളത്തിന്റെ കലയായി, ഭാരതത്തിന്റെ മറ്റുഭാഗങ്ങളിലും വിദേശത്തും അറിയപ്പെടുന്നത്.
9. കുറച്ചുനാളുകൾക്കകം ആരതിയും ഒരു നല്ല മോഹിനിയാട്ട നർത്തകിയായി അറിയപ്പെടാൻ തുടങ്ങും.
10. കലാകാരന്മാരും, കലാകാരികളും, എന്നെന്നും ജനങ്ങളാൽ സ്നേഹിക്കപ്പെടുകയും, ബഹുമാനിക്കപ്പെടുകയും ചെയ്യുന്നു.

II. മാതൃക അനുസരിച്ച് വാക്യം മാറ്റി എഴുതുക.

ഉദാ :1

ആളുകൾ നല്ല കലാകാരന്മാരെയും, സാഹിത്യ കാരന്മാരെയും പുകഴ്ത്തുന്നു.
നല്ല കലാകാരന്മാരും, സാഹിത്യകാരന്മാരും ആളുകളാൽ പുകഴ്ത്തപ്പെടുന്നു.

1. കേരളീയർ എല്ലാ കൊല്ലവും ഓണം കെങ്കേമമായി ആഘോഷിക്കുന്നു.
2. പല നിരൂപകരും ജി. ശങ്കരക്കുറിപ്പിന്റെ കവിതകളെപ്പറ്റി വിശദമായ പഠനം നടത്തിയിട്ടുണ്ട് .
3. മലയാളികൾ വയലാർ രാമവർമയെ വിപ്ലവഗായകനെന്നും, ചങ്ങമ്പുഴയെ പ്രേമഗായകനെന്നും വിളിക്കുന്നു.
4. പാവങ്ങളെ എല്ലാവരും അവഗണിക്കുന്നു എന്നതാണ് സത്യം.
5. തുഞ്ചത്തുരാമാനുജൻ എഴുത്തച്ഛനെ ആധുനിക മലയാളത്തിന്റെ പിതാവായി അറിയുന്നു.

ഉദാ :2

എഴുത്തച്ഛൻ മലയാള സാഹിത്യത്തിന് വിലയേറിയ സംഭാവനകൾ നൽകിയിട്ടുണ്ട്.
എഴുത്തച്ഛനാൽ മലയാള സാഹിത്യത്തിന് വിലയേറിയ സംഭാവനകൾ നൽകപ്പെട്ടിട്ടുണ്ട്.

1. അനേകമനേകം കവികളും, കഥാകാരന്മാരും ലേഖകരും, മലയാളഭാഷയെ സമ്പന്നമാക്കിയിട്ടുണ്ട്.
2. കവിതാവധുവിനെ കവികൾ പലതരം ആഭരണങ്ങൾ കൊണ്ട് അലങ്കരിച്ചിട്ടുണ്ട്.
3. പത്താം വയസ്സിൽ തന്നെ അവളുടെ കവിതകൾ എല്ലാവരുടെയും ശ്രദ്ധ ആകർഷിച്ചിട്ടുണ്ട്.
4. ഭൗതിക ശാസ്ത്രത്തിൽ സി.വി.രാമന് നോബൽ സമ്മാനം നൽകിയിട്ടുണ്ട്.
5. ടിപ്പുസൽത്താന്റെ നാമം കർണാടക ചരിത്രത്തിൽ സ്വർണലിപികളിൽ എഴുതിയിട്ടുണ്ട്.

ഉദാ : 3

നാം എഴുത്തച്ഛന്റെ നാമം ഭക്തിയോടെ സ്മരിക്കേണ്ടതാണ്.
എഴുത്തച്ഛന്റെ നാമം നമ്മളാൽ ഭക്തിയോടെ സ്മരിക്കപ്പെടേണ്ടതാണ്.

1. നമ്മുടെ കർത്തവ്യം ആരെയും ആശ്രയിക്കാതെ നിറവേറ്റണ്ടതാണ്.
2. നമ്മളെല്ലാം ഗുരുജനങ്ങളുടെ ഔദാര്യം ഭക്തിപൂർവം ഓർക്കേണ്ടതാണ്.
3. മനുഷ്യർ പ്രകൃതിയെ ഭക്ത്യാദരപൂർവം സംരക്ഷിക്കേണ്ടതാണ്.
4. നിങ്ങൾ ആഹാരത്തിനൊപ്പം വ്യായാമത്തിനും പ്രാധാന്യം കൊടുക്കേണ്ടതാണ്.
5. നേതാവിന്റെ വാക്കുകൾ എല്ലാവരും അനുസരിക്കേണ്ടതാണ്.

III. വാക്കുകൾ ക്രമത്തിൽ എടുത്തെഴുതി വാക്യം നിർമിക്കുക.

ഉദാ :

പോരുന്നത് സർവ്വരാലും ആദരണീയൻ നോക്കിയാലും എങ്ങനെ ആയാണ് അദ്ദേഹം പരിഗണിക്കപ്പെട്ടു.

എങ്ങനെ നോക്കിയാലും സർവരാലും ആദരണീയൻ ആയാണ് അദ്ദേഹം പരിഗണിക്കപ്പെട്ടു പോരുന്നത്.

1. ഹരിതാഭയാൽ, കേരളത്തിന്റെ, സഞ്ചാരികൾ, കേരളത്തിലേക്ക്, വീണ്ടും വീണ്ടും, ആകർഷിക്കപ്പെടുന്നു, വരാൻ
2. ശ്രദ്ധിക്കപ്പെടേണ്ട, കേരളീയരാൽ, വ്യക്തിയാണ്, മാതൃകാ, ആസ്വാദകനായും ഉത്തമവഴികാട്ടിയായും, കേസരി ബാലകൃഷ്ണപിള്ള.
3. വന്നത്, എല്ലാവരാലും, അദ്ദേഹം, ക്ഷണിക്കപ്പെട്ടതുകൊണ്ടാണ്, മീറ്റിങ്ങിന്.
4. കേരളം, വിദേശീയർ, അല്ല, കലാരൂപം, മാത്രം, ആയി, അറിയപ്പെടുന്നത്., കഥകളി.
5. ശ്രമത്താൽ, രാജ്യം, സമ്പന്നമാക്കപ്പെടുക, കൃഷിക്കാരുടെ, കഠിനമായ

IV. സംഭാഷണം പൂരിപ്പിക്കുക.

മേനോൻ – സംഗീതം, നൃത്തം, നാടകം, സിനിമ എന്നീ കലാരൂപങ്ങളിൽ ഏതിനോടാണ് മഞ്ജരിക്ക് കൂടുതൽ ഭ്രമം ?

മഞ്ജരി – --

മേനോൻ – അതെന്താ? ഭരതനാട്യവും, മോഹിനിയാട്ടവും പഠിക്കുന്നു എന്ന് പറഞ്ഞ് ഒന്നിനെക്കുറിച്ചും അഭിപ്രായം പറയാൻ പാടില്ലേ ?

മഞ്ജരി – --

മേനോൻ – പേടിക്കുന്നതെന്തിന്? ഞാൻ പത്ര ലേഖകനൊന്നും അല്ല മഞ്ജരിയുടെ അഭിപ്രായങ്ങൾ പ്രസിദ്ധീകരിക്കാൻ. എന്റെ ഭാവി വധുവിന്റെ താൽപ്പര്യങ്ങൾ അറിഞ്ഞിരിക്കുന്നത് നല്ല തല്ലേ എന്നോർത്തു ചോദിച്ചു. അത്രയേ ഉള്ളൂ.

മഞ്ജരി – --

മേനോൻ – ദില്ലിയിൽ വച്ചല്ലേ മോഹിനിയാട്ടവും, ഭരതനാട്യവും പഠിച്ചത്? മഞ്ജരിക്ക് കലാമണ്ഡലം കാണാൻ ആഗ്രഹമുണ്ടെന്നല്ലേ പറഞ്ഞത്? ഏതായാലും നമുക്ക് കല്യാണത്തിന് ശേഷം അവിടെ യൊക്കെ ചുറ്റിവരാം.

മഞ്ജരി – --

മേനോൻ – എനിക്കു വിരോധമൊന്നുമില്ല. പക്ഷേ പാശ്ചാത്യ രീതിയിൽ അല്ലല്ലോ നമ്മുടെ ജീവിതം. മഞ്ജരിക്കും അത് ഇഷ്ടമല്ല എന്നെനിക്കറിയാം .

മഞ്ജരി – --

മേനോൻ – കലകളിൽ തുടങ്ങി ജീവിതത്തിൽ വന്നെത്തിയതിനെക്കുറിച്ച് ആശ്ചര്യപ്പെട്ടന്നോ? ജീവിതം തന്നെയല്ലേ ഏറ്റവും സുന്ദരമായ കലാരൂപം?

വായിച്ചു മനസ്സിലാക്കുക

കലാമണ്ഡലം

കേരളത്തനിമയുള്ള ദൃശ്യകലാ രൂപങ്ങൾ അഭ്യസിപ്പിക്കുവാനും, അവതരിപ്പിക്കുവാനും അവ ലോകത്തുടനീളം പ്രചരിപ്പിക്കുവാനും വേണ്ടി സ്ഥാപിക്കപെട്ടതാണ് വിശ്വപ്രസിദ്ധമായ കേരള കലാമണ്ഡലം. വിദേശങ്ങളിൽ പോലും അറിയപ്പെടുന്ന കലാരൂപമായ കഥകളിയിലും, മോഹിനിയാട്ടം, തുള്ളൽ, കൂടിയാട്ടം,പഞ്ചവാദ്യം തുടങ്ങിയ പല കലകളിലും ഇവിടെ പരിശീലനം നൽകപ്പെട്ടുവരുന്നു. തൃശ്ശൂർ ജില്ലയുടെ വടക്കേ അറ്റത്ത് ഭാരതപ്പുഴയുടെ തീരത്തെ ചെറുതുരുത്തിയിലാണ് കലാമണ്ഡലം സ്ഥാപിക്കപ്പെട്ടിരിക്കുന്നത്. പത്തൊൻപതാം നൂറ്റാണ്ടിന്റെ അവസാനം വരെ നാടുവാഴികളുടെയും പ്രഭുക്കന്മാരുടെയും പരിലാളനയിൽ വളർന്നുവരികയും, പിന്നീട് അപചയപ്പെട്ടു പോകുകയും ചെയ്ത കഥകളി പോലുള്ള കലാരൂപങ്ങൾക്ക് നവജീവൻ പകർന്നു കൊടുക്കാനും, അവയൊന്നും കാലാന്തരത്തിൽ നഷ്ടപ്പെട്ടുപോകാതിരിക്കാനും വേണ്ടി സൃഷ്ടിക്കപ്പെട്ട ഈ സ്ഥാപനം ഒട്ടേറെ പേരുടെ ആത്മാർഥ ശ്രമത്തിന്റെ ഫലമായിരുന്നു. സംഗീതം, സാഹിത്യം, ചിത്രമെഴുത്ത് എന്നീ കലകളിൽ പരിശീലനം നൽകുക, കേരളത്തിന്റെ തനതുകലകളെ സംരക്ഷിക്കുകയും പരിപോഷിപ്പിക്കുകയും ചെയ്യുക, നാട്യകലകൾക്കുള്ള വിദ്യാലയങ്ങൾ ഏർപ്പെടുത്തി ശാസ്ത്രീയമായ അഭ്യസനം നടത്തുക തുടങ്ങിയവയാണ് കലാമണ്ഡലത്തിന്റെ ചുമതലകൾ നാട്യകലകളിൽ ഏറെ ശ്രദ്ധിക്കപ്പെടേണ്ട കഥകളിക്ക് തന്നെയാണ് കലാമണ്ഡലത്തിൽ മുൻതൂക്കം നൽകപ്പെട്ടു പോരുന്നത്. അധഃപതിച്ച് ലുപ്ത പ്രചാരമായി കിടന്നിരുന്ന മോഹിനിയാട്ടം കലാമണ്ഡലത്തിൽ ഗണ്യമായ രീതിയിൽ തന്നെ പ്രോത്സാഹിപ്പിക്കപ്പെട്ടു വരുന്നുണ്ട്. ദേവപ്രീതിക്കായി നടത്തപ്പെട്ടിരുന്ന ദാസിയാട്ടം എന്ന പ്രാചീന ക്ഷേത്രകലയിൽ നിന്നാണ് മോഹിനിയാട്ടം രൂപപ്പെട്ടുവന്നിരിക്കുന്നത്. വളരെ അടുത്തകാലംവരെ അവഗണിക്കപ്പെട്ടു കിടന്നിരുന്ന ഈ കലാരൂപത്തെ പുനരുദ്ധരിച്ച് ഇന്നത്തെ അന്തസ്സുറ്റ നിലയിലേക്ക് കൊണ്ടുവരാൻ കലാമണ്ഡലത്തിനു കഴിഞ്ഞു എന്നത് ശ്രദ്ധിക്കപ്പെടേണ്ട വസ്തുതയാണ്. ക്ഷേത്രങ്ങളിലും കൊട്ടാരങ്ങളിലും ധനിക ഗൃഹങ്ങളിലും മാത്രം അവതരിപ്പിക്കപ്പെട്ടു പോന്ന കഥകളിയെ പൊതുവേദിയിലേക്ക് കൊണ്ടുവന്നത് കേരളകലാമണ്ഡലം തന്നെയാണ്. കഥകളിയിൽ ശ്രദ്ധേയമായ പല പരിഷ്കാരങ്ങളും, കലാമണ്ഡലം വരുത്തിയിട്ടുണ്ട്. കഥകളിയുടെ ഇന്നത്തെ അഭിവൃദ്ധിക്കും, കീർത്തിക്കും കഥകളി കലാമണ്ഡലത്തോട് അത്രമേൽ കടപ്പെട്ടിരിക്കുന്നു. ഒട്ടേറെ മികച്ച നടന്മാരെയും, കലാകാരന്മാരെയും വാർത്തെടുക്കാൻ കലാമണ്ഡലത്തിനു കഴിഞ്ഞിട്ടുണ്ട് എന്നതു സ്മരിക്കപ്പെടേണ്ടതാണ്. ഈകൂട്ടത്തിൽ കലാമണ്ഡലം കൃഷ്ണൻനായർ, രാമൻകുട്ടിനായർ, ഗുരു ഗോപിനാഥ് തുടങ്ങിയ നാമങ്ങൾ പ്രത്യേകം പരാമർശിക്കപ്പെടേണ്ടവയാണ്.

മലയാളികൾക്കെല്ലാം അഭിമാനക്കത്തക്ക വിധത്തിലുള്ള കലാമണ്ഡലത്തിന്റെയും, കഥകളിയുടെയും യശ്ശസിന് മലയാളികൾ മഹാകവി വള്ളത്തോളിനോട് കടപ്പെട്ടിരിക്കുന്നു. മഹാകവി വള്ളത്തോളാണ് കലാമണ്ഡലത്തിന്റെ സ്ഥാപകരിൽ പ്രഥമഗണനീയൻ. കേരളീയ തനതു കലകളുടെ സമുദ്ധാരകൻ എന്ന നിലയിൽ വള്ളത്തോളിന്റെ നാമം എക്കാലവും സ്മരിക്കപ്പെടും.

പദങ്ങളുടെ അർഥം

തനിമ	अपनापन	ദൃശ്യകല	दृश्यकला
അഭ്യസിപ്പിക്കുക	प्रशिक्षण देना	പ്രചരിപ്പിക്കുക	प्रचार करना
സ്ഥാപിക്കപ്പെടുക	स्थापना करना	വിശ്വപ്രസിദ്ധം	विश्व प्रसिद्ध
വിദേശം	विदेश	പരിശീലനം	प्रशिक्षण
അറ്റത്ത്	ओर	സ്ഥാപിക്കുക	स्थापना करना
പത്തൊൻപത്	उन्नीस	നാടുവാഴി	छोटे देश का राजा
പ്രഭു	प्रभु	പരിലാളന	लाडप्यार
അപചയപ്പെടുക	नष्ट होना	നവജീവൻ	नया जीवन
പകർന്നു കൊടുക്കുക	लेकर देना	കാലാന്തരത്തിൽ	कालांतर में
ഒട്ടേറെ	बहुत	തനതു കല	अपनी कला
പരിപോഷിപ്പിക്കുക	पोषण करना	സംരക്ഷിക്കുക	संरक्षण देना
ഏർപ്പെടുത്തുക	प्रबंध करना	മുൻതൂക്കം	सब से ज्यादा प्राधान्य
അധഃപതിക്കുക	नाश होना	ലുപ്തപ്രചാരം	जो प्रचार में नहीं हैं
അവഗണിക്കപ്പെടുക	गिनतीं में नही होने वाला	രൂപപ്പെടുക	रूप लेना
പുനരുദ്ധരിക്കുക	पुनरुद्धान करना	അന്തസ്സുറ്റ	अभिमान के साथ
പൊതുവേദി	सम्मुख जन	കടപ്പെടുക	कर्ज में पडना
മികച്ച	बहुत अच्छा	വാർത്തെടുക്കുക	रूप देना
സ്മരിക്കപ്പെടുക	स्मरण करना	പരാമർശിക്കപ്പെടുക	बोले जाना
യശസ്സ്	यश	പ്രഥമഗണനീയൻ	प्रथमगणनीय

അഭ്യാസം

I. ഉത്തരം നൽകുക

1. കേരള കലാമണ്ഡലം സ്ഥാപിക്കപ്പെട്ടിരിക്കുന്നത് എന്തിനാണ് ?
2. കലാമണ്ഡലം എവിടെയാണ് സ്ഥിതിചെയ്യുന്നത് ?
3. കലാമണ്ഡലം സ്ഥാപിക്കപ്പെട്ടതിന്റെ ലക്ഷ്യങ്ങൾ എന്തൊക്കെയായിരുന്നു?
4. കലാമണ്ഡലത്തിൽ ഏറ്റവും പ്രാധാന്യം നല്കപ്പെട്ടുവരുന്നത് ഏത് കലാരൂപത്തിനാണ് ?
5. മോഹിനിയാട്ടത്തിന്റെ ഉത്ഭവം ഏതിൽ നിന്നാണ് ?
6. പ്രഥമഗണനീയമായി ശ്രദ്ധിക്കപ്പെടേണ്ട വസ്തുത എന്നു ലേഖകൻ പറയുന്നത് എന്തിനെപ്പറ്റിയാണ് ?
7. പണ്ട് കഥകളി എവിടെയൊക്കെയാണ് നടത്തിയിരുന്നത് ?
8. കഥകളി, കലാമണ്ഡലത്തോട് കടപ്പെട്ടിരിക്കേണ്ടത് എന്തിനാണ് ?
9. മഹാകവി വള്ളത്തോളിനോട് കേരളീയ കലാ പ്രേമികൾ കടപ്പെട്ടിരിക്കേണ്ടത് എന്തുകൊണ്ടാണ് ?
10. ഏതു നിലയിലാണ് വള്ളത്തോളിന്റെ നാമം സ്മരിക്കപ്പെടുന്നത് ?

II. നിങ്ങൾ ഈ പാഠത്തിൽ പുതിയതായി പഠിച്ച പത്തുവാക്കുകൾ തിരഞ്ഞെടുത്ത് സ്വന്തം വാക്യങ്ങളിൽ പ്രയോഗിക്കുക.

III. മലയാളത്തിലേക്കു തർജ്ജുമ ചെയ്യുക.

महीने भर चलनेवाले नृत्य प्रतियोगिता और उत्सव का समापन समारोह आज शाम को त्रिशूर कलामंडलम् में संपन्न हुआ। समारोह की अध्यक्षता केरल के माननीय मुख्यमंत्री ने की । तमिलनाडु के माननीय मुख्यमंत्री प्रधान अतिथि थे । तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के द्वारा नृत्य प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार दिये गये । समारोह बडे शानदार दंग से मनाया गया। भारत वर्ष के सभी प्रसिद्ध नृत्य कलाकार बुलाए और सम्मानित किए गए। समापन समारोह के बाद नये कलाकारों का नृत्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। ७ वर्ष की मल्लिका की मोहिनी आट्टम के सुन्दर प्रदर्शन सभी दर्शकों द्वारा सराहा गया। उस का नृत्य अद्भुत था । माननीय अतिथियों ने उस में एक उभरती हुई कलाकार को पाया। मल्लिका के प्रदर्शन के बाद भरतनाट्यम्, मोहिनियाट्टम कथकळी, कूचिपुडि, ओडीसी और मणिपुरी आदि विविध नृत्य हुए । इन प्रदर्शनों ने सब का मन चुरा लिया ।

राज्य के मुख्यमंत्री ने अपने भाषण में कहा कि जो कलाकार बूढे हो गये और असहाय हैं उन केलिए सरकार अधिक धन राशि देने के लिए कई कदम उठा रही है । उन के निवास स्थान् केलिए योजना बनाई जा रही है । उस का नाम 'कलानिकेतन' रखा जाएगा ।

IV. **കലയ്ക്കും സംസ്കാരത്തിനും വേണ്ടി പ്രവർത്തിക്കുന്ന നിങ്ങളുടെ നാട്ടിലെ ഒരു സ്ഥാപനത്തെപ്പറ്റി ഒരു ചെറിയ ലേഖനം എഴുതുക.**

കുറിപ്പുകൾ

I. इस पाठ में कर्म वाच्य के वाक्यों का परिचय दिया गया है ।

ഉദാ :

1. ഒരു കലാകാരി എന്നു വിളിക്കപ്പെടാനുള്ള യോഗ്യത എനിക്കില്ല.
   एक कलाकारी कहलाने की योग्यता मुझ में नहीं है ।
2. എണ്ണപ്പെട്ട ഒരു കലാകാരിയായി ആരതി എന്നേ ശ്രദ്ധിക്കപ്പെട്ടു കഴിഞ്ഞിരിക്കുന്നു.
   आरती एक गणनीय कलाकारी के रूप में कभी से सब का ध्यान खींचा गया है ।???
3. ഒരു ജനകീയ കലാരൂപം എന്ന നിലയിൽ തുള്ളൽ പ്രചരിക്കപ്പെട്ടു.
   एक जनकीय कलारूप की तौट पर प्रचरीत किया गया ।
4. തുള്ളൽ എല്ലാവരാലും ആസ്വദിക്കപ്പെടുന്നു.
   तुळ्ळल सब लोगों से आस्वादन किया जाता है ।
5. നമ്പ്യാർ സാധാരണ ജനങ്ങളാൽ ആരാധിക്കപ്പെടുന്നു.
   नंब्यार आम जनता से सम्मानित किए जाते हैं ।

2. പെടുക क्रिया के समापिका रूप क्रिया संज्ञा से जोड़कर कर्मवाच्य के रूप बनाए जाते हैं । कर्ता में करण कारक की विभक्ति प्रत्यय -ആൽ जोडी जाती है ।

വള്ളത്തോളാണ് ഈ കവിത എഴുതിയത്.

वळ्ळत्तोळ् ने ही यह कविता लिखी।

വള്ളത്തോളാലാണ് ഈ കവിത എഴുതപ്പെട്ടത് .

वळ्ळत्तोळ से ही यह कविता लिखी गयी है ।

ध्यान दें कि मलयाळम में कर्मवाच्य का प्रयोग सामान्यतः औपचारिक प्रसंगों में होता है । समाचार पत्रों मे, रेड़ियो तथा टी.वी विवरणों में इस संरचना का प्रयोग ज्यादा होता है । सामान्य लोगों की वार्तालाप में कर्मवाच्य वाक्य बहुत कम हैं ।

3. मोहिनियाट्टम्, ओट्टन तुळ्ळल् तथा कथकळि केरळ् के मंदिरों की कलाएँ जो अब जन सामान्य कि अस्वादन के लिए भी प्रचलित् कलाएँ हैं । मोहिनियाट्टम् भरत नाट्यम् से भिन्न एक मनमोहक नृत्य है। ओट्टन तुळ्ळल् में कलाकार गाते भी हैं और नाचते भी हैं। कथकळि एक नाट्य नाटक है और इस कला ने नाट्य तथा अभिनय के सब तकनी की अंश अपनायी हैं ।

പാഠം പाठ 24

ഒരു അഭിമുഖ സംഭാഷണം — एक साक्षात्कार

പത്രപ്രവർത്തക :	നമസ്കാരം സാർ.	नमस्ते महोदय ।
മുഖ്യമന്ത്രി :	നമസ്കാരം.	नमस्कार ।
പത്രപ്രവർത്തക :	അധികാരം ഏറ്റെടുത്ത് രണ്ടാഴ്ചയ്ക്കകം തന്നെ ഞങ്ങൾക്കനുവദിച്ച ഈ അഭിമുഖത്തിന് ആദ്യം തന്നെ നന്ദി പറയട്ടെ.	शासन संभालने के दो हफ्तों के भीतर ही हम लोगों को साक्षात्कार हेतु दी गई अनुमति केलिए पहले ही धन्यवाद ।
മുഖ്യമന്ത്രി :	നാം തമ്മിൽ കാണുന്നത് ഇത് ആദ്യമായിട്ടൊന്നുമല്ലല്ലോ?	यह हमारे बीच की पहली मुलाकात नहीं है न ?
പത്രപ്രവർത്തക :	എങ്കിലും ഈ സംസ്ഥാനത്തിലെ ഏറ്റവും പ്രായം കുറഞ്ഞ മുഖ്യമന്ത്രി എന്ന നിലയിൽ ഇതാദ്യമായിട്ടാണ്.	तो भी इस राज्य के सब से कम उम्र के मुख्यमंत्री के रूप में यह पहली बार है ।
മുഖ്യമന്ത്രി :	അതു ശരിയാണ്.	वह ठीक है ।
പത്രപ്രവർത്തക :	ഒരു ചെറുപ്പക്കാരൻ എന്ന നിലയിൽ നമ്മുടെ നാട്ടിലെ തൊഴിലില്ലാത്ത ചെറുപ്പക്കാരുടെ പ്രശ്നങ്ങളോടുള്ള താങ്കളുടെ സമീപനം എന്തായിരിക്കും?	एक युवा होने के कारण राज्य के बेरोज़गार युवकों की समस्याओं के प्रति आपकी क्या प्रतिक्रिया होगी ?
മുഖ്യമന്ത്രി :	ഇരിക്കും മുമ്പേ കാലുനീട്ടാൻ പാടില്ലല്ലോ? എന്നാലും ഒട്ടനവധി തൊഴിലവസരങ്ങൾ സൃഷ്ടിക്കും എന്ന പ്രകടന പത്രികയിലെ വാഗ്ദാനം തീർച്ചയായും പാലിക്കും. സാമ്പത്തിക അവശത അനുഭവിക്കുന്ന വീടുകളിൽ നിന്ന് ഒരാൾക്കെങ്കിലും ജോലി നൽകും.	बैठने के पहले पैर नहीं पसारना चाहिए न? तो भी अनेक नौकरियों के अवसर उपलब्ध कराएँगे । घोषणा पत्र के दिए गए इस वचन को निष्चय ही नियाऊँगा ।आर्थिक समस्याओं से पीडित हर एक परिवार से एक व्यक्ति को नौकरि दूँगा ।

പത്രപ്രവർത്തക	: നിത്യോപയോഗ സാധനങ്ങളുടെ വില ദിനം തോറും കുതിച്ചു കയറി കൊണ്ടിരിക്കുന്നു. അതു നിയന്ത്രി ക്കാൻ എന്തൊക്കെ നടപടികൾ സ്വീകരിക്കും എന്നു വ്യക്ത മാക്കാമോ?	नित्योपयोगी चीज़ो की किनतें दिन प्रतिदिन बढती जा रही है । क्या आप बता सकते है कि उन्हें नियं त्रिता करने केलिए कौन कौन कदम उठाऐगे ?
മുഖ്യമന്ത്രി	: പൊതുജനങ്ങൾ ഞങ്ങളിൽ അർപ്പിച്ച വിശ്വാസത്തിന് കോട്ടം വരാതെ വിലക്കയറ്റം എത്രയും വേഗം പിടിച്ചുനിറുത്തുകതന്നെ ചെയ്യും.	लोगों ने हम पर जो विश्वास व्यक्त किया है, उसे बिना खोये कीमतों पर शीघ्र नियंत्रण अवश्य करेंगे ।
പത്രപ്രവർത്തക	: ഇതൊരു സ്ഥിരം പല്ലവിയല്ലേ?	यह एक स्थिर कथन है न ?
മുഖ്യമന്ത്രി	: ആകാം. പക്ഷേ ഒരിടത്തരം കുടുംബത്തിൽ നിന്നുള്ള ഒരാൾ എന്ന നിലയിൽ ഞാനും കഷ്ട പ്പാടുകൾ അനുഭവിച്ചിട്ടുള്ള വനാണ്. അതിനാൽ ജനങ്ങളുടെ ഭാരം കഴിയുന്നതും ലഘൂകരി ക്കാൻ ശ്രദ്ധിക്കും. കർഷകരിൽ നിന്നും ഉൽപ്പന്നങ്ങൾ വാങ്ങി ന്യായവില സ്റ്റോറുകൾ വഴി മിത മായ വിലയ്ക്ക് ജനങ്ങളിൽ എത്തിക്കും. പൂഴ്ത്തിവയ്പു കാരേയും, കരിഞ്ചന്തകാരേയും കർശനമായി ശിക്ഷിക്കും. അതായത് കൊള്ളലാഭം പിടിച്ചുപറ്റുന്ന മധ്യ വർത്തികളിൽ നിന്നും ജനങ്ങളെ രക്ഷിക്കും.	होगा । लेकिन एक मध्यवर्गीय परिवार के होने के कारण मैं ने भी कठिनाइयों का अनुभव किया है । इसलिए लोगों की कठिनाइयों को दूर करने का हर संभव प्रयत्न करूँगा। किसानों से चीज़ें खरीद का मूल्य की दूकानों के माध्यम से कम लाभ पर जनता तक पहुँ -चाएँगे । जमाखोरों और काला- बाज़ारी करनेवालों को कठोर दंड देंगे।मतलब, अधिक लाभ लेने वाले मध्यवर्तियों से लोगों की रक्षा करेंगे।
പത്രപ്രവർത്തക	: അപ്പോൾ ഇടനിലക്കാരാണ് വില ക്കയറ്റത്തിനു കാരണം എന്നാ ണോ പറയുന്നത് ?	तो क्या आप कह रहे हैं कि मध्यवर्तियाँ ही कीमतों में वृद्धि केलिए जिम्मेदार हैं ?
മുഖ്യമന്ത്രി	: അവരും, കരിഞ്ചന്തക്കാരും, പൂഴ്ത്തിവയ്പുകാരും, അഴിമതി	वे लोग, कालाबाजारी करनेवाले जमाखोर और भ्रष्टकर्मचारी सभी

	ക്കാരായ ഉദ്യോഗസ്ഥന്മാരും ഒക്കെ വിലക്കയറ്റത്തിനു കാരണക്കാരാണ്. അവർക്കെതിരായി മാതൃകാപര മായ ശിക്ഷാനടപടികൾ കൈ ക്കൊള്ളും. ഈ അഭിപ്രായം ഞങ്ങൾ പ്രകടനപത്രിയിൽ തന്നെ പറഞ്ഞിട്ടുണ്ടായിരുന്നല്ലോ .	लोग कीमतों में वृद्धि केलिए जिम्मेदार हैं ।उनके विरुद्ध उचित कदम उठाएँशे । ये विचार इम ने घोषणा पत्र में ही प्रकट किये गये थे ।
പത്രപ്രവർത്തക :	പ്രകടനപത്രികയിൽ പറഞ്ഞി ട്ടുണ്ട്. പക്ഷെ പ്രയോഗത്തിൽ കൊണ്ടുവരുന്നതെപ്പോഴെന്നാണ് ഞങ്ങളുടെ ചോദ്യം.	घोषणा पत्र में कहा है। लेकिन हमारा प्रश्न है कि उसे व्यवहार में कब लाएँगे ?
മുഖ്യമന്ത്രി	: ചിലനടപടികൾ ഇതിനകം തന്നെ എടുത്തുകഴിഞ്ഞു. അതിന്റെ ഫലം ഒന്നുരണ്ടുമാസങ്ങൾക്കകം നിങ്ങൾക്ക് നേരിട്ടനുഭവപ്പെടും.	कुछ कदम अभी उठा चुके हैं । उसका असर एक-दो महीनों के अन्दर आप को एहसास होने लगेगा ।
പത്രപ്രവർത്തക :	കാർഷിക പുരോഗതിയേയും, കയറ്റുമതി ഇറക്കുമതി എന്നിവ യേയും ലാക്കാക്കി എന്തൊക്കെ ചെയ്യാനാണ് ഉദ്ദേശം ?	कृषि की प्रगति तथा आयात निर्यात को दृष्टि में रखते हुए क्या क्या करने का उद्देश्य है ?
മുഖ്യമന്ത്രി	: വളത്തിന് സബ്സിഡി നൽകു ന്നതോടൊപ്പം കാർഷിക ഉപകര ണങ്ങൾ സഹായവിലയ്ക്കു വിതരണം ചെയ്യും. കയറ്റിറക്കു മതിക്കു വേണ്ടുന്ന ഒത്താശകൾ സർക്കാർതന്നെ ചെയ്യും. അനാ വശ്യമായ ചില നിയമങ്ങൾ ലഘൂകരിക്കും. നികുതികൾ വെട്ടിക്കുറയ്ക്കുവാൻ കേന്ദ്രത്തിൽ വേണ്ട സമ്മർദം ചെലുത്തും.	खाद पर सबसिडि देने के साथ ही कृषि के औजारों का कम कीमत पर वितरण करेंगे?आयात निर्यात में सरकार ही सहायता करेगी। कुछ अनावश्यक नियमों का सरलीकरण करेंगे करों में कटौती करने केलिए केन्द्र पर दबाव डालेंगो ।
പത്രപ്രവർത്തക :	സ്ത്രീകൾ നേരിടുന്ന പീഡന ങ്ങളെ എങ്ങനെ നേരിടും.	स्त्रियों के उत्पीडन के विरुद्ध क्या करेंगे ?
മുഖ്യമന്ത്രി	: സ്ത്രീപീഡനത്തിനെതിരെ കർ ശനമായ നിയമം കൊണ്ടു വരും.	स्त्रियों केउत्पीडन के विरुद्ध कठोर कानून बनाएँगे ।

പത്രപ്രവർത്തക :	കഴിഞ്ഞ സർക്കാരും ഇതു തന്നെ പറയാറുണ്ടായിരുന്നു.	पिछली सरकार भी ऐसी ही कहा करती थी ।
മുഖ്യമന്ത്രി	: ഇപ്പോൾ സർക്കാർ ഞങ്ങളുടേതല്ലേ? ഞങ്ങൾ വാക്കു പാലിക്കുന്നവരാണെന്ന് മനസ്സിലാക്കാൻ ജനങ്ങൾക്ക് ഇനി അധികനാൾ വേണ്ട. സ്ത്രീപീഡനം തുടങ്ങിയ സാമൂഹ്യ അനീതികൾക്കെതിരെ യുദ്ധം ചെയ്യാൻ സർക്കാർ മാത്രം പോര, മാധ്യമങ്ങൾക്കും സന്നദ്ധ സംഘടനകൾക്കും അതിൽ കാര്യമായ ഒരു പങ്കുണ്ട്.	अब तो हमारी सरकार है न? यह समझने में लोगों को अधिक समय नहीं लगेगा कि हम अपने वचन में पक्के हैं । स्त्रियों के उत्पीडन आदि सामाजिक अत्याचारों के विरुद्ध कार्य करने केलिए केवल सरकार ही पर्याप्त नहीं बल्कि सभी प्रचार माध्यमों और स्वयं सेवा संस्थाओं का भी मुख्य हिस्सा है ।
പത്രപ്രവർത്തക :	പിന്നെ	फिर ?
മുഖ്യമന്ത്രി	: മിശ്രവിവാഹത്തെ പ്രോത്സാഹിപ്പിക്കുന്നതോടൊപ്പം അവർക്കു സംവരണം നൽകുന്ന കാര്യവും ഞങ്ങളുടെ സജീവ പരിഗണനയിലുണ്ട്.	अन्तर्जातीय विवाहों के प्रोत्साहन के साथ ही उन्हें संरक्षण देने का कार्य भी हमारे आवश्यक कार्यक्रम में है ।
പത്രപ്രവർത്തക :	തൊഴിൽ രംഗത്ത് സ്ത്രീകൾക്ക് സംവരണം നൽകുന്ന കാര്യമോ?	क्या नौकरी के क्षेत्र में भी स्त्रियों को आरक्षण देंगे ?
മുഖ്യമന്ത്രി	: ഈ സർക്കാറിന്റെ കാലത്ത് അവരുടെ സ്ഥിതി ഒട്ടും തന്നെ മോശമാകില്ല എന്ന് ഉറപ്പുതരുന്നു.	इस सरकार के कार्यकाल में उन की स्थिति कुछ भी खराब नहीं होगी यह मैं वादा करता हूँ ।
പത്രപ്രവർത്തക :	താങ്കളുടെ അഭിപ്രായങ്ങളോട് ഘടക കക്ഷികൾക്ക് വിയോജിപ്പുണ്ടാവുകയാണെങ്കിൽ ?	आपके विचारों से घटक दल असहमत प्रकट करेंगे तो ?
മുഖ്യമന്ത്രി	: നിങ്ങൾ തുടക്കം മുതലേ അതും പ്രതീക്ഷിച്ച് ഇരിക്കുകയാണെന്ന് തോന്നുന്നു. ഘടകകക്ഷികൾ തമ്മിൽ അഭിപ്രായ വ്യത്യാസം വന്നേക്കാം. എന്നാൽ അവ ഞങ്ങൾ സമുചിതമായ രീതിയിൽ	लगता है कि आप लोग शुरू से ही उसकी प्रतीक्षा में हैं । मोच के घटक दलों के बीच विचारों की भिन्नता हो सकती है । परन्तु उन्हें हम समुचित ढंग से दूर करेंगे और उचित निर्णय भी लेंगे।

	പരിഹരിക്കുകയും അനുയോജ്യമായ തീരുമാനങ്ങൾ എടുക്കുകയും ചെയ്യും.	
പത്രപ്രവർത്തക :	സ്വകാര്യ മേഖലയിലെ വ്യവസായികളോടുള്ള നയം എന്താണ് ?	निजी क्षेत्र के व्यापारियों के साथ आप क्या व्यवहार करेंगे ?
മുഖ്യമന്ത്രി	: വൻകിട വ്യവസായികൾ ഈ സംസ്ഥാനത്തിലേക്ക് വരാൻ തയ്യാറായാൽ തീർച്ചയായും അതിന്റെ പ്രയോജനം ഇവിടത്തെ ജനങ്ങൾക്കായിരിക്കും. എല്ലാ ഘടക കക്ഷികളും അതു മനസ്സിലാക്കണം.	यदि बडे बडे उद्योगपति इस राज्य में आने केलिए तैयार हैं तो उसका लाभ अवश्य ही यहाँ की जनता को होगा । गढ़ बंधन के सब दलों को वह समझना चाहिए ।
പത്രപ്രവർത്തക :	കായികരംഗത്തെ പ്രതിഭകൾക്ക് മികച്ച സൗകര്യങ്ങൾ ലഭിച്ചിരുന്നെങ്കിൽ അതിന്റെ ഫലവും കാണാമായിരുന്നു എന്ന ചിലരുടെ അഭിപ്രായത്തോട് യോജിക്കുന്നുണ്ടോ ?	खेलकूद के क्षेत्र के अच्छे खिलाडियों को यदि अच्छी सुविधाएँ मिली होती तो उसका फल भी मिलता, कुछ लोगों के इसप्रकार के कथन से क्या आप सहमत हैं ?
മുഖ്യമന്ത്രി	: കായിക പ്രതിഭകളുടെ വളർച്ചയ്ക്ക് സമയോചിതമായി എന്തും ചെയ്യാൻ സർക്കാർ തയ്യാറാ – ണെന്നേ ഇപ്പോൾ പറയാനാകൂ.	अब मैं इतना ही कह सकता हूँ कि खेल कूद के क्षेत्र के प्रतिभाशाली खिलाडियों केलिए कुछ भी सहायता करने केलिए सरकार तैयार है ।
പത്രപ്രവർത്തക :	ബാക്കി എന്തൊക്കെ പരിപാടികളാണ് മുന്നിൽ?	और शेष क्या-क्या कार्यक्रम हैं ?
മുഖ്യമന്ത്രി	: കാണാൻ പോകുന്ന പൂരത്തെപ്പറ്റി അധികം പറയണോ ? എന്നാലും വിദ്യാർഥികൾക്കുള്ള ചില ആനുകൂല്യങ്ങൾ, സർക്കാർ ജീവനക്കാരുടെ പെൻഷൻ പ്രായം, തൊഴിലാളികൾക്കുള്ള ക്ഷേമപദ്ധതികൾ, ചെറുകിട വ്യവസായങ്ങൾക്കുള്ള സഹായം തുടങ്ങി ഒട്ടനവധി പ്രശ്ന	जो होनेवाली चीज़ है क्या उस के बारे में ज्यादा कहने की अवश्यकता है फिर भी विद्यार्थीयों केलिए कुछ कवैनियाँ सरकारी कर्मचारियों की पेंशन की आयु, मज़दूरों केलिए कुछ राहतनीतियाँ,लघुउद्योगों केलिए सहाय आदि अनेक समस्याओं पर बिना देरसे एक निष्चय ले

	ങ്ങളിൽ താമസിയാതെ ഒരു തീരുമാനം എടുക്കാനാകും എന്നാണ് എന്റെ പ്രതീക്ഷ.	सकेंगे। यही हमारी प्रतीक्षा है ।
പത്രപ്രവർത്തക :	താങ്കൾക്ക് ഞങ്ങളുടെ പത്രത്തിന്റെ എല്ലാവിധ സഹായ സഹകരണങ്ങളും വാഗ്ദാനം ചെയ്യുന്നതോടൊപ്പം ഈ അഭിമുഖത്തിന് സമയം കണ്ടെത്തിയതിനും നന്ദി പറയുന്നു. നമസ്കാരം.	आपको हमारी ओर से शुभकामनाएँ देने के साथ ही इस साक्षात्कार केलिए दी गई अनुमति केलिए भी धन्यवाद प्रकट करती हूँ ।
മുഖ്യമന്ത്രി	: ശരി. വീണ്ടും കാണാം. നമസ്കാരം.	फिर मिलेंगे- नमस्कार ।

പദങ്ങളുടെ അർഥം

അഭിമുഖം	साक्षातकार	നന്ദിപറയുക	धन्यवाद देना
താങ്കൾ	आप	പ്രശ്നം	प्रश्न
പ്രകടന പത്രിക	धोषणा पत्र	നയം	नीति
വാഗ്ദാനം	वाग्दान	പാലിക്കുക	पालन करना
സാമ്പത്തികം	आर्थिक	അവശത	अवश्यता
നിത്യോപയോഗം	नित्योपयोग	അർപ്പിക്കുക	अर्पण करना
കോട്ടം വരുക	हानि होना	പല്ലവി	पल्लवी, जैसे गीत में हो
ഇടത്തരം	मध्यम श्रेणी	ഉൽപ്പന്നം	उत्पन्न
മിതമായ	सीमित	കർശനമായി	कठोरता से
മധ്യവർത്തികൾ	मध्यवर्ती लोग	മാതൃകാപരം	आदर्शपर
പുരോഗതി	उन्नति	കയറ്റുമതി	निर्यात
ഇറക്കുമതി	आयात	ലാക്കാക്കുക	लक्ष्य बनाया
ഉപകരണം	औज़ार	സഹായവില	उचित दाम
വിതരണം ചെയ്യുക	वितरण करना	ഒത്താശ	सहायता
അനാവശ്യം	अनावश्यक	നികുതി	कर
വെട്ടികുറയ്ക്കുക	कटौती करना	സമ്മർദ്ദം	दबाव
പീഡനം	उत्पीडन	അനീതി	अन्याय
മാധ്യമം	माध्यम	സന്നദ്ധസംഘടന	स्वयं सेविका संगठन

മിശ്ര വിവാഹം	मिश्र विवाह	സംവരണം	आरक्षण
സജീവം	सजीव	പരിഗണന	परिगणना
ഉറപ്പുവരുത്തുക	वादा करना	ഘടക കക്ഷികൾ	पक्ष में अन्य दल के लोग
രമ്യമായി	बिना झगडा	പരിഹരിക്കുക	दूर करना
അനുയോജ്യം	सबसे उचित	സ്വകാര്യ മേഖല	निजी क्षेत्र
വൻകിട	बडेस्तर के	ഘടകകക്ഷികൾ	गढबंधन के दल
കായിക പ്രതിഭ	शारीरिक प्रतिभा	യോജിക്കുക	सहमत होना
ചെറുകിട	छोटे तर	ആനുകൂല്യം	आनुकूल्य
ജീവനക്കാർ	कर्मचारी	ക്ഷേമപദ്ധതി	कल्याण योजना

അഭ്യാസം

I. മാതൃക അനുസരിച്ച് ഓരോ വാക്യത്തിനും അഞ്ചു പ്രതികരണങ്ങൾ വീതം എഴുതുക.

1. നമ്മുടെ നാട്ടിലെ തൊഴിലില്ലാത്ത ചെറുപ്പക്കാരുടെ പ്രശ്നങ്ങളെല്ലാം സർക്കാർ പരിഹരിക്കും.

(ക) നമ്മുടെ നാട്ടിലെ ചെറുപ്പക്കാരുടെ പ്രശ്നങ്ങൾ മാത്രമേ പരിഹരിക്കുകയുള്ളൂ. എന്നാണോ ?

(ഖ) അതുകൊള്ളാം! അങ്ങനെ എല്ലാ സർക്കാരുകളും പറയാറുണ്ട്.

(ഗ) മുഴുവൻ പരിഹരിക്കരുത്. കുറച്ചെങ്കിലും ബാക്കി വയ്ക്കണം. അടുത്തു വരുന്നവർക്കും എന്തെങ്കിലും പരിഹരിക്കണ്ടേ ?

(ഘ) സർക്കാരിനെന്നല്ല ഇനി ദൈവം തമ്പുരാൻ തന്നെ ഇറങ്ങിവന്നാലും ഇതൊന്നും പരിഹരിക്കാൻ പറ്റില്ല.

(ങ) എന്തൊക്കെയാണെങ്കിലും നമ്മുടെ സർക്കാർ ജനങ്ങളുടെ സർക്കാരല്ലേ ? അവർ അതു ചെയ്യും. അതിനപ്പുറവും ചെയ്യും.

1. വിലക്കയറ്റത്തിനു കാരണക്കാരായവരെ മാതൃകാപരമായി ശിക്ഷിക്കും.
2. പ്രകടന പത്രികയിലുള്ള എല്ലാ വാഗ്ദാനങ്ങളും ഈ സർക്കാർ പാലിക്കും.
3. സ്ത്രീ പീഡനങ്ങളെ ശക്തമായി തന്നെ ഈ സർക്കാർ നേരിടും.
4. അഭിപ്രായ വ്യത്യാസങ്ങളെല്ലാം രമ്യമായി ഞങ്ങൾ പരിഹരിക്കാറുണ്ട്. ഇല്ലേ ?
5. മിശ്രവിവാഹിതരായവർക്ക് സംവരണം നൽകുന്ന കാര്യം സർക്കാറിന്റെ പരിഗണനയിലുണ്ട്.

II. ശരിയായ ക്രമത്തിൽ വാക്കുകൾ അടുക്കി വാക്യം എടുത്തെഴുതുക.

1. നല്ല ഒരു പ്രാസംഗികൻ ആണ്, മനുഷ്യനെന്ന നിലയിൽ, ഒരു പരാജയമാണ്, ഒരു, അയാൾ.

2. കേരളത്തിലൂടെ, ആരംഭിച്ച്, എല്ലാ നദികളും, സഹ്യപർവ്വതത്തിൽ, ഒഴുകുന്ന, അറബിക്കടലിൽ ചേരുന്നു.
3. ഈ റോഡ്, നന്നാക്കുന്നതുകൊണ്ട്, ഗതാഗതമെല്ലാം, ഇതുവഴിയുള്ള, നിർത്തി, വച്ചിരിക്കുകയാണ്.
4. ഫാക്ടറികളിൽ നിന്നും, ഒഴുക്കി വിടുന്ന, മലിനജലം, അന്തരീക്ഷത്തേയും, വിഷവാതകങ്ങൾ, നദികളേയും, മലിനമാക്കുന്നു.
5. തനതുകലകളെ, പ്രോത്സാഹിപ്പിക്കാനുള്ള, കേരളത്തിലെ, ആത്മാർത്ഥമായ, ശ്രമങ്ങൾ ഇനിയും, ഉണ്ടാകേണ്ടിയിരിക്കുന്നു.

III. ശരിയായ വാക്യങ്ങൾ അടയാളപ്പെടുത്തുക.

1. അച്ഛനോടും സ്നേഹമില്ലാത്തതു കൊണ്ടാണോ അമ്മയോടും നീ വീട്ടിലേക്കു വരുന്നില്ലെന്നു പറയുന്നത് ?
2. കോടതി വരാന്തയിലൂടെ കറങ്ങി നടന്നാണ് കുഞ്ഞമ്മാവൻ നിയമങ്ങൾ പഠിച്ച തെന്നു പറഞ്ഞാൽ തെറ്റില്ല.
3. പഠിക്കാൻ വേണ്ടി മകൻ അമേരിക്കയിലേക്ക് അയച്ച പഠിത്തം മതിയാക്കി നാട്ടിലേക്ക് തിരിച്ചു പോന്നത്രേ.
4. ഇത്തരം ചെറിയ ജോലികളൊക്കെ ജീവിക്കാൻ മാർഗമില്ലാത്തതു കൊണ്ടല്ലേ മറ്റൊരു എടുക്കുന്നത്.
5. തോമസിന്റെ വീട്ടിലെ നിത്യസന്ദർശകനായിരുന്ന പ്രദീപിന് മാറ്റം വരാൻ ഇങ്ങനെയൊരു കാരണമെന്താ ?

IV. യോജിച്ച, വാക്കുകളോ വാക്യാംശങ്ങളോ ഉപയോഗിച്ചു തന്നിട്ടുള്ള വാക്യങ്ങൾ പൂരിപ്പിക്കുക.

1. എവിടെയെല്ലാം തിരഞ്ഞാലും ------------------ ഒരു പുസ്തകം നിങ്ങൾക്കു കാണാൻ ------------- എനിക്ക് അത്രയധികം -------- ഒരു പുസ്തകമാണിത്. എന്റെ ജീവിതത്തെ --------- മാറ്റി മറിച്ച ഒരു പുസ്തകം. അതിലെ ഓരോ വരികളും.------------------
2. അധ്യാപകർക്ക് കുട്ടികളോട് ----------- പലതും പറഞ്ഞുകൊടുക്കാറുണ്ട്. അതെല്ലാം കുട്ടികൾ -------------. കുട്ടികൾ എപ്പോഴും അങ്ങിനെയാണ്.
3. വളരെ കുറഞ്ഞകാലം ----------- ജീവിച്ചുള്ളു. ----------- ജീവിച്ചിരുന്ന കാലത്ത് അദ്ദേഹ---------- അതുതന്നെയാണ് അദ്ദേഹത്തിന്റെ മഹത്വവും.
4. അത്തരം കാര്യങ്ങളൊക്കെ പോകട്ടെ -------- -------- വീണ്ടുമൊരിക്കൽ കാണാനുള്ള ഭാഗ്യമുണ്ടെങ്കിൽ --------- അത്രമാത്രമെ ഇപ്പോൾ ---------
5. ആരൊക്കെ ഇവിടെ വന്നാലും ശരി ഞാൻ ----------- എനിക്ക് ഈ ജോലികളെല്ലാം------------ അല്ലെങ്കിൽ മാനേജർ എന്ന ഓഫീസിൽ നിന്നു പറഞ്ഞുവിടുക തന്നെ --------- .

6. നല്ല നല്ല കായികതാരങ്ങളൊക്കെ ----------- നമ്മുടെ ടീം എത്ര മോശമായ ----------- നമുക്ക് എല്ലാവർക്കും അപമാനകരമായ ഒരു ------------.
7. നൃത്തം പഠിക്കാൻ വന്നാൽ അതു പഠിക്കുകയാണ് വേണ്ടത് ------------ ഇവിടെ ചില ചിട്ടകളും മര്യാദകളുമൊക്കെ പാലിക്കേണ്ടിവരും.
8. എല്ലാവരും ------------ ഞാനും അവിടെ പോയത്. പക്ഷേ പോയി കഴിഞ്ഞപ്പോഴാണ് മനസ്സിലായത്. അവിടെ ----------- ഒന്നുമില്ലെന്ന്.

V. സംഭാഷണം പൂരിപ്പിക്കുക.

പത്രലേഖകൻ - മലയാളത്തിലെ ഏറ്റവും താരമൂല്യമുള്ള നടനെന്ന നിലയിൽ ഇതുവരെയുള്ള നിങ്ങളുടെ കലാജീവിതത്തെ പറ്റി എന്തു തോന്നുന്നു?

നടൻ --

പത്രലേഖകൻ - ഇതുവരെ നിങ്ങളഭിനയിച്ച ചിത്രങ്ങളെല്ലാം നിങ്ങൾക്ക് ഇഷ്ടപ്പെട്ടിട്ടുണ്ടോ ?

----------- ----------------------------

എങ്കിലും ഒന്നുരണ്ടു ചിത്രങ്ങളോട് പ്രത്യേക ഇഷ്ടം തോന്നിയിട്ടുണ്ടാകുമല്ലോ? ഏതെങ്കിലും കഥാപാത്രങ്ങളോട് പ്രത്യേകിച്ച് ഒരടുപ്പം തോന്നിയിട്ടുണ്ടോ ?

നടൻ --

പത്രലേഖകൻ - സിനിമ സംവിധായകന്റെ കലയാണെന്ന് ചില സംവിധായകർ പറയാറുണ്ടല്ലോ.നിങ്ങൾക്ക് അതിനോടുള്ള അഭിപ്രായമെന്താണ്?

നടൻ --

പത്രലേഖകൻ - കച്ചവട സിനിമകളുടെ വൻ വിജയത്തിനു കാരണം നിങ്ങളെപ്പോലുള്ള വൻ താരങ്ങളാണെന്നു പറയാമല്ലോ. ഈ താരാധിപത്യത്തെ കുറിച്ച് നിങ്ങളുടെ അഭിപ്രായമെന്താണ് ?

നടൻ --

പത്രലേഖകൻ - നഗരങ്ങളിലും, നാട്ടിൻപുറങ്ങളിലും മറ്റും ഇപ്പോൾ നടീനടന്മാരുടെ ആരാധക സംഘങ്ങൾ ധാരാളം ഉണ്ടാകുന്നുണ്ടല്ലോ. ഇത്തരം ആരാധക സംഘങ്ങൾ നമ്മുടെ സംസ്കാരത്തിന്റെ ഒരു വൃത്തികെട്ട ദുഃഖമല്ലേ ?

നടൻ --

പത്രലേഖകൻ - സ്നേഹിക്കപ്പെടുക എന്നതുപോലെയാണോ ആരാധിക്കപ്പെടുക എന്നു പറഞ്ഞാൽ? നിങ്ങളും മനുഷ്യൻ തന്നെയല്ലേ ?

നടൻ --

കലാപരമായി നോക്കുകയാണെങ്കിൽ മലയാളസിനിമയുടെ ഇന്നത്തെ നിലയെന്താണ് ?

നടൻ --

പത്രലേഖകൻ - കച്ചവടചിത്രങ്ങളെന്നും, കലാമൂല്യമുള്ള ചിത്രങ്ങളെന്നും ചിത്രങ്ങളെ വേർതിരിക്കുന്നതിനോട് നിങ്ങളുടെ അഭിപ്രായ മെന്താണ്?

നടൻ ---

പത്രലേഖകൻ - കലാമൂല്യമുള്ള ചിത്രങ്ങളിൽ അഭിനയിക്കാനുള്ള ഒരവസരം ലഭിച്ചാൽ നിങ്ങൾ അതു സ്വീകരിക്കുമോ ?

നടൻ ---

പത്രലേഖകൻ - ജനങ്ങൾ തങ്ങളുടെ ചിത്രങ്ങൾ കാണുക എന്നതാണ് എല്ലാ സിനിമാക്കാരുടേയും ആഗ്രഹം. അവർക്കു വേണ്ടിയാണ് സിനിമ ഉണ്ടാക്കപ്പെടുന്നതു തന്നെ. അതുകൊണ്ട് അവരുടെ ദുർബല വികാരങ്ങളെ പ്രീണിപ്പിക്കുക എന്നതു മാത്രമാണ് സിനിമയുടെ ലക്ഷ്യം എന്നു പറയാമോ ?

നടൻ ---

VI. തന്നിട്ടുള്ള ചോദ്യങ്ങൾക്ക് നിങ്ങളുടെ സ്വന്തം അഭിപ്രായം എഴുതുക.

1. തൊഴിലില്ലായ്മ പോലുള്ള വിഷയങ്ങളോട് നിങ്ങളുടെ പ്രതികരണമെന്താണ് ?
2. അന്തരീക്ഷ മലിനീകരണത്തിനു കാരണമായിട്ടുള്ള ഘടകങ്ങളെ പറ്റി നിങ്ങളുടെ അഭിപ്രായം എന്താണ് ?
3. കാർഷിക മേഖലയെ ബാധിക്കുന്ന പ്രശ്നങ്ങൾക്കു പരിഹാരമായി ഒരു പുതിയ കാർഷിക പദ്ധതി എങ്ങനെയായിരിക്കണം?
4. നമ്മുടെ നാട്ടിലെ പത്രങ്ങളിൽ പലതും അവയുടെ കർത്തവ്യങ്ങൾ മറന്നു പോകുന്നു എന്നു പറയുന്നതിനോട് നിങ്ങൾക്കു യോജിക്കാനാവുമോ ?
5. നിങ്ങളെപ്പോലുള്ള ഒരാൾക്ക് ഭാരതത്തിന്റെ ദേശീയോദ്ഗ്രഥത്തിനു വേണ്ടി എന്തൊക്കെ ചെയ്യാൻ കഴിയും?

VII. ഓരോ ഖണ്ഡികയിൽ ഉത്തരമെഴുതുക.

1. നിങ്ങൾ സംസ്ഥാനത്തിന്റെ മുഖ്യമന്ത്രിയായാൽ എന്തൊക്കെ ചെയ്യും ?
2. നിങ്ങൾക്കിഷ്ടപ്പെട്ട ഒരു പുസ്തകത്തെപ്പറ്റി ഒരു ലഘു കുറിപ്പെഴുതുക.
3. 'എന്നെപ്പറ്റി' ഞാൻ തന്നെ – ആത്മകഥാപരമായ ഒരു കുറിപ്പെഴുതുക.

സർക്കാർ കത്തിടപാടുകൾ

മഹാത്മാഗാന്ധി സർവകലാശാല, കോട്ടയം

കോട്ടയം
10-10-98

രജിസ്ട്രാർ

To

പ്രിൻസിപ്പാൾ

ചിന്മയ ആർട്സ് ആൻഡ് സയൻസ് കോളേജ്.

കോട്ടയം

സാർ,

സൂചന : നമ്പർ 268/ MLC/ 91-92
നിങ്ങളുടെ ആഗസ്റ്റ് 22 തീയതിയിലെ കത്ത്.

വിഷയം: പുതിയ വിഷയങ്ങൾ പഠിപ്പിച്ചു തുടങ്ങുന്നതിനുള്ള അംഗീകാരത്തിനു വേണ്ടി അപേക്ഷ.

1. 1992-93 അധ്യയനവർഷം മുതൻ ഗവ.ആർട്സ് ആൻഡ് സയൻസ് കോളേജിൽ മനശാസ്ത്രം, രസതന്ത്രം എന്നീ വിഷയങ്ങളിൽ ബിരുദാനന്തര ബിരുദ ക്ലാസുകൾ ആരംഭിക്കുന്നതിന് സർവ്വകലാശാല അനുവാദം നൽകിയിരിക്കുന്ന വിവരം സന്തോഷപൂർവ്വം അറിയിക്കട്ടെ.

2. എന്നാൽ ആവശ്യപ്പെട്ടതു പ്രകാരം ഭൂമിശാസ്ത്രത്തിലും, ധനതത്വശാസ്ത്രത്തിലും അനുവാദം ലഭിച്ചിട്ടില്ലെന്നും അറിയിക്കുന്നു.

3. ഡിഗ്രി ക്ലാസുകളിൽ പത്തു ശതമാനം വീതം സീറ്റു വർധിപ്പിക്കാനുള്ള അപേക്ഷയും സർവ്വകലാശാലയുടെ പരിഗണനയിലുണ്ട്. പക്ഷേ സാമ്പത്തിക ബുദ്ധിമുട്ടുകൾ കാരണം ഒരു വർഷത്തേക്ക് കോളേജുകളിൽ സീറ്റു വർധിപ്പിക്കാൻ സാധ്യമല്ലെന്ന് സർവ്വകലാശാല അറിയിക്കുന്നു.

എന്ന്,
വിശ്വസ്തയോടെ
(ഒപ്പ്)
രജിസ്ട്രാർ
മഹാത്മാഗാന്ധി സർവ്വകലാശാല.

പദങ്ങളുടെ അർഥം

സർവകലാശാല	विश्वविद्यालय	അംഗീകാരം	अंगीकार, मान्यता
അധ്യയനവർഷം	अध्ययन वर्ष	മനശ്ശാസ്ത്രം	मनोविज्ञान
രസതന്ത്രം	रसायन शास्त्र	ബിരുദാനന്തര	स्नातकोत्तर
		ബിരുദം	डिग्री
അനുവാദം	अनुमति	സന്തോഷപൂർവം	संतोष पूर्वक
പ്രകാരം	प्रकार	ഭൂമിശാസ്ത്രം	भूगोल विज्ञान
ധനതത്വശാസ്ത്രം	अर्थ विज्ञान	ലഭിക്കുക	पाना
അപേക്ഷ	प्रार्थना	പരിഗണന	परिगणना
സാമ്പത്തിക ബുദ്ധിമുട്ട്.	आर्थीक तक्लीफ		

അഭ്യാസം

I. ഉത്തരം നൽകുക.

1. എന്തിനു വേണ്ടിയാണ് പ്രിൻസിപ്പാൾ സർവ്വകലാശാലയിൽ അപേക്ഷ നൽകിയിരുന്നത് ?
2. എതൊക്കെ വിഷയങ്ങളിൽ ക്ലാസുകൾ തുടങ്ങാനാണ് സർവ്വകലാശാല കോളേജിന് അനുവാദം നൽകുന്നത് ?
3. ഏതൊക്കെ വിഷയങ്ങൾ പഠിപ്പിക്കാൻ സർവ്വകലാശാല അധികാരം നൽകിയിട്ടില്ല ?
4. ഡിഗ്രി ക്ലാസുകളിൽ സീറ്റു വർധിപ്പിക്കാൻ സാധ്യമല്ലാത്തത് എന്തുകൊണ്ട് ?
5. ഈ കത്തിനു പ്രിൻസിപ്പാൾ എഴുതേണ്ട മറുപടി എഴുതുക.

നമ്പർ KE /L-4/428/ 92

തിരുവനന്തപുരം
മാർച്ച് 28.

ചീഫ് സെക്രട്ടറി
കേരള സർക്കാർ.

സെക്രട്ടറി,
ആഭ്യന്തര വകുപ്പ്
കേരള സർക്കാർ.

വിഷയം : ഏപ്രിൽ രണ്ടിലെ പൊതുപണിമുടക്കു സമയത്ത് സംസ്ഥാനത്തെ ക്രമസമാധാന നിലയെക്കുറിച്ച്

സർ,

1. വിലക്കയറ്റത്തിനും തൊഴിലില്ലായ്മയ്ക്കും എതിരെ കേരളത്തിലെ പ്രതിപക്ഷപാർട്ടികൾ ആഹ്വാനം ചെയ്യുന്നതനുസരിച്ച് ഏപ്രിൽ 2ന് പൊതുപണിമുടക്കും സർക്കാർ ഓഫീസ് പിക്കറ്റിംഗും നടത്തുവാൻ തീരുമാനിച്ചിട്ടുണ്ടല്ലോ. അന്നേ ദിവസം സംസ്ഥാനത്ത് പല അക്രമ പ്രവർത്തനങ്ങളും നടക്കുവാൻ സാധ്യതയുണ്ട്. വാഹനഗതാഗതം പൂർണമായി തടസ്സപ്പെടുവാനും സർക്കാർ വാഹനങ്ങൾക്കു നേരെ ആക്രമണം നടക്കുവാനും ഇടയുണ്ട്. സർക്കാർ ഓഫീസുകൾക്കു നേരെയും ആക്രമണമുണ്ടാവാം.

2. സാധാരണ ജനങ്ങളുടെ സമാധാനം നഷ്ടപ്പെടാതിരിക്കാനും പൊതുമുതൽ കാത്തു സൂക്ഷിക്കുവാനും വേണ്ടി സംസ്ഥാനത്തുടനീളം ശക്തമായ പ്രതിരോധ പ്രവർത്തനങ്ങൾ എടുക്കേണ്ടതാണ്. എന്തു വിലകൊടുത്തും ക്രമസമാധാന നില സ്ഥാപിക്കപ്പെടുമെന്ന് ഉറപ്പുവരുത്തേണ്ടിയിരിക്കുന്നു.പോലീസ് സേന നിതാന്ത ജാഗ്രത പുലർത്തേണ്ടത് അത്യാവശ്യമാണ്.

3. ഇന്നു മുതൽ ഒരാഴ്ചയ്ക്കുള്ളിൽ സംസ്ഥാനത്തെ സ്ഥിതിഗതികൾ വ്യക്തമാക്കുന്ന പരിപൂർണമായ റിപ്പോർട്ടു സമർപ്പിക്കുവാൻ പോലീസ് ഡയറക്ടർ ജനറലിനോട് ആവശ്യപ്പെടുക.

4. സ്ഥിതിഗതികൾ നിയന്ത്രിക്കുവാൻ പര്യാപ്തമായ പോലീസ് സേനയുടെ അഭാവം നേരിടുകയാണെങ്കിൽ ആ വിവരം ഉടൻ തന്നെ ഈ ഓഫീസിൽ അറിയിക്കേണ്ടതാണ്. വേണ്ട സൗകര്യങ്ങൾ ചെയ്തു തരുവാൻ കേന്ദ്രത്തോട് ആവശ്യപ്പെട്ടിട്ടുണ്ട്.

എന്ന്
വിശ്വസ്തതയോടെ
(ഒപ്പ്)
ചീഫ് സെക്രട്ടറി
കേരള സർക്കാർ

പദങ്ങളുടെ അർഥം

ആഭ്യന്തരവകുപ്പ്	गृह विभाग	ക്രമസമാധാനനില	नियम और क्रम की अवस्था
പ്രതിപക്ഷം	विपक्ष	ആഹ്വാനം	आह्वान करना
പൊതുപണിമുടക്ക്	जनका हर्ताल	തീരുമാനിക്കുക	निश्चय करना
അക്രമപ്രവർത്തനം	अक्रम प्रवर्तन	വാഹന ഗതാഗതം	वाहन गतागत
ആക്രമണം	आक्रमण	സമാധാനം	समाधान, शांति
തടസ്സപ്പെടുക	बाधा होना	പൊതുമുതൽ	जनता की संपत्ति
കാത്തു സൂക്ഷിക്കുക	संरक्षण करना	ശക്തമായ	सशक्त

പ്രതിരോധ പ്രവർത്തനം	प्रतिरोध प्रवर्तन	എടുക്കുക	लेना
ഉറപ്പുവരുത്തുക	निश्चित करना	നിതാന്ത ജാഗ്രത	नितांत जाग्रता
അത്യാവശ്യം	अत्यावश्य	സ്ഥിതിഗതികൾ	स्थितिगति
പരിപൂർണമായ	परिपूर्ण	നിയന്ത്രിക്കുക	नियंत्रण करना
പര്യാപ്തം	पर्याप्त	പോലീസ് സേന	पुलीस सेन
അഭാവം	कभी	കേന്ദ്രം	केन्द्र

അഭ്യാസം

I. ഉത്തരം നൽകുക.

1. എന്തിനെപറ്റിയാണ് ചീഫ് സെക്രട്ടറി ആഭ്യന്തരവകുപ്പു സെക്രട്ടറിക്ക് കത്തയയ്ക്കുന്നത്.
2. എന്തിനെല്ലാം എതിരായിട്ടാണ് പ്രതിപക്ഷപാർട്ടികൾ പണിമുടക്കും പിക്കറ്റിംഗും നടത്തുന്നത് ?
3. പണിമുടക്കു ദിവസം എന്തൊക്കെ നടക്കാൻ സാധ്യതയുണ്ടെന്നാണ് ചീഫ് സെക്രട്ടറി അഭിപ്രായപ്പെടുന്നത് ?
4. എന്തിനുവേണ്ടിയാണ് സംസ്ഥാനത്തുടനീളം പ്രതിരോധ പ്രവർത്തനങ്ങൾ എടുക്കുന്നത് ?
5. പോലീസ് സേന എന്തു ചെയ്യണം ?
6. പോലീസ് ഡയറക്ടർ ജനറലിനോട് എന്താണ് ആവശ്യപ്പെടേണ്ടത്.
7. എന്തിന്റെ അഭാവം നേരിടുകയാണെങ്കിൽ ചീഫ് സെക്രട്ടറിയുടെ ഓഫീസിൽ വിവരമറിയിക്കണം ?
8. വേണ്ട സൗകര്യങ്ങൾ ചെയ്തു തരുവാൻ ആരോടാണ് ആവശ്യപ്പെട്ടിട്ടുള്ളത്?
9. പോലീസ് ഡയറക്ടർ ജനറൽ സമർപ്പിക്കുന്ന ഒരു റിപ്പോർട്ട് എഴുതുക.
10. ആഭ്യന്തരവകുപ്പ് സെക്രട്ടറി ചീഫ് സെക്രട്ടറിക്ക് എഴുതേണ്ട ഒരു മാതൃകാ മറുപടി എഴുതുക.

വായിച്ചു മനസ്സിലാക്കുക

ഒരു പത്രവാർത്ത

ഓസ്കർ ചടങ്ങിൽ റേയുടെ സാന്നിധ്യം

ലോസ് ഏഞ്ചലസ് " എന്റെ നാൽപ്പതുവർഷത്തെ സിനിമാ ജീവിതത്തിലെ അപൂർവനിമിഷം. ഇതൊരു പ്രൗഢമായ സമ്മാനമാണ്." രണ്ടു കിലോ തൂക്കം വരുന്ന ഓസ്കർ പ്രതിമ സ്വീകരിച്ചുകൊണ്ട് വിതുമ്പിയ സ്വരത്തിൽ സത്യജിത് റേ വീഡിയോയിലൂടെ സംസാരിച്ചു. രോഗം മൂലം ഓസ്കർ അവാർഡ് ദാനച്ചടങ്ങിന് എത്തിച്ചേരാൻ കഴിയാതെ വന്ന സത്യജിത്റേ, അവാർഡ് ആശുപത്രിയിൽ വച്ച്

സ്വീകരിക്കുന്നതിന്റെ വീഡിയോ ചിത്രീകരണം അവാർഡ് ദാനച്ചടങ്ങിൽ പ്രദർശിപ്പിച്ചപ്പോൾ കാഴ്ചക്കാർ ഉച്ചത്തിൽ കൈയടിച്ച് ആഹ്ലാദം പ്രകടിപ്പിച്ചു.

"സിനിമയുടെ ക്രാഫ്റ്റ് ഞാൻ അമേരിക്കൻ സിനിമകളിൽ നിന്നാണ് മനസ്സിലാക്കിയത്"– ഇന്ത്യൻ സിനിമയുടെ ആചാര്യൻ തുടർന്നു. "വർഷങ്ങളേറെയായി അമേരിക്കൻ സിനിമ കാണാൻ തുടങ്ങിയിട്ട്. അതിന്റെ വിനോദപരമായ മൂല്യവും സാങ്കേതികവിജ്ഞാനവും എടുത്തുപറയത്തക്കതാണ്."

ചടങ്ങിനു മുമ്പ് സ്റ്റേജിൽ പ്രത്യക്ഷപ്പെട്ട പ്രശസ്തനടി അഡ്റെ ഹെപ്ബൺ ചലച്ചിത്ര കലയിലെ ആധികാരികത്വത്തിനും, റേയുടെ അതിർ വരമ്പുകളില്ലാത്ത മനുഷ്യസ്നേഹത്തിനും ഉള്ള അംഗീകാരമാണ് ഈ ഓസ്കർ എന്ന് അഭിപ്രായപ്പെട്ടു. തനിമയാർന്ന ഇന്ത്യൻ അനുഭവത്തിലൂടെ മാനവലോകത്തിന്റെ അനുഭവതലങ്ങളിലേക്ക് ഉയരാൻ റേയ്ക്കു കഴിഞ്ഞതായി അവർ പറഞ്ഞു. 'പഥേർ പാഞ്ചാലി' എന്ന സിനിമയിലൂടെതന്നെ റേ അന്താരാഷ്ട്ര നിലവാരത്തിൽ തന്റെ കഴിവ് വെളിപ്പെടുത്തി. അസുഖം മൂലം നിർഭാഗ്യവശാൽ റേയ്ക്ക് നമ്മോടൊപ്പം എത്താൻ കഴിഞ്ഞില്ല. എന്നാൽ അദ്ദേഹം നമ്മോട് സംസാരിക്കും എന്ന ആമുഖത്തോടെയാണ് ഹെപ്സൺ വീഡിയോ പ്രദർശനത്തിന് തുടക്കം കുറിച്ചത്.

പദങ്ങളുടെ അർഥം

ചടങ്ങ്	समारोह	സാന്നിധ്യം	उपस्थिति
നാൽപത്	चालीस	അപൂർവ്വം	अपूर्व
പ്രൗഢം	प्रौढ़	സമ്മാനം	पुरस्कार
വികാരം	अनुभूति	വിതുമ്പുക	सिसकता
ആഹ്ലാദം	आह्लाद	പ്രകടിപ്പിക്കുക	प्रकट करना
ആചാര്യൻ	आचार्य	വിനോദപരം	विनोदकर, मनोरंजक
മൂല്യം	मूल्य	ചലച്ചിത്രം	चलचित्र
വിജ്ഞാനം	विज्ञान	അതിർവരമ്പ്	सीमारेखा
ആധികാരികത്വം	निश्चितता	മാനവലോകം	मानव की दुनियाँ
അംഗീകാരം	अंगीकार	നിർഭാഗ്യവശാൽ	दुर्भाग्य से
വെളിപ്പെടുത്തുക	बाहर लाना		

അഭ്യാസം

I. ഉത്തരം നൽകുക

1. അവാർഡു സ്വീകരിച്ചുകൊണ്ട് സത്യജിത് റേ എന്തു പറഞ്ഞു ?
2. എന്തുകൊണ്ടാണ്സത്യജിത് റേയ്ക്ക് ഓസ്കർ അവാർഡു ദാനച്ചടങ്ങിൽ എത്തിച്ചേരാൻ കഴിയാതെ വന്നത് ?

3. കാഴ്ചക്കാർ എപ്പോഴാണ് കൈയ്യടിച്ചത് ?
4. സിനിമയുടെ ക്രാഫ്റ്റ് താൻ എവിടെ നിന്നു പഠിച്ചു എന്നാണ് റേ പറയുന്നത് ?
5. റേയ്ക്ക് എന്തിനുള്ള അംഗീകാരമാണ് ഈ ഓസ്കറെന്നാണ് അദ്റെ ഹെപ്ബൺ അഭിപ്രായപ്പെട്ടത് ?
6. ഏതു സിനിമയിലൂടെയാണ് റേ അന്താരാഷ്ട്ര നിലവാരത്തിലേക്ക് ഉയർന്നത് ?

ജലനയം

കേരളത്തിൽ 44 നദികളുണ്ട്. കിഴക്കു സഹ്യാദ്രിയും പടിഞ്ഞാറ് അറബിക്കടലും ഇടയ്ക്കു ചെരിഞ്ഞു കിടക്കുന്ന ഭൂമിയുമായതുകൊണ്ട് ഭൂമിക്ക്നെടുകേ ഒഴുകുന്ന ഭാരതപ്പുഴ ഒഴിച്ച്, എല്ലാ നദികളിലേയും വെള്ളം സമുദ്രത്തിലേക്കു കുത്തിയൊഴുകുകയാണ്. ആണ്ടിൽ ശരാശരി 300 സെന്റി മീറ്റർ മഴ പെയ്യുന്നതിൽ അഞ്ചുശതമാനം മാത്രമാണ് എല്ലാ ജലവൈദ്യുത പദ്ധതികളിലും കൂടി നാം ഉപയോഗപ്പെടുത്തുന്നത്. ഒരു ശതമാനം കൂടി ഉപയോഗിക്കാൻ കഴിഞ്ഞാൽ, വെള്ളവും വൈദ്യുതിയും ഇവിടെ അതി ധാരാളമാകും. അതിനു നമുക്കു വഴിയില്ല. കാട്ടിലും മേട്ടിലും തടഞ്ഞൊഴുകുന്നതും, കായലുകളിലും തോടുകളിലും കുളങ്ങളിലും കിണറുകളിലും വയലുകളിലും വെള്ളക്കെട്ടു സ്ഥല ങ്ങളിലും കെട്ടിനിന്നു മണ്ണിനടിയിലേക്കു പരക്കുന്നതുമായ മഴവെള്ളമാണ് കേരളത്തിന്റെ ജീവജലം. അത് ഓരോ നിമിഷവും വറ്റുകയാണ്. ഒരു ശതാബ്ദമായി ഇതാണ് സ്ഥിതി എന്നുവന്നപ്പോൾ നമുക്കിതു ശ്രദ്ധിക്കാതിരിക്കാൻ വയ്യെന്നായി നദികളിലെ വെള്ളം തടഞ്ഞുനിർത്തി, നദീതീരപ്രദേശങ്ങളിൽ മണ്ണിനടിയിലെ ജലവിതാനം വേനൽക്കാലത്ത് ഉയർത്തുന്നതിനെപ്പറ്റി ഞങ്ങൾ പലതവണ എഴുതിയിട്ടുണ്ട്. ആറേഴുകൊല്ലം മുമ്പ് അന്നത്തെ ജലസേചനകാര്യമന്ത്രി ഇതിനായി ഒരു തടയണ (ചെക്ക്ഡാം) പദ്ധതി ആവിഷ്കരിച്ചു. പിന്നെ വന്ന സർക്കാരും അക്കാര്യം പറയുകയുണ്ടായി. ഒന്നും നടന്നില്ല. ഇന്നിപ്പോൾ സർക്കാരിതാ സമഗ്രമായൊരു ജലവിഭവ സംരക്ഷണ പദ്ധതിയുമായി വന്നിരിക്കുന്നു. ഇതെങ്കിലും ഫലപ്രദ മായിത്തീരട്ടെ.

വളരെ ആകർഷകമാണ് മന്ത്രി നിയമസഭയിൽ പ്രഖ്യാപിച്ചിട്ടുള്ള ജലനയം. പോരായ്മകൾ ഇല്ലെന്നല്ല. ലഭ്യത, ആവശ്യം, ഉപയോഗം, സംരക്ഷണം, വികസനം എന്നിങ്ങനെ ജലവിഭവത്തിന്റെ എല്ലാ വശങ്ങളേയും സഗൗരവം പരിഗണിക്കാൻ സർക്കാരിനു കഴിഞ്ഞിട്ടുണ്ട്. പരിപാടികൾ ഓരോന്നായി നടപ്പാക്കുമ്പോൾ, പോരായ്മകൾ കണ്ണിൽപ്പെടും. അപ്പോഴതിനു സത്വര പരിഹാരം കാണാനും അതു പ്രയോഗിക്കാനും കഴിയും. ഇതിന്നായി രൂപീകരിക്കുന്ന ജലവിഭവ നിയന്ത്രണ സമിതി ഒരു രാഷ്ട്രീയ സമിതിയല്ല, വിദഗ്ധസമിതി തന്നെയാണെന്നതുകൊണ്ടാണ്. ഇതിന്റെ സാഫല്യത്തിൽ വിശ്വാസം തോന്നുന്നത്. 12 അംഗങ്ങളുള്ളൊരു ഭരണസമിതിയും 10 അംഗങ്ങളുള്ള ഒരു നിർവാഹക സമിതിയും ചേർന്നതാണിത്. ഭരണസമിതിയുടെ അധ്യക്ഷൻ മന്ത്രിയാണ്. അംഗങ്ങൾ ബന്ധപ്പെട്ട വകുപ്പുകളുടെയും സ്ഥാപനങ്ങളുടെയും തലവന്മാരും ഏതാനും ശാസ്ത്രജ്ഞന്മാരും എഞ്ചിനീയർമാരുമാണ്. ജലവിഭവകാര്യങ്ങളിൽ വിദഗ്ധനായ ഒരാളാണ്

മെമ്പർസെക്രട്ടറി. അദ്ദേഹം അധ്യക്ഷനും എഞ്ചിനീയർമാരും ശാസ്ത്രജ്ഞന്മാരും വിദഗ്ധരും അംഗങ്ങളുമായിട്ടാണ് നിർവ്വാഹക സമിതിയുടെ ഘടന. പുതിയ നിയമ മനുസരിച്ച് എന്തെങ്കിലുമൊക്കെ ചെയ്യണം എന്ന ആഗ്രഹവും നിശ്ചയവും ഈ ഘടനയിൽ പ്രതിഫലിക്കുന്നുണ്ട്. ഇനി ഒന്നു കൂടി വേണം. ഈ നയത്തിന്റെ നിർവഹണത്തിൽ സർക്കാർ തലത്തിൽ ചെയ്യുന്നപ്രയത്നത്തോളം തന്നെ പ്രധാന മാണു ജനസഹകരണവും എന്നതുകൊണ്ട് അതു സംഘടിപ്പിക്കാൻ പഞ്ചായത്തു തലത്തിൽ ഒരു ജനകീയ പ്രസ്ഥാനം കൂടി തുടങ്ങണം.

(മാതൃഭൂമി 1992 ഏപ്രിൽ 1 ലെ മുഖപ്രസംഗത്തിൽ നിന്ന്).

പദങ്ങളുടെ അർഥം

ജലനയം	जलनीति	നദി	नदी
കിഴക്ക്	पूर्व	സഹ്യാദ്രി	सह्याद्रि
പടിഞ്ഞാറ്	पश्चिम	അറബിക്കടൽ	अरब समुद्र
ഇടയ്ക്ക്	बीच में	ചെരിഞ്ഞ്	टेकना
നെടുകേ	लंबाई से	ഒഴുകുക	बहना
ഒഴിച്ച്	के अलावा	സമുദ്രം	समुद्र (सागर)
കുത്തിഒഴുകുക	प्रवाह से बहना	ശരാശരി	औसह
പെയ്യുക	बरसना	ശതമാനം	प्रतिशन
വറ്റുക	सूख जाना	ജലവൈദ്യുതപദ്ധതി	जल-विद्युत योजना
ഉപയോഗിക്കുക	उपयोग करना	വൈദ്യുതി	विद्युत
അതിധാരാളം	अति प्रचुर	കാട്	कानन, वन
മേട്	पहाडी	തടഞ്ഞൊഴുകുക	रुक रुककर बहना
കുളം	तालाब	കിണർ	कुएँ
വെള്ളക്കെട്ടു സ്ഥലങ്ങൾ	जहाँ पानी ठहरता है	കെട്ടിനിൽക്കുക	पानी ठहरता
പരക്കുക	फैलना	ജീവജലം	जीव नल
തടഞ്ഞുനിർത്തുക	बाध डालना	തീരപ്രദേശങ്ങൾ	समुद्र तट प्रदेश
വേനൽക്കാലം	गर्मी	ഉയർത്തുക	उडाना
ജലസേചനകാര്യമന്ത്രി	सिंचाई का मंत्री	തടയണ	छोटा बाँध
പദ്ധതി	योजना	ആവിഷ്കരിക്കുക	विचार प्रस्तुत करना
സമഗ്രം	समग्र	ഫലപ്രദമായി	फलप्रद
ആകർഷകം	आकर्षक	നിയമസഭ	विधान सभा

പ്രഖ്യാപിക്കുക	घोषित करना	പോരായ്മ	अपमान
ലഭ്യത	लभ्यता	ഉപയോഗം	उपयोग
സംരക്ഷണം	संरक्षण	വികസനം	विकास
ജലവിഭവം	जल संसाधन	വശങ്ങൾ	वश
സഗൗരവം	गंभीरता से	പരിഗണിക്കുക	परिगणना करना
നടപ്പാക്കുക	जारी रखना	കണ്ണിൽപ്പെടുക	आँख मे आना
സത്വരപരിഹാരം	सत्वर परिहार,	രൂപീകരിക്കുക	रूप देना
രാഷ്ട്രീയ സമിതി	राष्टीय समिति	വിദഗ്ധസമിതി	विदग्ध समिति
സാഫല്യം	साफल्य	വിശ്വാസം	विश्वास
അംഗങ്ങൾ	अंग	ഭരണസമിതി	शासन समिति
നിർവാഹകസമിതി	निर्वाहक समिति	അധ്യക്ഷൻ	अध्यक्ष
വകുപ്പ്	विभाग	സ്ഥാപനങ്ങൾ	संस्थाऐं
തലവന്മാർ	अध्यक्ष	ശാസ്ത്രജ്ഞന്മാർ	वैज्ञानिक
എഞ്ചിനീയർ	इंजनीयर	ജലവിഭവകാര്യം	जल संसाधक कार्य
ഘടന	रचना	നിയമം	नियम
ആഗ്രഹം	आग्रह	നിശ്ചയം	निश्चय
പ്രതിഫലിക്കുക	प्रतिफलन होना	നയം	नीति
നിർവ്വഹണം	निर्वाह	സർക്കാർ തലം	सरकारी तल
പ്രയത്നം	प्रयत्न	ജനസഹകരണം	जनता का सहयोग
സംഘടിപ്പിക്കുക	संघाटन करना	ജനകീയപ്രസ്ഥാനം	जनता का आंदोलन

അഭ്യാസം

I. ഉത്തരം നൽകുക

1. കേരളത്തിൽ എത്ര നദികളുണ്ട് ?
2. കേരളത്തിന്റെ കിഴക്ക്, പടിഞ്ഞാറ് അതിരുകൾ ഏവ ?
3. എന്തുകൊണ്ടാണ് കേരളത്തിലെ നദികൾ സമുദ്രത്തിലേക്ക് കുത്തിയൊഴുകുന്നത് ?
4. കേരളത്തിലെ ജലവൈദ്യുതപദ്ധതികൾ എത്രശതമാനം വെള്ളമാണ് ഉപയോഗപ്പെടുത്തുന്നത് ?
5. എന്താണ് കേരളത്തിന്റെ ജീവജലം? അത് എവിടെയൊക്കെ കെട്ടിനിന്ന് മണ്ണിനടിയിൽ പരക്കുന്നു ?
6. എന്തിനാണ് തടയണ (ചെക്ക് ഡാം) പദ്ധതി ആവിഷ്ക്കരിച്ചത് ?
7. ജലവിഭവത്തിന്റെ ഏതെല്ലാം വശങ്ങൾ സർക്കാരിനു പരിഗണിക്കാൻ കഴിഞ്ഞിട്ടുണ്ട് ?
8. എന്തുകൊണ്ടാണ് ജലവിഭവനിയന്ത്രണ സമിതിയിൽ വിശ്വാസം തോന്നുന്നത് ?

9. ജലവിഭവ നിയന്ത്രണസമിതിയിൽ എത്ര അംഗങ്ങളുണ്ട്. ആരാണ് ഭരണ സമിതിയുടെ അധ്യക്ഷൻ ?
10. നിർവാഹക സമിതിയുടെ ഘടന എങ്ങിനെയാണ് ?
11. ജലസഹകരണം കൂടി സംഘടിപ്പിക്കാൻ എന്തു ചെയ്യണം ?

മലയാളത്തിൽ തർജമ ചെയ്യുക.

पत्रकार - जब आप को मालूम हुआ कि आपकी पहली पुस्तक को राज्य साहित्य अकादमी का पुरस्कार मिला है तो आप की क्या प्रतिक्रिया थी ?

लेखक - प्रसन्न हुआ, बहुत प्रसन्न हुआ । और क्या कह सकता हूँ ?

पत्रकार - आप सब से कम आयुवाले लेखक हैं जिस को ऐसा पुरस्कार मिला है । आप को इस के विषय में क्या कहना है ?

लेखक - क्या आप सोचते हैं कि सृजनात्मक साहित्य केलिए आयु कुछ करती है। क्या लेखन का महत्व है या लेखक की आयु का ।

पत्रकार - मेरा यह मतलब नहीं था । परंतु निश्चित रूप से आयु से मनुष्य के अनुभव में वृद्धि होती है और विविध अनुभवों का मतलब है विषयवस्तु के गहन विश्लेषण के लिए अधिक अवसर।

लेखक - मैं इस से सहमत हूँ। लेकिन कम आयु के लोगों के अनुभव भी साहित्य में चित्रित करने के योग्य हैं ।

पत्रकार - अवश्य, अवश्य। जब आप ने पुस्तक का प्रकाशन किया तो क्या आपने किसी पुरस्कार की आशा की थी ?

लेखक - नहीं, बिलकुल नहीं। मैं नहीं समझता कि कोई लेखक ऐसा समझता है। लोग पुरस्कार पाने की आशा में नहीं लिखते। वे इसलिए लिखते हैं कि वे अनुभव करते हैं कि वे जो भी अनुभव करते हैं उसको व्यक्त करें। जब तक वे लिखते नहीं, व्याकुल रहते हैं ।

पत्रकार - आप का उपन्यास पत्रिका के अंकों में निकल रहा था तब आप को लोगों की प्रतिक्रिया मिली होगी। क्या मनसे आप को अनुमान लगा कि आप को कोई पुरस्कार मेलेगा ?

लेखक - मैं कैसे अनुमान कर सकता हूँ और क्यों अनुमान कर सकता हूँ ?

पत्रकार - क्या उस का मतलब है कि आप ऐसे पुरस्कार की परवाह नहीं करते?

लेखक - मैं उतना बडा लेखक नहीं हूँ। मैं ने अभी लिखना शुरु किया है । मुझे अपने पाठकों की राय की चिन्ता रहती है और उन से पता लगाना है कि वे मेरी पुस्तकों को क्यों मान्यता देते हैं । उन के विचार जानना संतोषप्रद है ।

पत्रकार - क्या लेखन आप का पेशा है या शौक?

लेखक - आप जानते हैं कि मैं पेशे से डॉक्ट्टर् हूँ। लोकन साहित्य मेरा जीवन है। तरह तरह के साहित्य पढने से मुझे बडी प्रसन्नता होती है। पढने से लेखन का गुण विकसित होता है। एक लेखक जीवन भर विध्यार्थी रहता है । वह प्रकृति से सीखता है। मानव जाति के इतिहास से भी सीखता है।

पत्रकार - एक डॉक्ट्टर् होकर और इतनी नामवाली अस्पताल में काम करते हुए क्या आप को पढने और लिखने के लिए समय मिलता है।

लेखक - जहाँ चाह है वहाँ राह है ।

पत्रकार - क्या अपने पाठकों और नये लेखकों केलिए आप के पास कोई संदेश है ।

लेखक - मैं अपने पाठकों का कृतज्ञ हूँ। मैं नव लेखकों को सलाह देने केलिए एक तुच्छ व्यक्ति हूँ। हर लेखक का अपना संसार होता है ।